जशोर

अध्याय 1

1 परमेश् वर कहलथिन, "आउ, हम सभ अपन प्रतिरूप मे मनुष् य कैं अपन प्रतिरूप मे बनाबी आ परमेश् वर अपन प्रतिरूप मे मनुष् य कैं सृजित कयलनि।"
2 परमेश् वर मनुख कैं जमीन सँ बनौलनि आ ओ ओकर नाकक छेद मे जीवनक साँस उड़ा देलनि आ मनुष् य एकटा जीवित प्राणी बनि गेलाह जे वाणी सँ सम्पन्न भऽ गेलाह।
3 प्रभु कहलथिन, "मनुष्य कैं असगर रहब नीक नहि। हम हुनका एकटा सहायक बना देबनि।
4 प्रभु आदम पर गहींर नींद छोड़ि देलनि, आ ओ सुति गेलाह, आ ओ हुनकर एकटा पसली छीनि लेलनि, आ ओहि पर मांस बनौलनि, आ ओकरा बना क' आदम लग पहुँचा देलनि, आ आदम अपन नींद सँ जागि गेलाह, आ देखलनि जे हुनका सामने एकटा महिला ठाढ़ छलीह।
5 ओ कहलथिन, "ई हमर हड्डीक हड्डी अछि आ एकरा स्त्री कहल जायत, किएक तँ ई पुरुष सँ हटि गेल अछि। आदम ओकर नाम हव्वा रखलनि, कारण ओ सभ जीवित लोकक माय छलीह।
6 परमेश् वर हुनका सभ कैं आशीष दऽ कऽ हुनका सभक नाम आदम आ हव्वा रखलनि जाहि दिन हुनका सभ कैं सृष्टि कयलनि।
7 परमेश् वर परमेश् वर आदम आ हुनकर स् त्री कैं लऽ गेलाह आ ओकरा सभ कैं अदन बगीचा मे राखि देलथिन जे ओ ओकरा सभ कैं सजबैत रहथि। ओ ओकरा सभ कैं आज्ञा देलथिन आ कहलथिन, "बगीचाक हरेक गाछ सँ अहाँ सभ खा सकैत छी, मुदा नीक-बेजायक ज्ञानक गाछक फल सँ अहाँ सभ नहि खाउ, किएक तँ जाहि दिन अहाँ सभ ओहि गाछक फल खाएब ताहि दिन अहाँ सभ मरि जायब।"
8 जखन परमेश् वर हुनका सभ कैं आशीष दऽ कऽ आज्ञा देलथिन तँ ओ हुनका सभ सँ चलि गेलाह आ आदम आ हुनकर पत्नी ओहि आज्ञाक अनुसार बगीचा मे रहि गेलाह जे प्रभु हुनका सभ कैं आज्ञा देने छलाह।
9 परमेश् वर जे साँप हुनका सभक संग पृथ् वी पर बनौने छलाह, से हुनका सभ कैं परमेश् वरक आज्ञाक उल्लंघन करबाक लेल उकसाबय लेल हुनका सभ लग आबि गेलाह।
10 साँप ओहि स् त्री कैं ज्ञानक गाछक फल खाय लेल लोभौलक आ मना लेलक, आ ओ स् त्री साँपक आवाज सुनलक आ परमेश् वरक वचनक उल्लंघन केलक आ नीक-बेजायक ज्ञानक गाछ मे सँ लऽ लेलक आ ओ खा गेल आ ओहि मे सँ लऽ कऽ अपन पति कैं सेहो दऽ देलक आ ओ खा गेल।
11 आदम आ हुनकर पत्नी परमेश् वरक आज्ञाक उल्लंघन कयलनि, आ परमेश् वर ई बात जनैत छलाह आ हुनका सभ पर हुनकर क्रोध भड़कि गेलनि आ ओ हुनका सभ कैं श्राप देलनि।
12 ओहि दिन परमेश् वर हुनका सभ कैं अदन बगीचा सँ भगा देलथिन जाहि सँ ओ सभ ओहि जमीन मे खेती करथि आ ओ सभ अदन बगीचाक पूरब मे रहि गेलाह। आदम अपन पत्नी हव्वा कैं चिन्हलनि आ हुनका दू टा बेटा आ तीन टा बेटी भेलनि।
13 ओ जेठका बच्चाक नाम कैन रखलनि आ कहलथिन, "हमरा प्रभु सँ एकटा आदमी भेटल अछि आ दोसरक नाम ओ हाबिल रखलनि, कारण ओ कहने छलीह जे, "हम सभ व्यर्थ मे पृथ् वी पर आबि गेलहुँ आ व्यर्थ मे ओकरा सँ हटि जायब।"
14 लड़का सभ पैघ भेल आ ओकर पिता ओकरा सभ कैं ओहि देश मे अपन सम्पत्ति दऽ देलक। कैन जमीनक जोतनिहार छलाह आ हाबिल भेँड़ाक रखवाला छलाह।
15 किछु वर्ष समाप्त भेला पर ओ सभ प्रभुक लेल अनुमानित बलिदान अनलनि आ कैन जमीनक फल मे सँ आ हाबिल अपन भेँड़ाक पहिल बच्चा सभ मे सँ ओकर चर्बी सँ अनलनि, आ परमेश् वर घुमि कऽ हाबिल आ हुनकर बलिदान दिस झुकि गेलाह आ प्रभु सँ आगि स् वर्ग सँ उतरि कऽ ओकरा भस्म कऽ देलनि।
16 परमेश् वर कैन आ ओकर बलिदान दिस नहि घुरलाह आ ओ ओहि दिस झुकल नहि छलाह, किएक तँ ओ जमीनक नीच फल सँ प्रभुक समक्ष अनने छलाह आ एहि कारणेँ कैन कैं अपन भाय हाबिल सँ ईर्ष्या भेलनि आ ओ हुनका मारबाक बहाना तकलनि।
17 किछु समयक बाद कैन आ हुनकर भाय हाबिल एक दिन खेत मे अपन काज करबाक लेल गेलाह। दुनू गोटे खेत मे छलाह, कैन अपन जमीन जोतैत आ जोतैत छलाह, आ हाबिल अपन भेँड़ा कैं पोसैत छलाह। भेँड़ा ओहि भाग सँ गुजरि गेल जे कैन जमीन मे जोतने छल, आ एहि कारणेँ कैन कैं बहुत दुखी क' देलक।
18 कैन क्रोधित भऽ अपन भाय हाबिल लग आबि कऽ कहलथिन, "हमरा आ अहाँक बीच की अछि जे अहाँ हमरा देश मे रहबाक लेल आ अपन भेँड़ा कैं चराबऽ लेल आनि रहल छी?"
19 हाबिल अपन भाय कैन कैं उत्तर देलथिन, "हमरा आ अहाँक बीच की अछि जे अहाँ हमर भेँड़ाक मांस खाउ आ ओकर ऊन सँ कपड़ा पहिरब?"
20 आब आब, हमर भेँड़ा सभक ऊन उतारि दिअ जकरा अहाँ अपना कैं पहिरने छी, आ ओकर फल आ मांसक प्रतिफल हमरा दिअ जे अहाँ खयलहुँ, आ जखन अहाँ ई काज करब तखन हम अहाँक देश सँ जेना अहाँ कहलहुँ, तेना चलि जायब?
21 कैन अपन भाय हाबिल कैं कहलथिन, "आइ जँ हम अहाँ कैं मारि देब तँ हमरा सँ अहाँक खून के मांगत?"
22 हाबिल कैन कैं उत्तर देलथिन, "हमरा सभ कैं पृथ् वी पर बनौनिहार परमेश् वर हमर काजक बदला लेताह आ जँ अहाँ हमरा मारि देब तँ ओ अहाँ सँ हमर खून माँगताह, किएक तँ प्रभु न्यायाधीश आ पंच छथि, आ ओएह छथि जे मनुष्य कैं ओकर अधलाहक अनुसार प्रतिफल देताह, आ दुष्ट कैं ओहि दुष्टताक अनुसार प्रतिफल देताह जे ओ पृथ् वी पर कऽ सकैत अछि।"
23 आब जँ अहाँ हमरा एतऽ मारि देब तँ परमेश् वर अहाँक गुप्त विचार कैं अवश्य जनैत छथि आ अहाँ कैं ओहि दुष् टताक लेल न्याय करताह जे अहाँ आइ हमरा संग करबाक घोषणा केलहुँ।
24 जखन कैन अपन भाय हाबिलक कहल बात सुनि कऽ देखलनि जे कैनक क्रोध अपन भाय हाबिल पर ई बात कहबाक कारणेँ प्रज्वलित भऽ गेलनि।
25 कैन जल्दी-जल्दी उठि कऽ अपन जोतबला वाद्ययंत्रक लोहाक भाग ल' लेलक, जाहि सँ ओ अचानक अपन भाय कैं मारि देलक आ ओकरा मारि देलक, आ कैन अपन भाय हाबिल केर खून पृथ्वी पर उझलि देलक आ हाबिल केर खून झुंडक आगू मे पृथ्वी पर बहय लागल।
26 एकर बाद कैन अपन भाय कैं मारि कऽ पश्चाताप कयलनि, आ ओ दुखी भऽ गेलाह आ हुनका पर कानय लगलाह आ ई बात हुनका बहुत परेशान कयलनि।

27 कैन उठि कऽ खेत मे एकटा गड्ढा खोदलक, जाहि मे ओ अपन भाइक लाश राखि देलक आ ओहि पर धूरा घुमा देलक।
28 परमेश् वर कैँ बुझल गेलनि जे कैन अपन भाय संग की केने छलाह, तखन प्रभु कैन कैँ प्रगट भ' क' कहलथिन, "तोहर भाय हाबिल जे तोहर संग छल, कतय छथि?"
29 कैन फूहड़ भऽ कऽ कहलथिन, "हमरा नहि बुझल अछि, की हम अपन भाइक रखबार छी?" प्रभु हुनका कहलथिन, "अहाँ की केलहुँ?" तोहर भाय के खून के आवाज हमरा ओहि जमीन पर सँ चिचिया रहल अछि जतय अहाँ ओकरा मारने छी।
30 किएक तँ अहाँ अपन भाय कैँ मारि कऽ हमरा सोझाँ मे विडंबना बना लेलहुँ आ मोन मे सोचलहुँ जे हम अहाँ कैँ नहि देखलहुँ आ ने अहाँक सभ काज कैँ जनैत छी।
31 मुदा अहाँ ई काज केलहुँ आ अपन भाय कैँ बेकार मे वध केलहुँ आ एहि लेल जे ओ अहाँ सँ ठीक-ठीक बाजल छल, आ आब, तेँ अहाँ ओहि जमीन सँ शापित होयब जे अहाँक हाथ सँ अहाँक भाइक खून ग्रहण करबाक लेल मुँह खोललक आ जाहि मे अहाँ ओकरा गाड़लहुँ।
32 जखन अहाँ एकरा जोतब तखन ई अहाँ कैँ शुरू मे जेकाँ ताकत नहि देत, किएक तँ जमीन मे काँट-काँट आ काँट-कुश निकलत आ अहाँ अपन मृत्युक दिन धरि पृथ्वी मे घुमैत-फिरैत आ भटकैत रहब।
33 ओहि समय कैन प्रभुक सोझाँ सँ बाहर निकलि गेलाह, जतय ओ छलाह आ अदनक पूरब दिसक देश मे घुमैत-फिरैत भटकैत गेलाह।
34 ओहि समय मे कैन अपन पत्नी कैँ चिन्हलनि आ ओ गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म देलनि आ ओ हुनकर नाम हनोक रखलनि आ कहलथिन, "ओहि समय मे प्रभु हुनका पृथ् वी पर विश्राम आ शान्त करऽ लगलाह।"
35 ओहि समय मे कैन सेहो एकटा नगर बनाबय लगलाह, आ ओ नगरक निर्माण कयलनि आ ओ अपन पुत्रक नामक अनुसार नगरक नाम हनोक रखलनि। किएक तँ ओहि समय मे प्रभु हुनका पृथ् वी पर विश्राम दऽ देने छलाह, आ ओ शुरू मे जेकाँ घुमैत-फिरैत आ भटकैत नहि छलाह।
36 हनोक सँ इरादक जन्म भेलनि, आ इराद सँ मचुआएल आ मचुयाएल सँ मथुसाएल भेलनि।

अध्याय 2

1 आदमक पृथ्वी पर जीवनक सय तीसम वर्ष मे ओ अपन पत्नी हव्वा कैँ फेर सँ चिन्हलनि, आ ओ गर्भवती भ' क' हुनकर प्रतिरूप आ प्रतिरूप मे एकटा बेटा कैँ जन्म देलनि, आ ओ हुनकर नाम सेत रखलनि, ई कहैत जे, "किएक तँ परमेश् वर हमरा हाबिलक स्थान पर एकटा आओर वंशज नियुक्त कयलनि अछि, किएक तँ कैन हुनका मारि देने छथि।"
2 सेत एक सय पाँच वर्ष जीवित रहलाह आ हुनका एकटा बेटा भेलनि। सेत अपन पुत्रक नाम एनोश रखलनि आ कहलथिन, "किएक तँ ओहि समय मे मनुष् यक पुत्र सभ बढ़य लागल आ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह कऽ कऽ अपन प्राण आ हृदय कैँ कष्ट देबऽ लागल।"
3 एनोशक समय मे मनुष् यक पुत्र सभ परमेश् वरक विद्रोह आ उल्लंघन करैत रहलाह, जाहि सँ प्रभुक क्रोध बढ़ैत रहलाह।
4 मनुष् यक पुत्र सभ जा कऽ आन देवता सभक आराधना कयलक आ पृथ् वी पर सृजित प्रभु कैँ बिसरि गेल।
5 हरेक आदमी अपन देवता बनौलक आ ओकरा सभ कैँ प्रणाम कयलक आ मनुष् य-पुत्र सभ एनोश आ ओकर सन्तानक भरि दिन परमेश् वर कैँ छोड़ि देलक। ओ सभ पृथ् वी पर कयल गेल काज आ घृणित काज सभक कारणेँ प्रभुक क्रोध प्रज्वलित भऽ गेल।
6 परमेश् वर गिहोन नदीक पानि ओकरा सभ पर भारी पड़ि गेलाह आ ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ कऽ भस्म कऽ देलनि आ पृथ् वीक एक तिहाई भाग कैँ नष्ट कऽ देलनि आ तकर बादो मनुष् य सभक पुत्र सभ अपन दुष् ट रस् ता सँ नहि घुरलनि आ प्रभुक नजरि मे अधलाह काज करबाक लेल हुनकर सभक हाथ एखनो पसारि गेल छलनि।
7 ओहि समय मे पृथ् वी पर ने बोवाई होइत छल आ ने कटनी होइत छल। आ मनुष् यक पुत्र सभक लेल भोजन नहि छल आ ओहि समय मे अकाल बहुत बेसी छल।
8 ओहि दिन मे जे बीया ओ सभ जमीन मे रोपने छलाह, से काँट, काँट आ काँट बनि गेल। कारण आदमक समय सँ पृथ्वीक विषय मे ई घोषणा छल, परमेश् वरक श्रापक, जकरा ओ पृथ्वी कैँ श्राप देलनि, आदम प्रभुक समक्ष पाप कयल गेल पापक कारणेँ।
9 जखन मनुष् य परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह आ उल्लंघन करैत रहल आ अपन बाट बिगाड़ैत रहल तखनहि पृथ् वी भ्रष्ट भऽ गेल।
10 एनोश नब्बे वर्ष जीवित रहलाह आ हुनका कैननक जन्म भेलनि।
11 कैनन पैघ भेलाह आ चालीस वर्षक भऽ गेलाह, ओ बुद्धिमान भऽ गेलाह आ सभ बुद्धि मे ज्ञान आ निपुण भऽ गेलाह आ मनुष् य सभक सन् तान सभ पर राज कयलनि आ मनुष् य सभक सन् तान सभ कैँ बुद्धि आ ज्ञान दिस लऽ गेलाह। कैनन बहुत बुद्धिमान छलाह आ सभ बुद्धि मे बुद्धिमान छलाह, आ अपन बुद्धि सँ ओ आत् मा आ दुष् टात् मा सभ पर राज करैत छलाह।
12 कैनन कैँ अपन बुद्धि सँ बुझल छल जे परमेश् वर मनुष् यक पुत्र सभ कैँ पृथ् वी पर पाप करबाक कारणेँ नष्ट कऽ देताह आ परमेश् वर हुनका सभ पर जलप्रलयक पानि अनताह।
13 ओहि समय मे कैनन पाथरक पाटी पर लिखैत छलाह जे आगामी समय मे की होबय बला अछि आ ओकरा अपन खजाना मे राखि देलनि।
14 कैनन समस्त पृथ् वी पर राज केलनि आ मनुष् यक किछु पुत्र सभ कैँ परमेश् वरक सेवा मे घुमा देलनि।
15 कैनन सत्तरि वर्षक भेला पर हुनका तीन टा बेटा आ दू टा बेटी भेलनि।
16 ई सभ कैननक सन् तान सभक नाम अछि। पहिल जन्मल महलालेल, दोसर एनान आ तेसर मेरेद आ ओकर बहिन सभ अदा आ जिल्ला छल। ई सभ कैननक पाँचटा संतान अछि जे हुनका सँ भेल छलनि।
17 मथुसाएलक पुत्र लमेक विवाहक कारणेँ कैनन सँ संबंधित भऽ गेलाह आ ओ अपन दुनू बेटी कैँ अपन पत्नीक रूप मे ल' लेलनि आ आदा गर्भवती भ' क' लामेक कैँ एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम जबल रखलनि।
18 ओ फेर गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म देलनि आ ओकर नाम जुबल रखलनि। ओहि समय मे हुनकर बहिन जिल्ला बंजर छलीह आ हुनका कोनो संतान नहि छलनि।

19 ओहि समय मे मनुष् यक पुत्र सभ परमेश् वरक विरुद्ध अपराध करय लगलाह आ आदम कैँ जे आज्ञा देने छलाह, ओकर उल्लंघन करय लगलाह, जाहि सँ ओ पृथ् वी मे फल-फूल आ बढ़य।
20 मनुखक किछु पुत्र सभ अपन पत्नी सभ कैँ एकटा एहन ड्राफ्ट पीबैत छलाह जे हुनका सभ कैँ बंजर बना दैत छलनि, जाहि सँ ओ सभ अपन आकृति कैँ बरकरार राखथि आ जाहि सँ हुनकर सुन्दर रूप फीका नहि पड़य।
21 जखन मनुष् यक पुत्र सभ अपन किछु स् त्री कैँ पीबय लगलाह तँ जिल्ला हुनका सभक संग पीबि गेलाह।
22 ओ सभ संतान-प्रसवक स् त्रीगण सभ अपन पति सभक नजरि मे विधवा जकाँ घृणित बुझाइत छलीह, किएक तँ ओ सभ मात्र बंजर सभ सँ जुड़ल रहैत छलीह।
23 दिन आ वर्षक अंत मे जखन जिल्ला बूढ़ भेलीह तखन प्रभु हुनकर गर्भ खोलि देलनि।
24 ओ गर्भवती भेलीह आ एकटा पुत्रक जन्म भेलनि आ ओकर नाम तुबल कैन रखलनि आ कहलथिन, "हम मुरझा गेलाक बाद हम ओकरा सर्वशक्तिमान परमेश् वर सँ पाबि लेलहुँ।"
25 ओ फेर गर्भवती भेलीह आ एकटा बेटीक जन्म लेलनि आ हुनकर नाम नामा रखलनि, कारण ओ बजलीह, "हम मुरझा गेलाक बाद हम प्रसन्नता आ आनन्द पाबि गेलहुँ।"
26 लामेक बूढ़ आ बूढ़ भ' गेल छल, आ ओकर आँखि मंद भ' गेल छलैक जे ओ देखि नहि सकैत छलैक, आ ओकर पुत्र तुबल कैन ओकरा ल' रहल छलैक आ एक दिन लामेक खेत मे गेल छलैक आ ओकर बेटा तुबल कैन ओकरा संग छलैक, आ जखन ओ सभ खेत मे घुमैत छलैक तखन आदमक बेटा कैन ओकरा सभक दिस बढ़ि गेलैक। कारण, लामेक बहुत बूढ़ छल आ बेसी देखि नहि सकैत छल, आ ओकर बेटा तुबल कैन बहुत छोट छल।
27 तखन तुबल कैन अपन पिता कैँ अपन धनुष खींचबाक लेल कहलथिन आ बाण सँ ओ कैन कैँ मारि देलथिन जे एखन धरि दूर छल आ ओ ओकरा मारि देलक, किएक तँ ओ ओकरा सभ कैँ जानवर जकाँ देखा रहल छल।
28 कैन सँ दूर रहला पर सेहो बाण सभ कैनक शरीर मे घुसि गेल आ ओ जमीन पर खसि पड़ल आ मरि गेल।
29 परमेश् वर कैनक दुष् टताक प्रतिफल ओ अपन भाय हाबिलक संग कयलनि।
30 जखन कैन मरि गेलाह तखन लमेक आ तुबल ओहि जानवर कैँ देखय लेल गेलाह, जकरा ओ सभ मारने छलाह, तखन ओ सभ देखलनि जे हुनकर पितामह कैन धरती पर मरि गेल छलाह।
31 लामेक ई काज कऽ कऽ बहुत दुखी भेलाह आ ताली बजा कऽ ओ अपन बेटा कैँ मारि कऽ मारि देलनि।
32 लामेकक स् त्रीगण सभ लामेकक काज सुनि कऽ ओकरा मारबाक प्रयास कयलक।
33 ओहि दिन सँ लामेकक स् त्री सभ हुनका सँ घृणा करैत रहलाह, किएक तँ ओ कैन आ तुबल कैन कैँ मारि देलनि आ लामेकक स् त्री सभ हुनका सँ अलग भऽ गेलाह।
34 लामेक अपन पत्नी सभक लग आबि गेलाह आ हुनका सभ कैँ एहि विषय मे हुनकर बात सुनबाक लेल दबा देलथिन।
35 ओ अपन पत्नी आदा आ जिल्ला कैँ कहलथिन, "हे लमेकक पत्नी सभ हमर आवाज सुनू, हमर बात पर ध्यान दियौक, किएक तँ आब अहाँ सभ कल्पना कएने छी जे हम एकटा आदमी कैँ अपन घाव सँ मारि देलियैक, आ एकटा बच्चा कैँ अपन चोट सँ मारि देलियैक, कारण ओ सभ कोनो हिंसा नहि केने छल, मुदा निश्चित रूप सँ ई जानि लिअ जे हम बूढ़ आ धूसर माथ छी, आ हमर आँखि उम्रक कारणेँ भारी भ' गेल अछि, आ हम ई काज केलहुँ।" अनजाने मे।
36 एहि विषय मे लामेकक पत्नी सभ हुनकर बात सुनलनि आ ओ सभ अपन पिता आदमक सलाह लऽ कऽ हुनका लग घुरि गेलीह, मुदा ओहि समय सँ हुनका सँ कोनो संतान नहि भेलनि, ई जानि जे ओहि समय मे परमेश् वरक क्रोध बढ़ि रहल छलनि जे मनुष् य सभक पुत्र सभ पर हुनका सभ कैँ बाढ़िक पानि सँ नष्ट कऽ देलनि।
37 कैननक पुत्र महलालेल पंसठ वर्षक उम्र मे रहलाह आ हुनका यारेदक जन्म भेलनि। जेरेद बासठि वर्ष जीवित रहलाह आ हुनका हनोकक जन्म भेलनि।

अध्याय 3

1 हनोक पँसठि वर्ष जीवित रहलाह आ हुनका मतुसेलाक जन्म भेलनि। हनोक मथुशेल के जन्म देला के बाद परमेश् वर के साथ चलै छेलै आरु प्रभु के सेवा करै छेलै आरु मनुष् य के बुराई कॅ तिरस्कार करै छेलै।
2 हनोकक प्राण प्रभुक शिक्षा मे, ज्ञान आ समझ मे लपेटल गेल। ओ बुद्धिमानी सँ मनुष् यक पुत्र सभ सँ निवृत्त भऽ गेलाह आ कतेको दिन धरि हुनका सभ सँ गुप्त रहलाह।
3 कतेको वर्षक समाप्ति पर जखन ओ प्रभुक सेवा करैत छलाह आ हुनकर घर मे हुनका सामने प्रार्थना करैत छलाह, तखन परमेश् वरक एकटा स् वर्गदूत स् वर्ग सँ हुनका बजा कऽ कहलथिन, "हम एतय छी।"
4 ओ कहलथिन, "उठू, अपन घर आ जतऽ अहाँ नुकायल छी, ओहि ठाम सँ बाहर जाउ आ मनुष् य-पुत्र सभक समक्ष प्रगट भऽ जाउ, जाहि सँ अहाँ हुनका सभ कैँ ई सिखा सकब जे हुनका सभ कैँ कोन बाट पर जेबाक चाही आ परमेश् वरक बाट मे प्रवेश करबाक लेल कोन काज पूरा करबाक चाही।"
5 हनोक प्रभुक वचनक अनुसार उठि कऽ अपन घर सँ, अपन स्थान आ कोठली सँ बाहर निकलि गेलाह जाहि मे ओ नुकायल छलाह। ओ मनुष् य-पुत्र सभ लग जा कऽ प्रभुक बाट सिखबैत छलाह आ ओहि समय मे मनुष् य-पुत्र सभ कैँ एकत्रित कयलनि आ प्रभुक शिक्षा सँ परिचित करौलनि।
6 ओ आज्ञा देलथिन जे जतऽ मनुष् यक पुत्र सभ रहैत छथि, ओहि सभ ठाम ई प्रचार कयल जाय, "ओ आदमी कतय अछि जे प्रभुक बाट आ नीक काज कैँ जानय चाहैत अछि?" हनोक लग आबि जाउ।
7 तखन सभ मनुष् य-पुत्र हुनका लग जमा भऽ गेलाह, किएक तँ एहि बातक इच्छा रखनिहार सभ हनोक लग गेलाह, आ हनोक प्रभुक वचनक अनुसार मनुष्यक पुत्र सभ पर राज केलनि, आ ओ सभ आबि हुनका प्रणाम कयलनि आ हुनकर वचन सुनलनि।
8 परमेश् वरक आत् मा हनोक पर छल, आ ओ अपन सभ लोक कैँ परमेश् वरक बुद्धि आ हुनकर बाट सिखबैत छलाह, आ मनुष् य-पुत्र सभ हनोकक भरि दिन प्रभुक सेवा करैत रहलाह आ ओ सभ हुनकर बुद्धि सुनबाक लेल आबि गेलाह।
9 मनुष् यक सन् तानक सभ राजा सभ, पहिल आ अंतिम, अपन मुखिया आ न्यायाधीश सभक संग हनोक लग आबि गेलाह आ ओ

सभ हनोक लग प्रणाम कयलनि आ ओ सभ हनोक सँ सेहो हुनका सभ पर राज करबाक आग्रह कयलनि, जाहि सँ ओ सहमत भेलाह।
10 ओ सभ एक सय तीस राजा आ राजकुमार सभ जमा भऽ गेलाह आ हनोक कैँ हुनका सभक राजा बनौलनि आ सभ हुनकर अधिकार आ आज्ञाक अधीन रहलाह।
11 हनोक हुनका सभ कैँ बुद्धि, ज्ञान आ प्रभुक बाट सिखबैत छलाह। ओ हुनका सभक बीच शान्ति कयलनि आ हनोकक जीवन मे पूरा पृथ् वी पर शान्ति भेलनि।
12 हनोक मनुष् यक पुत्र सभ पर दू सय तेतालीस वर्ष धरि राज केलनि आ अपन समस्त लोकक संग न्याय आ धार्मिकता कयलनि आ हुनका सभ कैँ प्रभुक बाट पर चलौलनि।
13 ई सभ हनोक, मतुसाला, एलीशा आ एलीमेलेक तीनटा पुत्र छथि। ओकर सभक बहिन मेल्का आ नहमा छल, आ मथुसेला सत्तासी वर्ष जीवित रहलाह आ हुनका लामेकक जन्म भेलनि।
14 लामेकक जीवनक छप्पनम वर्ष मे आदम मरि गेलाह। हुनकर मृत्युक समय हुनकर उम्र नौ सय तीस वर्ष छलनि आ हुनकर दुनू बेटा, हुनकर पुत्र हनोक आ मथुसेलक संग, हुनका बहुत धूमधाम सँ दफना देलनि, जेना राजा सभक अंतिम संस्कारक समय मे, ओहि गुफा मे जे परमेश् वर हुनका कहने छलाह |
15 ओहि ठाम आदमक कारणेँ मनुष् यक सभ पुत्र सभ बहुत शोक आ कानैत रहलाह। तेँ आइ धरि मनुष्यक पुत्र मे ई प्रथा बनि गेल अछि।
16 आदम ज्ञानक गाछक फल खा कऽ मरि गेल। ओ आ ओकर बादक ओकर बच्चा सभ, जेना प्रभु परमेश् वर कहने छलाह।
17 आदमक मृत्युक वर्ष मे जे हनोकक शासनक दू सय तेतालीस वर्ष छल, तखन हनोक मनुष् य सभक पुत्र सभ सँ अलग रहबाक आ प्रभुक सेवा करबाक लेल पहिने जकाँ अपना कैँ गुप्त करबाक संकल्प लेलनि।
18 हनोक एना केलक, मुदा ओकरा सभ सँ पूर्ण रूप सँ नुका कऽ नहि, बल् कि तीन दिन धरि मनुष् य सभक पुत्र सभ सँ दूर रहल आ एक दिनक लेल ओकरा सभ लग गेल।
19 तीन दिन धरि जे ओ अपन कोठली मे रहलाह, ओ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि आ हुनकर स्तुति कयलनि, आ जाहि दिन ओ अपन प्रजा सभक समक्ष प्रगट भेलाह, ओहि दिन हुनका सभ कैँ प्रभुक बाट सिखबैत छलाह आ प्रभुक विषय मे हुनका सभ सँ जतेक पुछलनि, ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन।
20 ओ बहुत वर्ष धरि एहि तरहेँ करैत रहलाह, तकर बाद ओ छह दिन धरि नुका कऽ रहलाह आ सात दिन मे एक दिन अपन लोक सभक समक्ष प्रगट भऽ गेलाह। आ तकर बाद महीना मे एक बेर, आ फेर साल मे एक बेर, जाबत धरि सभ राजा, राजकुमार आ मनुष् य-पुत्र हुनका तकैत नहि रहलाह, आ फेर हनोकक मुँह देखबाक आ हुनकर वचन सुनबाक इच्छा नहि केलनि। मुदा ओ सभ नहि क' सकल, किएक त' सभ मनुष्यक पुत्र हनोक सँ बहुत डेराइत छल, आ ओकर चेहरा पर बैसल भगवान् सन भय के कारण ओकरा लग आबय सँ डरैत छल; तेँ केओ ओकरा दिस नहि देखि सकल, एहि डर सँ जे ओकरा सजा भेटि जायत आ ओकर मृत्यु नहि भ' जायत।
21 सभ राजा आ राजकुमार सभ मनुष् य-पुत्र सभ कैँ एकत्रित करबाक आ हनोक लग आबि जेबाक संकल्प कयलनि, ई सोचि जे जखन ओ हुनका सभक बीच मे आबि जेताह, तखन सभ हुनका सँ बात कऽ सकथि।
22 ओ दिन आबि गेल जखन हनोक बाहर गेलाह आ सभ गोटे जमा भ' गेलाह आ हुनका लग आबि गेलाह, आ हनोक हुनका सभ कैँ प्रभुक वचन कहलथिन आ ओ हुनका सभ कैँ बुद्धि आ ज्ञान सिखबैत छलाह, आ ओ सभ हुनका समक्ष प्रणाम कयलनि आ ओ सभ कहलनि जे, "राजा जीवित रहथि!" राजा जीबैत रहथि !
23 किछु समयक बाद जखन राजा आ राजकुमार सभ आ मनुष् य-पुत्र सभ हनोक सँ गप्प कऽ रहल छलाह आ हनोक हुनका सभ कैँ परमेश् वरक बाट सिखबैत छलाह, तखन प्रभुक एकटा स् वर्गदूत स् वर्ग सँ हनोक कैँ बजा कऽ हुनका स् वर्ग मे लऽ जेबाक इच्छा रखलनि जे ओ ओतहि परमेश् वरक पुत्र सभ पर राज करथि, जेना ओ पृथ् वी पर मनुष् य-पुत्र सभ पर राज कयलनि।
24 ओहि समय जखन हनोक ई बात सुनि पृथ् वी पर रहनिहार सभ कैँ एकठाम कयलनि आ हुनका सभ कैँ बुद्धि आ ज्ञान सिखौलनि आ हुनका सभ कैँ ईश्वरीय निर्देश देलनि आ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हमरा स् वर्ग मे चढ़बाक लेल बाध्य कयल गेल अछि, तेँ हमरा नहि बुझल अछि जे हमर जेबाक दिन।"
25 आब हम अहाँ सभ कैँ बुद्धि आ ज्ञान सिखाएब आ अहाँ सभ कैँ छोड़ि देबा सँ पहिने अहाँ सभ कैँ शिक्षा देब जे अहाँ सभ एहि पृथ् वी पर कोना काज कऽ सकब जाहि सँ अहाँ सभ जीबि सकब। आ ओ एना केलनि।
26 ओ हुनका सभ कैँ बुद्धि आ ज्ञान सिखबैत छलाह आ हुनका सभ कैँ शिक्षा दैत छलाह आ हुनका सभ कैँ डाँटैत छलाह, आ हुनका सभक सोझाँ पृथ् वी पर करबाक लेल नियम आ न् याय सभ राखि देलनि, आ हुनका सभक बीच शान्ति कयलनि, आ हुनका सभ कैँ अनन्त जीवन सिखबैत छलाह आ किछु समय हुनका सभक संग रहलाह।
27 ओहि समय मे मनुष् य-पुत्र सभ हनोकक संग छल आ हनोक ओकरा सभ सँ गप्प कऽ रहल छल आ ओ सभ आँखि उठा कऽ स् वर्ग सँ एकटा पैघ घोड़ाक उपमा उतरि गेल आ घोड़ा हवा मे दौड़ैत गेल।
28 ओ सभ हनोक कैँ जे देखलहुँ से कहलथिन आ हनोक हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हमर कारणे ई घोड़ा पृथ् वी पर उतरि रहल अछि। समय आबि गेल अछि जखन हमरा अहाँ सँ जेबाक अछि आ आब अहाँ सभक नजरि मे नहि रहब।
29 ओहि समय मे घोड़ा उतरि कऽ हनोकक सोझाँ ठाढ़ भऽ गेल आ हनोकक संग रहनिहार सभ मनुष् य-पुत्र हुनका देखि लेलक।
30 तखन हनोक फेर एकटा आवाज प्रचारित करबाक आदेश देलथिन जे, "जे आदमी अपन परमेश् वर परमेश् वरक बाट जानि कऽ उत् पन् न होइत अछि, से कतऽ अछि, ओकरा हमरा सभ सँ हँटबा सँ पहिने आइ हनोक लग आबि जाय।"
31 ओहि दिन सभ मनुष् यक पुत्र सभ जमा भऽ हनोक लग आबि गेलाह। ओहि दिन पृथ् वीक सभ राजा अपन-अपन राजकुमार आ सलाहकार सभक संग हुनका संग रहि गेलाह। तखन हनोक मनुष्यक पुत्र सभ कैँ बुद्धि आ ज्ञान सिखबैत छलाह आ हुनका सभ कैँ ईश्वरीय शिक्षा देलनि। ओ हुनका सभ कैँ जीवन भरि प्रभुक सेवा करबाक आ हुनकर बाट पर चलबाक आज्ञा देलनि आ ओ हुनका सभक बीच मेल-मिलाप करैत रहलाह।
32 एकर बाद ओ उठि कऽ घोड़ा पर सवार भऽ गेलाह। ओ आगू बढ़लाह आ सभ मनुष् य-पुत्र हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह,

लगभग आठ लाख आदमी। ओ सभ हुनका संग एक दिनक यात्रा चलि गेलाह।
33 दोसर दिन यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, “अपन डेरा मे घर घुरि जाउ, अहाँ सभ किएक जायब?” शायद अहाँ मरि सकैत छी; किछु गोटे हुनका लग सँ चलि गेलाह आ जे किछु बचल छलाह से हुनका संग छह दिनक यात्रा पर चलि गेलाह। हनोक सभ दिन हुनका सभ कैँ कहलथिन, “अपन डेरा दिस जाउ, कहीं अहाँ सभ मरि नहि जाउ। मुदा ओ सभ घुरबाक लेल तैयार नहि भेलाह आ ओ सभ हुनका संग चलि गेलाह।
34 छठम दिन किछु आदमी सभ रहि कऽ हुनका सँ चिपकल रहलाह आ हुनका कहलथिन, “हम सभ अहाँक संग ओहि स्थान पर जायब जतय अहाँ जायब। जेना प्रभु जीबैत छथि, तहिना मृत्यु मात्र हमरा सभ कैँ अलग क' देत।
35 ओ सभ हुनका संग जेबाक लेल एतेक आग्रह कयलनि जे ओ हुनका सभ सँ गप्प करब छोड़ि देलनि। ओ सभ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह आ घुरि कऽ नहि आबि सकलाह।
36 जखन राजा सभ घुरि कऽ अयलाह तँ ओ सभ जनगणना करौलनि जे हनोकक संग जे लोक सभ बचल छल, तकर संख्या जानि सकय। सातम दिन हनोक बवंडर मे घोड़ा आ आगि के रथ ल' क' स्वर्ग मे चढ़ल।
37 आठम दिन हनोकक संग रहनिहार सभ राजा सभ हनोकक संग जे लोक छल, ओहि ठामक लोक सभक संख्या वापस अनबाक लेल पठौलनि।
38 ओ सभ राजा ओहि ठाम गेलाह आ ओतय धरती बर्फ सँ भरल देखलनि, बर्फ पर बर्फक पैघ-पैघ पाथर छल, आ एक गोटे दोसर कैँ कहलथिन, “आउ, बर्फ कैँ तोड़ि कऽ देखू, शायद हनोकक संग रहनिहार लोक सभ मरि गेल अछि आ आब बर्फक पाथरक नीचाँ अछि, आ ओ सभ ओकरा खोजि कऽ नहि पाबि सकल, किएक तँ ओ स्वर्ग मे चढ़ि गेल छल।”

अध्याय 4

1 हनोक पृथ्वी पर जतेक दिन रहलाह, से तीन सय पैंसठ वर्ष छल।
2 हनोक जखन स् वर्ग मे चलि गेलाह तखन पृथ् वीक सभ राजा उठि कऽ हुनकर पुत्र मथुसेला कैँ लऽ कऽ अभिषेक कयलनि आ हुनका अपन पिताक स्थान पर हुनका सभक राज् य बनाओल गेलनि।
3 मथुसेला परमेश् वरक नजरि मे सोझ काज कयलनि, जेना हुनकर पिता हनोक हुनका सिखाओल गेल छलनि, आ ओ अपन पूरा जीवन मे मनुष् यक पुत्र सभ कैँ बुद्धि, ज्ञान आ परमेश् वरक भय सिखबैत छलाह, आ नीक बाट सँ ने दहिना वा बामा दिस मुड़लाह।
4 मुदा मथुसेलाक बादक समय मे मनुष् यक पुत्र सभ प्रभु सँ मुड़ि गेलाह, पृथ् वी कैँ भ्रष्ट कयलनि, एक-दोसर कैँ लूट-लूटि कऽ लूटैत रहलाह, आ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह कयलनि आ उल्लंघन कयलनि, आ अपन-अपन बाट कैँ भ्रष्ट कयलनि, आ मथुसेलाक आवाज नहि सुनय चाहैत छलाह, बल् कि हुनका विरुद्ध विद्रोह कयलनि।
5 प्रभु हुनका सभ पर बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ ओहि दिन मे प्रभु बीया कैँ नष्ट करैत रहलाह, जाहि सँ पृथ् वी पर ने बोवाई भेल आ ने फसल काटि।
6 जखन ओ सभ अपन भरण-पोषणक लेल अन्न भेटबाक लेल जमीन पर बोनि लगलाह तँ देखलहुँ जे काँट-काँट आ काँट-पात उत्पन्न भेल जे ओ सभ नहि रोपने छलाह।
7 मुदा तैयो मनुष् यक पुत्र सभ अपन दुष् ट रस् ता सँ नहि घुरल, आ परमेश् वरक नजरि मे अधलाह काज करबाक लेल अपन हाथ एखनो पसारि गेल छल, आ ओ सभ अपन दुष् ट रस् ता सँ प्रभु कैँ क्रोधित कयलक, आ प्रभु बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ पश्चाताप कयलनि जे ओ मनुष् य कैँ बनौने छथि।
8 ओ ओकरा सभ कैँ नष्ट आ सफाया करबाक विचार केलक आ ओ एना केलक।
9 ओहि समय मे जखन मतुसेलाक पुत्र लमेक एक सय साठि वर्षक छल तखन आदमक पुत्र सेत मरि गेल।
10 सेठक सभ दिन नौ सय बारह वर्ष भेल आ ओ मरि गेलाह।
11 लामेक एक सय अस्सी वर्षक छल जखन ओ अपन काका हनोकक पुत्र एलीशाक बेटी अशमुआ कैँ गर्भवती भऽ गेल।
12 ओहि समय मे मनुष् यक सन्तान सभ जमीन मे रोपैत रहलाह आ कनेक भोजन सेहो उपजलनि, मुदा मनुष् य सभक सन् तान सभ अपन दुष् ट रस् ता सँ नहि घुरलनि आ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह कयलनि।
13 ओहि समय मे लामेकक पत्नी गर्भवती भऽ हुनका एकटा पुत्रक जन्म देलथिन।
14 मथुशेल ओकर नाम नूह रखलनि आ कहलथिन, “अपन समय मे पृथ् वी शान्ति आ भ्रष्टाचार सँ मुक्त छल, आ ओकर पिता लमेक ओकर नाम मेनाकेम रखलक आ कहलक, “ई हमरा सभक काज आ पृथ् वी मे दयनीय परिश्रम सँ हमरा सभ कैँ सान्त्वना देत, जकरा परमेश् वर श्राप देने छलाह।”
15 ओ बच्चा पैघ भऽ कऽ दुध छुड़ाओल गेल आ परमेश् वरक समक्ष सिद्ध आ सोझ भऽ कऽ अपन पिता मतुसेलाक बाट पर चलि गेल।
16 ओहि समय मे सभ मनुष् य-पुत्र सभ पुत्र-बेटीक संग पृथ् वी पर बढ़ैत-बढ़ैत प्रभुक बाट सँ विदा भऽ गेलाह आ एक-दोसर कैँ अपन दुष् ट आचरण सिखबैत रहलाह आ प्रभुक विरुद्ध पाप करैत रहलाह।
17 प्रत्येक आदमी अपना लेल देवता बना लेलक, आ ओ सभ अपन पड़ोसी आ अपन परिजन कैँ सेहो लूटि कऽ लूटि लेलक आ पृथ् वी कैँ नष्ट कऽ देलक आ धरती हिंसा सँ भरि गेल।
18 ओकर सभक न्यायाधीश आ शासक सभ मनुष् य सभक बेटी सभक लग जा कऽ ओकर सभक स् त्री कैँ पति सभ सँ जबरदस्ती अपन पसिनक अनुसार लऽ लेलक, आ ओहि समय मे मनुष्यक पुत्र सभ पृथ् वीक पशु-पक्षी सभ मे सँ खेतक जानवर आ आकाशक चिड़ै सभ कैँ लऽ कऽ एक जातिक जानवर सभक संग दोसर जातिक जानवर सभक मिश्रण सिखबैत रहलाह, जाहि सँ प्रभु कैँ क्रोधित कयल जा सकय। परमेश् वर पूरा पृथ् वी कैँ देखलनि आ ओ भ्रष्ट भऽ गेल, किएक तँ पृथ् वी पर सभ मनुख आ सभ प्राणी अपन बाट बिगाड़ि देने छल।
19 परमेश् वर कहलथिन, “हम पृथ् वी पर सँ मनुष् य सँ लऽ कऽ आकाशक चिड़ै सभ धरि, मवेशी आ खेत मे रहय बला जानवर सभक संग मेटा देब, किएक तँ हम पश्चाताप करैत छी जे हम ओकरा सभ कैँ बनौने छी।”
20 प्रभुक बाट पर चलय बला सभ लोक ओहि दिन मे मरि गेलाह, जखन कि प्रभु मनुष् य पर जे दुष् टताक घोषणा केने छलाह, तकरा परमेश् वरक दुष् टता अनबा सँ पहिने, किएक तँ ई प्रभुक

दिस सँ छल, जाहि सँ ओ सभ ओहि दुष् टता कैँ नहि देखथि जे प्रभु मनुष् यक पुत्र सभक विषय मे कहलनि।
21 नूह कैँ परमेश् वरक परमेश् वरक अनुग्रह भेटलनि आ प्रभु हुनका आ हुनकर संतान सभ कैँ चुनि लेलनि जे हुनका सभ मे सँ बीया सभ कैँ पूरा पृथ् वी पर उगाओल जाय।

अध्याय 5

1 नूहक जीवनक चौरासीम वर्ष मे सेतक पुत्र हनोकक मृत्यु भेला पर ओ नौ सय पाँच वर्षक भऽ गेलाह।
2 नूहक जीवनक एक सय उनहत्तरि वर्ष मे एनोशक पुत्र कैनन मरि गेलाह आ कैननक सभ दिन नौ सय दस वर्ष भेलाह आ ओ मरि गेलाह।
3 नूहक जीवनक दू सय चौंतीसम वर्ष मे कैननक पुत्र महलालेल मरि गेलाह आ महलालेलक जीवन आठ सय पंचानबे वर्ष भेलनि आ ओ मरि गेलाह।
4 महलेलक पुत्र यारेद ओहि समय मे, नूहक जीवनक तीन सय छत्तीसम वर्ष मे मरि गेलाह। जेरेदक सभ दिन नौ सय बासठि वर्ष छल आ ओ मरि गेलाह।
5 परमेश् वर पृथ् वी पर जे अधलाह करबाक घोषणा कयलनि, तकरा देखबा सँ पहिने ओहि दिन सभ परमेश् वरक पाछाँ चलय बला सभ मरि गेलाह।
6 बहुत वर्ष बीतलाक बाद, नूहक जीवनक चारि सय अस्सीम वर्ष मे, जखन प्रभुक पाछाँ चलयवला सभ लोक मनुष्यक पुत्र सभक बीच सँ मरि गेलाह आ तखन मात्र मथुसेल रहि गेलाह, तखन परमेश् वर नूह आ मथुसेल कैँ कहलथिन।
7 अहाँ सभ मनुष् य-पुत्र सभ कैँ ई कहि कऽ कहू जे, 'प्रभु ई कहैत छथि जे, अहाँ सभ अपन दुष् ट मार्ग सँ घुरि जाउ आ अपन काज कैँ छोड़ि दियौक, आ प्रभु अहाँ सभक संग जे अधलाह करबाक बात कहलनि, ताहि पर पश्चाताप करताह, जाहि सँ ई बात नहि होयत।"
8 प्रभु ई कहैत छथि, "देखू, हम अहाँ सभ कैँ एक सय बीस वर्षक अवधि दैत छी। जँ अहाँ सभ हमरा दिस घुरब आ अपन दुष् ट मार्ग छोड़ि देब तँ हमहूँ ओहि अधलाह कैँ छोड़ि देब जे हम अहाँ सभ कैँ कहलहुँ, आ से नहि रहत, प्रभु कहैत छथि।
9 नूह आ मतुसाला मनुष् यक सन् तान सभ कैँ परमेश् वरक सभटा वचन सभ दिन-प्रतिदिन कहैत रहलाह।
10 मुदा मनुष् यक सन्तान सभ हुनका सभक बात नहि सुनय चाहैत छल आ ने हुनका सभक बात पर कान झुका रहल छल आ ओ सभ अकड़ल छल।
11 परमेश् वर हुनका सभ कैँ एक सय बीस वर्षक समय देलथिन, "जँ ओ सभ घुरि कऽ आबि जेताह तँ परमेश् वर एहि दुष् टताक लेल पश्चाताप करताह, जाहि सँ पृथ् वी कैँ नष्ट नहि कयल जायत।"
12 लामेकक पुत्र नूह ओहि समय मे संतान पैदा करबाक लेल पत्नीक विवाह करबा सँ परहेज कयलनि, कारण ओ कहलनि जे, "अखन परमेश् वर पृथ् वी कैँ नष्ट कऽ देताह, तखन हम किएक संतान पैदा करब?"
13 नूह धर्मी आदमी छलाह, अपन पीढ़ी मे सिद्ध छलाह, आ प्रभु हुनका चुनलनि जे ओ अपन वंश मे सँ बीया पृथ् वी पर ठाढ़ करथि।
14 परमेश् वर नूह कैँ कहलथिन, "एकटा स् त्री लऽ कऽ संतान पैदा करू, किएक तँ हम अहाँ कैँ एहि पीढ़ी मे अपना समक्ष धर्मी देखलहुँ।"
15 अहाँ बीया आ अपन सन् तान सभ कैँ पृथ् वीक बीच मे ठाढ़ करब। नूह जा कऽ एकटा पत्नी लऽ कऽ हनोकक बेटी नामा कैँ चुनलनि आ ओ पाँच सय अस्सी वर्षक छलीह।
16 नूह चारि सय अड़नबे वर्षक छलाह, जखन ओ नामा कैँ पत्नी बना लेलनि।
17 नामा गर्भवती भऽ एकटा पुत्रक जन्म देलनि आ ओ हुनकर नाम याफेत रखलनि आ कहलथिन, "परमेश् वर हमरा पृथ् वी पर बढ़ा देलनि। ओ फेर गर्भवती भेलीह आ एकटा पुत्रक जन्म भेलनि आ ओ हुनकर नाम शेम रखलनि आ कहलथिन, "परमेश् वर हमरा एकटा बच्चा बना देलनि अछि, जाहि सँ हम पृथ् वी मे बीया ठाढ़ कऽ सकब।"
18 जखन नामा शेम कैँ जन्म देलनि तखन नूह पाँच सय दू वर्षक छलाह आ लड़का सभ पैघ भ' क' प्रभुक बाट पर चलैत रहलाह, जे किछु मथुसेला आ हुनकर पिता नूह हुनका सभ कैँ सिखबैत छलाह।
19 ओहि समय मे नूहक पिता लमेक मरि गेलाह। तइयो ओ अपन पिताक बाट पर पूरा मोन सँ नहि चललनि आ नूहक जीवनक सय पंचानबे वर्ष मे मरि गेलाह।
20 लामेकक सभ दिन सात सय सत्तरि वर्ष भेल आ ओ मरि गेलाह।
21 परमेश् वर परमेश् वरक दुष् टता अनबा सँ पहिने जे सभ मनुष् य सभक पुत्र सभ प्रभु कैँ जनैत छलाह, ओ सभ ओहि वर्ष मरि गेलाह। कारण, परमेश् वर हुनका सभ कैँ मरबाक इच्छा रखैत छलाह, जाहि सँ परमेश् वर हुनका सभक भाय-परिजन सभ पर जे अधलाह आनि देताह, से नहि देखि सकथि, जेना ओ घोषणा केने छलाह।
22 ओहि समय मे परमेश् वर नूह आ मथुसेल कैँ कहलथिन, "ओहि दिन मे जे बात हम अहाँ सभ कैँ कहने रही से सभ बात मनुष् य सभक सन् तान सभ कैँ प्रचारित करू, संभवतःओ सभ अपन दुष् ट मार्ग सँ मुड़ि सकैत छथि, तखन हम ओहि दुष् टताक प्रति पश्चाताप करब आ ओकरा नहि आनब।"
23 तखन नूह आ मथुसेल ठाढ़ भऽ मनुष् यक सन् तान सभक कान मे कहलथिन जे परमेश् वर हुनका सभक विषय मे जे किछु कहने छलाह।
24 मुदा मनुष् यक सन्तान सभ बात नहि सुनय चाहैत छल आ ने अपन सभ बात पर कान झुका रहल छल।
25 एकर बाद परमेश् वर नूह कैँ कहलथिन, "अपन दुष्कर्मक कारणेँ सभ मनुखक अंत हमरा सोझाँ आबि गेल अछि, आ देखू, हम पृथ् वी कैँ नष्ट कऽ देब।"
26 अहाँ गोफरक लकड़ी लऽ कऽ कोनो ठाम जा कऽ एकटा पैघ जहाज बना कऽ ओहि ठाम राखि दियौक।
27 आ एहि तरहेँ अहाँ एकरा बनाउ। एकर लम्बाई तीन सय हाथ, चौड़ाई पचास हाथ आ ऊँचाई तीस हाथ।
28 अहाँ एकटा दरबज्जा बना कऽ ओकर कात मे खुजल आ एक हाथ धरि ऊपर समाप्त कऽ कऽ ओकरा भीतर-बाहर गड्ढा सँ झाँपि देब।
29 हम पानिक बाढ़ि कैँ पृथ् वी पर आनब, आ सभ प्राणी नष्ट भऽ जायत, आकाशक नीचाँ सँ पृथ् वी पर जे सभ अछि से नाश भऽ जायत।

30 अहाँ आ अहाँक घरक लोक जा कऽ नर-मादा सभ जीव-जन्तुक दू-दू दू-तीन प्राणी जमा करब आ ओकरा सभ कैँ जहाज मे आनि देब जाहि सँ ओकरा सभ सँ बीया पृथ् वी पर उगाओल जाय।
31 आ सभ पशु-पक्षी द्वारा खाइत सभ भोजन अहाँ लग जमा करू, जाहि सँ अहाँक आ हुनका सभक भोजन भेटय।
32 अहाँ अपन पुत्र सभक लेल मनुखक बेटी मे सँ तीन टा कन्या चुनब आ ओ सभ अहाँक बेटा सभक पत्नी बनत।
33 तखन नूह उठि कऽ जहाज बनौलनि, जतऽ परमेश् वर हुनका आज्ञा देने छलाह, आ नूह परमेश् वरक आदेशक अनुसार काज कयलनि।
34 पाँच सय पंचानबे वर्ष मे नूह जहाज बनाबय लगलाह आ प्रभुक आज्ञाक अनुसार पाँच वर्ष मे जहाज बनौलनि।
35 तखन नूह मतुसेलाक पुत्र एलियाकीमक तीनू बेटी कैँ अपन पुत्र सभक लेल पत्नी बना लेलनि, जेना प्रभु नूह कैँ आज्ञा देने छलाह।
36 ओहि समय मे हनोकक पुत्र मथुसेलक मृत्यु भेला पर ओ नौ सय साठि वर्षक छलाह।

अध्याय 6

1 ओहि समय मे मतुसेलाक मृत्युक बाद प्रभु नूह कैँ कहलथिन, “अहाँ अपन घरक लोकक संग जहाज मे जाउ। देखू, हम पृथ्वीक सभ पशु-पक्षी, खेतक जानवर आ आकाशक चिड़ै सभ कैँ तोरा लग जमा करब, आ सभ आबि कऽ जहाज कैँ घेर लेत।”
2 अहाँ जा कऽ जहाजक दरबज्जा लग बैसि जायब आ सभ पशु-पक्षी, पशु-पक्षी आ चिड़ै सभ जमा भ’ क’ अहाँक सोझाँ राखि देत, आ जे सभ आबि कऽ अहाँक सोझाँ कुबड़ाओत, तकरा सभ कैँ अहाँ अपन पुत्र सभक हाथ मे लऽ कऽ सौंप देब, जे ओकरा सभ कैँ जहाज मे आनत आ जे सभ अहाँक सोझाँ ठाढ़ रहत, तकरा सभ कैँ छोड़ि देब।
3 परमेश् वर परमेश् वर एहि बात कैँ पूरा कयलनि आ पशु-पक्षी, पशु-पक्षी आ चिड़ै सभ बहुत भीड़ मे आबि जहाज कैँ घेर लेलक।
4 नूह जा कऽ जहाजक दरबज्जा लग बैसि गेलाह आ हुनका सामने कुबड़ल सभ मांस कैँ जहाज मे अनलनि आ अपना सोझाँ ठाढ़ सभ कैँ पृथ् वी पर छोड़ि देलनि।
5 एकटा सिंहनी अपन दूटा बच्चा नर आ मादाक संग आबि गेलीह आ तीनू बच्चा नूहक सोझाँ झुकि गेल छल आ दुनू बच्चा सिंहनी कैँ मारि देलकनि आ ओकरा अपन स्थान सँ भागि देलकनि आ ओ सभ चलि गेलीह आ ओ सभ अपन-अपन स्थान पर घुरि गेलाह आ नूहक सोझाँ धरती पर कुहुकि गेलाह।
6 सिंहनी भागि कऽ सिंहक स्थान पर ठाढ़ भऽ गेलीह।
7 नूह ई देखि कऽ बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ ओ उठि कऽ दुनू बच्चा कैँ पकड़ि कऽ जहाज मे लऽ गेलाह।
8 नूह पृथ्वी पर जे सभ जीव-जन्तु छल, ओकरा जहाज मे अनलनि, जाहि सँ नूह जहाज मे अनलनि।
9 दू-दू गोटे नूह लग जहाज मे बैसि गेलाह, मुदा साफ-सुथरा जानवर आ शुद्ध चिड़ै सभ मे सँ ओ सातटा दंपति कैँ अनलनि, जेना परमेश् वर हुनका कहलथिन।
10 सभटा पशु-पक्षी आ चिड़ै-चुनमुनी सभ एखनो ओतहि छल आ सभ ठाम जहाज कैँ घेरने छल आ सात दिनक बाद धरि बरखा नहि भेल छल।
11 ओहि दिन प्रभु समस्त पृथ्वी कैँ हिलौलनि, सूर्य अन्हार भऽ गेलाह, संसारक नींव सभ चकनाचूर भ’ गेलनि, आ समस्त धरती जोर-जोर सँ हिलल, बिजली चमकि गेल, गरजि गेल, आ पृथ्वीक सभटा फव्वारा टूटि गेल, जे पहिने निवासी सभ कैँ नहि बुझल छल। परमेश् वर मनुष् यक पुत्र सभ कैँ भयभीत करबाक लेल ई पराक्रमी काज कयलनि जाहि सँ पृथ् वी पर आब कोनो दुष् टता नहि हो।
12 मुदा तइयो मनुष् य-पुत्र सभ अपन दुष् ट रस् ता सँ नहि घुरैत छल, आ ओहि समय मे ओ सभ प्रभुक क्रोध बढ़ा देलक आ एहि सभ दिस अपन मोन तक नहि देलक।
13 सात दिनक अंत मे नूहक जीवनक छह सौम वर्ष मे जलप्रलयक पानि पृथ्वी पर आबि गेल।
14 गहींर क्षेत्रक सभटा फव्वारा टूटि गेल आ आकाशक खिड़की खुजि गेल आ चालीस दिन चालीस राति पृथ्वी पर बरखा भेल।
15 जल-प्रलयक पानिक कारणेँ नूह आ ओकर घरक लोक आ ओकर संग रहनिहार सभ जीव जहाज मे आबि गेलाह आ प्रभु हुनका भीतर बंद कऽ देलथिन।
16 पृथ् वी पर जे सभ मनुष् य-पुत्र बचल छल, से बरखाक कारणेँ दुष् टताक कारणेँ थकित भऽ गेल, किएक तँ पानि पृथ् वी पर बेसी जोर-जोर सँ आबि रहल छल आ जानवर आ जानवर एखनो जहाज कैँ घेरने छल।
17 मनुख-पुत्र सभ, करीब सात लाख पुरुष आ स्त्रीगण जमा भ’ गेल आ ओ सभ जहाज पर नूह लग पहुँचलाह।
18 ओ सभ नूह कैँ बजा कऽ कहलथिन, “हमरा सभक लेल खोलि दियौक जाहि सँ हम सभ जहाज मे अहाँक लग आबि सकब--आ हम सभ किएक मरब?”
19 नूह जहाज पर सँ जोर-जोर सँ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, “की अहाँ सभ प्रभुक विरुद्ध विद्रोह नहि कऽ कऽ कहलहुँ जे हुनकर अस्तित्व नहि अछि?” आ तेँ प्रभु अहाँ सभ पर ई दुष्टता अनलनि जे अहाँ सभ कैँ नष्ट कऽ कऽ पृथ् वी पर सँ काटि देथिन।
20 की ई ओ बात नहि अछि जे हम अहाँ सभ सँ एक सय बीस वर्ष पहिने कहने रही, आ अहाँ सभ प्रभुक आवाज नहि सुनब, आ आब की अहाँ सभ पृथ् वी पर रहबाक इच्छा रखैत छी?
21 ओ सभ नूह कैँ कहलथिन, “हम सभ प्रभु लग घुरबाक लेल तैयार छी। केवल हमरा सभक लेल खुजल जे हम सभ जीबि सकब आ नहि मरि सकब।
22 तखन नूह हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, “देखू, अहाँ सभ अपन प्राणक विपत्ति देखि, अहाँ सभ प्रभु लग घुरि जेबाक इच्छा रखैत छी। एहि सौ बीस वर्ष मे अहाँ किएक नहि घुरल, जे प्रभु अहाँ कैँ निर्धारित अवधिक रूप मे देलनि?
23 मुदा आब अहाँ सभ अपन प्राणक कष्टक कारणेँ आबि कऽ हमरा ई बात कहू, आब प्रभु अहाँ सभक बात नहि सुनताह आ ने एहि दिन अहाँ सभक बात सुनताह, जाहि सँ अहाँ सभ आब अपन इच्छा मे सफल नहि भ’ सकब।
24 मनुष् य-पुत्र सभ बरखाक कारणेँ जहाज मे घुसबाक लेल लग आबि गेलाह, कारण ओ सभ बरखा कैँ सहन नहि कऽ सकलाह।
25 परमेश् वर जहाजक चारू कात ठाढ़ सभ पशु आ पशु कैँ पठौलनि। जानवर सभ ओकरा सभ पर हावी भऽ ओहि ठाम सँ भगा देलक, आ सभ एक-एक गोटे अपन-अपन रस्ता पर चलि गेल आ ओ सभ फेर सँ धरती पर छिड़िया गेल।
26 पृथ्वी पर एखनो बरखा होइत छल आ चालीस दिन चालीस राति धरि बरखा होइत छल आ पानि पृथ्वी पर बहुत प्रबल छल।

पृथ् वी पर वा पानि मे जे सभ मांस छल, से मरि गेल, चाहे ओ मनुख, पशु, पशु, रेंगैत वा हवाक चिड़ै हो, आ मात्र नूह आ जहाज मे हुनका संग रहनिहार लोक सभ रहि गेल।
27 पानि बढ़ि गेल आ ओ सभ पृथ् वी पर बहुत बढ़ि गेल आ ओ सभ जहाज केँ ऊपर उठौलक आ ओ पृथ्वी पर सँ उठि गेल।
28 जहाज पानि पर बहैत छल आ पानि पर एहि तरहेँ उछालैत छल जे भीतरक सभ जीव-जन्तु कड़ाही मे राखल पोट जकाँ घुमि गेल छल।
29 जहाज मे बैसल सभ जीव-जन्तु पर बहुत चिंता भऽ गेल आ जहाज टूटि गेल।
30 जहाज मे बैसल सभ जीव आतंकित भऽ गेल, सिंह गर्जैत, बैल सभ नीचाँ खसि पड़ल आ भेड़ियाधसान सभ कुहरल, जहाज मे बैसल सभ जीव-जन्तु अपन-अपन भाषा मे बजैत आ विलाप करैत छल, जाहि सँ ओकर आवाज बहुत दूर धरि पहुँचि गेल, आ नूह आ ओकर बेटा सभ अपन विपत्ति मे चिचिया उठल आ कानय लागल। ओ सभ बहुत डरा गेल जे ओ सभ मृत्युक द्वार पर पहुँचि गेल अछि।
31 तखन नूह एहि बातक कारणेँ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ हुनका सँ पुकारलनि आ कहलथिन, "हे प्रभु हमरा सभक मदद करू, किएक तँ हमरा सभ लग एहि दुष्टता केँ सहन करबाक कोनो सामर्थ्य नहि अछि जे हमरा सभ केँ घेरने अछि, किएक तँ पानिक लहरि हमरा सभ केँ घेरने अछि, दुष्ट धार हमरा सभ केँ आतंकित कऽ देने अछि, मृत्युक जाल हमरा सभक सोझाँ आबि गेल अछि। हमरा सभक उत्तर दिअ, हे प्रभु, हमरा सभक उत्तर दिअ, हमरा सभ दिस अपन मुँह रोशन करू आ हमरा सभ पर कृपा करू, हमरा सभ केँ मुक्त करू आ हमरा सभ केँ बचाउ।
32 प्रभु नूहक बात सुनलनि आ प्रभु हुनका स्मरण कयलनि।
33 पृथ्वी पर हवा चलल आ पानि शान्त भऽ गेल आ जहाज आराम कऽ गेल।
34 गहींर क्षेत्रक फव्वारा आ आकाशक खिड़की सभ रुकि गेल आ आकाश सँ बरखा रोकल गेल।
35 ओहि दिन मे पानि कम भऽ गेल आ जहाज अरारात पहाड़ पर टिकल।
36 तखन नूह जहाजक खिड़की खोललनि, तखनो नूह ओहि समय मे प्रभु केँ आवाज दैत बजलाह, "हे प्रभु, जे पृथ्वी आ आकाश आ ओहि मे जे किछु अछि, से बनौने छी, हमरा सभक प्राण केँ एहि बंदी सँ आ जाहि जेल मे अहाँ हमरा सभ केँ राखने छी, ताहि सँ बाहर आनू, किएक तँ हम आह भरि कऽ बहुत थाकि गेल छी।"
37 प्रभु नूहक बात सुनि कऽ कहलथिन, "जखन पूरा साल पूरा भऽ जायत तखन अहाँ बाहर निकलब।"
38 वर्षक क्रान्तिक समय जखन नूहक जहाज मे रहबाक एक साल पूरा भ' गेल तखन पृथ्वी पर सँ पानि सुखायल गेल आ नूह जहाजक आवरण केँ उतारि देलक।
39 ओहि समय मे दोसर मासक सत्ताइसम दिन पृथ् वी शुष्क भऽ गेल छल, मुदा जाबत प्रभु हुनका सभ केँ नहि कहि देलथिन ताबत धरि नूह आ हुनकर पुत्र सभ आ हुनकर संगी सभ जहाज सँ बाहर नहि निकललाह।
40 जाहि दिन परमेश् वर हुनका सभ केँ बाहर निकलबाक लेल कहलथिन, तखन ओ सभ जहाज सँ बाहर निकलि गेलाह।
41 ओ सभ जा कऽ सभ अपन-अपन बाट आ अपन-अपन स्थान दिस घुरि गेलाह, आ नूह आ ओकर पुत्र सभ ओहि देश मे रहि गेलाह जे परमेश् वर हुनका सभ केँ कहने छलाह आ ओ सभ दिन भरि प्रभुक सेवा करैत रहलाह, आ प्रभु जहाज सँ बाहर निकलैत काल प्रभुक आशीष देलनि।
42 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "प्रजनन करू आ समस्त पृथ्वी केँ भरि दियौक। मजबूत भ' जाउ आ पृथ्वी मे प्रचुर मात्रा मे बढ़ू आ ओहि मे बढ़ू।

अध्याय 7

1 नूहक पुत्र सभक नाम ई अछि: याफेत, हाम आ शेम। जलप्रलयक बाद हुनका सभ सँ संतान भेलनि, कारण जलप्रलय सँ पहिने ओ सभ स् त्रीगण कऽ लेने छलाह।
2 ई सभ याफेतक पुत्र सभ छथि। गोमेर, मागोग, मदै, जवान, तुबल, मेशेक आ तिरस, सात पुत्र।
3 गोमेरक पुत्र अस्किनाज, रेफात आ तेगारमा छल।
4 मागोगक बेटा एलीकानाफ आ लुबाल छल।
5 मदैक संतान आकोन, ज़ीलो, चजोनी आ लूत छल।
6 यावनक पुत्र एलीशा, तर्शीशि, कित्तीम आ दुदोनीम छल।
7 तुबलक पुत्र अरिफी, केसेद आ तारी छल।
8 मेशेकक पुत्र देदोन, सारोन आ शेबश्री छल।
9 तिरासक पुत्र बेनीब, गेरा, लुपिरियोन आ गिलाक छल। ई सभ याफेतक बेटा सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार छल, आ ओहि समय मे ओकर सभक संख्या करीब चारि सय साठि आदमी छल।
10 ई सभ हामक पुत्र सभ छथि। कुश, मित्सरैम, फुत आ कनान, चारिटा बेटा; कुशक पुत्र सेबा, हवीला, सबता, रामा आ सतेका, आ रामाक पुत्र शेबा आ देदान छल।
11 मित्ाइमक पुत्र लूद, अनोम आ पथ्रोस, चस्लोत आ चफ्तोर छल।
12 फुतक पुत्र गबुल, हदान, बेना आ अदान छल।
13 कनानक पुत्र सिदोन, हेत, अमोरी, गेर्गाशी, हिवी, अर्की, सेनी, आरोदी, सिमोदी आ चमोथी छल।
14 ई सभ हामक बेटा सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार अछि आ ओहि समय मे ओकर सभक संख्या करीब सात सय तीस आदमी छल।
15 ई सभ शेमक पुत्र सभ छथि। एलाम, अशूर, अर्पचशद, लुद आ अराम, पाँचटा पुत्र। एलामक पुत्र शुशान, मकुल आ हरमोन छल।
16 अशरक पुत्र मीरस आ मोकील आ अर्पचशादक पुत्र शेलाक, अनर आ अश्कोल छल।
17 लुदक पुत्र पेथोर आ बिजायोन आ अरामक पुत्र उज, चूल, गदर आ मश छल।
18 ई सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार शेमक पुत्र सभ छथि। ओहि समय मे हुनका लोकनिक संख्या करीब तीन सय आदमी छलनि।
19 ई सभ शेमक पीढ़ी अछि। शेम सँ अर्पचशाद आ अर्पचशाद सँ शेलक आ शेलक सँ एबर आ एबर सँ दू टा संतान भेलनि, एकटाक नाम पेलेग छलनि, कारण हुनकर समय मे मनुष्य-पुत्र सभ बँटि गेल छल आ अंतिम समय मे पृथ्वी बँटि गेल छल।
20 दोसरक नाम योक्तान छल, मतलब जे हुनकर समय मे मनुष् यक पुत्र सभक जीवन कम भऽ गेल छल आ कम भऽ गेल छल।

21 ई सभ योक्तानक पुत्र छथि। अल्मोदाद, शेलाफ, चजरमोवेत, येराच, हदुरोम, ओजेल, दिक्ला, ओबल, अबीमाएल, शेबा, ओफीर, हवीला आ अयौबाब। ई सभ योक्तानक पुत्र छथि।
22 ओकर भाय पेलेग सँ येन, येन सँ सेरुग, सेरुग सँ नाहोर आ नाहोर सँ तेरा, आ तेरा अड़तीस वर्षक छल आ ओकरा हारान आ नाहोरक जन्म भेलैक।
23 नूहक पुत्र हामक पुत्र कुश ओहि दिन मे अपन बुढ़ापा मे एकटा स् त्री विवाह कयलनि आ ओ एकटा बेटाक जन्म देलनि आ ओ सभ हुनकर नाम निमरोद रखलनि आ कहलथिन, "ओहि समय मे मनुष् य सभक पुत्र सभ फेर सँ परमेश् वरक विरुद्ध विद्रोह आ उल्लंघन करय लगलाह, आ ओ बच्चा पैघ भऽ गेल आ ओकर पिता ओकरा सँ बहुत प्रेम केलक, किएक तँ ओ ओकर बुढ़ापाक बेटा छल।"
24 परमेश् वर आदम आ हुनकर पत्नीक लेल जे चमड़ाक वस्त्र बनौने छलाह, से कुश कैँ देल गेलनि।
25 किएक तँ आदम आ हुनकर पत्नीक मृत्युक बाद ओ वस्त्र यारेदक पुत्र हनोक कैँ देल गेलनि आ जखन हनोक परमेश् वर लग लऽ गेलाह तँ ओ अपन पुत्र मथुसेला कैँ दऽ देलनि।
26 मतुसेलाक मृत्युक बाद नूह ओकरा सभ कैँ लऽ कऽ जहाज पर अनलनि आ जाबत धरि ओ जहाज सँ बाहर नहि निकललाह ता धरि ओ सभ हुनका संग रहलाह।
27 ओ सभ बाहर निकलैत काल हाम अपन पिता नूह सँ ओ वस्त्र चोरा लेलक आ ओकरा सभ कैँ लऽ कऽ अपन भाय सभ सँ नुका लेलक।
28 जखन हाम अपन पहिल पुत्र कुशक जनमलनि तखन ओ ओकरा वस्त्र नुका कऽ देलथिन आ ओ सभ बहुत दिन धरि कुशक संग रहलाह।
29 कुश सेहो ओकरा सभ कैँ अपन पुत्र आ भाइ सभ सँ नुका लेलक आ कुश जखन निमरोद कैँ जन्म लेलक तखन ओकरा प्रति प्रेमक कारणेँ ओ सभ वस्त्र ओकरा देलक आ निमरोद पैघ भेल आ बीस वर्षक उम्र मे ओ ओहि वस्त्र सभ पहिरि लेलक।
30 जखन ओ वस्त्र पहिरने छलाह तखन निमरोद बलशाली भ' गेलाह, आ परमेश् वर हुनका सामर्थ् य आ सामर्थ् य देलनि, आ ओ पृथ्वी पर एकटा पराक्रमी शिकारी छलाह, हँ, ओ खेत मे एकटा पराक्रमी शिकारी छलाह, आ ओ जानवर सभक शिकार करैत छलाह आ ओ वेदी बनबैत छलाह, आ ओ सभ परमेश् वरक समक्ष पशु सभ कैँ चढ़ौलनि।
31 निमरोद अपना कैँ मजगूत बनौलनि आ ओ अपन भाय सभक बीच सँ उठि कऽ अपन भाय सभक चारू कातक सभ शत्रु सभक विरुद्ध युद्ध लड़लनि।
32 परमेश् वर अपन भाय सभक सभ शत्रु कैँ अपन हाथ मे सौंपि देलथिन आ परमेश् वर हुनका समय-समय पर अपन युद्ध मे सफल कयलनि आ पृथ् वी पर राज कयलनि।
33 तेँ ओहि समय मे ई बात प्रचलन भऽ गेल जे जखन कियो अपन प्रशिक्षित सभ कैँ युद्धक लेल लऽ जाइत छल तँ ओकरा सभ कैँ कहैत छल, "जेना परमेश् वर निमरोदक संग केने छलाह, जे पृथ् वी पर एकटा पराक्रमी शिकारी छलाह आ जे अपन भाय सभक विरुद्ध भेल युद्ध मे सफल भेलाह, जे ओ हुनका सभ कैँ शत्रु सभक हाथ सँ मुक्त कयलनि, तेँ परमेश् वर आइ हमरा सभ कैँ मजबूत करथि आ हमरा सभ कैँ बचाबथि।"
34 जखन निमरोद चालीस वर्षक भेल तखन ओकर भाय सभ आ याफेतक सन् तान सभक बीच युद्ध भेल आ ओ सभ अपन शत्रु सभक अधिकार मे आबि गेल।
35 ओहि समय मे निमरोद निकलि गेलाह आ ओ कुशक सभ पुत्र आ हुनकर परिवार कैँ करीब चारि सय साठि आदमी कैँ जमा कयलनि आ अपन किछु मित्र आ परिचित सभ सँ करीब अस्सी आदमी कैँ भाड़ा पर ल' लेलनि आ हुनका सभक भाड़ा द' देलनि आ हुनका सभक संग युद्ध मे गेलाह आ जखन ओ रस्ता मे छलाह तखन निमरोद हुनका संग गेल लोक सभक मोन कैँ मजबूत कयलनि।
36 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "नहि डरू आ ने घबराउ, किएक तँ हमरा सभक सभ शत्रु हमरा सभक हाथ मे सौंपल जायत आ अहाँ सभ ओकरा सभक संग जेना चाहब से कऽ सकब।"
37 जे सभ आदमी गेल छल से करीब पाँच सय छल, ओ सभ अपन शत्रु सभक संग लड़ैत छल आ ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ कऽ वश मे कऽ देलक आ निमरोद ओकरा सभक अपन-अपन स्थान पर ठाढ़ अफसर सभ कैँ राखि देलक।
38 ओ हुनका सभक किछु बच्चा सभ कैँ सुरक्षाक रूप मे लऽ गेलाह आ ओ सभ निमरोद आ हुनकर भाय सभक सेवक छल, आ निमरोद आ हुनका संग रहनिहार सभ लोक घर दिस घुमि गेलाह।
39 जखन निमरोद अपन शत्रु सभ पर विजय प्राप्त कए युद्ध सँ हर्षित भऽ कऽ घुरलाह तँ हुनकर सभ भाय सभ हुनका सभ कैँ पहिने चिन्हनिहार सभ संग हुनका सभ पर राजा बनेबाक लेल जमा भऽ गेलाह आ ओ सभ राजकी मुकुट हुनकर माथ पर राखि देलथिन।
40 ओ अपन प्रजा आ लोक, राजकुमार, न्यायाधीश आ शासक सभ कैँ राखि देलनि, जेना राजा सभक प्रथा होइत छैक।
41 ओ नाहोरक पुत्र तेरह कैँ अपन सेनाक सरदार कैँ राखि देलथिन आ हुनका आदर-सत्कार कयलनि आ हुनका अपन सभ राजकुमार सँ ऊपर उठौलनि।
42 जखन ओ अपन हृदयक इच्छानुसार राज कऽ रहल छलाह, तखन ओ अपन सलाहकार सभक संग अपन महल लेल एकटा नगर बनेबाक सलाह देलनि आ ओ सभ एना कयलनि।
43 ओ सभ पूब दिस एकटा पैघ घाटी भेटल आ ओकरा लेल एकटा पैघ आ विस्तृत नगर बना देलक आ निमरोद जे नगर बनौने छल ओकर नाम शिनार राखि देलक, किएक तँ प्रभु अपन शत्रु सभ कैँ जोरदार ढंग सँ हिला कऽ ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ देलक।
44 निमरोद शिनार मे रहलाह आ ओ सुरक्षित रूप सँ राज केलनि आ अपन शत्रु सभक संग लड़लनि आ हुनका सभ कैँ वश मे कयलनि, आ अपन सभ युद्ध मे सफल भेलाह आ हुनकर राज्य बहुत पैघ भ' गेलनि।
45 सभ जाति आ भाषा सभ हुनकर प्रसिद्धि सुनि हुनका लग जमा भऽ गेलाह आ पृथ् वी पर प्रणाम कयलनि आ हुनका बलि चढ़ौलनि आ ओ सभ हुनका सभक मालिक आ राजा बनि गेलाह आ सभ हुनका संग शिनार नगर मे रहलाह आ निमरोद पृथ्वी पर नूहक सभ पुत्र पर राज केलनि आ सभ हुनकर अधिकार आ सलाह मे छलाह।
46 समूचा पृथ् वी एक भाषा आ एकताक वचन छल, मुदा निमरोद प्रभुक बाट पर नहि चलल, आ जलप्रलयक दिन सँ ओहि

दिन धरि ओ हुनका सँ पहिने जे लोक सभ छल, ताहि सँ बेसी दुष्ट छल।
47 ओ लकड़ी आ पाथरक देवता बनौलनि आ हुनका सभ कैँ प्रणाम कयलनि आ प्रभुक विरुद्ध विद्रोह कयलनि आ अपन सभ प्रजा आ पृथ् वीक लोक कैँ अपन दुष् ट मार्ग सिखबैत छलाह। आ ओकर बेटा मार्डन ओकर पितासँ बेसी दुष्ट छल।
48 जे कियो निमरोदक पुत्र मार्दोनक काज सुनैत छल, हुनका बारे मे कहैत छल, "दुष्ट लोक सँ दुष्टता निकलैत अछि। तेँ ई समस्त पृथ्वी पर एकटा फकड़ा बनि गेल जे, "दुष्ट सँ दुष्टता निकलैत अछि, आ ई बात तहिया सँ एखन धरि मनुष्यक वचन मे प्रचलित छल।"
49 ओहि समय मे नहोरक पुत्र तेरा राजा आ ओकर प्रजाक सोझाँ बहुत पैघ छलाह आ राजा आ राजकुमार सभ हुनका सँ प्रेम करैत छलाह आ हुनका बहुत ऊँच कऽ देलनि।
50 तेरा एकटा स् त्री विवाह कयलनि आ हुनकर नाम अम्थेलो छलनि जे कुरनेबोक बेटी छलीह। ओहि समय मे तेरहक पत्नी गर्भवती भऽ हुनका एकटा पुत्रक जन्म देलनि।
51 तेरा सत्तरि वर्षक छलाह जखन हुनकर जन्म भेलनि आ तेरह अपन पुत्रक नाम अब्राम रखलनि, किएक तँ राजा हुनका ओहि समय मे पोसने छलाह आ हुनका संग रहनिहार सभ राजकुमार सँ बेसी आदर देने छलाह।

अध्याय 8

1 अब्रामक जन्मक राति मे तेराक सभ नौकर, निमरोदक सभ ज्ञानी आ हुनकर जादूगर सभ आबि तेराक घर मे भोजन-पीना कयलनि आ ओहि राति हुनका संग आनन्दित भेलाह।
2 जखन सभ ज्ञानी आ जादूगर तेराक घर सँ बाहर निकललाह तँ ओहि राति ओ सभ तारा सभ दिस देखबाक लेल आकाश दिस आँखि उठौलनि आ देखलनि जे पूब दिस सँ एकटा बहुत पैघ तारा आबि कऽ आकाश मे दौड़ि गेल आ आकाशक चारू कात सँ चारि तारा कैँ निगल गेल।
3 राजाक सभ ज्ञानी आ हुनकर जादूगर सभ ई देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ ऋषि लोकनि ई बात बुझि गेलाह आ एकर महत्व बुझि गेलाह।
4 ओ सभ एक-दोसर कैँ कहलथिन, "ई मात्र ओहि बच्चाक संकेत अछि जे आइ राति तेराक जन्म भेल अछि, जे पैघ भऽ कऽ फलित भऽ जायत आ बढ़ि जायत आ समस्त पृथ्वी पर सदा-सदाक लेल अपन कब्जा कऽ लेत, आ ओ आ ओकर वंशज पैघ राजा सभ कैँ मारि कऽ ओकर सभक भूमि उत्तराधिकारी भऽ जायत।"
5 ओहि राति ज्ञानी आ जादूगर सभ घर चलि गेलाह आ भोरे-भोर ई सभ ज्ञानी आ जादूगर सभ भोरे उठि कऽ एकटा निर्धारित घर मे जमा भ' गेलाह।
6 ओ सभ एक दोसरा सँ बाजल, "काल्हि राति जे देखलहुँ से राजा सँ नुकायल अछि, ई बात हुनका नहि बुझाओल गेल अछि।"
7 जँ अंतिम समय मे राजा कैँ ई बात पता चलत तऽ ओ हमरा सभ कैँ कहताह, "अहाँ सभ ई बात हमरा सँ किएक नुका देलहुँ, तखन हम सभ मृत्युक शिकार भऽ जायब। तेँ आब जा कऽ राजा कैँ ओ दृश्य बताबी जे हम सभ देखलहुँ, आ ओकर व्याख्या, तखन हम सभ स्पष्ट रहब।
8 ओ सभ एना कयलनि आ सभ राजा लग जा कऽ हुनका जमीन पर प्रणाम कयलनि आ कहलथिन, "राजा जीवित रहथि, राजा जीवित रहथि।"
9 हम सभ सुनलहुँ जे तोहर सेनाक सरदार नाहोरक पुत्र तेराक एकटा बेटा भेलनि आ हम सभ काल्हि राति हुनकर घर पहुँचलहुँ आ ओहि राति हुनका संग भोजन-पीना आ आनन्दित भेलहुँ।
10 जखन अहाँक सेवक सभ तेराक घर सँ राति मे रहबाक लेल अपन-अपन घर दिस जेबाक लेल निकललाह, तखन हम सभ आकाश दिस आँखि उठा कऽ देखलहुँ जे पूब दिस सँ एकटा पैघ तारा आबि रहल छल, आ वैह तारा बहुत तेज गति सँ दौड़ल गेल आ आकाशक चारू कात सँ चारि टा पैघ तारा निगल गेल।
11 अहाँक सेवक सभ हमरा सभ जे देखलहुँ ताहि सँ आश्चर्यचकित भऽ गेल आ बहुत आतंकित भऽ गेल, आ हम सभ अपन बुद्धि सँ एकर उचित व्याख्या बुझलहुँ जे ई बात ओहि बच्चा पर लागू होइत अछि जे तेरा सँ जन्म लेत, जे पैघ भऽ कऽ बहुत बढ़ि जायत आ शक्तिशाली भऽ जायत आ पृथ् वीक सभ राजा कैँ मारि देत आ ओकर सभटा राजा कैँ उत्तराधिकारी बना देत जमीन, ओ आ ओकर बीया सदाक लेल।
12 आब हमर सभक मालिक आ राजा, देखू, हम सभ एहि बच्चाक विषय मे जे किछु देखलहुँ, ताहि सँ अहाँ कैँ सत्ते परिचित कऽ देलहुँ।
13 जँ राजा कैँ एहि बच्चाक बदला मे अपन पिता कैँ मोल देब नीक लागत तँ हम सभ ओकरा ओहि देश मे पैघ आ बढ़बा सँ पहिने मारि देब आ ओकर दुष् टता हमरा सभक विरुद्ध बढ़ि जाय, जाहि सँ हम सभ आ हमर सभक संतान ओकर दुष्टताक कारणेँ नष्ट भऽ जाय।
14 राजा हुनका सभक बात सुनि हुनका सभक नजरि मे नीक लागल, तखन ओ तेरा कैँ बजा कऽ बजौलनि आ तेरा राजाक समक्ष आबि गेलाह।
15 राजा तेरा कैँ कहलथिन, "हमरा कहल गेल अछि जे काल्हि राति अहाँक लेल एकटा बेटा भेल छल आ ओकर जन्मक समय आकाश मे एहि तरहेँ देखल गेल छल।"
16 आब हमरा ओहि बच्चा कैँ दऽ दिअ, जाहि सँ हम सभ ओकरा मारि दी, जखन कि ओकर दुष् टता हमरा सभक विरुद्ध उठय, आ हम तोरा ओकर मूल्यक बदला मे, तोहर चानी आ सोना सँ भरल घर दऽ देब।"
17 तेरा राजा कैँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "हमर प्रभु आ राजा, हम अहाँक बात सुनलहुँ, आ अहाँक सेवक अपन राजाक सभटा काज करत।"
18 मुदा हमर मालिक आ राजा, हम अहाँ कैँ काल्हि राति मे हमरा संग जे भेल छल से कहब, जाहि सँ हम देखब जे राजा अपन नौकर कैँ की सलाह देत, तखन हम राजा कैँ एखनहि कहल बात पर उत्तर देब। राजा कहलथिन, "बाजू।"
19 तेरा राजा कैँ कहलथिन, "मोरेदक पुत्र अयोन काल्हि राति हमरा लग आबि कऽ कहलथिन।
20 राजा अहाँ कैँ जे पैघ आ सुन्दर घोड़ा देने छलाह, से हमरा दिअ, हम अहाँ कैँ चानी-सोना, भूसा आ ओकर मोल देब। हम हुनका कहलियनि, "हमरा ताबत धरि प्रतीक्षा करू जाबत धरि हम अहाँक बातक विषय मे राजा कैँ नहि देखब, आ देखू, राजा जे किछु कहताह, हम से करब।"
21 आब हमर मालिक आ राजा, देखू हम अहाँ कैँ ई बात आ हमर राजा अपन सेवक कैँ जे सलाह देथिन, से हम पालन करब।

22 राजा तेरहक बात सुनि कऽ हुनकर क्रोध प्रज्वलित भऽ गेलनि आ ओ हुनका मूर्खक इजोत मे बुझि लेलनि।
23 राजा तेरह कैँ उत्तर देलथिन, "की अहाँ एतेक मूर्ख, अज्ञानी वा बुद्धिक अभाव मे ई काज क' सकैत छी जे चानी आ सोना वा भूसा आ भोजनक बदला मे अपन सुन्दर घोड़ा कैँ द' सकैत छी?"
24 की तोरा चानी आ सोनाक एतेक कमी अछि जे अहाँ ई काज कऽ सकैत छी, किएक तँ अहाँ अपन घोड़ाक पेट भरबाक लेल भूसा आ भोजन नहि पाबि सकैत छी? चानी आ सोना, वा भूसा आ भोजन की अछि, जाहि सँ अहाँ ओहि नीक घोड़ा कैँ दऽ दिअ जे हम अहाँ कैँ देलहुँ, जकरा समस्त पृथ्वी पर कियो नहि भेटैत अछि?
25 राजा बाजब छोड़ि देलनि आ तेरा राजा कैँ उत्तर देलथिन, "राजा अपन नोकर सँ एहि तरहेँ बात कयलनि।
26 हे हमर मालिक आ राजा, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे अहाँ हमरा ई की कहलहुँ जे, 'अपन बेटा कैँ दऽ दिअ जाहि सँ हम सभ ओकरा मारि सकब, आ हम अहाँ कैँ ओकर मोल मे चानी आ सोना दऽ देब। बेटाक मृत्युक बाद चानी आ सोनाक की करब? हमरा के उत्तराधिकारी बनत? निश्चय तखन हमर मृत्युक समय चानी आ सोना हमर राजा कैँ वापस आबि जायत जे ओकरा देलनि।
27 राजा जखन तेराक बात आ राजाक विषय मे जे दृष्टान्त अनलनि से सुनलनि तऽ हुनका बहुत दुख भेलनि आ ओ एहि बात सँ परेशान भऽ गेलाह आ हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि।
28 तेरा देखलनि जे राजाक क्रोध हुनका पर प्रज्वलित भऽ गेलनि आ राजा कैँ उत्तर देलथिन, "हमरा लग जे किछु अछि से राजाक अधिकार मे अछि। राजा अपन नौकरक संग जे किछु करय चाहैत छथि, से करथि, हँ, हमर बेटा, ओ राजाक अधिकार मे अछि, जकर बदला मे कोनो मोल नहि, ओ आ ओकर दुनू भाइ जे ओकरा सँ पैघ अछि।
29 राजा तेरा कैँ कहलथिन, "नहि, मुदा हम अहाँक छोटका बेटा कैँ दाम मे कीनि लेब।"
30 तेरा राजा कैँ उत्तर देलथिन, "हम हमर मालिक आ राजा सँ विनती करैत छी जे अहाँ अपन नौकर कैँ अहाँक सोझाँ एक बात बाजब आ राजा कैँ अपन नोकरक वचन सुनय दियौक, आ तेरा कहलथिन, "हमर राजा हमरा तीन दिनक समय दिअ जाबत हम एहि विषय मे अपना भीतर विचार करब आ अपन परिवार सँ अपन राजाक वचनक विषय मे विचार करब। आ राजा कैँ एहि बात पर सहमत हेबाक लेल बहुत दबाव देलनि।
31 राजा तेरहक बात सुनलनि आ ओ हुनका तीन दिनक समय देलनि आ तेरा राजाक सोझाँ सँ बाहर निकलि गेलाह आ ओ अपन परिवारक घर आबि हुनका सभ कैँ राजाक सभ बात कहलथिन। आ लोक सभ बहुत डरा गेल।
32 तेसर दिन राजा तेरा लग पठौलनि जे, "जहिना हम अहाँ सँ कहलहुँ, तेना दाम मे अपन बेटा कैँ पठा दिअ।" आ जँ अहाँ ई काज नहि करब तँ हम अहाँक घर मे जे किछु अछि से पठा कऽ मारि देब, जाहि सँ अहाँक कुकुर तक नहि बचल रहत।
33 तेरा जल्दी-जल्दी राजाक दिस सँ ई बात जरूरी छल आ ओ अपन एकटा नौकर सँ एकटा बच्चा लऽ लेलक, जे ओहि दिन ओकर दासी ओकरा लेल जन्म देने छलैक, आ तेरा ओहि बच्चा कैँ राजा लग अनलनि आ ओकरा लेल मूल्य प्राप्त कयलनि।
34 एहि विषय मे प्रभु तेराक संग छलाह जाहि सँ निमरोद अब्राम कैँ नहि मारि सकथि, आ राजा तेरा सँ बच्चा कैँ लऽ कऽ अपन पूरा ताकत सँ ओकर माथ जमीन पर फेकि देलथिन, किएक तऽ ओ सोचैत छलाह जे ई अब्राम छथि। आ ई बात ओहि दिन सँ हुनका सँ नुका गेल छल, आ राजा बिसरि गेल छल, किएक तऽ प्रोविडेंसक इच्छा छल जे अब्रामक मृत्यु नहि भोगय।
35 तेरा अपन पुत्र अब्राम कैँ अपन माय आ दूधियाक संग नुका कऽ लऽ गेलाह आ ओकरा सभ कैँ एकटा गुफा मे नुका कऽ राखि देलथिन आ ओ हुनका सभक लेल मासिक भोजन अनैत छलाह।
36 प्रभु अब्रामक संग गुफा मे रहलाह आ ओ पैघ भेलाह, आ अब्राम दस वर्ष धरि गुफा मे रहलाह, आ राजा आ हुनकर राजकुमार लोकनि, भविष्यवक्ता आ ऋषि-मुनि लोकनि सोचलनि जे राजा अब्राम कैँ मारि देने छथि।

अध्याय 9

1 ओहि समय मे अब्रामक जेठ भाय तेराक पुत्र हारान एकटा स्त्री कऽ लेलक।
2 हारान जखन हुनका लऽ गेलनि तखन उनतीस वर्षक छलाह। हारानक पत्नी गर्भवती भऽ एकटा पुत्रक जन्म देलनि आ ओ हुनकर नाम लूत रखलनि।
3 ओ फेर गर्भवती भऽ एकटा बेटीक जन्म लेलनि आ ओकर नाम मिलका रखलनि। ओ फेर गर्भवती भऽ एकटा बेटीक जन्म लेलनि आ ओकर नाम सराय रखलनि।
4 हारान जखन सरायक जन्म देलनि तखन ओ बयालीस वर्षक छलाह, जे अब्रामक जीवनक दसम वर्ष मे छल। आ ओहि समय मे अब्राम आ ओकर माय आ नर्स गुफा सँ बाहर निकलि गेल छल, जेना राजा आ ओकर प्रजा अब्राम के काज बिसरि गेल छल।
5 जखन अब्राम गुफा सँ बाहर निकललाह तखन ओ नूह आ हुनकर पुत्र शेम लग गेलाह आ हुनका सभक संग रहि गेलाह जे परमेश् वरक शिक्षा आ हुनकर बाट सिखय, आ ककरो नहि बुझल छल जे अब्राम कतय छथि, आ अब्राम बहुत दिन धरि नूह आ अपन पुत्र शेमक सेवा कयलनि।
6 अब्राम नूहक घर मे उनतीस वर्ष धरि रहलाह, आ अब्राम तीन वर्षक उम्र सँ प्रभु कैँ चिन्हैत छलाह, आ ओ अपन मृत्युक दिन धरि प्रभुक बाट पर चलैत रहलाह, जेना नूह आ हुनकर पुत्र शेम हुनका सिखा देने छलाह। आ ओहि दिन मे पृथ्वीक सभ पुत्र प्रभुक विरुद्ध बहुत उल्लंघन कयलनि, आ हुनका विरुद्ध विद्रोह कयलनि आ दोसर देवताक सेवा कयलनि, आ ओ सभ प्रभु कैँ बिसरि गेलाह जे हुनका सभ कैँ पृथ्वी मे बनौने छलाह; ओहि समय मे पृथ् वी पर रहनिहार सभ अपना-अपन देवता बनौलनि। लकड़ी आ पाथरक देवता जे ने बाजि सकैत छल, ने सुनैत छल आ ने बचा सकैत छल, आ मनुष्यक बेटा सभ ओकर सेवा करैत छल आ ओ सभ ओकर देवता बनि गेल छल|
7 राजा आ ओकर सभ नौकर आ तेरा ओकर समस्त घरक लोक ओहि समय मे लकड़ी आ पाथरक देवता सभक सेवा करयवला सभ मे पहिल लोक छलाह।
8 सालक बारह मासक बाद तेराक बारह टा पैघ आकारक लकड़ी आ पाथरक देवता छलनि, आ ओ प्रत्येक मासक सेवा करैत छलाह, आ हर मास तेरा अपन देवता सभ कैँ अपन अन्नबलि आ पेयबलि अनैत छलाह। तेरा भरि दिन एना करैत रहलाह।

9 ओ सभ पीढ़ी प्रभुक नजरि मे दुष्ट छल, आ एहि तरहेँ ओ सभ प्रत्येक केँ अपन देवता बना लेलक, मुदा ओ सभ ओहि प्रभु केँ छोड़ि देलक जे ओकरा सभ केँ सृष्टि केने छलाह।
10 ओहि समय मे पूरा पृथ् वी मे कोनो एहन आदमी नहि भेटल जे प्रभु केँ चिन्हैत छल (किएक तँ ओ सभ प्रत्येक अपन परमेश् वरक सेवा करैत छल) सिवाय नूह आ हुनकर घरक लोक आ हुनकर सलाह मे बैसल सभ लोक प्रभु केँ चिन्हैत छल।
11 तेराक पुत्र अब्राम ओहि समय मे नूहक घर मे पैघ भ' रहल छलाह, मुदा ई बात ककरो नहि बुझल छलनि आ प्रभु हुनका संग छलाह।
12 परमेश् वर अब्राम केँ समझदार हृदय देलथिन, आ ओ जनैत छलाह जे ओहि पीढ़ीक सभ काज व्यर्थ अछि आ हुनकर सभक सभ देवता व्यर्थ अछि आ कोनो लाभ नहि।
13 अब्राम पृथ्वी पर सूर्य चमकैत देखलनि आ अब्राम मने-मन कहलथिन जे आब ई सूर्य जे पृथ्वी पर चमकैत अछि, ओ परमेश् वर छथि आ हम हुनकर सेवा करब।
14 ओहि दिन अब्राम सूर्यक सेवा कयलनि आ ओ हुनका सँ प्रार्थना कयलनि, तखन साँझ भेला पर रोजाना जकाँ सूर्यास्त भऽ गेलाह आ अब्राम मने-मन बजलाह, "ई परमेश् वर नहि भऽ सकैत छथि?"
15 अब्राम एखनो मने-मन बजैत रहलाह, "आकाश आ पृथ् वी के बनौनिहार के छथि?" पृथ्वी पर के सृष्टि केलक? ओ कतय छथि?
16 हुनका पर राति अन्हार भऽ गेलनि आ ओ पश्चिम, उत्तर, दक्षिण आ पूब दिस आँखि उठा कऽ देखलनि जे पृथ्वीसँ सूर्य विलुप्त भऽ गेल आ दिन अन्हार भऽ गेल।
17 अब्राम हुनका सोझाँ मे तारा आ चान देखि कहलथिन, "सत्ते ई परमेश् वर छथि जे समस्त पृथ्वीक संग-संग मनुष् य केँ सेहो बनौलनि, आ देखू, ई हुनकर सेवक सभ हुनका चारू कात देवता छथि।
18 भोरे जखन इजोत भेल आ रौद पृथ्वी पर रोज जकाँ चमकि गेल तखन अब्राम परमेश् वर परमेश् वर द्वारा पृथ् वी पर जे किछु बनौने छलाह, तकरा सभ किछु देखलनि।
19 अब्राम मने-मन कहलथिन जे ई सभ पृथ्वी आ समस्त मनुष्य केँ बनौनिहार देवता नहि छथि, बल् कि ई सभ परमेश् वरक सेवक छथि, आ अब्राम नूहक घर मे रहलाह आ ओतहि प्रभु आ हुनकर बाट केँ जनैत रहलाह' आ ओ अपन जीवन भरि प्रभुक सेवा कयलनि, आ ओ सभ पीढ़ी प्रभु केँ बिसरि गेलाह, आ काठ आ पाथरक आन देवता सभक सेवा कयलनि आ भरि दिन विद्रोह कयलनि।
20 राजा निमरोद सुरक्षित रूप सँ राज् य कयलनि, आ समस्त पृथ् वी हुनका वश मे छल आ समस्त पृथ् वी एक भाषा आ एकताक वचन मे छल।
21 निमरोदक सभ सरदार आ ओकर महापुरुष सभ एक संग विचार-विमर्श कयलनि। फुत, मित्ाइम, कुश आ कनान अपन परिवारक संग ओ सभ एक दोसरा सँ कहलथिन, "आउ, हम सभ अपना लेल एकटा नगर आ ओहि मे एकटा मजबूत बुर्ज बनाबी, आ ओकर चोटी स्वर्ग धरि पहुँचि जाय, आ हम सभ अपना केँ प्रसिद्ध बना लेब, जाहि सँ हम सभ पूरा संसार पर राज करब, जाहि सँ हम सभ अपन शत्रु सभक दुष्टता हमरा सभ सँ समाप्त भ' जाय, जाहि सँ हम सभ ओकरा सभ पर सामर्थ्य सँ राज क' सकब, आ जाहि सँ हम सभ ओकरा सभ पर छिड़िया नहि जाय।" अपन युद्धक कारणेँ पृथ्वी।
22 ओ सभ राजाक समक्ष गेलाह आ राजा केँ ई बात कहलथिन आ राजा एहि बात मे हुनका सभक संग सहमत भेलाह आ ओ सभ एना कयलनि।
23 लगभग छह लाख आदमीक समस्त परिवार जमा भ' गेल आ ओ सभ नगर आ बुर्जक निर्माणक लेल एकटा विस्तृत जमीन ताकय लेल गेल, आ ओ सभ पूरा धरती मे खोजि लेलक आ ओकरा सभ केँ शिनार देशक पूरब मे, लगभग दू दिनक पैदल दूरी पर कोनो घाटी जकाँ कोनो घाटी नहि भेटल, आ ओ सभ ओतय यात्रा कयल आ ओ सभ ओतहि रहि गेल।
24 ओ सभ ईंट बनबऽ लगलाह आ आगि जराबऽ लगलाह, जाहि सँ ओ सभ ओहि नगर आ ओहि बुर्ज केँ बनय लगलाह, जकरा पूरा करबाक कल्पना केने छलाह।
25 ओहि बुर्जक निर्माण हुनका सभक लेल अपराध आ पाप छल, आ ओ सभ एकरा बनाबय लगलाह, आ जखन ओ सभ स् वर्गक परमेश् वरक विरुद्ध निर्माण करैत छलाह, तखन ओ सभ अपन मोन मे कल्पना कयलनि जे हुनका विरुद्ध युद्ध करबाक आ स् वर्ग मे चढ़ब।
26 ई सभ लोक आ सभ कुल तीन भाग मे बँटि गेल। पहिल कहलक जे हम सभ स्वर्ग मे चढ़ब आ हुनका सँ लड़ब। दोसर कहलक, "हम सभ स् वर्ग मे चढ़ि कऽ अपन देवता केँ ओतहि राखि कऽ हुनकर सेवा करब। तेसर भाग कहलक, "हम सभ स् वर्ग मे चढ़ि कऽ ओकरा धनुष आ भाला सँ मारि देब।" परमेश् वर हुनका सभक सभ काज आ सभटा अधलाह विचार केँ जनैत छलाह आ ओहि नगर आ ओहि बुर्ज केँ देखलनि जे ओ सभ बना रहल छलाह।
27 जखन ओ सभ निर्माण करैत छलाह तखन ओ सभ अपना लेल एकटा पैघ शहर आ एकटा बहुत ऊँच आ मजबूत बुर्ज बनौलनि। आ एकर ऊँचाईक कारणेँ मोर्टार आ ईंट ओहि पर चढ़बा काल बिल्डर सभ लग नहि पहुँचैत छल, जाबत धरि चढ़निहार लोकनि पूरा साल पूरा नहि क' लेने छलाह, आ तकर बाद, ओ सभ बिल्डर सभ लग पहुँचि क' मोर्टार आ ईंट सभ हुनका सभ केँ द' देलनि; एहि तरहेँ नित्य होइत छल।
28 देखू, ई सभ दिन भरि चढ़ल आ आन लोक सभ नीचाँ उतरि गेल। आ जँ हुनका सभक हाथसँ ईंट खसि पड़ैत छल आ टूटि जाइत छल तँ सभ ओहि पर कानैत छल आ जँ कोनो आदमी खसि पड़ैत छल आ मरि जाइत छल तँ कियो ओकरा दिस नहि तकैत छल |
29 प्रभु हुनका सभक विचार केँ जनैत छलाह आ जखन ओ सभ निर्माण करैत छलाह तखन ओ सभ बाण केँ आकाश दिस फेकि देलनि आ सभ बाण खून सँ भरल हुनका सभ पर खसि पड़लनि आ ओकरा सभ केँ देखि ओ सभ एक-दोसर केँ कहलथिन, "हम सभ स् वर्ग मे रहनिहार सभ केँ मारि देलहुँ।"
30 ई बात प्रभुक दिस सँ भेल छल जे हुनका सभ केँ भटका देबऽ आ क्रम मे। जमीनक मुँहसँ ओकरा सभकेँ नष्ट करबाक लेल।
31 ओ सभ बुर्ज आ नगर बनौलनि आ ओ सभ दिन-प्रतिदिन ई काज करैत रहलाह जाबत धरि बहुत दिन आ वर्ष बीति नहि गेल।
32 परमेश् वर हुनका सामने सभ सँ आगू ठाढ़ सत्तरि स् वर्गदूत सभ केँ कहलथिन जे, "आउ, हम सभ उतरि कऽ हुनका सभक जीह केँ भ्रमित करू, जाहि सँ एक आदमी अपन पड़ोसीक भाषा नहि बुझि सकय, आ ओ सभ हुनका सभक संग एना कयलनि।"
33 ओहि दिन सँ ओ सभ एक-एकटा अपन पड़ोसीक भाषा बिसरि गेलाह, आ एक भाषा मे बाजब नहि बुझि सकलाह, आ

जखन बिल्डर अपन पड़ोसीक हाथ सँ चून वा पाथर ल' लैत छल जे ओ नहि मंगबैत छल, तखन बिल्डर ओकरा फेकि क' अपन पड़ोसी पर फेकि दैत छल, जाहि सँ ओ मरि जाय।
34 ओ सभ एतेक दिन धरि कयलक आ एहि तरहेँ बहुतो केँ मारि देलक।
35 प्रभु ओहि तीनू दल केँ मारि देलथिन आ ओकरा सभक काज आ योजनाक अनुसार दंडित कयलनि। जे कहने छल जे हम सभ स्वर्ग चढ़ब आ अपन देवताक सेवा करब, ओ सभ वानर आ हाथी जकाँ बनि गेल। आ जे सभ कहैत छल जे, "हम सभ बाण सँ स् वर्ग केँ मारब, प्रभु ओकरा सभ केँ मारि देलक, एक आदमी केँ अपन पड़ोसीक हाथ सँ। आ तेसर विभाजन जे कहैत छल, "हम सभ स् वर्ग मे चढ़ि कऽ हुनका सँ लड़ब, प्रभु ओकरा सभ केँ पूरा पृथ्वी पर छिड़िया देलनि।"
36 हुनका सभक बीच जे सभ बचल छल, ओकरा सभ केँ बुझल आ बुझि गेल जे ओ सभ ओहि भवन केँ छोड़ि देलक आ पूरा धरती पर सेहो छिड़िया गेल।
37 ओ सभ नगर आ बुर्जक निर्माण छोड़ि देलक। तेँ ओ ओहि स्थान केँ बाबेल नाम देलनि, कारण ओतय प्रभु समस्त पृथ्वीक भाषा केँ भ्रमित कयलनि। देखू, ओ शिनार देशक पूब दिस छल।
38 जँ मनुष् यक पुत्र सभ जे बुर्ज बनौने छल, तकरा धरती मुँह खोलि ओकर एक तिहाई भाग निगल लेलक आ आकाशसँ आगि सेहो उतरि एक तिहाई भाग जरा देलक आ दोसर तिहाई आइ धरि बचल अछि आ ई ओहि भागक अछि जे ऊपर छल आ ओकर परिधि तीन दिनक पैदल दूरी पर अछि।
39 ओहि बुर्ज मे मनुष्य-पुत्र मे सँ बहुतो लोक मरि गेल।

अध्याय 10

1 तेराक पुत्र अब्रामक जीवनक अड़तालीसम वर्ष मे एबरक पुत्र पेलेगक मृत्यु भऽ गेलनि आ पेलेगक समस्त जीवन दू सय उनतीस वर्ष भेलनि।
2 जखन परमेश् वर मनुष् यक पुत्र सभ केँ अपन पापक कारणेँ बुर्ज पर तितर-बितर कऽ देलथिन, तखन ओ सभ बहुत रास विभाजन मे पसरि गेलाह आ सभ मनुष् य-पुत्र पृथ् वीक चारू कोन मे तितर-बितर भऽ गेलाह।
3 सभ कुल अपन-अपन भाषा, अपन देश वा अपन नगरक अनुसार बनि गेल।
4 मनुख-पुत्र सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार बहुत रास नगर बनौलनि, जतय ओ सभ गेल छलाह आ पूरा पृथ् वी पर जतय प्रभु ओकरा सभ केँ छिड़िया देने छलाह।
5 किछु गोटे ओहि ठाम शहर बनौलनि जाहि ठाम सँ बाद मे ओ सभ समाप्त भ' गेलाह, आ एहि शहर सभ केँ अपन नाम सँ वा अपन बच्चा सभक नाम सँ वा अपन विशेष घटनाक आधार पर राखैत रहलाह।
6 नूहक पुत्र याफेतक पुत्र सभ जा कऽ ओ सभ जतऽ तितर-बितर छल, ओहि ठाम अपना लेल नगर बना लेलक आ अपन सभ नगर केँ अपन नाम पर राखि देलक आ याफेतक पुत्र सभ पृथ् वी पर अनेक विभाजन आ भाषा मे बँटि गेल।
7 याफेतक पुत्र सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार गोमेर, मागोग, मेदाई, जवान, तुबल, मेशेक आ तिरास अछि। ई सभ याफेतक सन् तान सभ अपन-अपन पीढ़ीक अनुसार अछि।
8 गोमेरक सन् तान सभ अपन-अपन नगरक अनुसार फ्रांकम छल, जे फ्रांजा भूमि मे, फ्रान्जा नदीक कात मे, सेना नदीक कात मे रहैत अछि।
9 रेफतक सन् तान बरतोनिम अछि जे लेदा नदीक कात मे बरतोनियाक देश मे रहैत अछि, जे महासागर गिहोन अर्थात् ओशनस मे अपन पानि खाली कऽ दैत अछि।
10 तुगारमाक सन् तान दस कुल अछि, आ ओकर सभक नाम ई सभ अछि- बुजर, परजुनाक, बलगर, एलिकनम, रगबीब, तरकी, बिद, जेबुक, ओंगल आ तिलमाज। ई सब पसरल आ उत्तर मे आराम केलक आ अपना लेल शहर बनौलक।
11 ओ सभ अपन नगर सभ केँ अपन नाम सँ रखलनि, ओ सभ आइ धरि हिथला आ इटलाक नदीक कात मे रहैत छथि।
12 मुदा अंगोली, बालगर आ परजुनाकक परिवार, दुबनीक पैघ नदीक कात मे रहैत अछि। आ हुनका लोकनिक नगरक नाम सेहो अपन नामक अनुसार अछि।
13 जवानक सन् तान मकदोनिया देश मे रहनिहार जवानिम आ मेदयारेक संतान ओरेलम अछि जे कर्सन भूमि मे रहैत अछि आ तुबलक संतान पशिया नदीक कात मे तुस्कानाह देश मे रहैत अछि।
14 मेशेकक संतान शिबश्री आ तिरासक संतान रुशाश, कुशनी आ ओन्गोली अछि। ई सभ जा कऽ अपना लेल नगर बना लेलक। ओ शहर सब अछि जे समुद्र के कात में जाबस के कात में क्यूरा नदी के कात में स्थित अछि, जे त्रागन नदी में खाली भ जाइत अछि |
15 एलीशाक सन् तान सभ अलमानी छथि, आ ओ सभ सेहो जा कऽ अपना लेल शहर बनौलनि। ओ सभ अय्यूब आ शिबथमो पहाड़क बीचमे अवस्थित शहर सभ अछि। आरू ओकरा सिनी में से लुम्बार्डी के लोग छेलै जे अय्यूब आरो शिबथमो के पहाड़ के सामने रहै छै, आरो वू इटली के भूमि पर जीत हासिल करी क आय तक वहीं रहलै।
16 कित्तीमक संतान रोमी छथि जे तिब्रू नदीक कात मे कानोपियाक घाटी मे रहैत छथि।
17 दुदोनीक सन् तान ओ सभ अछि जे बोरदना देशक गिहोन समुद्रक नगर सभ मे रहैत छथि।
18 ई सभ याफेतक वंशज सभ अपन-अपन नगर आ भाषाक अनुसार छल, जखन ओ सभ बुर्जक पाछाँ छिड़िया गेल छल आ ओ सभ अपन नगर सभ केँ अपन नाम आ घटनाक अनुसार बजबैत छल। ई सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार अपन सभ नगरक नाम अछि, जे ओ सभ बुर्जक बाद ओहि दिन मे बनौने छलाह।
19 हामक सन् तान सभ अपन-अपन पीढ़ी आ नगरक अनुसार कुश, मित्ाइम, फुत आ कनान छल।
20 ई सभ जा कऽ अपना लेल नगर बना लेलक आ अपन नगर सभ केँ अपन पूर्वज कुश, मित्ाइम, फुत आ कनानक नाम पर राखि देलक।
21 मित्ाइमक संतान लुदीम, अनामिम, लेहाबी, नफ्तुकीम, पथरुसीम, कस्लुकीम आ कफ्तुरीम, सात कुल अछि।
22 ई सभ सिहोर नदीक कात मे रहैत छथि, जे मिस्रक धार अछि, आ ओ सभ अपना लेल शहर बनौलनि आ ओकरा सभ केँ अपन नाम पर रखलनि।
23 पथ्रोस आ कास्लोकक सन् तान सभ एक संग विवाह कयलनि आ हुनका सभ सँ पाँचो कुल मे पेलिष्टिम, अजातिम आ गेरारीम,

गिथिम आ एक्रोनिम निकललनि। ई सभ सेहो अपना लेल नगर बनौलनि आ आइ धरि अपन नगर सभ कें अपन पूर्वजक नाम पर राखि रहल छथि।
24 कनानक लोक सभ सेहो अपना लेल नगर बनौलक आ अपन नगर सभ कें अपन नाम पर राखि देलक, एगारहटा नगर आ अनगिनत।
25 हाम वंशक चारि गोटे मैदानक देश मे गेलाह। ई चारू आदमीक नाम अछि, सदोम, अमोरा, अदमा आ जबोयम।
26 ई लोकनि मैदानक देश मे अपना लेल चारिटा नगर बनौलनि आ अपन शहरक नाम अपन नाम पर रखलनि।
27 ओ सभ आ ओकर सभक सन्तान आ ओकर सभ लोक ओहि नगर सभ मे रहि गेलाह आ ओ सभ फलित भऽ गेलाह आ बहुत बढ़ि गेलाह आ शान्तिपूर्वक रहि गेलाह।
28 कनानक पुत्र हिवीक पुत्र हूरक पुत्र सेइर जा कऽ पारन पर्वतक सोझाँ एकटा घाटी भेटल आ ओतऽ ओ अपन सातटा पुत्र आ ओकर घरक लोक ओतहि रहि गेल आ जे शहर बनौलनि से अपन नामक अनुसार सेइर रखलनि। ओ सेइर देश आइ धरि अछि।
29 ई सभ हामक वंशज सभ अपन भाषा आ नगरक अनुसार छल, जखन ओ सभ बुर्जक बाद अपन-अपन देश मे छिड़िया गेल छल।
30 एबरक सभ सन् तानक पिता नूहक पुत्र शेमक किछु संतान सेहो जा कऽ अपना लेल शहर बनौलनि जाहि ठाम ओ सभ छिड़ियाएल छल आ अपन शहर सभ कें अपन नाम पर राखि देलक।
31 शेमक पुत्र एलाम, अशूर, अर्पचशाद, लुद आ अराम छल, आ ओ सभ अपना लेल शहर बनौलक आ अपन सभ नगरक नाम अपन नाम पर राखि देलक।
32 शेमक पुत्र अशूर आ ओकर सन्तान आ घरक लोक ओहि समय मे बहुत पैघ झुंडक संग निकलि गेलाह आ ओ सभ दूरक देश मे गेलाह जे ओ सभ गेल छलाह, आ जाहि देश मे ओ सभ गेल छलाह, ओहि देश मे एकटा बहुत विस्तृत घाटी सँ भेंट कयलनि, आ ओ सभ अपना लेल चारिटा नगर बनौलनि आ ओ सभ अपन नाम आ घटनाक अनुसार ओकरा सभ कें बजौलनि।
33 अशूरक सन् तान सभ जे नगर सभ बनौने छल, ओकर नाम ई सभ अछि, नीनवा, रेसेन, कलाख आ रेहोबोतेर। अशूरक लोक सभ आइ धरि ओतहि रहैत अछि।
34 अरामक लोक सभ सेहो जा कऽ अपना लेल एकटा नगर बनौलनि आ ओ सभ अपन जेठ भाइक नाम पर ओहि शहरक नाम उज रखलनि आ ओ सभ ओहि मे रहैत छथि। जे आइ धरि उजक देश अछि।
35 बुर्जक बाद दोसर वर्ष मे अशूरक घरक एक आदमी, जिनकर नाम बेला छल, नीनवा देश सँ अपन घरक लोकक संग जतय-जतय जगह भेटैत छल, ओतय प्रवास करबाक लेल गेलाह। ओ सभ सदोमक समक्ष मैदानक नगर सभक सोझाँ धरि पहुँचि गेलाह।
36 ओ आदमी उठि कऽ ओतऽ एकटा छोट शहर बनौलक आ ओकर नाम बेला रखलक। ओ आइयो सोअरक देश अछि।
37 ई सभ शेमक वंशज सभ अपन-अपन भाषा आ नगरक अनुसार अछि, जखन ओ सभ बुर्जक पाछाँ पृथ् वी पर छिड़िया गेल छल।
38 एकर बाद नूहक वंशक वंशक प्रत्येक राज्य, नगर आ परिवार अपना लेल बहुत रास शहर बनौलक।
39 ओ सभ अपन सभ नगर मे सरकारक स्थापना कयलनि, जाहि सँ हुनका सभक आदेशक अनुसार नियमन कयल जा सकय। तहिना नूहक संतानक सभ परिवार अनन्त काल धरि चलल।

अध्याय 11

1 कुशक पुत्र निमरोद एखनो शिनार देश मे छलाह, ओ ओहि पर राज करैत छलाह आ ओतहि रहैत छलाह आ ओ शिनार देश मे नगर बनौलनि।
2 ओ चारू नगरक नाम अछि जे ओ बनौलनि आ ओकर नाम ओ बुर्जक निर्माण मे घटित घटनाक आधार पर रखलनि।
3 ओ पहिल बाबेल कें बजा कऽ कहलथिन, "किएक तँ परमेश् वर ओतय समस्त पृथ् वीक भाषा कें भ्रमित कयलनि। दोसरक नाम ओ एरेक रखलनि, किएक तँ परमेश् वर ओतहि सँ ओकरा सभ कें तितर-बितर कऽ देलथिन।
4 तेसर कें ओ एचेद कें बजा कऽ कहलथिन जे ओहि ठाम बहुत पैघ युद्ध भेल अछि। चारिम कें ओ कल्ना कें कहलथिन, किएक तँ ओकर राजकुमार आ पराक्रमी सभ ओतहि नष्ट भऽ गेल छलाह आ ओ सभ प्रभु कें परेशान कयलनि, ओ सभ विद्रोह कयलनि आ हुनका विरुद्ध अपराध कयलनि।
5 जखन निमरोद शिनार देश मे एहि नगर सभ कें बनौलनि तखन ओ अपन राज्य मे बचल लोक सभक शेष लोक सभ, अपन राजकुमार सभ आ अपन पराक्रमी सभ कें ओहि सभ मे राखि देलनि।
6 निमरोद बाबेल मे रहलाह आ ओतहि ओ अपन शेष प्रजा पर अपन शासन नवीकरण कयलनि आ ओ सुरक्षित रूप सँ राज केलनि आ निमरोदक प्रजा आ राजकुमार सभ हुनकर नाम अम्राफेल रखलनि आ कहैत छलाह जे बुर्ज पर हुनकर राजकुमार आ लोक हुनकर सामर्थ्य सँ खसि पड़लाह।
7 एकर बादो निमरोद प्रभु लग नहि घुरल, आ ओ दुष्टता मे आ मनुष् यक पुत्र सभ कें दुष्टता सिखाबैत रहलाह। आ ओकर बेटा मार्डन ओकर पितासँ बेसी खराब छलैक आ अपन पिताक घृणित काज सभकें जोड़ैत रहल।
8 ओ मनुष् यक पुत्र सभ कें पाप कयलनि, तें कहल जाइत अछि जे, "दुष्ट लोक मे सँ दुष्टता निकलैत अछि।"
9 ओहि समय मे हामक वंशजक परिवारक बीच युद्ध भेल छल, कारण ओ सभ ओहि नगर सभ मे रहैत छल जे ओ सभ बनौने छल।
10 एलामक राजा कदोर्लाओमेर हामक वंशजक वंशज सभ सँ दूर भऽ गेलाह आ हुनका सभ सँ लड़लनि आ हुनका सभ कें अपन वश मे कयलनि, आ मैदानक पाँच नगर मे गेलाह आ हुनका सभ सँ लड़लनि आ हुनका सभ कें अपन वश मे कयलनि।
11 ओ सभ बारह वर्ष धरि हुनकर सेवा कयलनि आ सालाना कर दैत छलाह।
12 ओहि समय मे तेराक पुत्र अब्रामक जीवनक उनचालीस वर्ष मे सेरुगक पुत्र नाहोरक मृत्यु भऽ गेलनि।
13 तेराक पुत्र अब्रामक जीवनक पचासम वर्ष मे अब्राम नूहक घर सँ बाहर आबि अपन पिताक घर चलि गेलाह।

14 अब्राम परमेश् वर कैँ चिन्हलनि आ ओ अपन बाट आ निर्देशक अनुसार चलैत रहलाह आ हुनकर परमेश् वर प्रभु हुनका संग छलाह।
15 ओहि समय मे हुनकर पिता तेरा एखनो राजा निमरोदक सेनाक सेनापति छलाह आ ओ एखनो परदेशी देवता सभक पालन करैत छलाह।
16 अब्राम अपन पिताक घर पहुँचलाह आ ओहि ठाम बारह टा देवता कैँ अपन-अपन मन् दिर मे ठाढ़ देखलनि।
17 अब्राम कहलथिन, "जहिना प्रभु जीबैत छथि, ई मूर्ति सभ हमर पिताक घर मे नहि रहत। हमरा सृष्टि करनिहार प्रभु हमरा संग तहिना करताह जँ तीन दिनक बाद हम सभटा नहि तोड़ि देब।
18 अब्राम हुनका सभक बीच सँ चलि गेलाह आ हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि। अब्राम जल्दी-जल्दी कोठली सँ अपन पिताक बाहरी आँगन दिस बढ़लाह, तखन ओ अपन पिता कैँ आँगन मे बैसल देखलनि आ हुनकर सभ नौकर-चाकर सेहो हुनका संग आबि गेलाह।
19 अब्राम अपन पिता सँ पुछलथिन, "पिता, हमरा कहू जे परमेश् वर कतऽ छथि जे स् वर्ग आ पृथ् वी आ पृथ् वी पर सभ मनुष् यक सन् तान कैँ सृष्टि केने छथि आ जे अहाँ आ हमरा सृजित केने छथि।" तेरह अपन पुत्र अब्राम कैँ उत्तर देलथिन, "देखू, जे सभ हमरा सभ कैँ सृष्टि केने छथि, से सभ घर मे हमरा सभक संग छथि।"
20 अब्राम अपन पिता कैँ कहलथिन, "हे प्रभु, हमरा ई सभ देखाउ। तेरा अब्राम कैँ भीतरक आँगनक कोठली मे अनलनि, तखन अब्राम देखलनि जे पूरा कोठली लकड़ी आ पाथरक देवता सभ सँ भरल छल, बारह टा पैघ मूर्ति आ अनगिनत मूर्ति सँ कम।
21 तेरह अपन पुत्र कैँ कहलथिन, "देखू, ई सभ ओ सभ अछि जे अहाँक पृथ् वी पर देखय बला सभ किछु बनौलनि, आ हमरा आ अहाँ कैँ आ समस्त मनुष्य कैँ सृजित केलथि।"
22 तेरा अपन देवता सभक समक्ष प्रणाम कयलनि, तखन ओ हुनका सभ सँ दूर भ' गेलाह आ हुनकर पुत्र अब्राम हुनका संग चलि गेलाह।
23 जखन अब्राम हुनका सभ सँ चलि गेलाह तखन ओ अपन माय लग गेलाह आ हुनका सभक सोझाँ बैसलाह आ अपन माय कैँ कहलथिन, "देखू, हमर पिता हमरा आकाश-पृथ्वी कैँ बनौनिहार सभ आ मनुष्यक सभ पुत्र सभ कैँ देखौलनि अछि।"
24 आब जल्दी-जल्दी भेँड़ा मे सँ एकटा बछड़ा आनि कऽ ओकरा सँ सुगंधित भोजन बनाउ, जाहि सँ हम ओकरा अपन पिताक देवता सभ लग ओकरा सभक भोजनक लेल बलिदान बना कऽ आनि सकब। शायद हम एहि तरहेँ हुनका लोकनिक स्वीकार्य भ' सकैत छी।
25 ओकर माय एना केलक आ ओ एकटा बछड़ा आनि कऽ ओकर सुगंधित मांस बना कऽ अब्राम लग अनलक आ अब्राम अपन माय सँ सुगंधित मांस लऽ कऽ अपन पिताक देवता सभक समक्ष अनलनि आ ओ सभ हुनका सभक लग आबि गेलाह जे ओ सभ भोजन करथि। ओकर पिता तेरह कैँ ई बात नहि बुझल छलैक।
26 अब्राम ओहि दिन जखन ओ हुनका सभक बीच बैसल छलाह तखन देखलनि जे हुनका सभक बीच मे आवाज नहि छलनि, सुनय मे कोनो क्षमता नहि छलनि, कोनो गति नहि छलनि, आ कियो भोजन करबाक लेल हाथ नहि बढ़ा सकैत छलनि।
27 अब्राम हुनका सभक उपहास करैत कहलथिन, "हम जे सुगंधित भोजन बनौने रही से हुनका सभ कैँ नीक नहि लागल, वा शायद ओ सभ हुनका सभक लेल बहुत कम छल, आ एहि कारणेँ ओ सभ नहि खाय चाहैत छल। तेँ काल्हि हम ताजा स्वादिष्ट मांस तैयार करब, जे एहि सँ नीक आ बेसी भरपूर होयत, जाहि सँ परिणाम देखब।
28 दोसर दिन अब्राम अपन माय कैँ सुगंधित मांसक विषय मे निर्देश देलथिन, तखन हुनकर माय उठि कऽ झुंड मे सँ तीन टा नीक बछड़ा अनलनि, आ ओहि मे सँ किछु नीक स्वादिष्ट मांस बनौलनि, जेना हुनकर बेटा कैँ नीक लगैत छलनि, आ ओ अपन बेटा अब्राम कैँ द' देलनि। ओकर पिता तेरह कैँ ई बात नहि बुझल छलनि।
29 अब्राम अपन माय सँ सुगंधित भोजन लऽ कऽ अपन पिताक देवता सभक समक्ष कोठली मे अनलनि। ओ हुनका सभक लग आबि गेलाह जे ओ सभ भोजन करथि आ ओकरा सभक सोझाँ राखि देलथिन, आ अब्राम भरि दिन हुनका सभक सोझाँ बैसल छलाह, ई सोचि जे कहीं ओ सभ भोजन क' सकैत छथि।
30 अब्राम ओकरा सभ कैँ देखि कऽ देखलक जे ओकरा सभक आवाज नहि छलैक आ ने सुनबा मे अबैत छलैक, आ ने ओकरा सभ मे सँ कियो भोजनक लेल हाथ बढ़ौलक।
31 ओहि दिनक साँझ मे ओहि घर मे अब्राम परमेश् वरक आत् माक वस्त्र पहिरने छलाह।
32 ओ पुकारैत कहलथिन, "हमर पिता आ एहि दुष्ट पीढ़ी कैँ धिक्कार अछि, जिनकर सभक हृदय व्यर्थता दिस झुकल अछि, जे एहि लकड़ी आ पाथरक मूर्ति सभक सेवा करैत अछि जे ने खा सकैत अछि, गंध नहि क' सकैत अछि, नहि सुनि सकैत अछि आ नहि बाजि सकैत अछि, जकर मुँह बिना बाजैत अछि, आँखि नहि देखि सकैत अछि, कान नहि सुनैत अछि, हाथ मे कोनो भाव नहि आ पैर जे नहि हिलैत अछि। हुनका सभ जकाँ ओहो सभ छथि जे हुनका सभकैँ बनौने छथि आ जे हुनका सभ पर भरोसा करैत छथि ।
33 ई सभ बात देखि अब्राम अपन पिता पर क्रोध भड़कि उठलाह, आ ओ जल्दी-जल्दी हाथ मे एकटा कटहर लऽ कऽ देवता सभक कोठली मे आबि गेलाह आ अपन पिताक सभ देवता कैँ तोड़ि देलनि।
34 मूर्ति सभ कैँ तोड़ि कऽ ओ कुल्हाड़ी ओहि महान देवताक हाथ मे राखि देलथिन आ ओ बाहर निकलि गेलाह। ओकर पिता तेरा घर आबि गेलाह, किएक तँ ओ दरबज्जा पर खटखटाक आवाज सुनने छलाह। तेँ तेरा घर मे आबि गेलाह जे ई की बात अछि।
35 तेरा मूर्तिक कोठली मे कटहरक आवाज सुनि मूर्ति सभक कोठली दिस दौड़ल गेलाह आ अब्राम सँ बाहर निकलैत काल भेंट केलनि।
36 तेरा कोठली मे घुसि कऽ सभ मूर्ति सभ खसि पड़ल आ टूटल-फूटल देखलक आ सभसँ पैघ मूर्तिक हाथमे कटहर जे नहि टूटल छल आ ओकर पुत्र अब्राम द्वारा बनाओल गेल सुगंधित मांस एखनो ओकरा सभक सोझाँ छल।
37 तेरा ई देखि हुनकर क्रोध बहुत भड़कि उठलनि आ ओ जल्दी-जल्दी कोठली सँ अब्राम लग चलि गेलाह।
38 ओ अपन पुत्र अब्राम कैँ एखनो घर मे बैसल देखलनि। ओ हुनका पुछलथिन, "ई काज अहाँ हमर देवता सभक संग की केलहुँ?"

39 अब्राम अपन पिता तेराह कैँ उत्तर देलथिन आ ओ कहलथिन, “एना नहि हमर मालिक, किएक तँ हम हुनका सभक सोझाँ सुगंधित मांस अनने छलहुँ, आ जखन हम हुनका सभक पास ओहि मांस कैँ ल' क' आबि गेलहुँ जे ओ सभ खा सकैत छल, तखन ओ सभ एक संग हाथ पसारि क' भोजन करबाक लेल तैयार भ' गेलाह, जखन कि महान व्यक्ति भोजन करबाक लेल हाथ बढ़ौलनि।”
40 बड़का ओकरा सभक काज देखलकै जे ओ सभ ओकरा सभ सँ पहिने केने छल, आ ओकर क्रोध ओकरा सभ पर जोरदार भड़कि गेलै, आ ओ जा कऽ घर मे छलैक आ ओकरा सभ लग आबि गेलैक आ ओकरा सभ कैँ तोड़ि देलकैक, आ देखै छै जे कुल्हाड़ी एखनो ओकर हाथ मे छैक जेना अहाँ देखैत छी।
41 ई बात कहला पर तेराक क्रोध अपन पुत्र अब्राम पर भड़कि उठलनि। तेरह अपन पुत्र अब्राम कैँ क्रोध मे पुछलथिन, “ई की कथा अहाँ कहलहुँ?” अहाँ हमरासँ झूठ बजैत छी।
42 की एहि देवता सभ मे आत् मा, आत् मा वा सामर्थ् य अछि जे अहाँ हमरा जे किछु कहलहुँ से पूरा कऽ सकैत छी? की ई सभ लकड़ी आ पाथर नहि अछि आ की हम स्वयं एकरा सभ कैँ नहि बनौने छी आ की अहाँ एहन झूठ बाजि सकैत छी जे ओकरा सभक संग जे पैघ देवता ओकरा सभ कैँ मारि देलक? अहाँ छी जे ओकर हाथ मे कुल्हाड़ी राखि देलहुँ, आ तखन कहैत छी जे ओ सभ कैँ मारि देलक।
43 अब्राम अपन पिता कैँ उत्तर देलथिन, “तखन अहाँ एहि मूर्ति सभक सेवा कोना क' सकैत छी, जिनका मे कोनो काज करबाक अधिकार नहि अछि?” अहाँ जाहि मूर्ति पर भरोसा करैत छी, की अहाँ कैँ बचा सकैत अछि? की ओ सभ अहाँक प्रार्थना सुनि सकैत छथि जखन अहाँ हुनका सभ कैँ पुकारैत छी? की ओ सभ तोरा शत्रु सभक हाथ सँ बचा सकैत अछि वा तोहर शत्रु सभक विरुद्ध तोहर युद्ध लड़त, जाहि सँ अहाँ लकड़ी आ पाथरक सेवा करब जे ने बाजि सकैत अछि आ ने सुनैत अछि?
44 आब निश्चित रूप सँ अहाँक लेल आ ने मनुष् यक पुत्र सभक लेल जे अहाँ सँ जुड़ल अछि, ई सभ काज करब नीक नहि। की अहाँ एतेक मूर्ख छी, एतेक मूर्ख छी वा एतेक कम समझ मे छी जे लकड़ी आ पाथरक सेवा करब, आ एहि तरहेँ करब?
”
46 की हमरा सभक पूर्वज एहि विषय मे पाप नहि केने छलाह आ ब्रह्माण्डक परमेश् वर हुनका सभ पर जलप्रलयक पानि अनलनि आ समस्त पृथ्वी कैँ नाश कयलनि?
”
48 आब हमर पिता एहि बात सँ परहेज करू आ तोहर आ अपन घरक लोक पर कोनो दुष् टता नहि आनब।
49 अब्राम जल्दी-जल्दी अपन पिताक सोझाँ सँ उछलि गेलाह आ अपन पिताक सभ सँ पैघ मूर्ति सँ कटहर लऽ लेलनि, जाहि सँ अब्राम ओकरा तोड़ि कऽ भागि गेलाह।
50 तेरा अब्रामक सभ काज देखि जल्दी-जल्दी अपन घर सँ विदा भेलाह आ राजा लग गेलाह आ ओ निमरोदक सोझाँ आबि हुनका सोझाँ ठाढ़ भ' गेलाह आ राजाक समक्ष प्रणाम कयलनि। राजा कहलथिन, “अहाँ कैँ की चाही?”
51 ओ कहलथिन, “हम हमर मालिक अहाँ सँ विनती करैत छी जे हमर बात सुनू। आब, हमर मालिक आ राजा, ओकरा बजाउ जे ओ अहाँक सोझाँ आबि क' ओकर धर्म-नियमक अनुसार न्याय करथि, जाहि सँ हम सभ ओकर दुष्टता सँ मुक्त भ' सकब।”
52 राजा अपन तीनटा नौकर कैँ पठौलनि आ ओ सभ जा कऽ अब्राम कैँ राजाक समक्ष अनलनि। ओहि दिन निमरोद आ ओकर सभ सरदार आ नोकर हुनका सभक सोझाँ बैसल छलाह आ तेरा सेहो हुनका सभक सोझाँ बैसल छलाह।
53 राजा अब्राम कैँ कहलथिन, “ई की केलहुँ जे अहाँ अपन पिता आ हुनकर देवता सभक संग केलहुँ?” अब्राम अपन पिता सँ कहल बात मे राजा कैँ उत्तर देलथिन आ ओ कहलनि जे, “घर मे हुनका सभक संग जे पैघ देवता छलाह, से हुनका सभक संग कयलनि जे अहाँ सुनलहुँ।”
54 राजा अब्राम कैँ कहलथिन, “की हुनका सभ कैँ बजबाक आ भोजन करबाक आ अहाँक कहल बात करबाक अधिकार छलनि?” अब्राम राजा कैँ उत्तर देलथिन, “जँ हुनका सभ मे कोनो सामर्थ्य नहि अछि तँ अहाँ हुनका सभक सेवा किएक करैत छी आ मनुष् य-पुत्र सभ कैँ अपन मूर्खता मे किएक भटका दैत छी?”
55 की अहाँ सोचैत छी जे ओ सभ अहाँ कैँ बचा सकैत अछि वा कोनो छोट-पैघ काज कऽ सकैत अछि जाहि सँ अहाँ हुनका सभक सेवा करी? आ अहाँ समस्त ब्रह्माण्डक भगवानक बोध किएक नहि करब, जे अहाँ कैँ सृष्टि केने छथि आ जिनकर शक्ति मे मारब आ जीवित राखब अछि?
56 0 मूर्ख, सरल आ अज्ञानी राजा, अहाँ पर सदाक लेल हाय।
57 हम सोचलहुँ जे अहाँ अपन सेवक सभ कैँ सोझ बाट सिखबैत छी, मुदा अहाँ ई काज नहि केलहुँ, बल् कि पूरा पृथ्वी कैँ अपन पाप आ अहाँक बाट पर चलय बला लोक सभक पाप सँ भरि देलहुँ।
58 की अहाँ नहि जनैत छी वा नहि सुनने छी जे ई दुष्टता जे अहाँ करैत छी, हमरा सभक पूर्वज सभ एहि मे पाप कयलनि, आ अनन्त परमेश् वर हुनका सभ पर जलप्रलयक पानि अनलनि आ सभ कैँ नष्ट कयलनि, आ हुनका सभक कारणेँ समस्त पृथ्वी कैँ सेहो नष्ट कयलनि? आ की अहाँ आ अहाँक लोक एखन उठि कऽ एहि काज जकाँ करब, जाहि सँ ब्रह्माण्डक परमेश् वर परमेश् वरक क्रोध कैँ नीचाँ आनि अहाँ आ समस्त पृथ्वी पर अधलाह आनि सकब?
59 आब अहाँ जे अधलाह काज करैत छी से छोड़ि कऽ ब्रह्माण्डक परमेश् वरक सेवा करू, जेना अहाँक प्राण हुनकर हाथ मे अछि, तखन अहाँक नीक होयत।
60 आ जँ तोहर दुष्ट हृदय हमर बात कैँ नहि सुनत जे अहाँ कैँ अपन दुष्ट बाट छोड़ि अनन्त परमेश् वरक सेवा करब, तखन अहाँ, अहाँ, अहाँक लोक आ अहाँ सँ जुड़ल सभ गोटे, अहाँक बात सुनि वा अहाँक दुष्ट मार्ग पर चलैत, लज्जित भऽ कऽ मरि जायब।
61 जखन अब्राम राजा आ राजकुमार सभक समक्ष गप्प करब छोड़ि देलनि तँ अब्राम आकाश दिस बढ़ि कऽ कहलथिन, “प्रभु सभ दुष् ट लोक सभ कैँ देखैत छथि आ ओ हुनका सभक न् याय करताह।”

अध्याय 12

1 राजा अब्रामक बात सुनि हुनका जेल मे राखबाक आदेश देलथिन। अब्राम दस दिनक जेल मे रहलाह।
2 ओहि दिनक अंत मे राजा आज्ञा देलथिन जे विभिन्न प्रांतक सभ राजा, राजकुमार आ राज्यपाल आ ऋषि-मुनि सभ हुनका सोझाँ आबि जाय, आ ओ सभ हुनका सोझाँ बैसल रहथि आ अब्राम एखनो कैदक घर मे छलाह।

3 राजा राजकुमार आ ऋषि-मुनि सभ कें कहलथिन, "की अहाँ सभ सुनने छी जे तेराक पुत्र अब्राम अपन पिताक संग की केने छथि?" ओ हुनका संग एहि तरहें केलनि आ हम हुनका हमरा सोझाँ अनबाक आदेश देलियनि, आ ओ एहि तरहें बजलाह। ओकर मोन ओकरा सँ कोनो शंका नहि भेलैक, आ ने हमर सोझाँ मे हिल गेलैक, आ देखू आब ओ जेल मे बंद अछि।

4 तेँ ई निर्णय करू जे राजा कें गारि देनिहार एहि आदमी कें कोन तरहक न्याय करबाक चाही। जे सभ बात अहाँ सभ सुनलहुँ से बाजल आ कयलक।

5 ओ सभ राजा कें उत्तर देलथिन, "जे राजा कें निन्दा करैत अछि, ओकरा गाछ पर फाँसी देल जाय। मुदा ओ जे किछु कहने छलाह से कऽ कऽ हमरा सभक देवता सभ कें तिरस्कृत कऽ कऽ ओकरा जरा कऽ मारल जेबाक चाही, किएक तँ एहि विषय मे ई नियम अछि।

6 जँ राजा कें ई करबाक चाही तँ ओ अपन नोकर सभ कें आज्ञा देथिन जे अहाँक ईंटाक भट्ठी मे राति-दिन आगि जराबथि, तखन हम सभ एहि आदमी कें ओहि मे फेकि देब। राजा एना कयलनि आ अपन नोकर सभ कें आज्ञा देलथिन जे राजाक भट्ठी अर्थात कासदीम मे तीन दिन आ तीन राति धरि आगि लगाबथि। राजा हुनका सभ कें आदेश देलथिन जे अब्राम कें जेल सँ लऽ कऽ बाहर निकालि कऽ जराओल जाय।

7 राजाक सभ सेवक, राजकुमार, प्रभु, राज्यपाल, न्यायाधीश आ ओहि देशक सभ निवासी, लगभग नौ लाख आदमी, अब्राम कें देखबाक लेल भट्ठीक सोझाँ ठाढ़ भ' गेलाह।

8 सभ महिला आ छोट-छोट बच्चा सभ अब्रामक संग की भऽ रहल अछि से देखबाक लेल छत आ बुर्ज सभ पर भीड़ लगाओल गेल। आ कोनो एहन आदमी नहि बचल छल जे ओहि दिन ओहि दृश्य कें देखय लेल नहि आयल हो।

9 जखन अब्राम आबि गेलाह तखन राजाक जादूगर आ ऋषि-मुनि सभ अब्राम कें देखि राजा कें चिचिया उठलनि, "हमर सभक सार्वभौम, निश्चय ई ओ आदमी छथि जिनका हम सभ जनैत छी जे ओ बच्चा छल, जकर जन्मक समय मे महान तारा चारि तारा कें निगल गेल छल, जकरा हम सभ राजा कें आब पचास वर्षक बाद घोषित कएने रही।"

10 देखू, आब ओकर पिता सेहो अहाँक आज्ञाक उल्लंघन कऽ कऽ अहाँक उपहास कयलनि जे अहाँ एकटा आओर बच्चा कें आनि कऽ अहाँ कें मारि देलियैक।

11 राजा हुनका सभक बात सुनि कऽ बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ तेरा कें हुनका सभक सोझाँ अनबाक आज्ञा देलनि।

12 राजा कहलथिन, "की अहाँ सुनने छी जे जादूगर सभक कहब अछि?" आब हमरा सत्ते कहू जे अहाँ कोना केलहुँ; आ जँ अहाँ सत् य बाजब तँ अहाँ निर्दोष भऽ जायब।

13 राजाक क्रोध एतेक प्रज्वलित भऽ तेरा राजा कें कहलथिन, "हे प्रभु आ राजा, अहाँ सत्य सुनलहुँ आ ऋषि लोकनि जे कहने छथि से सही अछि।" राजा कहलथिन, "अहाँ ई काज कोना कऽ सकलहुँ, जे हमर आज्ञाक उल्लंघन कऽ सकलहुँ आ हमरा एकटा एहन बच्चा दऽ सकलहुँ जे अहाँ नहि जनौलहुँ आ ओकर मोल लेबऽ?"

14 तेरा राजा कें उत्तर देलथिन, "ओहि समय मे हमर पुत्रक प्रति कोमल भाव उत्तेजित छल आ हम अपन दासीक एकटा बेटा कें लऽ कऽ राजा लग अनलहुँ।"

15 राजा पुछलथिन जे अहाँ कें एहि बातक सलाह के देलक? हमरा कहू, हमरा सँ किछु नहि नुकाउ, तखन अहाँ नहि मरि जायब।

16 तेरा राजाक सोझाँ मे बहुत आतंकित भऽ राजा कें कहलथिन, "हमर जेठ पुत्र हारन छल जे हमरा एहि बातक सलाह देलक। अब्रामक जन्मक समय मे हारान दू तीस वर्षक छलाह।

17 मुदा हारान अपन पिता कें कोनो बातक सलाह नहि देलनि, किएक तँ तेरा राजा सँ अपन प्राण कें राजा सँ बचाबय लेल ई बात कहलनि, कारण ओ बहुत डरैत छलाह। राजा तेरा कें कहलथिन, "अहाँक पुत्र हारान जे अहाँ कें एहि बातक सलाह देलनि, ओ अब्रामक संग आगि मे मरत। कारण, ई काज करबा मे राजाक इच्छाक विरुद्ध विद्रोह करबाक कारणेँ ओकरा पर मृत्युक सजा छैक |

18 ओहि समय मे हारान कें अब्रामक बाट पर चलबाक प्रवृत्ति छलनि, मुदा ओ एकरा अपना भीतर राखि लेलनि।

19 हारान मोन मे कहलथिन, "अब्रामक एहि काज सभक कारणेँ राजा अब्राम कें पकड़ि लेलक अछि, आ एहन होयत जे जँ अब्राम राजा पर विजय प्राप्त करत तँ हम हुनकर पाछाँ लागब, मुदा जँ राजा विजयी होयत तँ हम राजाक पाछाँ लागब।"

20 जखन तेरा राजा कें अपन पुत्र हारानक विषय मे ई बात कहलथिन तखन राजा हारन कें अब्राम कें पकड़बाक आदेश देलथिन।

21 ओ सभ अब्राम आ ओकर भाय हारन दुनू गोटे कें आगि मे फेकबाक लेल अनलनि। ओहि दिन ओहि देशक सभ निवासी, राजाक नौकर-चाकर, राजकुमार आ सभ स्त्रीगण आ छोट-छोट बच्चा सभ ओहि दिन हुनका सभक ऊपर ठाढ़ छलाह।

22 राजाक नोकर सभ अब्राम आ हुनकर भाय कें लऽ कऽ हुनका सभक नीचाँक वस्त्र छोड़ि ओकर सभटा कपड़ा उतारि देलकनि।

23 ओ सभ अपन हाथ-पैर लिनेनक डोरी सँ बान्हि लेलक आ राजाक नोकर सभ ओकरा सभ कें उठा कऽ दुनू कें भट्ठी मे फेकि देलक।

24 परमेश् वर अब्राम सँ प्रेम कयलनि आ हुनका पर दया आबि गेलनि आ परमेश् वर उतरि कऽ अब्राम कें आगि सँ मुक्त कयलनि आ ओ नहि जरि गेलाह।

25 मुदा अब्राम जे सभ डोरी सँ हुनका बान्हने छलाह, से सभ जरि गेलाह, जखन कि अब्राम आगि मे रहि कऽ घुमैत रहलाह।

26 जखन ओ सभ ओकरा आगि मे फेकि कऽ हारान मरि गेल आ ओ राखि कऽ भऽ गेल, किएक तँ ओकर हृदय प्रभुक संग सिद्ध नहि छल। जे लोक सभ ओकरा आगि मे फेकि देलक, आगिक लौ ओकरा सभ पर पसरि गेल आ ओ सभ जरि गेल आ ओकरा सभ मे सँ बारह गोटे मरि गेल।

27 अब्राम तीन दिन आ तीन राति आगि मे चललाह, तखन राजाक सभ नौकर हुनका आगि मे चलैत देखि राजा कें कहलथिन, "देखू, हम सभ अब्राम कें आगि मे घुमैत देखलहुँ, आ नीचाँक वस्त्र सेहो नहि जरि गेल अछि, मुदा जाहि डोरी सँ हुनका बान्हल गेल छल, से जरि गेल अछि।"

28 राजा हुनका सभक बात सुनि हुनकर मोन बेहोश भऽ गेलनि आ हुनका सभ पर विश्वास नहि कयलनि। तेँ ओ एहि विषय कें देखबाक लेल आन विश्वासी राजकुमार सभ कें पठौलनि, आ ओ सभ जा कऽ ई बात देखि राजा कें कहलथिन। राजा उठि कऽ देखबाक लेल जा कऽ अब्राम कें आगि मे एम्हर-ओम्हर घुमैत

देखलक आ हारानक लाश जरि गेल देखलक आ राजा बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेल।
29 राजा अब्राम कैं आगि मे सँ बाहर निकालबाक आदेश देलथिन। हुनकर नोकर सभ हुनका बाहर निकालबाक लेल लग आबि गेलाह मुदा ओ सभ नहि कऽ सकलाह, किएक तँ चारू कात आगि लागल छल आ भट्ठी सँ लौ ओकरा सभ दिस बढ़ि रहल छल।
30 राजाक नोकर सभ ओहि ठाम सँ भागि गेल आ राजा हुनका सभ कैं डाँटि कऽ कहलथिन, "जल्दी-जल्दी अब्राम कैं आगि मे सँ बाहर निकालू जाहि सँ अहाँ सभ नहि मरि जायब।"
31 राजाक नोकर सभ फेर सँ अब्राम कैं बाहर निकालबाक लेल लग आबि गेलाह आ आगि हुनका सभ पर आबि गेलनि आ हुनका सभक मुँह जरि गेलनि जाहि सँ आठ गोटे मरि गेलाह।
32 जखन राजा देखलनि जे हुनकर सेवक सभ आगि लग नहि जा सकैत अछि जाहि सँ ओ सभ जरि नहि जायत, तखन राजा अब्राम कैं बजा लेलनि, हे स्वर्ग मे परमेश् वरक सेवक, आगि मे सँ बाहर जाउ आ हमरा सोझाँ एतय आबि जाउ। अब्राम राजाक आवाज सुनि कऽ आगि मे सँ निकलि राजाक सोझाँ आबि कऽ ठाढ़ भऽ गेलाह।
33 जखन अब्राम बाहर निकललाह तखन राजा आ हुनकर सभ नौकर अब्राम कैं अपन निचला वस्त्र पहिरने राजाक सोझाँ आबि रहल देखलनि, कारण ओ सभ नहि जरि गेल छल, मुदा जाहि डोरी सँ ओ बान्हल छलाह से जरि गेल छल।
34 राजा अब्राम कैं पुछलथिन, "अहाँ कोना आगि मे नहि जरि गेलहुँ?"
35 अब्राम राजा कैं कहलथिन, "हम जे आकाश-पृथ्वीक परमेश् वर पर भरोसा करैत छी आ जिनका अपन सभटा सामर्थ् य छनि, ओ हमरा ओहि आगि सँ बचा लेलनि जाहि मे अहाँ हमरा फेकि देलहुँ।"
36 अब्रामक भाय हारन जरि कऽ राख भऽ गेलाह आ ओ सभ हुनकर लाश तकैत रहलाह आ ओ सभ ओकरा भस्म भऽ गेल देखलनि।
37 हारान बयासी वर्षक छल जखन ओ कासदीमक आगि मे मरि गेलाह। राजा, राजकुमार आ देशक निवासी सभ अब्राम कैं आगि सँ मुक्त भेला पर आबि अब्राम कैं प्रणाम कयलनि।
38 अब्राम हुनका सभ कैं कहलथिन, "हमरा प्रणाम नहि करू, बल् कि अहाँ सभ कैं बनौनिहार संसारक परमेश् वरक समक्ष प्रणाम करू आ हुनकर सेवा करू आ हुनकर बाट मे चलि जाउ, किएक तँ ओएह छथि जे हमरा एहि आगि सँ मुक्त कयलनि, आ ओ अछि जे सभ मनुष् यक प्राण आ आत् मा कैं सृजित कयलनि, आ अपन मायक कोख मे मनुष् य कैं बनौलनि आ ओकरा संसार मे अनलनि, आ ओहि पर भरोसा करनिहार सभ कैं सभ सँ मुक्ति देताह।" दर्द।
39 राजा आ राजकुमार सभक नजरि मे ई बात बहुत अद्भुत लागल जे अब्राम आगि सँ बचि गेलाह आ हारान जरि गेलाह। राजा अब्राम कैं बहुत रास उपहार देलथिन आ ओ राजाक घर सँ अपन दू टा मुख्य सेवक कैं देलथिन। एकटाक नाम ओनी आ दोसरक नाम एलीएजर छल।
40 सभ राजा, राजकुमार आ नोकर अब्राम कैं चानी, सोना आ मोतीक बहुत रास वरदान देलथिन, आ राजा आ हुनकर राजकुमार सभ हुनका विदा कऽ देलथिन आ ओ शान्तिपूर्वक चलि गेलाह।
41 अब्राम शान्तिपूर्वक राजा सँ निकलि गेलाह आ राजाक बहुतो नौकर हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि गेलाह आ करीब तीन सय आदमी हुनका संग आबि गेलाह।
42 अब्राम ओहि दिन घुरि कऽ अपन पिताक घर चलि गेलाह, आ हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलनिहार लोक सभ, आ अब्राम अपन जीवन भरि अपन परमेश् वरक सेवा करैत रहलाह आ अपन बाट पर चलैत रहलाह आ हुनकर नियमक पालन कयलनि।
43 ओहि दिन सँ अब्राम मनुष् यक पुत्र सभक हृदय कैं प्रभुक सेवा करबाक लेल झुकौलनि।
44 ओहि समय मे नाहोर आ अब्राम अपन भाय हारानक बेटी सभ कैं अपना संग विवाह कयलनि। नाहोरक पत्नी मिलका आ अब्रामक पत्नीक नाम सराय छलनि। अब्रामक पत्नी सारा बंजर छलीह। ओहि दिन मे हुनका कोनो संतान नहि छलनि।
45 अब्रामक आगि मे सँ बाहर निकललाक दू वर्ष पूरा भेला पर अर्थात् हुनकर जीवनक बावन वर्ष मे राजा निमरोद बाबेल मे सिंहासन पर बैसल छलाह आ राजा सुति गेलाह आ सपना मे देखलनि जे ओ अपन सेना आ सेनाक संग राजाक भट्ठीक सोझाँ एकटा घाटी मे ठाढ़ छथि।
46 ओ आँखि उठा कऽ देखलक जे अब्रामक सदृश एक आदमी भट्ठी सँ निकलि रहल अछि आ ओ आबि कऽ राजाक सोझाँ ठाढ़ भऽ गेल छल, आ तखन राजा अपन तलवार ल' कऽ उछलि गेल छल, जखन राजा ओहि आदमी सँ भागि गेल छल, कारण ओ डरा गेल छल। दौड़ैत काल ओ आदमी राजाक माथ पर अंडा फेकि देलक आ अंडा एकटा पैघ नदी बनि गेल।
47 राजा सपना देखलनि जे हुनकर सभ सेना ओहि नदी मे डूबि गेल आ मरि गेल, आ राजा हुनका सँ पहिने तीन गोटेक संग भागि गेलाह आ ओ बचि गेलाह।
48 राजा एहि लोक सभ दिस तकलनि आ ओ सभ राजाक वस्त्र जकाँ राजकीय वस्त्र पहिरने छलाह आ राजा सभक रूप आ महिमा छलनि।
49 जखन ओ सभ दौड़ैत छल तखन नदी राजाक सोझाँ फेर सँ अंडा बनि गेल आ अंडा सँ एकटा चिड़ै निकलल जे राजाक सोझाँ आबि गेल आ ओकर माथ पर उड़ि कऽ राजाक आँखि उखाड़ि लेलक।
50 राजा ई देखि दुखी भऽ गेलाह आ ओ नींद सँ जागि गेलाह आ हुनकर आत्मा हलचल भऽ गेलनि। आ ओकरा एकटा पैघ आतंकक अनुभव भेलैक।
51 भोरे राजा डरैत-डरैत अपन सोफा पर सँ उठलाह आ राजा अपन सपना सुनौला पर सभ ज्ञानी आ जादूगर कैं अपना सोझाँ आबि जेबाक आदेश देलनि।
52 राजाक एकटा बुद्धिमान सेवक, जिनकर नाम अनुकी छल, राजा कैं उत्तर देलथिन, "ई आन किछु नहि अछि, सिवाय अब्राम आ हुनकर वंशक दुष्टता जे अंतिम समय मे हमर प्रभु आ राजाक विरुद्ध उगत।"
53 ओ दिन आओत जखन अब्राम आ हुनकर वंशज आ हुनकर घरक लोक हमर राजाक संग युद्ध करताह आ राजाक सभ सेना आ हुनकर सेना कैं मारि देताह।
54 अहाँ तीन आदमीक विषय मे की कहलहुँ जे अहाँ अपना जकाँ देखलहुँ आ जे बचल छल, तकर मतलब ई जे पृथ्वीक राजा सभ मे सँ तीनटा राजाक संग मात्र अहाँ बचब जे युद्ध मे अहाँक संग रहत।

55 जे नदी पहिने जकाँ अंडा मे बदलि गेल छल, आ चिड़ै-चुनमुनीक बच्चा अहाँक आँखि उखाड़ैत देखलहुँ, एकर मतलब आओर किछु नहि, सिवाय अब्रामक वंश जे अंतिम समय मे राजा केँ मारि देत।
56 ई हमर राजाक सपना अछि आ एकर व्याख्या ई अछि, आ सपना सत्य अछि आ अहाँक सेवक जे व्याख्या अहाँ केँ देने अछि से सही अछि।
57 तेँ हमर राजा, अहाँ केँ निश्चय बुझल अछि जे आब अहाँक ऋषि-मुनि सभ अब्रामक जन्मक समय मे ई बात देखि कऽ बावन वर्ष भ' गेल अछि, आ जँ हमर राजा अब्राम केँ पृथ्वी पर रहय देथिन तँ ई हमर मालिक आ राजा केँ चोट पहुँचाओत, किएक तँ अब्राम जतेक दिन जीवित रहताह, ने अहाँ आ ने अहाँक राज्य स्थापित होयत, किएक तँ ई बात पहिने हुनकर जन्मक समय मे ज्ञात होइत छल। हमर राजा ओकरा किएक नहि मारत, जाहि सँ ओकर अधलाह अंतिम समय मे तोरा सँ दूर भ' जाय?
58 निमरोद अनुकीक आवाज सुनलनि आ ओ अपन किछु नोकर केँ गुप्त रूप सँ पठौलनि जे ओ अब्राम केँ पकड़ि कऽ राजाक सोझाँ आनथि जाहि सँ ओ मृत्युक कष्ट उठा सकथि।
59 ओहि समय मे अब्रामक नौकर एलीएजर राजाक सोझाँ मे छल आ ओ सुनलक जे अनुकी राजा केँ की सलाह देने छलाह आ राजा अब्रामक मृत्युक कारणेँ की कहने छलाह।
60 एलीएजर अब्राम केँ कहलथिन, "जल्दी उठू आ अपन प्राण केँ बचाउ, जाहि सँ अहाँ राजाक हाथ सँ नहि मरि सकब, कारण ओ सपना मे अहाँक विषय मे एहि तरहेँ देखलनि, आ अनुकी एकर व्याख्या एहि तरहेँ केलनि, आ अनुकी सेहो राजा केँ अहाँक विषय मे सलाह देलनि।
61 अब्राम एलीएजरक आवाज सुनलनि आ अब्राम जल्दी-जल्दी दौड़ि कऽ नूह आ हुनकर पुत्र शेमक घर दिस विदा भेलाह आ ओतहि नुका कऽ सुरक्षित स्थान पाबि गेलाह। आ राजाक नौकर सभ अब्राम केँ तकबाक लेल अब्रामक घर आबि गेल, मुदा ओकरा सभ केँ नहि भेटलैक, आ ओ सभ देश मे खोजि लेलक आ ओ सभ नहि भेटलैक, आ ओ सभ जा कऽ चारू कात खोजि लेलक आ ओकरा सभ सँ भेंट नहि करबाक छलैक।
62 जखन राजाक नोकर सभ अब्राम केँ नहि पाबि सकलाह तखन ओ सभ राजा लग घुरि गेलाह, मुदा राजाक क्रोध अब्राम केँ नहि भेटला पर शान्त भऽ गेलनि आ राजा अब्रामक विषय मे ई बात हुनका मोन सँ भगा देलनि।
63 अब्राम एक मास धरि नूहक घर मे नुकायल रहलाह, जाबत धरि राजा ई बात बिसरि नहि गेलाह, मुदा अब्राम एखनो राजा सँ डरैत छलाह। तेरा नूहक घर मे अपन पुत्र अब्राम केँ गुप्त रूप सँ देखय लेल अयलाह, आ तेरा राजाक नजरि मे बहुत पैघ छलाह।
64 अब्राम अपन पिता केँ कहलथिन, "की अहाँ केँ ई नहि बुझल अछि जे राजा हमरा मारि देबय चाहैत छथि आ अपन दुष्ट सलाहकार सभक सलाह सँ हमर नाम पृथ्वी सँ समाप्त करय चाहैत छथि?"
65 आब अहाँक एतय के अछि आ एहि देश मे अहाँक की अछि? उठू, हम सभ एक संग कनान देश जाउ, जाहि सँ हम सभ हुनकर हाथ सँ मुक्त भ' सकब, जाहि सँ अहाँ सेहो हुनका द्वारा अंतिम समय मे नष्ट नहि भ' जायब।"
66 की अहाँ नहि जनैत छी वा नहि सुनने छी जे प्रेमक कारणेँ निमरोद अहाँ केँ ई सभ आदर नहि दैत छथि, बल् कि ई सभ भलाई मात्र हुनकर लाभक लेल अहाँ केँ दैत छथि?
67 जँ ओ अहाँक संग एहि सँ पैघ भलाई करैत अछि तँ निश्चित रूप सँ ई सभ संसारक व्यर्थ मात्र अछि, किएक तँ क्रोध आ क्रोधक दिन धन आ धनक कोनो लाभ नहि भऽ सकैत अछि।
68 आब हमर बात सुनू, आउ, हम सभ उठि कऽ कनान देश दिस जाइ, जे निमरोद सँ घायल लोकक पहुँच सँ दूर अछि। आ अहाँ प्रभुक सेवा करू जे अहाँ केँ पृथ् वी पर सृष्टि केने छथि आ अहाँक भलाई होयत। आ जे सभ व्यर्थ काज अहाँ पाछाँ चलैत छी, तकरा फेकि दियौक।"
69 अब्राम बाजब छोड़ि देलथिन, जखन नूह आ हुनकर पुत्र शेम तेरा केँ उत्तर देलथिन, "अब्राम जे बात अहाँ केँ कहने छथि से सत् य अछि।"
70 तेरा अपन पुत्र अब्रामक आवाज सुनलनि आ तेरा अब्रामक सभटा बात पूरा कयलनि, कारण ई बात प्रभुक दिस सँ छल जे राजा अब्राम केँ नहि मारथि।

अध्याय 13

1 तेरा अपन पुत्र अब्राम आ ओकर पोता लूत, हारानक बेटा, आ ओकर पुतहु सारा, जे अपन पुत्र अब्रामक पत्नी आ अपन घरक सभ प्राणी केँ लऽ कऽ उर कासदीम सँ कनान देश जेबाक लेल विदा भेलाह। जखन ओ सभ हारान भूमि धरि पहुँचलाह तखन ओ सभ ओतहि रहि गेलाह, किएक तँ ओ सभ चारागाहक लेल बहुत नीक जमीन छल आ हुनका सभक संग जे लोक सभ छल, तकरा लेल पर्याप्त क्षेत्र छल।
2 हारान देशक लोक सभ देखलक जे अब्राम परमेश् वर आ मनुष् य सभक संग नीक आ सोझ छथि, आ हुनकर परमेश् वर प्रभु हुनका संग छथि, आ हारान देशक किछु लोक अब्रामक संग आबि गेलाह आ ओ हुनका सभ केँ प्रभुक शिक्षा आ हुनकर बाट सिखबैत छलाह। आ ई लोकनि अब्रामक संग हुनकर घर मे रहि गेलाह आ ओ सभ हुनका संग चलि गेलाह।
3 अब्राम तीन वर्ष धरि ओहि देश मे रहलाह, आ तीन वर्षक समाप्ति पर प्रभु अब्राम केँ प्रगट भऽ हुनका कहलथिन। हम प्रभु छी जे तोरा उर कासदीम सँ बाहर अनलहुँ आ तोहर सभ शत्रु सभक हाथ सँ तोरा बचा लेलहुँ।
4 आब जँ अहाँ हमर आवाज सुनब आ हमर आज्ञा, हमर नियम आ नियमक पालन करब, तखन हम अहाँक शत्रु सभ केँ अहाँक सोझाँ खसा देब, आ हम अहाँक वंश केँ स्वर्गक तारा जकाँ बढ़ा देब, आ हम अहाँक हाथक सभ काज पर अपन आशीर्वाद पठा देब, आ अहाँ केँ किछुओ कमी नहि होयत।
5 आब उठू, अपन पत्नी आ अपन सभटा सम्पत्ति लऽ कऽ कनान देश जाउ आ ओतहि रहू, आ हम ओतहि अहाँक लेल परमेश् वरक रूप मे रहब आ अहाँ केँ आशीर्वाद देब। अब्राम उठि कऽ अपन स् त्री आ अपन सभटा सामान लऽ कऽ कनान देश चलि गेलाह जेना परमेश् वर हुनका कहने छलाह। जखन अब्राम हारान सँ गेल छलाह तखन पचास वर्षक छलाह।
6 अब्राम कनान देश मे आबि शहरक बीचोबीच रहि गेलाह आ ओतहि ओहि देशक निवासी कनान लोकक बीच अपन डेरा ठाढ़ कयलनि।
7 परमेश् वर अब्राम केँ कनान देश मे पहुँचला पर प्रगट भऽ हुनका कहलथिन, "ई ओ देश अछि जे हम अहाँ केँ आ अहाँक बादक वंशज केँ अनन्त काल धरि देलहुँ, आ हम अहाँक वंशज

कैँ आकाशक तारा जकाँ बना देब आ हम अहाँक वंशज कैँ ओहि सभ देश कैँ उत्तराधिकारक रूप मे देब।"
8 जाहि ठाम परमेश् वर हुनका सँ बात केने छलाह, ओहि ठाम अब्राम एकटा वेदी बनौलनि आ ओतहि अब्राम परमेश् वरक नाम पुकारलनि।
9 ओहि समय मे अब्रामक कनान देश मे रहबाक तीन वर्षक अंत मे ओहि वर्ष नूहक मृत्यु भ' गेलनि, जे अब्रामक जीवनक अड़वनम वर्ष छल। नूहक सभ दिन नौ सय पचास वर्षक रहल आ ओ मरि गेलाह।
10 अब्राम कनान देश मे रहि गेलाह, ओ, हुनकर स् त्री, आ हुनकर संगी सभ लोक आ ओहि देशक लोक मे सँ हुनका संग आबय बला सभ लोक। मुदा अब्रामक भाय नाहोर आ ओकर पिता तेरा आ हारानक पुत्र लूत आ ओकर सभ लोक हारान मे रहैत छलाह।
11 अब्राम कनान देश मे रहबाक पाँचम वर्ष मे सदोम आ अमोरा आ मैदानक सभ नगर एलामक राजा कदोर्लाओमेरक अधिकार सँ विद्रोह भऽ गेल। किएक तँ मैदानक नगरक सभ राजा बारह वर्ष धरि कदोर्लाओमेरक सेवा कएने छलाह आ ओकरा सालाना कर दैत छलाह, मुदा तेरहम वर्षक ओहि दिन मे ओ सभ हुनका विरुद्ध विद्रोह कयलनि।
12 अब्राम कनान देश मे रहबाक दसम वर्ष मे शिनारक राजा निमरोद आ एलामक राजा कदोर्लाओमेरक बीच युद्ध भेल आ निमरोद कदोरलाओमेर सँ लड़य आ ओकरा अपन वश मे करबाक लेल आबि गेल।
13 किएक तँ कदोर्लाओमेर ओहि समय मे निमरोदक सेनाक सरदार मे सँ एक छलाह, आ जखन बुर्ज पर बैसल सभ लोक तितर-बितर भ' गेल छल आ जे बचल छल, से सभ सेहो पृथ् वी पर छिड़िया गेल छल, तखन केदोरलाओमेर एलाम देश मे जा कऽ ओहि पर राज कऽ अपन मालिकक विरुद्ध विद्रोह कयलनि।
14 ओहि समय मे जखन निमरोद देखलक जे मैदानक नगर सभ विद्रोह कऽ गेल अछि, तखन ओ घमंड आ क्रोध सँ कदोर्लाओमेर सँ युद्ध करबाक लेल आबि गेलाह, आ निमरोद अपन सभ राजकुमार आ प्रजा कैँ, लगभग सात लाख आदमी कैँ जमा कऽ कदोरलाओमेरक विरुद्ध गेलाह आ कदोर्लाओमेर पाँच हजार आदमीक संग हुनका सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह आ ओ सभ बाबेलक उपत्यका मे युद्धक लेल तैयार भ' गेलाह एलम आ शिनारक बीच अछि।
15 ओ सभ राजा ओतहि लड़लनि आ निमरोद आ ओकर लोक कदोर्लाओमेरक लोक सभक सामने मारि देल गेलनि आ निमरोदक सैनिक सभ मे सँ करीब छह लाख लोक खसि पड़लाह आ राजाक पुत्र मार्दोन हुनका सभक बीच मे खसि पड़लाह।
16 निमरोद भागि कऽ लज्जा आ अपमानित भऽ कऽ अपन देश दिस घुरि गेल, आ ओ बहुत दिन धरि कदोर्लाओमेरक अधीन रहल, आ कदोर्लाओमेर अपन देश मे घुरि गेल आ अपन सेनाक प्रमुख सभ कैँ अपन चारूकात रहनिहार राजा सभ लग पठौलनि, एलासरक राजा अरिओक आ गोयिमक राजा तिडाल लग पठौलनि आ हुनका सभक संग वाचा कयलनि आ सभ हुनकर आज्ञाक पालन कयलनि।
17 अब्राम कनान देश मे रहबाक पन्द्रहम वर्ष मे, जे अब्रामक जीवनक सत्तरिम वर्ष अछि, आ ओहि वर्ष मे परमेश् वर अब्राम कैँ प्रगट भेलाह आ ओ हुनका कहलथिन, "हम प्रभु छी जे अहाँ कैँ उर कासदीम सँ बाहर अनने छी जे अहाँ कैँ ई देश उत्तराधिकार मे देब।"
18 आब हमरा सोझाँ चलू आ सिद्ध रहू आ हमर आज्ञाक पालन करू, किएक तँ हम ई देश अहाँ आ अहाँक वंशज कैँ उत्तराधिकारक रूप मे देब, मित्राइम नदी सँ ल' क' पैघ फरात नदी धरि।
19 अहाँ शान्ति आ नीक उम्र मे अपन पूर्वज सभक लग आबि जायब, आ चारिम पीढ़ी एतय एहि देश मे घुरि कऽ आओत आ ओकरा सदाक लेल उत्तराधिकारी बनत। अब्राम एकटा वेदी बनौलनि आ ओ प्रभुक नाम पुकारलनि जे हुनका प्रगट भेलाह आ वेदी पर प्रभुक लेल बलि चढ़ौलनि।
20 ओहि समय मे अब्राम घुरि कऽ अपन पिता-माता आ अपन पिताक घरक लोक कैँ देखबाक लेल हारान गेलाह, आ अब्राम आ हुनकर पत्नी आ हुनकर सभटा सामान हारान घुरि गेलाह आ अब्राम पाँच वर्ष धरि हारान मे रहलाह।
21 हारानक बहुतो लोक, लगभग बहत्तर आदमी, अब्रामक पाछाँ-पाछाँ चलल आ अब्राम हुनका सभ कैँ प्रभुक शिक्षा आ हुनकर बाट सिखबैत छलाह आ ओ हुनका सभ कैँ प्रभु कैँ जानबाक सिखबैत छलाह।
22 ओहि दिन मे परमेश् वर हारान मे अब्राम कैँ प्रगट भेलाह आ ओ हुनका कहलथिन, "देखू, हम बीस वर्ष पहिने अहाँ सँ ई कहने रही।
23 अपन भूमि सँ, अपन जन्मस्थान सँ आ अपन पिताक घर सँ, ओहि देश मे जाउ, जाहि देश मे हम अहाँ कैँ आ अहाँक संतान कैँ देबाक लेल देखौने छी, कारण ओतहि ओहि देश मे हम अहाँ कैँ आशीर्वाद देब, आ अहाँ कैँ एकटा पैघ जाति बना देब, आ अहाँक नाम कैँ पैघ बना देब, आ अहाँ मे पृथ्वीक परिवार सभ कैँ आशीर्वाद भेटत।
24 आब उठू, अहाँ, अहाँक पत्नी आ अहाँक सभटा सम्पत्ति, संगहि अपन घर मे जनमल सभ कैँ आ हारान मे जे सभ प्राणी बनौने छी, तकरा सभ एहि ठाम सँ निकलू आ ओकरा सभ कैँ अपना संग एतय सँ बाहर आनि कऽ कनान देश मे घुरबाक लेल उठू।
25 अब्राम उठि कऽ अपन स् त्री सराय आ अपन घर मे जनमल सभ लोक आ हारान मे जे प्राणी बनौने छलाह, तकरा सभ कैँ लऽ कऽ कनान देश जेबाक लेल निकलि गेलाह।
26 परमेश् वरक वचनक अनुसार अब्राम जा कऽ कनान देश घुरि गेलाह। अपन भाय हारानक पुत्र लूत हुनका संग गेलाह आ अब्राम पचहत्तरि वर्षक छलाह जखन ओ हारान सँ कनान देश घुरबाक लेल निकललाह।
27 ओ अब्राम कैँ परमेश् वरक वचनक अनुसार कनान देश पहुँचलाह आ ओ अपन डेरा ठाढ़ कयलनि आ ममरेक मैदान मे रहि गेलाह आ हुनका संग हुनकर भाइक पुत्र लूत आ हुनकर सभटा छलनि।
28 परमेश् वर फेर अब्राम कैँ प्रगट भऽ कहलथिन, "हम ई देश अहाँक वंशज कैँ देब। ओतहि ओ प्रभुक लेल एकटा वेदी बनौलनि जे हुनका दर्शन कयलनि, जे आइयो ममरेक मैदान मे अछि।

अध्याय 14

1 ओहि समय मे शिनार देश मे एकटा एहन ज्ञानी छलाह जे सभ बुद्धि मे बुद्धिमान छलाह आ सुन्दर रूप-रंगक छलाह, मुदा ओ गरीब आ अभावी छलाह। ओकर नाम रिकायोन छलैक आ ओ अपन गुजर बसर करबा मे कठिन छलैक।
2 ओ राजा कैँ अपन बुद्धि देखाबय लेल मिस्र मे, मिस्रक राजा अनोमक पुत्र ओस्विरिस लग जेबाक संकल्प कयलनि। कारण, कहीं हुनका पर कृपा भेटि सकैत छनि जे ओ ओकरा उठबैत आ भरण-पोषण देथिन। आ रिकायोन एना केलक।
3 जखन रिकायोन मिस्र आयल तखन ओ मिस्रक निवासी सभसँ राजाक विषयमे पुछलनि आ मिस्रक निवासी सभ हुनका मिस्रक राजाक प्रथा बतौलनि, कारण तखन मिस्रक राजाक प्रथा छलनि जे ओ अपन राजमहलसँ जाइत छलाह आ सालमे मात्र एक दिन विदेशमे देखल जाइत छलाह, आ तकर बाद राजा अपन महलमे घुरि जाइत छलाह जे ओतहि रहथि।
4 जाहि दिन राजा निकललाह तखन ओ देश मे न् याय कयलनि आ ओहि दिन जे कियो सूट लऽ कऽ राजाक समक्ष आबि गेलाह।
5 जखन रिकायोन मिस्र मे एहि प्रथाक विषय मे सुनलनि आ राजाक सोझाँ नहि आबि सकैत छथि तखन ओ बहुत दुखी भ' गेलाह आ बहुत दुखी भ' गेलाह।
6 आ साँझ मे रिकायोन बाहर निकलि गेलाह आ एकटा खंडहर घर भेटलनि, जे पहिने मिस्र मे बेक घर छल, आ ओ भरि राति ओतहि कटुता मे आ भूख सँ चुटकी लैत रहलाह, आ आँखि सँ नींद दूर भ' गेलनि।
7 आ रिकायोन मने-मन विचार करैत छल जे जा धरि राजा अपन उपस्थिति नहि दैत अछि ता धरि शहर मे की करबाक चाही, आ ओतहि कोना अपना कैँ सम्हारि सकैत अछि।
8 भोरे उठि कऽ घुमैत-फिरैत ओहि लोक सभ सँ भेंट कयलनि जे सभ तरकारी आ तरह-तरह केर बीया बेचैत छलाह, जाहि सँ ओ सभ ओहि निवासी सभ कैँ आपूर्ति करैत छलाह।
9 आ रिकायोन शहर मे भरण-पोषण करबाक लेल सेहो एहने करबाक इच्छा रखैत छल, मुदा लोकक रीति-रिवाज सँ ओ अपरिचित छल, आ ओकरा सभक बीच ओ आन्हर जकाँ छल।
10 ओ जा कऽ अपन भरण-पोषणक लेल तरकारी बेचबाक लेल तरकारी ल' लेलक, आ भीड़ ओकरा चारू कात जमा भ' क' ओकर उपहास केलक आ ओकर तरकारी ओकरा सँ ल' लेलक आ ओकरा किछु नहि छोड़लकै।
11 ओतऽ सँ कटुता मे उठि कऽ आह भरैत ओहि बेक घर दिस गेलाह जाहि मे ओ भरि राति पहिने रहलाह आ दोसर राति ओतहि सुति गेलाह।
12 ओहि राति ओ फेर अपना कैँ मने-मन सोचैत छलाह जे कोना ओ अपना कैँ भूख सँ बचा सकैत छथि, आ एकटा योजना बनौलनि जे कोना काज कयल जाय।
13 भोरे उठि कऽ चतुराई सँ काज कयलनि आ जा कए झुंडक तीस टा बलवान कैँ अपन युद्धक उपकरण हाथ मे लऽ कऽ राखि लेलनि आ ओकरा सभ कैँ मिस्रक कब्रक चोटी पर लऽ गेलाह आ ओतहि राखि देलनि।
14 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन, "राजा ई कहैत छथि, "अपना कैँ मजबूत करू आ वीर बनि जाउ, जा धरि दू सय चानीक टुकड़ी नहि देल जायत, ताबत धरि ककरो गाड़ल नहि जाय।" आ ओ सभ ओहि साल भरि मिस्रक लोक सभक संग रिकायोनक आदेशक अनुसार काज केलक।
15 आ आठ मासक समय मे रिकायोन आ ओकर आदमी चानी आ सोनाक बहुत रास धन जुटा लेलक, आ रिकायोन बहुत रास घोड़ा आ अन्य जानवर ल' लेलक, आ ओ आओर आदमी भाड़ा पर लेलक, आ ओकरा सभ कैँ घोड़ा देलक आ ओ सभ ओकरा संग रहि गेल।
16 साल भरि जखन राजा नगर मे जाइत छलाह तखन मिस्रक सभ निवासी जमा भ' गेलाह जे हुनका सँ रिकायोन आ हुनकर आदमी सभक काजक विषय मे गप्प करथि।
17 राजा निर्धारित दिन मे विदा भेलाह आ सभ मिस्रवासी हुनका लग आबि कऽ हुनका पुकारैत कहलथिन।
18 राजा सदा जीवित रहथि। ई की काज अहाँ शहर मे अपन नोकर सभक संग करैत छी जे जा धरि एतेक चानी आ सोना नहि देल जायत ता धरि कोनो मृत् यु कैँ गाड़ल नहि जाय? की कहियो एहन काज पूरा पृथ्वी मे भेल छल, पूर्वक राजा सभक समय सँ हाँ आदमक समय सँ, आइ धरि, जे मृतक कैँ मात्र एकटा निर्धारित दाम पर नहि दफनाओल जाय?
19 हम सभ राजा सभक प्रथा बुझैत छी जे जीवित लोक सभ सँ सालाना कर लेब, मुदा अहाँ ई काज मात्र नहि करैत छी, बल् कि मृतक सभ सँ सेहो दिन-प्रतिदिन कर लैत छी।
20 आब, हे राजा, हम सभ आब ई बात सहन नहि कऽ सकैत छी, किएक तँ पूरा नगर एहि कारणेँ बर्बाद भऽ गेल अछि, आ की अहाँ एकरा नहि जनैत छी?
21 राजा हुनका सभक सभ बात सुनि बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ एहि बात पर हुनकर क्रोध भड़कि उठलनि, किएक तँ हुनका एहि विषय मे किछु नहि बुझल छलनि।
22 राजा कहलथिन, "हमर आज्ञाक बिना हमर देश मे ई अधलाह काज करबाक साहस के अछि आ कतय?" अवश्य अहाँ हमरा कहब।
23 ओ सभ ओकरा रिकायोन आ ओकर आदमी सभक सभटा काज सुनौलनि आ राजाक क्रोध भड़कि गेलनि आ ओ रिकयोन आ ओकर आदमी सभ कैँ हुनका सोझाँ अनबाक आदेश देलनि।
24 आ रिकायोन लगभग हजार बच्चा, बेटा-बेटी लऽ कऽ रेशम आ कढ़ाईक कपड़ा पहिरा देलक आ ओकरा सभकैँ घोड़ा पर बैसा कऽ अपन आदमी सभक माध्यमसँ राजा लग पठौलक, आ एकटा पैघ मात्रामे चानी आ सोना आ कीमती पाथर सेहो लऽ लेलक, आ एकटा मजबूत आ सुन्दर घोड़ा सेहो, राजाक लेल उपहारक रूपमे लऽ लेलक, जकरा संग ओ राजाक सोझाँ आबि कऽ प्रणाम केलक हुनका आगू मे धरती; आ राजा, ओकर नोकर आ मिस्रक सभ निवासी रिकायोनक काज देखि आश्चर्यचकित भ' गेलाह, आ ओ सभ हुनकर धन-दौलत आ ओ उपहार जे ओ राजाक लेल अनने छलाह, से देखलनि।
25 राजा कैँ ई बात बहुत नीक लागल आ ओ एहि बात पर आश्चर्यचकित भऽ गेलाह। आ जखन रिकायोन हुनका सोझाँ बैसलाह तखन राजा हुनका सँ हुनकर सभ काजक विषय मे पुछलनि आ रिकायोन राजा, हुनकर नोकर आ मिस्रक सभ निवासीक सोझाँ अपन सभ बात बुद्धिमानी सँ बजलाह |
26 जखन राजा रिकायोनक वचन आ ओकर बुद्धि सुनलनि तखन रिकायोन कैँ हुनकर नजरि मे अनुग्रह भेटलनि, आ हुनकर बुद्धि आ उत्तम भाषणक कारणेँ राजाक सभ नौकर आ मिस्रक सभ निवासीक अनुग्रह आ दया भेटलनि, आ तहिया सँ ओ सभ हुनका सँ अत्यधिक प्रेम करैत छलाह।

27 राजा उत्तर देलथिन आ रिकायोन केँ कहलथिन, "अहाँक नाम आब रिकायोन नहि रहत, बल् कि तोहर नाम फिरौन रहत, किएक तँ अहाँ मृत् यु सँ कर लेने छलहुँ। ओ ओकर नाम फिरौन रखलनि।
28 राजा आ ओकर प्रजा सभ रिकायोन केँ ओकर बुद्धिक कारणेँ प्रेम करैत छलैक, आ ओ सभ मिस्रक सभ निवासी सभ सँ विचार-विमर्श कयलक जे ओकरा राजाक अधीनस्थ बनाओल जाय।
29 मिस्र मे रहनिहार सभ आ ओकर ज्ञानी लोकनि एना कयलनि आ मिस्र मे ई नियम बनाओल गेल।
30 ओ सभ मिस्रक राजा ओस्विरिसक अधीन रिकायोन फिरौन केँ प्रधान बना देलनि आ रिकायोन फिरौन मिस्र पर शासन करैत छलाह, प्रतिदिन पूरा शहर मे न्याय करैत छलाह, मुदा राजा ओस्विरिस साल मे एक दिन ओहि देशक लोक सभक न्याय करैत छलाह, जखन ओ अपन उपस्थिति दर्ज कराबय लेल निकलैत छलाह।
31 रिकायोन फिरौन धूर्ततापूर्वक मिस्रक सरकार केँ हड़पि लेलक आ मिस्रक सभ निवासी सँ कर लऽ लेलक।
32 मिस्रक सभ निवासी रिकायोन फिरौन सँ बहुत प्रेम करैत छलाह आ ओ सभ एकटा फरमान जारी कयलनि जे मिस्र मे जे राजा हुनका सभ पर आ हुनकर वंशज पर राज करतनि, हुनका फिरौन बजाओल जाय।
33 तेँ ओहि समय सँ मिस्र मे राज्य कयलनिहार सभ राजा आइ धरि फिरौन कहल गेलाह।

अध्याय 15

1 ओहि वर्ष पूरा कनान देश मे भारी अकाल पड़ल, आ ओहि देशक निवासी सभ अकालक कारणेँ नहि रहि सकलाह, किएक तँ ई बहुत भयंकर छल।
2 अब्राम आ ओकर सभ सामान अकालक कारणेँ उठि कऽ मिस्र देश मे उतरि गेलाह आ जखन ओ सभ मित्‌्राइम नदी मे पहुँचलाह तखन ओ सभ किछु समय धरि ओतहि रहि गेलाह जाहि सँ ओ सभ बाट पर थकान सँ आराम करथि।
3 अब्राम आ सराय मित्‌्राइम नदीक सीमा पर चलैत छलाह, तखन अब्राम अपन पत्नी सारा केँ देखलनि जे ओ बहुत सुन्दर छलीह।
4 अब्राम अपन पत्नी सारा केँ कहलथिन, "चूंकि परमेश् वर अहाँ केँ एतेक सुन्दर चेहरा सँ बनौने छथि, तेँ हम मिस्रवासी सभ सँ डरैत छी जे कहीं ओ सभ हमरा मारि कऽ अहाँ केँ नहि ल' जेताह, किएक तँ एहि ठाम परमेश् वरक भय नहि अछि।"
5 तखन अहाँ ई काज करब जे, अहाँ सभ जे सभ माँगैत अछि, तकरा सभ केँ अहाँ हमर बहिन छी, जाहि सँ हमरा सभ केँ नीक भऽ जाय आ हम सभ जीबि सकब आ मृत् यु नहि भऽ जाय।"
6 अब्राम अकालक कारणेँ अपना संग मिस्र आयल सभ लोक सभ केँ ई आज्ञा देलथिन। ओकर भतीजा लूत केँ सेहो ओ आज्ञा देलथिन जे, "मिस्रवासी सभ जँ अहाँ सँ सरायक विषय मे पूछत तँ कहब जे ओ अब्रामक बहिन छथि।"
7 तइयो एहि सभ आज्ञाक संग अब्राम हुनका सभ पर भरोसा नहि कयलनि, बल् कि सराय केँ लऽ कऽ एकटा संदूक मे राखि हुनका सभक बर्तन मे नुका देलनि, कारण मिस्रक दुष्टताक कारणेँ अब्राम सारा केँ बहुत चिंतित छलाह।
8 अब्राम आ ओकर सभ लोक मित्‌्राइम नदी सँ उठि कऽ मिस्र आबि गेलाह। ओ सभ नगरक फाटक मे बहुत मुश्किल सँ प्रवेश कयल गेल छल कि पहरेदार सभ ओकरा सभक सोझाँ ठाढ़ भऽ कऽ कहलक जे, "अहाँ सभ लग जे किछु अछि ताहि मे सँ दसम भाग राजा केँ दिअ, तखन अहाँ सभ नगर मे आबि सकैत छी।" अब्राम आ ओकर संग रहनिहार लोक सभ एना कयलनि।
9 अब्राम अपन संग रहनिहार लोक सभक संग मिस्र आबि गेलाह आ जखन ओ सभ ओ सभ ओहि संदूक केँ अनलनि जाहि मे सराय नुकायल छलाह आ मिस्रवासी सभ ओहि संदूक केँ देखलनि।
10 राजाक नोकर सभ अब्राम लग पहुँचि कऽ कहलथिन, "अहाँक एतय एहि संदूक मे की अछि जे हम सभ नहि देखलहुँ?" आब संदूक खोलि कऽ ओहि मे जे किछु अछि, ओकर दसम भाग राजा केँ दऽ दियौक।
11 अब्राम कहलथिन, "हम ई संदूक नहि खोलब, मुदा अहाँ सभ एहि पर जे किछु माँगब से हम दऽ देब।" फिरौनक अधिकारी सभ अब्राम केँ उत्तर देलथिन, "ई कीमती पाथरक संदूक अछि, एकर दसम भाग हमरा सभ केँ दिअ।"
12 अब्राम कहलथिन, "अहाँक जे किछु चाहैत छी से हम दऽ देब, मुदा अहाँ संदूक नहि खोलब।"
13 राजाक अधिकारी सभ अब्राम केँ दबा देलक आ ओ सभ संदूक पर पहुँचि कऽ जोर सँ खोललक आ देखलक जे छाती मे एकटा सुन्दर स् त्री छल।
14 राजाक अफसर सभ जखन सारा केँ देखलनि तँ हुनकर शोभा देखि हुनका सभ केँ आश्चर्यचकित कयल गेलनि आ फिरौनक सभ राजकुमार आ सेवक सभ सराय केँ देखबाक लेल जमा भऽ गेलाह, कारण ओ बहुत सुन्दर छलीह। राजाक अधिकारी सभ दौड़ि कऽ फिरौन केँ जे किछु देखलहुँ से कहलकनि आ ओ सभ राजा केँ सराय केँ स्तुति कयलनि। फिरौन ओकरा आनबाक आदेश देलथिन, तखन ओ महिला राजाक समक्ष आबि गेलीह।
15 फिरौन सराय केँ देखलनि आ ओ हुनका बहुत प्रसन्न कयलनि आ हुनकर सौन्दर्य सँ आहत भऽ गेलाह आ राजा हुनका पर बहुत हर्षित भऽ गेलाह आ हुनका विषय मे समाचार अननिहार सभ केँ उपहार मे देलथिन।
16 तखन ओहि स् त्री केँ फिरौनक घर आनल गेलनि आ अब्राम अपन स् त्रीक कारणेँ दुखी भऽ गेलाह आ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि जे ओ ओकरा फिरौनक हाथ सँ बचाबथि।
17 ओहि समय सराय सेहो प्रार्थना कयलनि आ कहलथिन, "हे प्रभु परमेश् वर, अहाँ हमर प्रभु अब्राम केँ कहलियनि जे ओ अपन देश सँ आ अपन पिताक घर सँ कनान देश मे जाउ, आ अहाँ हुनका संग नीक करबाक वचन देलहुँ जे जँ ओ अहाँक आज्ञा पूरा करताह। आब देखू, हम सभ जे अहाँ हमरा सभ केँ आज्ञा देने छलहुँ, से कएलहुँ, आ हम सभ अपन देश आ अपन परिवार केँ छोड़ि, कोनो परदेश आ एहन लोक मे गेलहुँ जकरा पहिने नहि चिन्हने छलहुँ।
18 हम सभ अकाल सँ बचबाक लेल एहि देश मे आयल छलहुँ, आ ई दुष्ट दुर्घटना हमरा पर आबि गेल अछि। आब, हे प्रभु परमेश् वर, हमरा सभ केँ बचाउ आ एहि अत्याचारी सभक हाथ सँ बचाउ, आ अपन दयाक लेल हमरा सभक संग भलाई करू।
19 परमेश् वर सरायक आवाज सुनलनि आ परमेश् वर एकटा स् वर्गदूत पठौलनि जे सारा केँ फिरौनक सामर्थ् य सँ मुक्त करथि।

20 राजा सरायक सोझाँ आबि कऽ बैसलाह आ देखथि जे प्रभुक एकटा स् वर्गदूत हुनका सभक ऊपर ठाढ़ छलाह आ ओ सराय कैँ प्रगट भऽ हुनका कहलथिन, "नहि डरू, किएक तँ प्रभु अहाँक प्रार्थना सुनने छथि।"
21 राजा सराय लग जा कऽ पुछलथिन, "अहाँक ओ आदमी की अछि जे अहाँ कैँ एतय अनने छल?" ओ बजलीह, "ओ हमर भाइ छथि।"
22 राजा कहलथिन, "हमरा सभ पर ई काज अछि जे हम सभ ओकरा महान बनाबी, ओकरा ऊपर उठाबी आ ओकरा संग ओ सभ नीक काज करी जे अहाँ हमरा सभ कैँ आज्ञा देब। ओहि समय मे राजा अब्राम कैँ चानी आ सोना आ कीमती पाथर प्रचुर मात्रा मे पठौलनि, संगहि पशु, नौकर-चाकर आ नौकरानी सेहो पठौलनि। राजा अब्राम कैँ आनबाक आदेश देलथिन, आ ओ राजाक घरक आँगन मे बैसलाह, आ ओहि राति राजा अब्राम कैँ बहुत ऊपर उठौलनि।
23 राजा सराय सँ गप्प करबाक लेल लग आबि गेलाह आ ओ ओकरा छूबय लेल हाथ बढ़ौलनि, तखन स् वर्गदूत हुनका पर जोरदार प्रहार कयलनि आ ओ आतंकित भऽ गेलाह आ ओ हुनका लग पहुँचय सँ परहेज कयलनि।
24 राजा सराय लग पहुँचला पर स् वर्गदूत हुनका जमीन पर मारि देलथिन आ भरि राति हुनका संग एहन काज कयलनि आ राजा भयभीत भऽ गेलाह।
25 ओहि राति मे स् वर्गदूत सरायक कारणेँ राजाक सभ नोकर आ ओकर समस्त घरक लोक कैँ बहुत मारि देलक आ ओहि राति फिरौनक घरक लोक सभक बीच बहुत विलाप भेल।
26 फिरौन हुनका पर भेल दुष् टता देखि कहलथिन, "सत्ते एहि स् त्रीक कारणेँ हमरा संग ई घटना घटल अछि आ ओ हुनका सँ किछु दूर भऽ गेलाह आ हुनका प्रसन्नताक बात कहलथिन।"
27 राजा सराय कैँ कहलथिन, "अहाँ जाहि आदमीक संग एतय आयल छी, ताहि विषय मे हमरा कहू। सराय कहलथिन, "ई आदमी हमर पति छथि, आ हम अहाँ कैँ कहलियनि जे ओ हमर भाइ छथि, कारण हम डरैत छलहुँ जे अहाँ ओकरा दुष्टताक कारणेँ नहि मारि देब।"
28 राजा सराय सँ दूर रहि गेलाह आ प्रभुक स् वर्गदूतक विपत्ति हुनका आ हुनकर घरक लोक सँ समाप्त भऽ गेलनि। फिरौन कैँ बुझल छलनि जे ओ सरायक कारणेँ मारल गेल छथि, आ राजा एहि बात सँ बहुत आश्चर्यचकित भ' गेलाह।
29 भोरे राजा अब्राम कैँ बजा कऽ पुछलथिन, "अहाँ हमरा संग ई की केलहुँ?" अहाँ किएक कहलहुँ जे ओ हमर बहिन छथि, जाहि कारणेँ हम हुनका अपन पत्नीक रूप मे ल' लेलहुँ, आ एहि लेल ई भारी विपत्ति हमरा आ हमर घरक लोक पर आबि गेल अछि।"
30 तेँ आब एतय अहाँक पत्नी छथि, हुनका लऽ जाउ आ हमरा सभक देश सँ चलि जाउ, कहीं हम सभ हुनका कारणेँ मरि नहि जायब।" फिरौन अब्राम कैँ देबाक लेल आरो माल-जाल, नौकर-दासी आ चानी आ सोना लऽ कऽ अपन पत्नी सराय हुनका लग घुरि गेलाह।
31 राजा अपन उपपत्नी सभ सँ जनमल एकटा कन्या कैँ लऽ कऽ सराय कैँ दासी बना देलथिन।
32 राजा अपन बेटी कैँ कहलथिन, "हमरा सभ कैँ एहि स् त्रीक कारणेँ जे अधलाह भेल अछि तकरा देखि कऽ हमरा सभ कैँ देखि कऽ हमरा सभ कैँ देखि कऽ हमरा सभक घर मे दासी बनब नीक अछि।"
33 अब्राम उठि कऽ ओ आ ओकर सभ लोक मिस्र सँ चलि गेलाह। फिरौन अपन किछु आदमी कैँ आज्ञा देलथिन जे हुनका संग जे किछु छलनि।
34 अब्राम कनान देश मे वापस आबि गेलाह, जतय ओ वेदी बनौने छलाह, जतय ओ पहिने अपन डेरा ठाढ़ केने छलाह।
35 अब्रामक भाय हारानक पुत्र लूत कैँ माल-जाल, भेँड़ा आ भेँड़ा आ डेराक भारी भंडार छलनि, किएक तँ अब्रामक कारणेँ प्रभु हुनका सभक लेल प्रचुरता प्रदान करैत छलाह।
36 जखन अब्राम ओहि देश मे रहैत छलाह तखन लूतक चरबाह सभ अब्रामक चरबाह सभ सँ झगड़ा करैत छलाह, कारण हुनकर सभक सम्पत्ति बहुत बेसी छलनि जाहि सँ ओ सभ ओहि देश मे एक संग रहि नहि सकलाह, आ देश हुनका सभक माल-जालक कारणेँ सहन नहि कऽ सकलाह।
37 जखन अब्रामक चरबाह सभ अपन भेँड़ाक खेत मे चराबऽ लेल गेल छल तखन ओ सभ ओहि देशक लोकक खेत मे नहि जाइत छल, मुदा लूतक चरबाह सभक पशु सभ दोसर तरहक काज करैत छल, किएक तँ ओकरा सभ कैँ ओहि देशक लोकक खेत मे चराबऽ देल गेल छल।
38 ओहि देशक लोक सभ दिन ई घटना देखैत छल आ ओ सभ अब्राम लग अबैत छल आ लूतक चरबाह सभक कारणेँ हुनका सँ झगड़ा करैत छल।
39 अब्राम लूत कैँ कहलथिन, "अहाँ हमरा संग ई की कऽ रहल छी जे हमरा ओहि देशक निवासी सभक बीच घृणित बनाओल जाय, जे अहाँ अपन चरबाह कैँ दोसर लोकक खेत मे अपन पशुपालन करबाक आदेश दैत छी?" की अहाँ नहि जनैत छी जे हम एहि देश मे कनान लोकक बीच परदेशी छी आ अहाँ हमरा संग एहन किएक करब?
40 एहि कारणेँ अब्राम लूत सँ प्रतिदिन झगड़ा करैत छलाह, मुदा लूत अब्रामक बात नहि सुनैत छलाह, आ ओ एहिना करैत रहलाह आ ओहि देशक निवासी सभ आबि कऽ अब्राम कैँ कहलथिन।
41 अब्राम लूत कैँ कहलथिन, "अहाँ कतेक दिन धरि हमरा लेल एहि देशक निवासी सभक संग ठोकर बनि जायब?" आब हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे आब हमरा सभक बीच झगड़ा नहि हो, कारण हम सभ रिश्तेदार छी।
42 मुदा हम अहाँ सँ आग्रह करैत छी जे हमरा सँ अलग भऽ जाउ आ एकटा एहन स्थान चुनू जतय अहाँ अपन माल-जाल आ अपन सभटा वस्तुक संग रहब, मुदा अहाँ आ अपन घरक लोक हमरा सँ दूर रहू।
43 हमरा दिस सँ जेबा मे नहि डेराउ, किएक तँ जँ केओ अहाँ कैँ कोनो आघात पहुँचबैत अछि तँ हमरा बुझा दिअ आ हम ओकरा सँ अहाँक काजक बदला लेब, मात्र हमरा सँ हटि जाउ।
44 अब्राम लूत कैँ ई सभ बात कहि कऽ लूत उठि कऽ यरदन नदी दिस आँखि उठा लेलक।
45 ओ देखलनि जे एहि ठामक पूरा पानि नीक जकाँ पानि सँ भरल अछि आ मनुखक लेल सेहो नीक अछि आ संगहि पशु सभक लेल चारागाह सेहो भेटैत अछि।
46 लूत अब्राम सँ ओहि ठाम गेलाह आ ओतहि अपन डेरा ठाढ़ कयलनि आ सदोम मे रहि गेलाह आ दुनू गोटे एक दोसरा सँ अलग भ' गेलाह।
47 अब्राम हेब्रोन मे ममरेक मैदान मे रहलाह आ ओतहि अपन डेरा ठाढ़ कयलनि आ अब्राम ओहि ठाम बहुत वर्ष धरि रहलाह।

अध्याय 16

1 ओहि समय एलामक राजा कदोर्लाओमर पड़ोसी सभ राजा सभ, शिनारक राजा निमरोद, जे तखन हुनकर अधिकार मे छल, गोयिमक राजा टाइडल आ एलासरक राजा अरियोक कैँ पठौलनि, जिनका संग ओ एकटा वाचा केने छलाह जे, "हमरा लग आबि क' हमरा सहायता करू, जाहि सँ हम सभ सदोम आ ओकर निवासी सभ कैँ मारि दी।" एहि तेरह साल हमरा विरुद्ध विद्रोह केलक।
2 ई चारू राजा अपन सभ डेराक संग लगभग आठ लाख आदमी चढ़ि गेलाह आ ओ सभ जेना-जेना गेलाह आ अपन बाट मे भेटल प्रत्येक आदमी कैँ मारि देलक।
3 सदोम आ अमोराक पाँचटा राजा, अदमाक राजा शिनाब, जबबोयिमक राजा शेमेबर, सदोमक राजा बेरा, अमोराक राजा बेरशा आ सोअरक राजा बेला हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल निकललाह आ सभ गोटे सिद्दिमक घाटी मे एक संग भ' गेलाह।
4 ई नौ राजा सिद्दीम उपत्यका मे युद्ध कयलनि। सदोम आ अमोराक राजा सभ एलामक राजा सभक समक्ष परास्त भऽ गेलाह।
5 सिद्दिमक घाटी चूनक गड्ढा सँ भरल छल आ एलामक राजा सभ सदोमक राजा सभक पीछा कयलक आ सदोमक राजा सभ अपन शिविर सभक संग भागि गेल आ चूनक गड्ढा मे खसि पड़ल आ जे सभ बचल छल से सभ सुरक्षित रहबाक लेल पहाड़ पर चलि गेल आ एलामक पाँचटा राजा सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ आबि सदोमक फाटक धरि पहुँचि गेल आ सदोम मे जे किछु छल।
6 ओ सभ सदोम आ अमोराक सभ नगर लूटि लेलक आ अब्रामक भाइक पुत्र लूत आ ओकर सम्पत्ति सेहो पकड़ि लेलक आ सदोम नगरक सभटा सम्पत्ति पकड़ि लेलक आ ओ सभ चलि गेल। युद्ध मे रहल अब्रामक नौकर यूनिक ई देखि अब्राम कैँ ओ सभ बात कहलक जे राजा सभ सदोम नगर सभक संग केने छलाह आ लूत कैँ हुनका सभ द्वारा बंदी बनाओल गेल छलनि।
7 अब्राम ई बात सुनि कऽ ओ अपन संग रहनिहार करीब तीन सय अठारह आदमीक संग उठि गेलाह आ ओहि राति ओ एहि राजा सभक पाछाँ-पाछाँ आबि हुनका सभ कैँ मारि देलकनि आ सभ अब्राम आ हुनकर आदमी सभक सोझाँ खसि पड़लाह आ भागि गेल चारिटा राजाक अतिरिक्त कियो नहि बचलनि आ ओ सभ एक-एकटा अपन-अपन बाट पर चलि गेलाह।
8 अब्राम सदोमक सभ सम्पत्ति वापस कऽ लेलक आ लूत आ ओकर सम्पत्ति, ओकर पत्नी आ छोट-छोट बच्चा सभ आ ओकर सभटा सम्पत्ति सेहो बरामद कऽ लेलक, जाहि सँ लूत कैँ किछुओ कमी नहि छलैक।
9 जखन ओ एहि राजा सभ कैँ मारि कऽ घुरलाह तँ ओ अपन आदमी सभ संग सिद्दीम उपत्यका सँ गुजरि गेलाह जतय राजा सभ एक संग युद्ध केने छलाह।
10 सदोमक राजा बेरा आ ओकर संग रहनिहार सभ लोक सभ, जाहि चूनक गड्ढा मे ओ सभ खसल छल, ओहि मे सँ अब्राम आ ओकर आदमी सभ सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह।
11 यरूशलेमक राजा अदोनिसेदेक शेम नामक लोक सभक संग रोटी आ मदिरा ल' कऽ अब्राम आ हुनकर लोक सभ सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह आ ओ सभ मेलेक घाटी मे एक संग रहि गेलाह।
12 अदोनिसेदेक अब्राम कैँ आशीर्वाद देलथिन आ अब्राम हुनका अपन शत्रु सभक लूट मे सँ जे किछु अनने छलाह ताहि मे सँ दसम भाग दऽ देलथिन, किएक तँ अदोनिसेदेक परमेश् वरक सामने पुरोहित छलाह।
13 ओतऽ सदोम आ अमोराक सभ राजा सभ अपन नोकर सभक संग अब्राम लग आबि कऽ हुनका सँ निहोरा कयलनि जे ओ अपन दास सभ कैँ वापस कऽ दिअ, जकरा ओ बंदी बना लेने छलाह आ सभ सम्पत्ति अपना हाथ मे ल' लेथि।
14 अब्राम सदोमक राजा सभ कैँ उत्तर देलथिन, "जेना प्रभु जीबैत छथि, जे स् वर्ग आ पृथ् वी कैँ सृष्टि कयलनि, आ जे हमर प्राण कैँ सभ क्लेश सँ मुक्त कयलनि, आ आइ हमरा शत्रु सभ सँ मुक्त कयलनि आ हुनका सभ कैँ हमरा हाथ मे द' देलनि, हम अहाँक कोनो वस्तु नहि लेब, जाहि सँ काल्हि अहाँ सभ ई कहैत घमंड नहि करब जे, 'अब्राम हमरा सभक सम्पत्ति सँ धनिक भ' गेलाह जे ओ बचा लेलनि।"
15 किएक तँ हमर परमेश् वर परमेश् वर, जिनका पर हम भरोसा करैत छी, हमरा कहलथिन, "अहाँ कैँ कोनो चीजक कमी नहि होयत, किएक तँ हम अहाँक हाथक सभ काज मे अहाँ कैँ आशीर्वाद देब।"
16 आब देखू, एतय अहाँक सभटा अछि, ओकरा लऽ कऽ जाउ। जेना प्रभु जीबैत छथि तहिना हम अहाँ सभ सँ जीवित प्राणी सँ जूता वा सूत धरि नहि लेब, सिवाय हमरा संग युद्ध मे निकलल लोकक भोजनक खर्च, आ हमरा संग गेल आदमी सभक भाग, अनर, अश्कोल आ ममरे, ओ सभ आ ओकर आदमी सभक भाग, संगहि जे सामान देखबा लेल बचल छल, ओ सभ लूट मे सँ अपन हिस्सा लऽ लेत।
17 सदोमक राजा सभ अब्राम कैँ ओकर सभ बातक अनुसार दऽ देलथिन, आ ओ सभ ओकरा जे किछु चुनलनि से लेबाक लेल दबा देलथिन, मुदा ओ नहि चाहैत छलाह।
18 ओ सदोमक राजा सभ आ ओकर सभक शेष आदमी सभ कैँ विदा कऽ देलथिन आ ओ सभ लूतक विषय मे आज्ञा देलथिन आ ओ सभ अपन-अपन स्थान पर चलि गेलाह।
19 अपन भाइक पुत्र लूत सेहो अपन सम्पत्ति लऽ कऽ विदा भऽ गेलाह आ ओ हुनका सभक संग चलि गेलाह आ लूत अपन घर सदोम घुरि गेलाह आ अब्राम आ ओकर लोक सभ अपन घर मे मम्रेक मैदान मे घुरि गेलाह जे हेब्रोन मे अछि।
20 ओहि समय मे प्रभु फेर अब्राम कैँ हेब्रोन मे प्रगट भेलाह आ हुनका कहलथिन, "नहि डरू, अहाँक इनाम हमरा सोझाँ बहुत बेसी अछि, कारण हम अहाँ कैँ ताबत धरि नहि छोड़ब जाबत धरि हम अहाँ कैँ बढ़ा नहि देब आ अहाँ कैँ आशीर्वाद नहि देब आ अहाँक वंशज कैँ स्वर्ग मे तारा जकाँ नहि बना देब।
21 हम अहाँक वंशज कैँ ई सभ देश जे अहाँ आँखि सँ देखैत छी, ओकरा सभ कैँ हम ओकरा सभ कैँ सदाक लेल उत्तराधिकारक रूप मे देब, मात्र बलवान रहब आ नहि डेराउ, हमरा सोझाँ चलू आ सिद्ध रहब।
22 अब्रामक जीवनक अड़हत्तरिम वर्ष मे पेलेगक पुत्र रेवक मृत्यु भऽ गेलनि आ रेवक समस्त जीवन दू सय उनतीस वर्ष भेलनि आ ओ मरि गेलाह।
23 ओहि समय मे अब्रामक पत्नी हारानक बेटी सराय एखनो बंजर छलीह। अब्राम के लेल ओ ने बेटा आ ने बेटी के जन्म देलक।

24 जखन ओ देखि कऽ जे हुनका कोनो संतान नहि भेलनि तँ ओ अपन दासी हाजर कैँ लऽ गेलीह, जकरा फिरौन देने छलाह आ ओकरा अपन पति अब्राम कैँ पत्नीक रूप मे दऽ देलथिन।
25 किएक तँ हागर सरायक सभ बाट सिखबैत छलीह जेना सराय हुनका सिखबैत छलीह।
26 सराय अब्राम कैँ कहलथिन, "देखू, हमर दासी हाजर छथि, हुनका लग जाउ जे ओ हमर ठेहुन पर प्रसव करथि, जाहि सँ हम हुनका द्वारा संतान सेहो पाबि सकब।"
27 अब्राम कनान देश मे रहबाक दस वर्षक अंत मे, जे अब्रामक जीवनक पचासीम वर्ष अछि, तखन सराय हागार कैँ हुनका दऽ देलथिन।
28 अब्राम अपन पत्नी सरायक बात सुनलनि आ ओ अपन दासी हाजर कैँ ल' गेलाह आ अब्राम हुनका लग आबि गेलाह आ ओ गर्भवती भ' गेलीह।
29 हागर जखन देखि जे ओ गर्भवती भऽ गेलीह तँ ओ बहुत हर्षित भऽ गेलीह आ हुनकर मालकिन कैँ हुनका नजरि मे तिरस्कृत कयल गेलनि आ ओ मने-मन बजलीह, "ई मात्र ई भऽ सकैत अछि जे हम परमेश् वरक समक्ष हमर मालकिन सराय सँ नीक छी, कारण जतेक दिन हमर मालकिन हमर मालिकक संग रहलीह, ओ गर्भवती नहि भेलीह, मुदा हमरा प्रभु हुनका द्वारा एतेक कम समय मे गर्भवती कयलनि अछि।"
30 जखन सराय देखलक जे हाजर अब्राम सँ गर्भवती भऽ गेल अछि, तखन सारा कैँ अपन दासी सँ ईर्ष्या भेलनि आ सराय मोन मे कहलथिन, "ई निश्चित रूप सँ आन किछु नहि अछि, सिवाय ई जे ओ हमरा सँ नीक हेबाक चाही।"
31 सराय अब्राम कैँ कहलथिन, "हमर अपराध तोरा पर हो, किएक तँ जखन अहाँ प्रभुक समक्ष संतानक लेल प्रार्थना केलहुँ तखन अहाँ हमरा कारणेँ किएक नहि प्रार्थना केलहुँ जे प्रभु हमरा अहाँक बीया देथि?"
32 जखन हम अहाँक सोझाँ हाजर सँ गप्प करैत छी तँ ओ हमर बात कैँ तुच्छ बुझैत छथि, किएक तँ ओ गर्भवती भऽ गेल छथि आ अहाँ हुनका किछु नहि कहबनि। अहाँ हमरा संग जे केलहुँ ताहि लेल प्रभु हमरा आ अहाँक बीच न्याय करथि।"
33 अब्राम सराय कैँ कहलथिन, "देखू, तोहर दासी तोहर हाथ मे अछि, ओकरा संग जेना नीक लागय, से करू। सराय ओकरा कष्ट देलकैक, आ हागर ओकरा सँ भागि कऽ जंगल दिस चलि गेलै।
34 परमेश् वरक एकटा स् वर्गदूत हुनका ओहि जगह पर एकटा इनारक कात मे पाबि गेलाह, जतय ओ भागि गेल छलीह, ओ हुनका कहलथिन, "नहि डरू, कारण हम अहाँक संतान कैँ बढ़ा देब, किएक तँ अहाँ एकटा बेटा पैदा करब आ अहाँ ओकर नाम इस्माइल राखब। आब तखन अपन मालकिन सराय लग घुरि जाउ आ हुनकर हाथ मे आबि जाउ।"
35 हागर ओहि इनार कैँ बेयर-लहै-रोई नाम देलनि, जे कादेश आ बेरेदक जंगलक बीच मे अछि।
36 हागर ओहि समय मे अपन मालिकक घर घुरि गेलीह आ दिनक अंत मे हाजर अब्राम कैँ एकटा बेटा भेलनि आ अब्राम हुनकर नाम इस्माइल रखलनि। जखन अब्राम हुनका जन्म देलनि तखन छियासी वर्षक छलाह।

अध्याय 17

1 ओहि समय मे अब्रामक जीवनक एकनब्बेम वर्ष मे कित्तीमक सन्तान सभ तुबलक सन् तान सभ सँ युद्ध कयलक, कारण जखन प्रभु मनुष्यक पुत्र सभ कैँ पृथ्वी पर छिड़िया देलनि, तखन कित्तीमक संतान सभ जा कऽ कनोपियाक मैदान मे अपना कैँ मूर्त रूप लेलक आ ओ सभ ओतहि नगर बना कऽ तिब्रू नदीक कात मे रहि गेल।
2 तुबलक लोक सभ टस्कना मे रहि गेल आ ओकर सभक सीमा तिब्रू नदी धरि पहुँचि गेल, आ तुबलक लोक सभ टस्कानन मे एकटा नगर बनौलक, आ ओ सभ अपन पिता तुबलक पुत्र सबीनाहक नाम पर सबिना राखि देलक आ ओ सभ आइ धरि ओतहि रहैत रहल।
3 ओहि समय मे कित्तीमक सन् तान तुबलक सन् तान सभ सँ युद्ध कयलक आ तुबलक सन् तान सभ कित्तीमक सन् तान सभक सामने मारि देलक आ कित्तीमक सन् तान सभ तुबलक सन् तान सभ मे सँ तीन सय सत्तरि आदमी कैँ मारि देलक।
4 ओहि समय तुबलक सन्तान सभ कित्तीमक सन् तान सभ कैँ शपथ खयलनि जे, "अहाँ सभ हमरा सभक बीच विवाह नहि करब, आ केओ अपन बेटी कैँ कित्तीमक कोनो बेटा कैँ नहि देब।"
5 ओहि समय मे तुबलक सभ बेटी सभ सुन्दर छलीह, किएक तँ ओहि समय मे तुबलक बेटी सभ जकाँ समस्त पृथ् वी पर कोनो स् त्रीगण नहि भेटैत छलनि।
6 जे सभ स् त्रीगणक सौन्दर्य मे रमैत छल, सभ तुबलक बेटी सभक लग जा कऽ हुनका सभ सँ स् त्रीगण ल' लेलक, आ पुरुषक पुत्र, राजा आ राजकुमार सभ, जे स् त्रीगणक सौन्दर्य मे बहुत प्रसन्न छल, ओहि समय मे तुबलक बेटी सभ सँ स् त्री लऽ लेलक।
7 तुबलक सन्तान सभ कित्तीमक सन्तान सभ कैँ अपन बेटी सभ कैँ पत्नीक रूप मे नहि देबाक शपथ लेलाक तीन वर्षक अंत मे कित्तीमक सन् तान सभ मे सँ करीब बीस गोटे तुबलक किछु बेटी सभ कैँ लऽ कऽ गेलाह, मुदा हुनका सभ कैँ कोनो बेटी नहि भेटलनि।
8 किएक तँ तुबलक सन् तान सभ अपन शपथक पालन करैत छल जे ओ सभ हुनका सभक संग विवाह नहि करत आ ओ सभ अपन शपथ नहि तोड़ैत छल।
9 कटनीक दिन मे तुबलक सन् तान सभ अपन खेत मे जा कऽ फसल काटय लेल जाइत छल, तखन कित्तीमक युवक सभ जमा भऽ सबिना नगर मे चलि गेलाह, आ प्रत्येक पुरुष तुबलक बेटी सभ मे सँ एक-एकटा युवती कैँ लऽ कऽ अपन-अपन शहर मे आबि गेलाह।
10 तुबलक लोक सभ ई बात सुनि ओकरा सभ सँ युद्ध करय गेलाह, मुदा ओ सभ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकलाह, किएक तँ ओ सभ पहाड़ बहुत ऊँच छल, आ जखन ओ सभ देखलक जे ओ सभ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकलाह तँ ओ सभ अपन देश दिस घुरि गेलाह।
11 सालक क्रान्तिक समय तुबलक सन् तान सभ जा कऽ अपन लगक नगर सभसँ करीब दस हजार आदमीकैँ राखि लेलक आ ओ सभ कित्तीमक लोक सभसँ युद्ध करऽ लागल।
12 तुबलक सन्तान सभ कित्तीमक सन् तान सभक संग युद्ध मे गेलाह, अपन देश कैँ नष्ट करबाक लेल आ ओकरा सभ कैँ परेशान करबाक लेल, आ एहि सगाई मे तुबलक सन् तान सभ कित्तीमक सन् तान सभ पर विजयी भऽ गेलाह आ कित्तीमक सन् तान सभ ई देखि जे ओ सभ बहुत व्यथित छलाह आ तुबलक बेटी

सभक द्वारा जे संतान सभ भेटल छलनि, ओकरा सभ कैँ ओहि देबाल पर उठा लेलक जे बनल छल, जाहि सँ ओ सभ कित्तीमक सन् तान सभक नजरि मे रहय तुबल।
13 कित्तीमक लोक सभ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ अपन बेटा-बेटी सभक संग युद्ध कर' लेल आयल छी, आ की हम सभ तहिया सँ एखन धरि अहाँ सभक मांस आ हड्डी नहि मानल गेल छी?"
14 ई बात सुनि तुबलक लोक सभ कित्तीमक लोक सभ सँ युद्ध करब छोड़ि देलक आ ओ सभ चलि गेल।
15 ओ सभ अपन-अपन नगर मे घुरि गेलाह आ ओहि समय मे कित्तीमक लोक सभ एकत्रित भऽ समुद्रक कात मे दू टा नगर बनौलनि आ एकटा कैँ पुर्तु आ दोसर कैँ अरीजा नाम देलनि।
16 तखन तेराक पुत्र अब्राम उननबे वर्षक छलाह।
17 ओहि समय परमेश् वर हुनका प्रगट भेलाह आ ओ हुनका कहलथिन, "हम हमरा आ अहाँक बीच अपन वाचा करब, आ अहाँक वंशज कैँ बहुत बढ़ा देब, आ ई वाचा हम अपना आ अहाँक बीच करैत छी जे अहाँ आ अहाँक बादक वंशज सभ पुरुषक खतना कयल जाय।"
18 आठ दिनक बाद ओकर खतना कयल जायत आ ई वाचा अहाँ सभक शरीर मे अनन्त वाचा बनि जायत।
19 आब आब तोहर नाम आब अब्राम नहि, अब्राहम नहि रहत, आ तोहर पत्नीक नाम सारा छोड़ि सराय नहि रहत।
20 हम अहाँ दुनू गोटे कैँ आशीर्वाद देब आ अहाँ सभक बाद अहाँ सभक वंशज कैँ बढ़ा देब जाहि सँ अहाँ सभ एकटा पैघ जाति बनि जायब आ अहाँ सभक बीच सँ राजा सभ निकलत।

अध्याय 18

1 अब्राहम उठि कऽ परमेश् वरक आज्ञाक सभटा काज कयलक आ अपन घरक लोक सभ आ अपन पाइ सँ कीनल लोक सभ कैँ लऽ गेल आ प्रभुक आज्ञाक अनुसार खतना कयलक।
2 एको गोटे नहि बचल छल जकर खतना ओ नहि केने छलाह, आ अब्राहम आ हुनकर पुत्र इस्माइल अपन अग्रचर्मक मांस मे खतना कयल गेल छलाह। तेरह वर्षक इस्माइल छल जखन ओकर खतना ओकर अग्रचर्मक मांस मे भेल छलैक।
3 तेसर दिन मे अब्राहम अपन डेरा सँ बाहर निकलि कऽ दरबज्जा पर बैसि कऽ रौदक गर्मी मे बैसि गेलाह।
4 प्रभु हुनका ममरेक मैदान मे प्रकट भेलाह आ हुनकर तीनटा सेवक स् वर्गदूत कैँ हुनका लग पठौलनि आ ओ डेराक दरबज्जा पर बैसल छलाह आ आँखि उठा कऽ देखलनि जे दूर सँ तीन गोटे आबि रहल छलाह आ ओ उठि कऽ हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल दौड़ल गेलाह आ हुनका सभ कैँ प्रणाम कयलनि आ हुनका सभ कैँ अपन घर मे अनलनि।
5 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अखन अहाँ सभक नजरि मे हमरा अनुग्रह भेटि गेल अछि, तँ फेर घुमि कऽ एक कटा रोटी खाउ। ओ ओकरा सभ कैँ दबा देलक, आ ओ सभ भीतर आबि गेल आ ओ ओकरा सभ कैँ पानि देलक आ ओ सभ ओकर सभक पैर धो लेलक, आ ओ ओकरा सभ कैँ डेराक दरबज्जा पर एकटा गाछक नीचाँ राखि देलक।
6 अब्राहम दौड़ि कऽ एकटा कोमल आ नीक बछड़ा लऽ कऽ जल्दी-जल्दी ओकरा मारि कऽ अपन सेवक एलीएजर कैँ सजाबय लेल दऽ देलक।
7 अब्राहम सारा लग डेरा मे आबि कऽ कहलथिन, "जल्दी सँ तीन नाप महीन आटा तैयार करू, ओकरा गूंधू आ मांस बला बर्तन कैँ झाँपबाक लेल केक बनाउ।"
8 अब्राहम जल्दी-जल्दी हुनका सभक सोझाँ मक्खन आ दूध, गोमांस आ मटर आनि कऽ हुनका सभक सोझाँ ओकरा सभ कैँ खा कऽ देलथिन, जखन कि बछड़ाक मांस पूरा भऽ गेलनि आ ओ सभ खा गेलाह।
9 ओ सभ भोजन कऽ कऽ एक गोटे हुनका कहलथिन, "हम जीवनक समयक अनुसार अहाँ लग घुरि जायब आ अहाँक पत्नी सारा कैँ एकटा बेटा होयत।"
10 तकर बाद ओ सभ लोक सभ विदा भऽ गेलाह, जाहि ठाम हुनका सभ कैँ पठाओल गेल छलनि।
11 ओहि समय मे सदोम आ अमोरा आ पूरा पाँच नगरक सभ लोक परमेश् वरक विरुद्ध अत्यंत दुष्ट आ पापपूर्ण छल आ ओ सभ अपन घृणित काज सँ प्रभु कैँ क्रोधित करैत छल, आ प्रभुक समक्ष घृणित आ तिरस्कारक रूप मे बुढ़ापा मे मजबूत होइत छल, आ ओहि दिन मे प्रभुक समक्ष ओकर सभक दुष्टता आ अपराध बहुत पैघ छल।
12 हुनका लोकनिक देश मे एकटा बहुत विस्तृत घाटी छलनि, जे लगभग आधा दिनक पैदल दूरी पर छल, आ ओहि मे पानिक फव्वारा आ पानिक चारू कात बहुत रास जड़ी-बूटी छल।
13 सदोम आ अमोराक समस्त लोक सभ अपन स् त्रीगण आ बच्चा सभ आ अपन सभ सामानक संग साल मे चारि बेर ओतय जाइत छलाह आ ओ सभ ओतहि धुन आ नाच-गान मे आनन्दित होइत छलाह।
14 आनन्दक समय मे ओ सभ उठि कऽ अपन पड़ोसीक पत्नी सभ कैँ पकड़ि लैत छलाह आ किछु गोटे अपन पड़ोसीक कुमारि बेटी सभ कैँ पकड़ि लैत छलाह आ हुनका सभक आनंद लैत छलाह आ प्रत्येक आदमी अपन पत्नी आ बेटी कैँ पड़ोसीक हाथ मे देखैत छलाह आ एको शब्द नहि बजैत छलाह।
15 ओ सभ भोरे सँ राति धरि एना करैत रहलाह आ बाद मे ओ सभ एक-एक गोटे अपन-अपन घर आ एक-एकटा स् त्री अपन डेरा मे घर घुरि गेलाह। तेँ सालमे चारि बेर सदिखन करैत छलाह।
16 संगहि जखन कोनो परदेशी अपन नगर मे आबि कऽ ओहि ठामक निपटान करबाक लेल कीनल गेल सामान अनैत छल, तखन एहि शहरक लोक सभ, पुरुष, स्त्री-बच्चा, छोट-बड़ जमा भ' जाइत छल आ ओहि आदमी लग जाइत छल आ ओकर माल जबरदस्ती ल' जाइत छल, आ एक-एक गोटे कैँ किछु-किछु दऽ दैत छल जाबत धरि मालिकक सभटा माल जे ओ देश मे अनने छल, ओकर अंत नहि भ' जाइत छल।
17 जँ माल-जालक मालिक हुनका सभ सँ झगड़ा करैत छलाह जे, 'अहाँ सभ हमरा संग ई की काज केलहुँ, तखन ओ सभ एक-एक कए हुनका लग पहुँचि जाइत छलाह आ एक-एकटा हुनका जे किछु लऽ गेल छलनि से देखा कऽ ताना मारैत छलाह जे, "हम मात्र ओहि छोट-छोट चीज कैँ ल' लेलहुँ जे अहाँ हमरा देलियैक।" आ जखन ओ सभ सँ ई बात सुनैत छलाह तखन ओ उठि कऽ हुनका सभ सँ दुख आ कटुता मे चलि जाइत छलाह, जखन कि सभ उठि कऽ हुनका पाछाँ पड़ि जाइत छलाह आ हुनका शहर सँ बहुत हल्ला आ हंगामा सँ भगा दैत छलाह |
18 एलाम देशक एकटा आदमी छल जे आराम सँ बाट पर जा रहल छल, जे गदहा पर बैसल छल, जे विविध रंगक महीन आवरण लऽ कऽ चलैत छल आ गांड पर डोरी सँ बान्हल छल।

19 ओ आदमी साँझ मे सूर्यास्तक समय सदोमक गली मे जा रहल छल आ राति मे रहबाक लेल ओतहि रहि गेल, मुदा ओकरा कियो अपन घर मे नहि जाय देलक। ओहि समय सदोम मे एकटा दुष्ट आ दुष्ट आदमी छल, जे अधलाह काज मे निपुण छल, ओकर नाम हेदाद छल।
20 ओ आँखि उठा कऽ नगरक गली मे ओहि बटोही कैँ देखलनि आ हुनका लग आबि पुछलथिन, "अहाँ कतऽ सँ आबि रहल छी आ कतय जा रहल छी?"
21 ओ आदमी हुनका कहलथिन, "हम हेब्रोन सँ एलाम जा रहल छी जतय हम छी, आ जखन हम सूर्यास्त होइत गेलहुँ आ कियो हमरा अपन घर मे प्रवेश नहि दैत छल, यद्यपि हमरा लग रोटी-पानि आ गांडक लेल भूसा आ भोजन सेहो छल, आ हमरा लग किछुओ नहि अछि।"
22 हेदाद हुनका उत्तर देलथिन, "अहाँक जे किछु कमी होयत से हमरे द्वारा भेटत, मुदा राति भरि गली मे नहि रहब।"
23 हेदाद ओकरा अपन घर अनलनि आ ओ गांडक वस्त्र डोरी सँ उतारि कऽ अपन घर अनलनि आ ओहि गदहा कैँ भूसा आ भोजन देलनि जाबत धरि यात्री हेदादक घर मे खाइत-पीबैत छलाह आ ओहि राति ओतहि रहि गेलाह।
24 भोरे-भोर भोरे-भोरे उठि कऽ हेदाद हुनका कहलथिन, "रुकू, एक कटा रोटी सँ अहाँक मोन कैँ सान्त्वना दऽ दियौक आ तखन जाउ, तखन ओ आदमी एना केलक। ओ हुनका संग रहि गेलाह आ दिन मे दुनू गोटे एक संग भोजन आ पीबैत छलाह, जखन ओ आदमी उठि गेलाह।
25 हेदाद हुनका कहलथिन, "देखू, आब दिन घटि रहल अछि, नीक रहत जे अहाँ भरि राति रहब जाहि सँ अहाँक मोन कैँ सान्त्वना भेटय। ओ ओकरा एतेक दबा देलक जे ओ भरि राति ओतहि रहल, आ दोसर दिन ओ भोरे उठि गेल जे हेदाद ओकरा दबा देलक जे, "एकटा रोटी सँ तोहर मोन कैँ सान्त्वना दियौक आ फेर जाउ, आ ओ दोसर दिन सेहो रहि गेल आ ओकरा संग भोजन केलक, तखन ओ आदमी उठि क' अपन यात्रा जारी रखलक।"
26 हेदाद हुनका कहलथिन, "देखू, आब दिन घटि रहल अछि, हमरा संग रहू जे अहाँक मोन कैँ सान्त्वना दिअ आ भोरे भोरे उठि कऽ चलि जाउ।"
27 ओ आदमी नहि रहय चाहैत छल, बल् कि उठि कऽ अपन गदहा पर काठी बान्हि देलक आ जखन ओ अपन गांड पर काठी बान्हि रहल छल तखन हेदादक पत्नी अपन पति कैँ कहलथिन, "देखू, ई आदमी हमरा सभक संग दू दिन धरि खाइत-पीबैत रहल अछि आ हमरा सभ कैँ किछु नहि देलक, आ आब की ओ हमरा सभ सँ बिना किछु देने चलि जायत?" हेदाद ओकरा कहलथिन, "चुप रहू।"
28 ओ आदमी अपन गदहा पर काठी पर बैसा लेलक आ ओ हेदाद सँ कहलक जे ओकरा गांड पर बान्हबाक लेल डोरी आ वस्त्र दऽ दियौक।
29 हेदाद हुनका पुछलथिन, "अहाँ की कहैत छी?" ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ हमर प्रभु हमरा ओ डोरी आ ओहि मेन्दा दऽ दिअ जे अहाँ अपन घर मे नुका कऽ राखि देने छलहुँ।"
30 हेदाद ओहि आदमी कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँक सपनाक अर्थ ई अछि, जे डोरी अहाँ देखलहुँ, तकर मतलब अछि जे अहाँक जीवन डोरी जकाँ लम्बा भ' जायत, आ आवरण कैँ तरह-तरह केर रंग सँ रंगल देखला सँ मतलब ई जे अहाँक एकटा अंगूरक बगीचा होयत जाहि मे अहाँ सभ तरहक फलक गाछ रोपब।"
31 ओ यात्री उत्तर देलथिन, "एना नहि हमर मालिक, किएक तँ हम अहाँकैँ डोरी आ अलग-अलग रंगक बुनल वस्त्र सेहो देलियैक, जकरा अहाँ हमरा लेल पहिरबाक लेल गदहा उतारने रही। हेदाद उत्तर देलथिन, "हम अहाँ कैँ अहाँक सपनाक अर्थ अवश्य कहने छी आ ई नीक सपना अछि, आ एकर व्याख्या ई अछि।"
32 मनुष्य-पुत्र सभ हमरा चारिटा चानीक टुकड़ी दऽ दैत अछि, जे सपना सभक व्याख्या करबाक लेल हमर जिम्मा अछि, आ हमरा मात्र अहाँ सँ तीन टा चानीक टुकड़ी चाही।
33 हेदादक बात सुनि ओ आदमी क्रोधित भऽ गेल आ ओ कटु चिचिया उठल आ हेदाद कैँ सदोमक न्यायाधीश सेराक लग लऽ गेल।
34 ओ आदमी न्यायाधीश सेराकक समक्ष अपन बात रखलनि, तखन हेदाद उत्तर देलथिन, "एना नहि अछि, मुदा बात एहि तरहेँ अछि। न्यायाधीश ओहि यात्री कैँ कहलथिन, "ई हेदाद अहाँ कैँ सत् य कहैत अछि, किएक तँ ओ नगर सभ मे सपना सभक सही व्याख्या करबाक लेल प्रसिद्ध अछि।"
35 ओ आदमी न्यायाधीशक वचन पर चिचिया उठल आ कहलक, "हमर प्रभु, एहन नहि, किएक तँ ओहि दिन हम ओकरा गांड पर राखल डोरी आ वस्त्र ओकरा घर मे राखबाक लेल दऽ देलहुँ। दुनू गोटे न्यायाधीशक समक्ष विवाद कयलनि, एक गोटे कहैत छलाह जे, "एना बात भेल, आ दोसर दोसर बात कहैत छल।"
36 हेदाद ओहि आदमी कैँ कहलथिन, "हमरा चारिटा चानीक टुकड़ी दिअ जे हम सपना सभक व्याख्या करबाक लेल वसूल करी। हम कोनो भत्ता नहि देब; आ हमरा घर मे जे चारि भोजन केलहुँ से खर्च हमरा दिअ।
37 ओ आदमी हेदाद कैँ कहलथिन, "हम अहाँक घर मे जे किछु खयलहुँ ताहि मे अहाँ कैँ चुका देब, मात्र ओ डोरी आ वस्त्र हमरा दऽ दिअ जे अहाँ अपन घर मे नुका लेने रही।"
38 हेदाद न्यायाधीशक समक्ष उत्तर देलथिन आ ओहि आदमी कैँ कहलथिन, "की हम अहाँ कैँ अहाँक सपनाक अर्थ नहि कहलहुँ?" डोरी के मतलब छै कि तोहर दिन डोरी के तरह लम्बा होय जैतै, आरो आवरण, कि तोरा अंगूर के बगीचा होतै, जेकरा में तोहें सब तरह के फलदार गाछ रोपबै।
39 ई अहाँक सपनाक उचित व्याख्या अछि, आब हमरा ओहि चारिटा चानीक टुकड़ी दिअ जे हमरा क्षतिपूर्तिक रूप मे चाही, कारण हम अहाँ कैँ कोनो भत्ता नहि देब।
40 हेदादक बात सुनि ओ आदमी चिचिया उठल आ दुनू गोटे न्यायाधीशक समक्ष झगड़ा कऽ लेलक आ न्यायाधीश अपन नोकर सभ कैँ आज्ञा देलक आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ बेधड़क घर सँ भगा देलक।
41 सदोमक लोक सभ हुनका सभक बात सुनि कऽ ओ सभ न्यायाधीश सँ झगड़ा करैत विदा भऽ गेलाह आ ओ सभ हुनका सभक चारू कात जमा भऽ गेलाह आ ओ सभ ओहि परदेशी पर चिचिया उठलनि आ ओकरा शहर सँ बेधड़क भगा देलथिन।
42 ओ आदमी विलाप आ कानैत कटुताक संग अपन गांड पर बैसल यात्रा करैत रहल।
43 जखन ओ चलैत छलाह तखन ओ सदोम नगर मे जे घटना घटल छलनि ताहि पर ओ कानि रहल छलाह।

अध्याय 19

1 सदोम नगर मे चारिटा न्यायाधीश छल, चारि नगर मे ओकर नाम छल, सदोम नगर मे सेराक, अमोरा मे शर्कद, अदमा मे जबनाक आ जबोयिम मे मेनन।
2 एलीएजर अब्राहमक सेवक हुनका सभ कैँ अलग-अलग नाम देलकनि आ सेराक कैँ शक्र, शर्कद कैँ शक्रूरा, जेबनाक कैँ केजोबीम आ मेनोन कैँ मत्स्लोदीन मे बदलि देलनि।
3 अपन चारिटा न्यायाधीशक इच्छा सँ सदोम आ अमोराक लोक सभ नगर सभक गली-गली मे ओछाओन ठाढ़ कऽ देलक आ जँ केओ एहि ठाम अबैत छल तँ ओकरा पकड़ि कऽ अपन कोनो ओछाओन पर लऽ जाइत छल आ ओकरा जबरदस्ती ओहि मे सुता दैत छल।
4 जखन ओ लेटैत छलाह तखन तीन गोटे हुनकर माथ पर आ तीन गोटे हुनकर पएर पर ठाढ़ भ' क' हुनका ओछाओनक लम्बाई सँ नापि लैत छलाह, आ जँ ओ आदमी पलंग सँ कम रहैत त' ई छह गोटे हुनका एक-एक छोर पर तानैत छलाह आ जखन ओ हुनका सभ कैँ चिचियाइत छलाह तखन ओ सभ हुनका कोनो उत्तर नहि दैत छलाह।
5 जँ ओ पलंग सँ नमहर रहितथि तँ ओछाओनक दुनू कात एक-एकटा छोर पर एक ठाम खींचैत छल, जाबत धरि ओ आदमी मृत्युक द्वार पर नहि पहुँचि जाइत छल।
6 जँ ओ हुनका सभ कैँ चिचियाइत रहैत छलाह तँ ओ सभ हुनका उत्तर दैत छलाह जे, "हमरा सभक देश मे आबय बला मनुष् य कैँ एहि तरहेँ कयल जायत।"
7 सदोम नगरक लोक सभ ई सभ बात सुनि कऽ ओ सभ ओतऽ आबय सँ परहेज कऽ देलक।
8 जखन कोनो गरीब आदमी हुनका लोकनिक देश मे अबैत छल तखन ओ सभ ओकरा चानी आ सोना दऽ दैत छल आ पूरा शहर मे घोषणा करैत छल जे ओकरा एक कटा रोटी नहि देल जाय, आ जँ ओ परदेशी किछु दिन ओतहि रहि जाय आ भूख सँ मरि जाय, एक कटा रोटी नहि भेटि सकल, तखन ओकर मृत्युक समय शहरक सभ लोक आबि कऽ अपन चानी आ सोना जे ओकरा देने छलैक, ओकरा ल' लैत छलैक।
9 जे चानी वा सोना ओकरा देल गेल छल से चिन्ह सकैत छल, से सभ ओकरा वापस ल' लेलक, आ ओकर मृत्युक बाद ओकर वस्त्र सेहो उतारि लेलक आ ओकरा सभक बीच लड़ैत छलैक, आ जे अपन पड़ोसी पर विजयी भ' गेल छलैक से ओकरा सभ कैँ ल' लेलक।
10 तकर बाद ओ सभ ओकरा लऽ कऽ मरुभूमिक किछु झाड़ीक नीचाँ गाड़ि दैत छल। तेना ओ सभ दिन भरि जे केओ हुनका सभ लग आबि गेल छल आ अपन देश मे मरि गेल छल, ओकरा संग करैत छल।
11 समयक क्रम मे सारा एलीएजर कैँ सदोम पठा देलथिन जे ओ लूत सँ भेंट करथि आ हुनकर भलाईक विषय मे पूछताछ करथि।
12 एलीएजर सदोम गेलाह आ सदोमक एक आदमी सँ एक परदेशी सँ लड़ैत भेंट कयलनि, आ सदोम निवासी ओहि गरीबक सभटा वस्त्र उतारि कऽ चलि गेलाह।
13 ई गरीब आदमी एलीएजर सँ पुकारलनि आ सदोमक आदमी हुनका संग जे कयलनि ताहि लेल हुनकर अनुग्रहक विनती कयलनि।
14 ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अहाँक देश मे आयल गरीबक संग एहन काज किएक करैत छी?"
15 सदोमक लोक एलीएजर कैँ उत्तर देलथिन, "की ई अहाँक भाय अछि वा सदोमक लोक सभ आइ अहाँ कैँ न्यायाधीश बनौने अछि जे अहाँ एहि आदमीक विषय मे बजैत छी?"
16 एलीएजर ओहि गरीब आदमीक कारणेँ सदोमक लोकक संग झगड़ा कयलनि, आ जखन एलीएजर सदोमक आदमी सँ गरीबक कपड़ा वापस करबाक लेल नजदीक आबि गेलाह तँ ओ जल्दी-जल्दी गेलाह आ पाथर सँ एलीएजरक कपार पर प्रहार कयलनि।
17 एलीएजरक कपार सँ खूनक भरमार बहैत गेल आ ओ आदमी खून देखि एलीएजर कैँ पकड़ि लेलक आ कहलक, "अहाँक कपार मे पड़ल एहि अधलाह खून सँ मुक्ति देबाक लेल हमरा हमर किराया दऽ दिअ, किएक तँ हमरा सभक देश मे एहन प्रथा आ कानून अछि।"
18 एलीएजर हुनका कहलथिन, "अहाँ हमरा घायल कऽ देलहुँ आ हमरा सँ अहाँक किराया देबऽ चाहैत छी। एलीएजर सदोमक आदमीक बात नहि सुनय लगलाह।
19 ओ आदमी एलीएजर कैँ पकड़ि कऽ सदोमक न्यायाधीश शक्र कैँ न्यायक लेल लऽ गेल।
20 ओ आदमी न्यायाधीश सँ कहलथिन, "हमर मालिक, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे ई आदमी एना केलक, किएक त' हम ओकरा एकटा पाथर सँ मारि देलियैक जे ओकर कपार सँ खून बहल छलैक, आ ओ हमरा हमर किराया देबय लेल तैयार नहि अछि।"
21 न्यायाधीश एलीएजर कैँ कहलथिन, "ई आदमी अहाँ सँ सत्य बाजैत अछि, ओकरा ओकर भाड़ा दऽ दियौक, किएक तँ हमरा सभक देश मे ई प्रथा अछि। एलीएजर न्यायाधीशक बात सुनि एकटा पाथर उठौलनि आ न्यायाधीश कैँ मारि देलनि, आ पाथर हुनकर कपार पर खसि पड़लनि, आ न्यायाधीशक कपार सँ खूनक भरमार बहलनि, आ एलीएजर कहलथिन, "जँ अहाँक देश मे ई प्रथा अछि तँ अहाँ एहि आदमी कैँ जे देबाक चाही छल, से दिअ, किएक तँ ई अहाँक निर्णय भेल अछि, तँ अहाँ ई निर्णय लेलहुँ।"
22 एलीएजर सदोमक आदमी कैँ न्यायाधीश लग छोड़ि कऽ चलि गेलाह।
23 जखन एलामक राजा सभ सदोमक राजा सभ सँ युद्ध कयलनि तखन एलामक राजा सभ सदोमक सभ सम्पत्ति कैँ अपना कब्जा मे ल' लेलनि आ ओ सभ लूत कैँ ओकर सम्पत्ति संग बंदी बना लेलनि, आ जखन अब्राहम कैँ ई बात कहल गेलनि तखन ओ एलामक राजा सभ सँ युद्ध कयलनि, आ ओ हुनका सभक हाथ सँ लूतक सभ सम्पत्ति आ सदोमक सम्पत्ति सेहो वापस कऽ लेलनि।
24 ओहि समय मे लूतक पत्नी हुनका एकटा बेटीक जन्म देलथिन आ ओ हुनकर नाम पल्तिथ रखलनि, "किएक तँ परमेश् वर हुनका आ हुनकर समस्त घरक लोक कैँ एलामक राजा सभ सँ मुक्त कऽ देने छलाह। लूतक पुत्री पल्तिथ पैघ भेल आ सदोमक एक आदमी ओकरा स् त्री बना लेलक।
25 एकटा गरीब आदमी भरण-पोषणक लेल नगर मे आयल, आ ओ किछु दिन ओहि नगर मे रहल, आ सदोमक सभ लोक अपन प्रथाक अनुसार एहि आदमी कैँ एक कटोरा रोटी नहि खायबाक लेल घोषणा कयलक, जाबत धरि ओ मृत् यु-मृत् यु कैँ धरती पर नहि खसा देलक।

26 लूतक बेटी पल्तिथ एहि आदमी कैँ भूख सँ भूखल गली मे पड़ल देखलक, आ ओकरा जीवित रखबाक लेल कियो किछु नहि देबऽ लागल, आ ओ मरि जेबाक स्थिति मे आबि गेल छल।
27 ओहि आदमी पर हुनकर आत् मा दया भऽ गेलनि आ ओ कतेको दिन धरि हुनका चोरा-नुका कऽ रोटी खुआबैत छलीह आ एहि आदमीक प्राण जीवित भऽ गेलनि।
28 जखन ओ पानि अनबाक लेल निकलैत छलीह तखन ओ रोटी पानिक घैल मे राखि दैत छलीह, आ जखन ओ गरीब आदमीक स्थान पर पहुँचैत छलीह तखन घैल मे सँ रोटी लऽ कऽ ओकरा खाय दैत छलीह। तेँ कतेको दिन केलनि।
29 सदोम आ अमोराक सभ लोक आश्चर्यचकित रहलाह जे ई आदमी एतेक दिन धरि भूख कोना सहन कऽ सकैत अछि।
30 ओ सभ एक-दोसर कैँ कहलथिन, "ई मात्र ई भऽ सकैत अछि जे ओ खाइत-पीबैत अछि, किएक तँ केओ एतेक दिन धरि भूख नहि सहि सकैत अछि आ नहिये एहि आदमी जकाँ जीबि सकैत अछि, बिना ओकर चेहरा तक बदलने। तीन आदमी एक जगह पर नुका गेलै, जहाँ गरीब आदमी तैनात छेलै, ई जानै लेली कि ओकरा खाय लेली रोटी के अनने छेलै।
31 ओहि दिन लूतक बेटी पल्तिथ पानि अनबाक लेल निकललीह, आ ओ अपन पानि क घैल मे रोटी दऽ देलथिन, आ ओ गरीबक जगह पर पानि खींचय गेलीह, आ घैल मे सँ रोटी निकालि ओहि गरीब कैँ दऽ देलथिन आ ओ खा गेलाह।
32 तीनू आदमी देखलक जे पल्तिथ ओहि गरीब आदमीक संग की केलकै आ ओकरा कहलकनि, "तखन अहाँ ओकरा सहारा देने छी, आ तेँ ओ भूखल नहि पड़ल अछि, ने देखबा मे बदलल अछि आ ने बाकी लोक जकाँ मरि गेल अछि।"
33 तीनू आदमी जाहि ठाम नुकायल छल, ओहि ठाम सँ बाहर निकलि गेलाह आ ओ सभ पल्तिथ आ ओहि गरीबक हाथ मे रोटी पकड़ि लेलनि।
34 ओ सभ पल्तिथ कैँ लऽ कऽ अपन न्यायाधीश सभक समक्ष अनलनि आ ओ सभ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "ओ एहि तरहेँ केलनि आ ओएह ओहि गरीब कैँ रोटीक आपूर्ति केलनि, तेँ ओ एतेक दिन धरि नहि मरि सकलाह। आब एहि स् त्री कैँ हमरा सभक नियमक उल्लंघन करबाक कारणेँ जे सजाय देबाक चाही से हमरा सभ कैँ बताउ।
35 सदोम आ अमोराक लोक सभ जमा भऽ नगरक गली मे आगि जरा देलक आ ओ सभ ओहि स् त्री कैँ लऽ कऽ आगि मे फेकि देलक आ ओ जरि कऽ राख भऽ गेल।
36 अदमा नगर मे एकटा स् त्री छल, जकरा संग ओ सभ एहने काज करैत छल।
37 एक बटोही भोरे घर जेबाक इरादा सँ राति भरि ओतय रहबाक लेल अदमा नगर मे आयल छल आ ओ युवतीक पिताक घरक दरबज्जाक सोझाँ बैसल छल, जेना ओहि ठाम पहुँचला पर सूर्यास्त भ' गेल छल। युवती ओकरा घरक दरबज्जा लग बैसल देखलक।
38 ओ ओकरा सँ पानि पीबय लेल पुछलथिन, "अहाँ के छी?" ओ ओकरा कहलथिन, "हम आइ रस्ता पर जा रहल छलहुँ, आ सूर्यास्तक समय एतय पहुँचि गेलहुँ, तेँ भरि राति एतहि रहब, आ भोरे भोरे उठि कऽ यात्रा जारी राखब।"
39 युवती घर मे जा कऽ ओहि आदमी कैँ रोटी-पानि अनलक जे ओ खाय-पीबय।
40 अदमाक लोक सभ कैँ ई बात पता चललनि आ ओ सभ जमा भ' क' ओहि युवती कैँ न्यायाधीश सभक सोझाँ अनलनि जाहि सँ ओ सभ एहि काजक कारणेँ ओकर न्याय करथि।
41 न्यायाधीश कहलथिन, "एहि स् त्री कैँ मृत्युक न् याय हेबाक चाही, किएक तँ ओ हमरा सभक नियमक उल्लंघन केलक।
42 ओहि शहरक लोक सभ जमा भ' क' ओहि युवती कैँ बाहर अनलक आ न्यायाधीशक आदेशक अनुसार ओकरा माथ सँ पैर धरि मधुक अभिषेक कयलक आ ओकरा ओहि समय मे अपन छत्ता मे मधुमाछीक झुंडक सोझाँ राखि देलक आ मधुमाछी सभ ओकरा पर उड़ि कऽ ओकरा डंक मारि देलक जे ओकर पूरा शरीर फूलि गेल छलैक।
43 युवती मधुमाछी सभक कारणेँ चिचिया उठल, मुदा कियो ओकरा पर कोनो ध्यान नहि देलक आ ने ओकरा पर दया केलक आ ओकर चीत्कार स्वर्ग मे चढ़ि गेल।
44 एहि आ सदोम नगर सभक सभ काज पर प्रभु क्रोधित भऽ गेलाह, किएक तँ हुनका सभ लग भोजनक प्रचुरता छलनि आ हुनका सभक बीच शान्ति छलनि, मुदा एखनो गरीब आ जरूरतमंद लोक सभ कैँ नहि पोसैत छलाह, आ ओहि दिन मे हुनका लोकनिक दुष्कर्म आ पाप प्रभुक समक्ष बहुत पैघ भ' गेलनि।
45 परमेश् वर अब्राहमक घर मे आयल दूटा स् वर्गदूत कैँ बजा लेलनि जे सदोम आ ओकर नगर सभ कैँ नष्ट करथि।
46 तखन स् वर्गदूत सभ अब्राहमक डेराक दरबज्जा पर सँ उठि कऽ साँझ मे सदोम पहुँचलाह, तखन लूत सदोमक फाटक मे बैसल छलाह आ हुनका सभ कैँ देखि हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल उठि गेलाह आ ओ जमीन पर प्रणाम कयलनि।
47 ओ सभ ओकरा सभ कैँ बहुत दबा कऽ अपन घर मे अनलनि आ ओ सभ जे भोजन खाइत छलाह से देलथिन आ ओ सभ राति भरि हुनकर घर मे रहि गेलाह।
48 स् वर्गदूत सभ लूत कैँ कहलथिन, "उठू, अहाँ आ अहाँक सभटा एहि स्थान सँ निकलू, जाहि सँ अहाँ एहि नगरक अधर्म मे नष्ट नहि भऽ जायब, किएक तँ प्रभु एहि स्थान कैँ नष्ट कऽ देथिन।"
49 स् वर्गदूत सभ लूत आ हुनकर पत्नीक हाथ आ हुनकर बच्चा सभक हाथ आ हुनकर सभटा हाथ पकड़ि लेलनि आ हुनका बाहर लऽ कऽ नगर सभक बाहर राखि देलनि।
50 ओ सभ लूत कैँ कहलथिन, "अपन जान बचेबाक लेल भागि जाउ।"
51 तखन परमेश् वर सदोम आ अमोरा आ एहि सभ नगर पर स् वर्ग सँ गंधक आ आगि बरसौलनि।
52 ओ एहि नगर सभ, समस्त मैदान आ नगरक सभ निवासी आ जमीन पर उपजल सभ कैँ उखाड़ि देलनि। लूतक पत्नी अदो नगर सभक विनाश देखबाक लेल पाछू घुमि कऽ तकलीह, किएक तँ सदोम मे रहनिहार बेटी सभक कारणेँ हुनकर दया आबि गेलनि, किएक तँ ओ सभ हुनका संग नहि गेलाह।
53 जखन ओ पाछू घुमि कऽ देखलनि तँ ओ नूनक खंभा बनि गेलीह आ आइ धरि ओ ओहि ठाम अछि।
54 ओहि ठाम ठाढ़ बैल सभ दिन अपन पएरक छोर धरि नून चाटि लैत छल आ भोरे-भोर नव-नव उगैत छल आ आइ धरि फेर चाटि लैत छल।
55 लूत आ हुनकर दूटा बेटी जे हुनका संग बचल छलनि, ओ भागि कऽ अदुल्लमक गुफा मे भागि गेलाह आ ओ सभ किछु समय धरि ओतहि रहलाह।

56 अब्राहम भोरे-भोर उठि कऽ देखथि जे सदोम नगर सभक संग की भेल अछि। ओ देखलक आ देखलक जे नगर सभक धुँआ भट्ठीक धुँआ जकाँ ऊपर जा रहल अछि।
57 लूत आ ओकर दुनू बेटी गुफा मे रहि गेल आ ओ सभ अपन पिता केँ मदिरा पीबैत ओकरा संग सुति देलक, किएक तँ ओ सभ कहैत छल जे पृथ् वी पर एहन केओ नहि अछि जे ओकरा सभ सँ बीया पैदा कऽ सकैत अछि, किएक तँ ओ सभ सोचैत छल जे पूरा धरती नष्ट भऽ गेल अछि।
58 दुनू गोटे अपन पिताक संग पड़ि गेलाह आ ओ सभ गर्भवती भऽ पुत्रक जन्म देलनि आ जेठका बच्चा अपन पुत्रक नाम मोआब रखलक आ कहलक जे, "हम हुनका अपन पिता सँ गर्भवती भेलहुँ। ओ आइ धरि मोआबी सभक पिता छथि।
59 छोटकी सेहो अपन बेटा केँ बेनामी कहैत छल। ओ आइ धरि अम्मोनक सन् तान सभक पिता छथि।
60 एकर बाद लूत आ ओकर दुनू बेटी ओतहि सँ चलि गेलाह आ ओ अपन दुनू बेटी आ बेटा सभक संग यरदन नदीक ओहि पार रहि गेलाह आ लूतक बेटा सभ पैघ भेलाह आ ओ सभ जा कऽ कनान देश सँ अपना केँ पत्नी लऽ लेलनि आ हुनका सभक संतान भेलनि आ ओ सभ फल-फूल भेलाह आ बढ़ि गेलाह।

अध्याय 20

1 ओहि समय मे अब्राहम ममरेक मैदान सँ विदा भेलाह आ ओ पलिस्तीक देश मे गेलाह आ ओ गेरार मे रहि गेलाह। अब्राहम कनान देश मे रहला के पच्चीसवाँ साल आ अब्राहम के जीवन के सौम साल मे ओ पलिस्ती के देश मे गेरार आबि गेलाह।
2 जखन ओ सभ ओहि देश मे प्रवेश कयलनि तखन ओ अपन पत्नी सारा केँ कहलथिन, "जे केओ अहाँ सँ पूछत, अहाँ केँ कहू जे अहाँ हमर बहिन छी, जाहि सँ हम सभ ओहि देशक निवासी सभक दुष्टता सँ बचि सकब।"
3 जखन अब्राहम पलिस्तीक देश मे रहैत छलाह तखन पलिस्तीक राजा अबीमेलेकक नौकर सभ देखलनि जे सारा बहुत सुन्दर छथि, आ ओ सभ अब्राहम सँ हुनका विषय मे पुछलथिन, "ओ हमर बहिन छथि।"
4 अबीमेलेकक नोकर सभ अबीमेलेक लग जा कऽ कहलथिन, "कनान देशक एक आदमी एहि देश मे रहबाक लेल आयल अछि आ ओकर एकटा बहिन अछि जे बहुत सुन्दर अछि।"
5 अबीमेलेक अपन नोकर सभक बात सुनलनि जे सारा केँ स्तुति करैत छलाह, तखन अबीमेलेक अपन अधिकारी सभ केँ पठौलनि आ ओ सभ सारा केँ राजा लग अनलनि।
6 सारा अबीमेलेकक घर पहुँचलीह, तखन राजा देखलनि जे सारा सुन्दर छथि आ हुनका बहुत नीक लागलनि।
7 ओ हुनका लग आबि कऽ हुनका पुछलथिन, "ओ आदमी अहाँक लेल की अछि, जकरा संग अहाँ हमरा सभक देश मे आयल छी?" सारा उत्तर देलथिन आ कहलथिन जे ओ हमर भाइ छथि, आ हम सभ कनान देश सँ जतय जगह भेटि जाय, ओतय रहबाक लेल आयल छी।
8 अबीमेलेक सारा केँ कहलथिन, "देखू, हमर देश अहाँक सोझाँ अछि, एहि देशक कोनो भाग मे अपन भाय केँ राखू जे अहाँ केँ नीक लागय, आ हमरा सभक कर्तव्य होयत जे ओ अहाँक भाय छथि तेँ हुनका एहि देशक सभ लोक सँ ऊपर उठाबी आ ऊपर उठाबी।"
9 अबीमेलेक अब्राहम केँ बजाबय लेल पठौलनि आ अब्राहम अबीमेलेक लग आबि गेलाह।
10 अबीमेलेक अब्राहम केँ कहलथिन, "देखू, हम आदेश देने छी जे अहाँक बहिन साराक कारणेँ अहाँक इच्छानुसार आदर कयल जाय।"
11 अब्राहम राजा सँ निकलि गेलाह आ राजाक उपहार हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
12 जेना साँझक समय मे लोक सभ आराम करबाक लेल लेटबा सँ पहिने राजा अपन सिंहासन पर बैसल छलाह आ हुनका पर गहींर नींद आबि गेलनि आ ओ सिंहासन पर बैसल भोर धरि सुति गेलाह।
13 ओ सपना देखलनि जे प्रभुक एकटा स् वर्गदूत हाथ मे तलवार लऽ कऽ हुनका लग आबि गेलाह आ स् वर्गदूत अबीमेलेकक ऊपर ठाढ़ भऽ हुनका तलवार सँ मारबाक इच्छा रखलनि, आ राजा सपना मे भयभीत भऽ गेलाह आ स् वर्गदूत केँ कहलथिन, "हम अहाँक विरुद्ध कोन पाप केलहुँ जे अहाँ हमरा अपन तलवार सँ मारय लेल आयल छी?"
14 स् वर्गदूत उत्तर देलथिन आ अबीमेलेक केँ कहलथिन, "देखू, अहाँ ओहि स् त्रीक कारणेँ मरि रहल छी, जकरा काल्हि अहाँ अपन घर मे अनने छलहुँ, किएक तँ ओ विवाहित स् त्री छथि, जे अब्राहमक पत्नी छथि जे अहाँक घर आयल छलाह। आब ओहि आदमी केँ अपन पत्नी केँ घुरा दियौक, कारण ओ ओकर पत्नी छथि। आ की तोहें ओकरा वापस नै करबै, तोहें ई जानी ले कि तोहें आरो तोरो ॅ सब लोग जरूर मरब।"
15 ओहि राति पलिस्ती सभक देश मे बहुत हल्ला भेल आ ओहि देशक निवासी सभ हाथ मे तलवार ल' क' ठाढ़ आदमीक आकृति देखलक आ ओ ओहि देशक निवासी सभ केँ तलवार सँ मारि देलक, हँ ओ ओकरा सभ केँ मारि दैत रहल।
16 ओहि राति परमेश् वरक स् वर्गदूत पूरा पलिश् ती सभक देश पर प्रहार कयलनि आ ओहि राति आ दोसर दिन भोरे मे बहुत गड़बड़ी भेल।
17 अबीमेलेक द्वारा अब्राहमक पत्नी साराक कारणेँ प्रत् येक कोख आ सभटा पेट बन्द भऽ गेल छल।
18 भोरे अबीमेलेक आतंकित भऽ कऽ आतंकित भऽ कऽ उठलाह आ अपन नोकर सभ केँ बजा कऽ हुनका सभ केँ बजा कऽ अपन सपना सुनौलनि आ लोक सभ बहुत भयभीत भऽ गेलाह।
19 राजाक नोकर सभक बीच ठाढ़ एक आदमी राजा केँ उत्तर देलथिन, "हे सार्वभौम राजा, एहि स् त्री केँ ओकर पति मे वापस कऽ दियौक, किएक तँ ओ ओकर पति छथि, किएक तँ मिस्रक राजाक संग सेहो एहने घटना घटल छल जखन ई आदमी मिस्र आयल छल।"
20 ओ अपन पत्नीक विषय मे कहलथिन, "ओ हमर बहिन छथि, कारण जखन ओ ओहि देश मे रहय लेल अबैत छथि, जाहि मे ओ परदेशी छथि, तखन हुनकर एहन व्यवहार होइत छनि।"
21 तखन फिरौन एहि स् त्री केँ स् त्री बनि कऽ पठौलनि आ प्रभु हुनका पर भयंकर विपत्ति अनलनि जाबत धरि ओ स् त्री केँ अपन पति लग नहि घुरा देलनि।
22 तेँ हे सार्वभौम राजा, काल्हि राति मे पूरा देश मे की भेल छल, से जानि लिअ, किएक तँ बहुत पैघ आशंका आ बहुत पीड़ा आ विलाप भेल छल, आ हम सभ जनैत छी जे ई ओहि महिलाक कारणेँ छल जकरा अहाँ लऽ गेलहुँ।

23 आब एहि स् त्री केँ ओकर पति मे वापस कऽ दियौक, जाहि सँ हमरा सभ केँ ओहिना नहि होयत जेना मिस्रक राजा फिरौन आ हुनकर प्रजा पर भेल छल आ हम सभ नहि मरि सकब। अबीमेलेक जल्दी-जल्दी बजा लेलक आ सारा केँ बजा लेलक, आ ओ अब्राहम केँ बजा लेलक आ ओ अपना सँ आगू आबि गेल।
24 अबीमेलेक हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ ई कहि कऽ जे अहाँ सभ भाइ-बहिन छी, आ हम एहि स् त्री केँ स् त्री बना लेलहुँ?"
25 अब्राहम कहलथिन, "किएक तँ हम सोचैत छलहुँ जे हमरा अपन स् त्रीक कारणेँ मृत्युक सामना करबाक चाही। अबीमेलेक भेँड़ा आ भेँड़ा, नौकर-चाकर आ नौकरानी आ एक हजार चानीक टुकड़ी लऽ कऽ अब्राहम केँ दऽ देलक आ सारा केँ हुनका लग वापस कऽ देलक।
26 अबीमेलेक अब्राहम केँ कहलथिन, "देखू, समस्त देश अहाँक सोझाँ अछि, अहाँ जतय चाहब, ओहि मे रहू।"
27 अब्राहम आ हुनकर पत्नी सारा राजाक समक्ष सँ आदर आ आदरपूर्वक निकलि गेलाह आ ओ सभ ओहि देश मे रहि गेलाह जे गेरार मे अछि।
28 पलिस्तीक देशक सभ निवासी आ राजाक नोकर सभ एखनो ओहि विपत्ति सँ पीड़ित छलाह, जे स् वर्गदूत हुनका सभ पर भरि राति सारा केँ मारि देने छलाह।
29 अबीमेलेक अब्राहम केँ बजा कऽ कहलथिन, "अपन सेवक सभक लेल अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना करू जाहि सँ ओ हमरा सभक बीच सँ एहि मृत् यु केँ दूर कऽ सकथि।"
30 अब्राहम अबीमेलेक आ ओकर प्रजाक कारणेँ प्रार्थना कयलनि आ प्रभु अब्राहमक प्रार्थना सुनलनि आ ओ अबीमेलेक आ ओकर सभ प्रजा केँ ठीक कयलनि।

अध्याय 21

1 अब्राहमक गेरार मे पलिस्तीक देश मे रहबाक एक वर्ष चारि मासक अंत मे परमेश् वर सारा सँ भेंट कयलनि आ प्रभु हुनका स्मरण कयलनि आ ओ गर्भवती भऽ अब्राहम केँ एकटा पुत्रक जन्म देलनि।
2 अब्राहम ओहि बेटाक नाम इसहाक रखलनि।
3 अब्राहम अपन पुत्र इसहाक केँ आठ दिनक उम्र मे खतना कयलनि, जेना परमेश् वर अब्राहम केँ अपन बादक वंशज केँ करबाक आज्ञा देने छलाह। जखन इसहाकक जन्म भेल छलनि तखन अब्राहम एक सय आ सारा नब्बे वर्षक छलीह।
4 ओ बच्चा पैघ भेल आ दुध छुड़ाओल गेल, आ अब्राहम ओहि दिन एकटा पैघ भोज केलनि जाहि दिन इसहाक दूध छुड़ाओल गेल छल।
5 शेम आ एबर आ देशक सभ पैघ लोक, पलिस्तीक राजा अबीमेलेक आ हुनकर नोकर सभ, आ हुनकर सेनाक सेनापति फिकोल, अब्राहम अपन पुत्र इसहाक केँ दुधमुँहा कऽ देल गेल भोज मे भोजन-पीन आ आनन्दित होबऽ लगलाह।
6 अब्राहमक पिता तेरा आ ओकर भाय नाहोर, ओ सभ आ ओकर सभ लोक हारान सँ आबि गेलाह, किएक तँ ओ सभ ई सुनि कऽ बहुत हर्षित भेलाह जे सारा सँ एकटा बेटा भेल अछि।
7 ओ सभ अब्राहम लग पहुँचलाह आ इसहाक केँ दुध छुड़ाओल गेल दिन अब्राहम द्वारा कयल गेल भोज मे भोजन-पीना कयलनि।
8 तेरा आ नाहोर अब्राहमक संग आनन्दित भेलाह आ ओ सभ पलिस्तीक देश मे बहुत दिन धरि हुनका संग रहलाह।
9 ओहि समय मे अब्राहमक पुत्र इसहाकक जन्मक पहिल वर्ष मे रेवक पुत्र सेरुग मरि गेलाह।
10 सेरुगक समस्त जीवन दू सय उनतीस वर्षक रहल आ ओ मरि गेलाह।
11 ओहि समय मे अब्राहमक पुत्र इस्माइल पैघ भऽ गेलाह। ओ चौदह वर्षक छलाह जखन सारा इसहाक केँ अब्राहम केँ जन्म देलनि।
12 परमेश् वर अब्राहमक पुत्र इस्माइलक संग छलाह आ ओ पैघ भेलाह आ धनुषक प्रयोग सीखलनि आ धनुषी बनि गेलाह।
13 इसहाक पाँच वर्षक भेला पर ओ इस्माइलक संग डेराक दरबज्जा पर बैसल छलाह।
14 इस्माएल इसहाक लग आबि कऽ हुनका सोझाँ बैसि गेलाह आ धनुष लऽ कऽ ओकरा खींचि कऽ बाण लगा देलथिन आ इसहाक केँ मारबाक इरादा रखलनि।
15 सारा देखलकै जे इस्माइल अपन बेटा इसहाकक संग जे काज कर' चाहैत छल, से ओकरा बहुत दुखी क' देलकैक, आ ओ अब्राहम केँ बजा क' कहलक जे, "एहि दासी आ ओकर बेटा केँ बाहर निकालि दियौक, किएक त' ओकर बेटा हमर बेटाक उत्तराधिकारी नहि होयत, किएक त' ओ आइ ओकरा संग एना करबाक प्रयास केलक।"
16 अब्राहम साराक आवाज सुनलनि आ भोरे-भोर उठि कऽ बारह टा रोटी आ एक बोतल पानि लऽ कऽ हाजर केँ अपन बेटाक संग विदा कयलनि, आ हागर अपन बेटाक संग जंगल मे विदा भेलाह आ ओ सभ जंगल मे रहनिहार सभक संग पारानक जंगल मे रहि गेलाह आ इश्माएल धनुर्धर छलाह आ ओहि मे रहि गेलाह जंगल बहुत दिन।
17 तकर बाद ओ आ ओकर माय मिस्र देश गेलाह आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह आ हाजर मिस्र सँ अपन बेटाक लेल एकटा स् त्री लऽ लेलनि आ ओकर नाम मरीबा छलनि।
18 इस्माइलक पत्नी गर्भवती भऽ चारिटा बेटा आ दूटा बेटीक जन्म देलनि, आ बाद मे इस्माइल आ हुनकर माय आ हुनकर पत्नी आ बच्चा सभ जा कऽ जंगल दिस घुरि गेलाह।
19 ओ सभ ओहि जंगल मे अपना लेल डेरा बना लेलक, जाहि मे ओ सभ रहैत छल, आ फेर मासिक आ साल भरि विश्राम करैत रहलाह।
20 परमेश् वर इस्माइल केँ अपन पिता अब्राहमक कारणेँ भेँड़ा-बदल, भेँड़ा आ डेरा देलनि।
21 इस्माइल मरुभूमि आ डेरा मे बहुत दिन धरि घुमैत-फिरैत आ विश्राम करैत रहलाह, मुदा हुनका अपन पिताक मुँह नहि देखलनि।
22 किछु समय बाद अब्राहम अपन पत्नी सारा केँ कहलथिन, "हम अपन बेटा इस्माइल केँ देखय लेल जायब, किएक तँ हमरा हुनका देखबाक इच्छा अछि, किएक तँ हम हुनका बहुत दिन सँ नहि देखलहुँ।"
23 अब्राहम अपन पुत्र इस्माइल केँ ताकबाक लेल अपन एकटा ऊँट पर सवार भऽ जंगल मे गेलाह, किएक तँ ओ सुनलनि जे ओ अपन सभटा सामानक संग जंगल मे एकटा डेरा मे रहैत छथि।
24 अब्राहम मरुभूमि मे गेलाह आ दुपहर मे इश्माएलक डेरा पर पहुँचलाह आ इश्माएलक पाछाँ-पाछाँ पुछलथिन, तखन ओ इस्माइलक पत्नी केँ अपन बच्चा सभक संग डेरा मे बैसल

देखलनि, आ हुनकर पति इस्माइल आ हुनकर माय हुनका सभक संग नहि छलाह।
25 अब्राहम इस्माइलक पत्नी सँ पुछलथिन, "इस्माइल कतय चलि गेलाह?" ओ बजलीह, "ओ शिकार करबाक लेल खेत मे गेल छथि, आ अब्राहम एखनो ऊँट पर सवार छलाह, किएक त' ओ जमीन पर नहि उतरताह जेना ओ अपन पत्नी सारा केँ शपथ देने छलाह जे ऊँट पर सँ नहि उतरब।"
26 अब्राहम इस्माइलक पत्नी केँ कहलथिन, "हमर बेटी, हमरा कनेक पानि दिअ जाहि सँ हम पीबि सकब, किएक तँ हम यात्रा सँ थक गेल छी।"
27 इस्माइलक पत्नी अब्राहम केँ उत्तर देलथिन, "हमरा सभ लग ने पानि अछि आ ने रोटी।
28 मुदा ओ अपन बच्चा सभ केँ डेरा मे मारि रहल छलीह आ ओकरा सभ केँ गारि पढ़ि रहल छलीह, आ ओ अपन पति इस्माइल केँ सेहो गारि पढ़ैत छलीह आ हुनका डाँटैत छलीह, आ अब्राहम इस्माइलक पत्नीक अपन बच्चा सभ केँ कहल बात सुनलनि आ ओ बहुत क्रोधित आ नाराज भ' गेलाह।
29 अब्राहम ओहि स् त्री केँ डेरा सँ बाहर निकलबाक लेल बजौलनि आ ओ स् त्री अब्राहमक सोझाँ आबि कऽ ठाढ़ भऽ गेलीह, किएक तँ अब्राहम एखनो ऊँट पर सवार छलाह।
30 अब्राहम इस्माइलक पत्नी केँ कहलथिन, "जखन तोहर पति इस्माइल घर घुरताह तखन हुनका ई बात कहू।
31 पलिस्तीक देशक एकटा बहुत बूढ़ आदमी अहाँ केँ तकबाक लेल एतय आबि गेलाह। हम हुनका सँ नहि पुछलियनि जे अहाँ के छथि, आ अहाँ एतय नहि रहला पर ओ हमरा सँ बजलाह आ कहलनि, "जखन तोहर पति इस्माइल घुरि अयलाह तखन ई कहलकनि जे, जखन अहाँ घर आबि जायब तखन ओहि डेराक ई कील राखि दियौक जे अहाँ एतय राखने छी, आ ओकर बदला मे एकटा आओर कील लगा दियौक।"
32 अब्राहम ओहि स् त्री केँ अपन निर्देश समाप्त कऽ कऽ ऊँट पर चढ़ि कऽ घर दिस विदा भेलाह।
33 तकर बाद इश्माएल अपन मायक संग पीछा कऽ कऽ डेरा दिस घुरि गेलाह आ हुनकर पत्नी हुनका ई बात कहलथिन।
34 पलिस्तीक देशक एकटा बहुत बूढ़ आदमी अहाँ केँ तकबाक लेल आयल छल, आ हुनकर रूप आ आकृति एना छल। हम हुनका सँ नहि पुछलियनि जे अहाँ के छथि, आ अहाँ घर मे नहि रहला पर ओ हमरा कहलनि, "जखन अहाँक पति घर आबि जेताह तखन हुनका कहि दियौन, ई बूढ़ कहैत छथि, जे डेराक कील एतय राखने छी, ओकरा हटा दियौक आ ओकर बदला मे एकटा आओर कील राखि दियौक।
35 इस्माइल अपन पत्नीक बात सुनि कऽ बुझि गेल जे ई हुनकर पिता छथि आ हुनकर स् त्री हुनका आदर नहि करैत छथि।
36 इस्माइल अपन पिताक बात केँ बुझि गेल जे ओ अपन पत्नी सँ कहने छलाह, आ इस्माइल अपन पिताक आवाज सुनलनि आ इस्माइल ओहि स् त्री केँ छोड़ि देलनि आ ओ चलि गेलीह।
37 बाद मे इस्माइल कनान देश गेलाह आ एकटा आओर पत्नी केँ लऽ कऽ हुनका अपन डेरा मे ओहि ठाम लऽ गेलाह जतय ओ तखन रहैत छलाह।
38 तीन वर्षक अंत मे अब्राहम कहलथिन, "हम फेर जा कऽ अपन पुत्र इस्माइल केँ देखब, किएक तँ हम ओकरा बहुत दिन सँ नहि देखलहुँ।"
39 ओ अपन ऊँट पर सवार भऽ जंगल दिस गेलाह आ दुपहरक करीब इस्माइलक डेरा पर पहुँचलाह।
40 ओ इश्माएलक पाछाँ-पाछाँ पुछलथिन आ हुनकर पत्नी डेरा सँ बाहर निकललीह आ ओ बजलीह, "ओ एतय नहि छथि हमर मालिक, किएक तँ ओ खेत मे शिकार कर' लेल गेल छथि आ ऊँट सभक चरबा लेल गेल छथि, आ ओ स् त्री अब्राहम केँ कहलथिन, "हमर मालिक केँ डेरा मे घुसि जाउ आ एक-एकटा रोटी खाउ, किएक तँ यात्राक कारणेँ अहाँक प्राण थकित भऽ जायत।"
41 अब्राहम ओकरा कहलथिन, "हम अपन यात्रा आगू बढ़ेबा मे जल्दबाजी मे नहि रुकब, बल् कि हमरा कनेक पानि पीबि दिअ, किएक तँ हमरा प्यास लागल अछि। ओ महिला जल्दी-जल्दी दौड़ल डेरा मे आबि गेलीह आ ओ अब्राहम केँ पानि आ रोटी अनलनि, जकरा ओ हुनका सोझाँ राखि देलनि आ ओ हुनका खाय लेल आग्रह केलनि, आ ओ खा-पीबि गेलाह आ हुनकर मोन केँ सान्त्वना भेटलनि आ ओ अपन पुत्र इस्माइल केँ आशीर्वाद देलनि।
42 ओ भोजन समाप्त कऽ कऽ प्रभु परमेश् वरक आशीष कयलनि आ इश्माएलक स् त्री केँ कहलथिन, "जखन इशमाएल घर आओत तँ हुनका ई बात कहू।
43 पलिस्तीक देशक एकटा बहुत बूढ़ आदमी एतय आबि अहाँक पाछाँ-पाछाँ पुछलक, मुदा अहाँ एतऽ नहि छलहुँ। हम ओकरा रोटी-पानि बाहर अनलहुँ आ ओ खा-पीबि लेलक आ मोन केँ सान्त्वना भेटलैक।
44 ओ हमरा ई बात कहलथिन, "जखन अहाँक पति इस्माइल घर अबैत छथि तँ हुनका कहू जे, "तोरा जे डेरा लग अछि, ओकर कील बहुत नीक अछि, तेँ ओकरा डेरा सँ दूर नहि राखू।"
45 अब्राहम ओहि स् त्री केँ आज्ञा दऽ कऽ ओ सवारी पर सवार भऽ कऽ पलिश् ती सभक देश दिस विदा भेलाह। जखन इस्माइल अपन डेरा पर पहुँचलाह तखन हुनकर पत्नी हुनका सँ भेंट करय लेल हर्ष आ प्रसन्न मोन सँ निकललीह।
46 ओ ओकरा कहलथिन, "एकटा बूढ़ पलिस्तीक देश सँ एतय आयल छल आ ओकर रूप एना भेलैक, आ ओ अहाँक पाछाँ-पाछाँ पुछलक आ अहाँ एत' नहि छलहुँ, तेँ हम रोटी-पानि बाहर अनलहुँ आ ओ खा-पीलक आ मोन केँ सान्त्वना भेटलैक।
47 ओ हमरा ई बात कहलथिन, "जखन अहाँक पति इस्माइल घर अबैत छथि तखन हुनका कहथिन जे, "तोरा जे डेरा लग अछि, ओकर कील बहुत नीक अछि, ओकरा डेरा सँ दूर नहि राखू।"
48 इस्माइल केँ बुझल छलनि जे ई हुनकर पिता छथि आ हुनकर स् त्री हुनका आदर केने छथि, आ परमेश् वर इस्माइल केँ आशीष देलनि।

अध्याय 22

1 तखन इस्माइल उठि कऽ अपन पत्नी आ अपन बच्चा सभ आ अपन माल-जाल आ अपन सभटा सामान लऽ कऽ ओतऽ सँ विदा भेलाह आ पलिस्तीक देश मे अपन पिता लग गेलाह।
2 अब्राहम अपन पुत्र इस्माइल केँ ओहि पहिल स् त्रीक संग जे व्यवहार इस्माएल केने छलाह, तकरा सुनौलनि।
3 इस्माइल आ ओकर सन्तान सभ अब्राहमक संग ओहि देश मे बहुत दिन धरि रहलाह आ अब्राहम बहुत दिन धरि पलिस्ती सभक देश मे रहलाह।

4 दिन बढ़ैत गेल आ छब्बीस वर्ष धरि पहुँचि गेल आ तकर बाद अब्राहम अपन नोकर आ अपन सभटा संग पलिस्तीक देश सँ बहुत दूर धरि हटि गेलाह आ ओ सभ हेब्रोन लग आबि गेलाह आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह आ अब्राहमक नौकर सभ पानिक इनार खोदैत रहलाह आ अब्राहम आ हुनकर सभ लोक पानि लग रहि गेलाह आ पलिस्तीक राजा अबीमेलेकक नौकर सभ ई खबर सुनलकै कि अब्राहम के नौकर सिनी देश के सीमा में पानी के इनार खोदलकै।
5 ओ सभ आबि कऽ अब्राहमक नोकर सभ सँ झगड़ा कऽ लेलक आ ओ सभ ओकरा सभ केँ ओहि पैघ इनार सँ लूटि लेलक।
6 पलिस्तीक राजा अबीमेलेक ई बात सुनलनि, तखन ओ अपन सेनाक सेनापति फिकोल आ हुनकर बीस गोटेक संग अब्राहम लग आबि गेलाह, आ अबीमेलेक अब्राहम सँ हुनकर नोकर सभक विषय मे बात कयलनि, आ अब्राहम अबीमेलेक केँ डाँटि देलनि, जाहि इनार सँ हुनकर नौकर सभ हुनका लूटि लेलनि।
7 अबीमेलेक अब्राहम केँ कहलथिन, "जहिना परमेश् वर जीबैत छथि, जे पूरा पृथ् वी केँ सृष्टि केने छथि, हम आइ धरि नहि सुनलहुँ जे हमर सेवक सभ अहाँक सेवक सभक संग कयल गेल काज।"
8 अब्राहम सातटा मेमना लऽ कऽ अबीमेलेक केँ दऽ कऽ कहलथिन, "हमरा हाथ सँ ई सभ ल' लिअ जाहि सँ ई गवाही हो जे हम एहि इनार केँ खोदलहुँ।"
9 अबीमेलेक जे सातटा भेड़िया मेमना अब्राहम केँ देने छलाह, तकरा ल' लेलनि, किएक तँ ओ हुनका प्रचुर मात्रा मे माल-जाल आ माल-जाल सेहो देने छलाह, आ अबीमेलेक अब्राहम केँ एहि इनारक विषय मे शपथ लेलनि, तेँ ओ ओहि इनार केँ बेर-शेबा नाम देलनि, कारण ओतहि दुनू गोटे एहि विषय मे शपथ लेलनि।
10 दुनू गोटे बेर-शेबा मे वाचा कयलनि आ अबीमेलेक अपन सेनापति फिकोल आ ओकर सभ लोकक संग उठि गेलाह आ ओ सभ पलिस्तीक देश मे घुरि गेलाह आ अब्राहम आ हुनकर सभ लोक बेरशेबा मे रहलाह आ ओ ओहि देश मे बहुत दिन धरि रहलाह।
11 अब्राहम बेरशेबा मे एकटा पैघ बगीचा लगौलनि आ ओहि मे धरतीक चारू कात मुँहे चारिटा फाटक बनौलनि आ ओहि मे अंगूरक बगीचा लगौलनि, जाहि सँ जँ कोनो यात्री अब्राहम लग आबि गेलाह तँ ओ अपन बाट मे कोनो फाटक मे प्रवेश कऽ गेलाह आ ओतहि रहि कऽ खाइत-पीबि कऽ तृप्त भऽ गेलाह आ फेर विदा भऽ गेलाह।
12 अब्राहमक घर मे ओहि मनुष् यक पुत्र सभक लेल सदिखन खुजल रहैत छल जे अब्राहमक घर मे भोजन-पीन करय लेल अबैत छल।
13 जे केओ भूख सँ अब्राहमक घर आबि गेल छल, अब्राहम ओकरा रोटी दऽ दैत छल जाहि सँ ओ खाइत-पीबैत आ तृप्त भ' सकय, आ जे कियो नंगटे अपन घर मे अबैत छल, ओकरा ओ अपन इच्छानुसार कपड़ा पहिरि कऽ चानी आ सोना दऽ कऽ ओकरा पृथ्वी पर सृजित प्रभुक परिचय दैत छल। अब्राहम जीवन भरि ई काज केलनि।
14 अब्राहम आ ओकर सन् तान सभ आ ओकर सभ लोक बेर्शेबा मे रहि गेलाह आ ओ हेब्रोन धरि अपन डेरा ठाढ़ कयलनि।
15 अब्राहमक भाय नाहोर आ ओकर पिता आ ओकर सभ लोक हारान मे रहैत छलाह, कारण ओ सभ अब्राहमक संग कनान देश मे नहि आयल छलाह।
16 नाहोर सँ संतान भेलनि जे हारानक बेटी मिल्का आ अब्राहमक पत्नी साराक बहिन हुनका जनम देलनि।
17 हुनका सँ जनमल लोक सभक नाम उज, बुज, केमुएल, केसेद, चाजो, पिलदाश, तिदलाफ आ बेथुएल अछि, जे आठ पुत्र छल, ई सभ मिलकाक संतान अछि, जकरा ओ अब्राहमक भाय नाहोर केँ जन्म देलक।
18 नाहोरक एकटा उपपत्नी छलनि आ ओकर नाम रेउमा छलनि, आ ओ नाहोर, जेबक, गचाश, ताकाश आ माका केँ सेहो चारि पुत्रक जन्म देलनि।
19 नाहोर सँ जे संतान भेलनि से हुनकर बेटी सभक अतिरिक्त बारहटा पुत्र छलनि आ हुनका सभ सँ हारान मे सेहो संतान भेलनि।
20 नाहोरक पहिल जन्मल उजक संतान अबी, चेरेफ, गादीन, मेलुस आ हुनकर बहिन दबोरा छल।
21 बुजक पुत्र बेराकेल, नामत, शेवा आ मदोनु छल।
22 कमुएलक पुत्र अराम आ रेकोब छल।
23 केसेदक पुत्र अनमलेक, मेशाई, बेनोन आ यिफी छल। चाजोक पुत्र पिलदाश, मेकी आ ओफर छल।
24 पिलदाशक पुत्र अरुद, चमुम, मेरेद आ मोलोक छल।
25 तिदलाफक पुत्र मुशान, कुशान आ मुत्जी छल।
26 बतुएलक सन् तान छल सेकर, लाबान आ हुनकर बहिन रिबेका।
27 ई सभ नाहोरक वंशज सभ छथि जे हुनका सभक हारान मे भेल छलनि। कमुएलक पुत्र अराम आ ओकर भाय रेकोब हारान सँ चलि गेलाह, आ ओकरा सभ केँ यूफ्रेटिस नदीक कात मे एकटा घाटी भेटलनि।
28 ओ सभ ओतऽ एकटा नगर बनौलनि आ ओहि नगरक नाम अरामक पुत्र पेथोरक नाम पर रखलनि, जे आइ धरि अराम नहेराइम अछि।
29 केसेदक सन्तान सभ सेहो ओहि ठाम रहय लेल गेल जतय ओकरा सभ केँ जगह भेटि सकैत छलैक, आ ओ सभ जा कऽ शिनार देशक सोझाँ एकटा घाटी भेटलैक आ ओ सभ ओतहि रहि गेल।
30 ओ सभ ओतहि अपना लेल एकटा नगर बनौलनि, आ ओहि नगर मे अपन पिताक नामक नाम पर केसेद नाम देलनि, जे आइ धरि कासदीम भूमि अछि, आ कासदीम लोकनि ओहि देश मे रहैत छलाह आ ओ सभ फल-फूल आ बहुत बढ़ि गेलाह।
31 नाहोर आ अब्राहमक पिता तेरा जा कऽ बुढ़ापा मे एकटा आओर पत्नीक विवाह कयलनि, जकर नाम पेलीला छलनि, आ ओ गर्भवती भऽ हुनका एकटा बेटाक जन्म देलनि आ ओ हुनकर नाम ज़ोबा रखलनि।
32 तेरा ज़ोबाक जन्मक पच्चीस वर्षक बाद जीवित रहलाह।
33 तेरा ओहि वर्ष अर्थात् अब्राहमक पुत्र इसहाकक जन्मक पैंतीसम वर्ष मे मरि गेलाह।
34 तेराक दिन दू सय पाँच वर्ष छल आ हारान मे दफनाओल गेलाह।
35 तेराक पुत्र ज़ोबा तीस वर्ष जीवित रहलाह आ हुनका अराम, अक्लीस आ मेरिकक जन्म भेलनि।
36 तेराक पुत्र ज़ोबाक पुत्र अरामक तीनटा पत्नी छलनि आ हुनका बारहटा बेटा आ तीनटा बेटी भेलनि। प्रभु ज़ोबाक पुत्र अराम केँ धन-दौलत आ सम्पत्ति, प्रचुर माल-जाल, भेँड़ा आ झुंड देलनि, आ ओ आदमी बहुत बढ़ि गेल।

37 ज़ोबाक पुत्र अराम आ ओकर भाय आ ओकर सभ घरक लोक हारान सँ विदा भेलाह आ ओ सभ जतऽ हुनका सभ केँ जगह भेटबाक चाही, ओतय रहय लेल गेलाह, किएक तँ हुनकर सभक सम्पत्ति बहुत बेसी छल जे हारान मे नहि रहि सकैत छल। कारण, ओ सभ अपन भाय नाहोरक सन् तान सभक संग हारान मे नहि रुकि सकलाह।
38 ज़ोबाक पुत्र अराम अपन भाय सभक संग गेलाह आ हुनका सभ केँ पूब दिस दूर एकटा घाटी भेटलनि आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह।
39 ओ सभ ओतहि एकटा नगर सेहो बनौलनि आ ओकर नाम अराम रखलनि, जे अपन जेठ भाइक नाम पर राखि देलनि। जे आइ धरि आराम ज़ोबा छथि।
40 ओहि दिन मे अब्राहमक पुत्र इसहाक पैघ भऽ रहल छलाह आ हुनकर पिता अब्राहम हुनका प्रभु केँ जानबाक लेल प्रभुक बाट सिखबैत छलाह आ प्रभु हुनका संग छलाह।
41 जखन इसहाक सत्तीस वर्षक भेल तखन ओकर भाय इस्माइल हुनका संग डेरा मे घुमैत छल।
42 इस्माइल इसहाक केँ घमंड करैत कहलथिन, "हम तेरह वर्षक छलहुँ जखन प्रभु हमर पिता सँ हमरा सभक खतना करबाक लेल कहलनि, आ हम प्रभुक वचनक अनुसार केलहुँ जे ओ हमर पिता केँ कहलनि, आ हम अपन प्राण प्रभु केँ दऽ देलहुँ, आ हम हुनकर वचनक उल्लंघन नहि केलहुँ जे ओ हमर पिता केँ आज्ञा देने छलाह।"
43 इसहाक इस्माइल केँ उत्तर देलथिन, "अहाँ हमरा एहि विषय मे किएक घमंड करैत छी जे अहाँ अपन शरीर सँ जे किछु मांस लऽ लेलहुँ, जकरा विषय मे प्रभु अहाँ केँ आज्ञा देने छलाह?"
44 हमर पिता अब्राहमक परमेश् वर, जहिना परमेश् वर जीबैत छथि, जँ प्रभु हमर पिता केँ कहथिन जे, 'अपन पुत्र इसहाक केँ ल' कऽ हमरा सोझाँ बलिदान आनि दिअ, तँ हम नहि रोकब, बल् कि हम खुशी-खुशी ओकरा स्वीकार करब।"
45 परमेश् वर एहि बात केँ सुनि कऽ जे इसहाक इस्माइल केँ कहलथिन आ ई बात परमेश् वरक नजरि मे नीक लागल।
46 ओ दिन आबि गेल जखन परमेश् वरक पुत्र सभ आबि कऽ प्रभुक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह आ शैतान सेहो परमेश् वरक पुत्र सभक संग प्रभुक समक्ष आबि गेलाह।
47 परमेश् वर शैतान केँ कहलथिन, "अहाँ कतऽ सँ आयल छी?" शैतान प्रभु केँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "पृथ्वी मे एम्हर-ओम्हर घुमैत-फिरैत आ ओहि मे ऊपर-नीचाँ चलला सँ।"
48 परमेश् वर शैतान केँ कहलथिन, "तोहर पृथ् वीक सभ सन् तानक विषय मे हमरा लेल की कहलहुँ?" शैतान प्रभु केँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "हम पृथ् वीक सभ संतान केँ देखलहुँ जे अहाँक सेवा करैत छथि आ जखन अहाँ सँ किछु माँगैत छथि तखन अहाँक स्मरण करैत छथि।"
49 जखन अहाँ ओकरा सभ केँ ओ वस्तु दैत छी जे ओ सभ अहाँ सँ माँगैत अछि, तखन ओ सभ आराम सँ बैसि जाइत अछि आ अहाँ केँ छोड़ि दैत अछि आ ओ सभ अहाँ केँ आब नहि मोन पाड़ैत अछि।
50 की अहाँ देखलहुँ जे तेराक पुत्र अब्राहम केँ पहिने सँ कोनो संतान नहि छलनि, आ ओ अहाँक सेवा करैत छलाह आ अहाँ सभक लेल वेदी ठाढ़ करैत छलाह, आ हुनका सभ पर बलि चढ़ाबैत छलाह आ ओ अहाँक नाम पृथ्वीक सभ सन् तान मे निरंतर प्रचार करैत छलाह।
51 आब जखन हुनकर पुत्र इसहाक हुनका लेल जन्म लेने छथि तखन ओ अहाँ केँ छोड़ि देलनि आ ओहि देशक सभ निवासीक लेल एकटा पैघ भोज कयलनि आ प्रभु केँ ओ बिसरि गेल छथि।
52 किएक तँ ओ जे किछु कयलनि ताहि मे ओ अहाँ लेल कोनो बलिदान नहि अनलनि। बेटा के दुध छुड़ाबै के दिन जे किछु मारलकै, ओकरा मे सँ ने होमबलि आ ने मेलबलि, ने बैल, मेमना आ ने बकरी।
53 बेटाक जन्मक समय सँ एखन धरि, सत्तीस वर्ष धरि, ओ अहाँक सोझाँ कोनो वेदी नहि बनौलनि, आ ने अहाँक लेल कोनो बलिदान अनलनि, किएक तँ ओ देखलनि जे अहाँ जे किछु माँगने छलाह से दऽ देलनि, आ तेँ ओ अहाँ केँ छोड़ि देलनि।
54 प्रभु शैतान केँ कहलथिन, "की अहाँ हमर सेवक अब्राहम केँ एहि तरहेँ विचार केलहुँ?" किएक तँ पृथ् वी पर हुनका सन केओ नहि अछि, जे हमरा सोझाँ सिद्ध आ सोझ आदमी अछि, जे परमेश् वर सँ डरैत अछि आ अधलाह सँ बचैत अछि। हम जीबैत छी, जँ हम ओकरा कहितहुँ जे, 'अपन पुत्र इसहाक केँ हमरा सोझाँ लऽ जाउ, तखन ओ ओकरा हमरा सँ नहि रोकत, जँ हम ओकरा कहितहुँ जे ओकर भेँड़ा वा भेँड़ा मे सँ होमबलि हमरा सोझाँ आनय।"
55 शैतान परमेश् वर केँ उत्तर देलथिन, "तखन अब्राहम सँ जेना अहाँ कहलहुँ, तेना कहू, तखन देखब जे ओ आइ उल्लंघन नहि करत आ अहाँक बात केँ एक कात नहि छोड़त।"

अध्याय 23

1 ओहि समय परमेश् वरक वचन अब्राहम लग आबि गेलनि आ ओ हुनका कहलथिन, "अब्राहम आ ओ कहलथिन, "हम एतय छी।"
2 ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन बेटा, अपन एकलौता पुत्र, जकरा सँ अहाँ प्रेम करैत छी, इसहाक केँ लऽ जाउ, आ मोरिया देश जाउ आ ओतय ओकरा होमबलि मे एकटा पहाड़ पर चढ़ाउ जे अहाँ केँ देखाओल जायत, कारण ओतहि अहाँ मेघ आ प्रभुक महिमा देखब।"
3 अब्राहम मने-मन पुछलथिन, "हम अपन पुत्र इसहाक केँ ओकर माय सारा सँ कोना अलग कऽ सकब, जाहि सँ ओकरा प्रभुक समक्ष होमबलि मे लऽ जा सकब?"
4 अब्राहम डेरा मे आबि कऽ ओ अपन स् त्री सारा सँ आगू बैसलाह।
5 हमर बेटा इसहाक पैघ भ' गेल अछि आ ओ किछु समय सँ अपन परमेश् वरक सेवाक अध्ययन नहि केने अछि, आब काल्हि हम जा कऽ हुनका शेम आ हुनकर बेटा एबर लग ल' जायब, आ ओतहि ओ प्रभुक बाट सीखत, कारण ओ सभ हुनका प्रभु केँ जानबाक संग-संग ईहो सिखाओत जे जखन ओ प्रभुक समक्ष निरंतर प्रार्थना करताह तखन ओ हुनका उत्तर देथिन, तेँ ओतहि हुनका अपन परमेश् वरक सेवा करबाक तरीका बुझि जेताह।
6 सारा कहलथिन, "अहाँ नीक बात कऽ देलहुँ, हमर मालिक जाउ आ हुनका संग जेना अहाँ कहने छी, तेना करू, मुदा हुनका हमरा सँ बहुत दूर नहि हटाउ आ ने ओतहि बेसी दिन रहय, किएक तँ हमर प्राण हुनकर प्राण मे बान्हल अछि।"
7 अब्राहम सारा केँ कहलथिन, "हमर बेटी, हम सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना करू जे ओ हमरा सभक संग भलाई करथि।"

8 सारा अपन बेटा इसहाक कैँ ल' गेलि आ ओ राति भरि ओकरा संग रहलाह, आ ओ ओकरा चुम्मा लेलक आ गला लगा लेलक आ भोर धरि ओकरा निर्देश देलक।
9 ओ हुनका कहलथिन, "हे हमर बेटा, हमर प्राण अहाँ सँ कोना अलग भ' सकैत अछि?" ओ एखनो हुनका चुम्मा लैत छलीह आ गला लगा लैत छलीह आ अब्राहम कैँ हुनका विषय मे निर्देश देलथिन।
10 सारा अब्राहम कैँ कहलथिन, "हे हमर मालिक, हम आग्रह करैत छी जे अहाँ अपन बेटा पर ध्यान राखू आ ओकरा पर नजरि राखू, किएक त' हमरा लग हुनका छोड़ि कोनो आन बेटा आ बेटी नहि अछि।"
11 हे ओकरा नहि छोड़ू। जँ भूख लागल हो तँ रोटी दऽ दियौक आ जँ प्यास लागल हो तँ पानि पीबऽ दियौक। पैदले नहि जाय दियौक आ ने रौद मे बैसय दियौक।
12 आ ने ओकरा रस् ता मे असगरे जाय दियौक आ ने ओकरा जे किछु चाहै ओकरा जबरदस्ती करऽ दियौक।
13 सारा राति इसहाकक कारणेँ कटुता सँ कानैत रहलाह आ भोर धरि हुनका निर्देश देलनि।
14 भोरे-भोर सारा ओहि वस्त्र मे सँ एकटा नीक आ सुन्दर वस्त्र चुनलीह जे अबीमेलेक ओकरा देलक।
15 ओ अपन पुत्र इसहाक कैँ ओहिना कपड़ा पहिरा देलथिन आ ओकर माथ पर पाग लगा देलथिन आ पागक उपरका भाग मे एकटा कीमती पाथर बंद कऽ देलथिन आ ओ सभ हुनका सभ कैँ रस्ताक भोजन देलथिन आ ओ सभ विदा भेलाह आ इसहाक अपन पिता अब्राहमक संग विदा भेलाह आ हुनका सभक किछु नोकर हुनका सभक संग रस्ता सँ बाहर देखबाक लेल गेलाह।
16 सारा हुनका सभक संग निकलि गेलीह आ हुनका सभ कैँ विदा कर' लेल हुनका सभक संग रस्ता पर चलि गेलीह, आ ओ सभ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "तंबू दिस घुरि जाउ।"
17 जखन सारा अपन पुत्र इसहाकक बात सुनि कटु कानि उठलीह, आ हुनकर पति अब्राहम हुनका संग कानय लगलाह आ हुनका सभक बेटा हुनका सभक संग बहुत कानय लागल। संगहि जे सभ हुनका सभक संग गेल छलाह, से सभ बहुत कानैत छलाह।
18 सारा अपन पुत्र इसहाक कैँ पकड़ि लेलक आ ओकरा कोरा मे पकड़ि लेलक आ ओकरा गला लगा कऽ ओकरा संग कानैत रहलैक आ सारा कहलक, "के जनैत अछि जे आइक बाद हम अहाँ कैँ फेर कहियो देखब?"
19 ओ सभ एखनो एक संग कानि रहल छल, अब्राहम, सारा आ इसहाक आ हुनका सभक संग रस्ता पर जे सभ छल, से सभ हुनका सभक संग कानि रहल छल, आ तकर बाद सारा कटु कानि रहल छल, आ ओकर सभ नौकर-चाकर आ नौकरानी हुनका संग डेरा दिस घुरि गेलाह।
20 अब्राहम अपन पुत्र इसहाकक संग चलि गेलाह जे हुनका परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार बलिदानक रूप मे लऽ जाथि।
21 अब्राहम अपन दू गोट युवक, हाजरक पुत्र इस्माइल आ हुनकर सेवक एलीएजर कैँ ल' गेलाह आ ओ सभ हुनका सभक संग विदा भेलाह आ जखन ओ सभ बाट पर चलैत छलाह तखन ओ युवक सभ अपना आप मे ई बात कहलनि।
22 इस्माइल एलीएजर कैँ कहलथिन, "हमर पिता अब्राहम इसहाकक संग जा रहल छथि जे हुनका परमेश् वरक होमबलि मे लऽ जा रहल छथि, जेना ओ हुनका आज्ञा देने छलाह।"
23 जखन ओ घुरताह तखन ओ हमरा अपन सभटा सम्पत्ति हमरा दऽ देताह, जाहि सँ हुनका बाद उत्तराधिकार भेटि जाय, किएक तँ हम हुनकर पहिल पुत्र छी।
24 एलीएजर इस्माइल कैँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "अब्राहम अहाँ कैँ अहाँक मायक संग फेकि देलनि आ शपथ खा लेलनि जे अहाँ कैँ अपन सभटा सम्पत्ति मे सँ कोनो वस्तुक उत्तराधिकार मे नहि भेटत, आ अपन सभटा धन-सम्पत्ति कैँ ओ ककरा देथिन, बल् कि हमरा हुनकर सेवक कैँ देथिन, जे हुनकर घर मे विश्वासी रहलाह, जे राति-दिन हुनकर सेवा केने छथि, आ हमरा जे किछु चाहैत छलाह से केने छथि?" ओ अपन मृत्युक समय हमरा लग वसीयत करत।
25 जखन अब्राहम अपन पुत्र इसहाकक संग बाट पर जा रहल छलाह तखन शैतान आबि अब्राहम कैँ एकटा बहुत वृद्ध, विनम्र आ पश्चाताप करयवला आकृति मे देखा गेलाह, आ ओ अब्राहम लग आबि हुनका कहलथिन, "की अहाँ मूर्ख छी वा क्रूर, जे आइ अहाँ अपन एकलौता बेटाक संग ई काज करय जा रहल छी?"
26 किएक तँ परमेश् वर अहाँक अंतिम समय मे, अहाँक बुढ़ापा मे एकटा पुत्र देलनि, आ की अहाँ आइ ओकरा मारि देब, कारण ओ कोनो हिंसा नहि केलक, आ की अहाँ अपन एकलौता पुत्रक प्राण कैँ पृथ्वी सँ नाश कऽ देब?
27 की अहाँ नहि जनैत छी आ नहि बुझैत छी जे ई बात प्रभुक दिस सँ नहि भऽ सकैत अछि? कारण, प्रभु पृथ् वी पर मनुष् य कैँ एहन अधलाह नहि कऽ सकैत छथि जे ओकरा कहथिन जे, "जाउ, अपन बच्चा कैँ वध करू।"
28 अब्राहम ई बात सुनि कऽ बुझि गेलाह जे शैतानक वचन अछि जे हुनका प्रभुक बाट सँ दूर करबाक प्रयास कयलनि, मुदा अब्राहम शैतानक आवाज नहि सुनलनि आ अब्राहम हुनका डाँटि कऽ चलि गेलाह।
29 शैतान घुरि कऽ इसहाक लग आबि गेल। ओ इसहाक कैँ एकटा सुन्दर आ अनुग्रहित युवकक आकृति मे देखा पड़लाह।
30 ओ इसहाक लग जा कऽ कहलथिन, "की अहाँ नहि जनैत छी आ नहि बुझैत छी जे अहाँक बूढ़ मूर्ख पिता आइ अहाँ कैँ बेकार मे वध मे अनैत छथि?"
31 तेँ आब बेटा, हुनकर बात नहि सुनू आ ने हुनकर ध्यान राखू, किएक तँ ओ मूर्ख बूढ़ छथि, आ अहाँक अनमोल प्राण आ सुन्दर आकृति पृथ्वी सँ नहि हेरा जाय।
32 इसहाक ई बात सुनि अब्राहम कैँ कहलथिन, "हे हमर पिता, अहाँ ई बात सुनने छी?" एतेक धरि जे एहि तरहेँ बाजल अछि।
33 अब्राहम अपन पुत्र इसहाक कैँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "ओकरा सँ सावधान रहू आ हुनकर बात नहि सुनू आ ने हुनकर ध्यान दियौक, किएक तँ ओ शैतान छथि आ आइ हमरा सभ कैँ परमेश् वरक आज्ञा सँ अलग करबाक प्रयास करैत छथि।"
34 अब्राहम एखनो शैतान कैँ डाँटैत रहलाह आ शैतान हुनका सभ सँ चलि गेलाह आ हुनका सभ पर विजय नहि पाबि सकलाह आ ओ हुनका सभ सँ नुका गेलाह। ओ अपना कैँ बाट मे पानिक एकटा पैघ धार मे बदलि गेलाह, आ अब्राहम आ इसहाक आ ओकर दुनू युवक ओहि ठाम पहुँचलाह, आ ओ सभ एकटा पैघ आ शक्तिशाली पानि जकाँ पैघ धार देखलनि।
35 ओ सभ ओहि धार मे घुसि कऽ ओहि मे सँ गुजरि गेलाह आ पानि पहिने हुनका लोकनिक टांग धरि पहुँचि गेलनि।
36 ओ सभ धार मे गहींर धरि गेलाह आ पानि हुनका लोकनिक गर्दन धरि पहुँचि गेलनि आ पानिक कारणेँ सभ गोटे भयभीत भ'

गेलाह। जखन ओ सभ धारक पार जाइत छलाह तखन अब्राहम ओहि स्थान कैँ चिन्हलनि, आ ओ बुझि गेलाह जे पहिने ओतय पानि नहि छल।
37 अब्राहम अपन पुत्र इसहाक कैँ कहलथिन, "हम एहि स्थान कैँ जनैत छी, जाहि ठाम कोनो धार नहि छल आ ने पानि, आब ई शैतान अछि जे हमरा सभक संग ई सभ काज करैत अछि, जाहि सँ आइ हमरा सभ कैँ परमेश् वरक आज्ञा सँ अलग भऽ जाय।"
38 अब्राहम ओकरा डाँटि कऽ कहलथिन, "हे शैतान, प्रभु तोरा डाँटैत रहथिन।
39 अब्राहमक आवाज सुनि शैतान आतंकित भऽ गेलाह आ ओ हुनका सभ सँ दूर भऽ गेलाह आ ओ जगह पहिने जकाँ शुष्क भूमि बनि गेल।
40 अब्राहम इसहाकक संग ओहि ठाम गेलाह जे परमेश् वर हुनका कहने छलाह।
41 तेसर दिन अब्राहम आँखि उठा कऽ दूर ओहि स्थान कैँ देखलनि जे परमेश् वर हुनका कहने छलाह।
42 पृथ् वी सँ स् वर्ग धरि पहुँचल आगि क खंभा आ पहाड़ पर एकटा महिमा क मेघ प्रकट भेल आ मेघ मे प्रभुक महिमा देखल गेल।
43 अब्राहम इसहाक कैँ कहलथिन, "हे बौआ, की अहाँ ओहि पहाड़ मे देखैत छी जे हम सभ दूर सँ देखैत छी?
44 इसहाक उत्तर देलथिन, "हम आगि आ मेघक खंभा देखैत छी आ मेघ पर प्रभुक महिमा देखबा मे अबैत अछि।"
45 अब्राहम कैँ बुझल छलनि जे हुनकर पुत्र इसहाक कैँ होमबलि मे प्रभुक समक्ष ग्रहण कयल गेलनि।
46 अब्राहम एलीएजर आ हुनकर पुत्र इस्माइल कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ सेहो ओहि पहाड़ पर जे देखैत छी से देखैत छी?"
47 ओ सभ उत्तर देलथिन, "हमरा सभ कैँ पृथ् वीक आन पहाड़ सभ जकाँ बेसी किछु नहि बुझाइत अछि।" अब्राहम कैँ बुझल छलनि जे हुनका सभक संग जेबाक लेल प्रभुक समक्ष हुनका सभ कैँ स्वीकार नहि कयल गेलनि, आ अब्राहम हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ एतय गदहाक संग रहू जाबत हम आ हमर पुत्र इसहाक ओतहि पहाड़ पर जा कए प्रभुक समक्ष ओतहि पूजा करब आ फेर अहाँ सभ लग घुरि जायब।"
48 अब्राहमक आज्ञाक अनुसार एलीएजर आ इस्माइल ओहि ठाम रहि गेलाह।
49 अब्राहम होमबलि लेल लकड़ी लऽ कऽ अपन पुत्र इसहाक पर राखि देलथिन आ ओ आगि आ छूरी लऽ कऽ दुनू गोटे ओहि ठाम चलि गेलाह।
50 जखन ओ सभ जाइत छलाह तखन इसहाक अपन पिता कैँ कहलथिन, "देखू, हम एतऽ आगि आ लकड़ी देखैत छी, तखन प्रभुक समक्ष होमबलि होमय बला मेमना कतय अछि?"
51 अब्राहम अपन पुत्र इसहाक कैँ उत्तर देलथिन, "प्रभु अहाँ कैँ हमर बेटा कैँ चुनने छथि जे अहाँ मेमनाक बदला मे पूर्ण होमबलि बनू।"
52 इसहाक अपन पिता कैँ कहलथिन, "प्रभु जे किछु कहने छथि से हम हर्ष आ हँसी-खुशी सँ करब।"
53 अब्राहम फेर अपन पुत्र इसहाक कैँ कहलथिन, "की अहाँक मोन मे एहि विषय मे कोनो एहन विचार वा सलाह अछि जे उचित नहि अछि?" हमरा कहू हमर बेटा, हम अहाँ स विनती करैत छी, हे हमर बेटा हमरा स एकरा नुकाउ।
54 इसहाक अपन पिता अब्राहम कैँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "हे हमर पिता, जहिना प्रभु जीबैत छथि आ जेना अहाँक प्राण जीबैत छथि, हमर हृदय मे एहन कोनो बात नहि अछि जे हमरा ओहि वचन सँ दहिना वा बामा दिस हटि जाय।"
55 एहि बात पर ने अंग आ ने मांसपेशी हिलल अछि आ ने हिलल अछि, आ ने हमर हृदय मे एहि विषय मे कोनो विचार वा दुष्ट सलाह अछि।
56 मुदा हम एहि विषय मे हर्षित आ प्रसन्न हृदयक छी आ कहैत छी जे, "धन्य प्रभु छथि जे आइ हमरा अपन समक्ष होमबलि बनबाक लेल चुनलनि।"
57 इसहाकक एहि बात पर अब्राहम बहुत हर्षित भऽ गेलाह आ ओ सभ ओहि स्थान पर पहुँचि गेलाह, जाहि ठाम परमेश् वर कहने छलाह।
58 अब्राहम ओहि ठाम वेदी बनेबाक लेल लग आबि गेलाह, आ अब्राहम कानि रहल छलाह, आ इसहाक पाथर आ मोर्टार लऽ कऽ गेलाह जाबत ओ सभ वेदी बनेनाइ पूरा नहि कऽ लेलक।
59 अब्राहम ओहि लकड़ी सभ कैँ लऽ कऽ जे वेदी बनौने छलाह, ओकरा क्रम मे राखि देलथिन।
60 ओ अपन पुत्र इसहाक कैँ लऽ कऽ बान्हि लेलक जाहि सँ ओ वेदी पर राखल लकड़ी पर राखि कऽ प्रभुक समक्ष होमबलि मे मारि देल जाय।
61 इसहाक अपन पिता कैँ कहलथिन, "हमरा सुरक्षित रूप सँ बान्हि दियौक आ फेर हमरा वेदी पर राखि दियौक, जाहि सँ हम घुमि कऽ नहि चलि जायब आ हमर मांस पर चाकूक बल सँ नहि छूटि जायब आ होमबलि कैँ अपवित्र नहि कऽ सकब। आ अब्राहम एना केलनि।
62 इसहाक एखनो अपन पिता कैँ कहैत छलाह, "हे हमर पिता, जखन अहाँ हमरा मारि कऽ बलिदानक रूप मे जरा देब तखन हमर छाउर मे सँ जे किछु बचल होयत से अपना संग लऽ कऽ हमर माय सारा कैँ आनब आ ओकरा कहब जे, "ई इसहाकक मधुर गंधक गंध अछि।" मुदा जँ ओ कोनो इनार लग वा कोनो ऊँच स्थान पर बैसत तँ ओकरा ई बात नहि कहि दियौक, जाहि सँ ओ अपन प्राण हमरा पाछाँ फेकि कऽ मरि नहि जाय।"
63 अब्राहम इसहाकक बात सुनि कऽ कानि उठलाह आ इसहाक ई बात बाजलाह। अब्राहमक नोर हुनकर पुत्र इसहाक पर खसि पड़लनि आ इसहाक कटुता सँ कानय लगलाह आ ओ अपन पिता कैँ कहलथिन, "हे हमर पिता, अहाँ जल्दी करू आ हमरा संग हमर सभक परमेश् वरक इच् छा करू जेना ओ अहाँ कैँ आज्ञा देने छथि।"
64 परमेश् वरक आज्ञा पर अब्राहम आ इसहाकक हृदय आनन्दित भऽ गेल। मुदा आँखि कटु कानैत छल जखन कि हृदय आनन्दित होइत छल।
65 अब्राहम अपन पुत्र इसहाक कैँ बान्हि कऽ लकड़ी पर वेदी पर राखि देलथिन, आ इसहाक अपन पिताक सोझाँ वेदी पर अपन गरदनि पसारि लेलनि, आ अब्राहम अपन पुत्र कैँ होमबलि मे मारबाक लेल चाकू लेबय लेल हाथ बढ़ौलनि।
66 ओहि समय मे दयाक स् वर्गदूत सभ प्रभुक समक्ष आबि हुनका इसहाकक विषय मे कहलथिन।
67 0 प्रभु, अहाँ स्वर्ग आ पृथ्वी मे जे किछु बनौने छी, ताहि पर दयालु आ दयालु राजा छी, आ अहाँ सभक सहारा दैत छी। तैँ अपन सेवक इसहाकक बदला मे फिरौती आ मोक्ष दिअ, आ

अब्राहम आ हुनकर पुत्र इसहाक पर दया आ दया करू, जे आइ अहाँक आज्ञाक पालन कऽ रहल छथि।"
68 हे प्रभु, की अहाँ देखलहुँ जे अहाँक सेवक अब्राहमक पुत्र इसहाक कैँ कोना पशु जकाँ वधक लेल बान्हल गेल अछि? आब, हे प्रभु, हुनका सभ पर अहाँक दया जागरूक होअय।"
69 ओहि समय परमेश् वर अब्राहम कैँ दर्शन कयलनि आ स् वर्ग सँ हुनका बजा कऽ कहलथिन, "ओहि बालक पर हाथ नहि राखू आ ने ओकरा कोनो काज करू, किएक तँ आब हम जनैत छी जे अहाँ ई काज करबा मे आ अपन एकलौता बेटा कैँ हमरा सँ नहि रोकबा मे परमेश् वर सँ डरैत छी।"
70 अब्राहम आँखि उठा कऽ देखलक जे एकटा मेढ़क सींग सँ झाड़ी मे फँसि गेल अछि। ओ मेढ़ा छल जे प्रभु परमेश् वर पृथ् वी मे बनौने छलाह, जाहि दिन ओ पृथ् वी आ स् वर्ग बनौने छलाह।
71 किएक तँ परमेश् वर ओहि दिन सँ एहि मेढ़ कैँ इसहाकक बदला होमबलि बनबाक लेल तैयार कएने छलाह।
72 ई मेढ़ा अब्राहम लग आगू बढ़ि रहल छल जखन शैतान ओकरा पकड़ि लेलक आ ओकर सींग झाड़ी मे ओझरा देलक, जाहि सँ ओ अब्राहम लग आगू नहि बढ़य जाहि सँ अब्राहम अपन बेटा कैँ मारि सकय।
73 अब्राहम मेढ़ा कैँ आगू बढ़ैत आ शैतान कैँ रोकैत देखि, ओकरा आनि कऽ वेदीक समक्ष अनलनि आ अपन पुत्र इसहाक कैँ अपन बान्हन सँ मुक्त कऽ देलनि आ ओकर बदला मे मेढ़ा कैँ राखि देलनि आ अब्राहम ओहि मेढ़ कैँ वेदी पर मारि कऽ अपन पुत्र इसहाकक स्थान पर बलिदानक रूप मे अनलनि।
74 अब्राहम मेढ़क किछु खून वेदी पर छिड़कि देलनि आ ओ चिचिया उठलनि, "ई हमर बेटाक स्थान पर अछि, आ ई आइ प्रभुक समक्ष हमर बेटाक खून मानल जाय।"
75 अब्राहम एहि अवसर पर वेदी लग जे किछु करैत छलाह, ओ उद्घोष करैत कहैत छलाह, "ई हमर बेटाक कोठली मे अछि, आ आइ हमरा बेटाक स्थान पर प्रभुक समक्ष एकर विचार कयल जाय। अब्राहम वेदीक लग मे पूरा सेवा समाप्त कयलनि, आ प्रभुक सामने सेवा स्वीकार कयल गेलनि, आ हुनका एहि तरहक मानल गेलनि जेना ओ इसहाक होथि। ओहि दिन परमेश् वर अब्राहम आ हुनकर वंशज कैँ आशीर्वाद देलनि।
76 तखन शैतान सारा लग गेल आ ओ ओकरा बहुत विनम्र आ नम्र बूढ़क आकृति मे देखा देलक, आ अब्राहम एखन धरि प्रभुक समक्ष होमबलि मे लागल छलाह।
77 ओ हुनका कहलथिन, "की अहाँ कैँ नहि बुझल अछि जे आइ अब्राहम अहाँक एकलौता बेटाक संग जे काज केने छथि?" किएक तँ ओ इसहाक कैँ लऽ कऽ वेदी बनौलनि आ ओकरा मारि देलकनि आ वेदी पर बलिदानक रूप मे लऽ गेलनि, आ इसहाक अपन पिताक सोझाँ चिचिया उठल आ कानैत रहलाह, मुदा ओ हुनका दिस नहि तकलनि आ ने हुनका पर दया भेलनि।
78 शैतान ई सभ बात दोहरौलक आ ओ ओकरासँ दूर भऽ गेल आ सारा शैतानक सभ बात सुनलक आ ओ ओकरा अपन बेटाक संग रहनिहार लोकक पुत्र सभक बीचसँ एकटा बूढ़ आदमी बुझि लेलक।
79 सारा अपन पुत्रक कारणेँ कटुता सँ कानैत आ कटु चिचिया उठलीह। ओ अपना कैँ जमीन पर फेकि देलक आ माथ पर धूरा फेकि देलक आ बजलीह, "हे हमर बेटा, हमर बेटा इसहाक, हे जँ हम आइ अहाँक बदला मे मरि गेलहुँ।" ओ कानैत बजलीह, "हे हमर बेटा, हमर बेटा इसहाक, अहाँक लेल हमरा दुख अछि जे हम आइ अहाँक बदला मे मरि गेलहुँ।"
80 ओ एखनो कानैत रहलीह आ बजलीह, "हम अहाँक पालन-पोषण आ पालन-पोषण केलाक बाद अहाँक लेल दुखी अछि। आब हमर आनन्द अहाँक लेल शोक मे बदलि गेल अछि, हम जे अहाँक लेल तरसैत छलहुँ, आ जाबत हम अहाँ कैँ नब्बे वर्षक उम्र मे जन्म नहि देलहुँ ताबत धरि परमेश् वर सँ चिचियाइत छलहुँ आ प्रार्थना करैत छलहुँ। आब अहाँ आइ छूरी आ आगि लेल चढ़ा देबाक लेल सेवा केलहुँ।
81 मुदा, हमर बेटा, हम अहाँक संग अपना कैँ सान्त्वना दैत छी जे ई प्रभुक वचन अछि, किएक तँ अहाँ अपन परमेश् वरक आज्ञाक पालन केलहुँ। कारण, हमरा सभक परमेश् वरक वचनक उल्लंघन के कऽ सकैत अछि, जकरा हाथ मे सभ जीव-जन्तुक प्राण अछि?
82 हे हमर परमेश् वर, अहाँ धर्मी छी, किएक तँ अहाँक सभ काज नीक आ धार्मिक अछि। हमहूँ अहाँक आज्ञा देल गेल वचन सँ आनन्दित छी आ जखन हमर आँखि कटु कानैत अछि तखन हमर मोन आनन्दित होइत अछि।
83 सारा अपन एकटा दासीक छाती पर अपन माथ राखि देलक आ ओ पाथर जकाँ स्थिर भ' गेल।
84 तकर बाद ओ उठि कऽ हेब्रोन पहुँचबा धरि पूछताछ करैत घुमि गेलीह आ सड़क पर चलैत-चलैत सभ गोटे सँ पूछताछ केलनि, आ हुनकर बेटाक की भेलनि से कियो नहि कहि सकलनि।
85 ओ अपन दासी आ नौकर-चाकर सभक संग किरेत-अर्बा जे हेब्रोन अछि, ओतय गेलीह आ ओ अपन पुत्रक विषय मे पुछलथिन, आ ओतहि रहि गेलीह, जाबत ओ अपन किछु नौकर कैँ पठौलनि जे अब्राहम इसहाकक संग कतय गेल छलाह। ओ सभ शेम आ एबरक घर मे हुनका तकबा लेल गेलाह, मुदा हुनका नहि भेटलनि, आ पूरा देश मे खोजलनि आ ओ ओतय नहि छलाह।
86 देखू, शैतान एकटा बूढ़ आदमीक आकार मे सारा लग आबि गेल आ ओ ओकरा सामने ठाढ़ भ' गेल आ ओकरा कहलक, "हम अहाँ सँ झूठ बाजलहुँ, किएक तँ अब्राहम अपन बेटा कैँ नहि मारलनि आ ओ मरल नहि अछि। जखन ओ ई बात सुनलीह तँ हुनकर आनन्द बेटाक कारणेँ एतेक बेसी हिंसक भऽ गेलनि जे हुनकर प्राण आनन्दक कारणेँ निकलि गेलनि। ओ मरि गेलीह आ अपन लोकक बीच जमा भ' गेलीह।
87 जखन अब्राहम अपन सेवा समाप्त कयलनि तखन ओ अपन पुत्र इसहाकक संग अपन युवक सभक लग घुरि गेलाह आ ओ सभ उठि कऽ बेर-शेबा गेलाह आ ओ सभ घर आबि गेलाह।
88 अब्राहम सारा कैँ खोजि कऽ नहि पाबि सकलाह, आ ओ सभ हुनका सँ पूछताछ कयलनि आ ओ सभ हुनका कहलथिन, "ओ अहाँ दुनू गोटे कैँ खोजबाक लेल हेब्रोन धरि गेलीह जे अहाँ सभ कतय गेल छलहुँ, किएक तँ हुनका एहि तरहेँ सूचना देल गेल छलनि।"
89 अब्राहम आ इसहाक हुनका लग हेब्रोन गेलाह आ जखन हुनका मरि गेलनि तखन ओ सभ आवाज उठा कऽ हुनका पर कटु कानय लगलाह। इसहाक अपन मायक मुँह पर खसि पड़लाह आ हुनका पर कानैत कहलथिन, "हे हमर माय, हमर माय, अहाँ हमरा कोना छोड़ि गेलहुँ आ कतय चलि गेलहुँ?" हे कोना, कोना छोड़ि देलहुँ हमरा!

90 अब्राहम आ इसहाक बहुत कानय लगलाह आ हुनकर सभक नौकर सभ हुनका सभक संग साराक कारणेँ कानय लगलाह आ ओ सभ हुनका पर बहुत शोक मनाओल गेलाह।

अध्याय 24

1 साराक जीवन एक सय सत्ताईस वर्ष भेल आ सारा मरि गेलीह। अब्राहम अपन मृत् युक समक्ष सँ उठि कऽ अपन स् त्री सारा केँ दफन करबाक लेल एकटा दफन स् थान ताकय लगलाह। ओ जा कऽ ओहि देशक निवासी हेतक लोक सभ सँ कहलथिन।
2 हम अहाँक देश मे अहाँ सभक संग परदेशी आ प्रवासी छी। हमरा अपन देश मे एकटा दफन स्थल दिअ, जाहि सँ हम अपन मृतक केँ अपन सोझाँ सँ गाड़ि सकब।"
3 हेतक सन्तान सभ अब्राहम केँ कहलथिन, "देखू, ओ देश अहाँक सोझाँ अछि, हमरा सभक कब्र सभक चयन मे अहाँक मृतक केँ गाड़बाक लेल, किएक तँ अहाँ केँ केओ अहाँक मृत् यु केँ गाड़बा सँ नहि रोकत।"
4 अब्राहम हुनका सभ केँ कहलथिन, "जँ अहाँ सभ एहि बात सँ सहमत छी तँ जाउ आ हमरा लेल ज़ोकरक पुत्र एफ्रोन सँ विनती करू जे ओ हमरा मकपेलाक गुफा जे हुनकर खेतक छोर मे अछि, दऽ दिअ, आ हम ओकरा ओकरा सँ कीनि देब।"
5 एफ्रोन हेतक सन् तान सभक बीच रहैत छलाह आ ओ सभ जा कऽ हुनका बजौलनि आ ओ अब्राहमक आगू बढ़लाह आ एफ्रोन अब्राहम केँ कहलथिन, "देखू, अहाँ सभ जे किछु माँगैत छी जे अहाँक सेवक करथि। अब्राहम कहलथिन, "नहि, मुदा तोहर जे गुफा आ खेत अछि से हम मोल मे कीनि लेब, जाहि सँ ओ सदाक लेल दफन स्थल पर रहय।"
6 एफ्रोन उत्तर देलथिन, "देखू, खेत आ गुफा अहाँक सोझाँ अछि, अहाँ जे चाहैत छी से दिअ। अब्राहम कहलथिन, "हम ओकरा तोहर हाथ सँ आ तोहर नगरक फाटक मे घुसय बला लोकक हाथ सँ आ तोहर वंशजक हाथ सँ अनन्त काल धरि पूरा मूल्य पर कीनब।"
7 एफ्रोन आ ओकर सभ भाय ई बात सुनि अब्राहम एफ्रोन केँ चारि सय शेकेल चानी तौललनि। अब्राहम ई सौदा लिखि कऽ चारि गवाहक संग गवाही देलनि।
8 एहि गवाह सभक नाम अछि, हित्ती अबिश्नाक पुत्र अमीगल, हिवी अशुनाचक पुत्र अदीकोरोम, गोमेरी अकीरामक पुत्र अब्दोन, सिदोनी अबूदीशक पुत्र बकदील।
9 अब्राहम खरीदबाक किताब लऽ कऽ अपन खजाना मे राखि देलथिन, आ अब्राहम ओहि पुस्तक मे लिखल बात सभ अछि।
10 जे गुफा आ खेत जे अब्राहम हित्ती एफ्रोन, ओकर वंशज सँ, आ अपन नगर सँ बाहर निकलय बला लोक सँ आ ओकर संतान सँ अनन्त काल धरि कीनने छलाह, से अब्राहम आ हुनकर वंश आ हुनकर कमर सँ निकलय बला लोकक लेल अनन्त काल धरि दफन स्थल पर कब्जा करबाक लेल खरीदल जायत। ओ ओकरा पर हस्ताक्षर लगा कऽ गवाह सभक संग गवाही देलक।
11 ओहि मे जे खेत आ गुफा छल आ ओहि ठामक सभटा स्थान अब्राहम आ हुनका बादक हुनकर वंशज केँ हेतक सन् तान मे सँ निश्चय कयल गेल। देखू, ओ हेब्रोन मे ममरे सँ आगू अछि, जे कनान देश मे अछि।
12 एकर बाद अब्राहम अपन स् त्री सारा केँ ओतहि गाड़ि देलथिन आ ओ स् थान आ ओकर समस्त सीमा अब्राहम आ हुनकर वंशजक लेल दफन स् थानक सम् पत्ति बनि गेल।
13 अब्राहम सारा केँ धूमधाम सँ दफना देलनि जेना राजा सभक अंतिम संस्कार मे देखल जाइत छल, आ ओ बहुत नीक आ सुन्दर वस्त्र मे दफना देल गेलीह।
14 ओकर कवच पर शेम, ओकर पुत्र एबर आ अबीमेलेक, अनार, अश्कोल आ ममरेक संग छल, आ देशक सभ पैघ लोक ओकर मसबक पाछाँ-पाछाँ चलैत छल।
15 साराक दिन एक सय सत्ताईस वर्ष भेल आ ओ मरि गेलीह आ अब्राहम एकटा पैघ आ भारी शोक मनाओलनि आ सात दिन धरि शोकक संस्कार कयलनि।
16 ओहि देशक सभ निवासी साराक कारणेँ अब्राहम आ हुनकर पुत्र इसहाक केँ सान्त्वना देलक।
17 जखन हुनका सभक शोकक दिन बीति गेलनि तखन अब्राहम अपन पुत्र इसहाक केँ विदा भऽ गेलाह आ ओ प्रभुक बाट आ हुनकर निर्देश सभ सीखबाक लेल शेम आ एबरक घर गेलाह आ अब्राहम तीन वर्ष धरि ओतहि रहलाह।
18 ओहि समय मे अब्राहम अपन सभ नोकर सभक संग उठि गेलाह आ ओ सभ बेर्शेबा मे अपन घर दिस घुरि गेलाह आ अब्राहम आ हुनकर सभ नोकर बेरशेबा मे रहि गेलाह।
19 ओहि वर्ष क्रान्तिक समय मे पलिस्तीक राजा अबीमेलेकक मृत्यु भऽ गेलनि। मृत्युक समय ओ एक सय तेनबे वर्षक छलाह; अब्राहम अपन लोकक संग पलिस्तीक देश गेलाह, आ ओ सभ पूरा घरक लोक आ हुनकर सभ नोकर केँ सान्त्वना देलनि, तखन ओ घुमि कऽ घर चलि गेलाह।
20 अबीमेलेकक मृत्युक बाद गेरारक लोक सभ हुनकर पुत्र बेनमालीच केँ पकड़ि लेलक, जखन ओ मात्र बारह वर्षक छल आ ओकरा अपन पिताक स्थान पर सुता देलक।
21 ओ सभ ओकर पिताक नाम पर अबीमेलेक नाम देलक, किएक तँ गेरार मे हुनका लोकनिक प्रथा छलनि आ पिता अबीमेलेकक बदला मे अबीमेलेक राज केलनि आ ओ अपन सिंहासन पर बैसलाह।
22 ओहि दिन इसहाकक जीवनक उनतीसम वर्ष मे हारानक पुत्र लूत सेहो मरि गेलाह आ लूतक सभ दिन एक सय चालीस वर्षक रहलाह आ ओ मरि गेलाह।
23 ई सभ लूतक सन् तान सभ अछि जे हुनका बेटी सभक द्वारा जनमलनि, पहिल बच्चाक नाम मोआब आ दोसरक नाम बेनामी।
24 लूतक दुनू बेटा जा कऽ कनान देशसँ पत्नी लऽ लेलक आ ओकरा सभसँ संतान भेलैक आ मोआबक संतान एड, मेयोन, तरसस आ कानविल छल, चारिटा बेटा, ई सभ आइ धरि मोआबक संतानक पिता अछि।
25 लूतक सन् तानक सभ कुल सभ जतऽ-जतय प्रकाशक आशंका होथि, ओतय रहय लेल जाइत छल, कारण ओ सभ फल-फूल आ प्रचुर मात्रा मे बढ़ैत छल।
26 ओ सभ जा कऽ ओहि देश मे अपना लेल शहर बनौलनि, जाहि देश मे ओ सभ बनौलनि, ओकर नाम अपन नाम पर राखि देलक।
27 अब्राहमक भाय तेरहक पुत्र नाहोर इसहाकक जीवनक चालीसम वर्ष मे ओहि दिन मे मरि गेलाह आ नाहोरक सभ दिन एक सय बहत्तरि वर्ष भेलाह आ ओ मरि गेलाह आ हारान मे दफना देल गेलाह।

28 जखन अब्राहम अपन भाय मरि गेल अछि तखन ओ दुखी भऽ गेलाह आ बहुत दिन धरि अपन भाय पर शोक मना रहलाह।
29 अब्राहम अपन मुख्य सेवक एलीएजर कैँ बजौलनि जे ओ हुनका अपन घरक विषय मे आज्ञा देथिन।
30 अब्राहम हुनका कहलथिन, "हम बूढ़ भऽ गेल छी, हम अपन मृत्युक दिन नहि जनैत छी। कारण, हम दिन मे बढ़ि गेल छी। आब उठू, जाउ आ हमर बेटाक लेल एहि स्थान आ एहि देश सँ, कनानक बेटी सभ मे सँ पत्नी नहि बनाउ, जिनका मे हम सभ रहैत छी।"
31 मुदा हमर भूमि आ हमर जन्मभूमि पर जाउ आ ओतय सँ हमर पुत्रक लेल एकटा पत्नी लऽ लिअ, आ स् वर्ग आ पृथ् वीक परमेश् वर परमेश् वर जे हमरा हमर पिताक घर सँ लऽ कऽ एहि ठाम अनलनि आ हमरा कहलनि जे, "हम ई देश अहाँक वंशज कैँ सदाक लेल उत्तराधिकार मे दऽ देब, ओ अहाँक सोझाँ अपन स् वर्गदूत कैँ पठौताह आ अहाँक बाट मे समृद्धि प्रदान करताह।" बेटा हमर परिवारसँ आ हमर पिताक घरसँ।
32 ओ नोकर अपन मालिक अब्राहम कैँ उत्तर देलथिन, "देखू, हम अहाँक जन्मभूमि आ अहाँक पिताक घर जा रहल छी आ ओतय सँ अहाँक बेटाक लेल पत्नी ल' जा रहल छी। मुदा जँ ओ स् त्री हमरा पाछाँ-पाछाँ एहि देश मे नहि आबय चाहैत अछि तँ की हम अहाँक बेटा कैँ अहाँक जन्मस्थानक देश मे ल' जायब?
33 अब्राहम हुनका कहलथिन, "सावधान रहू जे अहाँ हमर बेटा कैँ एतय फेर सँ नहि आनब, किएक तँ प्रभु जिनका सामने हम चललहुँ अछि, ओ अहाँक आगू अपन स् वर्गदूत पठाओताह आ अहाँक बाट मे सफलता देताह।"
34 एलीएजर अब्राहमक आदेशक अनुसार काज केलनि आ एलीएजर एहि विषय मे अपन मालिक अब्राहम कैँ शपथ लेलनि। एलीएजर उठि कऽ अपन मालिकक ऊँट मे सँ दस टा ऊँट आ मालिकक नोकर मे सँ दस आदमी कैँ अपना संग लऽ लेलक आ ओ सभ उठि कऽ अब्राहम आ नाहोरक नगर हारान गेलाह, जाहि सँ अब्राहमक पुत्र इसहाक कैँ एकटा पत्नी आनय। जखन ओ सभ गेलाह तखन अब्राहम शेम आ एबरक घर मे पठौलनि आ ओ सभ अपन पुत्र इसहाक कैँ ओतय सँ अनलनि।
35 इसहाक अपन पिताक घर बेर-शेबा घर आबि गेलाह, जखन कि एलीएजर आ ओकर आदमी हारान आबि गेलाह। ओ सभ नगर मे पानि लग रुकि गेलाह आ ओ अपन ऊँट सभ कैँ पानि लग ठेहुन टेकौलनि आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह।
36 अब्राहमक सेवक एलीएजर प्रार्थना कऽ कऽ कहलथिन, "हे हमर मालिक अब्राहमक परमेश् वर। हमरा पठा दिअ आइ अहाँसँ नीक गति आ हमर मालिक पर दया करू जे अहाँ आइ हमर मालिकक बेटाक परिवारसँ पत्नी नियुक्त करू।
37 प्रभु अपन सेवक अब्राहमक लेल एलीएजरक आवाज सुनलनि आ संयोगवश हुनका अब्राहमक भाय नाहोरक पत्नी मिल्काक पुत्र बेतुएलक बेटी सँ भेंट भेलनि आ एलीएजर हुनकर घर आबि गेलाह।
38 एलीएजर हुनका सभ कैँ अपन सभटा चिन्ता सुनौलनि जे ओ अब्राहमक सेवक छथि, आ ओ सभ हुनका पर बहुत आनन्दित भेलाह।
39 ओ सभ प्रभु कैँ आशीर्वाद देलथिन जे एहि बात कैँ सम्हारलनि आ बतुआएलक बेटी रिबेका कैँ इसहाकक लेल पत्नीक रूप मे देलथिन।
40 युवती बहुत सुन्दर छल, ओ कुमारि छलीह आ ओहि समय मे रिबेका दस वर्षक छलीह।
41 ओहि राति बेथुएल आ लाबान आ ओकर सन्तान सभ भोज केलक आ ओहि राति एलीएजर आ ओकर आदमी सभ आबि कऽ ओतहि भोजन पीबि आनन्दित भेल।
42 एलीएजर भोरे उठि कऽ हुनका संग रहनिहार लोक सभ बतुआएलक समस्त घरक लोक कैँ बजा कऽ कहलथिन, "हमरा विदा कऽ दिअ जे हम अपन मालिक लग जाइ। ओ सभ उठि कऽ उजक बेटी रिबेका आ ओकर पोषक दबोरा कैँ विदा कयलक आ ओकरा चानी आ सोना, नौकर-चाकर आ दासी-दासी देलक आ ओकरा आशीर्वाद देलक।
43 ओ सभ एलीएजर कैँ अपन आदमी सभक संग विदा कऽ देलक। नोकर सभ रिबेका कैँ पकड़ि लेलक आ ओ अपन मालिक लग कनान देश मे घुरि गेल।
44 इसहाक रिबेका कैँ लऽ कऽ हुनकर पत्नी बनि गेलनि आ ओ ओकरा डेरा मे अनलनि।
45 इसहाक चालीस वर्षक छल जखन ओ अपन मामा बतुएलक बेटी रिबेका कैँ पत्नी बना लेलक।

अध्याय 25

1 ओहि समय मे अब्राहम अपन बुढ़ारी मे फेर सँ कनान देश सँ एकटा पत्नीक विवाह कयलनि, जकर नाम केतुरा छलनि।
2 ओ हुनका सिमरन, योक्शान, मेदान, मिदियन, इशबक आ शुआच कैँ छओ पुत्रक जन्म देलनि। जिमरनक संतान अबीहेन, मोलिक आ नरीम छल।
3 योक्शानक पुत्र शेबा आ देदान आ मेदानक पुत्र अमीदा, योआब, गोकी, एलीशा आ नोतक छल। मिद्यानक बेटा एफा, एफर, चनोक, अबीदा आ एल्दाह छल।
4 इशबकक पुत्र मकिरो, बेयोदुआ आ तातोर छल।
5 शुआकक पुत्र बिल्दाद, ममदाद, मुनान आ मेबान छल। ई सभ केतुरा कनानक स् त्रीक वंशज अछि जे ओ इब्राहीम अब्राहम कैँ जन्म देलक।
6 अब्राहम एहि सभ कैँ विदा कऽ देलथिन आ ओ सभ हुनका सभ कैँ वरदान दऽ देलथिन आ ओ सभ हुनकर पुत्र इसहाक सँ दूर भऽ गेलाह जे जतय हुनका सभ कैँ जगह भेटैत छलनि।
7 ई सभ पूब दिसक पहाड़ पर जा कऽ अपना लेल छह टा शहर बनौलनि जाहि मे ओ सभ आइ धरि रहैत छथि।
8 मुदा योक्शानक सन् तान शेबा आ देदानक सन् तान सभ अपन-अपन नगर मे अपन भाय सभक संग नहि रहलाह आ आइ धरि ओ सभ देश-प्रदेश आ जंगल मे डेरा खसा लेलक।
9 अब्राहमक पुत्र मिद्यानक सन् तान सभ कुश देशक पूरब दिस गेलाह आ ओतहि पूबक देश मे एकटा पैघ घाटी भेटलनि आ ओतहि रहि गेलाह आ एकटा नगर बनौलनि आ ओहि मे आइ धरि रहि गेलाह जे मिद्यानक देश अछि।
10 ओ अपन पाँचटा पुत्र आ ओकर सभटा मिद्यान जे नगर बनौलनि, ओहि मे रहि गेलाह।
11 मिद्यानक पुत्र सभक नाम अपन नगर मे एफा, एफर, चनोक, अबीदा आ एल्दाह अछि।
12 एफाहक पुत्र मेतक, मेशर, अवी आ ज़नुआ आ एफरक पुत्र छल एफ्रोन, ज़ूर, अलीरुन आ मदीन, आ चनोकक पुत्र रयूएल, रेकेम, अजी, अलियोशुब आ अलाद छल।

13 अबीदाक पुत्र चूर, मेलुद, केरुरी, मोल्की छल। एलदाहक पुत्र मीकर, रेबा, मल्चिया आ गाबोल छल। ई सभ मिद्यानी सभक नाम अछि जे ओकर सभक कुल-परिवारक अनुसार अछि। तकर बाद मिद्यानक परिवार सभ मिद्यानक देश मे पसरि गेल।
14 ई सभ इश्माएल पुत्र अब्राहमक पीढ़ी अछि, जकरा साराक दासी हाजर अब्राहमक लेल जन्म देलनि।
15 इस्माइल मिस्र देश सँ एकटा स् त्री विवाह कयलनि, जकर नाम रिबा छलनि, ओ मरीबा।
16 रिबा सँ इस्माइल नबायोत, केदार, अदबील, मिबसाम आ हुनका सभक बहिन बोसमथक जन्म भेलनि।
17 इस्माइल अपन पत्नी रिबा कैँ फेकि देलथिन आ ओ हुनका सँ चलि गेलीह आ मिस्र मे अपन पिताक घर मे आबि गेलीह आ ओतहि रहि गेलीह, कारण ओ इस्माइल आ हुनकर पिता अब्राहमक नजरि मे बहुत खराब भ’ गेल छलीह।
18 बाद मे इस्माइल कनान देश सँ एकटा स् त्री विवाह कयलनि, जकर नाम मल्चूत छलनि, आ हुनका सँ निश्मा, दुमा, मासा, चदाद, तेमा, येतुर, नफीश आ केदमा भेलनि।
19 ई सभ इस्माइलक पुत्र सभ अछि आ ई सभ ओकर सभक नाम अछि, जे ओ सभ अपन जाति सभक अनुसार बारहटा राजकुमार छलाह। बाद मे इस्माइलक परिवार सभ पसरि गेल, आ इस्माइल अपन संतान आ जे सम्पत्ति भेटल छल, ओकरा अपन घरक लोक आ ओकर सभटा वस्तुक संग लऽ कऽ ओ सभ ओतय रहय लेल गेल जतय ओकरा सभ कैँ जगह भेटबाक चाही।
20 ओ सभ जा कऽ पारनक मरुभूमिक लग मे रहि गेलाह आ हवीला सँ लऽ कऽ शूर धरि छल, जे मिस्रक समक्ष अछि, जखन कि अहाँ अश्शूर दिस अबैत छी।
21 इस्माइल आ ओकर पुत्र सभ ओहि देश मे रहैत छलाह आ हुनका सभक संतान भेलनि आ ओ सभ प्रचुर मात्रा मे बढ़ैत छलाह।
22 इश्माएलक पहिल जन्मल नबायोतक पुत्र सभक नाम ई सभ अछि। सुधार, भेज, मेयोन; केदारक पुत्र अल्योन, केसेम, चमाद आ एली छल।
23 अदबेलक पुत्र चमाद आ याबीन छल। मिबसामक पुत्र ओबदिया, एबेदमेलेक आ यूश छल। ई सभ इस्माइलक पत्नी रीबाक सन् तान सभ अछि।
24 इस्माइलक पुत्र मिश्माक पुत्र शमुआ, जकर्योन आ ओबेद छल। दुमाक पुत्र केसेद, एली, मकमाद आ अमेद छल।
25 मासाक पुत्र मेलोन, मुला आ एबिदादोन छल। चदादक पुत्र अजूर, मिन्सर आ एबेदमेलेक छल। तेमाक पुत्र सेइर, सदोन आ याकोल छल।
26 येतुरक पुत्र मेरिथ, यिश, अल्यो आ पचोत छल। नफीशक पुत्र एबेद-तामेद, अबियासाफ आ मीर छल। केदमा के पुत्र कालीप, तचती आ ओमीर छल। ई सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार इस्माइलक पत्नी मल्चूतक संतान छल।
27 ई सभ अपन-अपन पीढ़ीक अनुसार इस्माइलक वंशज अछि, आ ओ सभ आइ धरि ओहि देश मे रहैत रहलाह जाहि मे ओ सभ अपना लेल नगर बनौने छलाह।
28 अब्राहमक पुत्र इसहाकक पत्नी बेतुएलक बेटी रिबेका ओहि समय मे बंजर छलीह, हुनका कोनो संतान नहि छलनि। इसहाक अपन पिताक संग कनान देश मे रहैत छलाह। प्रभु इसहाकक संग छलाह। नूहक पुत्र शेमक पुत्र अर्पचशाद ओहि दिन इसहाकक जीवनक अड़तालीसम वर्ष मे मरि गेलाह आ अर्पचशादक सभ दिन चारि सय अड़तीस वर्षक रहलाह आ ओ मरि गेलाह।

अध्याय 26

1 अब्राहमक पुत्र इसहाकक जीवनक उनपन्नम वर्ष मे हुनकर पत्नी रिबेका ओहि समय मे बंजर छलीह।
2 रिबेका इसहाक कैँ कहलथिन, “हे हमर मालिक, हम सत्ते सुनने छी जे अहाँक माय सारा अपन जीवन मे बंजर छलीह जाबत हमर प्रभु अब्राहम, अहाँक पिता, हुनका लेल प्रार्थना नहि केलनि आ ओ हुनका द्वारा गर्भवती नहि भ’ गेलीह।”
3 आब उठि कऽ परमेश् वर सँ सेहो प्रार्थना करू आ ओ अहाँक प्रार्थना सुनत आ अपन दयाक द्वारा हमरा सभ कैँ मोन पाड़त।
4 इसहाक अपन पत्नी रिबेका कैँ उत्तर देलथिन, “अब्राहम पहिने सँ परमेश् वर सँ प्रार्थना कएने छथि जे हम अपन वंशज कैँ बढ़ाबी।
5 रिबेका हुनका कहलथिन, “अखन अहाँ सेहो उठि कऽ प्रार्थना करू जे प्रभु अहाँक प्रार्थना सुनि हमरा संतान प्रदान करथि, आ इसहाक अपन पत्नीक बात सुनलनि, आ इसहाक आ हुनकर पत्नी उठि कऽ मोरिया देश दिस बढ़लाह आ ओतय प्रार्थना करबाक लेल आ प्रभुक खोज करबाक लेल गेलाह, आ जखन ओ सभ ओहि स्थान पर पहुँचि गेलाह तखन इसहाक ठाढ़ भ’ क’ अपन पत्नीक कारणेँ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि जे ओ बंजर छलीह।
6 इसहाक कहलथिन, “हे स् वर्ग आ पृथ् वीक परमेश् वर, जिनकर भलाई आ दया पृथ्वी पर भरि गेल अछि, अहाँ जे हमर पिता कैँ हुनकर पिताक घर सँ आ हुनकर जन्मस्थान सँ ल’ कऽ हुनका एहि देश मे अनलहुँ आ हुनका कहलियनि जे, ‘हम अहाँक वंशज कैँ ओ देश देबनि, आ अहाँ हुनका प्रतिज्ञा केलहुँ आ हुनका कहलियनि, हम अहाँक गुणा-भाग मे कहब।” आकाशक तारा आ समुद्रक बालु जकाँ बीया, आब अहाँक बात सत्य भ’ जाय जे अहाँ हमर पिता सँ कहलहुँ।”
7 अहाँ हमरा सभक परमेश् वर प्रभु छी, हमरा सभक नजरि अहाँ दिस अछि जे अहाँ हमरा सभ कैँ मनुष् यक वंश देब, जेना अहाँ हमरा सभक प्रतिज्ञा केने रही, किएक तँ अहाँ हमर सभक परमेश् वर प्रभु छी आ हमर सभक नजरि मात्र अहाँ दिस अछि।
8 परमेश् वर अब्राहमक पुत्र इसहाकक प्रार्थना सुनलनि आ प्रभु हुनका सँ विनती कयलनि आ हुनकर स् त्री रिबेका गर्भवती भऽ गेलीह।
9 लगभग सात मासक बाद बच्चा सभ हुनका भीतर एक संग संघर्ष कयलनि, आ हुनका सभ कैँ बहुत कष्ट भेलनि जे ओ हुनका सभक कारणेँ थाकि गेल छलीह, आ ओ तखन ओहि देश मे रहनिहार सभ स्त्रीगण सभ कैँ कहलथिन, “की अहाँ सभक संग एहन घटना भेल जेना हमरा संग भेल अछि?” ओ सभ ओकरा कहलथिन, “नहि।”
10 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “पृथ्वी पर जे सभ स् त्रीगण छल, ताहि मे हम असगर किएक छी? एहि कारणेँ ओ प्रभुक खोज करबाक लेल मोरिया देश गेलीह। ओ हुनकर पुत्र शेम आ एबर लग गेलीह जे एहि विषय मे हुनका सभ सँ पूछताछ करथि आ हुनका सभ कैँ एहि विषय मे प्रभु सँ ताकब।
11 ओ अब्राहम कैँ सेहो कहलथिन जे हुनका पर जे किछु भेल छलनि, ताहि मे प्रभु सँ ताकब आ पूछताछ करथि।

12 ओ सभ प्रभु सँ एहि विषय मे पुछलथिन आ प्रभु सँ हुनकर वचन लऽ कऽ हुनका कहलथिन, “तोहर कोख मे दू टा संतान अछि आ ओकरा सभ मे सँ दू टा जाति उठत। एक जाति दोसर जाति सँ बलवान होयत आ जे पैघ छोटकाक सेवा करत।
13 जखन हुनकर प्रसवक दिन पूरा भऽ गेलनि तँ ओ ठेहुन टेकलीह आ देखथि जे हुनकर पेट मे जुड़वा बच्चा सभ छल, जेना प्रभु ओकरा कहने छलाह।
14 पहिल लोक रोम-रोमक वस्त्र जकाँ चारू कात लाल भ' गेल आ देशक सभ लोक ओकर नाम एसाव रखलक आ कहलक जे, “ई गर्भहि सँ पूर्ण भ' गेल अछि।”
15 तकर बाद हुनकर भाय आबि गेलाह आ हुनकर हाथ एसावक एड़ी पकड़ि लेलकनि, तेँ ओ सभ हुनकर नाम याकूब रखलनि।
16 अब्राहमक पुत्र इसहाक साठि वर्षक छलाह जखन हुनका सभक जन्म भेलनि।
17 लड़का सभ पन्द्रहम वर्ष धरि पैघ भेल आ ओ सभ मनुक्खक समाजक बीच आबि गेल। एसाव एकटा डिजाइनर आ धोखा देबयवला आदमी छल, आ खेत मे माहिर शिकारी छल, आ याकूब एकटा सिद्ध आ बुद्धिमान आदमी छल, जे डेरा मे रहैत छल, झुंड के चरबैत छल आ प्रभु के निर्देश आ अपन पिता आ माय के आज्ञा सीखैत छल।
18 परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार इसहाक आ ओकर घरक लोक सभ अपन पिता अब्राहमक संग कनान देश मे रहलाह।
19 अब्राहमक पुत्र इस्माइल अपन सन्तान आ ओकर सभटा सामानक संग गेलाह आ ओ सभ ओतऽ हवीला देश मे घुरि गेलाह आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह।
20 अब्राहमक उपपत्नी सभक सभ सन् तान पूरबक देश मे रहय गेलाह, किएक तँ अब्राहम हुनका सभ केँ अपन पुत्र सँ विदा कऽ देने छलाह आ हुनका सभ केँ उपहार दऽ देने छलाह आ ओ सभ चलि गेलाह।
21 अब्राहम अपन पुत्र इसहाक केँ अपन सभटा धन-दौलत दऽ देलथिन।
22 ओ हुनका आज्ञा देलथिन, “की अहाँ नहि जनैत छी आ नहि बुझैत छी जे प्रभु स् वर्ग आ पृथ् वी मे परमेश् वर छथि, आ हुनका छोड़ि कऽ दोसर कियो नहि अछि?”
23 ओ हमरा हमर पिताक घर सँ आ हमर जन्मस्थान सँ लऽ गेलाह आ पृथ् वी परक सभटा आनन्द हमरा देलनि। ओ हमरा दुष् ट लोकक सलाह सँ मुक्त कयलनि, कारण हम हुनका पर भरोसा केने रही।
24 ओ हमरा एहि ठाम अनलनि आ हमरा उर कासदीम सँ बचा लेलनि। ओ हमरा कहलथिन, “हम ई सभ देश अहाँक वंशज केँ देब, आ जखन ओ सभ हमर आज्ञा, हमर नियम आ हमर नियमक पालन करत जे हम अहाँ केँ आज्ञा देलहुँ आ जे हम हुनका सभ केँ आज्ञा देब, तखन ओ सभ एकर उत्तराधिकारी बनताह।”
25 आब हमर बौआ, हमर बात सुनू आ अहाँक परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञाक पालन करू, जे हम अहाँ केँ आज्ञा देने रही, सही बाट सँ ने दहिना वा बामा दिस मुड़ू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक बादक बच्चा सभक लेल सदाक लेल नीक भऽ जाय।
26 प्रभुक अद्भुत काज आ हुनकर दया जे ओ हमरा सभ पर देखौलनि अछि, से मोन राखू, जे ओ हमरा सभ केँ हमरा सभक शत्रु सभक हाथ सँ उद्धार कयलनि, आ हमरा सभक परमेश् वर प्रभु हुनका सभ केँ हमरा सभक हाथ मे खसा देलनि। आब हम जे किछु आज्ञा देने छी, तकरा पालन करू, आ अपन परमेश् वरक आज्ञा सँ मुँह नहि हटाउ, आ हुनका छोड़ि ककरो सेवा नहि करू, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक बादक वंशज केँ नीक भऽ जाय।”
27 अहाँ अपन संतान आ अपन वंशज केँ प्रभुक निर्देश आ हुनकर आज्ञा सिखाउ आ हुनका सभ केँ ओ सोझ बाट सिखाउ जाहि सँ हुनका सभक लेल सदाक लेल नीक रहय।
28 इसहाक अपन पिता केँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “हमर प्रभु जे आज्ञा देने छथि से हम करब, आ हम अपन परमेश् वर परमेश् वरक आज्ञा सँ नहि हटि जायब। अब्राहम अपन पुत्र इसहाक आ अपन सन्तान सभ केँ सेहो आशीर्वाद देलथिन। आ अब्राहम याकूब केँ परमेश् वरक शिक्षा आ हुनकर बाट सिखौलनि।
29 ओहि समय मे अब्राहम इसहाकक पुत्र याकूब आ एसावक जीवनक पन्द्रहम वर्ष मे मरि गेलाह आ अब्राहमक समस्त दिन एक सय पचहत्तर वर्ष छल, आ ओ मरि गेलाह आ बुढ़ापा मे, बूढ़ आ दिन सँ तृप्त भ' क' अपन लोकक संग जमा भ' गेलाह, आ हुनकर पुत्र इसहाक आ इस्माइल हुनका दफना देलनि।
30 कनानक निवासी सभ जखन अब्राहम केँ मरि गेल अछि, तखन ओ सभ अपन राजा आ राजकुमार सभ आ अपन सभ लोकक संग अब्राहम केँ दफन करबाक लेल आबि गेलाह।
31 हारान देशक सभ निवासी, अब्राहमक घरानाक सभ कुल, आ अब्राहमक सम्पति आ उपपत्नी सभक द्वारा अब्राहमक पुत्र सभ अब्राहमक मृत्युक बात सुनि कए आबि गेलाह आ अब्राहमक दयाक बदला देलनि आ हुनकर पुत्र इसहाक केँ सान्त्वना देलनि आ ओ सभ अब्राहम केँ ओहि गुफा मे गाड़ि देलनि जे ओ हित्ती एफ्रोन आ ओकर सन्तान सभ सँ कीनने छलाह एकटा दफन स्थल।
32 कनानक सभ निवासी आ अब्राहम केँ चिन्हनिहार सभ साल भरि अब्राहमक लेल कानैत रहलाह आ स्त्री-पुरुष हुनका लेल शोक मना रहल छलाह।
33 सभ छोट-छोट बच्चा आ ओहि देशक सभ निवासी अब्राहमक कारणेँ कानैत रहलाह, किएक तँ अब्राहम हुनका सभक संग नीक काज कयलनि आ परमेश् वर आ मनुष् यक संग सोझ रहलाह।
34 अब्राहम जकाँ परमेश् वर सँ डरय बला केओ नहि उठल, किएक तँ ओ अपन परमेश् वर सँ जवानी सँ डरैत छल आ प्रभुक सेवा कऽ रहल छल आ जीवन मे अपन बचपन सँ ल' कऽ मृत्युक दिन धरि अपन सभ बाट मे चलैत छल।
35 परमेश् वर हुनका संग रहलाह आ हुनका निमरोद आ हुनकर लोकक सलाह सँ बचा लेलनि आ जखन ओ एलामक चारू राजा सँ युद्ध कयलनि तखन ओ हुनका सभ केँ जीत लेलनि।
36 ओ पृथ् वीक सभ सन् तान केँ परमेश् वरक सेवा मे अनलनि आ हुनका सभ केँ प्रभुक बाट सिखबैत छलाह आ हुनका सभ केँ प्रभुक परिचय करौलनि।
37 ओ एकटा बगीचा बनौलनि आ ओहि मे अंगूरक बगीचा लगौलनि, आ ओहि देश सँ गुजरय बला लोक सभ केँ ओ सभ दिन अपन डेरा मे भोजन आ पेय तैयार करैत छलाह, जाहि सँ ओ सभ अपन घर मे तृप्त भ' सकय।
38 परमेश् वर परमेश् वर अब्राहमक कारणेँ समस्त पृथ् वी केँ उद्धार कयलनि।
39 अब्राहमक मृत्युक बाद परमेश् वर हुनकर पुत्र इसहाक आ हुनकर संतान सभ केँ आशीर्वाद देलनि आ प्रभु इसहाकक संग ओहिना रहलाह जेना हुनकर पिता अब्राहमक संग छलाह, किएक

तँ इसहाक प्रभुक सभ आज्ञाक पालन कयलनि जेना हुनकर पिता अब्राहम हुनका आज्ञा देने छलाह। पिता जे आज्ञा देने छलाह, ओहि दहिना बाट सँ दहिना वा बामा दिस नहि घुमल।

अध्याय 27

1 ओहि समय मे एसाव अब्राहमक मृत्युक बाद बेर-बेर खेत मे शिकार करबाक लेल जाइत छलाह।
2 बाबेलक राजा निमरोद अम्राफेल सेहो अपन पराक्रमी सभक संग बेर-बेर खेत मे शिकार करबाक लेल आ दिनक ठंढा मे अपन आदमी सभक संग घुमबाक लेल जाइत छलाह।
3 निमरोद भरि दिन एसावक पालन करैत रहलाह, किएक तँ निमरोदक हृदय मे एसावक प्रति ईर्ष्या होइत छलनि।
4 एक दिन एसाव खेत मे शिकार करबाक लेल गेलाह, तखन ओ निमरोद कैँ अपन दुनू आदमीक संग जंगल मे घुमैत देखलनि।
5 हुनकर सभ पराक्रमी आ हुनकर लोक हुनका संग जंगल मे छल, मुदा ओ सभ हुनका सँ दूर भ' गेल छल आ ओ सभ हुनका सँ अलग-अलग दिशा मे शिकार करबाक लेल चलि गेल छल, आ एसाव निमरोदक लेल नुका गेल छल आ ओ जंगल मे हुनका लेल लुका गेल छल।
6 निमरोद आ ओकर संगी सभ ओकरा नहि चिन्हैत छल, आ निमरोद आ ओकर आदमी सभ दिनक ठंढा मे बेर-बेर खेत मे घुमैत छल आ ई जानय लेल जे ओकर आदमी खेत मे कतय शिकार क' रहल छल।
7 निमरोद आ ओकर संग मे सँ दू गोटे ओहि ठाम पहुँचि गेलाह, जखन एसाव अचानक अपन गुप्त स्थान सँ निकलि गेलाह आ अपन तलवार निकालि कऽ जल्दी-जल्दी निमरोद लग दौड़ल गेलाह आ हुनकर माथ काटि लेलनि।
8 एसाव निमरोदक संग रहनिहार दुनू आदमीक संग घोर लड़लनि आ जखन ओ सभ हुनका आवाज देलनि तँ एसाव हुनका सभ दिस घुमि कऽ हुनका सभ कैँ अपन तलवार सँ मारि देलनि।
9 निमरोदक सभ पराक्रमी जे हुनका छोड़ि कऽ जंगल मे गेल छलाह, ओ सभ दूर सँ ई चीत्कार सुनलनि आ ओहि दुनू आदमीक आवाज बुझि गेलाह आ ओ सभ दौड़ल गेलाह जे एकर कारण बुझि गेलाह।
10 एसाव निमरोदक पराक्रमी सभ कैँ दूर सँ आबि रहल देखि ओ भागि गेल आ ओहि सँ बचि गेल। एसाव निमरोदक ओ बहुमूल्य वस्त्र लऽ लेलक, जे निमरोदक पिता निमरोद कैँ वसीयत केने छलाह आ जाहि सँ निमरोद पूरा देश पर विजय प्राप्त कयलनि, आ ओ दौड़ि कऽ अपन घर मे नुका लेलनि।
11 एसाव निमरोदक आदमी सभक कारणेँ ओहि वस्त्र सभ कैँ लऽ कऽ नगर मे दौड़ल गेलाह आ लड़ाई सँ थाकि कऽ थकित भऽ अपन पिताक घर पहुँचलाह आ जखन ओ अपन भाय याकूब लग पहुँचि हुनका सोझाँ बैसलाह तखन ओ शोक मे मरबा लेल तैयार भऽ गेलाह।
12 ओ अपन भाय याकूब कैँ कहलथिन, "देखू, हम आइ मरि जायब, आ तखन हमरा ज्येष्ठताक अधिकार किएक चाही?" एहि विषय मे याकूब एसावक संग बुद्धिमानी सँ काज कयलनि आ एसाव अपन ज्येष्ठता याकूब कैँ बेचि देलनि, कारण ई काज प्रभु द्वारा कयल गेल छलनि।
13 मकपेलाक खेतक गुफा मे एसावक भाग जे अब्राहम हेतक सन् तान सभ सँ दफन स्थलक लेल कीनने छलाह, एसाव सेहो याकूब कैँ बेचि देलनि आ याकूब ई सभटा अपन भाय एसाव सँ देल गेल मूल्यक हिसाब सँ कीनि लेलनि।
14 याकूब एहि बातक पूरा बात एकटा किताब मे लिखि कऽ गवाह सभक संग गवाही देलनि आ ओकरा पर मोहर लगा देलथिन आ ओ किताब याकूबक हाथ मे रहि गेलनि।
15 जखन कुशक पुत्र निमरोदक मृत्यु भेलैक तँ ओकर लोक सभ ओकरा उठा कऽ चकित भऽ कऽ ओकरा अपन नगरमे गाड़ि देलक आ निमरोदक जतेक दिन जीबैत छल ओ दू सय पन्द्रह वर्ष भेल आ ओ मरि गेल।
16 ओहि देशक लोक सभ पर निमरोदक राज्य एक सय पचासी वर्ष छल। निमरोद लाज आ तिरस्कार मे एसावक तलवार सँ मरि गेल, आ अब्राहमक वंशज हुनकर मृत्युक कारण बनल जेना ओ सपना मे देखने छल।
17 निमरोदक मृत्युक बाद हुनकर राज्य बहुत रास विभाजन मे बँटि गेलनि आ जे सभ भाग निमरोदक राज छलनि से ओहि देशक अपन-अपन राजा सभ कैँ वापस कऽ देल गेलनि, जे निमरोदक मृत्युक बाद ओकरा सभ कैँ बरामद कऽ लेलनि आ निमरोदक घरक सभ लोक बहुत दिन धरि ओहि देशक आन सभ राजा सभक गुलाम रहलाह।

अध्याय 28

1 ओहि समय मे अब्राहमक मृत्युक बाद ओहि वर्ष परमेश् वर ओहि देश मे भारी अकाल आनि देलनि, आ कनान देश मे अकाल पड़ि रहल छल, तखन इसहाक अकालक कारणेँ मिस्र दिस उतरबाक लेल उठि गेलाह, जेना हुनकर पिता अब्राहम केने छलाह।
2 ओहि राति परमेश् वर इसहाक कैँ प्रकट भेलाह आ ओ हुनका कहलथिन, "मिस्र मे नहि जाउ, बल् कि उठि कऽ पलिश् ती सभक राजा अबीमेलेक लग गेरार मे जाउ आ जा धरि अकाल नहि खतम भऽ जायत ता धरि ओतहि रहू।"
3 इसहाक उठि कऽ परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार गेरार चलि गेलाह आ पूरा साल ओतहि रहलाह।
4 इसहाक जखन गेरार पहुँचलाह तखन देशक लोक सभ देखलक जे हुनकर पत्नी रेबेका सुन्दर रूप-रंगक छथि, तखन गेरारक लोक इसहाक सँ हुनकर पत्नीक विषय मे पुछलथिन, "ओ हमर बहिन छथि, किएक तँ ओ ई कहबा मे डरैत छलाह जे ओ अपन पत्नी छथि, कहीं देशक लोक हुनका हुनकर कारणेँ नहि मारि देतनि।"
5 अबीमेलेकक मुखिया सभ जा कऽ राजाक समक्ष ओहि स् त्रीक प्रशंसा कयलनि, मुदा ओ हुनका सभ कैँ कोनो उत्तर नहि देलथिन आ ने हुनका सभक बात पर ध्यान नहि देलनि।
6 मुदा ओ हुनका सभ कैँ ई कहैत सुनलनि जे इसहाक हुनका अपन बहिन बुझलनि, तेँ राजा ई बात अपना मे सुरक्षित राखि लेलनि।
7 इसहाक तीन मास धरि एहि देश मे रहला पर अबीमेलेक खिड़की दिस तकलक आ देखलक जे इसहाक अपन पत्नी रिबेकाक संग खेलाइत छल, किएक तँ इसहाक राजाक बाहरी घर मे रहैत छल, जाहि सँ इसहाकक घर राजाक घरक सोझाँ छल।
8 राजा इसहाक कैँ पुछलथिन, "अहाँ हमरा सभक संग ई की कऽ देलहुँ जे अहाँ अपन स् त्री कैँ कहलियनि, "ओ हमर बहिन छथि?"

कतेक सहजता सँ जनताक कोनो महान पुरुष ओकरा संग सुतल भ' सकैत छल, आ तखन अहाँ हमरा सभ पर अपराधबोध अनितहुँ।
9 इसहाक अबीमेलेक कैँ कहलथिन, "हम अपन पत्नीक कारणेँ मरबा सँ डरैत छलहुँ, तेँ हम कहलियनि जे, "ओ हमर बहिन छथि।"
10 ओहि समय मे अबीमेलेक अपन सभ राजकुमार आ महापुरुष कैँ आज्ञा देलथिन आ ओ सभ इसहाक आ हुनकर स् त्री रिबेका कैँ लऽ कऽ राजाक समक्ष अनलनि।
11 राजा आज्ञा देलथिन जे ओ सभ राजकीय वस्त्र पहिरा कऽ नगरक गली-गली मे सवारी करथि आ पूरा देश मे हुनका सभक समक्ष प्रचार करथिन जे, "ई पुरुष छथि आ ई हुनकर पत्नी छथि। जे कियो एहि आदमी वा ओकर पत्नी कैँ छूओत से अवश्य मरि जायत। इसहाक अपन पत्नीक संग राजाक घर घुरि गेलाह, आ प्रभु इसहाकक संग छलाह आ हुनका पैघ होइत रहलाह आ हुनका किछुक अभाव नहि छलनि।
12 परमेश् वर इसहाक कैँ अबीमेलेक आ ओकर सभ प्रजाक नजरि मे अनुग्रह पाबि लेलनि आ अबीमेलेक इसहाकक संग नीक काज कयलनि, किएक तँ अबीमेलेक अपन पिता आ अब्राहमक बीच जे शपथ आ वाचा छलनि से मोन पाड़लनि।
13 अबीमेलेक इसहाक कैँ कहलथिन, "देखू, समस्त पृथ्वी अहाँक सोझाँ अछि। जाबत अहाँ अपन देश मे वापस नहि आबि जायब ताबत धरि जतय अहाँक नजरि मे नीक लागय, ओतय रहू। अबीमेलेक इसहाक कैँ खेत आ अंगूरक बगीचा आ गेरार देशक सभसँ नीक भाग दऽ देलथिन जे जा धरि अकालक दिन बीति नहि जाइत छल।
14 इसहाक ओहि देश मे बोवाई कयलनि आ ओही वर्ष मे सय गुना बोनि देलनि आ प्रभु हुनका आशीर्वाद देलनि।
15 ओ आदमी पैघ भऽ गेल, आ ओकरा लग भैँड़ा आ भैँड़ा आ नोकरक पैघ भंडार छलैक।
16 जखन अकालक दिन बीति गेल तखन प्रभु इसहाक कैँ प्रगट भऽ कहलथिन, "उठू, एहि ठाम सँ निकलू आ अपन देश कनान देश मे घुरि जाउ। इसहाक उठि कऽ हेब्रोन घुरि गेलाह जे कनान देश मे अछि।
17 एकर बाद अर्पचशाद मे पुत्र शेलाक ओहि वर्ष मे मरि गेलाह, जे याकूब आ एसावक जीवनक अठारहम वर्ष छल। शेलाकक सभ दिन चारि सय तेतीस वर्षक रहल आ ओ मरि गेलाह।
18 ओहि समय मे इसहाक अपन छोटका पुत्र याकूब कैँ शेम आ एबरक घर पठौलनि, आ ओ प्रभुक निर्देश सभ सीखलनि, आ याकूब बत्तीस वर्ष धरि शेम आ एबरक घर मे रहलाह, आ हुनकर भाय एसाव नहि गेलाह, कारण ओ जेबाक लेल तैयार नहि छलाह आ ओ कनान देश मे अपन पिताक घर मे रहलाह।
19 एसाव लगातार खेत मे शिकार करैत रहलाह जे जे किछु भेटि सकैत छल, से घर अनबाक लेल, एसाव सेहो भरि दिन करैत रहलाह।
20 एसाव एकटा षड्यंत्रकारी आ धोखेबाज लोक छलाह, जे मनुष् यक हृदयक शिकार करैत छलाह आ ओकरा पर चोट करैत छलाह, आ एसाव खेत मे एकटा वीर आदमी छलाह आ समयक संग सदिखन शिकार करबाक लेल जाइत छलाह। ओ सेइरक खेत धरि पहुँचलाह, जे एदोम अछि।
21 ओ एक साल चारि मास धरि सेइर देश मे खेत मे शिकार करैत रहलाह।
22 एसाव सेइर देश मे कनानक पुत्र हेतक वंशक एफरक पुत्र बेरीक बेटी यहूदीतक नाम देखलनि।
23 एसाव ओकरा स् त्री बना लेलक आ ओ ओकरा लग आबि गेल। एसाव चालीस वर्षक छल जखन ओ ओकरा लऽ गेल छल आ ओकरा अपन पिताक निवास स्थान हेब्रोन लऽ कऽ ओतहि रहि गेल।
24 ओहि समय मे इसहाकक जीवनक सय दसम वर्ष, याकूबक जीवनक पचासम वर्ष मे, ओहि वर्ष मे नूहक पुत्र शेमक मृत्यु भ' गेलनि। शेम अपन मृत्युक समय छह सय वर्षक छलाह |
25 शेम मरला पर याकूब अपन पिताक लग कनान देशक हेब्रोन घुरि गेलाह।
26 याकूबक जीवनक छप्पनम वर्ष मे हारान सँ लोक सभ आबि गेल आ रिबेका कैँ अपन भाय बतुएलक पुत्र लाबानक विषय मे कहल गेलनि।
27 लाबानक स् त्री ओहि समय मे बंजर छलीह, आ हुनका सँ कोनो संतान नहि भेलनि।
28 तकर बाद परमेश् वर लाबानक पत्नी अदीना कैँ मोन पाड़लनि आ ओ गर्भवती भऽ कऽ जुड़वा बेटी सभ कैँ जन्म देलनि आ लाबान अपन बेटी सभक नाम, जेठ लीआ आ छोटकी राहेलक नाम रखलनि।
29 ओ सभ लोक सभ आबि कऽ रिबेका कैँ ई सभ बात कहलक आ रिबेका बहुत प्रसन्न भेल जे प्रभु हुनकर भाय सँ भेंट कयलनि आ हुनका संतान भेलनि।

अध्याय 29

1 अब्राहमक पुत्र इसहाक बूढ़ भऽ गेलाह आ उम्र बढ़ला पर हुनकर आँखि भारी भऽ गेलनि। ओ सभ मंद छल आ देखि नहि सकैत छल।
2 ओहि समय इसहाक अपन पुत्र एसाव कैँ बजा कऽ कहलथिन, "हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे अहाँक हथियार, अहाँक कटहर आ धनुष, उठू आ खेत मे जाउ आ हमरा लेल हिरनक मांस आनि दिअ, आ हमरा लेल सुगंधित मांस बना कऽ हमरा लग आनि दिअ, जाहि सँ हम खा सकब जाहि सँ हम अहाँ कैँ अपन मृत्यु सँ पहिने आशीर्वाद द' सकब, जेना हम एखन बूढ़ आ धूसर माथ भ' गेल छी।"
3 एसाव एना कयलनि। आ ओ अपन हथियार लऽ कऽ खेत मे निकलि गेलाह जे रोजाना जकाँ हिरनक मांसक शिकार करथि, जे ओ अपन पिताक आदेशक अनुसार आनि सकथि, जाहि सँ ओ हुनका आशीर्वाद द' सकथि।
4 रेबेका इसहाक द्वारा एसाव सँ कहल सभ बात सुनि कऽ जल्दी-जल्दी अपन पुत्र याकूब कैँ बजा कऽ बजलीह, "तोहर पिता अहाँक भाय एसाव सँ एहि तरहेँ बजलाह आ हम एहि तरहेँ सुनलहुँ, तेँ आब अहाँ जल्दी करू आ जे हम अहाँ कैँ कहब से करू।"
5 उठि कऽ भैँड़ा लग जाउ आ हमरा लेल दूटा नीक बकरी बकरी आनि दिअ, आ हम अहाँक पिताक लेल स्वादिष्ट मांस ल' क' आनि देब, आ अहाँ ओहि स्वादिष्ट मांस कैँ आनि देब जे ओ खा सकब, ताहि सँ पहिने जे अहाँक भाय पीछा कर' सँ अयला सँ पहिने, जाहि सँ अहाँक पिता अहाँ कैँ आशीर्वाद देथि।

6 याकूब जल्दी-जल्दी अपन मायक आज्ञाक अनुसार काज कयलक आ एसावक पीछा छोड़बा सँ पहिने ओ सुगंधित मांस बना अपन पिताक सोझाँ अनलनि।
7 इसहाक याकूब कैँ पुछलथिन, "हे हमर बेटा, अहाँ के छी?" ओ कहलथिन, "हम अहाँक पहिल जन्मल एसाव छी, हम जेना अहाँ हमरा आदेश देलहुँ से केलहुँ, तेँ आब उठू आ हमर शिकार खाउ, जाहि सँ अहाँक प्राण हमरा ओहिना आशीर्वाद द' सकय जेना अहाँ हमरा सँ बात केलहुँ।"
8 इसहाक उठि कऽ खा गेलाह आ पीलाह आ मोन कैँ सान्त्वना भेटलनि आ याकूब कैँ आशीष देलनि आ याकूब अपन पिता सँ दूर भऽ गेलाह। इसहाक जहिना याकूब कैँ आशीर्वाद देलक आ ओकरा सँ दूर चलि गेल, तखन एसाव खेत सँ अपन शिकार सँ आबि गेल, आ ओ स्वादिष्ट मांस सेहो बना अपन पिता कैँ ओहि मे सँ खाय लेल आ आशीर्वाद देबाक लेल आनि देलक।
9 इसहाक एसाव कैँ कहलथिन, "ओ के छल जे अहाँक एबा सँ पहिने हिरनक मांस लऽ कऽ हमरा अनने छल आ जकरा हम आशीर्वाद देलहुँ?" एसाव बुझि गेल जे ओकर भाय याकूब ई काज केने छथि आ एसावक क्रोध हुनकर भाय याकूब पर भड़कि उठलनि जे ओ हुनका प्रति एहन काज कयलनि।
10 एसाव कहलथिन, "की हुनका याकूब कहल जायब उचित नहि?" कारण ओ हमरा दू बेर बदलि लेलक, हमर जन्मसिद्ध अधिकार छीनि लेलक आ आब हमर आशीर्वाद छीन लेलक। एसाव बहुत कानय लागल। इसहाक जखन अपन पुत्र एसावक कानैत आवाज सुनलनि तखन इसहाक एसाव कैँ कहलथिन, "हम की क' सकैत छी, हमर बौआ, अहाँक भाय सूक्ष्मतापूर्वक आबि अहाँक आशीर्वाद छीनि लेलक। एसाव अपन भाय याकूब सँ घृणा करैत छलाह, कारण हुनकर पिता हुनका देल गेल आशीषक कारणेँ हुनका पर बहुत क्रोध भड़कि गेलनि।
11 याकूब अपन भाय एसाव सँ बहुत डरा गेलाह आ ओ उठि कऽ शेमक पुत्र एबरक घर दिस भागि गेलाह आ अपन भायक कारणेँ ओतहि नुका गेलाह आ याकूब तेसठि वर्षक छलाह जखन ओ कनान देश सँ हेब्रोन सँ निकलल छलाह आ याकूब अपन भाय एसावक कारणेँ चौदह वर्ष धरि एबरक घर मे नुका गेल छलाह आ ओतहि ओ एहि बातक शिक्षा दैत रहलाह प्रभुक बाट आ हुनकर आज्ञा।
12 एसाव जखन देखलक जे याकूब भागि गेल अछि आ ओकरा सँ भागि गेल अछि आ याकूब धूर्ततापूर्वक आशीर्वाद पाबि गेल अछि, तखन एसाव बहुत दुखी भ' गेल आ अपन पिता-माए पर सेहो परेशान भ' गेल। ओ उठि कऽ अपन स् त्री कैँ लऽ कऽ अपन बाप-माता सँ दूर सेइर देश मे चलि गेलाह आ ओतहि रहि गेलाह। एसाव ओतऽ हेतक बेटी सभक बीच सँ एकटा स् त्री कैँ देखलनि, जकर नाम बोसमथ छल, जे एलोन हित्तीक बेटी छल, आ ओ ओकरा अपन पहिल पत्नीक अतिरिक्त पत्नीक रूप मे लऽ लेलक, आ एसाव ओकर नाम अदाह राखि देलक, ई कहैत जे ओहि समय मे हुनका सँ आशीर्वाद बीति गेल अछि।
13 एसाव छह मास धरि अपन बाप-माता कैँ नहि देखि सेइर देश मे रहलाह, आ तकर बाद एसाव अपन पत्नी सभ कैँ लऽ कऽ कनान देश मे घुरि गेलाह आ एसाव अपन दुनू पत्नी कैँ हेब्रोन मे अपन पिताक घर मे राखि देलनि।
14 एसावक पत्नी सभ इसहाक आ रिबेका कैँ अपन काज सँ परेशान आ क्रोधित कयलनि, कारण ओ सभ प्रभुक बाट पर नहि चलैत छलाह, बल् कि अपन पिताक लकड़ी आ पाथरक देवता सभक सेवा करैत छलाह जेना हुनकर पिता हुनका सभ कैँ सिखौने छलाह आ ओ सभ अपन पिता सँ बेसी दुष्ट छलाह।
15 ओ सभ अपन मोनक दुष् ट इच् छाक अनुसार चलि गेलाह आ बालिम सभक लेल बलिदान आ धूप जराबैत छलाह आ इसहाक आ रिबका हुनका सभ सँ थाकि गेलाह।
16 रेबेका बजलीह, "हेतक बेटी सभक कारणेँ हम अपन जान सँ थाकि गेल छी। जँ याकूब हेतक बेटी सभ मे सँ स् त्री बना लेताह, जेना एहि देशक बेटी सभ मे सँ स् त्री बना लेताह तँ हमरा जीवन कैँ की फायदा?
17 ओहि समय मे एसावक पत्नी आदा गर्भवती भऽ हुनका एकटा बेटाक जन्म देलनि आ एसाव ओहि बेटाक नाम एलीफाज रखलनि आ जखन एसाव हुनका जन्म देलनि तखन ओ पंसठ वर्षक छलाह।
18 अब्राहमक पुत्र इस्माइल ओहि दिन याकूबक जीवनक चौंसठम वर्ष मे मरि गेलाह आ इस्माइलक सभ दिन एक सय सत्तीस वर्षक रहलाह आ ओ मरि गेलाह।
19 इसहाक जखन सुनलनि जे इस्माइल मरि गेल अछि तखन ओ हुनका लेल शोक मनौलनि आ इसहाक हुनका लेल बहुत दिन धरि विलाप कयलनि।
20 याकूबक एबरक घर मे रहबाक चौदह वर्षक अंत मे याकूब कैँ अपन बाप-माता कैँ देखबाक इच्छा भेलनि आ याकूब अपन पिता-माताक घर मे हेब्रोन आबि गेलाह आ एसाव ओहि समय मे बिसरि गेल छलाह जे याकूब हुनका संग की केने छलाह जे ओहि दिन मे हुनका सँ आशीर्वाद ल' लेलनि।
21 एसाव जखन याकूब कैँ अपन बाप-माँ लग अबैत देखलनि तँ हुनका मोन पड़लनि जे याकूब हुनका संग जे केने छलाह, तखन ओ हुनका पर बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ ओ हुनका मारबाक प्रयास कयलनि।
22 अब्राहमक पुत्र इसहाक बूढ़ आ बूढ़ भऽ गेलाह आ एसाव कहलथिन, "हमर पिताक समय लग आबि गेल अछि जे हुनका मरय पड़तनि, आ जखन ओ मरि जेताह तखन हम अपन भाय याकूब कैँ मारि देबनि।"
23 रिबेका कैँ ई बात कहल गेलनि आ ओ जल्दी-जल्दी अपन बेटा याकूब कैँ बजाबय लेल पठौलनि, आ ओ हुनका कहलथिन, "उठू, जाउ आ हमर भाय लाबान लग हारान भागि जाउ, आ किछु समय धरि ओतहि रहू जाबत धरि अहाँक भाइक क्रोध अहाँ सँ नहि भ' जायत आ तखन अहाँ घुरि कऽ नहि आबि जायब।"
24 इसहाक याकूब कैँ बजा कऽ कहलथिन, "कनानक बेटी सभ मे सँ कोनो स् त्री नहि लिअ, किएक तँ हमरा सभक पिता अब्राहम प्रभुक वचनक अनुसार हमरा सभ कैँ एना आज्ञा देलनि जे ओ हुनका कहने छलाह जे, "हम ई देश अहाँक वंशज कैँ देब।" जँ अहाँक बच्चा सभ हमर वाचा कैँ पूरा करत जे हम अहाँ सँ केने छी, तखन हम अहाँक सन्तान सभ कैँ सेहो पूरा करब जे हम अहाँ सँ कहने छी आ हम ओकरा सभ कैँ नहि छोड़ब।"
25 आब हमर बेटा हमर सभ बात सुनू, जे हम अहाँ कैँ आज्ञा देब, आ कनानक बेटी सभक बीच सँ स् त्री विवाह करबा सँ परहेज करू। उठू, अपन मायक बाप बतुआएलक घर हारान जाउ, आ ओतय सँ अपन मायक भाय लाबानक बेटी सभ मे सँ एकटा पत्नी लऽ लिअ।"
26 तँ सावधान रहू जे अहाँ जाहि देश मे जा रहल छी, ओहि देश मे अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर कैँ आ हुनकर सभटा बाट कैँ बिसरि नहि जायब आ ओहि देशक लोक सभ सँ जुड़ि कऽ

व्यर्थताक पाछाँ लागि जायब आ अहाँक परमेश् वर केँ छोड़ि नहि जायब।
27 मुदा जखन अहाँ ओहि देश पर पहुँचब तँ ओतऽ प्रभुक सेवा करू तँ ओहि बाटसँ दहिना वा बामा दिस नहि घुमू।
28 आ सर्वशक्तिमान परमेश् वर पृथ् वीक लोकक समक्ष अहाँ पर अनुग्रह करथिन, जाहि सँ अहाँ ओतय अपन पसिनक अनुसार स् त्री केँ धारण कऽ सकब। जे प्रभुक मार्ग मे नीक आ सोझ अछि।
29 परमेश् वर अहाँ आ अहाँक वंशज केँ अहाँक पिता अब्राहमक आशीर्वाद देथिन, आ अहाँ केँ फल-फूल आ बढ़ाबथि, आ अहाँ जाहि देश मे जा रहल छी, ओहि देश मे लोकक भीड़ बनि जाउ, आ परमेश् वर अहाँ केँ एहि देश मे, जे अहाँक पिताक निवासक भूमि अछि, संतानक संग आ बहुत धन-दौलतक संग, हर्ष आ प्रसन्नताक संग घुरि कऽ अनबथि।
30 इसहाक याकूब केँ आज्ञा दऽ कऽ आशीष दऽ कऽ ओकरा चानी आ सोनाक संग बहुत रास वरदान देलक आ ओकरा विदा कऽ देलक। याकूब अपन पिता आ मायक बात सुनलनि। ओ ओकरा सभ केँ चुम्मा लेलक आ उठि कऽ पदन-अराम चलि गेल। जखन याकूब कनान देश सँ बेर-शेबा सँ निकललाह तखन सत्तरि वर्षक छलाह।
31 जखन याकूब हारान जेबाक लेल चलि गेलाह तखन एसाव अपन पुत्र एलीफाज केँ बजा कऽ नुका कऽ कहलथिन, "आब जल्दी करू, अपन तलवार हाथ मे ल' जाउ आ याकूबक पाछाँ-पाछाँ जाउ आ बाट मे हुनका आगू सँ गुजरि जाउ, आ हुनका लेल लुका जाउ आ एकटा पहाड़ मे अपन तलवार सँ मारि दियौक।
32 एसावक पुत्र एलीफाज एकटा सक्रिय आ धनुष मे निपुण छलाह जेना हुनकर पिता हुनका सिखा देने छलाह, आ ओ खेत मे एकटा नामी शिकारी आ वीर लोक छलाह।
33 एलीफाज अपन पिताक आज्ञाक अनुसार काज केलक आ एलीफाज ओहि समय तेरह वर्षक छल आ एलीफाज उठि कऽ अपन मायक दस भाय केँ अपना संग ल' गेल आ याकूबक पाछाँ लागि गेल।
34 ओ याकूबक पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह आ ओ शेकेम नगरक सोझाँ कनान देशक सीमा मे हुनका लेल लुका गेलाह।
35 याकूब एलीफाज आ ओकर आदमी सभ ओकरा पाछाँ-पाछाँ चलैत देखलकै, आ याकूब जाहि ठाम जा रहल छल, ओहि ठाम ठाढ़ भ' गेलै, जाहि सँ ई जानि सकब जे ई की अछि, किएक तँ ओकरा ई बात नहि बुझल छलैक। एलीफाज अपन तलवार निकालि कऽ ओ अपन आदमी सभक संग याकूब दिस बढ़ि गेल। याकूब हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ एतऽ आबि गेलहुँ आ अहाँ सभक की मतलब अछि जे अहाँ सभ अपन तलवार सँ पीछा करैत छी।"
36 एलीफाज याकूब लग आबि कऽ कहलथिन, "हमर पिता हमरा एहि तरहेँ आज्ञा देलनि, आब हम ओहि आज्ञा सँ नहि हटब जे हमर पिता हमरा देने छलाह। जखन याकूब देखलक जे एसाव एलीफाज सँ बल प्रयोग करबाक लेल बाजल अछि, तखन याकूब लग आबि एलीफाज आ ओकर लोक सभ केँ विनती कयलनि।
37 देखू, हमरा लग जे किछु अछि आ जे हमर पिता-माए हमरा देलनि, से अहाँ केँ ल' क' हमरा सँ चलि जाउ, आ हमरा नहि मारू, आ ई बात अहाँक लेल धार्मिकता मानल जाय।
38 परमेश् वर याकूब केँ एसावक पुत्र एलीफाज आ ओकर आदमी सभक नजरि मे अनुग्रहित कयलनि आ ओ सभ याकूबक आवाज सुनलनि आ ओकरा नहि मारलनि आ एलीफाज आ ओकर आदमी सभ याकूबक सभटा सामान केँ ओहि चानी आ सोनाक संग ल' लेलनि जे ओ बेर-शेबा सँ अपना संग अनने छलाह। ओकरा किछु नहि छोड़ि देलकैक।
39 एलीफाज आ ओकर आदमी सभ हुनका सँ दूर भऽ गेलाह आ ओ सभ एसाव लग बेर-शेबा मे घुरि गेलाह आ याकूबक संग जे किछु भेल छलनि से हुनका सभ केँ कहलथिन आ याकूब सँ जे किछु लऽ गेल छलनि से हुनका सभ केँ दऽ देलथिन।
40 एसाव अपन पुत्र एलीफाज आ ओकर संग रहनिहार लोक सभ पर आक्रोशित भऽ गेलाह, किएक तँ ओ सभ याकूब केँ नहि मारलनि।
41 ओ सभ एसाव केँ उत्तर देलथिन, "याकूब हमरा सभ सँ एहि विषय मे हुनका नहि मारबाक विनती कयलनि, तेँ हमरा सभक हुनका पर दया आबि गेलनि आ हम सभ हुनकर सभटा सम्पत्ति लऽ कऽ अहाँ लग अनलहुँ। एसाव एलीफाज याकूब सँ जे चानी आ सोना लेने छलाह से सभ लऽ कऽ अपन घर मे राखि लेलनि।
42 ओहि समय मे जखन एसाव देखलनि जे इसहाक याकूब केँ आशीष दऽ कऽ हुनका आज्ञा देलनि जे, "अहाँ कनानक बेटी सभ मे सँ स् त्री नहि लिअ, आ कनानक बेटी सभ इसहाक आ रिबकाक नजरि मे अधलाह अछि।"
43 तखन ओ अपन काका इस्माइलक घर गेलाह आ अपन पैघ पत्नी सभक अतिरिक्त नबायोतक बहिन इस्माइलक बेटी मक्लाथ केँ पत्नीक रूप मे ल' लेलनि।

अध्याय 30

1 याकूब अपन बाट आगू बढ़बैत हारान दिस बढ़लाह आ मोरिया पहाड़ धरि पहुँचलाह आ ओतहि राति भरि लूज नगरक लग मे रहलाह। ओहि राति परमेश् वर याकूब केँ ओतय प्रगट भेलाह आ कहलथिन, "हम अब्राहमक परमेश् वर आ अहाँक पिता इसहाकक परमेश् वर छी। जाहि देश पर अहाँ पड़ल छी, हम अहाँ आ अहाँक वंशज केँ देब।"
2 देखू, हम अहाँक संग छी आ अहाँ जतय जायब, अहाँ केँ राखब, आ हम अहाँक वंश केँ स्वर्गक तारा जकाँ बढ़ा देब, आ अहाँक सभ शत्रु केँ अहाँक सोझाँ खसा देब। जखन ओ सभ अहाँ सँ युद्ध करत तखन ओ सभ अहाँ पर हावी नहि होयत, आ हम अहाँ केँ एहि देश मे हर्षक संग, संतानक संग आ बहुत धन-दौलत सँ फेर सँ आनि देब।
3 याकूब नींद सँ जागि गेलाह आ ओहि दर्शन सँ ओ बहुत आनन्दित भऽ गेलाह। ओ ओहि स्थानक नाम बेथेल रखलनि।
4 याकूब ओहि ठाम सँ एकदम हर्षित भऽ उठलाह, आ चलला पर हुनका हर्ष सँ पएर हल्लुक भऽ गेलनि आ ओतऽ सँ पूबक बच्चा सभक देश गेलाह आ हारान घुरि गेलाह आ चरबाहक इनारक कात मे बैसि गेलाह।
5 ओतऽ हुनका किछु आदमी भेटलनि। हारान सँ अपन भेँड़ाक चरबाह करय लेल जा रहल छलाह आ याकूब हुनका सभ सँ पूछताछ कयलनि आ ओ सभ कहलथिन, "हम सभ हारानक छी।"
6 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "की अहाँ सभ नाहोरक पुत्र लाबान केँ चिन्हैत छी?" ओ सभ कहलकनि, "हम सभ ओकरा चिन्हैत छी, आ देखू, ओकर बेटी राहेल अपन पिताक भेँड़ा केँ चराब' लेल आबि रहल अछि।"

7 जखन ओ हुनका सभ सँ गप्प कऽ रहल छलाह तखन लाबानक बेटी राहेल अपन पिताक भेँड़ा सभ केँ चराबऽ लेल आबि गेलीह, कारण ओ चरबाह छलीह।
8 जखन याकूब अपन मायक भाय लाबानक बेटी राहेल केँ देखि दौड़ि कऽ ओकरा चुम्मा लेलक आ आवाज उठा कऽ कानय लागल।
9 याकूब राहेल केँ कहलथिन जे ओ हुनकर पिताक बहिन रिबेकाक बेटा छथि, आ राहेल दौड़ि कऽ अपन पिता केँ कहलथिन, आ याकूब कानैत रहलाह, किएक तँ हुनका लग लाबानक घर मे अनबाक लेल किछु नहि छलनि।
10 लाबान जखन सुनलक जे अपन बहिनक पुत्र याकूब आबि गेल अछि, तखन ओ दौड़ि कऽ चुम्मा लेलक आ गला लगा लेलक आ घर मे लऽ गेल आ रोटी देलक आ ओ भोजन केलक।
11 याकूब लाबान केँ कहलथिन जे हुनकर भाय एसाव हुनका संग की केने छलाह आ हुनकर पुत्र एलीफाज हुनका संग बाट मे की केने छलाह।
12 याकूब एक मास धरि लाबानक घर मे रहलाह, आ याकूब लाबानक घर मे भोजन-पीबैत रहलाह, आ तकर बाद लाबान याकूब केँ कहलथिन, "हमरा कहू जे अहाँक मजदूरी की होयत, कारण अहाँ हमरा बेकार सेवा कोना क' सकैत छी?"
13 लाबानक कोनो बेटा नहि छलनि, मात्र बेटी छलनि, आ ओहि समय मे हुनकर आन पत्नी आ दासी सभ एखनो बंजर छलीह। ई लाबानक बेटी सभक नाम अछि जे हुनकर पत्नी अदीना हुनका लेल जन्म देने छलीह। जेठक नाम लीआ आ छोटका राहेल छल। लीआ कोमल आँखि छल, मुदा राहेल सुन्दर आ अनुग्रहित छल, आ याकूब ओकरा सँ प्रेम करैत छल।
14 याकूब लाबान केँ कहलथिन, "हम अहाँक छोटकी बेटी राहेलक लेल सात वर्ष धरि अहाँक सेवा करब। लाबान एहि बात पर सहमत भेलाह आ याकूब अपन बेटी राहेलक लेल सात साल धरि लाबानक सेवा केलनि।
15 याकूबक हारान मे रहबाक दोसर वर्ष अर्थात याकूबक जीवनक उनसत्तरि वर्ष मे, ओहि वर्ष मे शेमक पुत्र एबरक मृत्यु भेलनि, जखन ओ मरला पर चारि सय चौंसठ वर्षक छलाह।
16 जखन याकूब एबरक मृत्युक बात सुनि कऽ बहुत दुखी भेलाह आ बहुत दिन धरि हुनका लेल विलाप आ शोक मनलनि।
17 याकूबक हारान मे रहबाक तेसर वर्ष मे एसावक पत्नी इस्माइलक बेटी बोस्मात केँ एकटा बेटा भेलनि आ एसाव हुनकर नाम रुअल रखलनि।
18 याकूबक लाबानक घर मे रहबाक चारिम वर्ष मे परमेश् वर लाबान सँ भेंट कयलनि आ याकूबक कारणेँ हुनका मोन पाड़लनि आ हुनका पुत्रक जन्म भेलनि, आ हुनकर पहिल पुत्र बेओर, दोसर अलीब आ तेसर चोराश।
19 परमेश् वर लाबान केँ धन-दौलत आ आदर, पुत्र-बेटी देलनि आ याकूबक कारणेँ ओ आदमी बहुत बढ़ि गेल।
20 ओहि समय मे याकूब घर आ खेत मे सभ तरहक काज मे लाबानक सेवा करैत छलाह आ घर आ खेत मे लाबानक सभटा परमेश् वरक आशीष भेटैत छलनि।
21 पाँचम वर्ष मे कनान देश मे एसावक पत्नी बेरीक बेटी यहूदीत मरि गेलीह आ हुनका मात्र बेटी छोड़ि कोनो बेटा नहि छलनि।
22 ई सभ हुनकर बेटी सभक नाम अछि जे ओ एसावक लेल जनमलनि, जेठक नाम मार्जीत आ छोटक नाम पुईत छल।
23 येहुदीतक मृत्यु भेला पर एसाव उठि कऽ सेइर नगर मे शिकार करऽ लगलाह, जेना रोजाना होइत छल।
24 छठम वर्ष मे एसाव अपन आन स् त्रीगणक अतिरिक्त हिवीजबियोनक बेटी अहलीबामा केँ स् त्री बना लेलनि आ एसाव हुनका कनान देश मे अनलनि।
25 अहलीबामा गर्भवती भऽ एसावक तीनटा पुत्र, यौश, यालान आ कोरहक जन्म देलनि।
26 ओहि समय मे कनान देश मे एसावक चरबाह आ कनान देश मे रहनिहार चरबाह सभक बीच झगड़ा भेल, कारण एसावक माल-जाल आ सम्पत्ति बहुत बेसी छल जे ओ कनान देश मे, अपन पिताक घर मे नहि रहि सकैत छल, आ कनान देश ओकरा अपन माल-जालक कारणेँ सहन नहि क' सकल।
27 एसाव जखन देखलकै जे कनान देशक निवासी सभक संग ओकर झगड़ा बढ़ि गेलै, तखन ओ उठि क' अपन पत्नी आ बेटा आ बेटी सभ आ ओकर सभटा माल आ ओकर सभटा माल-जाल आ ओकर सभटा सम्पत्ति जे ओकरा कनान देश मे भेटल छलैक, ओकरा लऽ कऽ ओ देशक निवासी सभ सँ दूर भ' क' सेइर देश मे चलि गेल ओ सेइर देश मे रहैत छलाह।
28 मुदा एसाव बीच-बीच मे कनान देश मे अपन पिता-माता केँ देखय लेल जाइत छलाह आ एसाव होरी लोकनि सँ विवाह करैत छलाह आ अपन बेटी सभ केँ सेइरक बेटा सभ केँ द' दैत छलाह।
29 ओ अपन पैघ बेटी मर्जीत केँ अपन स् त्रीक भाय जेबियोनक पुत्र आना केँ दऽ देलथिन आ पुईत केँ ओ होरी बिलहानक पुत्र अजर केँ देलथिन। एसाव ओ आ ओकर सन्तान सभ पहाड़ पर रहि गेलाह आ ओ सभ फल-फूल बढ़ल आ बढ़ि गेल।

अध्याय 31

1 सातम वर्ष मे याकूबक सेवा पूरा भऽ गेल जे ओ लाबानक सेवा कयलनि, तखन याकूब लाबान केँ कहलथिन, "हमरा हमर पत्नी दऽ दिअ, किएक तँ हमर सेवाक दिन पूरा भऽ गेल। लाबान एना कयलनि आ लाबान आ याकूब ओहि ठामक सभ लोक केँ जमा कयलनि आ ओ सभ भोज-भात कयलनि।
2 साँझ मे लाबान घर मे आबि गेलाह, आ तकर बाद याकूब भोज मे बैसल लोक सभक संग ओतय आबि गेलाह आ लाबान घर मे जे किछु बत्ती छल से बुझा देलनि।
3 याकूब लाबान केँ कहलथिन, "अहाँ हमरा सभक संग ई काज किएक कऽ रहल छी?" लाबान उत्तर देलथिन, "हमरा सभक एहि देश मे काज करबाक एहन प्रथा अछि।"
4 तकर बाद लाबान अपन बेटी लीआ केँ लऽ कऽ याकूब लग अनलनि आ ओ हुनका लग आबि गेलाह आ याकूब केँ ई नहि बुझल छलनि जे ओ लीआ छथि।
5 लाबान अपन बेटी लीआ केँ अपन दासी जिल्पा केँ दासी बना देलथिन।
6 भोज मे बैसल सभ लोक केँ बुझल छल जे लाबान याकूबक संग की केने छल, मुदा ओ सभ याकूब केँ ई बात नहि कहलक।
7 ओहि राति सभ पड़ोसी याकूबक घर आबि गेल, आ ओ सभ भोजन-पीना आ आनन्दित भेल आ लीआक समक्ष टिम्बर आ नाच-गान बजौलक आ याकूब, हेलेआ, हेलेआक समक्ष उत्तर देलक।

8 याकूब हुनका सभक बात सुनलनि मुदा ओकर अर्थ नहि बुझलनि, मुदा ओ सोचलनि जे एहि देश मे हुनका लोकनिक एहन प्रथा भ' सकैत अछि।
9 पड़ोसी सभ राति मे याकूबक समक्ष ई सभ बात कहलक आ ओहि राति लाबानक घर मे जे इजोत छल से बुझि गेल छल।
10 भोरे जखन दिनक इजोत भेल तखन याकूब अपन पत्नी दिस घुमलनि आ देखलनि जे ओ लीआ छलीह जे हुनकर कोरा मे पड़ल छलीह, आ याकूब कहलथिन, "देखू, आब हमरा बुझल अछि जे पड़ोसी सभ काल्हि राति मे की कहलक, "हेलेआ, ओ सभ कहलक, आ हम ई नहि बुझलहुँ।"
11 याकूब लाबान केँ बजा कऽ पुछलथिन, "अहाँ हमरा संग ई की केलहुँ?" हम राहेलक लेल अहाँक सेवा केलहुँ, आ अहाँ हमरा धोखा देलियैक आ हमरा लीआ किएक देलियैक?
12 लाबान याकूब केँ उत्तर देलथिन, "हमरा सभक स्थान पर एहन नहि कयल गेल अछि जे आब छोटकी केँ जेठक समक्ष दऽ देल जाय, तेँ जँ अहाँ ओकर बहिन केँ सेहो ओहिना लऽ जाय चाहैत छी तँ ओकरा अपना लग ल' जाउ जाहि सेवा मे अहाँ हमरा सात वर्ष आओर सेवा करब।"
13 याकूब एना केलनि आ राहेल केँ सेहो पत्नी बना लेलनि, आ ओ सात वर्ष आओर लाबानक सेवा केलनि, आ याकूब सेहो राहेल लग आबि गेलाह, आ ओ राहेल केँ लीआ सँ बेसी प्रेम केलनि, आ लाबान ओकरा अपन दासी बिल्हा केँ दासी बना देलनि।
14 परमेश् वर देखि कऽ जे लीआ केँ घृणा कयल गेल अछि तँ परमेश् वर हुनकर गर्भ खोलि देलनि आ ओहि दिन मे याकूब केँ चारि पुत्रक जन्म देलनि।
15 हुनका सभक नाम रूबेन शिमोन, लेवी आ यहूदा अछि, आ बाद मे ओ प्रसव छोड़ि देलनि।
16 ओहि समय राहेल बंजर छलीह, आ हुनका कोनो संतान नहि छलनि, आ राहेल अपन बहिन लीआ सँ ईर्ष्या करैत छलीह, आ जखन राहेल देखलनि जे हुनका याकूब सँ कोनो संतान नहि भेलनि, तखन ओ अपन दासी बिल्हा केँ ल' गेलीह आ याकूब केँ दूटा बेटा दान आ नफ्ताली केँ जन्म देलनि।
17 लिआ जखन देखि जे ओ प्रसव छोड़ि गेल अछि तँ ओ अपन दासी जिल्पा केँ सेहो लऽ गेलीह आ ओकरा याकूब केँ पत्नीक रूप मे दऽ देलथिन आ याकूब सेहो सिल्पा मे आबि गेलाह आ याकूब केँ दूटा बेटा गाद आ आशेर सेहो भेलनि।
18 लिआ फेर गर्भवती भेलीह आ ओहि समय मे याकूब केँ दू टा बेटा आ एकटा बेटीक जन्म देलनि, आ हुनकर सभक नाम इस्साकर, जबबूलोन आ बहिन दीना अछि।
19 ओहि समय मे राहेल एखनो बंजर छलीह आ ओहि समय मे राहेल प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ ओ बजलीह, "हे प्रभु परमेश् वर हमरा मोन पाड़ू आ हमरा भेंट करू, हम अहाँ सँ विनती करैत छी, किएक तँ आब हमर पति हमरा फेकि देताह, किएक तँ हम हुनका कोनो संतान नहि जनौने छी।"
20 हे प्रभु परमेश् वर, अहाँक समक्ष हमर विनती सुनू आ हमर कष्ट देखू आ हमरा कोनो दासी जकाँ संतान दिअ, जाहि सँ हम आब अपन निन्दा नहि सहब।
21 परमेश् वर हुनकर बात सुनि कऽ हुनकर गर्भ खोललनि आ राहेल गर्भवती भऽ एकटा पुत्रक जन्म देलनि आ ओ बजलीह, "प्रभु हमर निन्दा दूर कऽ देलनि आ ओ हुनकर नाम यूसुफ रखलनि आ कहलथिन, "प्रभु हमरा लेल एकटा आओर पुत्र जोड़थि।" आ याकूब जखन हुनका जन्म देलनि तखन हुनकर उम्र एकनबे वर्षक छलनि।
22 ओहि समय याकूबक माय रिबेका अपन पोषक उजक बेटी दबोरा आ इसहाकक दूटा नौकर केँ याकूब लग पठौलनि।
23 ओ सभ याकूब लग हारान गेलाह आ हुनका कहलथिन, "रेबेका हमरा सभ केँ अहाँ लग पठौने छथि जे अहाँ अपन पिताक घर कनान देश मे घुरि जाइ। याकूब अपन मायक बात पर हुनका सभक बात सुनलनि।
24 ओहि समय मे याकूब राहेलक लेल लाबानक सेवा करबाक आन सात वर्ष पूरा भ' गेल छल, आ चौदह वर्षक बाद जखन ओ हारान मे रहलाह, तखन याकूब लाबान केँ कहलथिन जे, हमरा हमर पत्नी सभ द' दिअ आ हमरा विदा करू, जाहि सँ हम अपन देश मे जा सकब, किएक तँ देखू, हमर माय कनान देश सँ हमरा लग पठौने छलीह जे हम अपन पिताक घर वापस आबि जाइ।
25 लाबान हुनका कहलथिन, "हम अहाँ सँ एहन नहि अछि। जँ हमरा अहाँक नजरि मे अनुग्रह भेटल अछि तँ हमरा नहि छोड़ू। हमरा अपन मजदूरी निर्धारित करू आ हम ओकरा दऽ देब आ हमरा संग रहब।"
26 याकूब हुनका कहलथिन, "अहाँ हमरा मजदूरी मे इएह देब जे हम आइ अहाँक समस्त भेँड़ा मे सँ गुजरि कऽ भेँड़ा आ बकरी मे धब्बादार आ धब्बादार मेमना आ भूरा रंगक हरेक मेमना केँ छीन लेब आ जँ अहाँ हमरा लेल ई काज करब तँ हम घुरि कऽ अहाँक भेँड़ा केँ पोसब आ पहिने जकाँ ओकरा सभ केँ पोसब।"
27 लाबान एना कएलक आ लाबान अपन भेँड़ा मे सँ जे किछु कहल गेल छल, ओकरा सभ केँ हटा कऽ ओकरा सभ केँ दऽ देलक।
28 याकूब लाबानक भेँड़ा मे सँ जे किछु निकालने छलाह, तकरा अपन पुत्र सभक हाथ मे राखि देलनि, आ याकूब लाबानक शेष भेँड़ा केँ चरबैत छलाह।
29 जखन इसहाकक नौकर सभ जे याकूब लग पठौने छलाह, से देखलनि जे याकूब हुनका सभक संग कनान देश मे अपन पिताक लग नहि घुरि जेताह, तखन ओ सभ हुनका सँ दूर भऽ कनान देश मे घर घुरि गेलाह।
30 दबोरा याकूबक संग हारान मे रहि गेलीह आ इसहाकक नौकर सभक संग कनान देश मे नहि घुरि गेलीह आ दबोरा याकूबक पत्नी आ बच्चा सभक संग हारान मे रहि गेलीह।
31 याकूब छह साल आओर लाबानक सेवा केलनि, आ जखन भेड़ सभ भेँड़लनि तखन याकूब लाबानक संग जे धब्बादार आ दागदार छल, ओकरा सभ सँ दूर कऽ देलनि, आ याकूब छह वर्ष धरि लाबानक घर मे एना कयलनि, आ ओ आदमी बढ़ि गेलाह आ हुनका लग मवेशी आ दासी-दासी आ नौकर-चाकर, ऊँट आ गदहा छलनि।
32 याकूबक दू सय झुंडक माल-जाल छलनि, आ हुनकर माल-जाल पैघ-पैघ आ सुन्दर-सुन्दर छलनि आ बहुत उत्पादक छलनि, आ मनुष् य-पुत्रक सभ कुल याकूबक मवेशी मे सँ किछु पाबय चाहैत छल, किएक तँ ओ सभ बहुत समृद्ध छल।
33 याकूबक बहुतो लोक याकूबक भेँड़ा मे सँ किछु भेँड़ा केँ टोकय लेल आयल, आ याकूब ओकरा सभ केँ एकटा भेँड़ा दऽ देलक जे एकटा नौकर वा नौकरानी वा गदहा वा ऊँट वा याकूब हुनका सभ सँ जे किछु चाहैत छल से ओकरा सभ केँ दऽ देलक।

34 याकूब मनुष् यक सन् तान सभक संग एहि व्यवहारक कारणेँ धन-दौलत आ आदर आ सम् पत्ति प्राप्त कयलनि आ लाबानक सन् तान सभ हुनका एहि आदर सँ ईर्ष्या करैत छलाह।
35 समयक क्रम मे ओ लाबानक पुत्र सभक ई बात सुनलनि जे, "याकूब हमरा सभक पिताक सभटा चीज छीनि लेलनि, आ हमरा सभक पिताक जे किछु छल, ताहि मे सँ ओ ई सभ महिमा पाबि लेलनि।"
36 याकूब लाबान आ ओकर सन् तान सभक मुँह देखि कऽ देखलक जे ओहि दिन मे हुनका दिस पहिने जकाँ नहि छल।
37 छह वर्षक समाप्ति पर परमेश् वर याकूब केँ प्रगट कयलनि आ कहलथिन, "उठू, एहि देश सँ बाहर जाउ आ अहाँक जन्मस्थानक देश मे घुरि जाउ आ हम अहाँक संग रहब।"
38 ओहि समय याकूब उठि कऽ अपन संतान-पत्नी आ अपन सभटा सामान केँ ऊँट पर सवार भऽ कऽ कनान देश मे अपन पिता इसहाक लग जेबाक लेल विदा भेलाह।
39 लाबान केँ ई नहि बुझल छलनि जे याकूब हुनका सँ चलि गेल छथि, किएक तँ लाबान ओहि दिन भेँड़ा काटय बला छलाह।
40 राहेल अपन पिताक मूर्ति सभ चोरा लेलक आ ओकरा सभ केँ लऽ कऽ ओहि ऊँट पर नुका लेलक जाहि पर ओ बैसल छलीह आ आगू बढ़लीह।
41 मूर्ति सभक प्रथा एहिना अछि। जे पहिल जन्मल आदमी के लऽ कऽ ओकरा वध करी कं ओकरऽ माथा के केश हटाय कं नून लं कं माथा कं नमकीन करी कं ओकरा तेल मं अभिषेक करी कं ओकरा पर तांबा के छोटऽ पाटी या सोना के एक पाटी लं कं ओकरा पं नाम लिखी कं ओकरा जीह के नीचें पाटी के साथ माथा कं जीह के नीचें लं कं घर मं रखी कं ओकरा सामने रोशनी जलाबै मं आरू ओकरा सामने प्रणाम करै मं ।
42 जखन ओ सभ ओकरा समक्ष प्रणाम करैत छथि, तखन ओ सभ ओहि मे लिखल नामक सामर्थ् य द्वारा हुनका सभ सँ बात करैत अछि जे ओ सभ माँगैत छथि।
43 किछु गोटे ओकरा सभ केँ सोना-चानीक आकृति मे बनबैत छथि आ हुनका सभक ज्ञात समय मे हुनका सभ लग जाइत छथि, आ आकृति सभ तारा सभक प्रभाव ग्रहण करैत छथि आ हुनका सभ केँ भविष्यक बात कहैत छथि, आ एहि तरहेँ ओ मूर्ति सभ छल जे राहेल अपन पिता सँ चोरा लेने छलीह।
44 राहेल अपन पिताक मूर्ति सभ चोरा लेलक, जाहि सँ लाबान केँ ई नहि पता चलय जे याकूब कतय गेल छल।
45 लाबान घर आबि गेलाह आ ओ याकूब आ हुनकर घरक लोकक विषय मे पुछलथिन, मुदा हुनका नहि भेटबाक छलनि, आ लाबान अपन मूर्ति सभक खोज कयलनि जे याकूब कतय गेल छथि, मुदा हुनका सभ केँ नहि भेटलनि, आ किछु आन मूर्ति सभ लग गेलाह आ ओ सभ हुनका सभ सँ पूछलनि आ ओ सभ हुनका सभ केँ कहलथिन जे याकूब हुनका सँ भागि कऽ अपन पिताक घर, कनान देश मे आबि गेलाह।
46 तखन लाबान उठि कऽ अपन भाय सभ आ अपन सभ नोकर सभ केँ पकड़ि लेलक आ याकूबक पाछाँ-पाछाँ गेल आ गिलिआद पहाड़ पर ओकरा पकड़ि लेलक।
47 लाबान याकूब केँ कहलथिन, "अहाँ हमरा संग ई की केलहुँ जे हम भागि कऽ हमरा धोखा दऽ कऽ हमर बेटी आ ओकर बच्चा सभ केँ तलवार सँ पकड़ल बंदी बना देलहुँ?"
48 अहाँ हमरा हुनका सभ केँ चुम्मा लेबय आ हर्ष सँ विदा नहि करय देलियैक, आ अहाँ हमर देवता सभ केँ चोरा कऽ चलि गेलहुँ।
49 याकूब लाबान केँ उत्तर देलथिन, "हम डरैत छलहुँ जे कहीं अहाँ अपन बेटी सभ केँ हमरा सँ जबरदस्ती नहि ल' लेब। आब जकरा संग अहाँ अपन देवता पाबि लेब, ओ मरि जेताह।
50 लाबान मूर्ति सभ केँ खोजि लेलक आ याकूबक सभटा डेरा आ साज-सज्जा मे जाँच केलक, मुदा ओकरा सभ केँ नहि भेटलैक।
51 लाबान याकूब केँ कहलथिन, "हम सभ मिलिकय एकटा वाचा करब आ ई हमरा आ अहाँक बीच गवाही होयत। जँ अहाँ हमर बेटी सभ केँ कष्ट देब वा हमर बेटी सभक अतिरिक्त आन पत्नी सभ केँ धारण करब तँ परमेश् वर हमरा आ अहाँक बीच एहि विषय मे गवाह बनताह।
52 ओ सभ पाथर लऽ कऽ ढेर बनौलनि आ लाबान कहलथिन, "ई ढेर हमरा आ अहाँक बीच गवाह अछि, तेँ ओ एकर नाम गिलाद रखलनि।"
53 याकूब आ लाबान पहाड़ पर बलि चढ़ौलनि आ ओ सभ ओतहि ढेरक कात मे भोजन केलनि आ भरि राति पहाड़ पर रहलाह आ लाबान भोरे-भोर उठि गेलाह आ ओ अपन बेटी सभक संग कानैत रहलाह आ हुनका सभ केँ चुम्मा लेलनि आ ओ अपन जगह पर घुरि गेलाह।
54 ओ जल्दी-जल्दी अपन पुत्र बेओर, जे सत्रह वर्षक छल, आ नाहोरक पुत्र उजक पुत्र अबीकोरोफ आ हुनका सभक संग दस आदमीक संग विदा कयलनि।
55 ओ सभ जल्दी-जल्दी जा कऽ याकूबक आगू-पाछू बाट पर चलि गेलाह आ दोसर बाट सँ सेइर देश पहुँचलाह।
"
"
58 परमेश् वर हमरा कारणेँ हुनका आशीष देलथिन, आ ओ बहुत बढ़ि गेलाह आ हुनका पुत्र-पुत्री आ दासी-दासी सेहो भेलनि।
59 हुनका लग झुंड आ भेँड़ा, ऊँट आ गदहा, चानी आ सोनाक सेहो प्रचुर भंडार अछि। आ जखन ओ देखलक जे ओकर धन बढ़ि गेलै तऽ ओ हमरा छोड़ि देलक जाबत हम अपन बरद काटय गेल छलहुँ आ ओ उठि कऽ गुप्त रूपेँ भागि गेल।
60 ओ अपन पत्नी आ बच्चा सभ केँ ऊँट पर चढ़ा देलनि आ हमर देश मे जे किछु माल-जाल आ सम्पत्ति भेटल छलनि से लऽ गेलाह आ अपन पिता इसहाक लग कनान देश मे जेबाक लेल मुँह उठौलनि।
61 ओ हमरा अपन बेटी आ ओकर बच्चा सभ केँ चुम्मा नहि लेबय देलक, आ हमर बेटी सभ केँ तलवार सँ पकड़ल गेल बंदी बना लेलक, आ हमर देवता सभ केँ सेहो चोरा लेलक आ ओ भागि गेल।
62 आब हम ओकरा आ ओकर सभटा वस्तु केँ याबुक नदीक पहाड़ पर छोड़ि गेल छी। ओकरा किछुक अभाव नहि छैक।
63 जँ अहाँक इच्छा अछि जे अहाँ हुनका लग जायब, तखन जाउ आ ओतहि अहाँ ओकरा पाबि लेब, आ अहाँ ओकरा संग अपन आत्माक इच्छानुसार कऽ सकैत छी। लाबानक दूत सभ आबि कऽ एसाव केँ ई सभ बात कहलथिन।

64 एसाव लाबानक दूत सभक सभ बात सुनलनि आ याकूब पर हुनकर क्रोध बहुत भड़कि गेलनि आ हुनका अपन घृणा मोन पड़लनि आ हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि।
65 एसाव जल्दी-जल्दी अपन सन्तान आ नोकर आ अपन घरक लोक सभ कैँ ल' लेलक, जे साठि आदमी छल, आ ओ तीन सय चालीस आदमी कैँ सेइर होरीक सभ सन् तान आ ओकर लोक कैँ जमा क' लेलक आ एहि सभ चारि सय आदमी कैँ तलवार सँ लऽ लेलक आ ओकरा मारबाक लेल याकूब लग गेल।
66 एसाव एहि संख्या कैँ कतेको भाग मे बाँटि कऽ अपन सन्तान आ नोकर आ घरक लोक मे सँ साठि गोटे कैँ एक मुखिया बना कऽ अपन जेठका पुत्र एलीफाजक देखभाल मे दऽ देलथिन।
67 बाँचल माथ ओ सेइर होरीक छहटा पुत्रक देखभाल मे दऽ देलथिन आ एक-एक गोटे कैँ अपन-अपन पीढ़ी आ संतानक ऊपर राखि देलनि।
68 एहि डेराक समस्त लोक जेना-तेना चलि गेल आ एसाव हुनका सभक बीच याकूब दिस बढ़ि गेलाह आ ओ हुनका सभ कैँ तेज गति सँ चलौलनि।
69 लाबानक दूत सभ एसाव सँ विदा भऽ कनान देश मे गेलाह आ याकूब आ एसावक माय रिबेकाक घर पहुँचलाह।
70 ओ सभ ओकरा कहलथिन, "देखू, तोहर पुत्र एसाव चारि सय आदमीक संग अपन भाय याकूबक विरुद्ध गेल अछि, किएक तँ ओ सुनलक जे ओ आबि रहल अछि, आ ओ ओकरा संग युद्ध कर' लेल चलि गेल अछि आ ओकरा मारि देबऽ आ ओकर सभटा चीज लऽ कऽ लेबाक लेल चलि गेल अछि।"
71 रेबेका जल्दी-जल्दी इसहाकक नोकर सभ मे सँ बहत्तरि आदमी कैँ याकूब सँ बाट मे भेंट करबाक लेल पठौलनि। कारण, ओ बजलीह, "शायद एसाव जखन ओकरा सँ भेंट करत तखन बाट मे युद्ध क' सकैत अछि।"
72 ई दूत सभ याकूब सँ भेंट करबाक लेल बाट पर गेलाह आ याबूक नदीक विपरीत कातक धारक बाट मे हुनका सँ भेंट कयलनि, आ याकूब हुनका सभ कैँ देखि कहलथिन, "ई डेरा परमेश् वरक दिस सँ हमरा लेल निर्धारित अछि, आ याकूब ओहि स्थानक नाम मक्नाइम रखलनि।"
73 याकूब अपन पिताक सभ लोक कैँ चिन्हलनि, आ ओ हुनका सभ कैँ चुम्मा लेलनि आ गला लगा लेलनि आ हुनका सभक संग आबि गेलाह, आ याकूब हुनका सभ सँ अपन पिता आ मायक विषय मे पुछलथिन आ ओ सभ कहलथिन, "ओ सभ ठीक भ' गेलाह।"
74 ओ सभ दूत सभ याकूब कैँ कहलथिन, "तोहर माय रेबेका हमरा सभ कैँ अहाँ लग पठौने छथि जे, "हे हमर बेटा, हम सुनने छी जे तोहर भाय एसाव तोहर सेइर होरीक सन् तान मे सँ लोकक संग अहाँक विरुद्ध बाट पर निकलि गेल छथि।"
75 तोँ हे बेटा, हमर आवाज सुनू आ अपन सलाह सँ देखू जे अहाँ की करब, आ जखन ओ अहाँ लग आबि जायत तखन हुनका सँ विनती करू, आ ओकरा सँ बेधड़क गप्प नहि करू, आ जे किछु अहाँक पास अछि आ जे किछु परमेश् वर अहाँ पर अनुग्रह केने छथि, ताहि मे सँ हुनका उपहार दिअ।
76 जखन ओ अहाँसँ अहाँक काजक विषयमे पूछताह तँ हुनकासँ किछु नहि नुकाउ, कहीं ओ अहाँक विरुद्ध अपन क्रोधसँ घुरि सकैत छथि आ एहि तरहेँ अहाँ अपन प्राणकेँ बचा सकब, अहाँ आ अहाँक सभटा, किएक तँ हुनकर आदर करब अहाँक कर्तव्य अछि, किएक तँ ओ अहाँक जेठ भाइ छथि।
77 जखन याकूब अपन मायक बात सुनलनि जे दूत सभ हुनका सँ कहने छलाह, तखन याकूब अपन आवाज उठौलनि आ कटुता सँ कानय लगलाह आ अपन मायक आज्ञाक अनुसार काज कयलनि।

अध्याय 32

1 ओहि समय याकूब अपन भाय एसाव लग सेइर देश दिस दूत पठौलनि आ ओ हुनका सँ विनतीक बात कहलथिन।
2 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन, "अहाँ सभ हमर प्रभु एसाव कैँ ई कहब जे, 'अहाँ सभक सेवक याकूब ई कहैत छथि, 'हमर मालिक ई नहि सोचू जे हमर पिता द्वारा हमरा जे आशीर्वाद देलनि से हमरा लेल लाभकारी साबित भेल अछि।"
3 हम बीस वर्ष धरि लाबानक संग छी, आ ओ हमरा धोखा देलक आ हमर मजदूरी दस बेर बदलि देलक, जेना कि हमर मालिक कैँ पहिने सँ कहल गेल अछि।
4 हम हुनकर घर मे हुनकर सेवा बहुत परिश्रम सँ केलहुँ, आ बाद मे परमेश् वर हमर क्लेश, हमर परिश्रम आ हमर हाथक काज देखि हमरा हुनका पर कृपा आ अनुग्रह पाबि देलनि।
5 तकर बाद हम परमेश् वरक बहुत दया आ दयाक कारणेँ बैल-गदहा आ मवेशी आ पुरुष-सेवक आ दासी-दासी कैँ प्राप्त कऽ लेलहुँ।
6 आब हम अपन देश आ अपन घर आबि रहल छी, जे कनान देश मे छथि। आ हम अपन मालिक के ई सब बात बताबय लेल पठौने छी जे हमर मालिक के नजर में अनुग्रह भेटय, जाहि स ओ ई कल्पना नहि करथि जे हम अपना स धन प्राप्त केलहुं अछि, या हमर पिता जे आशीर्वाद स हमरा आशीर्वाद देलनि, ओहि स हमरा फायदा भेल अछि।
7 ओ सभ दूत सभ एसाव लग गेलाह आ हुनका एदोम देशक सीमा पर याकूब दिस जाइत देखलनि आ सेइर होरीक सन् तान मे सँ चारि सय आदमी तलवार लऽ कऽ ठाढ़ छल।
8 याकूबक दूत सभ एसाव कैँ ओ सभ बात कहलकनि जे याकूब हुनका सभ कैँ एसावक विषय मे कहने छलाह।
9 एसाव हुनका सभ कैँ घमंड आ तिरस्कार सँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "हम सचमुच सुनने छी आ सच मे कहल गेल अछि जे याकूब लाबानक संग की केने छथि, जे हुनका अपन घर मे अपन बेटी सभ कैँ स् त्रीक रूप मे देलनि, आ ओ बेटा-बेटी सभ कैँ जन्म देलनि आ अपन सामर्थ् य सँ लाबानक घर मे प्रचुर धन आ धन मे वृद्धि कयलनि।
10 जखन ओ देखलक जे ओकर सम्पत्ति प्रचुर अछि आ ओकर धन बेसी अछि तँ ओ लाबानक घर सँ अपन सभटा सम्पत्तिक संग भागि गेल आ लाबानक बेटी सभ कैँ अपन पिताक मुँह सँ दूर कऽ देलक, जेना तलवार सँ पकड़ल गेल कैदी सभ कैँ बिना ओकरा कहने।
11 याकूब मात्र लाबानक संग नहि, हमरा संग सेहो एहन कयलनि अछि आ दू बेर हमरा स्थान पर आबि गेल अछि, आ की हम चुप भ' जायब?
12 आब हम आइ अपन डेरा सभक संग हुनका सँ भेंट करबाक लेल आयल छी, आ हम हुनका संग अपन हृदयक इच्छानुसार काज करब।
13 दूत सभ घुरि कऽ याकूब लग आबि हुनका कहलथिन, "हम सभ अहाँक भाय एसाव लग आबि गेलहुँ आ अहाँक सभ बात

हुनका कहलियनि आ ओ हमरा सभ कैँ एहि तरहेँ उत्तर देलनि, आ देखू, ओ चारि सय आदमीक संग अहाँ सँ भेंट करय लेल आबि रहल छथि।"
14 आब जानि कऽ देखू जे अहाँ की करब।
15 जखन ओ अपन भाय द्वारा याकूबक दूत सभ कैँ कहल गेल बात सुनि याकूब बहुत भयभीत भऽ गेलाह आ ओ व्यथित भऽ गेलाह।
16 याकूब अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि आ कहलथिन, "हे हमर पूर्वज अब्राहम आ इसहाकक परमेश् वर परमेश् वर, अहाँ हमरा अपन पिताक घर सँ विदा भेला पर कहलियनि।
17 हम अहाँक पिता अब्राहम आ इसहाकक परमेश् वर प्रभु छी, हम ई देश आ अहाँक बादक वंशज कैँ अहाँ कैँ देब, आ अहाँक वंशज कैँ हम स् वर्गक तारा जकाँ बना देब, आ अहाँ स् वर्गक चारू कात धरि पसरब, आ अहाँ मे आ अहाँक वंश मे पृथ् वीक सभ कुल कैँ आशीर्वाद भेटत।
18 अहाँ अपन बात कैँ स्थापित कयल आ हमरा धन-दौलत आ संतान आ माल-जाल देलहुँ, जेना हमर हृदयक अत्यंत इच्छा अहाँ अपन सेवक कैँ देलहुँ। जे किछु हम अहाँ सँ माँगलहुँ से अहाँ हमरा दऽ देलियैक, जाहि सँ हमरा कोनो चीजक कमी नहि छल।
19 तकर बाद अहाँ हमरा कहलहुँ जे, "अपन माता-पिता आ अपन जन्मस्थान दिस घुरि जाउ, तखनो हम अहाँक संग नीक काज करब।"
20 आब जखन हम आबि गेलहुँ आ अहाँ हमरा लाबान सँ बचा लेलहुँ, तखन हम एसावक हाथ मे पड़ब जे हमरा मारि देत, हँ, हमर बच्चा सभक माय सभक संग।
21 आब, हे प्रभु परमेश् वर, हमरा हमर भाय एसावक हाथ सँ सेहो बचाउ, किएक तँ हम हुनका सँ बहुत डरैत छी।
22 जँ हमरा मे धार्मिकता नहि अछि तँ अब्राहम आ हमर पिता इसहाकक लेल ई काज करू।
23 हम जनैत छी जे दया आ दयाक कारणेँ हम ई धन प्राप्त केलहुँ। आब हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे आइ हमरा अपन दया सँ बचाउ आ हमरा उत्तर दिअ।
24 याकूब प्रभु सँ प्रार्थना करब छोड़ि देलथिन आ ओ अपन संग रहनिहार लोक सभ कैँ दू टा शिविर मे बाँटि देलथिन, आ आधा भाग अब्राहमक सेवक एलीएजरक पुत्र दमेसेक कैँ अपन बच्चा सभक संग डेराक लेल दऽ देलनि आ दोसर आधा भाग कैँ ओ अपन भाय एलियानसक पुत्र एलियानुस कैँ अपन बच्चा सभक संग डेरा देबाक लेल दऽ देलनि।
25 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन, "अपन डेरा सँ दूर रहू आ एक-दोसरक बेसी नजदीक नहि आबि जाउ, आ जँ एसाव एकटा डेरा मे आबि कऽ ओकरा मारि देत तँ ओकरा सँ दूर दोसर डेरा ओकरा सँ बचि जायत।"
26 ओहि राति याकूब ओतहि रहलाह आ भरि राति ओ अपन नोकर सभ कैँ सेना आ अपन बच्चा सभक विषय मे निर्देश देलनि।
27 ओहि दिन परमेश् वर याकूबक प्रार्थना सुनलनि आ तखन परमेश् वर याकूब कैँ अपन भाय एसावक हाथ सँ बचा लेलनि।
28 परमेश् वर स् वर्गदूत सभक तीनटा स् वर्गदूत पठौलनि आ ओ सभ एसावक आगू बढ़ि हुनका लग आबि गेलाह।
29 ई सभ स् वर्गदूत एसाव आ ओकर लोकक समक्ष दू हजार आदमी जकाँ सभ तरहक युद्धक औजार सँ सजल घोड़ा पर सवार भऽ गेलाह आ ओ सभ एसाव आ ओकर सभ आदमीक नजरि मे चारि टा शिविर मे बँटि गेलाह आ चारिटा सरदारक संग प्रगट भेलाह।
30 एकटा डेरा आगू बढ़ल आ ओ सभ एसाव कैँ चारि सय आदमीक संग अपन भाय याकूब दिस अबैत देखलक, आ ई डेरा एसाव आ ओकर लोक दिस दौड़ल आ ओकरा सभ कैँ भयभीत क' देलक, आ एसाव घबराहटि मे घोड़ा पर सँ खसि पड़ल आ ओकर सभ आदमी ओहि ठाम हुनका सँ अलग भ' गेल, कारण ओ सभ बहुत भयभीत भ' गेल।
31 एसाव सँ भागि गेला पर पूरा डेराक लोक सभ हुनका सभक पाछाँ चिचिया उठल आ सभ युद्धप्रिय लोक सभ उत्तर देलक।
32 हम सभ याकूबक सेवक छी, जे परमेश् वरक सेवक छथि आ तखन के हमरा सभक विरुद्ध ठाढ़ भऽ सकैत अछि? एसाव हुनका सभ कैँ कहलथिन, "तखन, हमर मालिक आ भाय याकूब अहाँक मालिक छथि, जिनका हम बीस वर्ष सँ नहि देखलहुँ, आ आब जखन हम हुनका देखय लेल आयल छी, तखन की अहाँ सभ हमरा संग एहि तरहक व्यवहार करैत छी?"
33 स् वर्गदूत सभ हुनका उत्तर देलथिन, "जहिना परमेश् वर जीबैत छथि, जँ अहाँ जे याकूबक विषय मे अहाँक भाय कहैत छी, तँ हम सभ अहाँ आ अहाँक लोक मे सँ एक गोटे कैँ नहि बचय देलहुँ, मुदा मात्र याकूबक कारणेँ हम सभ हुनका सभक संग किछु नहि करब।"
34 ई डेरा एसाव आ ओकर आदमी सभ सँ गुजरि गेल आ ओ चलि गेल आ एसाव आ ओकर आदमी सभ ओकरा सभ सँ लगभग एक लीग चलि गेल छल जखन दोसर डेरा सभ तरह-तरह के हथियार ल' क' ओकरा दिस आबि गेलैक आ ओ सभ एसाव आ ओकर आदमी सभक संग ओहिना केलक जेना पहिल डेरा ओकरा सभक संग केने छलैक।
35 जखन ओ सभ ओकरा आगू बढ़बाक लेल छोड़ि देलक तऽ देखू तेसर डेरा हुनका दिस आबि गेल आ सभ आतंकित भऽ गेल आ एसाव घोड़ा पर सँ खसि पड़ल आ पूरा डेरा चिचिया उठल आ कहलक, "हम सभ याकूबक सेवक छी, जे परमेश् वरक सेवक छथि आ हमरा सभक विरुद्ध के ठाढ़ भऽ सकैत अछि?"
36 एसाव फेर हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "तखन, हमर मालिक याकूब आ अहाँक मालिक याकूब हमर भाइ छथि, आ बीस वर्ष सँ हम हुनकर चेहरा नहि देखलहुँ आ आइ सुनैत छी जे ओ आबि रहल छथि, हम आइ हुनका सँ भेंट करय लेल गेलहुँ आ की अहाँ हमरा संग एहि तरहक व्यवहार करैत छी?
37 ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "जेना प्रभु जीबैत छथि, की याकूब अहाँक भाय नहि छलाह जेना अहाँ कहलहुँ, हम सभ अहाँ आ अहाँक लोक सभ मे सँ कोनो शेष नहि छोड़ने रही, मुदा याकूबक कारणेँ जकरा बारे मे अहाँ अपन भाय बजैत छी, हम सभ अहाँ वा अहाँक आदमी सभक संग हस्तक्षेप नहि करब।"
38 तेसर डेरा सेहो हुनका सभ सँ गुजरि गेल आ ओ एखनो अपन आदमी सभक संग याकूब दिस बढ़ैत रहलाह, जखन कि चारिम डेरा हुनका दिस आबि गेल छलनि, आ ओ सभ सेहो हुनका आ हुनकर आदमी सभक संग ओहिना कयलनि जेना आन लोक सभ केने छल।
39 एसाव जखन चारू स् वर्गदूत हुनका आ हुनकर आदमी सभक संग जे अधलाह केने छलाह से देखलनि तँ ओ अपन भाय याकूब सँ बहुत डेरा गेलाह आ शान्तिपूर्वक हुनका सँ भेंट करय लेल गेलाह।

40 एसाव याकूबक प्रति अपन घृणा नुका लेलक, कारण ओ अपन भाय याकूबक कारणेँ अपन जान सँ डरैत छल आ ई सोचैत छल जे जाहि चारि टा डेरा पर ओ जगमगा गेल छल, याकूबक सेवक अछि।
41 ओहि राति याकूब अपन नोकर सभक संग अपन डेरा मे रहलाह, आ ओ अपन नोकर सभक संग ई संकल्प कयलनि जे एसाव केँ हुनका संग जे किछु छलनि आ हुनकर सभ सम्पत्ति मे सँ उपहार देथिन। याकूब भोरे उठि कऽ ओ सभ आ ओकर आदमी सभ मवेशी सभ मे सँ एसावक लेल उपहार चुनि लेलक।
42 याकूब अपन भाय एसाव केँ देबाक लेल अपन भेँड़ा मे सँ जे उपहार चुनलनि, ताहि मे सँ ओ भेँड़ा मे सँ दू सय चालीस सिर चुनलनि आ ऊँट आ गदहा मे सँ तीस-तीस टा गाम चुनलनि आ भेँड़ा मे सँ पचास टा गाय चुनलनि।
43 ओ सभटा केँ दस झुंड मे राखि देलथिन आ एक-एकटा केँ एक-एकटा राखि देलथिन आ एक-एकटा झुंड केँ अपन दस टा नोकरक हाथ मे सौंप देलथिन।
44 ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन आ कहलथिन, "एक-दोसर सँ दूर रहू आ झुंडक बीच मे जगह राखू, जखन एसाव आ हुनका संग रहनिहार लोक सभ अहाँ सभ सँ भेंट क' क' पूछत जे, 'अहाँ सभ केकर छी आ अहाँ सभ कतय जा रहल छी, आ अहाँ सभ सँ पहिने ई सभ केकर अछि, तखन अहाँ सभ हुनका सभ केँ कहब जे, 'हम सभ याकूबक सेवक छी, आ हम सभ याकूबक सेवक छी, आ हम सभ शान्तिपूर्वक एसाव सँ भेंट करय लेल अबैत छी।" हमरा सभक पाछू आबि जाइत अछि।
45 हमरा सभक समक्ष जे किछु अछि, से याकूब द्वारा हुनकर भाय एसाव केँ पठाओल गेल उपहार अछि।
46 जँ ओ सभ अहाँ सभ केँ कहत जे, 'ओ अहाँ सभक पाछाँ किएक देरी करैत अछि, अपन भाय सँ भेंट कर' आ हुनकर मुँह देखबा मे, तखन अहाँ सभ हुनका सभ केँ कहब जे, 'ओ हमरा सभक पाछाँ हर्षित भ' क' अपन भाय सँ भेंट करय लेल आबि रहल छथि, कारण ओ कहलनि जे, 'हम हुनका लग जे उपहार भेटत ताहि सँ हुनका शान्त क' देबनि, आ एकर बाद हम हुनकर मुँह देखब, संभवतःओ हमरा स्वीकार क' लेताह।"
47 तेँ समस्त उपहार हुनकर नोकर सभक हाथ मे आबि गेल आ ओहि दिन हुनका आगू बढ़ि गेल आ ओहि राति ओ अपन डेरा सभक संग जाबुक नदीक सीमा मे ठहरल आ बीच राति मे उठि गेल आ अपन पत्नी आ अपन दासी नोकर सभ आ अपन सभटा सामान केँ लऽ कऽ ओहि राति ओकरा सभ केँ जाबुक धारक कात सँ गुजरि गेल।
48 जखन ओ अपन सभटा सामान धारक ओहि पार सँ गुजरि गेलाह तँ याकूब असगरे रहि गेलाह आ एक आदमी हुनका सँ भेंट कयलनि आ ओहि राति दिन भ' गेल तक हुनका संग कुश्ती लड़लनि आ याकूबक जाँघक खोखला हुनका संग कुश्ती करबाक कारणेँ जोड़ि सँ बाहर भ' गेलनि।
49 दिनक भोर मे ओ आदमी याकूब केँ ओतहि छोड़ि कऽ आशीष दऽ कऽ चलि गेलाह आ दिन भोर मे याकूब ओहि धार सँ गुजरि गेलाह आ ओ अपन जाँघ पर रुकि गेलाह।
50 जखन ओ धारक कात सँ गुजरि गेलाह तखन सूर्य उगैत गेलाह आ ओ अपन पशु आ बच्चा सभक स्थान पर चढ़ि गेलाह।
51 ओ सभ दुपहर धरि चलैत रहलाह आ जाबत ओ सभ जा रहल छलाह तखन हुनका सभक सोझाँ सँ उपहार चलि रहल छलनि।
52 याकूब आँखि उठा कऽ देखलक जे एसाव दूर सँ बहुतो लोकक संग आबि रहल छल, जे करीब चारि सय छल, आ याकूब अपन भाय सँ बहुत डेरा गेल छल।
53 याकूब जल्दी-जल्दी अपन बच्चा सभ केँ अपन स् त्रीगण आ दासी सभ मे बाँटि देलनि आ अपन बेटी दीना केँ एकटा संदूक मे राखि कऽ अपन नोकर सभक हाथ मे सौंप देलनि।
54 ओ अपन भाय सँ भेंट करबाक लेल अपन संतान-पत्नी सभक सोझाँ सँ गुजरि गेलाह, आ ओ जमीन पर प्रणाम कयलनि, हँ, ओ सात बेर प्रणाम कयलनि जाबत धरि ओ अपन भाय लग नहि पहुँचि गेलाह, आ परमेश् वर याकूब केँ एसाव आ हुनकर लोक सभक नजरि मे कृपा आ अनुग्रह पाबि देलनि, किएक तँ परमेश् वर याकूबक प्रार्थना सुनने छलाह।
55 परमेश् वरक स् वर्गदूत सभ एसावक संग जे काज केने छल, ताहि लेल याकूबक भय आ भयभीतता हुनकर भाय एसाव पर पड़ि गेलनि।
56 एसाव जखन याकूब केँ हुनका दिस दौड़ैत देखलनि तऽ ओ हुनका लग दौड़ल गेलाह आ ओ हुनका गला लगा लेलनि आ ओ हुनकर गरदनि पर खसि पड़लाह आ दुनू गोटे चुम्मा लेलनि आ कानय लगलाह।
57 परमेश् वर एसावक संग आयल लोक सभक हृदय मे याकूबक प्रति भय आ दया लगा देलनि आ ओ सभ याकूब केँ चुम्मा लेलनि आ गला लगा लेलनि।
58 एसावक पुत्र एलीफाज आ एसावक पुत्र चारि भाय सभक संग याकूबक संग कानैत रहलाह आ ओ सभ हुनका चुम्मा लेलनि आ गला लगा लेलनि, किएक तँ याकूबक भय हुनका सभ पर पड़ि गेल छलनि।
59 एसाव आँखि उठा कऽ देखलक जे याकूबक सन् तान सभक संग स् त्री सभ याकूबक पाछाँ-पाछाँ चलैत आ एसावक बाट पर प्रणाम कऽ रहल अछि।
60 एसाव याकूब केँ कहलथिन, "हे हमर भाइ, अहाँक संग ई के छथि?" की ओ सभ तोहर सन्तान अछि आकि तोहर नोकर? याकूब एसाव केँ उत्तर देलथिन, "ई सभ हमर संतान अछि, जे परमेश् वर अहाँक सेवक केँ कृपा कयलनि अछि।"
61 जखन याकूब एसाव आ ओकर आदमी सभ सँ गप्प क' रहल छलाह तखन एसाव पूरा डेरा केँ देखलनि आ याकूब केँ पुछलथिन, "काल्हि राति हमरा भेटल पूरा डेरा अहाँ केँ कतय सँ भेटल?" याकूब कहलथिन, "हमर प्रभुक नजरि मे अनुग्रह पाब' लेल परमेश् वर कृपापूर्वक अहाँक सेवक केँ देलनि।"
62 ओ उपहार एसावक सोझाँ आबि गेलाह आ याकूब एसाव केँ दबा कऽ कहलथिन, "हम अपन मालिकक समक्ष जे उपहार अनने छी से ल' लिअ। जे किछु अछि से अपना लेल राखू।
63 याकूब कहलथिन, "हम अहाँक मुँह देखि कऽ ई सभ देब हमरा पर अछि जे अहाँ एखनो शान्तिपूर्वक जीबैत छी।"
64 एसाव ओ उपहार लेबऽ सँ मना कऽ देलथिन आ याकूब हुनका कहलथिन, "हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे हमर मालिक, जँ आब हमरा अहाँक नजरि मे अनुग्रह भेटल अछि तँ हमर उपहार हमरा हाथ सँ लिअ, किएक तँ हम अहाँक मुँह देखलहुँ जेना हम कोनो देवता सन मुँह देखलहुँ, कारण अहाँ हमरा सँ प्रसन्न छलहुँ।"
65 एसाव ओ उपहार लऽ लेलक, आ याकूब एसाव केँ चानी, सोना आ बडली सेहो देलक, कारण ओ ओकरा एतेक दबा देलक जे ओ सभ ओकरा सभ केँ ल' लेलक।

66 एसाव डेरा मे राखल माल-जाल कैं बाँटि देलथिन आ आधा भाग अपना संग आयल लोक सभ कैं दऽ देलथिन, किएक तँ ओ सभ भाड़ा पर आबि गेल छल, आ आधा भाग ओ अपन बच्चा सभक हाथ मे सौंप देलनि।
67 ओ चानी आ सोना आ ब्देलियम अपन जेठ पुत्र एलीफाजक हाथ मे देलथिन आ एसाव याकूब कैं कहलथिन, "आउ, हम सभ अहाँक संग रहब, जाबत धरि अहाँ हमरा संग हमर स्थान पर नहि पहुँचब, ताबत धरि हम सभ धीरे-धीरे अहाँक संग चलब, जाहि सँ हम सभ ओतय एक संग रहब।"
68 याकूब अपन भाय कैं उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "हम हमर मालिक जेना कहैत छथि, तेना करब, मुदा हमर मालिक जनैत छथि जे बच्चा सभ कोमल होइत अछि, आ भैंड़ा आ भैंड़ा अपन बच्चा सभक संग जे हमरा संग अछि, मुदा धीरे-धीरे जाउ, किएक तँ जँ ओ सभ तेजी सँ चलि जायत तँ सभ मरि जायत, किएक तँ अहाँ सभ ओकर बोझ आ थकान कैं जनैत छी।"
69 तेँ हमर मालिक अपन नोकरक आगू बढ़ि जाउ आ हम बच्चा आ भैंड़ाक लेल धीरे-धीरे आगू बढ़ब जाबत हम अपन मालिकक स्थान सेइर नहि पहुँचब।
70 एसाव याकूब कैं कहलथिन, "हम अपना संग जे लोक सभ अछि, ओकरा सभ मे सँ किछु लोक कैं बाट मे राखि देब जे ओ अहाँक थकान आ भार उठाबथि, आ ओ कहलथिन, "हमर मालिक, जँ अहाँक नजरि मे कृपा भेटि जाय त' एकर की चाही?"
71 देखू, हम अहाँ लग सेइर आबि कऽ ओतय एक संग रहब जेना अहाँ कहलहुँ, तखन अहाँ अपन लोकक संग जाउ, किएक तँ हम अहाँक पाछाँ चलब।
72 याकूब एसाव कैं ई बात कहलनि जे एसाव आ ओकर आदमी सभ कैं ओकरा सँ हटा देल जाय, जाहि सँ याकूब बाद मे अपन पिताक घर कनान देश मे जा सकथि।
73 एसाव याकूबक आवाज सुनि लेलक आ एसाव ओहि चारि सय आदमीक संग जे चारि सय आदमीक संग सेइर जयबाक बाट मे घुरि गेलाह आ ओहि दिन याकूब आ ओकर सभटा लोक कनान देशक सीमा मे कनान देशक छोर धरि गेलाह आ किछु समय ओतहि रहलाह।

अध्याय 33

1 किछु समयक बाद याकूब ओहि देशक सीमा सँ चलि गेलाह आ ओ शालेम देश मे पहुँचलाह, जे कनान देश मे शेकेम नगर अछि, आ ओ शहरक सोझाँ मे विश्राम कयलनि।
2 ओ ओहि ठामक खेतक एकटा खेत, ओहि देशक हमोरक लोक सभ सँ पाँच शेकेल मे कीनि लेलनि।
3 याकूब ओतऽ अपना लेल घर बनौलनि आ ओतऽ ओ अपन डेरा ठाढ़ कयलनि आ अपन पशु सभक लेल बूथ बनौलनि, तेँ ओहि स्थानक नाम सुक्कोत रखलनि।
4 याकूब एक साल छह मास सुक्कोत मे रहलाह।
5 ओहि समय मे ओहि देशक निवासी मे सँ किछु महिला सभ शहरक लोकक बेटी सभक संग नाचय आ आनन्दित होबय लेल शेकेम नगर मे गेलीह, आ जखन ओ सभ बाहर निकललाह तखन याकूबक पत्नी राहेल आ लीआ सेहो अपन परिवारक संग ओहि नगरक बेटी सभक आनन्द देखय लेल गेलीह।
6 याकूबक बेटी दीना सेहो हुनका सभक संग जा कऽ नगरक बेटी सभ कैं देखलनि आ ओ सभ एहि बेटी सभक सोझाँ ओतहि रहि गेलाह, जखन कि नगरक सभ लोक हुनका सभक हर्ष देखबाक लेल हुनका सभक संग ठाढ़ छल आ नगरक सभ पैघ लोक सभ ओतहि छल।
7 ओहि देशक मुखिया हामोरक पुत्र शेकेम सेहो हुनका सभ कैं देखबाक लेल ठाढ़ छलाह।
8 शेकेम याकूबक बेटी दीना कैं नगरक बेटी सभक समक्ष अपन मायक संग बैसल देखलक आ ओ कन्या हुनका बहुत प्रसन्न कयलनि, आ ओतऽ ओ अपन मित्र सभ आ अपन लोक सभ सँ पुछलथिन, "ओ महिला सभक बीच बैसल ककर बेटी अछि, जकरा हम एहि नगर मे नहि जनैत छी?"
9 ओ सभ हुनका कहलथिन, "ई हिब्रू इसहाकक पुत्र याकूबक बेटी छथि, जे किछु समय सँ एहि नगर मे रहैत छथि, आ जखन ई खबरि आयल जे एहि देशक बेटी सभ आनन्दित होमय जा रहल छथि तखन ओ अपन माय आ नौकरानी सभक संग जेना अहाँ देखलहुँ, हुनका सभक बीच बैसय लेल गेलीह।"
10 शेकेम याकूबक बेटी दीना कैं देखलक आ जखन ओ ओकरा दिस तकलक तँ ओकर प्राण दीना पर टिकल।
11 ओ ओकरा जबरदस्ती पकड़बा लेल पठौलनि, तखन दीना शेकेमक घर आबि गेलीह आ ओ ओकरा जबरदस्ती पकड़ि लेलक आ ओकरा संग सुति क' ओकरा विनम्र क' देलक आ ओकरा सँ बहुत प्रेम कयलक आ ओकरा अपन घर मे राखि देलकैक।
12 ओ सभ जा कऽ याकूब कैं ई बात कहलथिन आ जखन याकूब सुनलनि जे शेकेम अपन बेटी दीना कैं अशुद्ध कऽ देने छथि, तखन याकूब अपन बारह नौकर कैं पठौलनि जे ओ सभ दीना कैं शेकेम घर सँ आनय।
13 जखन ओ सभ अयलाह तँ शेकेम अपन आदमी सभक संग हुनका सभक लग जा कए हुनका सभ कैं अपन घर सँ भगा देलकनि, मुदा ओ हुनका सभ कैं दीनाक सोझाँ आबय नहि देलनि, मुदा शेकेम दीनाक संग बैसल छलाह आ हुनका सभक आँखिक सोझाँ हुनका चुम्मा लैत आ गला लगा रहल छलाह।
14 याकूबक सेवक सभ घुरि कऽ आबि कऽ हुनका कहलथिन, "जखन हम सभ अयलहुँ तँ ओ आ ओकर आदमी सभ हमरा सभ कैं भगा देलक आ शेकेम हमरा सभक नजरि मे दीना कैं एना केलक।"
15 याकूब सेहो जनैत छलाह जे शेकेम अपन बेटी कैं अशुद्ध कऽ देने छथि, मुदा ओ किछु नहि बाजल, आ हुनकर बेटा सभ खेत मे अपन पशु-पक्षी चरबैत छल, आ याकूब घुरबा धरि चुप रहलाह।
16 अपन बेटा सभ घर एबा सँ पहिने याकूब अपन नौकर-चाकरक बेटी सभ मे सँ दू टा कन्या कैं पठौलनि जे ओ दीना कैं शेकेमक घर मे राखय आ ओकरा संग रहय, आ शेकेम अपन तीन टा मित्र कैं अपन पिता हमोर जे पेरेदक पुत्र किद्देकक पुत्र हामोर लग पठौलनि जे, "हमरा ई बच्ची कैं पत्नीक रूप मे आनि दिअ।"
17 हिवी चिद्देकमक पुत्र हमोर हुनकर पुत्र शेकेमक घर मे आबि हुनका आगू बैसलाह, तखन हमोर अपन पुत्र कैं कहलथिन, "शेकेम, "तखन की अहाँक लोकक बेटी मे एहन कोनो महिला नहि अछि जे अहाँ कोनो इब्रानी स् त्री कैं ल' ली जे अहाँक लोक मे सँ नहि अछि?"
18 शेकेम ओकरा कहलथिन, "हमरा लेल ओकरा मात्र भेटबाक चाही, किएक तँ ओ हमरा नजरि मे आनन्दित छथि। हामोर अपन

पुत्रक वचनक अनुसार काज केलक, किएक तँ ओ हुनका बहुत प्रिय छल।
19 हमोर याकूब लग एहि विषय मे गप्प करबाक लेल याकूब लग गेलाह आ जखन ओ अपन पुत्र शेकेमक घर सँ जा कऽ याकूब लग हुनका सँ गप्प करबाक लेल अयला सँ पहिने देखलनि जे याकूबक पुत्र सभ जहिना हामोरक पुत्र शेकेमक काज सुनलनि।
20 ओ सभ अपन बहिनक विषय मे बहुत दुखी भऽ गेलाह आ सभ अपन-अपन मवेशी जमा करबाक समय सँ पहिने क्रोध मे आगि लगा कऽ घर आबि गेलाह।
21 ओ सभ अपन पिताक सोझाँ आबि कऽ बैसल आ ओ सभ हुनका सँ क्रोधित भऽ कऽ कहलथिन, "सत्ते एहि आदमी आ ओकर घरक लोकक मृत्युक पात्र अछि, किएक तँ समस्त पृथ् वीक परमेश् वर नूह आ हुनकर सन् तान सभ कें आज्ञा देलनि जे मनुष् य कहियो लूट नहि करत आ ने व्यभिचार करत। आब देखू, शेकेम हमरा सभक बहिनक संग तबाही आ व्यभिचार सेहो केलक, आ नगरक सभ लोक मे सँ एको गोटे ओकरा सँ एको बात नहि बाजल।
22 अहाँ निश्चये जनैत छी आ बुझैत छी जे शेकेम आ ओकर पिता आ पूरा नगरक सजाय हुनका द्वारा कयल गेल अछि।
23 जखन ओ सभ एहि विषय मे अपन पिताक समक्ष गप्प कऽ रहल छलाह तखन देखू, शेकेमक पिता हामोर याकूब कें अपन पुत्रक दीनाक विषय मे कहबाक लेल आयल छलाह, आ ओ याकूब आ अपन पुत्र सभक समक्ष बैसल छलाह।
24 हामोर हुनका सभ कें कहलथिन, "हमर बेटा शेकेमक प्राण अहाँ सभक बेटीक लेल तरसैत अछि। हम आग्रह करैत छी जे अहाँ ओकरा पत्नीक रूप मे दऽ दियौक आ हमरा सभक संग विवाह करू। हमरा सभ कें अपन बेटी सभ दिअ आ हम सभ अहाँ सभ कें अपन बेटी सभ देब, आ अहाँ सभ हमरा सभक संग हमरा सभक देश मे रहब आ हम सभ ओहि देश मे एक लोक जकाँ रहब।
25 किएक तँ हमरा सभक देश बहुत विस्तृत अछि, तें अहाँ सभ ओहि मे रहू आ ओहि मे व्यापार करू आ ओहि मे सम्पत्ति प्राप्त करू आ ओहि मे जेना चाहैत छी तेना करू, आ अहाँ सभ कें एको बात कहि कऽ केओ नहि रोकत।
26 हामोर याकूब आ ओकर पुत्र सभ सँ गप्प करब छोड़ि देलक आ देखलहुँ जे ओकर पुत्र शेकेम हुनका पाछाँ आबि गेल छल आ ओ हुनका सभक सोझाँ बैसल छल।
27 शेकेम याकूब आ हुनकर बेटा सभक सोझाँ बजलाह, "हमरा अहाँ सभक नजरि मे अनुग्रह भेटय जे अहाँ हमरा अपन बेटी हमरा दऽ देब आ अहाँ हमरा जे किछु कहब से हम ओकरा लेल करब।"
28 हमरा सँ प्रचुर दहेज आ वरदान माँगू, हम ओकरा दऽ देब, आ अहाँ सभ हमरा जे किछु कहब जे हम करब, आ जे केओ अहाँक आदेशक विरुद्ध विद्रोह करत, ओ मरि जायत। मात्र पत्नीक लेल हमरा कन्या दिअ।
29 शिमोन आ लेवी धोखा सँ हमोर आ हुनकर पुत्र शेकेम कें उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ हमरा सभ सँ जे किछु कहलहुँ से हम सभ अहाँ सभक लेल करब।"
30 देखू, हमर बहिन अहाँक घर मे छथि, मुदा जाबत धरि हम सभ अपन पिता इसहाक कें एहि विषय मे नहि पठा देब, ता धरि हुनका सँ दूर रहू, कारण हुनकर सहमति बिना हम सभ किछु नहि क' सकैत छी।
31 किएक तँ ओ हमरा सभक पूर्वज अब्राहमक बाट जनैत छथि, आ ओ हमरा सभ कें जे किछु कहताह से हम सभ अहाँ सभ कें कहब, अहाँ सभ सँ किछु नहि नुका देब।
32 शिमोन आ लेवी एहि बात कें सिकेम आ ओकर पिता कें एहि बातक बहाना ताकबाक लेल कहलनि जे, एहि विषय मे शेकेम आ हुनकर नगरक संग की कयल जाय।
33 जखन शेकेम आ ओकर पिता शिमोन आ लेवीक बात सुनलनि तँ हुनका सभक नजरि मे नीक लागल आ शेकेम आ ओकर पिता घर जेबाक लेल निकललाह।
34 जखन ओ सभ गेलाह तँ याकूबक पुत्र सभ अपन पिता कें कहलथिन, "देखू, हम सभ जनैत छी जे एहि दुष्ट सभ आ हुनका सभक नगरक मृत्युक कारण अछि, किएक तँ ओ सभ ओहि बातक उल्लंघन कयलनि जे परमेश् वर नूह आ ओकर संतान आ ओकर बादक वंशज कें आज्ञा देने छलाह।
35 आ एहि लेल जे शेकेम हमरा सभक बहिन दीना कें अशुद्ध करबाक लेल ई काज कयलनि, कारण हमरा सभक बीच एहन नीचता कहियो नहि होयत।
36 आब जानि कऽ देखू जे अहाँ सभ की करब, आ एहि नगरक सभ निवासी कें मारबाक लेल हुनका सभक संग की कयल जायत से सलाह आ बहाना बनाउ।
37 शिमोन हुनका सभ कें कहलथिन, "अहाँ सभक लेल ई एकटा उचित सलाह अछि जे हुनका सभ कें कहि दिअ जे हमरा सभक खतना कयल गेल जेकाँ हुनका सभ मे सँ प्रत्येक पुरुषक खतना करू, आ जँ ओ सभ ई नहि करय चाहैत छथि तँ हम सभ अपन बेटी कें हुनका सभ सँ लऽ कऽ चलि जायब।"
38 जँ ओ सभ एहि काज करबाक लेल सहमत भऽ जायत आ काज करत तखन जखन ओ सभ पीड़ा सँ डूबि जायत तखन हम सभ ओकरा सभ पर अपन तलवार सँ आक्रमण करब, जेना कि एकटा शांत आ शांतिप्रिय व्यक्ति पर आक्रमण करब, आ ओकरा सभक बीचक प्रत्येक पुरुष कें मारि देब।
39 शिमोनक सलाह हुनका सभ कें नीक लगलनि आ सिमोन आ लेवी हुनका सभक संग जेना कहल गेल छलनि से करबाक लेल संकल्प कयलनि।
40 दोसर दिन भोरे शेकेम आ ओकर पिता हामोर याकूब आ ओकर पुत्र सभक लग फेर आबि गेलाह, जे ओ दीनाक विषय मे गप्प करथि आ सुनथि जे याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक बात पर की जवाब देथिन।
41 याकूबक बेटा सभ हुनका सभ कें छल-प्रपंच सँ कहलथिन, "हम सभ अपन पिता इसहाक कें अहाँक सभ बात कहलियनि आ अहाँक बात हुनका नीक लागलनि।"
42 मुदा ओ हमरा सभ सँ बजलाह, "अपन पिता अब्राहम हुनका समस्त पृथ्वीक प्रभु परमेश् वर दिस सँ एहि तरहें आज्ञा देलनि जे जे केओ अपन वंशज मे सँ नहि अछि जे अपन एकटा बेटी कें लऽ कऽ चाहय, ओ अपन प्रत्येक पुरुषक खतना कराबथि, जेना हमरा सभक खतना कयल गेल अछि, तखन हम सभ ओकरा अपन बेटी कें पत्नीक रूप मे दऽ सकब।"
43 आब हम सभ अपन पिता हमरा सभ सँ बजलाह सभ बाट अहाँ सभ कें बुझा देलहुँ, किएक तँ हम सभ ई काज नहि कऽ सकैत छी जे अहाँ हमरा सभ सँ कहलहुँ जे अपन बेटी कें खतना नहि कयल गेल आदमी कें दऽ सकब, कारण ई हमरा सभक लेल बेइज्जती अछि।

44 मुदा एहि मे हम सभ अहाँ सभ कें अपन बेटी देबाक लेल सहमति देब, आ अहाँ सभक बेटी सभ कें सेहो अपना लेल अपना लेल लऽ जायब, आ अहाँ सभक बीच रहब आ एक जाति बनि जायब जेना अहाँ सभ कहलहुँ, जँ अहाँ सभ हमरा सभक बात सुनब आ हमरा सभक समान बनबाक लेल सहमत होयब।
45 जँ अहाँ सभ हमरा सभक बात नहि मानब जे हमरा सभक आज्ञा जकाँ सभ पुरुषक खतना कराओल जाय, तखन हम सभ अहाँ सभक लग आबि कऽ अहाँ सभ सँ अपन बेटी कें लऽ कऽ चलि जायब।
46 शेकेम आ ओकर पिता हामोर याकूबक पुत्र सभक बात सुनि कऽ ओकरा सभ कें बहुत नीक लागल आ शेकेम आ ओकर पिता हामोर याकूबक पुत्र सभक इच्छा पूरा करबा मे जल्दी-जल्दी भऽ गेलाह, किएक तँ शेकेम कें दीना सँ बहुत प्रेम छलनि आ ओकर प्राण ओकरा पर कीलक लागल छलनि।
47 शेकेम आ ओकर पिता हामोर जल्दी-जल्दी नगरक फाटक पर पहुँचलाह आ ओ सभ अपन नगरक सभ लोक कें जमा कऽ याकूबक पुत्र सभक बात कहलथिन।
48 हम सभ याकूबक पुत्र सभ एहि लोक सभ लग आबि गेलहुँ आ हुनका सभक बेटीक विषय मे हुनका सभ सँ बात केलहुँ, आ ई लोकनि हमरा सभक इच्छानुसार काज करबाक लेल सहमति देथिन, आ देखू, हमरा सभक भूमि हुनका सभक लेल बहुत पैघ अछि, आ ओ सभ ओहि मे रहताह, आ ओहि मे व्यापार करताह, आ हम सभ एक लोक बनि जायब। हम सभ हुनका सभक बेटी सभ कें लऽ लेब आ अपन बेटी सभ कें हुनका सभ कें स् त्री मे दऽ देब।
49 मुदा एहि शर्त पर मात्र ई लोकनि ई काज करबाक लेल सहमत हेताह जे हमरा सभ मे सँ प्रत्येक पुरुषक खतना कयल जाय जेना ओकर खतना कयल गेल अछि, जेना ओकर परमेश्वर हुनका सभ कें आज्ञा देने छलाह, आ जखन हम सभ हुनका सभक खतना करबाक निर्देशक अनुसार कयल जाय, तखन ओ सभ हमरा सभक बीच अपन पशु आ सम्पत्तिक संग रहब आ हम सभ हुनका सभक संग एक लोक जकाँ रहब।
50 जखन नगरक सभ लोक शेकेम आ ओकर पिता हमोरक बात सुनलक तँ अपन नगरक सभ लोक एहि प्रस्ताव पर सहमत भऽ गेल आ ओ सभ खतना करबाक आज्ञा मानलक, किएक तँ शेकेम आ ओकर पिता हामोर एहि देशक राजकुमार रहबाक कारणेँ हुनका सभक द्वारा बहुत आदर छलनि।
51 दोसर दिन ओकर पिता शेकेम आ हामोर भोरे-भोर उठि कऽ अपन नगरक सभ आदमी कें नगरक बीचोबीच जमा कऽ लेलक आ याकूबक पुत्र सभ कें बजा लेलक, जे ओहि दिन आ दोसर दिन अपन सभ पुरुषक खतना करैत छल।
52 ओ सभ शेकेम आ ओकर पिता हमोर आ शेकेमक पाँच भाइ सभक खतना कऽ लेलक आ तखन सभ कियो उठि कऽ घर चलि गेल, किएक तँ ई बात प्रभुक दिस सँ शेकेम नगरक विरुद्ध छल आ एहि विषय मे सिमोनक सलाह प्रभुक दिस सँ छल, जाहि सँ प्रभु शेकेम नगर कें याकूबक दुनू बेटाक हाथ मे सौंपथि।

अध्याय 34

1 खतना कयल गेल सभ पुरुषक संख्या छह सौ पैंतालीस पुरुष आ दू सय छियालीस बच्चा छल।
2 मुदा हामोरक पिता पेरेदक पुत्र चिद्देकम आ ओकर छह भाय शेकेम आ ओकर पिता हमोरक बात नहि सुनय चाहैत छल आ ओकरा सभक खतना नहि होबय चाहैत छल, किएक तँ याकूबक पुत्र सभक प्रस्ताव हुनका सभक नजरि मे घृणित छल आ एहि बात सँ हुनका लोकनिक क्रोध बहुत भड़कि गेल छल जे शहरक लोक सभ हुनका सभक बात नहि सुनलक।
3 दोसर दिनक साँझ मे ओकरा सभ कें आठ टा छोट-छोट बच्चा भेटल जे खतना नहि भेल छल, कारण ओकर माय ओकरा सभ कें शेकेम आ ओकर पिता हमोर आ नगरक लोक सभ सँ नुका देने छल।
4 शेकेम आ ओकर पिता हमोर ओकरा सभ कें खतना करबाक लेल ओकरा सभक सोझाँ अनबाक लेल पठौलनि, तखन किद्देकम आ ओकर छह भाय तलवार सँ ओकरा सभ पर दौड़ि कऽ ओकरा सभ कें मारबाक प्रयास कयलक।
5 ओ सभ शेकेम आ ओकर पिता हमोर कें सेहो मारबाक प्रयास कयलनि आ एहि बातक कारणेँ ओ सभ अपना सभक संग दीना कें मारबाक प्रयास कयलनि।
6 ओ सभ हुनका सभ कें पुछलथिन, "अहाँ सभ ई की केलहुँ?" की अहाँ सभक भाइ कनानी सभक बेटी मे एहन कोनो स् त्री नहि अछि जे अहाँ सभ इब्रानी सभक बेटी सभ कें अपना लेल ल' लेब, जिनका अहाँ सभ पहिने नहि जनैत छलहुँ, आ ई काज करब जे अहाँ सभक पूर्वज सभ अहाँ सभ कें कहियो आज्ञा नहि देने छल?
7 की अहाँ कल्पना करैत छी जे अहाँ एहि काजक माध्यमे सफल होयब जे अहाँ केलहुँ? आ एहि विषय मे अहाँ अपन भाय कनान कें की उत्तर देब जे काल्हि आबि कऽ अहाँ सभ सँ एहि विषय मे पूछत?
8 जँ अहाँ सभक काज हुनका सभक नजरि मे न्यायसंगत आ नीक नहि देखायत तँ अहाँ सभ अपन प्राणक लेल आ हमरा सभक जीवनक लेल की करब, जखन कि अहाँ सभ हमरा सभक आवाज नहि सुनब?
9 जँ एहि देशक निवासी आ अहाँक सभ भाय हामक सन् तान अहाँ सभक ई बात सुनत।
10 एकटा इब्रानी स् त्रीक कारणेँ हुनकर पिता शेकेम आ हामोर आ अपन नगरक सभ निवासी सभ एहन काज केलक जकरा सँ ओ सभ अपरिचित छल आ जकर पूर्वज कहियो आज्ञा नहि देने छल, तखन अहाँ कतय उड़ब वा अपन लाज कतय नुका लेब, अहाँ सभक जीवन भरि अपन भाय सभक समक्ष, कनान देशक निवासी सभक समक्ष?
11 आब अहाँ सभक ई काज हम सभ सहन नहि कऽ सकैत छी आ ने हमरा सभ पर एहि जुआक बोझ नहि दऽ सकैत छी जे हमरा सभक पूर्वज हमरा सभ कें नहि आज्ञा देने छलाह।
12 देखू, काल्हि हम सभ जा कऽ अपन सभ भाय, कनानक भाय सभ कें एकत्रित करब, जे एहि देश मे रहैत छथि, आ हम सभ आबि कऽ अहाँ सभ कें आ अहाँ सभ पर भरोसा करयवला सभ कें मारि देब, जाहि सँ अहाँ सभ वा हुनका सभ मे सँ एको शेष नहि बचि जायत।
13 जखन हमोर आ ओकर पुत्र शेकेम आ नगरक सभ लोक किद्देकम आ ओकर भाय सभक बात सुनलक तँ ओ सभ हुनका सभक बात सुनि कऽ अपन जान सँ भयंकर भयभीत भऽ गेल।
14 शेकेम आ ओकर पिता हमोर अपन पिता किद्देकम आ ओकर भाय सभ कें उत्तर देलथिन आ ओ सभ हुनका सभ कें

कहलथिन, "अहाँ सभ जे बात हमरा सभ कैँ कहलहुँ से सभ सत्
य अछि।"
15 आब ई नहि कहब आ नहिये अहाँ सभक मोन मे ई कल्पना करू जे इब्रानी सभक प्रेमक कारणेँ हम सभ ई काज केलहुँ जे हमरा सभक पूर्वज सभ हमरा सभ कैँ नहि आज्ञा देने छलाह।
16 मुदा किएक तँ हम सभ देखलहुँ जे एहि शर्तक छोड़ि कऽ हुनका सभक बेटीक संबंध मे हमरा सभक इच्छा कैँ मानब हुनकर सभक इरादा आ इच्छा नहि छल, तैँ हम सभ हुनका सभक आवाज सुनलहुँ आ हुनका सभ सँ अपन इच्छा प्राप्त करबाक लेल ई काज कयल जे अहाँ सभ देखलहुँ।
17 जखन हम सभ हुनका सभ सँ अपन आग्रह प्राप्त कऽ लेब तखन हम सभ हुनका सभ लग घुरि कऽ हुनका सभक संग जे अहाँ सभ हमरा सभ कैँ कहब से करब।
18 तखन हम सभ अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे जाबत धरि हमर सभक शरीर ठीक नहि भऽ जायत आ हम सभ फेर सँ बलवान नहि भऽ जाय, ताबत धरि प्रतीक्षा करू आ ताबत धरि रहब।
19 याकूबक बेटी दीना ई सभ बात सुनि लेलक जे किद्देकम आ ओकर भाय सभ कहने छल आ हमोर आ ओकर पुत्र शेकेम आ अपन नगरक लोक सभ ओकरा सभ कैँ उत्तर देलक।
20 ओ जल्दी-जल्दी अपन एकटा कुमारि कन्या कैँ पठौलनि जे हुनकर पिता शेकेम घर मे हुनकर देखभाल करबाक लेल पठौने छलाह, हुनका अपन पिता याकूब आ अपन भाय सभ लग पठौलनि।
21 किद्देकम आ ओकर भाय सभ अहाँ सभक विषय मे एहि तरहेँ सलाह देलनि आ हामोर आ शेकेम आ नगरक लोक सभ हुनका सभ कैँ एहि तरहेँ उत्तर देलनि।
22 ई बात सुनि याकूब क्रोध सँ भरि गेलाह आ हुनका सभ पर क्रोधित भऽ गेलाह आ हुनका सभ पर हुनकर क्रोध प्रज्वलित भऽ गेलनि।
23 शिमोन आ लेवी शपथ खा कऽ कहलथिन, "जहिना परमेश्
वर, जे समस्त पृथ् वीक परमेश् वर जीबैत छथि, तेना काल्हि एहि समय धरि पूरा नगर मे कोनो शेष नहि रहि जायत।"
24 खतना नहि भेल बीस युवक नुका गेल छल आ ई युवक सभ शिमोन आ लेवीक संग लड़ि गेल छल आ सिमोन आ लेवी हुनका सभ मे सँ अठारह गोटे कैँ मारि देलक आ दू गोटे हुनका सभ सँ भागि गेलाह आ शहर मे किछु चूनक गड्ढा मे भागि गेलाह आ सिमोन आ लेवी हुनका सभ कैँ तकैत छलाह, मुदा हुनका सभ कैँ नहि पाबि सकलाह।
25 शिमोन आ लेवी नगर मे घुमैत रहलाह आ ओ सभ शहरक सभ लोक कैँ तलवारक धार मे मारि देलनि आ कियो नहि बचलनि।
26 नगरक बीच मे बहुत आशंका भेल आ नगरक लोकक चीत्कार स् वर्ग मे चढ़ि गेल आ सभ स् त्री-बच्चा सभ जोर-जोर सँ चिचिया उठल।
27 शिमोन आ लेवी समस्त नगर कैँ मारि देलक। पूरा शहर मे एकटा नर नहि बचल।
28 ओ सभ हामोर आ ओकर पुत्र शेकेम कैँ तलवारक धार मे मारि देलक आ ओ सभ दीना कैँ शेकेमक घर सँ लऽ कऽ ओतहि सँ चलि गेल।
29 याकूबक बेटा सभ जा कऽ घुरि कऽ मारल गेल लोक सभ पर आबि गेल आ ओकर सभटा सम् पति लूटि लेलक जे नगर आ खेत मे छल।
30 जखन ओ सभ लूट लऽ रहल छल तखन तीन सय आदमी ठाढ़ भऽ ओकरा सभ पर धूरा फेकि देलक आ पाथरसँ मारि देलक, तखन शिमोन ओकरा सभ दिस घुमि गेल आ ओ सभ ओकरा सभकैँ तलवारक धारसँ मारि देलक आ शिमोन लेवीक आगाँ घुमि कऽ शहरमे आबि गेल।
31 ओ सभ अपन बरद आ बैल आ माल-जाल आ शेष महिला आ छोट-छोट बच्चा सभ कैँ सेहो लऽ गेल आ ओ सभ एहि सभ कैँ लऽ गेल आ एकटा फाटक खोलि कऽ बाहर निकलि अपन पिता याकूब लग जोर-जोर सँ आबि गेल।
32 जखन याकूब हुनका सभक शहरक सभ काज देखलनि आ हुनका सभ सँ जे लूटपाट लेलनि, तकरा देखि याकूब हुनका सभ पर बहुत क्रोधित भ' गेलाह आ याकूब हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ हमरा संग ई की केलहुँ?" देखू, हम ओहि देशक कनान निवासी सभक बीच विश्राम पाबि गेलहुँ, आ हुनका सभ मे सँ कियो हमरा मे हस्तक्षेप नहि केलक।
33 आब अहाँ सभ हमरा ओहि देशक निवासी, कनान आ फरीजीक बीच अप्रिय बना देलहुँ, आ हम कम संख्या मे छी, आ ओ सभ हमरा विरुद्ध जमा भ' जायत आ जखन ओ सभ अपन भाय सभक संग अहाँक काजक बात सुनि हमरा मारि देत, आ हम आ हमर घरक लोक नष्ट भ' जायब।
34 शिमोन आ लेवी आ हुनका सभक संग हुनकर सभ भाय हुनका सभक पिता याकूब कैँ उत्तर देलथिन, "देखू, हम सभ एहि देश मे रहैत छी, आ की शेकेम हमरा सभक बहिनक संग एहन काज करत?" शेकेम जे काज केने अछि, से अहाँ किएक चुप छी? की ओ हमरा सभक बहिनक संग गली-गली मे वेश्या जकाँ व्यवहार करत?
35 शिमेओन आ लेवी जिनका सभ कैँ शेकेम नगर सँ बंदी बना लेलक, जिनका ओ सभ नहि मारलनि, से पचासी छल जे पुरुष कैँ नहि चिन्हने छल।
36 हुनका सभ मे एकटा सुन्दर रूप-रंग आ अनुग्रहित युवती छल, जकर नाम बुना छल, आ शिमोन ओकरा पत्नीक रूप मे ल' लेलक, आ जे पुरुष कैँ ओ सभ बंदी बना लेलक आ नहि मारलक, ओकर संख्या सत्तालीस पुरुष छल आ बाकी कैँ ओ सभ मारि देलक।
37 सिमोन आ लेवी जे सभ युवक-युवती सभ कैँ शेकेम नगर सँ बंदी बना लेने छल, याकूबक पुत्र सभ आ हुनका सभक बादक सन् तान सभक नौकर छल, जाबत धरि याकूबक पुत्र सभ मिस्र देश सँ निकलबाक दिन धरि।
38 जखन शिमोन आ लेवी नगर सँ बाहर निकललाह तखन ओ दुनू युवक जे नगर मे नुका कऽ नगर मे नुकायल छल आ नगरक लोकक बीच मे नहि मरि गेल छल, उठि गेल आ ई युवक सभ नगर मे जा कऽ ओहि मे घुमि गेल आ नगर कैँ बिना पुरुषक उजाड़ देखलक, आ मात्र स् त्रीगण सभ कानि रहल अछि आ ई युवक सभ चिचिया उठल आ कहलक जे, "देखू, ई युवक अछि।" जे अधलाह याकूब इब्रानीक पुत्र सभ एहि नगरक संग कयलनि जे आइ कनानक एकटा नगर कैँ नष्ट कऽ देलनि आ पूरा कनान देशक अपन जान सँ नहि डेरा गेलाह।
39 ई लोकनि नगर छोड़ि तपनाक नगर मे गेलाह आ ओ सभ तपनाक निवासी सभ कैँ हुनका सभ पर जे किछु भेल छलनि आ

याकूबक पुत्र सभ शेकेम नगर मे कयल गेल सभ काज केँ कहलथिन।
40 तापनाक राजा याशुब लग ई बात पहुँचलनि आ ओ ओहि युवक सभ केँ देखबाक लेल शेकेम नगर मे लोक सभ केँ पठौलनि, किएक तँ राजा हुनका सभ पर विश्वास नहि कयलनि जे, "शकेम सन पैघ नगर केँ दू गोटे कोना उजाड़ि सकैत छल?"
41 याशूबक दूत सभ घुरि कऽ हुनका कहलथिन, "हम सभ नगर मे आबि गेलहुँ आ ओ नष्ट भऽ गेल अछि, ओतय एको आदमी नहि अछि। केवल कानि रहल स्त्रीगण; आ ने ओतऽ कोनो भेँड़ा आ ने कोनो माल-जाल अछि, किएक तँ याकूबक पुत्र सभ ओहि नगर मे जे किछु छल, तकरा लऽ गेल छल।
42 याशूब एहि बात पर आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "एतेक पैघ शहर केँ नष्ट करबाक लेल दू गोटे ई काज कोना कऽ सकैत छल, जखन कि एक गोटे ओकरा सभक विरुद्ध ठाढ़ नहि भऽ सकैत छल?"
43 किएक तँ निमरोदक समयसँ एहन नहि भेल अछि आ सुदूर कालसँ सेहो एहन नहि भेल अछि। तपनाकक राजा याशूब अपन लोक सभ केँ कहलथिन, "साहस करू आ हम सभ जा कऽ एहि इब्रानी सभ सँ लड़ब आ ओकरा सभक संग ओहिना करब जेना ओ सभ शहरक संग केने छल, आ हम सभ नगरक लोक सभक काजक बदला लेब।"
44 तपनाकक राजा याशूब एहि विषय मे अपन सलाहकार सभ सँ परामर्श कयलनि आ हुनकर सलाहकार सभ हुनका कहलथिन, "अहाँ असगरे इब्रानी सभ पर विजय नहि पाबि सकब, किएक तँ हुनका सभ केँ ई काज पूरा नगर मे करबाक लेल सामर्थ्यवान हेबाक चाही।"
45 जँ ओकरा सभ मे सँ दू गोटे पूरा नगर केँ उजाड़ि देत आ कियो ओकरा सभक विरुद्ध नहि ठाढ़ भऽ जायत तँ जँ अहाँ ओकरा सभक विरुद्ध जायब तँ ओ सभ हमरा सभक विरुद्ध उठि कऽ हमरा सभ केँ सेहो ओहिना नष्ट कऽ देत।
46 मुदा जँ अहाँ हमरा सभक चारूकातक सभ राजा सभ केँ पठा देब आ ओकरा सभ केँ एक ठाम आबय देब तँ हम सभ ओकरा सभक संग जा कऽ याकूबक बेटा सभक संग लड़ब। तखन अहाँ हुनका सभ पर विजय प्राप्त करब।"
47 याशूब अपन सलाहकार सभक बात सुनलनि आ हुनकर सभक बात हुनका आ हुनकर लोक सभ केँ नीक लगलनि आ ओ एना कयलनि। तपनाक के राजा याशुब शेकेम आ तपनाक के घेरने अमोरी के सभ राजा सभ लग पठौलथिन।
48 हमरा संग जाउ आ हमरा सहायता करू, हम सभ इब्रानी याकूब आ हुनकर सभ पुत्र केँ मारि कऽ पृथ् वी पर सँ ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देब, किएक तँ ओ शेकेम नगरक संग एना कयलनि आ की अहाँ सभ केँ ई बात नहि बुझल अछि?
49 अमोरीक सभ राजा याकूबक पुत्र सभक द्वारा शेकेम नगरक संग जे अधलाह कयल गेल छल से सुनलनि आ ओ सभ बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
50 अमोरीक सातटा राजा अपन सभ सेनाक संग लगभग दस हजार आदमी तलवार लऽ कऽ जमा भऽ गेलाह। याकूब सुनलनि जे अमोरीक राजा सभ हुनकर पुत्र सभक विरुद्ध लड़बाक लेल जमा भ' गेल छथि, आ याकूब बहुत भयभीत भ' गेलाह आ ई बात हुनका परेशान कयलनि।
51 याकूब शिमोन आ लेवी पर चिचिया उठलनि, "अहाँ सभ ई काज की केलहुँ?" अहाँ हमरा किएक चोट पहुँचा देलहुँ जे हमरा आ हमर घरक लोक केँ नष्ट करबाक लेल कनानक सभ सन् तान केँ हमरा विरुद्ध आनि देलियैक? किएक तँ हम आ हमर घरक लोक विश्राम मे छलहुँ, आ अहाँ सभ हमरा संग एहन काज केलहुँ आ अपन काज सँ ओहि देशक निवासी सभ केँ हमरा पर क्रोधित केलहुँ।
52 यहूदा अपन पिता केँ उत्तर देलथिन, "की बेकार मे हमर भाय शिमोन आ लेवी शेकेम मे रहनिहार सभ लोक केँ मारि देलक?" निश्चित रूप सँ एकर कारण छल जे शेकेम हमरा सभक बहिन केँ नम्र बना देने छल आ हमरा सभक परमेश् वरक आज्ञा केँ नूह आ ओकर संतान सभ केँ तोड़ि देलक, किएक तँ शेकेम हमरा सभक बहिन केँ जबरदस्ती लऽ गेल आ ओकरा संग व्यभिचार केलक।
53 शेकेम ई सभ अधलाह काज केलक आ ओकर नगरक निवासी मे सँ कियो ओकरा मे हस्तक्षेप नहि केलक जे, "अहाँ ई किएक करब?" एहि लेल हमर भाय सभ जा कऽ ओहि नगर पर प्रहार कयलनि आ प्रभु ओकरा हुनका सभक हाथ मे सौंप देलनि, किएक तँ ओहि मे रहनिहार सभ हमरा सभक परमेश् वरक आज्ञाक उल्लंघन कयलनि। तखन की ई सभ काज बेकार मे भेल अछि?
54 आब अहाँ किएक डरैत छी वा व्यथित छी, आ हमर भाइ सभ पर अहाँ किएक नाराज छी आ हुनका सभ पर अहाँक क्रोध किएक प्रज्वलित अछि?
55 हमरा सभक परमेश् वर जे शेकेम नगर आ ओकर लोक केँ हुनका सभक हाथ मे सौंपने छथि, ओ हमरा सभक विरुद्ध आबि रहल सभ कनानी राजा सभ केँ सेहो हमरा सभक हाथ मे सौंपताह आ हम सभ हुनका सभक संग ओहिना करब जेना हमर भाय सभ शेकेम केँ कयलनि।
56 आब ओकरा सभक विषय मे शान्त रहू आ अपन भय केँ दूर करू, मुदा हमरा सभक परमेश् वर पर भरोसा करू आ हुनका सँ प्रार्थना करू जे ओ हमरा सभक सहायता करथि आ हमरा सभ केँ बचाबथि आ हमरा सभक शत्रु सभ केँ हमरा सभक हाथ मे सौंपी।
57 यहूदा अपन पिताक एकटा नोकर केँ कहलथिन, "आब जाउ आ देखू जे ओ राजा सभ जे हमरा सभक विरुद्ध आबि रहल छथि, सेना सभक संग कतय बैसल छथि।"
58 सेवक जा कऽ दूर तकलक आ सीहोन पहाड़क सोझाँ चढ़ि गेल आ राजा सभक सभटा डेरा खेत मे ठाढ़ देखलक आ ओ यहूदा घुरि कऽ कहलक, "देखू, राजा सभ अपन सभ खेमाक संग खेत मे बैसल छथि, समुद्रक कात मे बालु जकाँ बहुत बेसी लोक।"
59 यहूदा शिमोन आ लेवी आ ओकर सभ भाइ सभ केँ कहलथिन, "अपना सभ केँ मजबूत करू आ शौर्यक पुत्र बनू, किएक तँ हमरा सभक परमेश् वर प्रभु हमरा सभक संग छथि, हुनका सभ सँ नहि डेराउ।"
60 प्रत्येक आदमी अपन युद्धक हथियार, धनुष आ तलवार सँ बान्हल ठाढ़ भऽ जाउ, आ हम सभ जा कऽ एहि अखतना लोक सभ सँ लड़ब। प्रभु हमर सभक परमेश् वर छथि, ओ हमरा सभ केँ उद्धार करताह।
61 ओ सभ उठि गेल आ छोट-पैघ, याकूबक एगारहटा पुत्र आ याकूबक सभ नौकर सेहो अपन-अपन युद्धक हथियार पहिरने।
62 इसहाकक सभ नौकर जे इसहाकक संग हेब्रोन मे छल, सभ तरहक युद्धक औजार मे सजल-धजल हुनका सभक लग आबि गेलाह आ याकूबक पुत्र आ हुनकर नोकर सभ एक सय बारह

गोटे एहि राजा सभक दिस बढ़लाह आ याकूब सेहो हुनका सभक संग गेलाह।
63 याकूबक पुत्र सभ अपन पिता अब्राहमक पुत्र इसहाक कैँ हेब्रोन मे पठौलनि जे किरेत-अर्बा अछि।
64 हम सभ हमरा सभक लेल अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ विनती करू जे हमरा सभक विरुद्ध आबि रहल कनानी सभक हाथ सँ बचाउ आ ओकरा सभ कैँ हमरा सभक हाथ मे सौंपि दिअ।
65 अब्राहमक पुत्र इसहाक अपन पुत्र सभक लेल प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ कहलथिन, "हे प्रभु परमेश् वर, अहाँ हमर पिता सँ प्रतिज्ञा केने रही जे हम अहाँक वंशज कैँ स् वर्गक तारा जकाँ बढ़ा देब, आ अहाँ हमरा सेहो वचन देलहुँ आ अहाँ अपन वचन कैँ स्थापित करब, आब जखन कनानक राजा सभ एक ठाम आबि रहल छथि, जे हमर बच्चा सभक संग युद्ध करब, किएक तँ ओ सभ कोनो हिंसा नहि केलक।"
66 आब हे प्रभु परमेश् वर, समस्त पृथ् वीक परमेश् वर, एहि राजा सभक सलाह कैँ विकृत करू जे ओ सभ हमर पुत्र सभक संग नहि लड़य।
67 आ एहि राजा सभ आ हुनका लोकनिक लोकक हृदय कैँ हमर पुत्र सभक आतंक सँ प्रभावित करू आ हुनका सभक घमंड कैँ नीचाँ उतारि दियौक, जाहि सँ ओ सभ हमर पुत्र सभ सँ मुँह मोड़ि सकथि।
68 अपन मजबूत हाथ आ पसरल बाँहि सँ हमर पुत्र सभ आ ओकर नोकर सभ कैँ ओकरा सभ सँ बचाउ, किएक तँ ई सभ करबाक लेल अहाँक हाथ मे सामर्थ्य आ सामर्थ्य अछि।
69 याकूबक पुत्र सभ आ ओकर नोकर सभ एहि राजा सभ दिस गेलाह आ ओ सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर पर भरोसा कयलनि आ जाबत ओ सभ जा रहल छलाह ताबत हुनका सभक पिता याकूब सेहो प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ कहलनि, "हे प्रभु परमेश् वर, शक्तिशाली आ उदात्त परमेश् वर, जे प्राचीन दिन सँ ओतय सँ एखन धरि आ अनन्त काल धरि राज करैत छथि।
70 अहाँ ओ छी जे युद्ध कैँ भड़काबैत छी आ ओकरा समाप्त करैत छी, अहाँक हाथ मे ऊँच करबाक आ नीचाँ उतारबाक सामर्थ्य आ सामर्थ्य अछि। हे हमर प्रार्थना अहाँक सोझाँ स्वीकार्य हो जे अहाँ अपन दया सँ हमरा दिस घुमि जाउ, एहि राजा सभ आ हुनकर लोकक हृदय कैँ हमर पुत्र सभक आतंक सँ प्रभावित करू, आ हुनका सभ कैँ आ हुनकर सभक शिविर कैँ आतंकित करू, आ अहाँक बहुत दया सँ अहाँ पर भरोसा करयवला सभ कैँ उद्धार करू, कारण, अहाँ छी जे लोक कैँ हमरा सभक अधीन आनि सकैत छी आ हमरा सभक सत्ता मे जाति कैँ कम क' सकैत छी।

अध्याय 35

1 अमोरीक सभ राजा सभ आबि कऽ मैदान मे ठाढ़ भऽ गेलाह जे याकूबक पुत्र सभक संग की हेबाक चाही से अपन सलाहकार सभ सँ विचार-विमर्श करथि, किएक तँ ओ सभ एखनो हुनका सभ सँ डरैत छलाह जे, "देखू, ओ सभ मे सँ दू गोटे पूरा शेकेम नगर कैँ मारि देलक।"
2 प्रभु इसहाक आ याकूबक प्रार्थना सुनलनि आ एहि सभ राजा सभक सलाहकार सभक हृदय मे बहुत भय आ भयभीत भ' गेलाह जे ओ सभ सर्वसम्मति सँ उद्घोष कयलनि।
3 की अहाँ सभ आइ मूर्ख छी वा अहाँ सभ मे कोनो ई बुझल नहि अछि जे अहाँ इब्रानी सभ सँ लड़ब, आ आइ अहाँ सभ अपन विनाश मे किएक आनन्दित होयब?
4 देखू, ओहि मे सँ दू गोटे बिना कोनो भय आ भयभीत केने शेकेम नगर मे आबि गेलाह, आ ओ सभ ओहि नगरक सभ निवासी कैँ मारि देलक, जाहि सँ कियो हुनका सभक विरुद्ध नहि ठाढ़ भ' सकल, आ अहाँ सभ हुनका सभक संग कोना लड़ि सकब?
5 अहाँ सभ जनैत छी जे हुनका सभक परमेश् वर हुनका सभ सँ बहुत प्रेम करैत छथि आ हुनका सभक लेल एहन पराक्रमी काज केने छथि जे पहिने सँ नहि कयल गेल छल आ जाति सभक सभ देवता सभ मे हुनकर पराक्रमी काज जकाँ कियो नहि कऽ सकैत अछि।
6 ओ हुनका सभक पिता अब्राहम इब्रानी कैँ निमरोदक हाथ सँ आ हुनकर सभ लोकक हाथ सँ बचा लेलनि जे कतेको बेर हुनका मारबाक प्रयास केने छल।
7 ओ ओकरा ओहि आगि सँ बचा लेलक जाहि मे राजा निमरोद ओकरा फेकि देने छलैक आ ओकर परमेश् वर ओकरा ओहि आगि सँ मुक्त कऽ देलकैक।
8 आ एहन के क' सकैत अछि? निश्चय इब्राहीम छलाह जे एलामक पाँचटा राजा कैँ मारि देलनि, जखन ओ सभ अपन भायक पुत्र कैँ छूबि लेलनि जे ओहि समय मे सदोम मे रहैत छलाह।
9 ओ अपन घर मे विश् वासी सेवक कैँ आ ओकर किछु आदमी कैँ लऽ कऽ एक राति मे एलामक राजा सभक पाछाँ-पाछाँ मारि देलक आ ओकरा सभ कैँ मारि देलक।
10 अहाँ सभ जनैत छी जे एहि इब्रानी सभक परमेश् वर हुनका सभ पर बहुत प्रसन्न छथि, आ ओहो सभ हुनका सभ पर प्रसन्न छथि, किएक तँ ओ सभ जनैत छथि जे ओ हुनका सभ कैँ हुनका सभक सभ शत्रु सभ सँ मुक्त कयलनि।
11 देखू, अब्राहम अपन परमेश् वरक प्रति प्रेमक कारणेँ अपन एकलौता आ अनमोल पुत्र कैँ लऽ कऽ अपन परमेश् वरक होमबलि बनाबऽ चाहलक, आ जँ परमेश् वर हुनका ई काज करबा सँ नहि रोकने रहितथि तँ ओ अपन परमेश् वरक प्रति प्रेमक कारणेँ ई काज कऽ लेने रहितथि।
12 परमेश् वर हुनकर सभ काज देखि हुनका शपथ लेलनि आ प्रतिज्ञा कयलनि जे ओ अपन पुत्र सभ आ ओकर सभ वंशज कैँ हुनका सभ पर जे कोनो विपत्ति आओत ताहि सँ बचा लेताह, किएक तँ ओ ई काज कयलनि आ अपन परमेश् वरक प्रति प्रेमक कारणेँ अपन संतानक प्रति दया कैँ दबा देलनि।
13 की अहाँ सभ ई नहि सुनने छी जे हुनका सभक परमेश् वर मिस्रक राजा फिरौन आ गेरारक राजा अबीमेलेक संग की कयलनि, जे अब्राहमक स् त्री कैँ पकड़ि लेलनि, जे हुनका बारे मे कहने छलीह, "ओ हमर बहिन छथि, जाहि सँ ओ सभ हुनकर कारणेँ हुनका मारि कऽ हुनका स् त्री बनाबऽ नहि सोचि सकथि?" परमेश् वर हुनका सभ कैँ आ हुनका सभक लोकक संग ओ सभ काज कयलनि जे अहाँ सभ सुनलहुँ।
14 हम सभ अपन आँखि सँ देखलहुँ जे याकूबक भाय एसाव चारि सय आदमीक संग हुनका मारबाक इरादा सँ हुनका लग आयल छलाह, कारण ओ मोन पाड़लनि जे ओ हुनका सँ अपन पिताक आशीर्वाद छीनि लेने छलाह।

15 जखन ओ सीरिया सँ आयल छलाह तखन हुनका सँ भेंट कर' लेल गेलाह, जाहि मे ओ बच्चा सभक संग माय कैँ मारि देथिन, आ हुनकर परमेश् वर कैँ छोड़ि के हुनका हाथ सँ बचा लेलकनि, जिनका पर ओ भरोसा करैत छलाह? ओ ओकरा अपन भाइक हाथ सँ आ शत्रु सभक हाथ सँ सेहो बचा लेलक, आ निश्चित रूप सँ ओ फेर सँ ओकर रक्षा करत।
16 के नहि जनैत अछि जे हुनका सभक परमेश् वर हुनका सभ कैँ सामर्थ् य सँ प्रेरित कयलनि जे ओ सभ शेकेम नगरक संग ओ अधलाह काज करथि जे अहाँ सभ सुनलहुँ?
17 तखन की हुनका सभक बल सँ दू आदमी शेकेम सन पैघ नगर कैँ नष्ट कऽ सकैत छल, जँ हुनकर परमेश् वर नहि रहितथि, जिनका पर ओ सभ भरोसा करैत छलाह? ओ हुनका सभ कैँ ई सभ बात कहि कऽ हुनका सभक नगर मे रहनिहार सभ कैँ मारि देबाक लेल कयलनि।
18 तखन की अहाँ ओहि सभ पर विजय पाबि सकैत छी जे अहाँक नगर सँ एक संग समस्त लोकक संग लड़य लेल निकलल अछि, भले हजार गुना बेसी लोक अहाँक सहायता मे आबि जाय?
19 अहाँ सभ निश्चय जनैत छी आ बुझैत छी जे अहाँ सभ हुनका सभक संग लड़य लेल नहि अबैत छी, बल् कि अहाँ सभ हुनका सभक परमेश् वर सँ युद्ध मे अबैत छी जे हुनका सभ कैँ चुनने छलाह, आ तेँ अहाँ सभ आइ नष्ट होमऽ लेल आयल छी।
20 आब अहाँ सभ एहि दुष् टता सँ परहेज करू जे अहाँ सभ अपना पर अनबाक प्रयास कऽ रहल छी, तखन अहाँ सभक लेल नीक होयत जे अहाँ सभ हुनका सभक संग युद्ध मे नहि जायब, यद्यपि ओ सभ संख्या मे कम अछि, किएक तँ हुनकर सभक परमेश् वर हुनका सभक संग छथि।
21 अमोरीक राजा सभ जखन अपन सलाहकार सभक सभ बात सुनलनि तँ हुनका सभक मोन आतंकित भऽ गेलनि आ ओ सभ याकूबक पुत्र सभ सँ डेरा गेलाह आ हुनका सभ सँ लड़य नहि चाहैत छलाह।
22 ओ सभ अपन सलाहकार सभक बात पर कान झुका लेलक आ ओकर सभ बात सुनलक आ सलाहकार सभक बात राजा सभ कैँ बहुत नीक लागल आ ओ सभ एना केलक।
23 राजा सभ घुमि कऽ याकूबक पुत्र सभ सँ परहेज कयलनि, किएक तँ ओ सभ हुनका सभ लग युद्ध करबाक हिम्मत नहि कयलनि, कारण ओ सभ हुनका सभ सँ बहुत डरैत छलाह आ हुनका सभक भय सँ हुनका सभक हृदय पिघलि गेलनि।
24 ई बात परमेश् वरक दिस सँ हुनका सभ लग आबि गेलनि, किएक तँ ओ अपन सेवक इसहाक आ याकूबक प्रार्थना सुनलनि, किएक तँ ओ सभ हुनका पर भरोसा करैत छलाह। ओहि दिन ई सभ राजा अपन-अपन डेरा ल' क' अपन-अपन नगर मे घुरि गेलाह, मुदा ओहि समय मे याकूबक पुत्र सभ सँ लड़ल नहि छल।
25 याकूबक पुत्र सभ ओहि दिन साँझ धरि सीहोन पहाड़क सोझाँ ठाढ़ रहलाह आ ई देखि जे ई राजा सभ हुनका सभक विरुद्ध लड़बाक लेल नहि अयलाह, तखन याकूबक पुत्र सभ अपन घर घुरि गेलाह।

अध्याय 36

1 ओहि समय परमेश् वर याकूब कैँ प्रगट कयलनि, "उठू, बेथेल जाउ आ ओतहि रहू, आ ओतय प्रभुक लेल एकटा वेदी बनाउ जे अहाँ कैँ प्रकट होइत छथि, जे अहाँ कैँ आ अहाँक पुत्र सभ कैँ कष्ट सँ मुक्त कयलनि।"
2 याकूब अपन पुत्र सभ आ अपन सभटा सामानक संग उठि गेलाह आ प्रभुक वचनक अनुसार बेथेल गेलाह।
3 जखन याकूब बेथेल गेलाह तखन याकूब उननबे वर्षक छलाह आ याकूब आ हुनकर पुत्र सभ आ हुनका संग रहनिहार सभ लोक लूज मे बेथेल मे रहलाह आ ओतहि ओ प्रभुक लेल एकटा वेदी बनौलनि जे हुनका प्रकट भेलाह आ याकूब आ हुनकर बेटा सभ छह मास धरि बेथेल मे रहलाह।
4 ओहि समय मे याकूबक संग रहनिहार रिबेकाक परिचर उजक बेटी दबोरा मरि गेलीह। याकूब ओकरा बेथेल के नीचाँ ओतऽ एकटा ओक गाछक नीचा गाड़ि देलकैक।
5 ओहि समय मे याकूबक माय बेथुएलक पुत्री रिबेका सेहो ओहि समय मे हेब्रोन मे मरि गेलीह, जे किरेत-अर्बा अछि, आ ओकरा मकपेलाक गुफा मे दफना देल गेलनि जे अब्राहम हेतक सन् तान सभ सँ कीनने छलाह।
6 रिबेकाक जीवन एक सय तेतीस वर्ष भेल आ ओ मरि गेलीह आ जखन याकूब सुनलनि जे हुनकर माय रेबेका मरि गेल छथि तखन ओ अपन मायक लेल कटु कानय लगलाह आ हुनका लेल आ ओक गाछक नीचाँ हुनकर पोषक दबोराक लेल बहुत शोक व्यक्त कयलनि आ ओहि स्थानक नाम एलन-बचुथ रखलनि।
7 ओहि समय मे अरामी लाबान मरि गेलाह, किएक तँ परमेश् वर हुनका मारि देलथिन, किएक तँ ओ हुनका आ याकूबक बीच जे वाचा छल, ओकर उल्लंघन कयलनि।
8 जखन परमेश् वर हुनका लग प्रगट भऽ हुनका आशीर्वाद देलनि आ हुनकर नाम इस्राएल रखलनि तखन याकूब सौ वर्षक छलाह आ ओहि समय मे याकूबक पत्नी राहेल गर्भवती भऽ गेलीह।
9 ओहि समय मे याकूब आ ओकर सभ लोक बेथेल सँ अपन पिताक घर हेब्रोन जेबाक लेल विदा भेलाह।
10 जखन ओ सभ बाट पर जाइत छलाह आ एफ्रात पहुँचबाक लेल एखन किछुए बाट छल, तखन राहेल एकटा बेटाक जन्म देलनि आ हुनका कठिन परिश्रम भेलनि आ ओ मरि गेलीह।
11 याकूब ओकरा एफ्रातक बाट मे गाड़ि देलथिन, जे बेतलेहेम अछि, आ ओकर कब्र पर एकटा खंभा ठाढ़ कयलनि, जे आइ धरि ओतहि अछि। राहेलक दिन पैंतालीस वर्ष छल आ ओ मरि गेलीह।
12 याकूब अपन पुत्रक नाम रखलनि जे राहेल हुनका लेल जनमलनि, किएक तँ ओ दहिना कातक देश मे जन्म लेने छलाह।
13 राहेलक मृत्युक बाद याकूब ओकर दासी बिलहाक डेरा मे अपन डेरा ठाढ़ कयलनि।
14 एहि कारणेँ रूबेन कैँ अपन माय लीआ सँ ईर्ष्या भेलनि आ ओ क्रोध सँ भरि गेलाह आ ओ अपन क्रोध मे उठि गेलाह आ बिलाहक डेरा मे गेलाह आ ओतहि सँ ओ अपन पिताक ओछाओन हटा देलनि।
15 ओहि समय मे राजसी आ पुरोहितक पदक संग ज्येष्ठताक भाग रूबेनक पुत्र सभ सँ हटि गेल, कारण ओ अपन पिताक बिछौन कैँ अपवित्र कऽ देने छलाह, आ जन् मक अधिकार यूसुफ कैँ देल गेलनि, राजकीय पद यहूदा कैँ आ पुरोहितक पद लेवी कैँ देल गेलनि, कारण रूबेन अपन पिताक बिछौन कैँ अशुद्ध कएने छलाह।

16 ई सभ याकूबक पीढ़ी छथि जे हुनका पादान-अराम मे भेल छलनि आ याकूबक पुत्र बारह छलाह।
17 लीआक पुत्र सभ पहिल पुत्र रूबेन आ शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकर, जबूलून आ हुनका लोकनिक बहिन दीना छलनि। राहेलक पुत्र यूसुफ आ बिन्यामीन छल।
18 लीआक दासी जिल्पाक पुत्र गाद आ आशेर आ राहेलक दासी बिलहाक पुत्र दान आ नफ्ताली छल। ई याकूबक पुत्र सभ छथि जे हुनका पदान-अराम मे भेलनि।
19 याकूब आ हुनकर पुत्र सभ आ हुनकर सभटा स्पत्नी मम्रे पहुँचलाह, जे किरेत-अर्बा अछि, जे हेब्रोन मे अछि, जतऽ अब्राहम आ इसहाक प्रवास करैत छलाह, आ याकूब अपन पुत्र सभ आ हुनकर सभटा लोकक संग हेब्रोन मे अपन पिताक संग रहि गेलाह।
20 हुनकर भाय एसाव आ हुनकर पुत्र सभ आ हुनकर सभ लोक सेइर देश मे गेलाह आ ओतहि रहि गेलाह आ सेइर देश मे सम्पत्ति छलनि आ एसावक सन् तान सभ सेइर देश मे बहुत बढ़ि गेलनि।
21 ई सभ एसावक पुत्र सभ अछि जे हुनका कनान देश मे भेल छलनि आ एसावक बेटा पाँच छल।
22 आदा एसावक लेल अपन पहिल पुत्र एलीफाजक जन्म देलनि आ ओ हुनका रयूएलक जन्म देलनि आ अहलीबामा हुनका लेल जेउश, यालाम आ कोरहक जन्म देलनि।
23 ई सभ एसावक संतान सभ छथि जे हुनका कनान देश मे जनमलनि। एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र तेमान, ओमर, सफो, गाताम, केनाज आ अमालेक्स, आ रुआएलक पुत्र नकत, जेराक, शामा आ मिज्जा छल।
24 यहूशक पुत्र तिम्रा, अल्वा, जेतेत। यालामक पुत्र आला, फिनोर आ केनाज छल।
25 कोरहक पुत्र छलाह तेमान, मिब्जार, मगदीएल आ एराम। ई सभ एसावक पुत्र सभक वंशज अछि जे सेइर देश मे अपन राजकीय राज्यक अनुसार अछि।
26 ई सभ सेइर होरीक पुत्र सभक नाम अछि, जे सेइर, लोतान, शोबल, सिबियोन, आना, दीशान, एजर आ डिशोन देश मे रहनिहार सातटा पुत्र छल।
27 लोटानक संतान होरी, हेमान आ ओकर बहिन तिम्रा छल, तिम्रा जे याकूब आ ओकर बेटा सभ लग आबि गेल छलीह, आ ओ सभ हुनकर बात नहि सुनय चाहैत छलाह, आ ओ जा कए एसावक पुत्र एलीफाजक उपपत्नी बनि गेलीह आ हुनका लेल अमालेक जन्म देलनि।
28 शोबलक पुत्र अलवान, मनहत, एबल, शेफो आ ओनाम आ सिबोनक पुत्र अजाह आ आना छल, ई ओ आना छल जे जंगल मे यमीम सभ कैँ पाबि गेल छल जखन ओ अपन पिता सिबोनक गदहा सभ कैँ खुआबैत छल।
29 जखन ओ अपन पिताक गदहा सभ कैँ खुआबैत छलाह तखन ओ ओकरा सभ कैँ अलग-अलग समय मे जंगल मे ल' जाइत छलाह जे ओकरा सभ कैँ खुआबथि।
30 एक दिन ओ ओकरा सभ कैँ समुद्रक कात मे, लोक सभक जंगलक सोझाँ, समुद्रक कात मे एकटा मरुभूमि मे अनलनि, आ जखन ओ ओकरा सभ कैँ भोजन करैत छल, तखन समुद्रक दोसर कात सँ एकटा बहुत भारी तूफान आबि गेल आ ओतय भोजन करयवला गदहा सभ पर आबि गेल आ सभ ठाढ़ भ' गेल।
31 तकर बाद समुद्रक दोसर कातक जंगलसँ करीब एक सय बीसटा पैघ-पैघ आ भयावह जानवर निकलल आ सभ ओहि ठाम पहुँचि गेल जतय गदहा सभ छल आ ओतहि रहि गेल।
32 ओ जानवर सभ बीचसँ नीचाँ मनुक्खक सन्तानक आकारक छल आ बीचसँ ऊपर धरि किछु भालूक उपमा आ किछु किखासक समान, पाछूसँ कान्हक बीचसँ पूँछ धरती धरि पहुँचि गेल छल, आ ई जानवर सभ आबि कऽ एहि गदहा सभ पर चढ़ि कऽ चढ़ि कऽ ओकरा सभकैँ दूर कऽ देलक आ ओ सभ चलि गेल आइ धरि दूर अछि।
33 ओहि मे सँ एकटा जानवर आना लग आबि कऽ ओकर पूँछ सँ मारि देलक आ फेर ओहि ठाम सँ भागि गेल।
34 ई काज देखि ओ अपन जान सँ बहुत डेरा गेलाह आ भागि कऽ शहर दिस भागि गेलाह।
35 ओ अपन पुत्र आ भाइ सभ कैँ अपन सभ घटनाक बात सुनौलनि, आ बहुतो लोक गदहा सभ कैँ ताकय गेलाह मुदा ओकरा सभ कैँ नहि भेटलनि, आ आना आ ओकर भाय सभ ओहि ठाम सँ आगू नहि गेलाह, किएक तँ ओ सभ अपन जान सँ बहुत डेरा गेलाह।
36 सेइरक पुत्र अनाक संतान डिशोन आ ओकर बहिन अहलीबामा आ डिशोनक संतान हेमदान, एशबान, इथ्रान आ चेरान, एजेरक संतान बिलहान, ज़ावान आ अकन, आ डिशोनक संतान उज आ अरान।
37 ई सभ सेइर होरीक वंशजक वंशज सभ अछि, जे सेइर देश मे अपन राजकीय राज्यक अनुसार।
38 एसाव आ ओकर सन् तान सभ ओहि देशक निवासी सेइर होरीक देश मे रहैत छलाह आ ओहि मे हुनका सभक सम् पत्ति छलनि आ ओ सभ प्रसव बढ़लाह आ बहुत बढ़ैत गेलाह आ याकूब आ हुनकर सन् तान सभ आ हुनका सभक सभ लोक अपन पिता इसहाकक संग कनान देश मे रहि गेलाह, जेना प्रभु हुनका सभक पिता अब्राहम कैँ आज्ञा देने छलाह।

अध्याय 37

1 याकूबक जीवनक एक सय पाँचम वर्ष मे याकूब अपन सन्तान सभक संग कनान देश मे रहबाक नवम वर्ष मे ओ पदान-अराम सँ आबि गेलाह।
2 ओहि दिन मे याकूब अपन बच्चा सभक संग हेब्रोन सँ विदा भेलाह आ ओ सभ आ अपन सभटा लोक सभ शेकेम नगर मे घुरि गेलाह आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह, किएक तँ याकूबक सन् तान सभ कैँ शेकेम नगर मे अपन पशु सभक लेल नीक आ मोटका चारागाह भेटल छलनि, जखन कि शेकेम नगरक पुनर्निर्माण भेल छल, आ ओहि मे करीब तीन सय पुरुष आ महिला छल।
3 याकूब आ ओकर सन्तान आ ओकर सभटा ओहि खेत मे रहि गेलाह जे याकूब शेकेमक पिता हमोर सँ कीनने छलाह, जखन ओ पादान-अराम सँ अयलाह, जखन कि शिमोन आ लेवी नगर पर प्रहार कयलनि।
4 कनान आ अमोरीक सभ राजा जे शेकेम नगर कैँ घेरने छल, से सुनलक जे याकूबक पुत्र सभ फेर सँ शेकेम आबि ओतहि रहि गेल अछि।
5 ओ सभ पुछलथिन, "की इब्रानी याकूबक पुत्र सभ ओहि शहर मे आबि कऽ ओहि मे रहि जेताह? की आब ओ सभ घुरि कऽ

नगर मे रहनिहार सभ केँ सेहो भगा देत वा ओकरा सभ केँ मारि देतैक?
6 कनानक सभ राजा फेर जमा भऽ गेलाह आ याकूब आ हुनकर पुत्र सभक संग युद्ध करऽ लगलाह।
7 तपनाकक राजा याशूब अपन पड़ोसी सभ राजा सभ, गाशक राजा एलान, शिलोक राजा इहुरी, चजारक राजा पराथोन, सरतोनक राजा सूसी, बेतचोरानक राजा लाबान आ ओथनय-माहक राजा शबीर केँ ई कहैत पठौलनि।
8 हमरा लग आबि कऽ हमरा सहायता करू, आ हम सभ याकूब इब्रानी आ ओकर पुत्र सभ आ ओकर सभटा केँ मारि दऽ दिअ, किएक तँ ओ सभ फेर शेकेम आबि गेल अछि जे ओ सभ पहिने जकाँ ओकरा अपन कब्जा मे लेबऽ आ ओकर निवासी सभ केँ मारि देब।
9 ई सभ राजा सभ एक ठाम जमा भऽ अपन सभ शिविरक संग आबि गेलाह, समुद्रक कात मे बालु जकाँ बहुत प्रचुर प्रजा आ सभ तपनाचक विपरीत छल।
10 तपनाक राजा याशुब अपन समस्त सेनाक संग हुनका सभक लग गेलाह आ ओ हुनका सभक संग नगरक बाहर तपनाकक सोझाँ डेरा खसा देलनि आ एहि सभ राजा सभ केँ सात गोट मे बाँटि देलनि आ याकूबक पुत्र सभक विरुद्ध सात टा डेरा बनि गेलाह।
11 ओ सभ याकूब आ हुनकर पुत्र केँ एकटा घोषणा पत्र पठौलनि जे, "अहाँ सभ हमरा सभ लग आबि कऽ मैदान मे एक संग बातचीत कऽ कऽ शेकेमक लोक सभक बदला ली, जिनका सभ केँ अहाँ सभ हुनका सभक नगर मे मारि देलहुँ, आ आब फेर शेकेम नगर मे घुरि कऽ ओहि मे रहब आ पहिने जकाँ ओहि ठामक निवासी सभ केँ मारि देब।"
12 याकूबक पुत्र सभ ई बात सुनि कनानक राजा सभक वचन पर हुनका सभक क्रोध बहुत भड़कि उठलनि आ याकूबक दसटा पुत्र सभ जल्दी-जल्दी उठि गेलाह आ प्रत्येक गोटे अपन-अपन युद्धक हथियार पहिरने छलाह। आ हुनका सभक संग एक सय दू नौकर सेहो युद्धक सन् गण मे सुसज्जित छल।
13 ई सभ लोक याकूबक पुत्र सभ अपन नोकर सभक संग एहि राजा सभ दिस बढ़लाह, आ हुनकर सभक पिता याकूब हुनका सभक संग छलाह आ सभ शेकेमक ढेर पर ठाढ़ भ' गेलाह।
14 याकूब अपन पुत्र सभक लेल प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि, आ ओ प्रभुक दिस हाथ पसारि देलनि आ कहलनि, "हे परमेश् वर, अहाँ सर्वशक्तिमान परमेश् वर छी, अहाँ हमर सभक पिता छी, अहाँ हमरा सभ केँ बनौने छी आ हम सभ अहाँक हाथक काज छी। हम आग्रह करैत छी जे हमर पुत्र सभ केँ अपन दया सँ ओकर शत्रु सभक हाथ सँ बचाउ, जे आइ ओकरा सभक संग लड़य आ ओकरा सभक हाथ सँ बचाबय लेल आबि रहल अछि, किएक तऽ तोहर हाथ मे सामर्थ्य आ पराक्रम अछि, जे किछु लोक केँ बहुतो लोक सँ बचाबी।
15 हमर बेटा सभ, अहाँक नोकर सभ केँ हृदयक सामर्थ्य आ सामर्थ्य दिअ जे ओ सभ अपन शत्रु सभक संग लड़य, ओकरा सभ केँ अपना वश मे करय आ ओकर शत्रु सभ केँ ओकरा सभक सोझाँ खसि पड़य, आ हमर बेटा सभ आ ओकर नोकर सभ केँ कनान लोक सभक हाथ सँ नहि मरि जाय।"
16 मुदा जँ तोरा नजरि मे हमर पुत्र आ ओकर नोकर सभक प्राण छीनब नीक लागय तँ ओकरा सभ केँ अपन सेवक सभक हाथ मे अपन बहुत दया मे लऽ लिअ, जाहि सँ ओ सभ आइ अमोरी सभक राजा सभक हाथ सँ नष्ट नहि भऽ जाय।
17 जखन याकूब प्रभु सँ प्रार्थना करब छोड़ि देलनि तँ पृथ्वी अपन स्थान सँ हिल गेल आ सूर्य अन्हार भऽ गेल आ ई सभ राजा आतंकित भऽ गेलाह आ हुनका सभ केँ बहुत आतंकित भऽ गेलनि।
18 परमेश् वर याकूबक प्रार्थना सुनलनि आ परमेश् वर याकूबक पुत्र सभक आतंक आ भय सँ सभ राजा आ हुनका सभक सेनाक हृदय केँ प्रभावित कयलनि।
19 किएक तँ परमेश् वर हुनका सभ केँ याकूबक पुत्र सभक द्वारा रथ सभक आवाज आ पराक्रमी घोड़ा सभक आवाज आ हुनका सभक संग आबि रहल एकटा पैघ सेनाक आवाज सुनौलनि।
20 ई राजा सभ याकूबक पुत्र सभ पर बहुत आतंकित भऽ गेलाह आ जखन ओ सभ अपन-अपन घर मे ठाढ़ छलाह तखन देखलहुँ जे याकूबक पुत्र सभ एक सय बारह आदमीक संग हुनका सभ पर आगाँ बढ़ि गेलाह।
21 राजा सभ जखन याकूबक पुत्र सभ केँ अपना दिस बढ़ैत देखलनि तँ ओ सभ आरो घबरा गेलाह आ ओ सभ पहिने जकाँ याकूबक पुत्र सभक सोझाँ सँ पाछू हटि कऽ हुनका सभ सँ लड़बाक प्रवृत्ति नहि रखलनि।
22 मुदा ओ सभ पाछू नहि हटि कऽ कहलक जे, "इब्रानी सभक सामने सँ दू बेर पाछू हटब हमरा सभक लेल बेइज्जती होयत।"
23 याकूबक बेटा सभ लग आबि कऽ एहि सभ राजा आ ओकर सभक सेना सभक विरुद्ध आगू बढ़ि गेल आ देखलक जे समुद्रक बालु जकाँ बहुत शक्तिशाली लोक छल।
24 याकूबक पुत्र सभ प्रभु केँ बजा कऽ कहलथिन, "हे प्रभु, हमरा सभक सहायता करू आ हमरा सभक उत्तर दिअ, किएक तँ हम सभ अहाँ पर भरोसा करैत छी आ एहि अखतना लोक सभक हाथ सँ नहि मरब, जे आइ हमरा सभक विरुद्ध आबि गेल अछि।"
25 याकूबक पुत्र सभ अपन-अपन युद्धक हथियार पहिरने, एक-एकटा अपन-अपन ढाल आ भाला अपना हाथ मे ल' लेलक आ ओ सभ युद्धक नजदीक आबि गेल।
26 याकूबक पुत्र यहूदा पहिने अपन भाय सभक आ हुनकर दसटा नौकर सभक आगाँ दौड़ि कऽ एहि राजा सभक दिस बढ़लाह।
27 तपनाकक राजा याशूब सेहो पहिने अपन सेनाक संग यहूदाक आगू बढ़लाह, आ यहूदा देखलनि जे याशुब आ हुनकर सेना हुनका दिस आबि रहल छथि, आ यहूदाक क्रोध भड़कि गेलनि आ हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि आ ओ युद्धक नजदीक आबि गेलाह जाहि मे यहूदा अपन प्राणक साहस कयलनि।
28 याशूब आ ओकर समस्त सेना यहूदा दिस बढ़ि रहल छल आ ओ एकटा बहुत मजबूत आ शक्तिशाली घोड़ा पर सवार छल आ याशूब बहुत वीर आदमी छल आ माथ सँ पैर धरि लोहा आ पीतल सँ झाँपल छल।
29 घोड़ा पर बैसल रहैत ओ आगू-पाछू दुनू हाथ सँ तीर चलाबैत छलाह, जेना हुनकर सभ युद्ध मे होइत छलनि, आ ओहि ठाम सँ कहियो नहि छूटलनि जतय ओ अपन बाण निशाना लगेने छलाह।
30 जखन याशूब यहूदाक संग युद्ध करऽ लगलाह आ यहूदाक विरुद्ध बहुतो बाण चला रहल छलाह तखन प्रभु याशूबक हाथ बान्हि देलनि आ जे सभ बाण मारलनि से हुनकर अपन आदमी सभ पर घुरि गेलनि।

31 एहि बातक बादो याशूब हुनका बाण सँ चुनौती देबाक लेल यहूदा दिस बढ़ैत रहलाह, मुदा दुनूक बीचक दूरी करीब तीस हाथ छल, आ यहूदा जखन याशूब कैँ अपन बाण ओकरा पर दौड़ैत देखलनि तऽ ओ अपन क्रोध सँ उत्तेजित शक्ति सँ हुनका लग दौड़ल गेलाह।
32 यहूदा जमीन पर सँ एकटा पैघ पाथर उठौलनि, जकर वजन साठि शेकेल छल, तखन यहूदा याशूब दिस दौड़ल गेलाह आ ओहि पाथर सँ हुनका ढाल पर प्रहार कयलनि, जाहि सँ याशूब ओहि प्रहार सँ स्तब्ध भ' गेलाह आ घोड़ा सँ जमीन पर खसि पड़लाह।
33 ओ ढाल यशूबक हाथ सँ फाटि गेल आ प्रहारक बल सँ करीब पन्द्रह हाथ धरि उछलि गेल आ ढाल दोसर डेराक आगू खसि पड़ल।
34 याशूबक संग आयल राजा सभ दूर सँ याकूबक पुत्र यहूदाक सामर्थ् य आ याशूबक संग की कयलनि से देखलनि आ ओ सभ यहूदा सँ भयंकर भयभीत भऽ गेलाह।
35 ओ सभ याशूबक डेरा लग जमा भ' गेलाह, हुनकर भ्रम देखि यहूदा अपन तलवार निकालि याशूबक डेराक बयालीस आदमी कैँ मारि देलकनि, आ पूरा याशूबक डेरा यहूदाक समक्ष भागि गेलनि, आ कियो हुनका विरुद्ध नहि ठाढ़ भेलाह, आ ओ सभ याशूब कैँ छोड़ि हुनका सँ भागि गेलाह, आ याशूब एखनो जमीन पर प्रणाम कएने छलाह।
36 याशूब अपन डेराक सभ लोक हुनका सँ भागि गेल छलनि, ओ जल्दी-जल्दी आतंकित भ' क' यहूदाक विरुद्ध उठि गेलाह आ यहूदाक सोझाँ अपन टांग पर ठाढ़ भ' गेलाह।
37 यहूदाक संग याशूब एक्के बेर लड़ल छल, ढालक दिस ढाल राखि, आ याशूबक सभ लोक सभ भागि गेल, किएक तँ ओ सभ यहूदा सँ बहुत भयभीत छल।
38 यशूब अपन भाला हाथ मे पकड़ि कऽ यहूदा कैँ माथ पर प्रहार कयलनि, मुदा यहूदा जल्दी-जल्दी अपन ढाल कैँ याशूबक भाला पर अपन माथ पर राखि देने छलाह, जाहि सँ यहूदाक ढाल पर याशूबक भाला सँ प्रहार भेलनि आ ढाल सेहो फाटि गेलनि।
39 यहूदा जखन देखलकै जे ओकर ढाल फाटि गेलै तऽ जल्दी-जल्दी अपन तलवार निकालि याशूबक टखने पर मारि देलकैक आ ओकर पएर काटि देलकैक जे याशूब जमीन पर खसि पड़लैक आ ओकर हाथ सँ भाला खसि पड़लैक।
40 यहूदा जल्दी-जल्दी याशूबक भाला उठा लेलक, जाहि सँ ओ ओकर माथ काटि कऽ ओकर पएरक बगल मे फेकि देलक।
41 याकूबक बेटा सभ देखि जे यहूदा याशूबक संग की केने छल, तखन ओ सभ आन राजा सभक पाँति मे दौड़ि गेल आ याकूबक पुत्र सभ याशूबक सेना आ ओहि ठामक सभ राजाक सेना सभक संग लड़ि गेल।
42 याकूबक पुत्र सभ अपन पनरह हजार आदमी कैँ खसा देलक आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ लौकी मारि कऽ मारि देलक आ बाँकी सभ अपन जान बचाबय लेल भागि गेल।
43 यहूदा एखनो याशूबक लाशक लग मे ठाढ़ छल आ याशूबक वस्त्र उतारि देलक।
44 यहूदा सेहो याशूबक चारूकातक लोहा आ पीतल उतारलक आ देखलहुँ जे याशूबक सेनापति सभ मे सँ नौ गोटे यहूदा सँ लड़बाक लेल आबि गेलाह।
45 यहूदा जल्दी-जल्दी जमीन पर सँ एकटा पाथर उठौलनि आ ओहि मे सँ एक गोटेक माथ पर प्रहार कयलनि आ ओकर खोपड़ी फाटि गेलनि आ शरीर सेहो घोड़ा सँ जमीन पर खसि पड़लनि।
46 बाँचल आठटा सेनापति यहूदाक सामर्थ् य देखि बहुत भयभीत भऽ गेलाह आ ओ सभ भागि गेलाह आ यहूदा अपन दस गोटेक संग हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ गेलाह आ ओ सभ हुनका सभ कैँ पकड़ि कऽ मारि देलनि।
47 याकूबक पुत्र सभ एखनो राजा सभक सेना सभ कैँ मारि रहल छल आ ओ सभ ओकरा सभ मे सँ बहुतो कैँ मारि देलक, मुदा ओ राजा सभ साहसपूर्वक अपन सेनापति सभक संग ठाढ़ रहलाह, आ अपन स्थान सँ पाछू नहि हटि गेलाह, आ ओ सभ अपन सेना सभक जे याकूबक पुत्र सभक सोझाँ सँ भागि गेल छल, ताहि सभक विरुद्ध चिचिया उठलनि, मुदा कियो हुनका सभक बात नहि सुनैत छल, किएक तँ ओ सभ अपन जान सँ डरैत छल जे कहीं ओ सभ मरि नहि जाय।
48 याकूबक सभ पुत्र राजा सभक सेना सभ कैँ मारि कऽ घुरि कऽ यहूदाक समक्ष आबि गेलाह आ यहूदा एखनो याशूबक आठटा सेनापति सभ कैँ मारि कऽ अपन वस्त्र उतारि रहल छल।
49 लेवी गाशक राजा एलोन कैँ अपन चौदह सेनापतिक संग हुनका मारि देबाक लेल आगू बढ़ैत देखलनि, मुदा लेवी कैँ ई बात पक्का नहि बुझल छलनि।
50 एलोन अपन सेनापति सभक संग नजदीक आबि गेलाह आ लेवी पाछू घुमि कऽ देखलनि जे हुनका पाछू मे युद्ध भ' गेल छनि, आ लेवी अपन बारह नौकर सभक संग दौड़ल गेलाह आ ओ सभ जा कऽ एलन आ हुनकर सेनापति सभ कैँ तलवारक धार सँ मारि देलनि।

अध्याय 38

1 शिलोक राजा इहुरी एलोन कैँ सहायता करबाक लेल ऊपर आबि गेलाह आ याकूब याकूब लग पहुँचलाह, जखन याकूब अपन धनुष खींचलक आ इहुरी कैँ तीर सँ मारि देलक जाहि सँ ओकर मृत्यु भ' गेलै।
2 जखन शिलोक राजा इहुरी मरि गेलाह तखन शेष चारू राजा बाकी सेनापति सभक संग अपन स्टेशन सँ भागि गेलाह आ ओ सभ पाछू हटबाक प्रयास कयलनि, ई कहैत जे, "हमरा सभ सँ बेसी शक्तिशाली तीनू राजा आ हुनकर सभक सेनापति सभ कैँ मारि देलाक बाद हमरा सभ लग इब्रानी सभक संग बेसी ताकत नहि अछि।"
3 जखन याकूबक बेटा सभ देखलक जे शेष राजा सभ अपन थानसँ हटि गेल अछि तँ ओ सभ हुनका सभक पाछाँ लागि गेल आ याकूब सेहो शेकेमक ढेरसँ ओहि ठामसँ आबि गेलाह जतय ओ ठाढ़ छलाह आ ओ सभ राजा सभक पाछाँ-पाछाँ गेलाह आ ओ सभ अपन नोकर सभक संग हुनका सभक लग आबि गेलाह।
4 राजा आ सेनापति सभ अपन शेष सेना सभक संग याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक लग आबि गेलाह तँ हुनका सभक जान सँ डरि गेलाह आ जाबत धरि ओ सभ चाजर नगर नहि पहुँचि गेलाह ता धरि भागि गेलाह।
5 याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चजर नगरक फाटक धरि पहुँचलाह आ राजा सभ आ हुनकर सेना सभक बीच करीब चारि हजार आदमी कैँ प्रहार कयलनि आ जखन ओ सभ राजा सभक सेना कैँ मारि रहल छलाह तखन याकूब अपन धनुष

सँ राजा सभ केँ मारबाक लेल सीमित रहि गेलाह आ ओ सभ गोटे केँ मारि देलनि।
6 ओ चजार नगरक फाटक पर चजारक राजा पराथोन केँ मारि देलनि, आ तकर बाद ओ सरतोनक राजा सुसी, बेतचोरिनक राजा लाबान आ मचनामाक राजा शबीर केँ मारि देलनि आ सभ गोटे केँ तीर सँ मारि देलनि, एक-एकटा बाण, एक-एकटा बाण, आ ओ सभ मरि गेलाह।
7 याकूबक पुत्र सभ ई देखि जे सभ राजा सभ मरि गेल अछि आ ओ सभ टूटि-फूटि कऽ पाछू हटि गेल अछि, ओ सभ राजा सभक सेना सभक संग चजारक फाटकक सोझाँ युद्ध करैत रहल, आ एखनो ओ सभ अपन करीब चारि सय आदमी केँ मारि देलक।
8 ओहि युद्ध मे याकूबक सेवक मे सँ तीन गोटे खसि पड़लाह आ यहूदा देखलनि जे हुनकर तीन टा नौकरक मृत्यु भऽ गेलनि तखन हुनका बहुत दुख भेलनि आ अमोरी लोकनि पर हुनकर क्रोध भड़कि उठलनि।
9 राजा सभक सेना मे जे सभ लोक बचल छल, से सभ अपन जान सँ बहुत डेरा गेल, आ ओ सभ दौड़ि कऽ चाजर नगरक देबाल सभक फाटक तोड़ि देलक आ सभ गोटे सुरक्षित रहबाक लेल नगर मे प्रवेश कयलक।
10 ओ सभ चाजर नगरक बीचोबीच नुका गेलाह, कारण चजार नगर बहुत पैघ आ विस्तृत छल, आ जखन ई सभ सेना नगर मे प्रवेश क' लेलक तखन याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ दौड़ि कऽ नगर दिस बढ़लाह।
11 चारिटा पराक्रमी, जे युद्धक अनुभवी छलाह, नगर सँ निकलि कऽ नगरक प्रवेश द्वारक सोझाँ ठाढ़ भऽ गेलाह, हाथ मे तलवार आ भाला लऽ कऽ ठाढ़ भऽ गेलाह आ याकूबक पुत्र सभक सोझाँ ठाढ़ भऽ गेलाह आ हुनका सभ केँ शहर मे प्रवेश नहि करय देलनि।
12 नफ्ताली दौड़ि कऽ हुनका सभक बीच आबि गेलाह आ अपन तलवार सँ दू गोटे केँ मारि देलनि आ एकहि झटका मे हुनका सभक माथ काटि लेलनि।
13 ओ दोसर दू गोटे दिस घुमि कऽ देखलक जे ओ सभ भागि गेल अछि आ ओ ओकरा सभक पाछाँ-पाछाँ गेल, ओकरा सभ केँ पकड़ि कऽ ओकरा सभ केँ मारि देलक आ ओकरा सभ केँ मारि देलक।
14 याकूबक बेटा सभ नगर मे आबि देखलक जे शहरक लेल एकटा आओर देबाल अछि, आ ओ सभ देबालक फाटक तकैत रहलाह, मुदा ओकरा नहि भेटलनि, आ यहूदा देबालक चोटी पर उछलि गेलाह आ शिमोन आ लेवी हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि गेलाह आ तीनू गोटे देबाल सँ नगर मे उतरि गेलाह।
15 शिमोन आ लेवी ओहि सभ आदमी सभ केँ मारि देलक जे सुरक्षित लेल नगर मे दौड़ल छल, आ नगरक निवासी सभ केँ सेहो अपन पत्नी आ छोट-छोट बच्चा सभक संग मारि देलक।
16 दान आ नफ्ताली देबाल पर उछलि गेलाह जे विलापक हल्ला की कारण अछि, किएक तँ याकूबक पुत्र सभ अपन भाइ सभक प्रति चिंतित छलाह, आ ओ सभ नगरक निवासी सभ केँ कानैत आ विनती करैत सुनलनि जे, "शहर मे हमरा सभक सभटा सम्पत्ति लऽ कऽ चलि जाउ, मुदा हमरा सभ केँ नहि मारि दियौक।"
17 जखन यहूदा, शिमोन आ लेवी नगरक निवासी सभ पर प्रहार करब छोड़ि देलनि, तखन ओ सभ देबाल पर चढ़ि कऽ देबाल पर बैसल दान आ नफ्ताली आ अपन बाकी भाय सभ केँ बजा लेलनि आ शिमोन आ लेवी हुनका सभ केँ नगर मे प्रवेश करबाक सूचना देलनि आ याकूबक सभ पुत्र सभ लूट आनय लेल आबि गेलाह।
18 याकूबक बेटा सभ चाजर नगरक लूट, भेँड़ा आ भेँड़ा आ सम्पत्ति पकड़ि लेलक आ ओहि दिन नगर सँ चलि गेल।
19 दोसर दिन याकूबक बेटा सभ सरटन गेल, किएक तँ ओ सभ सुनलक जे सरटनक लोक सभ जे शहर मे रहि गेल छल, ओ सभ अपन राजा केँ मारि कऽ ओकरा सभक संग लड़बाक लेल जमा भ' रहल अछि, आ सरटन एकटा बहुत ऊँच आ गढ़वाली नगर छल, आ एहि शहरक चारूकात एकटा गहींर प्राचीर छल।
20 प्राचीरक खंभा करीब पचास हाथ आ चौड़ाई चालीस हाथ छल, आ प्राचीरक कारणेँ कोनो आदमीक लेल नगर मे प्रवेश करबाक लेल कोनो जगह नहि छल, आ याकूबक पुत्र सभ नगरक प्राचीर देखि गेलाह आ ओ सभ ओहि मे प्रवेश द्वार तकलनि मुदा नहि पाबि सकलाह।
21 कारण, नगरक प्रवेश द्वार पाछाँ मे छल, आ जे कियो नगर मे आबय चाहैत छल, से ओहि बाट सँ आबि कऽ पूरा शहर मे घुमैत छल आ बाद मे ओ शहर मे प्रवेश करैत छल।
22 याकूबक पुत्र सभ नगर मे प्रवेशक बाट नहि पाबि कऽ ओकरा सभक क्रोध बहुत भड़कि उठल आ नगरक निवासी सभ ई देखि जे याकूबक पुत्र सभ ओकरा सभ लग आबि रहल अछि, ओकरा सभ सँ बहुत डरा गेल, किएक तँ ओ सभ अपन सामर्थ् य आ चाजरक संग की कयलक बात सुनने छल।
23 सार्टन शहरक निवासी याकूबक पुत्र सभक विरुद्ध लड़बाक लेल शहर मे जमा भ' क' नहि जा सकलाह, जाहि सँ ओ सभ एहि तरहेँ शहर मे नहि पहुँचि सकथि, मुदा जखन ओ सभ देखि जे ओ सभ हुनका सभ दिस आबि रहल छथि, तखन ओ सभ हुनका सभ सँ बहुत डेरा गेलाह, किएक तँ ओ सभ हुनका सभक सामर्थ् य आ चाजरक संग की कयलनि से सुनने छलाह।
24 तेँ सार्टनक निवासी सभ याकूबक पुत्र सभक आगमन सँ पहिने नगरक सड़कक पुल केँ ओकर स्थान सँ जल्दी-जल्दी उतारि कऽ शहर मे अनलनि।
25 याकूबक बेटा सभ आबि कऽ नगर मे प्रवेश करबाक बाट ताकैत रहलाह, मुदा ओ नहि पाबि सकलाह आ नगरक निवासी सभ देबालक चोटी पर चढ़ि गेलाह आ देखलनि जे याकूबक बेटा सभ शहरक प्रवेश द्वार ताकि रहल छल।
26 एहि नगरक निवासी सभ देबालक चोटी सँ याकूबक पुत्र सभ केँ गारि देलक आ ओकरा सभ केँ गारि देलक आ याकूबक पुत्र सभ एहि गारि सुनलक आ ओ सभ बहुत क्रोधित भऽ गेल।
27 याकूबक पुत्र सभ हुनका सभ पर क्रोधित भऽ गेलाह आ सभ अपन शक्तिक बल सँ उठि कऽ प्राचीर पर उछलि गेलाह आ चालीस हाथ चौड़ाई प्राचीर केँ अपन शक्ति सँ गुजरि गेलाह।
28 जखन ओ सभ प्राचीर सँ गुजरि गेलाह तखन ओ सभ नगरक देबालक नीचाँ ठाढ़ भऽ गेलाह आ नगरक सभ फाटक लोहाक दरबज्जा सँ घेरल देखलनि।
29 याकूबक बेटा सभ नगरक फाटक सभक दरबज्जा तोड़बाक लेल लग आबि गेलाह, मुदा ओहि ठामक निवासी सभ ओकरा सभ केँ नहि छोड़ि देलक, कारण देबालक चोटी सँ ओ सभ ओकरा सभ पर पाथर आ बाण फेकि रहल छल।
30 देबाल पर बैसल लोकक संख्या करीब चारि सय आदमी छल आ याकूबक बेटा सभ जखन देखलक जे नगरक लोक सभ ओकरा सभ केँ नगरक फाटक नहि खोलय दैत अछि तँ ओ सभ

उछलि कऽ देबालक चोटी पर चढ़ि गेल आ यहूदा पहिने नगरक पूरब भाग मे चलि गेल।
31 गाद आ आशेर हुनका पाछाँ-पाछाँ शहरक पश्चिम कोन मे चढ़ि गेलाह, उत्तर मे शिमोन आ लेवी आ दक्षिण मे दान आ रूबेन।
32 देबालक चोटी पर बैसल लोक सभ, जे याकूबक पुत्र सभ हुनका सभ लग आबि रहल छल, से देखि सभ देबाल सँ भागि गेलाह आ नगर मे उतरि गेलाह आ नगरक बीच मे नुका गेलाह।
33 इस्साकर आ नफ्ताली जे देबालक नीचाँ रहि गेल छल, नजदीक आबि नगरक फाटक सभ कैँ तोड़ि देलक आ नगरक फाटक पर आगि लगा देलक, जाहि सँ लोहा पिघलि गेल आ याकूबक सभ पुत्र, ओ सभ आ ओकर सभ आदमी, नगर मे आबि गेल, आ ओ सभ सरतोन नगरक निवासी सभक संग लड़ि गेल आ ओकरा सभ कैँ तलवारक धार सँ मारि देलक आ ओकरा सभक सोझाँ कियो ठाढ़ नहि भेल।
34 करीब दू सय आदमी शहर सँ भागि गेल आ सभ गोटे जा कऽ शहरक एकटा बुर्ज मे नुका गेलाह आ यहूदा हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ बुर्ज धरि पहुँचि गेलाह आ ओ बुर्ज कैँ तोड़ि देलनि, जे आदमी सभ पर खसि पड़लनि आ सभ मरि गेलाह।
35 याकूबक पुत्र सभ ओहि बुर्जक छत पर बाट पर चढ़ि गेलाह आ देखलनि जे शहर मे दूर एकटा आओर मजबूत आ ऊँच बुर्ज अछि आ ओकर चोटी स् वर्ग धरि पहुँचि गेल छल आ याकूबक बेटा सभ हड़बड़ा कऽ उतरि गेलाह आ अपन सभ पुरुषक संग ओहि बुर्ज मे गेलाह आ देखलनि जे ओ शहर मे करीब तीन सय पुरुष, महिला आ छोट-छोट बच्चा सभ सँ भरल छल।
36 याकूबक बेटा सभ बुर्ज मे ओहि लोक सभक बीच बहुत मारि मारि देलक आ ओ सभ भागि कऽ ओकरा सभ सँ भागि गेल।
37 शिमोन आ लेवी हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह, जखन ओ सभ नुकाओल गेल जगह सँ बारह टा पराक्रमी आ वीर पुरुष हुनका सभक लग आबि गेलाह।
38 ओ बारह गोटे शिमोन आ लेवीक विरुद्ध जोरदार युद्ध करैत रहलाह आ शिमोन आ लेवी हुनका सभ पर विजय नहि पाबि सकलाह आ ओ वीर लोकनि सिमोन आ लेवीक ढाल तोड़ि देलनि आ एक गोटे लेवीक माथ पर अपन तलवार सँ प्रहार कयलनि, कारण लेवी हड़बड़ा कऽ हुनकर माथ पर हाथ राखि देलनि, कारण ओ तलवार सँ डरैत छलाह आ तलवार लेवीक हाथ पर प्रहार कयलनि चाहैत छल मुदा लेवीक हाथ कटबा लेल कम।
39 लेवी ओहि वीर आदमीक तलवार हाथ मे पकड़ि लेलक आ ओहि आदमी सँ जबरदस्ती ल' लेलक आ ओहि शक्तिशाली आदमीक माथ पर प्रहार केलक आ ओकर माथ काटि लेलक।
40 लेवी सँ लड़बाक लेल एगारह गोटे लग आबि गेलाह, किएक तँ ओ सभ देखलक जे ओकरा सभ मे सँ एक गोटे मारल गेल अछि आ याकूबक बेटा सभ लड़ि रहल छल, मुदा याकूबक बेटा सभ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकल, किएक तँ ओ सभ लोक बहुत शक्तिशाली छल।
41 याकूबक पुत्र सभ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकल, शिमोन जोर सँ आ प्रचंड चिचिया उठल आ एगारह टा शक्तिशाली आदमी सिमोनक चिचियाहटि सुनि स्तब्ध भऽ गेल।
42 यहूदा दूर सँ शिमोनक चिचियाहटि कैँ बुझि गेलाह आ नफ्ताली आ यहूदा अपन ढाल ल' क' सिमोन आ लेवी लग दौड़ल गेलाह आ हुनका सभ कैँ ओहि शक्तिशाली लोक सभक संग लड़ैत देखलनि, कारण हुनकर ढाल टूटि गेल छलनि।
43 नफ्ताली देखलक जे शिमोन आ लेवीक ढाल टूटि गेल अछि आ ओ अपन नौकर सभक दूटा ढाल लऽ कऽ शिमोन आ लेवी लग अनलनि।
44 ओहि दिन शिमोन, लेवी आ यहूदा तीनू गोटे एगारह टा पराक्रमी सँ सूर्यास्तक समय धरि लड़लनि, मुदा ओ सभ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकलाह।
45 ई बात याकूब कैँ कहल गेलनि आ ओ बहुत दुखी भऽ गेलाह आ ओ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ ओ आ हुनकर पुत्र नफ्ताली एहि पराक्रमी सभक विरुद्ध चलि गेलाह।
46 याकूब लग आबि कऽ अपन धनुष खींचलक आ पराक्रमी सभक लग आबि गेल आ धनुषक संग हुनका सभक तीन गोटे कैँ मारि देलक आ शेष आठ गोटे पाछू घुमि गेल आ देखू, हुनका सभक विरुद्ध आगू-पाछू मे युद्ध चलि रहल छल, आ ओ सभ अपन जान सँ बहुत डेरा गेल छल, आ याकूबक पुत्र सभक सोझाँ ठाढ़ नहि भ' सकल छल आ ओ सभ ओकरा सभक सोझाँ सँ भागि गेल।
47 भागैत काल ओ सभ दान आ आशेर हुनका सभक दिस आबि रहल छलाह, तखन ओ सभ अचानक हुनका सभ पर खसि पड़लाह आ हुनका सभ सँ लड़ि गेलाह आ हुनका सभ मे सँ दू गोटे कैँ मारि देलनि आ यहूदा आ हुनकर भाय सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ गेलाह आ शेष लोक सभ कैँ मारि देलनि।
48 याकूबक सभ पुत्र सभ घुरि कऽ नगर मे घुमि-घुमि कऽ खोजि रहल जे की ओकरा सभ कैँ कोनो आदमी भेटि सकैत अछि, तखन ओकरा सभ कैँ शहरक एकटा गुफा मे करीब बीस टा युवक भेटल, आ गाद आ आशेर सभ कैँ मारि देलक, आ दान आ नफ्ताली सभ दोसर बुर्ज सँ भागि कऽ भागि गेल बाकी लोक सभ पर प्रज्वलित कयलक आ सभ कैँ मारि देलक।
49 याकूबक बेटा सभ सरटोन नगरक सभ निवासी कैँ मारि देलक, मुदा ओहि महिला आ छोट-छोट बच्चा सभ कैँ ओ सभ शहर मे छोड़ि देलक आ ओकरा सभ कैँ नहि मारलक।
50 सरटन शहरक सभ निवासी शक्तिशाली लोक छलाह, एक गोटे हजारक पीछा करैत छलाह, आ दू गोटे शेष लोकक दस हजार लोक सँ नहि भागैत छलाह।
51 याकूबक बेटा सभ सरटोन नगरक सभ निवासी कैँ तलवारक धार सँ मारि देलक, जाहि सँ कियो ओकरा सभक विरुद्ध नहि ठाढ़ भऽ गेल आ ओ सभ स् त्रीगण सभ कैँ नगर मे छोड़ि देलक।
52 याकूबक बेटा सभ नगरक सभटा लूट-पाट पकड़ि लेलक आ जे किछु चाहैत छल से पकड़ि लेलक, आ ओ सभ नगर सँ भैँड़ा आ भैँड़ा आ सम्पत्ति लऽ लेलक, आ याकूबक पुत्र सभ जेना चाजर आ ओकर निवासी सभक संग केने छल, तेना सरतोन आ ओकर निवासी सभक संग केलक आ ओ सभ घुमि कऽ चलि गेल।

अध्याय 39

1 जखन याकूबक पुत्र सभ सरतोन नगर सँ विदा भेलाह तँ ओ सभ तपनाकक निवासी सभ सँ भेंट करैत करीब दू सय हाथ चलि गेल छलाह, किएक तँ ओ सभ तपनाक राजा आ ओकर सभ आदमी कैँ मारि देने छल।
2 तपनाक नगर मे जे सभ बचल छल, याकूबक पुत्र सभक संग लड़बाक लेल निकलल, आ ओ सभ सोचलक जे चाजर आ

सरतोन सँ जे लूट आ लूटपाट पकड़ने छल, से ओकरा सभ सँ वापस ल' ली।
3 तपनाकक बाँकी लोक सभ ओहि ठाम याकूबक पुत्र सभक संग लड़लनि आ याकूबक पुत्र सभ हुनका सभ कैँ मारि देलकनि आ ओ सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ भागि गेलाह आ ओ सभ हुनका सभक पीछा-पाछाँ अर्बेलन नगर धरि पहुँचि गेलाह आ सभ याकूबक पुत्र सभक समक्ष खसि पड़लाह।
4 याकूबक बेटा सभ घुरि कऽ तपनाकक लूट लेबाक लेल तपनाक पहुँचलाह आ तपनाक पहुँचला पर सुनलनि जे अरबेलनक लोक सभ अपन भाय सभक लूट-पाट बचाबय लेल हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल निकलल अछि, आ याकूबक पुत्र सभ अपन दस गोटे कैँ तपनाक मे छोड़ि कऽ नगर लूटबाक लेल निकलि गेलाह।
5 आरबेलनक लोक सभ अपन स् त्री सभक संग याकूबक पुत्र सभक संग लड़बाक लेल निकलि गेलाह, किएक तँ हुनका सभक स् त्री सभ युद्ध मे अनुभवी छलीह आ ओ सभ करीब चारि सय पुरुष आ स्त्रीगण निकलि गेलाह।
6 याकूबक सभ पुत्र सभ जोर-जोर सँ चिचिया उठल आ सभ गोटे अर्बेलन मे रहनिहार लोक सभक दिस दौड़ल।
7 आरबेलनक निवासी याकूबक पुत्र सभक चिचियाहटि आ सिंहक गर्जना जकाँ आ समुद्र आ ओकर लहरि जकाँ गर्जन सुनलक।
8 याकूबक पुत्र सभक कारणेँ हुनका सभक हृदय मे भय आ आतंक आबि गेलनि आ ओ सभ हुनका सभ सँ भयंकर भयभीत भऽ गेलाह आ ओ सभ पाछू हटि गेलाह आ हुनका सभक आगू-पाछू नगर मे भागि गेलाह आ याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ शहरक फाटक धरि पहुँचि गेलाह आ ओ सभ शहर मे हुनका सभ पर आबि गेलाह।
9 याकूबक बेटा सभ हुनका सभक संग नगर मे लड़लनि आ हुनका सभक सभ स् त्री याकूबक पुत्र सभक विरुद्ध गोफन मे लागल छलीह आ ओहि दिन भरि साँझ धरि हुनका सभक बीच युद्ध बहुत भयंकर रहल।
10 याकूबक बेटा सभ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकल, आ याकूबक पुत्र सभ ओहि युद्ध मे लगभग नष्ट भऽ गेल छल, आ याकूबक पुत्र सभ साँझ मे प्रभु सँ पुकारलनि आ बहुत शक्ति प्राप्त कयलनि, आ याकूबक पुत्र सभ अरबेलनक सभ निवासी, पुरुष, स्त्री आ छोट-छोट बच्चा सभ कैँ तलवारक धार सँ मारि देलनि।
11 आ सरटोन सँ भागल शेष लोक सभ, याकूबक पुत्र सभ अर्बेलन मे ओकरा सभ कैँ मारि देलक, आ याकूबक बेटा सभ अरबेलन आ तपनाक कैँ ओहिना कयलक जेना चाजर आ सरतोन कैँ केने छल, आ जखन महिला सभ देखलक जे सभ पुरुष मरि गेल अछि, तखन ओ सभ शहरक छत पर जा कए याकूबक बेटा सभ कैँ बरसात जकाँ पाथर बरसा कऽ मारि देलक।
12 याकूबक बेटा सभ जल्दी-जल्दी शहर मे आबि सभ स् त्री सभ कैँ पकड़ि लेलक आ तलवारक धार सँ मारि देलक आ याकूबक बेटा सभ लूट-पाट आ लूट-पाट, भैँड़ा-बदल आ माल-जाल कैँ पकड़ि लेलक।
13 याकूबक पुत्र सभ तपनाक, चजार आ शिलोक समान मचनामाक संग कयलक आ ओ सभ ओतहि सँ घुमि कऽ चलि गेल।
14 पाँचम दिन याकूबक पुत्र सभ सुनलनि जे गाशक लोक सभ हुनका सभक विरुद्ध युद्धक लेल जमा भऽ गेल अछि, किएक तँ ओ सभ अपन राजा आ सेनापति सभ कैँ मारि देने छल, किएक तँ गाश नगर मे चौदह टा सेनापति छल आ याकूबक पुत्र सभ पहिल युद्ध मे सभ कैँ मारि देने छल।
15 ओहि दिन याकूबक पुत्र सभ अपन युद्धक हथियार पहिरने छल आ गाशक निवासी सभक विरुद्ध युद्ध करय लेल निकलल, आ गाश मे अमोरी लोकक एकटा बलवान आ पराक्रमी लोक छल, आ गाश अमोरी लोकनिक सभ शहर मे सबसँ मजबूत आ सबसँ नीक गढ़बला नगर छल, आ एकर तीन टा देबाल छल।
16 याकूबक बेटा सभ गाश पहुँचलाह आ ओ सभ नगरक फाटक सभ पर ताला लगाओल देखलनि, आ सभसँ बाहरक देबालक चोटी पर करीब पाँच सय आदमी ठाढ़ छल आ समुद्रक कात मे बालु जकाँ संख्या मे लोक याकूबक पुत्र सभक लेल घात लगा कऽ बैसल छल।
17 याकूबक पुत्र सभ नगरक फाटक खोलबाक लेल लग आबि गेलाह आ जखन ओ सभ नजदीक आबि रहल छलाह तखन देखलहुँ जे नगरक पाछु मे घात लगा कऽ बैसल लोक सभ अपन-अपन स्थान सँ बाहर आबि याकूबक पुत्र सभ कैँ घेरने छल।
18 याकूबक पुत्र सभ गाशक लोकक बीच मे घेरल छल आ युद्ध ओकरा सभक आगू-पाछू दुनू दिस छल आ देबाल पर बैसल सभ आदमी ओकरा सभ पर देबाल सँ बाण आ पाथर फेकि रहल छल।
19 यहूदा ई देखि कऽ जे गाशक लोक सभ हुनका सभक लेल बेसी भारी भऽ रहल छल, तखन एकटा बेधक आ प्रचंड चिचिया उठल आ गाशक सभ लोक यहूदाक चीत्कार सुनि आतंकित भऽ गेल, आ हुनकर प्रबल चिचियाहटि सँ लोक सभ देबाल सँ खसि पड़ल आ शहरक बाहर आ भीतरक सभ लोक अपन जान सँ बहुत डेरा गेल।
20 याकूबक बेटा सभ एखनो नगरक दरबज्जा तोड़बाक लेल लग आबि रहल छल, जखन गाशक लोक सभ देबालक चोटी सँ ओकरा सभ पर पाथर आ बाण फेकि कऽ ओकरा सभ कैँ फाटक सँ भागि देलक।
21 याकूबक बेटा सभ नगरक बाहर सँ गाशक लोक सभ पर घुरि कऽ आबि गेल आ ओकरा सभ कैँ लौकी पर प्रहार करैत भयंकर मारि देलक आ याकूबक बेटा सभक विरुद्ध ठाढ़ नहि भऽ सकल, किएक तँ यहूदाक चिचियाहटि पर ओकरा सभ कैँ भय आ आतंक भ' गेल छलैक।
22 याकूबक पुत्र सभ ओहि सभ लोक सभ कैँ मारि देलक जे नगर सँ बाहर छल, आ याकूबक पुत्र सभ एखनो शहर मे प्रवेश करबाक लेल आ नगरक देबाल सभक नीचाँ लड़बाक लेल नजदीक आबि रहल छल, मुदा ओ सभ गाशक सभ निवासी जे शहर मे रहि गेल छल, गाशक देबाल सभ दिस चारू कात घेरने छल, जाहि सँ याकूबक बेटा सभ ओकरा सभक संग लड़बाक लेल नगरक नजदीक नहि आबि सकल।
23 याकूबक बेटा सभ देबालक नीचाँ लड़बाक लेल एक कोन मे आबि गेल, गाशक निवासी सभ बरखाक बरखा जकाँ ओकरा सभ पर तीर आ पाथर फेकि देलक आ ओ सभ देबालक नीचाँ सँ भागि गेल।
24 देबाल पर बैसल गाशक लोक सभ ई देखि जे याकूबक पुत्र सभ देबालक नीचाँ सँ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकैत अछि, तेँ याकूबक पुत्र सभ कैँ एहि बात सभ मे डाँटि देलक।

25 युद्ध मे अहाँ सभक कोन बात अछि जे अहाँ सभ जीत नहि पाबि सकैत छी? तखन की अहाँ गाशक पराक्रमी नगर आ ओकर निवासी सभक संग ओहिना क’ सकैत छी जेना अमोरी सभक शहर सभक संग जे ओतेक शक्तिशाली नहि छल? हमरा सभक बीचक ओहि कमजोर लोक सभ कैँ अहाँ ओ सभ काज केलहुँ आ नगरक प्रवेश द्वार पर ओकरा सभ कैँ मारि देलियैक, कारण अहाँक चिचियाहटि सुनि हुनका सभ मे कोनो ताकत नहि छलनि।
26 तखन की अहाँ सभ एहि ठाम लड़ि सकब? निश्चय एतय अहाँ सभ मरि जायब, आ हम सभ ओहि शहर सभक काजक बदला लेब, जकरा अहाँ सभ उजाड़ि देलहुँ।
27 गाशक निवासी याकूबक पुत्र सभ कैँ बहुत डाँटि कऽ अपन देवता सभक संग गारि देलक आ देबाल सँ ओकरा सभ पर तीर आ पाथर फेकैत रहल।
28 यहूदा आ ओकर भाय सभ गाशक निवासी सभक बात सुनि कऽ हुनका सभक क्रोध बहुत भड़कि उठलनि आ यहूदा एहि विषय मे अपन परमेश् वर सँ ईर्ष्या कयलनि आ कहलथिन, “हे प्रभु, सहायता करू, हमरा सभ आ हमरा सभक भाइ सभक सहायता पठाउ।”
29 ओ अपन खीचल तलवार हाथ मे ल’ क’ अपन पूरा ताकत सँ दूर दौड़ल, आ अपन शक्तिक बल पर ओ पृथ्वी पर सँ उछलि क’ देबाल पर चढ़ि गेल आ ओकर तलवार हाथ सँ खसि पड़ल।
30 यहूदा देबाल पर चिचिया उठल आ देबाल पर बैसल सभ आदमी आतंकित भऽ गेल आ किछु लोक देबाल सँ नगर मे खसि पड़ल आ मरि गेल आ जे सभ एखन धरि देबाल पर छल से यहूदाक सामर्थ् य देखि बहुत डरा गेल आ अपन जान बचाबय लेल शहर मे भागि गेल।
31 किछु लोक सभ यहूदाक संग देबाल पर लड़बाक हिम्मत बढ़ौलनि, आ ओ सभ हुनका मारबाक लेल लग आबि गेलाह जखन ओ सभ देखि जे यहूदाक हाथ मे तलवार नहि अछि, आ ओ सभ सोचलनि जे ओकरा देबाल सँ अपन भाय सभ लग फेकि देब, आ नगरक बीस गोटे हुनका सभक सहायता करबाक लेल चढ़ि गेलाह आ ओ सभ यहूदा कैँ घेर लेलनि आ सभ हुनका पर चिचिया उठलनि आ तलवार निकालि कऽ हुनका लग आबि गेलाह आ ओ सभ भयभीत भऽ गेलाह यहूदा आ यहूदा देबाल पर सँ अपन भाय सभ कैँ चिचिया उठल।
32 याकूब आ ओकर बेटा सभ देबालक नीचाँ सँ धनुष खींचलक आ देबालक चोटी पर बैसल तीन गोटे कैँ मारि देलक आ यहूदा चिचियाइत रहल आ ओ चिचियाइत रहल, “हे प्रभु हमरा सभक मदद करू, हे प्रभु हमरा सभ कैँ बचाउ, आ ओ देबाल पर जोर सँ चिचिया उठल आ बहुत दूर सँ ई चीत्कार सुनल गेल।
33 एहि पुकारक बाद ओ फेर सँ चिचिया उठलाह आ देबालक चोटी पर यहूदा कैँ घेरने सभ लोक आतंकित भऽ गेलाह आ यहूदाक चिचियाहटि आ हुनकर कंपनक आवाज सुनि ओ सभ एक-एकटा अपन हाथ सँ तलवार फेकि कऽ भागि गेलाह।
34 यहूदा हुनका सभक हाथ सँ खसल तलवार सभ पकड़ि लेलक आ यहूदा हुनका सभक संग लड़ि गेल आ हुनका सभक बीस गोटे कैँ देबाल पर मारि देलक।
35 लगभग अस्सी पुरुष-स्त्री एखनो नगर सँ देबाल पर चढ़ि रहल छलाह आ सभ यहूदा कैँ घेरने छलाह आ प्रभु हुनका सभक हृदय मे यहूदाक भय कैँ समेटने छलाह जे ओ सभ हुनका लग नहि पहुँचि सकलाह।
36 याकूब आ ओकर संगक सभ लोक देबालक नीचाँ सँ धनुष खींचलक आ देबाल पर दस आदमी कैँ मारि देलक आ ओ सभ देबालक नीचाँ याकूब आ ओकर पुत्र सभक सोझाँ खसि पड़ल।
37 देबाल पर बैसल लोक सभ अपन बीस आदमी खसि पड़ल देखि ओ सभ तलवार लऽ कऽ यहूदा दिस दौड़ल, मुदा ओ सभ हुनका लग नहि पहुँचि सकल, किएक तँ ओ सभ यहूदाक बल सँ बहुत आतंकित भऽ गेल।
38 हुनका लोकनिक एकटा पराक्रमी जे अरुद नामक छल, अपन तलवार सँ यहूदाक माथ पर प्रहार करबाक लेल नजदीक आबि गेलाह, तखने यहूदा जल्दबाजी मे अपन ढाल हुनकर माथ पर राखि देलनि आ तलवार ढाल पर टकरा गेलनि आ ओ दू भाग मे फाटि गेलनि।
39 ई पराक्रमी यहूदा कैँ मारि देलाक बाद यहूदाक भय सँ अपन जान बचा लेलक आ ओकर पएर देबाल पर फिसल गेल आ देबालक नीचाँ मे याकूबक पुत्र सभक बीच खसि पड़ल आ याकूबक पुत्र सभ ओकरा मारि कऽ मारि देलक।
40 ओहि पराक्रमी आदमीक प्रहार सँ यहूदाक माथ दुखी भऽ गेलनि आ यहूदा एहि सँ लगभग मरि गेल छलाह।
41 यहूदा प्रहार सँ उत्पन्न पीड़ाक कारणेँ देबाल पर चिचिया उठलाह, जखन दान हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि, आ ओहो उठि कऽ दूर धरि गेलाह आ दौड़ि कऽ पृथ्वी पर सँ उछलि गेलाह आ अपन क्रोध सँ उत्तेजित शक्ति सँ देबाल पर चढ़ि गेलाह।
42 जखन दान यहूदाक समीप देबाल पर पहुँचलाह तखन देबाल पर बैसल सभ लोक, जे यहूदाक विरुद्ध ठाढ़ छल, भागि गेलाह आ दोसर देबाल पर चढ़ि गेलाह आ दोसर देबाल सँ दान आ यहूदा पर तीर आ पाथर फेकि देलनि आ देबाल सँ भगाबाक प्रयास कयलनि।
43 दान आ यहूदा पर तीर आ पाथर मारल गेल आ देबाल पर लगभग मारल गेल छल आ दान आ यहूदा जतय-जतय देबाल सँ भागि गेल छल, दोसर देबाल सँ तीर आ पाथर सँ आक्रमण कयल गेल।
44 याकूब आ ओकर पुत्र सभ एखनो पहिल देबालक नीचाँ नगरक प्रवेश द्वार पर छल, आ दोसर देबाल पर रहबाक कारणेँ ओ सभ अपन धनुष नगरक निवासी सभक विरुद्ध नहि खींचि सकल।
45 दान आ यहूदा जखन दोसर देबाल सँ खसल पाथर आ बाण सभ कैँ आब सहन नहि कऽ सकलाह, तखन दुनू गोटे नगरक लोक सभक लग मे दोसर देबाल पर उछलि गेलाह आ जखन दोसर देबाल पर बैसल नगरक लोक सभ देखलनि जे दोसर देबाल पर दान आ यहूदा हुनका सभक लग आबि गेल छथि, तखन ओ सभ चिचिया उठलाह आ देबालक बीच नीचाँ उतरि गेलाह।
46 याकूब आ ओकर पुत्र सभ नगरक लोकक चिचियाहटि सुनलनि आ ओ सभ शहरक प्रवेश द्वार पर एखनो दान आ यहूदाक विषय मे चिंतित छलाह जे हुनका सभक द्वारा नहि देखल गेल छल, ओ सभ दोसर देबाल पर छल।
47 नफ्ताली अपन क्रोध सँ उत्तेजित शक्ति सँ चढ़ि गेलाह आ पहिल देबाल पर उछलि गेलाह जे शहर मे सुनल गेल चिचियाहटि के आवाज के कारण छल, आ इस्साकर आ जबूलून शहरक दरबज्जा तोड़बाक लेल नजदीक आबि गेलाह आ शहरक फाटक खोलि शहर मे आबि गेलाह।

48 नफ्ताली पहिल देबाल सँ दोसर देबाल दिस कूदि गेलाह आ अपन भाय सभ आ देबाल पर बैसल गाशक निवासी सभक सहायता करबाक लेल आबि गेलाह, ई देखि जे नफ्ताली तेसर लोक छथि जे अपन भाय सभक सहायता करबाक लेल चढ़ल छलाह, ओ सभ भागि कऽ शहर मे उतरि गेलाह आ याकूब आ हुनकर सभ पुत्र आ अपन सभ युवक हुनका सभक लग नगर मे आबि गेलाह।
49 यहूदा, दान आ नफ्ताली देबाल सँ उतरि शहर मे आबि गेलाह आ नगरक निवासी सभक पीछा कयलनि, आ सिमोन आ लेवी नगरक बाहरक छलाह आ ई नहि जनैत छलाह जे फाटक खुजल अछि, आ ओ सभ ओतहि सँ देबाल पर चढ़ि कऽ नगर मे अपन भाय सभक लग आबि गेलाह।
50 एहि नगरक निवासी सभ नगर मे उतरि गेल छल आ याकूबक पुत्र सभ अलग-अलग दिशा मे हुनका सभ लग आबि गेल छल आ आगू-पाछू सँ हुनका सभक विरुद्ध युद्ध चलि गेल आ याकूबक पुत्र सभ हुनका सभ कैँ भयंकर रूप सँ मारि देलक आ लगभग बीस हजार पुरुष-स्त्री कैँ मारि देलक, जाहि मे सँ एको गोटे याकूबक पुत्र सभक विरुद्ध ठाढ़ नहि भ' सकल।
51 नगर मे खूनक भरमार छल आ ओ पानिक धार जकाँ छल, आ खून एकटा धार जकाँ नगरक बाहरी भाग मे बहैत छल आ बेतकोरिन मरुभूमि मे पहुँचि गेल छल।
52 बेतकोरिनक लोक सभ दूर सँ गाश नगर सँ खून बहैत देखलक आ ओकरा सभ मे सँ करीब सत्तरि आदमी खून देखबाक लेल दौड़ल आ ओ सभ ओहि स्थान पर पहुँचि गेल जतय खून छल।
53 ओ सभ खूनक पगडंडी पर चलैत गाश नगरक देबाल पर पहुँचलाह आ नगर सँ खून निकलैत देखलनि, आ गाशक निवासी सभक कानबाक आवाज सुनलनि, किएक तँ ओ स् वर्ग मे चढ़ि गेल छल आ खून पानिक धार जकाँ प्रचुर मात्रा मे बहैत छल।
54 याकूबक सभ पुत्र गाशक निवासी सभ कैँ एखनो धरि मारि रहल छल आ साँझ धरि ओकरा सभक हत्या मे लागल छल, लगभग बीस हजार पुरुष आ स्त्रीगण, आ चोरिनक लोक सभ कहलक जे, "सत्ते इब्रानी सभक काज अछि, किएक तँ ओ सभ एखनो अमोरी सभक सभ नगर मे युद्ध कऽ रहल अछि।"
55 ओ सभ हड़बड़ा कऽ बेतकोरिन दिस दौड़ल आ एक-एकटा अपन-अपन युद्धक हथियार लऽ कऽ बेतकोरिनक सभ निवासी सभ कैँ चिचिया उठल, जे सभ सेहो अपन-अपन युद्धक हथियार पहिरने याकूबक पुत्र सभक संग लड़बाक लेल जाउ।
56 जखन याकूबक बेटा सभ गाशक निवासी सभ कैँ मारि देलक तखन ओ सभ नगर मे घुमि-घुमि कऽ सभ मारल गेल लोक सभ कैँ उतारि लेलक आ नगरक भीतर आ आगू आबि तीनटा बहुत शक्तिशाली आदमी सँ भेंट केलक आ हाथ मे कोनो तलवार नहि छलैक।
57 याकूबक पुत्र सभ जतऽ ओ सभ छल, ओहि ठाम चढ़ि गेलाह आ शक्तिशाली लोक सभ भागि गेलाह आ ओहि मे सँ एक गोटे जबूलून कैँ पकड़ि लेलनि, जकरा ओ छोट कदक छोट-छोट लड़का कैँ देखि लेलनि आ अपन सामर्थ् य सँ ओकरा जमीन पर खसा देलक।
58 याकूब तलवार लऽ कऽ हुनका लग दौड़ल आ याकूब हुनका तलवारसँ कमरसँ नीचाँ मारि देलक आ ओकरा दू भाग मे काटि देलक आ लाश जबबुलून पर खसि पड़ल।
59 दोसर गोटे लग आबि कऽ याकूब कैँ पकड़ि लेलक आ ओकरा जमीन पर खसा देलक आ याकूब ओकरा दिस घुमि कऽ चिचिया उठल, जखन कि शिमोन आ लेवी दौड़ि कऽ ओकर कूल्हि पर तलवार सँ मारि कऽ ओकरा जमीन पर खसा देलक।
60 ओ शक्तिशाली आदमी क्रोध सँ उत्पन्न सामर्थ्यक संग जमीन पर सँ उठि गेल आ ओकर पैर पकड़बा सँ पहिने यहूदा ओकरा लग आबि गेल आ ओकर माथ पर तलवार सँ मारि देलक आ ओकर माथ फाटि गेलै आ ओ मरि गेलै।
61 तेसर शक्तिशाली आदमी अपन संगी सभ कैँ मारल गेल देखि याकूबक पुत्र सभक सामने सँ भागि गेल आ याकूबक पुत्र सभ हुनका नगर मे पाछाँ-पाछाँ मारि देलक। जखन ओ शक्तिशाली आदमी भागि रहल छल तखन ओकरा शहरक निवासी सभक एकटा तलवार भेटलैक, आ ओ ओकरा उठा लेलक आ याकूबक बेटा सभक दिस घुमि गेल आ ओहि तलवार सँ ओकरा सभ सँ लड़ि लेलक।
62 ओ शक्तिशाली आदमी तलवार सँ ओकर माथ पर प्रहार करबाक लेल यहूदा दिस दौड़ल, मुदा यहूदाक हाथ मे कोनो ढाल नहि छल। आ जखन ओ ओकरा पर प्रहार करबाक लक्ष्य रखैत छल तखन नफ्ताली जल्दबाजी मे ओकर ढाल लऽ कऽ यहूदाक माथ पर राखि लेलक आ ओहि शक्तिशाली आदमीक तलवार नफ्तालीक ढाल पर खसि पड़ल आ यहूदा तलवार सँ बचि गेल।
63 शिमोन आ लेवी अपन तलवार सँ ओहि शक्तिशाली आदमी पर दौड़ल आ अपन तलवार सँ जबरदस्ती मारि देलक आ दुनू तलवार ओहि शक्तिशाली आदमीक शरीर मे घुसि गेल आ ओकरा लम्बाईक हिसाब सँ दू भाग मे बाँटि देलक।
64 ओहि समय मे याकूबक पुत्र सभ गाशक सभ निवासीक संग तीनू पराक्रमी कैँ मारि देलक।
65 याकूबक बेटा सभ गाशक चारूकात घुमि कऽ नगरक सभटा लूट-पाट लऽ लेलक, छोट-छोट आ स् त्रीगण सभ कैँ जीबऽ नहि देलक।

अध्याय 40

1 याकूबक बेटा सभ गाशक सभ लूट कैँ लऽ कऽ राति मे शहर सँ बाहर निकलि गेल।
2 ओ सभ बेतकोरिनक महल दिस बढ़ैत निकलि रहल छल आ बेथकोरिनक निवासी सभ हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल महल दिस जा रहल छल आ ओहि राति याकूबक पुत्र सभ बेतकोरिनक महल मे बेतकोरिनक निवासी सभक संग लड़ल।
3 बेतकोरिनक सभ निवासी पराक्रमी छलाह, एक गोटे हजार आदमीक सोझाँ सँ नहि भागय चाहैत छलाह, आ ओहि राति ओ सभ महल पर लड़लनि, आ ओहि राति दूर सँ हुनकर सभक चिचियाहटि सुनबा मे आयल आ हुनकर सभक चिचियाहटि सँ धरती काँपि उठलनि।
4 याकूबक सभ पुत्र सभ ओहि लोक सभ सँ डेरा गेलाह, किएक तँ हुनका सभ कैँ अन्हार मे लड़बाक आदति नहि छलनि, आ ओ सभ बहुत भ्रमित भ' गेलाह, आ याकूबक पुत्र सभ प्रभु सँ पुकारैत कहलथिन, "हे प्रभु, हमरा सभक सहायता करू, हमरा सभ कैँ बचाउ जाहि सँ हम सभ एहि अखतना लोक सभक हाथ सँ नहि मरि सकब।"
5 परमेश् वर याकूबक पुत्र सभक आवाज सुनलनि आ परमेश् वर बेतकोरिनक लोक सभ कैँ पकड़ि लेलक आ बहुत आतंक आ

भ्रम उत्पन्न कयलनि आ राति मे अन् हार मे एक-दोसर सँ एक-दोसर सँ लड़लनि आ बहुत संख्या मे एक-दोसर कैँ मारि देलनि।
6 याकूबक पुत्र सभ ई जानि जे परमेश् वर ओहि लोक सभ मे विकृतताक आत् मा अनने छथि आ ओ सभ एक-एकटा अपन पड़ोसी सँ लड़ैत छथि, बेतकोरिनक लोकक दलक बीच सँ बाहर निकलि गेलाह आ बेतकोरिनक महल सँ नीचाँ उतरि गेलाह आ ओहि राति ओ सभ अपन युवक सभक संग सुरक्षित रहि गेलाह।
7 बेतकोरिनक लोक सभ राति भरि लड़ैत रहल, एक आदमी अपन भाय सँ आ दोसर अपन पड़ोसी सँ, आ ओ सभ महल पर चारू कात चिचिया उठल, आ दूर सँ ओकर सभक चीत्कार सुनबा मे आयल आ पूरा धरती ओकर आवाज सँ काँपि उठल, कारण ओ सभ पृथ्वीक सभ लोक सँ बेसी शक्तिशाली छल।
8 ओहि राति कनान, हित्ती, अमोरी, हिवी आ कनानक सभ राजा आ यरदन नदीक दोसर कात मे रहनिहार सभ लोक सभ ओहि राति मे चिचियाहटि सुनलनि।
9 ओ सभ कहलथिन, “सत्ते ई सभ इब्रानी सभक युद्ध अछि जे सातटा नगर सभक संग लड़ि रहल अछि। आ ओहि इब्रानी सभक विरुद्ध के ठाढ़ भ' सकैत अछि?
10 कनानक नगरक सभ निवासी आ यरदन नदीक ओहि पारक सभ लोक याकूबक पुत्र सभ सँ बहुत डरा गेलाह, किएक तँ ओ सभ कहलथिन, “देखू, हमरा सभक संग सेहो वैह काज होयत जेना ओहि शहर सभक संग भेल छल, किएक तँ ओकर सभक प्रबल शक्तिक विरुद्ध के ठाढ़ भऽ सकैत अछि?”
11 ओहि राति कोरीन लोकक चीत्कार बहुत बेसी भेल आ बढ़ैत रहल। भोर धरि एक-दोसर कैँ मारि-पीट केलक आ ओकर संख्या मे मारल गेल।
12 भोर भऽ गेल आ याकूबक सभ पुत्र भोर मे उठि कऽ महल दिस बढ़लाह आ कोरीनी मे सँ बचल लोक सभ कैँ भयंकर रूप सँ मारि देलथिन आ ओ सभ महल मे मारल गेलाह।
13 छठम दिन प्रकट भेल आ कनानक सभ निवासी दूर सँ बेतकोरिनक सभ लोक कैँ बेतकोरिनक महल मे मृत पड़ल देखलक आ मेमना आ बकरी सभक लाश जकाँ पसरल।
14 याकूबक बेटा सभ गाश सँ पकड़ल गेल सभ लूट कैँ लऽ कऽ बेतकोरिन गेलाह आ समुद्रक बालु जकाँ लोक सभ सँ भरल शहर भेटलनि आ ओ सभ हुनका सभ सँ लड़लनि आ याकूबक पुत्र सभ ओतय साँझ धरि मारि देलनि।
15 याकूबक बेटा सभ बेतकोरिनक संग ओहिना केलक जेना गाश आ तपनाक आ चाजर, सरतोन आ शिलोक संग केने छल।
16 याकूबक बेटा सभ बेतकोरिनक लूट आ नगर सभक सभ लूट कैँ अपना संग लऽ कऽ ओहि दिन शेकेम घर चलि गेलाह।
17 याकूबक पुत्र सभ शेकेम नगर मे घर आबि गेलाह आ ओ सभ नगर सँ बाहर रहलाह आ युद्ध सँ बाहर ओतहि विश्राम कयलनि आ राति भरि ओतहि रहलाह।
18 ओकर सभ नोकर नगर सभ सँ जे लूट-पाट लऽ गेल छल, तकरा संग ओ सभ शहरक बाहर निकलि गेल, मुदा ओ सभ नगर मे प्रवेश नहि कयलक, कारण ओ सभ कहैत छल जे, “शायद हमरा सभक विरुद्ध आओर लड़ाइ भऽ सकैत अछि आ ओ सभ हमरा सभ कैँ शेकेम मे घेराबंदी करय लेल आबि सकैत अछि।”
19 याकूब आ ओकर पुत्र सभ आ ओकर नोकर सभ ओहि राति आ दोसर दिन ओहि खेत मे रहि गेलाह जे याकूब हमोर सँ पाँच शेकेल मे कीनने छलाह आ जे किछु पकड़ने छलाह से हुनका सभक संग छल।
20 याकूबक बेटा सभ जे लूट पकड़ने छल, से सभ खेतक भाग मे छल, जे समुद्रक कात मे बालु जकाँ विशाल छल।
21 ओहि देशक निवासी सभ दूर सँ ओकरा सभ कैँ देखैत रहल आ ओहि देशक सभ निवासी याकूबक पुत्र सभ सँ डेरा गेल जे ई काज केने छल, किएक तँ पहिने सँ कोनो राजा एहन काज नहि केने छल।
22 कनानक सातटा राजा याकूबक पुत्र सभक संग मेल-मिलाप करबाक संकल्प लेलनि, किएक तँ याकूबक पुत्र सभक कारणेँ ओ सभ अपन जान सँ बहुत डरैत छलाह।
23 ओहि दिन सातम दिन हेब्रोनक राजा याफिया आइक राजा, गिबोनक राजा, शालेमक राजा, अदुलमक राजा, लाकीशक राजा, चाजरक राजा आ हुनका सभक अधीन रहनिहार सभ कनानी राजा सभ लग गुप्त रूप सँ पठौलनि।
24 हमरा संग जाउ आ हमरा लग आबि जाउ जे हम सभ याकूबक सन्तान सभ लग जाइ, आ हम हुनका सभक संग मेल-मिलाप कऽ कऽ हुनका सभक संग संधि करब, जाहि सँ अहाँ सभक सभ देश याकूबक पुत्र सभक तलवार सँ नष्ट नहि भऽ जाय, जेना ओ सभ शेकेम आ ओकर चारूकातक नगर सभ कैँ नष्ट कऽ देलक, जेना अहाँ सभ सुनलहुँ आ देखलहुँ।
25 जखन अहाँ सभ हमरा लग आबि जायब तँ बेसी लोकक संग नहि आउ, बल् कि प्रत्येक राजा अपन तीनू सेनापति कैँ आनि दियौक आ प्रत्येक सेनापति अपन तीनटा सेनापति कैँ आनि दियौक।
26 अहाँ सभ गोटे हेब्रोन आबि जाउ, आ हम सभ याकूबक पुत्र सभक लग जा कऽ हुनका सभ सँ विनती करब जे ओ सभ हमरा सभक संग शान्तिक संधि करथि।
27 ओ सभ राजा जेना हेब्रोनक राजा हुनका सभ लग पठौने छलाह, तेना कयलनि, किएक तँ ओ सभ हुनकर सलाह आ आज्ञाक अधीन छलाह आ कनानक सभ राजा याकूबक पुत्र सभक लग जा कऽ हुनका सभक संग मेल-मिलाप करबाक लेल जमा भऽ गेलाह। याकूबक पुत्र सभ घुरि कऽ शेकेम मे खेतक भाग मे चलि गेलाह, किएक तँ ओ सभ देशक राजा सभ पर भरोसा नहि रखैत छलाह।
28 याकूबक बेटा सभ घुरि कऽ दस दिन धरि खेतक भाग मे रहलाह आ कियो हुनका सभ सँ युद्ध करऽ नहि अयलाह।
29 जखन याकूबक बेटा सभ देखलक जे युद्धक कोनो प्रकोप नहि अछि, तखन सभ जमा भ' क' शेकेम नगर चलि गेल आ याकूबक पुत्र सभ शेकेम मे रहि गेल।
30 चालीस दिन समाप्त भेला पर अमोरीक सभ राजा सभ अपन-अपन स्थान सँ जमा भऽ हेब्रोन, हेब्रोनक राजा याफिया मे आबि गेलाह।
31 याकूबक पुत्र सभक संग मेल-मिलाप करबाक लेल हेब्रोन मे आयल राजा सभक संख्या एकैस राजा छल आ हुनका सभक संग आयल सेनापति सभक संख्या उनसठि छल आ ओकर सभक आदमी एक सय उननसी छल, आ ई सभ राजा आ ओकर सभक आदमी हेब्रोन पहाड़क कात मे विश्राम कयलनि।
32 हेब्रोनक राजा अपन तीनू सेनापति आ नौ आदमीक संग विदा भेलाह आ ई राजा सभ याकूबक पुत्र सभक लग जा कऽ मेल-मिलाप करबाक लेल संकल्प कयलनि।
33 ओ सभ हेब्रोनक राजा कैँ कहलथिन, “अहाँ अपन लोक सभक संग हमरा सभक आगाँ जाउ आ याकूबक पुत्र सभ सँ हमरा सभक लेल गप्प करू।

34 याकूबक बेटा सभ सुनलक जे कनानक सभ राजा हेब्रोन मे जमा भ' क' विश्राम कयने छथि, आ याकूबक पुत्र सभ अपन चारिटा नौकर कैँ जासूसी बना कऽ पठौलनि जे, "जाउ आ एहि राजा सभक जासूसी करू आ हुनका सभक लोक सभ कैँ खोजू आ जाँच करू जे ओ सभ कम छथि वा बेसी, आ जँ संख्या मे कम छथि तँ सभ कैँ गिनती करू आ घुरि कऽ आबि जाउ।"
35 याकूबक सेवक सभ गुप्त रूप सँ एहि राजा सभ लग गेल आ याकूबक पुत्र सभक आज्ञानुसार काज केलक आ ओहि दिन ओ सभ याकूबक पुत्र सभक लग आबि गेल आ ओकरा सभ कैँ कहलक, "हम सभ ओहि राजा सभ लग आबि गेलहुँ, आ ओ सभ संख्या मे कम अछि, आ सभ गोटे कैँ गिनलहुँ, आ देखलहुँ, ओ सभ दू सय अट्ठासी छल, राजा आ आदमी।"
36 याकूबक पुत्र सभ कहलथिन, "ओ सभक संख्या कम अछि, तैँ हम सभ ओकरा सभ लग नहि जायब। भोरे याकूबक बेटा सभ उठि कऽ अपन बासठि गोटे कैँ चुनलनि आ याकूबक दस गोटे हुनका सभक संग चलि गेलाह। ओ सभ अपन-अपन युद्धक हथियार पहिरने छल, किएक तँ ओ सभ कहैत छल जे, "ओ सभ हमरा सभसँ युद्ध करऽ आबि रहल अछि, किएक तँ ओकरा सभकेँ ई नहि बुझल छल जे ओ सभ ओकरा सभक संग मेल-मिलाप करऽ आबि रहल अछि।"
37 याकूबक पुत्र सभ अपन नोकर सभक संग शेकेम फाटक ओहि राजा सभ दिस गेलाह आ हुनका सभक पिता याकूब हुनका सभक संग छलाह।
38 जखन ओ सभ बाहर आबि गेलाह तँ देखलहुँ जे हेब्रोनक राजा आ हुनकर तीनू सेनापति आ हुनका संग नौ आदमी सड़कक कात मे याकूबक पुत्र सभक विरुद्ध आबि रहल छलाह आ याकूबक पुत्र लोकनि आँखि उठा कऽ दूर सँ देखलनि जे हेब्रोनक राजा याफिया कैँ अपन सेनापति सभक संग हुनका सभक दिस आबि रहल छथि आ याकूबक पुत्र सभ शेकेम फाटकक स्थान पर ठाढ़ भऽ गेलाह आ मरि गेलाह आगू नहि बढ़ू।
39 हेब्रोनक राजा आ ओकर सेनापति सभ आगू बढ़ैत रहलाह जाबत धरि ओ याकूबक पुत्र सभक लग नहि पहुँचि गेलाह आ ओ आ ओकर सेनापति सभ हुनका सभ कैँ जमीन पर प्रणाम कयलनि आ हेब्रोनक राजा अपन सेनापति सभक संग याकूब आ हुनकर पुत्र सभक समक्ष बैसलाह।
40 याकूबक पुत्र सभ हुनका कहलथिन, "हे हेब्रोनक राजा, अहाँक की भेल? आइ अहाँ हमरा सभ लग किएक आयल छी? अहाँ हमरा सभसँ की माँगैत छी? हेब्रोनक राजा याकूब कैँ कहलथिन, "हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे हमर मालिक, आइ कनानक सभ राजा अहाँ सभक संग मेल-मिलाप करबाक लेल आयल छथि।"
41 याकूबक पुत्र सभ हेब्रोनक राजाक बात सुनलनि आ ओ सभ हुनकर प्रस्ताव पर सहमति नहि देलनि, किएक तँ याकूबक पुत्र सभ हुनका पर कोनो विश् वास नहि रखैत छलाह, किएक तँ ओ सभ सोचैत छलाह जे हेब्रोनक राजा हुनका सभ सँ छल-प्रपंच केने छथि।
42 तखन हेब्रोनक राजा याकूबक पुत्र सभक बात सँ बुझि गेलाह जे ओ सभ हुनकर बात पर विश्वास नहि कयलनि, आ हेब्रोनक राजा याकूबक नजदीक आबि हुनका कहलथिन, "हमर प्रभु, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे ई आश्वस्त करू जे ई सभ राजा अहाँ लग शान्तिक शर्त पर आबि गेल छथि, किएक तँ ओ सभ अपन सभ आदमीक संग नहि आयल छथि, आ ने ओ सभ अपन युद्धक हथियार सेहो अपना संग अनने छथि, किएक तँ ओ सभ आबि गेल छथि।" हमर मालिक आ हुनकर पुत्र सभ सँ शान्ति ताकबाक लेल।
43 याकूबक पुत्र सभ हेब्रोनक राजा कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँ एहि सभ राजा सभ लग पठाउ आ जँ अहाँ हमरा सभ कैँ सत् य बाजब तँ एक-एकटा हमरा सभक सोझाँ आबि जाउ आ जँ ओ सभ हमरा सभ लग निहत्था आबि जायत तँ हम सभ तखन बुझब जे ओ सभ हमरा सभ सँ शान्ति चाहैत छथि।"
44 हेब्रोनक राजा याफिया अपन एकटा आदमी कैँ राजा सभ लग पठौलनि आ ओ सभ याकूबक पुत्र सभक सोझाँ आबि कऽ हुनका सभ कैँ जमीन पर प्रणाम कयलनि आ ई राजा सभ याकूब आ हुनकर पुत्र सभक सोझाँ बैसि गेलाह आ ओ सभ हुनका सभ सँ बात कयलनि।
"
46 तैँ हम सभ अहाँ सभ लग अपना सभक बीच शान्तिक संधि करबाक लेल आयल छी आ आब हमरा सभक संग शान्ति आ सत्यक वाचा करू जाहि सँ अहाँ सभ हमरा सभक संग हस्तक्षेप नहि करब, जाबत धरि हम सभ अहाँ सभक संग हस्तक्षेप नहि कयलहुँ।
47 याकूबक बेटा सभ बुझि गेल जे ओ सभ सत्ते हुनका सभ सँ शान्ति माँगय लेल आयल अछि, आ याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक बात सुनि हुनका सभक संग एकटा वाचा कयलनि।
48 याकूबक बेटा सभ ओकरा सभ कैँ शपथ देलक जे ओ सभ ओकरा सभ मे दखल नहि देब, आ कनानी सभक सभ राजा सभ ओकरा सभ कैँ शपथ देलक आ याकूबक पुत्र सभ ओहि दिन सँ ओकरा सभ कैँ कर देलक।
49 एकर बाद एहि राजाक सभ सेनापति सभ अपन आदमी सभक संग याकूब आ हुनकर पुत्र सभक लेल उपहार लऽ कऽ याकूबक समक्ष आबि गेलाह आ ओ सभ हुनका जमीन पर प्रणाम कयलनि।
50 तखन ई राजा सभ याकूबक पुत्र सभ कैँ आग्रह कयलनि आ हुनका सभ सँ निहोरा कयलनि जे अमोरी सभक सात नगर सभ सँ जे लूटपाट कयल गेल छल, तकरा वापस करबाक लेल, आ याकूबक पुत्र सभ सेहो एना केलक आ ओ सभ जे किछु पकड़ने छल, स्त्रीगण, छोट-छोट बच्चा सभ, मवेशी आ सभटा लूट-पाट कैँ वापस कऽ देलक आ ओकरा सभ कैँ विदा कऽ देलक आ ओ सभ एक-एकटा अपन-अपन नगर दिस विदा भऽ गेल।
51 ई सभ राजा फेर याकूबक पुत्र सभक समक्ष प्रणाम कयलनि आ ओहि समय मे ओ सभ हुनका सभ कैँ बहुत रास वरदान पठौलनि वा अनलनि, आ याकूबक पुत्र सभ एहि राजा सभ कैँ आ हुनका सभक लोक सभ कैँ विदा कयलनि, आ ओ सभ शान्तिपूर्वक हुनका सभ सँ अपन-अपन नगर मे चलि गेलाह आ याकूबक पुत्र सभ सेहो अपन घर सिकेम घुरि गेलाह।
52 ओहि दिन सँ याकूबक पुत्र आ कनानक राजा सभक बीच शान्ति छल, जाबत इस्राएलक सन्तान कनान देशक उत्तराधिकारी नहि भऽ गेल।

अध्याय 41

1 वर्षक क्रान्तिक समय मे याकूबक पुत्र सभ शेकेम सँ विदा भेलाह आ ओ सभ हेब्रोन, अपन पिता इसहाक लग आबि गेलाह, आ ओ सभ ओतहि रहि गेलाह, मुदा ओ सभ शेकेम मे अपन

भेँड़ा आ भेँड़ा सभ केँ रोज पोसैत रहलाह, कारण ओहि समय मे ओतय नीक आ मोटका चारागाह छल, आ याकूब आ ओकर पुत्र सभ आ ओकर सभक घरक लोक हेब्रोनक घाटी मे रहैत छलाह।
2 ओहि वर्ष मे याकूबक जीवनक छठम साल मे याकूबक पदान-अराम सँ एबाक दसम वर्ष मे याकूबक पत्नी लीआक मृत्यु भ' गेलनि। ओ एकवन वर्षक छलीह जखन हुनकर मृत्यु हेब्रोन मे भेलनि।
3 याकूब आ ओकर पुत्र सभ ओकरा मकपेलाक खेतक गुफा मे गाड़ि देलक जे हेब्रोन मे अब्राहम हेतक लोक सभ सँ कीनने छलाह।
4 याकूबक पुत्र सभ अपन पिताक संग हेब्रोन उपत्यका मे रहि गेलाह आ ओहि देशक सभ निवासी अपन सामर्थ्य केँ जनैत छलाह आ हुनकर सभक प्रसिद्धि पूरा देश मे चलि गेलनि।
5 याकूबक पुत्र यूसुफ आ ओकर भाय बिन्यामीन, याकूबक पत्नी राहेलक पुत्र, ओहि समय मे एखन धरि छोट छल आ अमोरीक सभ नगर मे युद्धक समय मे अपन भाय सभक संग नहि निकलैत छल।
6 जखन यूसुफ अपन भाय सभक सामर्थ् य आ हुनकर सभक महानता देखि हुनका सभक प्रशंसा कयलनि आ हुनका सभक प्रशंसा कयलनि, मुदा ओ अपना केँ हुनका सभ सँ पैघ पद पर ठाढ़ भऽ गेलाह। आ ओकर पिता याकूब सेहो ओकरा सँ अपन कोनो बेटा सँ बेसी प्रेम करैत छल, कारण ओ बुढ़ापा के बेटा छल आ ओकरा प्रति प्रेमक कारणेँ ओकरा अनेक रंगक कोट बनौलक।
7 जखन यूसुफ देखलक जे ओकर पिता ओकरा अपन भाय सभ सँ बेसी प्रेम करैत अछि, तखन ओ अपना केँ अपन भाय सभ सँ ऊपर उठबैत रहल आ अपन पिता केँ हुनका सभक विषय मे अधलाह खबरि देलक।
8 याकूबक पुत्र सभ यूसुफक सभ आचरण देखि जे हुनका सभक पिता हुनका सभ मे सँ बेसी प्रेम करैत छलाह, तखन ओ सभ हुनका सँ घृणा कयलनि आ भरि दिन हुनका सँ शान्तिपूर्वक गप्प नहि कऽ सकलाह।
9 यूसुफ सत्रह वर्षक छलाह, मुदा ओ एखनो अपन भाय सभ सँ ऊपर अपना केँ बढ़ा रहल छलाह आ हुनका सभ सँ ऊपर उठबाक विचार करैत छलाह।
10 ओहि समय मे ओ सपना देखलनि आ अपन भाय सभ लग आबि हुनका सभ केँ अपन सपना सुनौलनि आ हुनका सभ केँ कहलथिन, "हम सपना देखलहुँ, हम सभ खेत मे गुच्छा बान्हि रहल छलहुँ, हमर गुच्छा उठि कऽ जमीन पर बैसि गेल आ अहाँ सभक गुच्छा ओकरा घेर लेलक आ ओकरा समक्ष प्रणाम कऽ देलक।"
11 हुनकर भाय सभ हुनका उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "अहाँ जे सपना देखलहुँ से की मतलब अछि?" की अहाँ अपन हृदय मे कल्पना करैत छी जे हमरा सभ पर राज करब वा शासन करब?
12 ओ एखनो आबि कऽ अपन पिता याकूब केँ ई बात सुनौलनि आ याकूब यूसुफ केँ ई बात सुनि कऽ चुम्मा लेलनि आ याकूब यूसुफ केँ आशीर्वाद देलनि।
13 जखन याकूबक बेटा सभ देखलक जे ओकर पिता यूसुफ केँ आशीष दऽ कऽ चुम्मा लेलक आ ओ ओकरा सँ बहुत प्रेम करैत अछि, तखन ओकरा सँ ईर्ष्या भेल आ ओकरा सँ आर घृणा भेलैक।
14 एकर बाद यूसुफ एकटा आओर सपना देखलनि आ अपन भाय सभक समक्ष अपन पिता केँ ओहि सपना केँ सुनौलनि, आ यूसुफ अपन पिता आ भाइ सभ केँ कहलथिन, "देखू, हम फेर सपना देखलहुँ, आ देखू, सूर्य आ चान आ एगारह तारा हमरा प्रणाम कयलक।"
15 ओकर पिता यूसुफक बात आ ओकर सपना सुनलनि आ ई देखि जे हुनकर भाय सभ एहि बातक कारणेँ यूसुफ सँ घृणा करैत छथि, तखन याकूब एहि बातक कारणेँ यूसुफ केँ अपन भाय सभक समक्ष डाँटि देलथिन, "ई सपना जे अहाँ सपना मे देखलहुँ आ अहाँ सँ पैघ अपन भाय सभक समक्ष अपन महिमा करबाक की अर्थ अछि?"
16 की अहाँ अपन मोन मे सोचैत छी जे हम आ अहाँक माय आ अहाँक एगारहटा भाय आबि कऽ अहाँक समक्ष प्रणाम करब जे अहाँ ई सभ बात कहि रहल छी?
17 हुनकर भाय सभ हुनकर बात आ सपना सभक कारणेँ हुनका सँ ईर्ष्या करैत छलाह आ ओ सभ हुनका सँ घृणा करैत रहलाह आ याकूब ओहि सपना सभ केँ अपन मोन मे सुरक्षित राखि लेलनि।
18 याकूबक बेटा सभ एक दिन शेकेम मे अपन पिताक भेँड़ा केँ चरबा लेल गेलाह, किएक तँ ओहि समय मे ओ सभ एखनो चरबाह छल। ओहि दिन जखन याकूबक पुत्र सभ शेकेम मे भोजन करैत छलाह तखन ओ सभ देरी कयलनि, आ पशु-पक्षी जमा करबाक समय बीति गेलनि, मुदा ओ सभ नहि पहुँचल छलाह |
19 याकूब देखलनि जे हुनकर पुत्र सभ शेकेम मे देरी भऽ गेल अछि आ याकूब मन मे कहलथिन, "शायद शेकेमक लोक सभ ओकरा सभक विरुद्ध लड़बाक लेल उठि गेल अछि, तेँ आइ ओ सभ आबय मे देरी कऽ देलक।"
20 याकूब अपन पुत्र यूसुफ केँ बजा कऽ आज्ञा देलथिन, "देखू, अहाँक भाय सभ आइ शेकेम मे भोजन कऽ रहल छथि, आ देखू, ओ सभ एखन धरि घुरि कऽ नहि आयल छथि। तेँ आब जाउ आ देखू जे ओ सभ कतय अछि, आ हमरा अपन भाय सभक भलाई आ भेँड़ाक भलाईक विषय मे सुनाउ।"
21 याकूब अपन पुत्र यूसुफ केँ हेब्रोन उपत्यका मे पठौलनि, आ यूसुफ अपन भाय सभक लेल शेकेम आबि गेलाह, मुदा हुनका सभ केँ नहि भेटि सकलाह, आ यूसुफ शेकेमक समीप खेत मे घुमि गेलाह जे हुनकर भाय सभ कतय घुमि गेल छथि, आ जंगल मे अपन बाट छुटि गेलनि आ नहि बुझलनि जे हुनका कोन बाट पर जेबाक चाही।
22 प्रभुक एकटा स् वर्गदूत हुनका खेत दिसक बाट मे भटकैत देखलनि, तखन यूसुफ प्रभुक स् वर्गदूत केँ कहलथिन, "हम अपन भाय सभक खोज मे छी। की अहाँ नहि सुनने छी जे ओ सभ कतय भोजन क' रहल अछि? परमेश् वरक स् वर्गदूत यूसुफ केँ कहलथिन, "हम अहाँक भाय सभ केँ एतय भोजन करैत देखलहुँ आ हुनका सभ केँ ई कहैत सुनलहुँ जे ओ सभ दोथान मे भोजन करऽ जायब।"
23 यूसुफ परमेश् वरक स् वर्गदूतक आवाज सुनलनि आ ओ दोथान मे अपन भाय सभ लग गेलाह आ हुनका सभ केँ दोथान मे भेँड़ा केँ चरबैत देखलनि।
24 यूसुफ अपन भाय सभक लग आगू बढ़लाह आ हुनका सभक लग पहुँचबा सँ पहिने ओ सभ हुनका मारि देबाक निर्णय कएने छलाह।

25 शिमोन अपन भाय सभ कें कहलथिन, "देखू, आइ सपना देखनिहार आदमी हमरा सभ लग आबि रहल अछि, आब आबि कऽ ओकरा मारि कऽ जंगल मे जे कोनो गड्ढा मे फेकि दिअ, आ जखन ओकर पिता ओकरा हमरा सभ सँ ताकत तखन हम सभ कहब जे कोनो दुष्ट जानवर ओकरा खा गेल अछि।"
26 तखन रूबेन अपन भाय सभक यूसुफक विषय मे कहल बात सुनि कऽ कहलथिन, "अहाँ सभ कें ई काज नहि करबाक चाही, किएक तँ हम सभ अपन पिता याकूब दिस कोना आँखि उठा कऽ देखब?" ओकरा एहि गड्ढा मे फेकि दियौक जे ओतहि मरि जाय, मुदा ओकर खून बहाबय लेल ओकरा पर हाथ नहि बढ़ाउ। आर रूबेन हुनका सभक हाथ सँ मुक्त करबाक लेल ई बात कहलनि जे हुनका अपन पिता लग वापस अनबाक लेल।
27 जखन यूसुफ अपन भाय सभ लग पहुँचलाह तखन ओ हुनका सभक सोझाँ बैसलाह आ ओ सभ हुनका पर उठि कऽ हुनका पकड़ि कऽ पृथ् वी पर मारि देलथिन आ हुनकर पहिरल अनेक रंगक कोट उतारि देलनि।
28 ओ सभ ओकरा लऽ कऽ गड्ढा मे फेकि देलक आ गड्ढा मे पानि नहि छलैक, सिवाय साँप आ बिच्छू। यूसुफ ओहि गड्ढा मे राखल साँप आ बिच्छू सभ सँ डरैत छलाह। यूसुफ जोर-जोर सँ चिचिया उठल आ प्रभु साँप आ बिच्छू सभ कें गड्ढाक कात मे नुका देलक आ ओ सभ यूसुफक कोनो नुकसान नहि केलक।
29 यूसुफ गड्ढा मे सँ अपन भाय सभ कें पुछलथिन, "हम अहाँ सभक संग की केलहुँ आ कोन काज मे पाप केलहुँ?" अहाँ सभ हमरा विषय मे प्रभु सँ किएक नहि डेराइत छी? की हम अहाँक हड्डी आ मांसक नहि छी, आ की याकूब अहाँक पिता, हमर पिता नहि? आइ अहाँ हमरा संग ई काज किएक कऽ रहल छी आ हमरा सभक पिता याकूब कें कोना ऊपर देखि सकब?
30 ओ गड्ढा सँ अपन भाय सभ कें चिचियाइत रहलाह आ कहलथिन, "हे यहूदा, शिमोन आ लेवी, हमर भाय सभ, हमरा ओहि अन्हारक स्थान सँ उठाउ, जाहि ठाम अहाँ सभ हमरा राखने छी आ आइ हमरा पर दया करबाक लेल आबि जाउ, अहाँ सभ प्रभुक सन्तान आ हमर पिता याकूबक पुत्र सभ।" जँ हम अहाँ सभक लेल पाप केलहुँ तँ की अहाँ सभ अब्राहम, इसहाक आ याकूबक पुत्र नहि छी? जँ ओ सभ कोनो अनाथ कें देखथि तँ ओकरा पर दया होइत छलैक, वा भूखल बच्चा कें, ओकरा खाइ लेल रोटी दैत छलैक, वा प्यासल कें, ओकरा पीबाक लेल पानि दैत छलैक, वा जे नंगटे छलैक, ओकरा कपड़ा सँ झाँपि दैत छलैक!
31 तखन अहाँ अपन भाय सँ अपन दया कोना रोकब, कारण हम अहाँक शरीर आ हड्डी सँ छी, आ जँ हम अहाँ सभक लेल पाप केलहुँ तँ अहाँ सभ हमर पिताक कारणेँ ई काज अवश्य करब!
32 यूसुफ गड्ढा मे सँ ई बात बाजि रहल छलाह आ हुनकर भाय सभ हुनकर बात नहि सुनि सकलाह आ ने यूसुफक बात पर कान झुका सकलाह।
33 यूसुफ कहलथिन, "हे हमर पिता आइ जनैत रहितथि जे हमर भाय सभ हमरा संग जे काज केने छथि आ आइ हमरा संग जे बात कहने छथि।"
34 हुनकर सभ भाय गड्ढा मे हुनकर चीत्कार आ कानब सुनलनि आ हुनकर भाय सभ जा कऽ गड्ढा सँ हटि गेलाह जाहि सँ यूसुफ आ गड्ढा मे हुनकर कानब नहि सुनथि।

अध्याय 42

1 ओ सभ जा कए धनुषक दूरी पर बैसल गेलाह आ ओ सभ ओतहि रोटी खाय लेल बैसल छलाह आ भोजन करैत काल ओ सभ एक संग विचार करैत छलाह जे हुनका संग की कयल जाय, की हुनका मारल जाय आकि हुनका अपन पिता लग घुराओल जाय।
2 ओ सभ सलाह कें पकड़ने छलाह, तखन ओ सभ आँखि उठा कऽ देखलनि जे इश्माएलक एकटा दल गिलिआदक बाट पर मिस्र दिस जा रहल छल।
3 यहूदा हुनका सभ कें कहलथिन, "जँ हम सभ अपन भाय कें मारि देब तँ हमरा सभ कें की फायदा होयत?" शायद भगवान् हमरा सभ सँ हुनका माँगताह; तखन हुनका बारे मे ई सलाह देल गेल अछि जे अहाँ सभ हुनका संग करब।
4 आब आउ, आउ, हम सभ हुनका सभ लग हुनका सभ लग राखि दी, आ हमरा सभक हाथ हुनका पर नहि पड़य, आ ओ सभ हुनका अपना संग ल' जेताह, आ ओ देशक लोक सभक बीच हेरा जेताह, आ हम सभ हुनका अपन हाथ सँ नहि मारब। ई प्रस्ताव हुनकर भाय सभ कें नीक लागल आ ओ सभ यहूदाक वचनक अनुसार काज कयलनि।
5 जखन ओ सभ एहि विषय मे गप्प-सप्प क' रहल छलाह आ इस्माइली सभक दल हुनका सभक लग पहुँचबा सँ पहिने, मिद्यानक सातटा व्यापारी हुनका सभक लग सँ गुजरि गेलाह, आ गुजरैत काल हुनका सभ कें प्यास लागल छलनि, आ ओ सभ आँखि उठा कऽ ओहि गड्ढा कें देखलनि जाहि मे यूसुफ कें उन्माद भ' गेल छलनि, तखन ओ सभ देखलनि आ देखलनि जे हुनका सभ पर एक-एकटा चिड़ै-चुनमुनी आबि गेल छल।
6 ई मिद्यानी सभ पानि पीबाक लेल दौड़ल गड्ढा दिस बढ़लाह, किएक तँ ओकरा सभ कें लागल जे ओहि मे पानि अछि, आ गड्ढाक आगू अबैत काल ओ सभ यूसुफक गड्ढा मे कानब आ कानब सुनलनि, आ ओ सभ नीचाँ गड्ढा मे तकलनि आ देखलनि आ देखलनि जे ओहि ठाम एकटा सुन्दर आ अनुग्रहित युवक अछि।
7 ओ सभ हुनका बजा कऽ कहलथिन, "अहाँ के छी आ के अहाँ कें एतऽ अनलहुँ आ के अहाँ कें एहि गड्ढा मे, जंगल मे राखि देलक?" ओ सभ यूसुफ कें उठेबा मे सहायता कयलक आ ओकरा बाहर निकालि कऽ गड्ढा सँ ऊपर अनलक आ ओकरा लऽ कऽ अपन यात्रा पर चलि गेल आ ओकर भाय सभक लग सँ गुजरि गेल।
8 ओ सभ ओकरा सभ कें कहलथिन, "अहाँ सभ हमरा सभक सेवक कें हमरा सभ सँ छीनि कऽ चलि जेबाक लेल ई किएक करैत छी?" हम सभ एहि युवक कें गड्ढा मे राखि देलियैक, कारण ओ हमरा सभक विरुद्ध विद्रोह केलक, आ अहाँ सभ आबि ओकरा ऊपर ल' क' ओकरा ल' जाउ। आब तखन हमरा सभकें अपन नोकर वापस दऽ दियौक।
9 मिद्यानी सभ याकूबक पुत्र सभ कें उत्तर देलथिन, "की ई अहाँक नोकर अछि वा ई अहाँ सभक सेवा करैत अछि?" अहाँ सभ हुनकर सेवक छी, किएक तँ ओ अहाँ सभ मे सँ ककरो सँ बेसी सुन्दर आ अनुग्रहित छथि, आ अहाँ सभ हमरा सभ सँ झूठ किएक बजैत छी?
10 आब हम सभ अहाँक बात नहि सुनब आ ने अहाँक कोनो ध्यान देब, किएक तँ हम सभ ओहि युवक कें जंगल मे गड्ढा मे पाबि गेलहुँ आ ओकरा लऽ गेलहुँ। हम तँ आगू बढ़ब।

11 याकूबक सभ पुत्र हुनका सभक लग आबि हुनका सभ लग आबि कऽ हुनका सभ केँ कहलथिन, "हमरा सभ केँ अपन सेवक केँ वापस दऽ दिअ, आ अहाँ सभ तलवारक धार मे किएक मरब?" मिद्यानी सभ ओकरा सभक विरुद्ध चिचिया उठल आ ओ सभ अपन तलवार निकालि याकूबक पुत्र सभ सँ लड़बाक लेल लग आबि गेल।

12 देखू शिमोन हुनका सभक विरुद्ध अपन आसन सँ उठि कऽ जमीन पर उछलि गेलाह आ अपन तलवार निकालि मिद्यानी सभक लग आबि गेलाह आ हुनका सभक सोझाँ भयंकर चिचिया उठलनि, जाहि सँ हुनकर चिचियाहटि दूर सँ सुनल गेलनि आ सिमोनक चिचियाहटि सँ धरती हिल गेलनि।

13 शिमोन आ ओकर चिचियाहटि सँ मिद्यानी सभ आतंकित भऽ गेल आ ओ सभ मुँह पर खसि पड़ल आ बेसी घबरा गेल।

" परमेश् वर हमरा संग एना करत जे जँ अहाँक सभ भाय मिद्यानक लोक आ कनानक राजा सभ सेहो अहाँ सभक संग आबि जायत तँ ओ सभ हमरा सँ लड़ि नहि सकैत छल।

15 आब अहाँ सभ जे जवान केँ पकड़ने छी, से हमरा सभ केँ वापस दऽ दिअ, जाहि सँ हम अहाँक मांस आकाशक चिड़ै सभ आ पृथ् वीक जानवर सभ केँ नहि दऽ दिअ।

16 मिद्यानी सभ शिमोन सँ बेसी भयभीत भऽ गेलाह आ ओ सभ आतंकित आ भयभीत आ दयनीय बात सभक संग याकूबक पुत्र सभक लग पहुँचि गेलाह।

17 अहाँ सभ कहने छी जे युवक अहाँक नोकर अछि आ ओ अहाँ सभक विरुद्ध विद्रोह केलक आ तेँ अहाँ ओकरा गड्ढा मे राखि देलियैक। तखन अहाँ अपन मालिकक विद्रोह करयवला नोकरक संग की करब? आब ओकरा हमरा सभ केँ बेचि दियौक, आ हम सभ ओकरा लेल जे किछु माँगब से अहाँ सभ केँ दऽ देब। आ याकूबक पुत्र सभ अपन भाय केँ नहि मारि देबाक लेल ई काज करबा मे प्रभु केँ प्रसन्नता भेलनि।

18 मिद्यानी सभ देखलकै जे यूसुफ सुन्दर आ अनुग्रहित छथि। ओ सभ ओकरा मोन मे चाहैत छल आ ओकर भाइ सभ सँ ओकरा खरीदबाक लेल तत्काल छल।

19 याकूबक पुत्र सभ मिद्यानी सभक बात सुनलनि आ ओ सभ अपन भाय यूसुफ केँ बीस चानी मे बेचि देलनि आ हुनकर सभक भाय रूबेन हुनका सभक संग नहि छलाह आ मिद्यानी सभ यूसुफ केँ ल' गेलाह आ गिलिआद दिस विदा भ' गेलाह।

20 ओ सभ बाट मे जा रहल छल, तखन मिद्यानी सभ ओहि युवक केँ कीनि कऽ जे कयल गेल छल, ताहि पर पश्चाताप कयलक आ एक गोटे दोसर केँ कहलक, "हम सभ ई की केलहुँ जे एहि युवक केँ इब्रानी सभक हाथ सँ छीन लेलहुँ, जे सुन्दर रूप-रंग आ अनुग्रहित अछि।"

21 शायद ई युवक इब्रानी सभक देश सँ चोरा लेल गेल अछि, आ तखन हम सभ ई काज किएक केलहुँ? आ जँ ओकरा खोजि कऽ हमरा सभक हाथ मे भेटि जायत तँ हम सभ ओकरा द्वारा मरि जायब।

22 आब निश्चित रूप सँ कठोर आ शक्तिशाली लोक सभ हुनका हमरा सभ केँ बेचि देलकनि, जे अहाँ सभ आइ हुनका मे सँ एक गोटेक सामर्थ् य देखलहुँ। शायद ओ सभ ओकरा अपन सामर्थ्य आ अपन शक्तिशाली बाँहि सँ ओकर देश सँ चोरा लेलक, आ तेँ ओकरा हमरा सभ केँ ओहि छोट-छोट दाम मे बेचि देलक जे हम सभ ओकरा सभ केँ देलियैक।

23 जखन ओ सभ एक संग एहि तरहेँ गप्प-सप्प कऽ रहल छल तखन ओ सभ देखलक आ देखलक जे पहिने आबि रहल इश्माएलक दल आ याकूबक बेटा सभ देखलक जे मिद्यानी सभ दिस बढ़ि रहल छल, आ मिद्यानी सभ एक-दोसर केँ कहलक, "आउ, हम सभ एहि युवक केँ एहि युवक केँ बेचि दियौक, जे हमरा सभ दिस आबि रहल इस्माइली सभक दल मे, आ हम सभ ओकरा लेल जे किछु दान कयल गेल अछि, से हुनका लेल ल' लेब।" ओकर बुराईसँ मुक्त।

24 ओ सभ एना कऽ कऽ इस्माइली सभ लग पहुँचि गेल आ मिद्यानी सभ यूसुफ केँ बीस चानी मे बेचि देलक जे ओ सभ हुनका लेल हुनकर भाय सभ केँ देने छल।

25 मिद्यानी सभ गिलिआद दिस विदा भेलाह आ इस्माइली लोकनि यूसुफ केँ लऽ गेलाह आ ओ सभ ओकरा एकटा ऊँट पर सवार भऽ गेलाह आ ओ सभ हुनका मिस्र लऽ जा रहल छलाह।

26 यूसुफ ई सुनलक जे इस्माइली लोकनि मिस्र दिस जा रहल छथि, तखन यूसुफ एहि बात पर विलाप आ कानय लगलाह जे ओ कनान देश सँ, अपन पिता सँ एतेक दूर भ' जेबाक छल, आ ऊँट पर सवार होइत काल ओ कटु कानय लागल, आ हुनका लोकनिक एकटा आदमी हुनका देखि कऽ ऊँट पर सँ नीचाँ उतरि कऽ पैदल चलय लगलाह, आ तकर बादो यूसुफ कानैत रहलाह आ कानैत रहलाह आ ओ कहलक, हे हमर पिता, हमर पिता।

27 इश्माएल मे सँ एक गोटे उठि कऽ यूसुफक गाल पर प्रहार कयलनि, मुदा ओ कानैत रहलाह। यूसुफ बाट मे थाकि गेल छलाह आ हुनकर आत् माक कटुताक कारणेँ आगू नहि बढ़ि सकलाह, आ सभ हुनका मारि कऽ रस्ता मे कष्ट देलकनि आ ओ सभ हुनका आतंकित कऽ देलथिन जाहि सँ ओ कानब छोड़ि सकथि।

28 परमेश् वर यूसुफक महत्वाकांक्षा आ हुनकर विपत्ति देखलनि आ प्रभु ओहि लोक सभ पर अन्हार आ भ्रम उत्पन्न कऽ देलनि आ हुनका पर प्रहार करयवला सभक हाथ मुरझा गेलनि।

29 ओ सभ एक दोसरा सँ पुछलथिन, "ई काज परमेश् वर हमरा सभक संग बाट मे की कयलनि?" ओ सभ ई नहि जनैत छल जे यूसुफक कारणेँ हुनका सभ केँ ई बात भेलनि। लोक सभ बाट पर निकलि गेलाह आ ओ सभ एफ्रातक बाट सँ गुजरि गेलाह जतय राहेल केँ दफनाओल गेल छलनि।

30 यूसुफ अपन मायक कब्र पर पहुँचलाह आ यूसुफ जल्दी-जल्दी अपन मायक कब्र दिस दौड़ल गेलाह आ कब्र पर खसि पड़लाह आ कानय लगलाह।

31 तखन यूसुफ अपन मायक कब्र पर जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह आ कहलथिन, "हे हमर माय, हमर माय, हे अहाँ जे हमरा जन्म देलहुँ, आब जागू आ अपन बेटा केँ देखू जे कोना ओ दास मे बेचल गेल अछि आ ओकरा पर दया करयवला केओ नहि।"

32 हे उठू आ अपन बेटा केँ देखू, हमर विपत्तिक कारणेँ हमरा संग कानू आ हमर भाय सभक हृदय देखू।

33 हमर माय केँ जगाउ, जगाउ, हमरा लेल अपन नींद सँ जागू आ हमर भाइ सभक संग अपन युद्ध केँ निर्देशित करू। हे कोना ओ सभ हमरा कोट उतारि लेलक, आ हमरा पहिने सँ दू बेर गुलाम मे बेचि देलक, आ हमरा पिता सँ अलग क' देलक, आ हमरा पर दया करयवला कियो नहि।

34 परमेश् वरक समक्ष हुनका सभक विरुद्ध अपन बात ठाढ़ करू आ देखू जे परमेश् वर केकरा न्याय मे धर्मी ठहराओत आ केकरा दोषी ठहराओत।
35 हे हमर माय, उठू, अपन नींद सँ जागू आ हमर पिता केँ देखू जे आइ हुनकर आत्मा हमरा संग केहन छथि, आ हुनका सान्त्वना दियौन आ हुनकर मोन केँ आराम दियौन।
36 यूसुफ ई सभ बात कहैत रहलाह आ यूसुफ अपन मायक कब्र पर जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह आ कटुता सँ कानय लगलाह। ओ बाजब छोड़ि देलनि आ हृदयक कटुता सँ ओ चिता पर पाथर जकाँ स्थिर भ' गेलाह।
37 यूसुफ जमीनक नीचाँ सँ हुनका सँ बाजैत एकटा आवाज सुनलनि, जे हुनका कटु हृदय सँ आ एहि बात मे कानबाक आ प्रार्थना करबाक आवाज सँ उत्तर देलकनि।
38 हमर बेटा, हमर बेटा यूसुफ, हम अहाँक कानब आ अहाँक विलापक आवाज सुनलहुँ। हम तोहर नोर देखलहुँ। हम अहाँक विपत्ति केँ जनैत छी बेटा, आ ई अहाँक लेल हमरा दुखी करैत अछि, आ हमर दुख मे प्रचुर शोक जोड़ल जाइत अछि।
39 आब हमर बेटा, हमर बेटा यूसुफ, प्रभुक आशा राखू, आ हुनकर प्रतीक्षा करू आ नहि डेराउ, कारण प्रभु अहाँक संग छथि, ओ अहाँ केँ सभ विपत्ति सँ मुक्त करताह।
40 उठू हमर बेटा, अपन मालिक सभक संग मिस्र जाउ, आ नहि डेराउ, कारण, हमर बेटा, प्रभु अहाँक संग छथि। ओ यूसुफ केँ एहि तरहेँ बजैत रहलीह आ ओ शान्त भ' गेलीह।
41 यूसुफ ई बात सुनि कऽ ओ बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ ओ कानैत रहलाह। एकर बाद इश्माएल मे सँ एक गोटे ओकरा कब्र पर कानैत आ कानैत देखलक, आ ओकर क्रोध ओकरा पर प्रज्वलित भ' गेलै आ ओ ओकरा ओतहि सँ भगा देलकैक आ ओकरा मारि देलकैक आ ओकरा गारि देलकैक।
42 तखन यूसुफ लोक सभ केँ कहलथिन, "हमरा अहाँ सभक नजरि मे कृपा भेटय जे हम हमरा अपन पिताक घर वापस ल' जाउ, आ ओ अहाँ सभ केँ प्रचुर धन-दौलत देताह।"
43 ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "की अहाँ दास नहि छी आ अहाँक पिता कतय छथि?" आ जँ तोहर पिता रहितौ त' पहिने सँ दू बेर एतेक कम दाम मे दास मे नहि बेचल रहितहुँ। हुनका सभक क्रोध एखनो हुनका पर भड़कि रहल छलनि, आ ओ सभ हुनका मारि-पीट करैत रहलाह आ हुनका ताड़ैत रहलाह, आ यूसुफ कटु कानैत रहलाह।
44 प्रभु यूसुफक क्लेश देखि प्रभु फेर सँ एहि लोक सभ केँ मारि देलथिन आ ओकरा सभ केँ ताड़ि देलथिन, आ प्रभु ओकरा सभ केँ धरती पर अन्हार लगा देलथिन, आ बिजली चमकि गेल आ गरजल गर्जना भेल, आ गरज आ तेज हवाक आवाज पर धरती हिल गेल, आ आदमी सभ आतंकित भ' गेल आ नहि बुझि सकल जे ओकरा सभ केँ कतय जायबाक चाही।
45 जानवर आ ऊँट सभ ठाढ़ भऽ गेल आ ओकरा सभ केँ आगू बढ़बैत गेल, मुदा ओ सभ नहि जाय चाहैत छल, ओकरा सभ केँ मारि देलक आ जमीन पर कुहुकि गेल। ओ सभ एक-दोसर केँ कहलथिन, "परमेश् वर हमरा सभक संग ई की कयलनि अछि?" हमरा सभक कोन अपराध अछि, आ हमरा सभक कोन पाप अछि जे ई बात हमरा सभ पर एहि तरहेँ भेल अछि?
46 एक गोटे हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "शायद एहि दास केँ कष्ट देबाक पापक कारणेँ आइ हमरा सभक संग ई घटना घटल अछि। आब हुनका सँ हमरा सभ केँ क्षमा करबाक लेल जोर-जोर सँ विनती करू, तखन हमरा सभ केँ पता चलत जे ई अधलाह केकर कारणेँ हमरा सभ पर आबि रहल अछि, आ जँ परमेश् वर हमरा सभ पर दया करताह, तखन हमरा सभ केँ ई बुझल होयत जे ई सभ हमरा सभ लग एहि दास केँ कष्ट देबाक पापक कारणेँ आबि रहल अछि।
47 ओ सभ लोक सभ एना कयलक आ यूसुफ सँ विनती कयलक आ ओकरा सभ केँ माफ करबाक लेल दबा देलक। ओ सभ कहलथिन, "हम सभ प्रभु आ अहाँक लेल पाप केलहुँ, तेँ आब अहाँक परमेश् वर सँ निहोरा करब जे ओ हमरा सभक बीच सँ एहि मृत्यु केँ दूर कऽ देथिन, किएक तँ हम सभ हुनका लेल पाप केलहुँ।"
48 यूसुफ हुनका लोकनिक बातक अनुसार कयलनि आ प्रभु यूसुफक बात सुनलनि आ प्रभु यूसुफक कारणेँ ओहि लोक सभ पर जे विपत्ति उत्पन्न केने छलाह से दूर कऽ देलनि, आ जानवर सभ जमीन सँ उठि कऽ ओकरा सभ केँ लऽ गेलाह आ ओ सभ आगू बढ़ि गेल, आ प्रचंड तूफान कम भऽ गेल आ धरती शान्त भऽ गेल आ ओ सभ लोक सभ मिस्र दिस उतरबाक लेल यात्रा पर निकलि गेल आ लोक सभ ई बात बुझि गेल यूसुफक कारणेँ हुनका सभ पर ई दुष् टता आबि गेल छलनि।
49 ओ सभ एक-दोसर केँ कहलथिन, "देखू, हम सभ जनैत छी जे हुनकर कष्टक कारणेँ हमरा सभ पर ई दुष् ट भेल। आब हम सभ अपन प्राण पर ई मृत्यु किएक आनब? एहि दास के की करबाक चाही से सलाह धारण करी।
50 एक गोटे उत्तर देलथिन, "ओ हमरा सभ केँ कहने छलाह जे हुनका अपन पिता लग वापस आनि दियौक। आब तेँ आउ, ओकरा वापस ल' जाइ आ हम सभ ओहि ठाम चलि जायब जे ओ हमरा सभ केँ कहताह, आ ओकर परिवार सँ ओ दाम ल' लेब जे हम सभ ओकरा लेल देने छलहुँ आ तखन हम सभ चलि जायब।
51 एक गोटे फेर उत्तर देलथिन, "देखू, ई सलाह बहुत नीक अछि, मुदा हम सभ एहन नहि क' सकैत छी, कारण बाट हमरा सभ सँ बहुत दूर अछि आ हम सभ अपन बाट सँ बाहर नहि जा सकैत छी।"
52 एक गोटे आओर हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "ई सलाह अछि जे अपनाओल जेबाक चाही, हम सभ एहि सँ नहि हटब। देखू, आइ हम सभ मिस्र जा रहल छी, आ जखन मिस्र आबि जायब तखन ओकरा ओतहि बेसी दाम पर बेचि देब आ ओकर बुराई सँ मुक्त भ' जायब।"
53 ई बात लोक सभ केँ नीक लागल आ ओ सभ यूसुफक संग मिस्र देशक यात्रा जारी रखलनि।

अध्याय 43

1 जखन याकूबक पुत्र सभ अपन भाय यूसुफ केँ मिद्यानी सभ केँ बेचि देलक तखन हुनका सभक मोन हुनका सभक कारणेँ चकनाचूर भऽ गेलनि आ ओ सभ अपन काज सभ सँ पश्चाताप कयलनि आ हुनका वापस अनबाक लेल हुनका सभक खोज मे लागलाह, मुदा हुनका नहि पाबि सकलाह।
2 रूबेन ओहि गड्ढा मे घुरि गेलाह जाहि मे यूसुफ केँ राखल गेल छलनि, जाहि सँ ओ ओकरा बाहर निकालि क' अपन पिताक लग मे वापस क' सकथि, आ रूबेन गड्ढाक कात मे ठाढ़ भ' गेलाह। यूसुफ! आ कियो कोनो उत्तर नहि देलक आ ने कोनो शब्द बाजल।

3 रूबेन कहलथिन, "यूसुफ भय सँ मरि गेल अछि वा कोनो साँप ओकरा मारि देलक। रूबेन गड्ढा मे उतरि गेलाह आ यूसुफ कैँ खोजैत रहलाह आ गड्ढा मे नहि भेटलनि।
4 रूबेन अपन वस्त्र फाड़ि कऽ कहलथिन, "बच्चा ओतऽ नहि अछि, आ जँ ओ मरि गेल छथि तँ हम अपन पिता कैँ ओकरा बारे मे कोना मेल मिलाप करब?" ओ अपन भाय सभ लग गेलाह आ हुनका सभ कैँ यूसुफक कारणेँ दुखी होइत देखलनि, आ हुनका सभ कैँ अपन पिता कैँ कोना मेल-मिलाप कयल जाय, से परामर्श करैत छलाह, आ रूबेन अपन भाय सभ कैँ कहलथिन, "हम गड्ढा मे आबि गेलहुँ आ देखलहुँ जे यूसुफ ओतय नहि छलाह, तखन हम सभ अपन पिता कैँ की कहब, कारण हमर पिता हमरा सँ ओहि लड़का कैँ मात्र ताकताह।"
5 हुनकर भाय सभ हुनका उत्तर देलथिन, "हम सभ एहि तरहेँ केलहुँ आ एहि काजक कारणेँ हमरा सभक हृदय हमरा सभ कैँ मारि देलक।
6 रूबेन हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ ई की केलहुँ जे हमरा सभक पिताक धूसर केश कैँ कबर मे उतारबाक लेल? बात नीक नहि अछि, जे अहाँ केलहुँ।
7 रूबेन हुनका सभक संग बैसि गेलाह आ सभ उठि कऽ एक-दोसर कैँ शपथ लेलनि जे याकूब कैँ ई बात नहि कहब, आ सभ कहलकनि, "जे आदमी हमरा सभक पिता वा ओकर घरक लोक कैँ ई बात कहत वा जे एहि देशक कोनो बच्चा कैँ ई बात कहत, हम सभ ओकरा विरुद्ध उठि कऽ ओकरा तलवार सँ मारि देब।"
8 याकूबक पुत्र सभ एहि विषय मे छोट सँ पैघ धरि एक-दोसर सँ डरैत रहलाह आ कियो एक शब्द नहि बाजल आ ओ सभ अपन मोन मे ई बात नुका लेलक।
9 तकर बाद ओ सभ अपन पिता याकूब कैँ एहि सभ बातक विषय मे किछु कहबाक लेल निर्णय आ कल्पना करबाक लेल बैसलाह।
10 इसाकर हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ कैँ ई सलाह देल गेल अछि जे जँ अहाँ सभक नजरि मे ई काज करब नीक लागय तँ यूसुफक कोट लऽ कऽ फाड़ि दियौक आ बकरी सभक एकटा बच्चा कैँ मारि कऽ ओकर खून मे डुबा दियौक।"
11 आ हमरा सभक पिता लग पठाउ आ जखन ओ देखताह तखन ओ कहताह जे कोनो दुष्ट जानवर हुनका खा गेल अछि, तेँ अहाँ सभ ओकर कोट फाड़ि दियौक आ देखू ओकर खून ओकर कोट पर रहत, आ अहाँ सभ एहि काज सँ हम सभ अपन पिताक गुनगुनाहटि सँ मुक्त भऽ जायब।
12 इस्साकरक ई सलाह हुनका सभ कैँ नीक लगलनि आ ओ सभ हुनकर बात सुनलनि आ ओ सभ इस्साकरक ओहि वचनक अनुसार कयलनि जे ओ हुनका सभ कैँ सलाह देने छलाह।
13 ओ सभ जल्दी-जल्दी यूसुफक वस्त्र लऽ कऽ फाड़ि देलक, आ ओ सभ बकरी सभक एकटा बकरी कैँ मारि कऽ ओहि कोट कैँ बछड़ाक खून मे डुबा देलक आ फेर ओकरा धूरा मे रौंद देलक आ ओ सभ ओ कोट नफ्तालीक हाथ सँ अपन पिता याकूब कैँ पठा देलक आ ओ सभ ओकरा ई बात कहबाक आज्ञा देलक।
" आब ई जानि लिअ जे ई अहाँक बेटाक कोट अछि वा नहि।
15 नफ्ताली जा कऽ ओ अपन पिता लग आबि गेलाह आ ओ हुनका कोट दऽ देलथिन आ ओ हुनका ओ सभ बात कहलथिन जे हुनकर भाय सभ हुनका आज्ञा देने छलाह।
16 याकूब यूसुफक कोट देखलनि आ ओकरा बुझलनि आ ओ अपन मुँह पर खसि पड़लाह आ पाथर जकाँ स्थिर भ' गेलाह, आ बाद मे उठि कऽ जोर-जोर सँ कानैत आवाज मे चिचिया उठलाह आ कहलथिन, "ई हमर बेटा यूसुफक कोट अछि!"
17 याकूब जल्दी-जल्दी अपन एकटा नौकर कैँ अपन पुत्र सभक लग पठौलनि आ ओ सभ हुनका सभ लग जा कऽ हुनका सभ कैँ भेँड़ाक संग रस्ता मे आबि रहल देखलनि।
18 याकूबक पुत्र सभ करीब साँझ मे अपन पिता लग पहुँचलाह आ देखथि जे हुनकर सभक वस्त्र फाटि गेल छल आ माथ पर धूल-धूसरित छल आ हुनका सभक पिता कैँ जोर-जोर सँ कानैत देखलनि।
19 याकूब अपन पुत्र सभ कैँ कहलथिन, "हमरा सत्ते कहू जे आइ अहाँ सभ हमरा पर अचानक कोन तरहक अधलाह पहुँचा देलहुँ?" ओ सभ अपन पिता याकूब कैँ उत्तर देलथिन, "हम सभ आइ भेँड़ा जमा भेलाक बाद आबि रहल छलहुँ, आ जंगल मे सड़कक कात मे शेकेम नगर धरि पहुँचलहुँ, आ जमीन पर ई वस्त्र खून सँ भरल भेटल, आ हम सभ एकरा बुझि गेलहुँ आ जँ अहाँ ई जानि सकितहुँ तँ अहाँ लग पठा देलहुँ।"
20 याकूब अपन पुत्र सभक बात सुनि जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह आ कहलथिन, "ई हमर बेटाक कोट अछि, एकटा दुष्ट जानवर ओकरा खा गेल अछि। यूसुफक टुकड़ी-टुकड़ा फाटि गेल अछि, किएक तँ हम आइ ओकरा पठौने छलहुँ जे अहाँ सभक नीक अछि आ भेँड़ा सभक नीक अछि कि नहि आ अहाँ सभक दिस सँ हमरा फेर सँ खबरि अनबाक लेल, आ ओ हमरा आज्ञा जकाँ गेलाह, आ आइ हुनका संग एहन भेलनि जखन हम सोचैत छलहुँ जे हमर बेटा अहाँ सभक संग अछि।
21 याकूबक पुत्र सभ उत्तर देलथिन, "ओ हमरा सभ लग नहि आयल छलाह आ हम सभ अहाँ सँ बाहर निकललाक समय सँ एखन धरि हुनका नहि देखलहुँ।"
22 जखन याकूब हुनका सभक बात सुनि फेर जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, आ उठि कऽ अपन वस्त्र फाड़ि कऽ अपन कमर मे बोरा पहिरि कऽ कटु कानि कऽ शोक कऽ कऽ शोक कऽ कऽ कानि कऽ आवाज उठौलनि आ ई बात सभ बजलाह।
23 हमर पुत्र यूसुफ, हे हमर बेटा यूसुफ, हम आइ तोरा भाय सभक भलाईक पाछाँ पठौने छी, आ देखू, तोरा टुकड़-टुकड़ भऽ गेल अछि। हमर हाथक माध्यमे हमर बेटाक संग एहन भेल अछि।
24 ई हमरा अहाँक लेल दुखी करैत अछि हमर पुत्र यूसुफ, ई हमरा अहाँक लेल दुखी करैत अछि। जीवन मे अहाँ हमरा लेल कतेक मधुर छलहुँ, आ आब अहाँक मृत्यु हमरा लेल कतेक अत्यंत कटु अछि।
25 0 जे हम अहाँक बदला मे हमर बेटा यूसुफ मरि गेल छलहुँ, कारण ई हमरा अहाँक लेल दुखी करैत अछि हमर बेटा, हे हमर बेटा, हमर बेटा। हमर बेटा यूसुफ, अहाँ कतय छी आ कतय खींच लेल गेल छी? उठू, अपन स्थान सँ उठू, आ आऊ आ देखू हमर शोक अहाँक लेल, हे हमर पुत्र यूसुफ।
26 आब आबि कऽ हमर आँखि सँ हमर गाल पर खसैत नोर कैँ गिनि कऽ प्रभुक सोझाँ अनू जाहि सँ हुनकर क्रोध हमरा दिस सँ हटि जाय।
27 0 हमर बेटा यूसुफ, अहाँ कोना खसल, एकटा एहन व्यक्तिक हाथ सँ, जकरा द्वारा संसारक प्रारम्भ सँ आइ धरि केओ नहि खसल छल। कारण, अहाँ शत्रु द्वारा मारल गेल छी, क्रूरता सँ मारल गेल छी, मुदा हम निश्चित रूप सँ जनैत छी जे हमर पापक बहुत कारणे अहाँ संग एहन भेल अछि।

28 आब उठू आ देखू जे हमर पुत्र अहाँक लेल हमर संकट कतेक कटु अछि, यद्यपि हम अहाँक पालन-पोषण नहि केलहुँ, ने अहाँ कैँ नहि बनौलहुँ, आ ने अहाँ कैँ साँस आ प्राण देलहुँ, मुदा परमेश् वर अहाँ कैँ बनौलनि आ अहाँक हड्डी बनौलनि आ मांस सँ झाँपि देलनि आ अहाँक नाक मे जीवनक साँस देलनि आ तखन ओ अहाँ कैँ हमरा दऽ देलनि।
29 परमेश् वर जे अहाँ कैँ हमरा दऽ देलनि, ओ अहाँ कैँ हमरा सँ छीनि लेलनि
30 याकूब यूसुफक विषय मे एहि तरहेँ बजैत रहलाह। ओ जमीन पर खसि पड़ल आ स्थिर भ' गेल।
31 याकूबक सभ पुत्र अपन पिताक कष्ट देखि ओ सभ अपन काज पर पश्चाताप कयलक आ ओ सभ सेहो कटु कानय लागल।
32 यहूदा उठि कऽ अपन पिताक माथ जमीन पर सँ उठा कऽ अपन गोदी मे राखि देलक आ ओ अपन पिताक नोर गाल पर सँ पोछि लेलक आ यहूदा बहुत कानि कऽ कानय लागल, जखन कि ओकर पिताक माथ पाथर जकाँ ओकर गोदी मे बैसल छल।
33 याकूबक पुत्र सभ अपन पिताक विपत्ति देखि ओ सभ आवाज उठा कऽ कानैत रहलाह आ याकूब एखनो पाथर जकाँ जमीन पर पड़ल छलाह।
34 ओकर सभ पुत्र आ ओकर नोकर आ ओकर नोकरक बच्चा सभ उठि कऽ ओकरा सान्त्वना देबाक लेल ओकरा चारू कात ठाढ़ भऽ गेलैक।
35 तखन याकूबक समस्त घराना उठि कऽ यूसुफ आ अपन पिताक विपत्तिक कारणेँ बहुत शोक मनाओल गेल आ ओ बुद्धि याकूबक पिता अब्राहमक पुत्र इसहाक लग पहुँचि गेल आ ओ यूसुफ आ ओकर समस्त घरक लोकक कारणेँ कटु कानय लागल आ ओ अपन पुत्र याकूब कैँ सान्त्वना देलक आ ओ मना कऽ देलक सान्त्वना भेटबाक लेल।
36 एकर बाद याकूब जमीन पर सँ उठि गेलाह आ हुनकर नोर गाल पर बहैत छलनि आ ओ अपन बेटा सभ कैँ कहलथिन, "उठू आ अपन तलवार आ धनुष लऽ कऽ खेत मे जाउ आ ई खोजू जे की अहाँ सभ हमर बेटाक लाश पाबि हमरा लग आनि सकैत छी जाहि सँ हम ओकरा गाड़ि सकब।"
37 हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे, पशु सभक बीच मे सेहो खोजू आ ओकर शिकार करू, आ जे किछु पहिने आबि जायत, तकरा पकड़ि कऽ हमरा लग अनबा सँ पहिने, शायद प्रभु आइ हमर दुख पर दया करत, आ अहाँ सभक सोझाँ ओहि बात कैँ तैयार कऽ लेता जे हमर बेटा कैँ टुकड़ा-टुकड़ा कऽ कऽ हमरा लग अनलक आ हम अपन बेटाक काजक बदला लेब।
38 ओकर पुत्र सभ अपन पिताक आज्ञाक अनुसार काज केलक आ भोरे-भोर उठि कऽ एक-एकटा अपन तलवार आ धनुष हाथ मे लऽ कऽ ओ सभ जानवर सभक शिकार करबाक लेल खेत मे निकलि गेल।
39 याकूब एखनो जोर-जोर सँ चिचिया रहल छलाह आ कानि रहल छलाह आ घर मे एम्हर-ओम्हर घुमि रहल छलाह आ हाथ मिला कऽ कहैत छलाह जे, "हमर बेटा यूसुफ, हमर बेटा यूसुफ।"
40 याकूबक पुत्र सभ जंगल मे जा कऽ जानवर सभ कैँ पकड़बाक लेल गेलाह आ देखलहुँ जे एकटा भेड़िया हुनका सभ दिस आबि गेल आ ओ सभ ओकरा पकड़ि कऽ अपन पिता लग लऽ गेल आ कहलकनि, "हमरा सभ कैँ ई पहिल बेर भेटल अछि, आ अहाँ हमरा सभ कैँ आज्ञाक अनुसार ओकरा अहाँक लग अनलहुँ, आ अहाँक बेटाक लाश हमरा सभ कैँ नहि भेटल।"
41 याकूब अपन पुत्र सभक हाथ सँ ओहि जानवर कैँ लऽ लेलक आ ओ ओहि जानवर कैँ हाथ मे पकड़ि कऽ जोर सँ आ कानैत आवाज मे चिचिया उठल आ ओहि जानवर सँ कटु मोन सँ बाजल, "अहाँ हमर बेटा यूसुफ कैँ किएक खा गेलहुँ आ अहाँ कैँ पृथ् वीक परमेश् वर सँ आ हमर पुत्र यूसुफक लेल हमर विपत्ति सँ कोना नहि भय गेल?"
42 अहाँ हमर बेटा कैँ बेकार मे खा गेलहुँ, किएक तँ ओ कोनो हिंसा नहि केलक आ एहि सँ हमरा अपन दोषी ठहरौलक, तेँ परमेश् वर सताओल गेल लोक सँ माँग करताह।
43 परमेश् वर ओहि जानवरक मुँह खोलि याकूब कैँ ओकर वचन सँ सान्त्वना देबाक लेल कहलथिन।
44 जहिना परमेश् वर हमरा सभ कैँ पृथ् वी मे सृजित केनिहार जीबैत छथि आ जहिना अहाँक प्राण जीबैत छथि, हमर मालिक, हम अहाँक बेटा कैँ नहि देखलहुँ, आ ने ओकरा नोचि देलहुँ, मुदा दूर देश सँ हमहूँ अपन बेटा कैँ तकबाक लेल आयल छी जे आइ हमरा सँ चलि गेल छल, आ हमरा नहि बुझल अछि जे ओ जीवित अछि वा मृत।
45 हम आइ अपन बेटा कैँ ताकबाक लेल खेत मे आयल छलहुँ, आ अहाँक बेटा सभ हमरा पाबि गेल आ हमरा पकड़ि लेलक आ हमर शोक बढ़ा देलक आ आइ हमरा अहाँक सोझाँ अनलक आ आब हम अहाँ कैँ अपन सभ बात कहि देलहुँ।
46 आब तेँ, हे मनुष् य-पुत्र, हम अहाँक हाथ मे छी, आ आइ हमरा संग जेना नीक लागय, तेना करू, मुदा हमरा सृजित परमेश् वरक जीवनक कारणेँ हम अहाँक बेटा कैँ नहि देखलहुँ, आ ने ओकरा टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देलहुँ, आ ने हमर जीवन भरि मनुष्यक मांस हमर मुँह मे घुसल अछि।
47 जखन याकूब ओहि जानवरक बात सुनि बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ ओहि जानवर कैँ अपन हाथ सँ पठा देलथिन आ ओ अपन रस्ता सँ विदा भऽ गेलाह।
48 याकूब दिन-प्रतिदिन जोर-जोर सँ कानैत छलाह आ यूसुफक लेल कानैत छलाह आ ओ बहुत दिन धरि अपन पुत्रक शोक मना रहल छलाह।

अध्याय 44

1 इस्माइलक बेटा सभ जे यूसुफ कैँ मिद्यानी सभ सँ कीनि लेने छल, जे ओकरा अपन भाय सभ सँ कीनने छल, यूसुफक संग मिस्र गेल आ मिस्रक सीमा पर पहुँचि गेल तखन ओकरा सभ कैँ अब्राहमक पुत्र मेदानक पुत्र मे सँ चारि गोटे सँ भेंट भेल जे यात्रा मे मिस्र देश सँ निकलल छल।
2 इस्माइली सभ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ एहि दास कैँ हमरा सभ सँ कीनय चाहैत छी?" ओ सभ कहलकनि, "ओ सभ ओकरा हमरा सभक हाथ मे सौंप दिअ, आ ओ सभ यूसुफ कैँ अपना सभक हाथ मे सौंप देलक आ ओकरा देखलक जे ओ बहुत सुन्दर युवक अछि आ ओ सभ ओकरा बीस शेकेल मे कीनि लेलक।"
3 इस्माइली सभ मिस्र दिस बढ़ैत गेलाह आ मेदानी सभ सेहो ओहि दिन मिस्र दिस घुरि गेलाह आ मेदानी सभ एक दोसरा सँ कहलथिन, "देखू, हम सभ सुनने छी जे पहरेदारक सेनापति फिरौनक सेनापति पोतिफर एकटा नीक नौकरक खोज मे छथि जे हुनका सोझाँ ठाढ़ भ' क' हुनकर सेवा करबाक लेल ठाढ़ भ'

जायत आ हुनका अपन घर आ अपन सभ वस्तुक देखरेख करयवला बनाबथि।"
4 आब आउ, जँ ओ हमरा सभक लेल जे किछु माँगब से हमरा सभ कैँ दऽ सकैत अछि तँ ओकरा बेचि दिअ।
5 ई मेदानी सभ जा कऽ पोतीफरक घर आबि हुनका कहलथिन, "हम सभ सुनलहुँ जे अहाँ अहाँक सेवाक लेल कोनो नीक नोकर ताकि रहल छी, देखू, हमरा सभक एकटा एहन नौकर अछि जे अहाँ कैँ प्रसन्न करत, जँ अहाँ हमरा सभ कैँ जे किछु चाहैत छी से दऽ सकैत छी आ हम सभ ओकरा अहाँ कैँ बेचि देब।"
6 पोटिफर कहलथिन, "ओकरा हमरा सोझाँ आनि दिअ, हम ओकरा देखब, आ जँ ओ हमरा नीक लागत तँ हम अहाँ सभ कैँ ओ सभ दऽ देब जे अहाँ सभ ओकरा लेल माँगब।"
7 मेदानी लोकनि जा कऽ यूसुफ कैँ आनि पोटिफरक समक्ष राखि देलथिन, तखन ओ हुनका देखलनि आ ओ हुनका बहुत प्रसन्न कयलनि, आ पोतिफर हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हमरा कहू जे अहाँ सभ एहि युवाक लेल की माँगैत छी?"
8 ओ सभ कहलथिन, "हमरा सभ हुनका लेल चारि सय चानीक टुकड़ी चाहैत छी, तखन पोतिफर कहलथिन, "जँ अहाँ हुनकर बिक्रीक वृत्तांत अहाँ सभ लग आनब तँ हम अहाँ कैँ दऽ देब आ हुनकर इतिहास हमरा कहब, किएक तँ शायद ओ चोरी भऽ सकैत अछि, किएक तँ ई युवक ने दास अछि आ ने दासक बेटा, मुदा हम ओकरा मे कोनो नीक आ सुन्दर व्यक्तिक रूप देखैत छी।"
9 मेदानी लोकनि जा कऽ हुनका सभ कैँ बेचनिहार इस्माइली सभ कैँ हुनका लग अनलनि आ ओ सभ हुनका कहलथिन, "ओ दास छथि आ हम सभ हुनका सभ कैँ बेचि देलियनि।"
10 पोतीफर मेदानी सभ कैँ चानी देबा मे इश्माएल सभक बात सुनलनि आ मेदानी सभ चानी लऽ कऽ यात्रा पर निकलि गेलाह आ इश्माएल सभ सेहो अपन घर घुरि गेलाह।
11 पोटिफर यूसुफ कैँ ल' क' अपन घर अनलनि जाहि सँ ओ हुनकर सेवा करथि, आ यूसुफ कैँ पोटिफर कैँ अनुग्रह भेटलनि, आ ओ हुनका पर भरोसा कयलनि आ हुनका अपन घरक पर्यवेक्षक बना देलनि आ अपन सभटा सामान हुनका हाथ मे सौंप देलनि।
12 प्रभु यूसुफक संग रहलाह आ ओ समृद्ध आदमी बनि गेलाह, आ प्रभु यूसुफक लेल पोतिफरक घरक आशीष देलनि।
13 पोटिफर अपन सभ किछु यूसुफक हाथ मे छोड़ि देलनि, आ यूसुफ एकटा एहन छलाह जे पोतीफरक घर मे हुनकर इच्छाक अनुसार सभ किछु ठीक होइत छलनि।
14 यूसुफ अठारह वर्षक छलाह, ओ युवक छलाह, हुनकर आँखि सुन्दर आ सुन्दर-सुन्दर छलनि, आ पूरा मिस्र देश मे हुनका जकाँ नहि छलाह।
15 ओहि समय जखन ओ अपन मालिकक घर मे छलाह, घर मे घुमैत-फिरैत घर मे जाइत छलाह आ हुनकर मालिकक सेवा करैत छलाह, तखन हुनकर मालिकक पत्नी जेलिकाह यूसुफ दिस नजरि उठौलनि आ ओ यूसुफ दिस तकलीह आ देखलनि जे ओ युवक सुन्दर आ अनुग्रहित युवक छलाह।
16 ओ अपन हृदय मे हुनकर सौन्दर्यक लालसा करैत छलीह आ हुनकर प्राण यूसुफ पर टिकल छलनि आ दिन-प्रतिदिन हुनका लोभाबय लगलीह आ जेलिकाह यूसुफ कैँ नित्य मनाबैत छलाह, मुदा यूसुफ अपन मालिकक पत्नी कैँ देखबाक लेल आँखि नहि उठौलनि।
17 जलिकाह हुनका कहलथिन, "अहाँक रूप-रंग आ रूप कतेक नीक अछि, हम सत्ते सभ दास कैँ देखलहुँ आ अहाँ सन सुन्दर दास नहि देखलहुँ। यूसुफ ओकरा कहलथिन, "हमर मायक कोख मे जे हमरा सृष्टि केने छथि, से सभ मनुष्य कैँ सृष्टि केने छथि।"
18 ओ हुनका कहलथिन, "अहाँक आँखि कतेक सुन्दर अछि, जाहि सँ अहाँ मिस्रक सभ निवासी, स्त्री-पुरुष कैँ चकाचक कऽ देलहुँ। ओ ओकरा कहलथिन, "हमरा सभ जीबैत काल ओ सभ कतेक सुन्दर अछि, मुदा जँ अहाँ ओकरा सभ कैँ चिता मे देखब तँ अहाँ ओकरा सभ सँ दूर भ' जायब।"
19 ओ हुनका कहलथिन, "तोहर सभ बात कतेक सुन्दर आ मनभावन अछि। आब घर मे जे वीणा अछि, ओकरा ल' क' हाथ बजाउ आ अहाँक बात सुनब।
20 ओ ओकरा कहलथिन, "हम अपन परमेश् वरक स्तुति आ हुनकर महिमा कैँ कहब तँ हमर बात कतेक सुन्दर आ प्रसन्न होइत अछि। ओ ओकरा कहलथिन, "तोहर माथक केश कतेक सुन्दर अछि, देखू सोनाक कंघी जे घर मे अछि, ओकरा लऽ कऽ माथक केश घुमा दियौक।"
21 ओ हुनका पुछलथिन, "अहाँ ई बात कहिया धरि कहब?" हमरा ई बात कहब छोड़ि दियौक आ उठू आ अपन घरेलू काज मे ध्यान दियौक।
22 ओ हुनका कहलथिन, "हमर घर मे कियो नहि अछि, आ अहाँक बात आ अहाँक इच्छाक अतिरिक्त कोनो ध्यान देबाक लेल किछु नहि अछि। तइयो एहि सभ बातक बादो ओ यूसुफ कैँ अपना लग नहि आनि सकलीह, आ ने ओ हुनका पर नजरि रखलनि, बल् कि हुनकर नजरि नीचाँ जमीन दिस घुमा देलनि।
23 जकरा मोन मे यूसुफ कैँ हुनका संग सुतबाक लेल आग्रह कयलनि, आ जाहि समय मे यूसुफ घर मे बैसल छलाह, तखन जेलिकाह हुनका सोझाँ आबि क' बैसल छलाह, आ ओ हुनका प्रतिदिन अपन भाषण सँ लोभबैत छलीह जे ओ हुनका संग सुतय वा कहियो हुनका दिस तकथि, मुदा यूसुफ हुनकर बात नहि सुनय लगलाह।
24 ओ हुनका कहलथिन, "जँ अहाँ हमर बातक अनुसार नहि करब तँ हम अहाँ कैँ मृत्युक सजाय दऽ देब आ अहाँ पर लोहाक जुआ लगा देब।"
25 यूसुफ ओकरा कहलथिन, "मनुख कैँ सृजनिहार परमेश् वर कैदी सभक बेड़ी खोलैत छथि आ ओ हमरा अहाँक जेल सँ आ अहाँक न् याय सँ मुक्त करताह।"
26 जखन ओ हुनका पर विजय नहि पाबि सकलीह, आ हुनकर प्राण हुनका पर टिकल रहि गेलनि, तखन हुनकर इच्छा हुनका एकटा गंभीर बीमारी मे फँसा देलकनि।
27 मिस्रक सभ स् त्री सभ हुनका लग आबि कऽ हुनका सँ पुछलथिन, "अहाँक हालत किएक अछि?" अहाँ जेकरा किछुक अभाव नहि अछि। निश्चय अहाँक पति राजाक नजरि मे एकटा पैघ आ सम्मानित राजकुमार छथि, की अहाँक हृदयक इच्छाक किछु कमी हेबाक चाही?
28 जलिकाह हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "आइ अहाँ सभ कैँ ई पता चलत जे अहाँ सभ हमरा देखयवला अव्यवस्था कतय सँ निकलैत अछि, आ ओ अपन नौकरानी सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे सभ स्त्रीगणक लेल भोजन तैयार करथि आ हुनका सभक लेल भोज-भात सेहो कयलनि आ सभ स् त्री सभ जेलिकाक घर मे भोजन कयलनि।

29 ओ ओकरा सभ कैँ छूरी दऽ कऽ ओकरा सभ कैँ खाय लेल सिट्रॉन छिलका लेलक आ आज्ञा देलक जे ओ सभ यूसुफ कैँ महग वस्त्र पहिरा दियौक आ ओ ओकरा सभक सोझाँ आबि जाय, आ यूसुफ हुनका सभक आँखिक सोझाँ आबि गेलाह आ सभ स्त्री सभ यूसुफ दिस तकलनि आ हुनका सभ सँ नजरि नहि हँटि सकलाह आ सभ अपन हाथ मे जे चाकू छलनि ताहि सँ हाथ काटि लेलनि आ हाथ मे जे सभ सिट्रॉन छल से खून सँ भरल छल।
30 हुनका सभ कैँ ई नहि बुझल छलनि जे ओ सभ की केने छथि, मुदा ओ सभ यूसुफक सौन्दर्य कैँ देखैत रहलाह आ हुनका सँ पलक नहि घुमा देलनि।
31 जलिकाह हुनका सभक काज देखि हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ ई काज की अछि?" देखू हम अहाँ सभ कैँ सिट्रॉन खाय लेल देलियैक आ अहाँ सभ अपन हाथ काटि लेलहुँ।
32 सभ स्त्रीगण हुनका सभक हाथ देखि देखलनि जे ओ सभ खून सँ भरल छल आ हुनका सभक वस्त्र पर खून बहैत छलनि आ हुनका कहलथिन, "अहाँक घरक ई दास हमरा सभ पर विजय पाबि गेल अछि, आ हम सभ ओकर सुन्दरताक कारणेँ ओकरा सँ पलक नहि घुमा सकलहुँ।"
33 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "जखन अहाँ सभ हुनका दिस तकलहुँ आ अहाँ सभ हुनका सँ अपना कैँ नहि रोकि सकलहुँ। तखन हम कोना परहेज करब जखन ओ निरंतर हमर घर मे रहैत छथि, आ हम हुनका दिन पर दिन अपन घर मे घुसैत-निकलैत देखैत छी। तखन हम एहि कारणेँ कोना ह्रास करबासँ वा नाश धरि नहि पाबि सकब?
34 ओ सभ ओकरा कहलथिन, "ई बात सत्य अछि, किएक तँ के घर मे एहि सुन्दर रूप कैँ देखि ओकरा सँ परहेज क' सकैत अछि, आ की ओ अहाँक घर मे अहाँक दास आ सेवक नहि अछि, आ अहाँ ओकरा हृदय मे जे किछु अछि से किएक नहि कहैत छी, आ एहि बातक कारणेँ अहाँक आत्मा कैँ नाश होमय दैत छी?
35 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम हुनका मनाब' मे नित्य प्रयास क' रहल छी, आ ओ हमर इच्छा कैँ सहमत नहि करताह, आ हम हुनका सँ सभ किछु नीक-नीक वचन देलियनि, मुदा तइयो हुनका सँ कोनो वापसी नहि क' सकलहुँ। तेँ हम क्षीण अवस्था मे छी जेना अहाँ देखैत छी ।
36 जलिकाह यूसुफक प्रति प्रेमक कारणेँ बहुत बीमार भ' गेलीह, आ ओ यूसुफक कारणेँ बहुत बेसी प्रेमी भ' गेलीह, आ जेलिकाहक घरक सभ लोक आ हुनकर पति कैँ एहि विषय मे किछु नहि बुझल छलनि जे जेलिकाह यूसुफक प्रति प्रेमक कारणेँ बीमार छथि।
37 हुनकर घरक सभ लोक हुनका सँ पुछलथिन, "अहाँ किएक बीमार आ क्षीण भऽ रहल छी आ अहाँ मे किछुक अभाव नहि अछि?" ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हमरा ई बात हमरा नहि बुझल अछि जे हमरा पर नित्य बढ़ि रहल अछि।"
38 सभ स्त्रीगण आ ओकर संगी सभ हुनका देखय लेल सभ दिन अबैत छलाह आ ओ सभ हुनका सँ गप्प करैत छलाह आ ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "ई तऽ यूसुफक प्रेम सँ मात्र भऽ सकैत अछि। ओ सभ ओकरा कहलथिन, "ओकरा बहका कऽ नुका कऽ पकड़ि लिअ, कहीं ओ अहाँक बात सुनि कऽ ई मृत्यु अहाँ सँ दूर कऽ सकथि।"
39 जलिकाह यूसुफक प्रति प्रेमक कारणेँ आओर खराब भऽ गेलीह, जाबत धरि ओकरा ठाढ़ हेबाक सामर्थ्य कम नहि भऽ गेलनि।
40 एक दिन यूसुफ अपन मालिकक काज घर मे कऽ रहल छलाह, तखन जेलिकाह नुका कऽ आबि कऽ अचानक हुनका पर खसि पड़लाह आ यूसुफ हुनका पर उठि गेलाह आ ओ हुनका सँ बेसी शक्तिशाली छलाह आ हुनका जमीन पर उतारि देलनि।
41 जलिकाह हुनका प्रति हृदयक इच्छाक कारणेँ कानय लगलीह आ कानैत-कानैत हुनका सँ विनती कयलनि आ हुनकर गाल पर सँ नोर बहैत गेलनि आ ओ हुनका सँ विनती आ कटुताक स्वर मे बजलीह।
42 की अहाँ कहियो सुनने छी, देखलहुँ वा हमरा सन सुन्दर स्त्री कैँ, वा हमरा सँ नीक स्त्री कैँ, जे नित्य अहाँ सँ गप्प करैत अछि, अहाँ सँ प्रेमक कारणेँ पतन मे पड़ि जाइत अछि, अहाँ कैँ ई सभ आदर दैत अछि, आ तइयो अहाँ हमर आवाज नहि सुनब?
43 जँ अहाँक मालिकक डर सँ अहाँ कैँ दंडित नहि कयल जाय, तहिना राजा जीबैत छथि, एहि बातक कारणेँ अहाँक मालिक दिस सँ कोनो तरहक हानि नहि होयत। आब, तेँ प्रार्थना करू जे हमर बात सुनू, आ हम जे सम्मान अहाँ कैँ देने छी, ताहि लेल सहमति दिअ, आ एहि मृत्यु कैँ हमरा सँ टालि दियौक, आ हम अहाँक लेल किएक मरब? ओ बाजब छोड़ि देलनि।
44 यूसुफ हुनका उत्तर देलथिन, "हमरा सँ परहेज करू आ ई बात हमर मालिक पर छोड़ि दिअ। देखू, हमर मालिक नहि जनैत छथि जे घर मे हमरा संग की अछि, किएक त' ओ अपन सभ किछु हमरा हाथ मे सौंपने छथि, आ हम अपन मालिकक घर मे ई सभ कोना करब?
45 ओ हमरा अपन घर मे सेहो बहुत आदर देलनि, आ हमरा अपन घरक पर्यवेक्षक सेहो बनौलनि, आ हमरा ऊपर उठौलनि, आ एहि घर मे हमरा सँ पैघ केओ नहि अछि, आ हमर मालिक हमरा सँ किछु नहि रोकलनि, सिवाय अहाँ जे हुनकर पत्नी छी, तखन अहाँ हमरा ई बात कोना कहि सकैत छी, आ हम कोना परमेश्वर आ अहाँक पतिक संग ई पैघ अधलाह आ पाप कऽ सकब?
46 आब हमरा सँ परहेज करू आ आब एहि तरहक बात नहि बाजू, किएक तँ हम अहाँक बात नहि सुनब। मुदा जलिकाह जखन यूसुफ हुनका ई सभ बात कहैत छलाह तखन हुनकर बात नहि सुनय लगलाह, मुदा ओ हुनका प्रतिदिन हुनकर बात सुनबाक लेल लोभबैत छलीह।
47 एकर बाद मिस्रक धार चारू कात सँ भरि गेल आ मिस्रक सभ निवासी सभ बाहर निकलि गेलाह आ राजा आ राजकुमार सभ सेहो झंझरी आ नाच-गान ल' क' निकलि गेलाह, किएक त' मिस्र मे ई बहुत हर्षोल्लास छल, आ समुद्र सिहोरक बाढ़िक समय मे छुट्टीक दिन छल, आ ओ सभ दिन भरि आनन्दित होब' लेल ओतय गेलाह।
48 जखन मिस्रवासी सभ अपन प्रथा जकाँ आनन्दित होबऽ लेल नदी दिस निकललाह तँ पोटिफरक घरक सभ लोक हुनका सभक संग गेलाह, मुदा जेलिकाह हुनका सभक संग नहि जाय चाहैत छलाह, किएक तँ ओ कहलनि जे, "हमरा अस्वस्थता अछि, आ ओ घर मे असगरे रहि गेलीह, आ घर मे हुनका संग कोनो दोसर व्यक्ति नहि छल।"
49 ओ उठि कऽ घर मे अपन मन्दिर मे चलि गेलीह आ राजकीय वस्त्र पहिरि कऽ माथ पर गोमेदक पाथरक कीमती

पाथर, चानी आ सोना जड़ल गेल, आ अपन चेहरा आ चमड़ा कैँ सभ तरहक स्त्री-शुद्धि करयवला तरल पदार्थ सँ शोभा बढ़ौलनि, आ मंदिर आ घर मे कासिया आ लोबान सँ सुगंधित कयलनि मुसब्बर, बाद मे ओ मन्दिरक प्रवेश द्वार पर, ओहि घरक बाट मे बैसल छलीह, जाहि मे सँ यूसुफ अपन काज करबाक लेल गुजरैत छलाह, तखन यूसुफ खेत सँ आबि अपन मालिकक काज करबाक लेल घर मे प्रवेश कयलनि।
50 ओ ओहि ठाम पहुँचलाह, जाहि ठाम सँ गुजरय पड़ल छलनि, तखन ओ जेलिकाहक सभ काज देखि कऽ पाछू घुमि गेलाह।
51 जलिकाह यूसुफ कैँ हुनका सँ पाछू घुमि कऽ देखलनि आ ओ हुनका पुछलथिन जे अहाँ यूसुफ कैँ की अछि? अपन काज मे आबि जाउ, जाबत धरि अहाँ अपन आसन पर नहि पहुँचब, ताबत धरि हम अहाँक लेल जगह बना देब।"
52 यूसुफ घुरैत घर आबि गेलाह आ ओतय सँ अपन आसनक स्थान पर पहुँचलाह आ ओ अपन मालिकक काज रोजाना जकाँ करय लेल बैसलाह आ देखैत छथि जे जेलिकाह हुनका लग आबि कऽ हुनका सोझाँ मे राजकीय वस्त्र मे ठाढ़ भऽ गेलाह आ हुनकर कपड़ा सँ निकलल गंध दूर धरि पसरल छलनि।
53 ओ जल्दी-जल्दी यूसुफ आ हुनकर वस्त्र कैँ पकड़ि लेलनि आ कहलथिन, "जहिना राजा जीवित छथि जँ अहाँ हमर आग्रह नहि करब तँ आइ मरब, आ ओ जल्दी-जल्दी अपन दोसर हाथ पसारि क' अपन वस्त्रक नीचाँ सँ तलवार निकालि कऽ यूसुफक गरदनि मे राखि कहलथिन, "उठि कऽ हमर आग्रह पूरा करू, आ जँ आइ नहि मरि गेलहुँ।"
54 यूसुफ ओकरा सँ ई काज करबा सँ डेरा गेल, आ ओ ओकरा सँ भागबाक लेल उठि गेल, आ ओ ओकर वस्त्रक आगूक भाग पकड़ि लेलक आ ओकर पलायनक आतंक सँ जे वस्त्र जेलिकाह पकड़ने छलैक से फाटि गेलैक, आ यूसुफ ओ वस्त्र जेलिकाक हाथ मे छोड़ि गेलैक आ ओ भागि गेलै आ बाहर निकलि गेलै, कारण ओ डरैत छलैक।
55 जखन जेलिका देखलक जे यूसुफक वस्त्र फाटि गेल अछि आ ओ ओकरा हाथ मे छोड़ि कऽ भागि गेल अछि, तखन ओ अपन जान सँ डेरा गेलीह जे कहीं हुनका विषय मे ई खबरि नहि पसरि जायत, आ ओ उठि कऽ धूर्ततापूर्वक काज कयलनि आ जाहि वस्त्र मे ओ पहिरने छलीह से उतारि कऽ अपन आन वस्त्र पहिरि लेलनि।
56 ओ यूसुफक वस्त्र लऽ कऽ ओकरा बगल मे राखि देलक आ ओ अपन घरक लोक सभ नदी दिस जेबा सँ पहिने जाहि ठाम ओ अपन बीमारी मे बैसल छलीह, ओहि ठाम बैसि गेलीह, आ एकटा युवक कैँ बजौलनि जे तखन घर मे छल, आ ओकरा आदेश देलथिन जे ओ घरक लोक सभ कैँ अपना लग बजाबय।
57 ओ हुनका सभ कैँ देखि जोर-जोर सँ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "देखू, अहाँ सभक मालिक हमरा घर मे केहन हिब्रू कैँ अनने छथि, किएक तँ ओ आइ हमरा संग सुतय लेल आयल छथि।"
58 अहाँ सभ बाहर निकलला पर ओ घर मे आबि गेलाह आ घर मे ककरो नहि रहला पर हमरा लग आबि हमरा संग सुतबाक इरादा सँ हमरा पकड़ि लेलनि।
59 हम हुनकर कपड़ा पकड़ि कऽ फाड़ि कऽ जोर-जोर सँ हुनका विरुद्ध आवाज देलियनि, आ जखन हम अपन आवाज उठौलहुँ तँ ओ अपन जान सँ डेरा गेलाह आ अपन वस्त्र हमरा सोझाँ छोड़ि भागि गेलाह।
60 ओकर घरक लोक सभ किछु नहि बाजल, मुदा ओकर सभक क्रोध यूसुफ पर बहुत भड़कि गेल आ ओ सभ ओकर मालिक लग जा कऽ ओकर चालाक बात कहलक।
61 पोटिफर क्रोधित भऽ घर अयलाह आ हुनकर स् त्री हुनका चिचिया कऽ कहलथिन, "अहाँ ई की केलहुँ जे अहाँ हमरा संग एकटा हुनका अनने छी।" हमर घर मे नौकर बनाउ, किएक तँ ओ आइ हमरा संग खेलय लेल हमरा लग आयल अछि। आइ ओ हमरा संग एहि तरहेँ केलनि।
62 पोटिफर अपन पत्नीक बात सुनि कऽ यूसुफ कैँ कठोर प्रहारक सजाय देलक आ ओ सभ हुनका संग एहन कयलक।
63 जखन ओ सभ हुनका मारि रहल छल तखन यूसुफ जोर-जोर सँ आवाज देलक आ ओ स् वर्ग दिस आँखि उठा कऽ कहलक, "हे प्रभु परमेश् वर, अहाँ जनैत छी जे हम एहि सभ बात सँ निर्दोष छी, आ हम आइ झूठ बाजब किएक मरब, एहि अखतना दुष् ट लोक सभक हाथ सँ, जिनका अहाँ चिन्हैत छी?"
64 पोटिफरक लोक सभ यूसुफ कैँ मारि-पीटि कऽ ओ चिचियाइत रहलाह आ कानैत रहलाह, आ ओतय एगारह मासक एकटा बच्चा छल, आ प्रभु ओहि बच्चाक मुँह खोलि देलनि आ ओ ई बात सभ पोटिफरक लोक सभक समक्ष कहलथिन जे यूसुफ कैँ मारि रहल छल।
65 अहाँ सभ एहि आदमी सँ की चाहैत छी आ अहाँ सभ ओकरा संग एहन अधलाह किएक करैत छी? हमर माय झूठ बाजैत अछि आ झूठ बाजैत अछि। एहि तरहेँ लेनदेन भेल।
66 ओ बच्चा सभ घटना सभ ठीक-ठीक बता देलक आ जेलिकाहक सभ बात यूसुफ कैँ दिन-प्रतिदिन सुनाबैत रहलाह।
67 सभ आदमी बच्चाक बात सुनि कऽ बच्चाक बात पर बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेल आ बच्चा बाजब छोड़ि कऽ शान्त भऽ गेल।
68 पोटिफर अपन पुत्रक एहि बात पर बहुत लाज भऽ गेलाह आ ओ अपन आदमी सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे आब यूसुफ कैँ नहि मारू आ ओ सभ यूसुफ कैँ मारब छोड़ि देलक।
69 पोटिफर यूसुफ कैँ लऽ कऽ राजाक न्यायाधीश सभ पुरोहित सभक समक्ष न् याय करबाक आज्ञा देलथिन जाहि सँ हुनका एहि विषय मे न्याय कयल जाय।
70 पोटिफर आ यूसुफ राजाक न्यायाधीश पुरोहित सभक समक्ष आबि हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम अहाँ सभ सँ ई निर्णय करू जे कोनो नोकर कैँ कोन तरहक न्याय करबाक चाही, किएक तँ ओ एहि तरहेँ कयलनि अछि।"
71 पुरोहित सभ यूसुफ कैँ कहलथिन, "अहाँ अपन मालिकक संग ई काज किएक केलहुँ?" यूसुफ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "हमर मालिक लोकनि, एहन नहि अछि। पोतिफर यूसुफ कैँ कहलथिन, "हम अपन सभटा वस्तु अहाँक हाथ मे सौंपि देलियैक, आ हम अहाँ सँ अपन पत्नीक अतिरिक्त किछु नहि रोकलहुँ, आ अहाँ ई अधलाह कोना क' सकलहुँ?"
72 यूसुफ उत्तर देलथिन, "हे हमर प्रभु, जेना प्रभु जीबैत छथि आ अहाँक प्राण जीवित छथि, हे प्रभु, अहाँ अपन पत्नी सँ जे वचन सुनलहुँ से असत्य अछि, किएक तँ आइ एहि तरहक बात छल।"
73 हम अहाँक घर मे रहला पर एक साल बीति गेल। की अहाँ हमरा मे कोनो अधर्म देखलहुँ वा एहन कोनो एहन बात जे अहाँ सँ हमर जान माँगय?
74 पुरोहित सभ पोटिफर कैँ कहलथिन, "हमरा सभ कैँ पठा दियौक, आ ओ सभ यूसुफक फाटल वस्त्र कैँ हमरा सभक सोझाँ आनि दिअ, आ ओहि मे नोर देखब, आ जँ ई नहि होयत जे ओ

नोर वस्त्रक आगू मे अछि, तखन ओकर चेहरा ओकरा सामने आबि गेल हेतैक आ ओ ओकरा पकड़ि लेने हेतीह, जे ओ ओकरा लग आबि गेल हेतीह, आ तोहर पत्नी धोखाक संग ओ सभ काज केने हेतीह।
75 ओ सभ यूसुफक वस्त्र न्यायाधीश पुरोहित सभक सोझाँ अनलनि, आ देखलनि जे यूसुफक सोझाँ मे नोर छल, आ सभ न्यायाधीश पुरोहित सभ केँ बुझल छलनि जे ओ ओकरा दबा देलनि, आ ओ सभ कहलथिन, "ई दास केँ मृत्युक न् याय नहि अछि, किएक तँ ओ किछु नहि केलक, बल् कि ओकर न् याय ई अछि जे ओकरा जेल घर मे राखि देल जाय अपन पत्नीक विरुद्ध निकलू।
76 पोटिफर हुनका सभक बात सुनि कऽ हुनका जेल घर मे राखि देलथिन, जतय राजाक कैदी सभ कैद अछि, आ यूसुफ बारह वर्ष धरि जेल घर मे रहलाह।
77 एकर बादो हुनकर मालिकक पत्नी हुनका सँ नहि घुरलीह आ हुनकर बात सुनबाक लेल दिन-प्रतिदिन हुनका सँ गप्प करब नहि छोड़लीह, आ तीन मासक अंत मे जेलिकाह दिन-प्रतिदिन यूसुफ लग बंदी घर मे जाइत रहलाह, आ ओ हुनका अपन बात सुनबाक लेल लोभबैत रहलाह, आ ज़लिकाह यूसुफ केँ कहलथिन, "अहाँ एहि घर मे कतेक दिन धरि रहब?" मुदा आब हमर आवाज सुनू, हम अहाँ केँ एहि घर सँ बाहर निकालि देब।"
78 यूसुफ हुनका उत्तर देलथिन, "हमरा लेल एहि घर मे रहब नीक अछि जे हम अहाँक बात सुनब आ परमेश् वरक विरुद्ध पाप करब। ओ ओकरा कहलथिन, "जँ अहाँ हमर इच्छा पूरा नहि करब तँ हम अहाँक आँखि उखाड़ि कऽ अहाँक पएर मे बेड़ी लगा देब आ अहाँ केँ ओहि लोकक हाथ मे सौंप देब जकरा अहाँ पहिने नहि जनैत छलहुँ।"
79 यूसुफ हुनका उत्तर देलथिन, "देखू, समस्त पृथ्वीक परमेश् वर हमरा ओहि सभ काज सँ बचा सकैत छथि जे अहाँ हमरा संग कऽ सकैत छी, किएक तँ ओ आन्हर सभक आँखि खोलैत छथि आ बान्हल लोक सभ केँ खोलैत छथि आ ओहि देश सँ अपरिचित सभ परदेशी केँ बचाबैत छथि।"
80 जखन जेलिका यूसुफ केँ अपन बात सुनबाक लेल नहि मना सकलीह, तखन ओ यूसुफ केँ बहकाबय लेल जायब छोड़ि देलनि। आ यूसुफ एखनो कैदक घर मे बंद छलाह। यूसुफक पिता याकूब आ ओकर सभ भाय जे कनान देश मे छलाह, एखनो यूसुफक कारणेँ शोक करैत छलाह आ कानैत छलाह, कारण याकूब अपन पुत्र यूसुफक लेल सान्त्वना देबऽ सँ मना कऽ देलनि आ याकूब ओहि दिन सभ जोर-जोर सँ कानैत आ शोक करैत रहलाह।

अध्याय 45

1 ओहि वर्ष मे जखन यूसुफ अपन भाय सभ बेचि कऽ मिस्र गेलाह, तखन याकूबक पुत्र रूबेन तिम्ना गेलाह आ कनानी अवीक बेटी एलीयुराम केँ हुनका संग विवाह कयलनि आ ओ हुनका लग आबि गेलाह।
2 रूबेनक पत्नी एलीयुराम गर्भवती भऽ हुनका चारि पुत्र हनोक, पालू, चेत्रोन आ कार्मीक जन्म देलनि। ओकर भाय शिमोन अपन बहिन दीना केँ पत्नी बना लेलक आ ओ हुनका मेमुएल, यामीन, ओहद, याचीन आ ज़ोकर, पाँचटा पुत्रक जन्म देलक।
3 तकर बाद ओ कनानक महिला बुना लग गेलाह, ओ बुना छथि जिनका शिकेम नगर सँ शिमोन बंदी बना लेने छलाह, आ बुना दीना सँ आगू छलाह आ हुनकर सेवा करैत छलाह, आ शिमोन हुनका लग आबि गेलाह आ ओ हुनका साउल केँ जन्म देलनि।
4 ओहि समय यहूदा अदुलाम गेलाह आ ओ अदुलमक एकटा आदमी लग गेलाह, ओकर नाम हीरा छल, आ यहूदा ओतय कनानक एकटा आदमीक बेटी केँ देखलक, जकर नाम छल शुआक बेटी अलियाथ, आ ओ ओकरा लऽ कऽ ओकरा लग आबि गेल, आ अलियात सँ यहूदा, एर, ओनान आ शिलो केँ जन्म देलक। तीन पुत्र।
5 लेवी आ इस्साकर पूब दिस गेलाह आ एबरक पुत्र योकतानक पुत्र अयॉबाबक बेटी सभ केँ अपना लेल विवाह कयलनि। योक्तानक पुत्र यॉबाब केँ दू टा बेटी छलनि। जेठक नाम अदीना आ छोटक नाम अरिदा छल।
6 लेवी अदीना केँ पकड़ि लेलक आ इसाकर अरीदा केँ पकड़ि लेलक आ ओ सभ कनान देश मे अपन पिताक घर मे पहुँचि गेल आ अदीना लेवी केँ गेर्शोन, केहत आ मेरारी केँ जन्म देलक। तीन पुत्र।
7 अरीदा सँ इस्साकर टोला, पुवा, अय्यूब आ शोमरोन केँ चारिटा पुत्र भेलनि। दान मोआब देश मे जा कऽ मोआबी चमुदानक बेटी अफ्लालेत केँ विवाह कयलनि आ ओकरा कनान देश मे अनलनि।
8 अफलालेत बंजर छल, ओकर कोनो संतान नहि छल, आ बाद मे परमेश् वर दानक स् त्री अफ्लालेत केँ मोन पाड़लनि आ ओ गर्भवती भऽ एकटा पुत्रक जन्म देलनि आ ओकर नाम चुशीम रखलनि।
9 गाद आ नफ्ताली हारान गेलाह आ ओतय सँ नाहोरक पुत्र उजक पुत्र अमुरामक बेटी सभ केँ विवाह कयलनि।
10 अमुरामक बेटी सभक नाम ई सभ अछि। जेठक नाम मेरिमा आ छोटका उजीत। नफ्ताली मेरिमा आ गाद उजीत केँ पकड़ि लेलक। आ हुनका सभ केँ कनान देश, अपन पिताक घर मे अनलनि।
11 मेरिमा सँ नफ्ताली यव्जील, गुनी, याजेर आ शालेम, चारिटा पुत्र भेलनि। उजीत सँ गाद जेफियोन, चागी, शुनी, एजबोन, एरी, आरोदी आ अरली सँ सात पुत्र भेलनि।
12 आशेर जा कऽ इस्माइलक पुत्र हदादक पुत्र अफलालक बेटी अदोन केँ कनान देश मे लऽ गेलाह।
13 ओहि समय मे आशेरक पत्नी अदोन मरि गेलीह। आदोनक मृत्युक बाद आशेर नदीक ओहि पार गेलाह आ शेमक पुत्र एबरक पुत्र अबीमाएलक बेटी हदुरा केँ विवाह कयलनि।
14 ओ युवती सुन्दर आ बुद्धिमान स् त्री छल आ ओ शेमक पुत्र एलामक पुत्र मल्कीएलक पत्नी छलीह।
15 हदुरा मल्कीएलक लेल एकटा बेटीक जन्म देलनि आ ओकर नाम सेराख रखलनि, तकर बाद मल्कीएल मरि गेलाह आ हदुरा जा कऽ अपन पिताक घर मे रहि गेलाह।
16 आशेर मे पत्नीक मृत्युक बाद ओ गेलाह आ हदुरा केँ कनान देश मे लऽ गेलाह आ ओकर बेटी सेराक केँ सेहो अपना संग अनलनि, आ ओ तीन वर्षक छलीह आ ओ कन्या याकूबक घर मे पलल-बढ़ल।
17 ओ कन्या सुरुचिपूर्ण छल आ याकूबक सन् तान सभक पवित्र बाट पर चलैत छल। ओकरा किछुओ कमी नहि छलैक, आ प्रभु ओकरा बुद्धि आ समझ देलकैक।

18 आशेरक पत्नी हदुरा गर्भवती भऽ हुनका यिमना, यिश्वा, यिशवी आ बेरिया कें जन्म देलनि। चारिटा बेटा।
19 जबुलून मिद्यान जा कऽ मिद्यानक पुत्र अबीदाक पुत्र मोलादक पुत्री मेरिशा कें विवाह कऽ कनान देश मे अनलनि।
20 मेरुशा जेबुलून कें सेरेद, एलोन आ यक्लील कें जन्म देलनि। तीन पुत्र।
21 याकूब तेराक पुत्र ज़ोबाक पुत्र अराम लग पठौलनि आ ओ अरामक बेटी बिन्यामीन मेकालिया कें अपना लेल ल' लेलनि आ ओ कनान देश मे याकूबक घर मे आबि गेलीह। बिन्यामीन दस वर्षक छल जखन ओ अरामक बेटी मेकालिया कें पत्नी बना लेलक।
22 मकालिया गर्भवती भेल आ बिन्यामीन बेला, बेकर, अशबेल, गेरा आ नामान कें पाँचटा पुत्रक जन्म देलक। तकर बाद बिन्यामीन जा कऽ अपन पहिल पत्नीक अतिरिक्त अब्राहमक पुत्र शोमरोनक बेटी अरिबत कें विवाह कयलनि आ ओ अठारह वर्षक छलाह। अरिबाथ सँ बेंजामिन कें अची, वोश, मुपिम, चुपिम आ ओर्डक जन्म भेलनि। पाँच पुत्र।
23 ओहि दिन मे यहूदा शेमक घर जा कऽ शेमक पुत्र एलामक बेटी तामार कें अपन पहिल पुत्र एरक लेल पत्नी बना लेलक।
24 एर अपन पत्नी तामार लग आबि गेलाह आ ओ हुनकर पत्नी बनि गेलाह आ जखन ओ हुनका लग आबि गेलाह तखन ओ अपन वंशज कें बाहरी रूप सँ नष्ट कऽ देलनि आ हुनकर काज प्रभुक नजरि मे अधलाह भऽ गेलनि आ प्रभु हुनका मारि देलनि।
25 यहूदाक पहिल सन्तान एरक मृत्युक बाद यहूदा ओनान कें कहलथिन, "अपन भायक पत्नी लग जाउ आ हुनका अपन रिश्तेदारक रूप मे विवाह करू आ अपन भाय कें संतान पैदा करू।"
26 ओनान तामार कें पत्नी बना लेलनि आ ओ हुनका लग आबि गेलाह आ ओनान सेहो अपन भाइक काज जकाँ कयलनि, आ हुनकर काज प्रभुक नजरि मे अधलाह छलनि आ ओ हुनका सेहो मारि देलनि।
27 ओनान मरला पर यहूदा तामार कें कहलथिन, "जाबत धरि हमर बेटा शिलो पैघ नहि भऽ जायत ताबे तक तोहर पिताक घर मे रहू, आ यहूदा तामार कें शिलो मे देबा मे आब प्रसन्न नहि भेलाह, किएक तऽ ओ कहलनि जे, "शायद ओहो अपन भाय सभ जकाँ मरि जेताह।"
28 तामार उठि कऽ अपन पिताक घर मे रहलाह आ तामार किछु समय धरि अपन पिताक घर मे रहलाह।
29 वर्षक क्रान्तिक समय यहूदाक पत्नी अलियाथक मृत्यु भऽ गेलनि। यहूदा कें अपन पत्नीक लेल सान्त्वना भेटलनि, आ अलियाथक मृत्युक बाद यहूदा अपन मित्र हीराक संग तिम्ना चलि गेलाह जे हुनकर सभक भेँड़ा काटय।
30 तामार सुनलनि जे यहूदा भेँड़ाक काटय लेल तिम्ना मे चलि गेल अछि आ शिलो पैघ भ' गेल अछि आ यहूदा ओकरा पर प्रसन्न नहि भेल।
31 तामार उठि कऽ अपन विधवाक वस्त्र उतारि कऽ ओकरा पर घूंघट पहिरि कऽ पूरा तरहेँ झाँपि लेलक आ ओ तिमना जायबला बाट पर सार्वजनिक मार्ग पर बैसि गेलीह।
32 यहूदा ओकरा देखि कऽ ओकरा लऽ गेल आ ओ ओकरा लग आबि गेल, आ ओ प्रसवक समय मे ओकर गर्भ मे जुड़वाँ बच्चा छल, आ ओ पहिलुक नाम पेरेज रखलक आ दोसरक नाम जराह रखलक।

अध्याय 46

1 ओहि समय मे यूसुफ एखनो मिस्र देशक जेल मे बंद छलाह।
2 ओहि समय मे फिरौनक सेवक सभ हुनका सोझाँ ठाढ़ छलाह, जे मिस्त्रक राजाक भोज-पानी आ बेकरक प्रमुख छलाह।
3 खबास मदिरा लऽ कऽ राजाक सोझाँ पीब' लेल राखि देलक आ बेकर राजाक सोझाँ रोटी राखि कऽ खाय लेल राखि देलक आ राजा मदिरा पीबि कऽ रोटी खा लेलक, ओ आ ओकर नोकर आ सेवक सभ जे राजाक टेबुल पर भोजन करैत छल।
4 जखन ओ सभ खाइत-पीबैत छल तखन रौनी आ बेकर ओतहि रहि गेल आ फिरौनक सेवक सभ कें ओहि मदिरा मे बहुत रास मक्खी भेटल, जे खबास अनने छल, आ बेकरक रोटी मे नाइटरक पाथर भेटल।
5 पहरेदारक सेनापति यूसुफ कें फिरौनक अधिकारी सभ मे सेवक बना देलथिन आ फिरौनक अधिकारी सभ एक वर्ष धरि जेल मे रहलाह।
6 सालक अंत मे दुनू गोटे एक राति मे सपना देखलनि, जाहि ठाम ओ सभ छलाह, आ भोरे-भोर यूसुफ हुनका सभ लग रोजाना जकाँ हुनका सभक संग आबि गेलाह, आ हुनका सभ कें देखलनि आ देखलनि जे हुनका सभक चेहरा उदास आ उदास छल।
7 यूसुफ हुनका सभ सँ पुछलथिन, "आइ अहाँ सभक चेहरा उदास आ उदास किएक अछि? ओ सभ हुनका कहलथिन, "हम सभ सपना देखलहुँ, मुदा ओकर व्याख्या करय बला कियो नहि अछि। यूसुफ हुनका सभ कें कहलथिन, "हमरा सँ अपन सपना सुनाउ, आ परमेश् वर अहाँ सभ कें जेना चाहैत छी, शान्तिक उत्तर देथिन।"
8 खबास यूसुफ कें अपन सपना सुनौलनि आ कहलथिन, "हम अपन सपना मे देखलहुँ जे हमरा सोझाँ एकटा पैघ बेल छल, आ ओहि बेल पर तीन टा डारि देखलहुँ।
9 हम अंगूर लऽ कऽ एकटा प्याला मे दबा कऽ फिरौनक हाथ मे राखि देलियैक आ ओ पीबि लेलक। यूसुफ ओकरा कहलथिन, "अंगक गाछ पर जे तीनू डारि छलैक से तीन दिनक अछि।"
10 तइयो तीन दिनक भीतर राजा अहाँ कें बाहर अनबाक आदेश देत आ ओ अहाँ कें अपन पद पर आबि जायत आ अहाँ राजा कें ओकर शराब पीबय लेल ओहिना पीबह जेना पहिने जखन अहाँ हुनकर खबास छलहुँ। मुदा हमरा अहाँक नजरि मे अनुग्रह भेटय जे जखन अहाँक नीक होयत तखन अहाँ हमरा फिरौन कें मोन पाड़ब आ हमरा पर दया करब आ हमरा एहि जेल सँ बाहर निकालि देब, कारण हम कनान देश सँ चोरा लेल गेल छलहुँ आ एहि ठाम दास मे बेचल गेल छलहुँ।
11 हमर मालिकक पत्नीक विषय मे जे बात अहाँ कें कहल गेल छल से झूठ अछि, कारण ओ सभ हमरा एहि कालकोठरी मे बेकार मे राखि देलक। खबास यूसुफ कें उत्तर देलथिन, "जँ राजा हमरा संग पहिने जेना नीक व्यवहार करताह, जेना अहाँ हमरा अंतिम व्याख्या केने रही, त' हम अहाँक जे किछु चाहैत छी से करब आ अहाँ कें एहि कालकोठरी सँ बाहर निकालि देब।"
12 ओ बेकर ई देखि जे यूसुफ खबासक सपना कें ठीक-ठीक व्याख्या कऽ लेने छथि, ओ सेहो लग आबि गेलाह आ अपन पूरा सपना यूसुफ कें सुनौलनि।
13 ओ ओकरा कहलथिन, "हम सपना मे देखलहुँ आ देखलहुँ जे हमर माथ पर तीन टा उज्जर टोकरी अछि, तखन हम देखलहुँ जे

सभसँ ऊपरक टोकरी मे फिरौनक लेल सभ तरहक पकाओल मांस छल, आ देखलहुँ जे चिड़ै सभ हमर माथ पर सँ ओकरा खा रहल छल।"
14 यूसुफ हुनका कहलथिन, "जे तीनू टोकरी अहाँ देखलहुँ से तीन दिनक अछि, मुदा तीन दिनक भीतर फिरौन अहाँक माथ उतारि कऽ गाछ पर लटका देत आ चिड़ै सभ अहाँक मांस खा जायत, जेना अहाँ सपना मे देखलहुँ।"
15 ओहि दिन मे रानी कैँ प्रसव होमय बला छलनि आ ओहि दिन मिस्रक राजा कैँ एकटा बेटा भेलनि आ ओ सभ घोषणा कयलनि जे राजा अपन पहिल पुत्र कैँ पाबि लेलनि आ मिस्रक समस्त लोक सभ संग संग फिरौनक अधिकारी आ सेवक सभ कैँ बहुत आनन्दित कयलनि।
16 फारो अपन जन्मक तेसर दिन अपन अधिकारी आ नोकर सभक लेल, सोअर आ मिस्र देशक सेना सभक लेल भोज बनौलनि।
17 मिस्रक सभ लोक आ फिरौनक नोकर सभ राजाक संग हुनकर पुत्रक पाबनि मे भोजन-पीन करबाक लेल आ राजाक आनन्द मे आनन्दित होमय लेल आबि गेलाह।
18 ओहि समय मे राजाक सभ अधिकारी आ हुनकर नोकर सभ आठ दिन धरि भोज मे आनन्दित रहलाह आ आठ दिन धरि राजाक घर मे तरह-तरह केर वाद्ययंत्र, झंझरी आ नाच-गान सँ मस्ती करैत छलाह।
19 ओ खजाना, जकरा यूसुफ अपन सपनाक व्याख्या केने छलाह, ओ यूसुफ कैँ बिसरि गेलाह, आ ओ राजाक समक्ष हुनकर नाम नहि लेलनि जेना ओ प्रतिज्ञा केने छलाह, किएक तँ ई बात प्रभुक दिस सँ यूसुफ कैँ दंडित करबाक लेल छलनि, किएक तँ ओ मनुष्य पर भरोसा केने छलाह।
20 तकर बाद यूसुफ दू वर्ष धरि जेल घर मे रहलाह, जाबत ओ बारह वर्ष पूरा नहि कऽ सकलाह।

अध्याय 47

1 अब्राहमक पुत्र इसहाक ओहि समय मे कनान देश मे रहैत छलाह। ओ बहुत बूढ़ छल, एक सय अस्सी वर्षक छल, आ ओकर पुत्र एसाव, याकूबक भाय, एदोम देश मे छल आ ओकरा आ ओकर पुत्र सभक बीच सेइरक लोकक बीच सम्पत्ति छलैक।
2 एसाव सुनलनि जे हुनकर पिताक मृत्युक समय लग आबि रहल अछि, तखन ओ अपन बेटा आ घरक लोकक संग कनान देश, अपन पिताक घर मे पहुँचलाह, आ याकूब आ हुनकर बेटा सभ हेब्रोन मे रहय बला स्थान सँ निकलि गेलाह आ सभ अपन पिता इसहाक लग पहुँचलाह आ एसाव आ हुनकर बेटा सभ कैँ डेरा मे भेटलाह।
3 याकूब आ ओकर पुत्र सभ अपन पिता इसहाकक समक्ष बैसल छलाह आ याकूब एखनो अपन पुत्र यूसुफक शोक मना रहल छलाह।
4 इसहाक याकूब कैँ कहलथिन, "अपन बेटा सभ कैँ हमरा एतय आनि दिअ आ हम ओकरा सभ कैँ आशीर्वाद देब। याकूब अपन एगारह टा बच्चा कैँ अपन पिता इसहाकक समक्ष अनलनि।
5 इसहाक याकूबक सभ पुत्र सभ पर हाथ राखि ओकरा सभ कैँ पकड़ि कऽ गला लगा लेलक आ एक-एक कए चुम्मा लेलक आ ओहि दिन इसहाक ओकरा सभ कैँ आशीर्वाद देलक आ ओकरा सभ कैँ कहलक, "अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर अहाँ सभ कैँ आशीर्वाद देथिन आ अहाँ सभक संतान कैँ स् वर्गक तारा जकाँ संख्या मे बढ़ाबथि।"
6 इसहाक एसावक पुत्र सभ कैँ सेहो आशीष दैत कहलथिन, "परमेश् वर अहाँ सभ कैँ देखनिहार सभ आ अहाँक सभ शत्रु सभक लेल भयावह आ भयावह बनाबथि।"
7 इसहाक याकूब आ ओकर पुत्र सभ कैँ बजौलनि आ ओ सभ इसहाकक सोझाँ आबि कऽ बैसलाह, आ इसहाक याकूब कैँ कहलथिन, "सब पृथ् वीक परमेश् वर प्रभु हमरा कहलथिन, 'जँ तोहर सन्तान सभ हमर नियम आ हमर बाट-बाट पालन करत तँ हम ओकरा सभ कैँ ओ शपथ पूरा करब।
8 आब हमर बेटा, अपन संतान आ अपन संतानक बच्चा सभ कैँ प्रभुक भय मानब सिखाउ आ ओहि नीक बाट पर चलब जाहि सँ अहाँक परमेश् वर परमेश् वर कैँ नीक लागत, किएक तँ जँ अहाँ प्रभुक बाट आ हुनकर नियम सभक पालन करब तँ प्रभु अब्राहमक संग अपन वाचा कैँ सेहो अहाँ सभक लेल पालन करताह आ अहाँ आ अहाँक वंशज सभक संग भरि दिन भलाई करताह।
9 इसहाक याकूब आ अपन बच्चा सभक आज्ञा दऽ कऽ ओ प्राण छोड़ि मरि गेलाह आ अपन लोकक बीच जमा भऽ गेलाह।
10 याकूब आ एसाव अपन पिता इसहाकक मुँह पर खसि पड़लाह आ ओ सभ कानय लगलाह, आ इसहाक एक सय अस्सी वर्षक छलाह जखन ओ कनान देश मे हेब्रोन मे मरि गेलाह आ हुनकर पुत्र सभ हुनका मकपेला गुफा मे ल' गेलाह, जे अब्राहम हेतक लोक सभ सँ दफन स्थलक लेल कीनने छलाह।
11 कनान देशक सभ राजा याकूब आ एसावक संग इसहाक कैँ दफन करबाक लेल गेलाह आ कनानक सभ राजा इसहाक कैँ मरला पर बहुत आदर कयलनि।
12 याकूबक बेटा आ एसावक पुत्र सभ नंगे पाएर घुमैत-फिरैत आ विलाप करैत किरेत-अर्बा धरि पहुँचि गेल।
13 याकूब आ एसाव अपन पिता इसहाक कैँ मकपला गुफा मे दफना देलनि, जे हेब्रोन मे किरेत-अर्बा मे अछि, आ राजा सभक अंतिम संस्कार मे जेना बहुत आदर सँ दफना देलनि।
14 याकूब आ हुनकर पुत्र सभ, एसाव आ हुनकर पुत्र सभ आ कनानक सभ राजा सभ बहुत दिन धरि हुनका गाड़ि कऽ शोक करैत रहलाह।
15 इसहाकक मृत्युक बाद ओ अपन माल-जाल आ अपन सम्पत्ति आ अपन सभटा सम् पत्ति अपन पुत्र सभक हाथ मे छोड़ि देलनि। एसाव याकूब कैँ कहलथिन, "देखू, हमरा सभक पिता जे किछु बचल छथि, हम सभ ओकरा दू भाग मे बाँटि देब।
16 याकूब कनान देश मे इसहाक जे किछु बचल छल, मवेशी आ सम्पत्ति कैँ लऽ कऽ ओकरा सभ कैँ एसाव आ ओकर पुत्र सभक समक्ष दू भाग मे राखि देलक आ एसाव कैँ कहलक, "देखू, ई सभ किछु अहाँक सोझाँ अछि, अहाँ अपना लेल ओहि आधा भाग कैँ चुनू जे अहाँ लेब।"
17 याकूब एसाव कैँ कहलथिन, "सुनू, हम अहाँ सँ की कहब जे, आकाश-पृथ्वीक परमेश् वर प्रभु हमरा सभक पूर्वज अब्राहम आ इसहाक सँ कहलनि जे, "हम अहाँक वंशज कैँ ई देश सदाक लेल उत्तराधिकार मे देब।"
18 आब हमरा सभक पिता जे किछु छोड़ि गेल छथि से अहाँ सभक सोझाँ अछि आ देखू, समस्त देश अहाँक सोझाँ अछि। अहाँ ओकरा सभ मे सँ जे चाहैत छी से चुनू।

19 जँ अहाँ चाहैत छी जे पूरा देश अहाँ आ अहाँक बच्चा सभक लेल सदाक लेल ल' लिअ, आ हम एहि धन कैँ ल' लेब, आ अहाँ चाहैत छी जे धन अहाँ कैँ ल' जाय, आ हम ई देश हमरा आ अपन बच्चा सभक लेल सदाक लेल ल' लेब।
20 तखन इश्माएलक पुत्र नबायोत अपन बच्चा सभक संग ओहि देश मे छलाह आ ओहि दिन एसाव जा कऽ हुनका सँ विचार-विमर्श कयलनि।
21 याकूब हमरा सँ एहि तरहेँ बजलाह आ हमरा एहि तरहेँ उत्तर देलनि, आब अपन सलाह दिअ आ हम सभ सुनब।"
22 नबायोत पुछलथिन, "याकूब अहाँ सँ ई की कहने छथि?" देखू, कनानक सभ लोक अपन देश मे सुरक्षित रहि रहल छथि, आ याकूब कहैत छथि जे ओ अपन वंशक संग भरि दिन एहि देशक उत्तराधिकारी बनताह।
23 आब जाउ आ अपन पिताक सभ धन-सम्पत्ति लऽ कऽ अपन भाय याकूब कैँ ओहि देश मे छोड़ि दियौक जेना ओ कहने छथि।
24 एसाव उठि कऽ याकूब लग घुरि गेलाह आ इश्माएलक पुत्र नबायोतक जे किछु सलाह देने छलाह, से पूरा कयलनि। एसाव इसहाकक जे सभ धन-सम्पत्ति छोड़ि गेल छल, आत् मा, पशु-पक्षी, मवेशी आ सम्पत्ति आ सभ धन-दौलत लऽ लेलक। ओ अपन भाय याकूब कैँ किछु नहि देलक। याकूब मिस्रक धार सँ ल' क' यूफ्रेटिस नदी धरि कनानक समस्त देश कैँ ल' लेलनि, आ ओकरा अनन्त काल धरि अपन संतान आ हुनका बादक अपन वंशजक लेल अनन्त काल धरि अपना मे समेटि लेलनि।
25 याकूब अपन भाय एसाव सँ मकपेलाक गुफा सेहो ल' लेलनि, जे हेब्रोन मे अछि, जकरा अब्राहम एफ्रोन सँ कीनने छलाह, जाहि सँ हुनका आ हुनकर वंशजक लेल सदाक लेल दफन स्थल बनाओल गेल छलनि।
26 याकूब ई सभ बात खरीदबाक किताब मे लिखि देलनि आ ओहि पर हस्ताक्षर कयलनि आ चारिटा विश्वासी गवाहक संग एहि सभक गवाही देलनि।
27 याकूब एहि पुस्तक मे लिखने छलाह जे, कनान देश आ हित्ती, हिवी, यबूसी, अमोरी, फरीज आ गेर्गासी, मिस्रक नदी सँ ल' क' यूफ्रेटिस नदी धरि सातटा जाति।
28 हेब्रोन किरेत-अर्बा नगर आ ओहि मे जे गुफा अछि, याकूब अपन भाय एसाव सँ समस्त वस्तु कैँ मूल्यक रूप मे कीनि लेलनि, जे हुनका बादक वंशजक लेल अपन सम्पत्ति आ उत्तराधिकारक रूप मे सदाक लेल।
29 याकूब खरीदबाक किताब आ हस्ताक्षर, आज्ञा आ नियम आ प्रगट पुस्तक कैँ लऽ कऽ माटिक बर्तन मे राखि देलथिन जाहि सँ ओ सभ बहुत दिन धरि रहय।
30 एसाव अपन पिताक मृत्युक बाद जे किछु छोड़ि गेल छल, से सभटा सम्पत्ति अपन भाय याकूब सँ ल' लेलक, आ ओ सभ सम्पत्ति, मनुष्य-पशु, ऊँट आ गदहा, बैल-मेमना, चानी-सोना, पाथर आ ब्देलियम आ सभटा सम्पत्ति जे अब्राहमक पुत्र इसहाकक छल, से ल' लेलक। जे किछु इसहाक अपन मृत्युक बाद छोड़ि गेल छल, ताहि मे सँ किछु एहन नहि बचल छल जे एसाव अपना लेल नहि लेने छल।
31 एसाव ई सभ बात लऽ कऽ अपन सन् तान सभ संग अपन भाय याकूब आ हुनकर सन् तान सभ सँ दूर होरीक सेइर देश मे घर चलि गेलाह।
32 सेइरक सन् तान मे एसावक सम् पत्ति छलनि आ ओहि दिन सँ एसाव कनान देश मे नहि घुरलाह।
33 पूरा कनान देश इस्राएलक सन्तान सभक लेल अनन्त उत्तराधिकार बनि गेल आ एसाव अपन सभ संतानक संग सेइर पहाड़क उत्तराधिकारी बनल।

अध्याय 48

1 ओहि समय मे इसहाकक मृत्युक बाद परमेश् वर आज्ञा देलनि आ पूरा पृथ् वी पर अकाल पड़ि गेलाह।
2 ओहि समय मिस्रक राजा फिरौन मिस्र देश मे अपन सिंहासन पर बैसल छलाह आ अपन पलंग पर पड़ल छलाह आ सपना देखैत छलाह, तखन फिरौन सपना मे देखलनि जे ओ मिस्र नदीक कात मे ठाढ़ छथि।
3 जखन ओ ठाढ़ छलाह तखन ओ देखलनि जे सात टा मोटगर मांसल आ अनुग्रहित गाय नदी सँ बाहर निकलि रहल अछि।
4 ओकरा सभक पाछाँ-पाछाँ सातटा आओर दुबला मांस आ दुर्गन्धियुक्त गाछ आबि गेल आ सातटा दुर्गन्धियुक्त गाछ नीक जकाँ निगल गेल।
5 ओ जागि गेलाह आ फेर सुति गेलाह आ दोसर बेर सपना देखलनि, आ देखलनि जे एक डंठल पर सात टा पातर कान, रैंक आ नीक, ऊपर उठल, आ सात टा पातर कान पूबक हवाक संग उछलि गेल, ओकर पाछाँ-पाछाँ उठल, आ पातर-पातर कान भरल सभ कैँ निगल गेल, आ फिरौन अपन सपना सँ जागि गेल।
6 भोरे राजा अपन सपना मोन पाड़लनि आ सपना देखि हुनकर आत्मा दुखी भऽ गेलाह आ राजा जल्दी-जल्दी पठा कऽ मिस्रक सभ जादूगर आ ज्ञानी लोकनि कैँ बजा कऽ बजा लेलनि आ ओ सभ आबि कऽ फिरौनक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह।
7 राजा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम सपना देखलहुँ, मुदा ओकर व्याख्या करयवला कियो नहि अछि। ओ सभ राजा कैँ कहलथिन, "अपन सेवक सभ कैँ अपन सपना सुनाउ।"
8 राजा हुनका सभ कैँ अपन सपना सुनौलनि आ ओ सभ एक स्वर मे राजा कैँ कहलथिन, "राजा अनन्त काल धरि जीवित रहथि।" आ ई अहाँक सपना सभक व्याख्या अछि।
9 अहाँ जे सात टा नीक गाय देखलहुँ से सातटा बेटीक द्योतक अछि जे अहाँक लेल अंतिम समय मे जन्म लेत, आ जे सात टा गाछ अहाँ ओकरा सभक पाछाँ ऊपर आबि कऽ निगल गेलहुँ, से एकटा संकेत अछि जे अहाँक लेल जे बेटी होयत से सभ राजाक जीवनकाल मे मरि जायत।
10 दोसर सपना मे जे देखलहुँ जे एक डंठल पर सात भरि नीक धानक कान उठैत छल, ओकर अर्थ ई अछि जे अहाँ अंतिम समय मे पूरा मिस्र देश मे सातटा शहर अपना लेल बना लेब। आ जे सात धमाकेदार माँजक कान मे सँ जे देखलहुँ जे ओकरा सभक पाछाँ उगैत आ ओकरा सभ कैँ आँखि सँ देखैत काल ओकरा निगल गेल, से एकटा संकेत अछि जे अहाँ जे शहर बनब, से सभ अंतिम दिन मे, राजाक जीवनकाल मे, नष्ट भ' जायत।
11 जखन ओ सभ ई सभ बात कहलक तँ राजा हुनका सभक बात पर कान नहि झुकौलनि आ ने हुनका सभ पर अपन मोन टिकलनि, किएक तँ राजा अपन बुद्धि मे जनैत छलाह जे ओ सभ सपना सभक उचित व्याख्या नहि करैत छथि। जखन ओ सभ राजाक समक्ष गप्प कऽ कऽ राजा हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ हमरा सँ ई की कहलहुँ?" अहाँ सभ झूठ बाजलहुँ आ झूठ बाजलहुँ। तैँ आब हमर सपना सभक उचित व्याख्या दिअ, जाहि सँ अहाँ सभ नहि मरि सकब।"

12 राजा एकर बाद आज्ञा देलथिन आ ओ फेर आन ज्ञानी लोकनि कैँ बजा कऽ बजौलनि, आ ओ सभ आबि राजाक समक्ष ठाढ़ भ' गेलाह, आ राजा हुनका सभ कैँ अपन सपना सुनौलनि, आ ओ सभ हुनका सभ कैँ पहिल व्याख्याक अनुसार उत्तर देलनि, आ राजाक क्रोध भड़कि गेलनि आ ओ बहुत क्रोधित भ' गेलाह, आ राजा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ जे कहलहुँ ताहि मे अहाँ सभ झूठ बाजैत छी आ झूठ बाजैत छी।"

13 राजा आज्ञा देलथिन जे पूरा मिस्र देश मे एकटा घोषणा कयल जाय जे, "राजा आ हुनकर महापुरुष द्वारा ई संकल्प कयल गेल अछि जे जे कोनो ज्ञानी आदमी सपना के अर्थ जनैत अछि आ बुझैत अछि, आ आइ राजा सँ पहिने नहि आओत, ओ मरि जायत।"

14 जे आदमी राजा कैँ अपन सपना सभक उचित अर्थ बताओत, ओकरा ओतहि देल जायत जे ओ राजा सँ माँगत। मिस्र देशक सभ ज्ञानी लोकनि मिस्र आ गोशेन, रामसेस, तचपंच, सोअर आ मिस्रक सीमाक सभ ठामक सभ जादूगर आ जादूगर सभक संग राजाक समक्ष आबि गेलाह आ सभ राजाक सोझाँ ठाढ़ भ' गेलाह।

15 मिस्रक समस्त नगर सभ सँ सभ कुलीन आ राजपुत्र आ राजाक सेवक सभ एक ठाम आबि गेलाह आ सभ राजाक समक्ष बैसल छलाह आ राजा अपन सपना सभ ज्ञानी लोक सभक समक्ष सुनौलनि आ राजा सभ आ राजाक समक्ष बैसल सभ लोक एहि दर्शन सँ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।

16 राजा सँ पहिने जे सभ ज्ञानी छलाह, हुनकर सपना सभक व्याख्या मे बहुत विभाजन भ' गेलाह। किछु गोटे राजा कैँ एकर व्याख्या करैत कहलथिन, "सातटा नीक गाय सातटा राजा अछि, जे राजाक मुद्दा सँ मिस्र पर पोसल जायत।"

17 सातटा अधलाह गाय सातटा राजकुमार अछि, जे अंतिम समय मे ओकरा सभक विरुद्ध ठाढ़ भ' क' ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ देत। आ सातटा धानक कान मिस्रक सातटा पैघ राजकुमार छथि, जे हमरा सभक प्रभु राजाक युद्ध मे अपन शत्रु सभक सातटा कम शक्तिशाली राजकुमारक हाथ मे पड़ि जेताह।

18 ओ सभ मे सँ किछु गोटे राजा कैँ एहि तरहेँ व्याख्या कयलनि जे, "सातटा नीक गाय मिस्रक मजबूत नगर अछि आ सातटा अधलाह गाय कनान देशक सातटा जाति अछि, जे अंतिम समय मे मिस्रक सातटा नगरक विरुद्ध आबि ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ देत।"

19 दोसर सपना मे जे सातटा नीक-बेजाय धानक कान देखलहुँ से एहि बातक संकेत अछि जे मिस्रक सरकार फेर सँ पहिने जकाँ अहाँक वंश मे वापस आबि जायत।

20 हुनकर शासन काल मे मिस्रक नगरक लोक सभ कनानक सातटा नगरक विरुद्ध भ' जायत जे हुनका सभ सँ बेसी बलशाली अछि आ ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ देत आ मिस्रक शासन अहाँक वंशज मे वापस आबि जायत।

21 किछु लोक राजा कैँ कहलथिन, "अहाँक सपना सभक अर्थ ई अछि। सात टा नीक गाय सात रानी अछि, जकरा अहाँ अंतिम समय मे पत्नी बना लेब आ सातटा खराब गाय ई दर्शाबैत अछि जे ओ सभ स्त्री राजाक जीवन मे मरि जेतीह।

22 दोसर सपना मे जे सातटा नीक-बेजाय धानक कान देखलहुँ से चौदह टा बच्चा अछि, आ अंतिम दिन मे ओ सभ ठाढ़ भ' क' आपस मे लड़त, आ ओहि मे सँ सातटा ओहि सातटा कैँ मारि देत जे बेसी शक्तिशाली अछि।

23 ओ सभ मे सँ किछु गोटे राजा कैँ ई बात कहलथिन, "सातटा नीक गायन ई दर्शाबैत अछि जे अहाँक सात टा संतान होयत आ ओ सभ अहाँक सन्तानक सात टा संतान कैँ अंतिम समय मे मारि देत। आ सातटा नीक मकई जे अहाँ दोसर सपना मे देखलहुँ, से ओ राजकुमार छथि जिनका विरुद्ध सातटा आओर कम शक्तिशाली राजकुमार अंतिम समय मे लड़ताह आ ओकरा सभ कैँ नष्ट क' देताह, आ अहाँक संतानक काजक बदला लेताह, आ सरकार फेर सँ अहाँक वंश मे घुरि जायत।

24 राजा मिस्रक ज्ञानी सभक सभ बात आ ओकर सपना सभक व्याख्या सुनलनि आ ओहि मे सँ कियो राजा कैँ प्रसन्न नहि कयलनि।

25 राजा अपन बुद्धि सँ जनैत छलाह जे ओ सभ एहि सभ बात मे एकदम सही नहि बजैत छथि, किएक तँ ई प्रभुक दिस सँ मिस्रक ज्ञानी सभक बात कैँ विफल करबाक लेल छल, जाहि सँ यूसुफ कैदक घर सँ बाहर निकलि जाय आ मिस्र मे महान भऽ जाय।

26 राजा देखलनि जे मिस्र देशक सभ ज्ञानी आ जादूगर मे सँ कियो हुनका सँ सही बात नहि कऽ रहल छथि आ राजाक क्रोध प्रज्वलित भऽ गेलनि आ हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि।

27 राजा आज्ञा देलथिन जे सभ ज्ञानी आ जादूगर हुनका सामने सँ निकलि जाय, आ सभ राजाक सोझाँ सँ लज्जित आ अपमानित भ' क' निकलि गेलाह।

28 राजा आज्ञा देलथिन जे पूरा मिस्र मे एकटा घोषणा पठाओल जाय जे मिस्र मे रहनिहार सभ जादूगर कैँ मारि देल जाय।

29 राजाक पहरेदारक सेनापति सभ उठि कऽ एक-एक गोटे अपन तलवार निकालि मिस्रक जादूगर आ ज्ञानी सभ कैँ मारि देबऽ लागल।

30 एकर बाद राजाक प्रमुख खबास मेरोद आबि राजाक समक्ष प्रणाम कऽ राजाक समक्ष बैसि गेलाह।

31 खबास राजा कैँ कहलथिन, "राजा अनन्त काल धरि जीवित रहथि आ हुनकर शासन एहि देश मे ऊँच रहय।"

32 अहाँ ओहि समय मे अपन नोकर पर तमसा गेल छलहुँ, जे आब दू साल बीति गेल छल, आ हमरा वार्ड मे राखि देलहुँ, आ हम आ बेकरक मुखिया किछु समय धरि वार्ड मे छलहुँ।

33 हमरा सभक संग एकटा हिब्रू नौकर छल जे पहरेदारक सेनापतिक छल, ओकर नाम यूसुफ छल, किएक तँ ओकर मालिक ओकरा पर क्रोधित भ' क' ओकरा कैदक घर मे राखि देलक आ ओ हमरा सभक ओतहि सेवा दैत छल।

34 जखन हम सभ वार्ड मे छलहुँ तखन किछु समय मे हम आ बेकर सभक मुखिया एक राति मे सपना देखलहुँ। हम सभ सपना देखलहुँ, प्रत्येक आदमी अपन सपना के व्याख्या के अनुसार।

35 हम सभ भोरे आबि कऽ ओहि नोकर कैँ कहलियनि आ ओ हमरा सभक सपना सभक व्याख्या कयलनि, एक-एक गोटे कैँ अपन सपनाक अनुसार, की ओ सही व्याख्या कयलनि।

36 ओ हमरा सभ कैँ जेना व्याख्या कयलनि, तेना घटना घटल। ओकर कोनो बात जमीन पर नहि खसल।

37 आब हमर मालिक आ राजा मिस्रक लोक सभ कैँ बेकार मे नहि मारैत छथि। देखू जे दास एखनो अपन मालिकक पहरेदारक कप्तान द्वारा घर मे, कैदक घर मे बंद अछि।

38 जँ राजा कैँ नीक लागय तँ ओ ओकरा बजा कऽ पठाउ जे ओ अहाँक सोझाँ आबि कऽ अहाँ कैँ ओहि सपनाक सही अर्थ बताबथि जे अहाँ सपना देखलहुँ।

39 राजा मुख्य भोजक बात सुनि राजा आदेश देलथिन जे मिस्रक ज्ञानी लोकनि कैँ नहि मारल जाय।
40 राजा अपन नोकर सभ कैँ यूसुफ कैँ अपना सोझाँ अनबाक आज्ञा देलथिन, तखन राजा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "ओकरा लग जाउ आ ओकरा नहि आतंकित करू, कहीं ओ भ्रमित नहि भ' जाय आ ठीक सँ बाजब नहि बुझत।"
41 राजाक नोकर सभ यूसुफ लग गेलाह आ जल्दी-जल्दी हुनका कालकोठरी सँ बाहर निकालि लेलनि आ राजाक नोकर सभ हुनका मुंडन कऽ लेलनि आ ओ जेलक वस्त्र बदलि राजाक सोझाँ आबि गेलाह।
42 राजा अपन राजसिंहासन पर सोनाक एफोड सँ बान्हल राजसिंहासन पर बैसल छलाह, आ ओहि पर जे महीन सोना छल, चमकैत छल, आ कार्बंकल आ माणिक आ पन्ना आ राजाक माथ पर राखल सभटा कीमती पाथरक संग आँखि चकाचक भ' गेल छल, आ यूसुफ राजा पर बहुत आश्चर्यचकित भ' गेल छलाह।
43 जाहि सिंहासन पर राजा बैसल छलाह, से सोना-चानी आ गोमेदक पाथर सँ झाँपल छल आ सत्तरि सीढ़ी छल।
44 पूरा मिस्र देश मे हुनका लोकनिक प्रथा छलनि जे राजा सँ गप्प करबाक लेल जे कियो अबैत छल, जँ ओ कोनो राजकुमार हो वा राजाक नजरि मे कोनो आदर-सत्कार करय बला हो, तऽ एकतीसम सीढ़ी धरि राजाक सिंहासन पर चढ़ि जाइत छल आ राजा छत्तीसम सीढ़ी धरि उतरि कऽ हुनका सँ गप्प करैत छल।
45 जँ ओ आम लोक मे सँ एक रहितथि तँ तेसर सीढ़ी पर चढ़ि जाइत छलाह आ राजा चारिम सीढ़ी पर उतरि हुनका सँ गप्प करैत छलाह, आ हुनकर सभक प्रथा छलनि जे जे केओ सभ सत्तरि भाषा मे बाजब बुझैत छल, ओ सत्तरि सीढ़ी पर चढ़ि जाइत छल आ जा धरि राजा लग नहि पहुँचैत छल, ता धरि बजैत छल।
"
47 मिस्र मे ओहि समय मे प्रथा छल जे ओकरा सभ पर केओ राज नहि करय, बल् कि सत्तर भाषा मे बाजब बुझय।
48 जखन यूसुफ राजाक समक्ष अयलाह तँ राजाक समक्ष जमीन पर प्रणाम कयलनि आ तेसर सीढ़ी पर चढ़ि गेलाह आ राजा चारिम सीढ़ी पर बैसि यूसुफ सँ गप्प कयलनि।
49 राजा यूसुफ कैँ कहलथिन, "हम सपना देखलहुँ, एकर सही व्याख्या करबाक लेल कोनो व्याख्याकार नहि अछि, आ हम आइ आज्ञा देलहुँ जे मिस्रक सभ जादूगर आ ओकर ज्ञानी लोकनि हमरा सोझाँ आबि जाय, आ हम अपन सपना हुनका सभ कैँ सुनौलहुँ, आ हमरा कियो एकर सही व्याख्या नहि केने अछि।"
50 एकर बाद हम आइ अहाँक विषय मे सुनलहुँ जे अहाँ बुद्धिमान छी आ जे सपना सुनैत छी ओकर सही व्याख्या कऽ सकैत छी।
51 यूसुफ फिरौन कैँ उत्तर देलथिन, "फारो अपन सपना देखथि। निश्चित रूप सँ व्याख्या परमेश् वरक अछि। आ फिरौन अपन सपना यूसुफ कैँ कहलथिन, गामक सपना आ धानीक कानक सपना, आ राजा बाजब छोड़ि देलनि।
52 तखन यूसुफ राजाक समक्ष परमेश् वरक आत् माक वस्त्र पहिरने छलाह आ ओहि दिन सँ राजा पर जे किछु होयत से सभ बात हुनका बुझल छलनि आ राजाक सपनाक उचित अर्थ बुझल छलनि आ राजाक समक्ष बजैत छलाह।
53 यूसुफ कैँ राजाक नजरि मे अनुग्रह भेटलनि आ राजा अपन कान आ मोन कैँ झुका देलनि आ यूसुफक सभ बात सुनलनि। यूसुफ राजा कैँ कहलथिन, "ई नहि बुझू जे ई सभ दूटा सपना अछि, किएक तँ ई मात्र एकटा सपना अछि, जे परमेश् वर अपन सपना मे राजा कैँ देखाओल गेल देश मे जे काज करबाक लेल चुनने छथि, आ ई अहाँक सपनाक उचित व्याख्या अछि।
" एकटा सपना अछि।
55 देखू जे सात वर्ष आबय बला देश मे बहुत रास प्रचुरता होयत, आ तकर बाद सात वर्षक अकाल ओकरा सभक बाद बहुत भयंकर अकाल होयत। आ ओहि देशक सभटा प्रचुरता बिसरि जायत आ अकाल ओहि देशक निवासी सभ कैँ भस्म कऽ देत।
56 राजा एकटा सपना देखलनि, आ तेँ ओ सपना फिरौन कैँ दोहराओल गेलनि, किएक तँ ई बात परमेश् वर द्वारा स्थापित कयल गेल अछि आ परमेश् वर जल्दिये एकरा पूरा कऽ देथिन।
57 आब हम अहाँ कैँ सलाह देब आ अहाँक प्राण आ ओहि देश मे रहनिहार सभक प्राण कैँ अकाल सँ मुक्त करब, जे अहाँ अपन राज्य मे एकटा एहन आदमी कैँ ताकब जे बहुत बुद्धिमान आ बुद्धिमान अछि, जे शासनक सभ काज कैँ जनैत हो आ ओकरा मिस्र देशक देखरेख करबाक लेल नियुक्त करू।
58 अहाँ जाहि आदमी कैँ मिस्र पर राखैत छी, से हुनका अधीन अधिकारी सभ कैँ नियुक्त करथि जे आबय बला नीक वर्षक सभ भोजन जमा करथि आ धान जमा कऽ अहाँक नियत भंडार मे जमा करथि।
59 ओहि भोजन कैँ सात वर्षक अकाल धरि राखय, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक लोक आ अहाँक समस्त देश कैँ भेटय आ अहाँ आ अहाँक देश अकाल मे नहि कटय।
60 एहि देशक सभ निवासी कैँ ईहो आज्ञा देल जाय जे ओ सभ सात नीक वर्ष मे अपन खेतक उपज, सभ तरहक अन्नक उपज जमा करथि आ ओकरा अपन भंडार मे राखथि, जाहि सँ अकालक समय मे ओकरा सभ कैँ भेटि जाय आ ओहि पर ओ सभ जीबि सकथि।
61 ई अहाँक सपनाक उचित व्याख्या अछि, आ ई सलाह अछि जे अहाँक प्राण आ अहाँक सभ प्रजाक प्राणीक उद्धार करबाक लेल देल गेल अछि।
62 राजा यूसुफ कैँ उत्तर देलथिन, "के कहैत अछि आ के जनैत अछि जे अहाँक बात सही अछि?" ओ राजा कैँ कहलथिन, "हमर सभ बातक आदर मे ई अहाँक लेल एकटा संकेत होयत जे ई बात सत्य अछि आ हमर सलाह अहाँक लेल नीक अछि।"
63 देखू, अहाँक पत्नी आइ प्रसवक मल पर बैसल छथि, आ अहाँ कैँ एकटा बेटा होयत आ अहाँ हुनका संग आनन्दित होयब। जखन अहाँक बच्चा मायक कोखि सँ बाहर निकलि जायत तखन अहाँक पहिल बेटा जे एहि दू साल पहिने जन्म लेने अछि, मरि जायत आ अहाँ कैँ ओहि बच्चा मे सान्त्वना भेटत जे आइ अहाँक जन्म होयत।
64 यूसुफ राजा कैँ ई सभ बात कहि कऽ राजाक समक्ष प्रणाम कयलनि आ ओ बाहर निकलि गेलाह आ जखन यूसुफ राजाक सोझाँ सँ बाहर निकलि गेलाह तँ ओहि दिन यूसुफ राजा कैँ कहल गेल संकेत सभ ओहि दिन भेल।
65 ओहि दिन रानी कैँ एकटा बेटा भेलनि आ राजा अपन पुत्रक शुभ समाचार सुनलनि आ ओ हर्षित भ' गेलाह, आ जखन रिपोर्टर राजाक सोझाँ सँ निकललाह तखन राजाक नौकर सभ राजाक पहिल पुत्र कैँ मृत पाबि जमीन पर खसल देखलनि।
66 राजाक घर मे बहुत विलाप आ हल्ला भेल आ राजा ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "हम घर मे कोन हल्ला आ विलाप सुनलहुँ?" ओ सभ राजा कैँ कहलथिन जे हुनकर पहिल पुत्र मरि गेल छथि।

तखन राजा बुझि गेलाह जे यूसुफक सभटा बात सही अछि, आ राजा कैँ ओहि दिन जे बच्चा हुनका जन्म लेलकनि, ओहिना हुनका सँ सान्त्वना भेटलनि जेना यूसुफ कहने छलाह।

अध्याय 49

1 एहि बातक बाद राजा अपन सभ अधिकारी-सेवक आ राजाक सभ राजकुमार आ कुलीन लोकनि कैँ पठा कऽ जमा कयलनि आ सभ राजाक समक्ष आबि गेलाह।
2 राजा हुनका सभ कैँ कहलथिन, “देखू, अहाँ सभ एहि इब्रानी आदमीक सभ बात देखलहुँ आ सुनलहुँ आ ओ सभ चिन् ह जे ओ घोषणा केने छलाह, से पूरा होएत, मुदा हुनकर कोनो बात जमीन पर नहि खसल अछि।”
3 अहाँ सभ जनैत छी जे ओ सपनाक उचित व्याख्या कऽ देने छथि आ ई निश्चित रूप सँ पूरा होयत, तेँ आब विचार करू आ ई जानि लिअ जे अहाँ की करब आ देश अकाल सँ कोना उद्धार होयत।
4 एखन खोजू आ देखू जे एहि तरहक लोक भेटि सकैत अछि कि नहि, जकर हृदय मे बुद्धि आ ज्ञान अछि, आ हम ओकरा देशक काज पर नियुक्त करब।
5 किएक तँ अहाँ सभ सुनने छी जे इब्रानी आदमी एहि विषय मे की सलाह देलक जे ओहि देश कैँ अकाल सँ बचाओल जाय, आ हम जनैत छी जे ओ देश अकाल सँ नहि मुक्त होयत, बल् कि हमरा सलाह देनिहार इब्रानीक सलाह सँ।
6 ओ सभ राजा कैँ उत्तर देलथिन, “इब्रानी एहि विषय मे जे सलाह देलनि अछि से नीक अछि। आब, हमर मालिक आ राजा, देखू, पूरा देश अहाँक हाथ मे अछि, जे अहाँक नजरि मे नीक लागय से करू।
7 जकरा अहाँ चुनब आ जकरा अहाँ अपन बुद्धि सँ बुद्धिमान आ अपन बुद्धि सँ देश कैँ बचाबऽ मे सक्षम बुझैत छी, ओकरा राजा ओहि देशक अधीन रहबाक लेल नियुक्त करत।
8 राजा सभ अधिकारी सभ कैँ कहलथिन, “हम सोचलहुँ जे जहिया सँ परमेश् वर इब्रानी आदमी कैँ हुनकर सभ बात बता देलनि अछि, तेँ पूरा देश मे हुनका जकाँ बुद्धिमान आ बुद्धिमान कियो नहि अछि। जँ अहाँक नजरि मे नीक लागत तँ हम ओकरा देशक ऊपर राखि देब, कारण ओ अपन बुद्धि सँ देश कैँ बचाओत।
9 सभ अधिकारी राजा कैँ उत्तर देलथिन, “मुदा मिस्रक नियम मे ई बात लिखल अछि, आ एकर उल्लंघन नहि कयल जाय जे मिस्र पर केओ राज नहि करत, आ ने राजाक बाद दोसर नहि होयत, बल् कि एहन व्यक्ति कैँ जे मनुष् य-पुत्रक सभ भाषा मे ज्ञान रखैत हो।”
10 आब हमरा सभक मालिक आ राजा, देखू ई हिब्रू आदमी मात्र हिब्रू भाषा बाजि सकैत अछि, आ तखन ओ हमरा सभक ऊपर कोना रहि सकैत अछि जे दोसर शासनक अधीन अछि, जे हमरा सभक भाषा तक नहि जनैत अछि?
11 आब हम सभ अहाँ सँ विनती करैत छी जे हुनका बजा कऽ बजाउ आ हुनका अहाँक सोझाँ आबि कऽ सभ काज मे हुनका परखय आ अहाँ कैँ जेना उचित बुझाइत अछि से करू।
12 राजा कहलथिन, “काल्हि ई काज भऽ जायत आ अहाँ जे बात कहलहुँ से नीक अछि। ओहि दिन सभ अधिकारी राजाक समक्ष आबि गेलाह।
13 ओहि राति परमेश् वर अपन एकटा सेवक स् वर्गदूत कैँ पठौलनि आ ओ मिस्र देश मे यूसुफक लग आबि गेलाह आ प्रभुक स् वर्गदूत यूसुफक ऊपर ठाढ़ भऽ गेलाह आ देखथि जे यूसुफ राति मे कालकोठरी मे अपन मालिकक घर मे ओछाओन पर पड़ल छलाह, कारण हुनकर मालिक हुनका अपन पत्नीक कारणेँ फेर सँ कालकोठरी मे राखि देने छलाह।
14 स् वर्गदूत हुनका नींद सँ जगौलनि आ यूसुफ उठि कऽ हुनकर टांग पर ठाढ़ भऽ गेलाह आ देखथि जे प्रभुक स् वर्गदूत हुनका सामने ठाढ़ छथि। परमेश् वरक स् वर्गदूत यूसुफ सँ बात कयलनि आ ओहि राति हुनका मनुष् यक सभ भाषा सिखबैत छलाह आ हुनकर नाम यहोसेफ रखलनि।
15 प्रभुक स् वर्गदूत हुनका लग सँ चलि गेलाह आ यूसुफ घुरि कऽ अपन बिछाओन पर पड़लाह आ यूसुफ जे दर्शन देखलनि से देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
16 भोरे-भोर राजा अपन सभ अधिकारी आ नोकर कैँ बजौलनि आ सभ गोटे राजाक समक्ष आबि कऽ बैसलाह आ राजा यूसुफ कैँ अनबाक आदेश देलनि आ राजाक नौकर सभ जा कऽ यूसुफ कैँ फिरौनक समक्ष अनलनि।
17 राजा बाहर आबि सिंहासनक सीढ़ी पर चढ़ि गेलाह आ यूसुफ राजा सँ सभ भाषा मे गप्प कयलनि, आ यूसुफ हुनका लग जा धरि राजा सँ गप्प करैत रहलाह जाबत ओ सत्तरिम सीढ़ी मे राजाक सोझाँ नहि पहुँचि गेलाह आ राजाक समक्ष बैसलाह।
18 राजा यूसुफक कारणेँ बहुत हर्षित भेलाह आ राजाक सभ अधिकारी यूसुफक सभ बात सुनि राजाक संग बहुत आनन्दित भऽ गेलाह।
19 राजा आ अधिकारी सभक नजरि मे नीक लागल जे यूसुफ कैँ राजाक बाद पूरा मिस्र देश मे दोसर स्थान पर नियुक्त कयल जाय, तखन राजा यूसुफ सँ कहलथिन।
20 आब अहाँ हमरा सलाह देलहुँ जे मिस्र देश पर एकटा बुद्धिमान आदमी कैँ नियुक्त कयल जाय, जाहि सँ ओकर बुद्धि सँ देश कैँ अकाल सँ बचाओल जाय। आब, जखन कि परमेश् वर अहाँ कैँ ई सभ बात आ अहाँ जे सभ बात कहलहुँ, तकरा सभ कैँ बुझा देने छथि, तेँ पूरा देश मे अहाँ सन कोनो विवेकी आ बुद्धिमान आदमी नहि अछि।
21 आब तोहर नाम यूसुफ नहि राखल जायत, बल् कि तोहर नाम सफनाथ पानेआ रहत। अहाँ हमरा बाद दोसर स्थान पर रहब आ अहाँक वचनक अनुसार हमर शासनक सभ काज होयत आ अहाँक वचन पर हमर लोक बाहर निकलि कऽ भीतर आबि जायत।
22 हमर नोकर आ अफसर सभ कैँ सेहो अहाँक हाथक नीचाँ सँ वेतन भेटतनि जे हुनका सभ कैँ मासिक रूप मे देल जाइत छनि, आ देशक सभ लोक अहाँ कैँ प्रणाम करताह। केवल अपन सिंहासन मे हम अहाँ सँ पैघ रहब।
23 राजा अपन हाथ सँ अंगूठी उतारि यूसुफक हाथ मे राखि देलनि आ राजा यूसुफ कैँ राजकुमारक वस्त्र पहिरा देलनि आ माथ पर सोनाक मुकुट लगा देलनि आ गरदनि मे सोनाक जंजीर लगा देलनि।
24 राजा अपन नोकर सभ कैँ आज्ञा देलथिन आ ओ सभ राजाक रथक विपरीत दोसर रथ मे बैसा देलथिन आ राजाक घोड़ा पर सँ एकटा पैघ आ मजबूत घोड़ा पर सवार भऽ मिस्र देशक गली-गली मे घुमा देलथिन।

25 राजा आज्ञा देलथिन जे, जे सभ टिम्बर, वीणा आ अन्य वाद्ययंत्र बजबैत छथि, यूसुफक संग जाउ। एक हजार टिम्बरल, एक हजार मेकोलोथ आ एक हजार नेबालिम हुनका पाछू-पाछू चललनि।
26 पाँच हजार आदमी हाथ मे चमकैत तलवार ल' क' ओ सभ यूसुफक आगू बढ़ैत आ खेलाइत गेलाह, आ राजाक बीस हजार महान पुरुष सोना सँ झाँपल चमड़ाक करधनी मे बान्हल यूसुफक दहिना कात आ बीस हजार हुनकर बामा कात, आ सभ स्त्री-युवती छत पर वा गली मे ठाढ़ भ' क' खेलाइत आ खेलाइत भ' गेलाह यूसुफ पर हर्षित होइत यूसुफक रूप आ ओकर सौन्दर्य दिस तकैत रहलाह।
27 राजाक लोक सभ हुनका आगू-पाछू चलैत गेलाह, लोबान आ कासिया आ सभ तरहक महीन सुगंध सँ सड़क पर सुगंधित करैत, गंधक आ मुसब्बर कैँ सड़क पर छिड़ियाबैत गेलाह आ बीस गोटे हुनका समक्ष पूरा देश मे ई बात सभ जोर-जोर सँ प्रचारित कयलनि।
28 की अहाँ सभ एहि आदमी कैँ देखैत छी, जकरा राजा अपन दोसर चुनने छथि? शासनक सभ काज ओकरे द्वारा नियंत्रित कयल जायत, आ जे ओकर आदेशक उल्लंघन करत वा जे ओकरा सामने जमीन पर प्रणाम नहि करत, से मरि जायत, कारण ओ राजा आ ओकर दोसरक विरुद्ध विद्रोह करैत अछि।
29 जखन प्रचारक सभ प्रचार छोड़ि देलक तखन मिस्रक सभ लोक यूसुफक समक्ष जमीन पर प्रणाम कऽ कऽ कहलक, "राजा जीवित रहथि आ हुनकर दोसरो जीवित रहथि। मिस्रक सभ निवासी सड़कक कात मे प्रणाम कयलनि आ जखन प्रचारक सभ हुनका सभक लग आबि गेलाह तँ ओ सभ प्रणाम कयलनि आ ओ सभ यूसुफक समक्ष मेकोल आ नेबल सभ तरहक ध्वनि बजा कऽ आनन्दित भऽ गेलाह।
30 घोड़ा पर बैसल यूसुफ अपन नजरि स् वर्ग दिस उठौलनि आ कहलथिन, "ओ गरीब कैँ धूरा सँ उठबैत छथि, गरीब कैँ गोबर मे सँ उठबैत छथि।" हे सेनापति, सुखी अछि जे मनुष्य अहाँ पर भरोसा करैत अछि।
31 यूसुफ फिरौनक सेवक आ अधिकारी सभक संग मिस्र देश मे घुमि गेलाह आ ओ सभ हुनका पूरा मिस्र देश आ राजाक सभटा खजाना देखौलनि।
32 ओहि दिन यूसुफ घुरि कऽ फिरौनक सोझाँ आबि गेलाह आ राजा यूसुफ कैँ मिस्र देश मे खेत-पथार आ अंगूरक बाग-बगीचाक सम्पत्ति देलनि आ राजा यूसुफ कैँ तीन हजार टोला चानी आ एक हजार टोला सोना, गोमेदक पाथर आ बदेलियन आ बहुत रास उपहार देलनि।
33 दोसर दिन राजा मिस्रक समस्त लोक कैँ आज्ञा देलथिन जे यूसुफ कैँ बलिदान आ वरदान आनब, आ जे राजाक आज्ञाक उल्लंघन करैत अछि, से मरि जाय। ओ सभ नगरक गली मे एकटा ऊँच स्थान बनौलनि आ ओतहि कपड़ा पसारि देलनि आ जे कियो यूसुफक लेल किछु अनैत छल, ओकरा ऊँच स्थान पर राखि दैत छल।
34 मिस्रक सभ लोक ऊँच स्थान पर किछु-किछु फेकि देलक, एक गोटे सोनाक कानबला, दोसर अंगूठी आ कानबला, सोना-चानीक काजक अलग-अलग बर्तन आ ऊँच स्थान पर गोमेदक पाथर आ बडली फेकि देलक। प्रत्येक अपन पास जे किछु छलैक ताहि मे सँ किछु ने किछु दैत छलैक।
35 यूसुफ ई सभटा लऽ कऽ अपन खजाना मे राखि देलथिन आ राजाक सभ अधिकारी आ कुलीन लोक यूसुफ कैँ ऊपर उठौलनि आ ओ सभ हुनका बहुत रास वरदान देलनि, ई देखि जे राजा हुनका अपन दोसर चुनलनि।
36 राजा ओनक पुरोहित अहीरामक पुत्र पोतिफेरा लग पठौलनि आ ओ अपन छोटकी बेटी ओस्नाथ कैँ लऽ कऽ यूसुफ कैँ पत्नीक रूप मे दऽ देलथिन।
37 ओ युवती बहुत सुन्दर कुमारि छल, जकरा मनुष् य नहि चिन्हने छल, आ यूसुफ ओकरा स् त्री बना लेलक। राजा यूसुफ कैँ कहलथिन, "हम फिरौन छी, आ अहाँक छोड़ि केओ हमर लोक कैँ पूरा मिस्र देश मे नियमन करबाक लेल अपन हाथ आ पैर उठेबाक साहस नहि करत।"
38 यूसुफ तीस वर्षक छलाह जखन ओ फिरौनक समक्ष ठाढ़ छलाह, तखन यूसुफ राजाक समक्ष सँ निकलि गेलाह आ मिस्र मे राजाक दोसर बनि गेलाह।
39 राजा यूसुफ कैँ सौ नौकर कैँ अपन घर मे सेवा देबाक लेल देलथिन, आ यूसुफ सेहो बहुत रास नोकर कैँ पठा कऽ कीनि लेलनि आ ओ सभ यूसुफक घर मे रहि गेलाह।
40 तखन यूसुफ राजाक महलक आंगनक आगू मे राजा सभक घर जकाँ एकटा बहुत भव्य घर बनौलनि आ ओहि घर मे एकटा पैघ मंदिर बनौलनि, जे देखबा मे बहुत सुरुचिपूर्ण आ अपन निवासक लेल सुविधाजनक छल। तीन साल यूसुफ अपन घर ठाढ़ करबा मे रहलाह।
41 यूसुफ अपना लेल सोना-चानीक प्रचुरता सँ भरल एकटा सुरुचिपूर्ण सिंहासन बनौलनि आ ओकरा गोमेदक पाथर आ ब्डेलियन सँ झाँपि देलनि आ ओहि पर पूरा मिस्र देशक उपमा बनौलनि आ मिस्रक नदीक उपमा बनौलनि जे पूरा मिस्र देश कैँ पानि दैत अछि। यूसुफ अपन घर मे अपन सिंहासन पर सुरक्षित बैसलाह आ प्रभु यूसुफक बुद्धि बढ़ा देलनि।
42 मिस्र मे रहनिहार सभ लोक, फिरौनक नोकर आ हुनकर मुखिया सभ यूसुफ सँ बहुत प्रेम करैत छलाह, किएक तँ ई बात प्रभुक दिस सँ यूसुफ धरि छलनि।
43 यूसुफक एकटा सेना छल जे युद्ध करैत छल, जे चालीस हजार छह सौ आदमीक संख्या मे सेना आ सेना मे निकलैत छल, जे राजा आ यूसुफ कैँ शत्रु सँ विरुद्ध सहायता करबाक लेल हथियार उठाबय मे सक्षम छल, राजाक अधिकारी आ हुनकर नौकर आ मिस्र मे रहनिहार सभक अतिरिक्त।
44 यूसुफ अपन पराक्रमी सभ आ अपन समस्त सेना कैँ ढाल आ भाला, टोप आ कोट आ कोठली आ पाथर देलनि।

अध्याय 50

1 ओहि समय मे तर्शीशक सन् तान सभ इस्माइलक पुत्र सभक विरुद्ध आबि हुनका सभ सँ युद्ध कयलनि आ तर्शीशक सन् तान सभ बहुत दिन धरि इश्माएल सभ कैँ लूटि लेलनि।
2 ओहि समय मे इस्माइलक संतानक संख्या कम छल, आ ओ सभ तर्शीशक सन् तान सभ पर विजय नहि पाबि सकल, आ ओकरा सभ पर बहुत दमन कयल गेल।
3 इस्माइली सभक बूढ़-पुरान सभ मिस्रक राजा कैँ एकटा गवाही पठौलनि जे, "हम अपन सेवक सभ कैँ अफसर आ सेना कैँ पठा दिअ जे हमरा सभ कैँ तर्शीशक सन्तान सभक विरुद्ध लड़बा मे मददि करथि, किएक तँ हम सभ बहुत दिन सँ नष्ट कऽ रहल छी।"
4 फिरौन यूसुफ कैँ राजाक घर सँ पराक्रमी आ सेना आ ओकर पराक्रमी सभ कैँ संग पठौलनि।

5 ओ सभ इस्माइलक सन् तान सभक संग हवीला देश गेलाह, तार्शीशक सन् तान सभक विरुद्ध सहायता करबाक लेल, आ इस्माइलक सन् तान सभ तर्शीशक सन् तान सभक संग लड़लनि, आ यूसुफ तर्शीसी सभ केँ मारि देलनि आ हुनका सभक समस्त देश केँ अपना वश मे कऽ लेलनि, आ इस्माइलक सन् तान सभ आइ धरि ओहि मे रहैत छथि।
6 जखन तर्शीश देश वश मे भऽ गेल तखन सभ तर्शीसी भागि गेल आ अपन भाय यावनक सन् तानक सीमा पर आबि गेल आ यूसुफ अपन सभ पराक्रमी आ सेनाक संग मिस्र घुरि गेल।
7 वर्षक क्रान्ति मे, यूसुफक मिस्र पर शासन करबाक दोसर वर्ष मे, प्रभु सात वर्ष धरि पूरा देश मे बहुत रास प्रचुरता देलनि जेना यूसुफ कहने छलाह, किएक तँ प्रभु ओहि समय मे पृथ्वीक सभ उपज केँ सात वर्ष धरि आशीर्वाद देलनि, आ ओ सभ भोजन कऽ कऽ बहुत तृप्त भऽ गेलाह।
8 ओहि समय मे यूसुफक अधीन अधिकारी सभ छलाह आ ओ सभ नीक वर्षक सभ भोजन जमा करैत छलाह आ साल दर साल धानक ढेर लगाबैत छलाह आ यूसुफक खजाना मे राखि दैत छलाह।
9 जखन ओ सभ भोजन जुटबैत छलाह तखन यूसुफ आज्ञा दैत छलाह जे ओ सभ कान मे धान आनि कऽ खेतक किछु माटि सेहो ल' कऽ आनथि जाहि सँ ओ लूटि नहि जाय।
10 यूसुफ साल दर साल एहि तरहेँ काज करैत रहलाह आ समुद्रक बालु जकाँ अन्नक ढेर लगाबैत छलाह, किएक तँ हुनकर भंडार बहुत पैघ छलनि आ प्रचुरताक कारणेँ ओकर गिनती नहि कयल जा सकैत छलनि।
11 मिस्र मे रहनिहार सभ सात नीक वर्ष मे सभ तरहक भोजन अपन भंडार मे बहुत प्रचुर मात्रा मे जमा कयलनि, मुदा ओ सभ यूसुफ जकाँ नहि कयलनि।
12 यूसुफ आ मिस्रक लोक सभ सात वर्षक भरमार मे जे किछु भोजन जमा केने छलाह, से ओहि देशक लेल सात वर्षक अकालक लेल भंडार मे राखल गेल छल, जाहि सँ पूरा देशक भरण-पोषण भ' सकैत छल।
13 मिस्रक निवासी सभ अकाल मे भरण-पोषणक लेल प्रत्येक अपन भंडार आ अपन नुकायल स्थान केँ धान्य सँ भरि देलक।
14 यूसुफ अपन जमा कयल सभ भोजन मिस्रक सभ शहर मे राखि देलनि आ सभटा भंडार बंद कऽ कऽ ओकरा सभ पर पहरेदार राखि देलनि।
15 यूसुफक पत्नी ओस्नाथ जे पोतीफेराक बेटी छलीह, हुनका मनश्शे आ एप्रैम नामक दूटा बेटा भेलनि आ जखन यूसुफ हुनका सभक जन्म भेलनि तखन हुनकर उम्र चौंतीस वर्षक छलनि।
16 लड़का सभ पैघ भेल आ ओकर बाट पर चलि गेल आ ओकर निर्देश मे ओ सभ ओहि बाट सँ नहि हटि गेल जे ओकर पिता ओकरा सभ केँ सिखबैत छलैक, ने दहिना दिस वा बामा दिस।
17 प्रभु लड़का सभक संग छलाह, आ ओ सभ पैघ भेलाह आ सभ बुद्धि आ शासनक सभ काज मे बुद्धि आ निपुणता प्राप्त कयलनि, आ मिस्र मे रहनिहार राजाक सभ अधिकारी आ हुनकर पैघ-पैघ लोक सभ लड़का सभ केँ ऊपर उठौलनि आ राजाक सन्तान सभक बीच पलल-बढ़ल गेलाह।
18 ओहि सात वर्षक भरपाई जे पूरा देश मे भेल छल से समाप्त भऽ गेल छल आ ओकर बाद सात वर्षक अकाल यूसुफक अनुसार भेल आ पूरा देश मे अकाल पड़ि गेल।
19 मिस्रक समस्त लोक देखलक जे मिस्र देश मे अकाल शुरू भऽ गेल अछि आ मिस्रक सभ लोक अकालक भंडार खोलि देलक।
20 ओ सभ अपन भंडार मे जे किछु भंडार छल से सभटा भोजन भेटल, जे कीड़ा-मकोड़ा सँ भरल छल आ खाय योग्य नहि छल, आ पूरा देश मे अकाल पड़ि गेल आ मिस्रक सभ निवासी फारोक समक्ष आबि कऽ चिचिया उठल, किएक तँ अकाल ओकरा सभ पर भारी पड़ि गेल छल।
21 ओ सभ फिरौन केँ कहलथिन, "अहाँक नोकर सभ केँ भोजन दिअ, आ हम सभ आ अपन छोट-छोट बच्चा सभ, अहाँक नजरि मे भूख सँ किएक मरब?"
22 फिरौन हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ हमरा किएक पुकारैत छी?" की यूसुफ नहि आज्ञा देलनि जे अकालक वर्षक लेल प्रचुरताक सात वर्ष मे मकई जमा कयल जाय? आ अहाँ सभ हुनकर आवाज किएक नहि सुनलहुँ?
23 मिस्रक लोक सभ राजा केँ उत्तर देलथिन, "हमर मालिक, अहाँक सेवक सभ यूसुफक आज्ञाक सभ काज पूरा कऽ लेलक, किएक तँ अहाँक नोकर सभ सेहो अपन खेतक सभ उपज जमा कए आइ धरि भंडार मे राखि देलक।"
24 जखन अहाँक नोकर सभ पर अकाल पड़ि गेल तखन हम सभ अपन भंडार खोललहुँ आ देखलहुँ जे हमर सभक उपज कीड़ा-मकोड़ा सँ भरल छल आ भोजनक योग्य नहि छल।
25 जखन राजा मिस्र मे रहनिहार सभ पर भेल सभ बात सुनि राजा अकाल मे बहुत भयभीत भऽ गेलाह आ ओ बहुत आतंकित भऽ गेलाह। राजा मिस्रक लोक सभ केँ उत्तर देलथिन, "जखन सँ अहाँ सभक संग ई सभ किछु भेल अछि, तखन यूसुफ लग जाउ, जे किछु कहताह से करू, हुनकर आज्ञाक उल्लंघन नहि करू।"
26 मिस्रक सभ लोक यूसुफ लग जा कऽ कहलथिन, "हमरा सभ केँ भोजन दिअ, आ हम सभ अहाँ सभक सोझाँ भूख सँ किएक मरब?" कारण, हम सभ सात वर्ष मे अहाँक आज्ञाक अनुसार अपन उपज जमा केलहुँ आ ओकरा भंडार मे राखि देलियैक आ एहि तरहेँ ई हमरा सभ पर आबि गेल।
27 जखन यूसुफ मिस्रक लोक सभक सभ बात आ हुनका सभक संग भेल घटना सभ सुनलनि तँ यूसुफ अपन सभ उपजक भंडार खोलि कऽ मिस्रक लोक सभ केँ बेचि देलनि।
28 पूरा देश मे अकाल पड़ि गेल आ सभ देश मे अकाल पड़ि गेल, मुदा मिस्र देश मे बेचबाक लेल उपज छल।
29 मिस्रक सभ निवासी यूसुफ लग अन्दा कीनबाक लेल अयलाह, किएक तँ हुनका सभ पर अकाल पड़ि गेलनि आ हुनकर सभक सभटा धान्य लूटि गेलनि आ यूसुफ ओकरा सभ दिन मिस्रक समस्त लोक केँ बेचि दैत छलाह।
30 कनान देशक सभ निवासी आ पलिस्ती, यरदन नदीक ओहि पारक लोक सभ, पूरबक लोक सभ आ दूर-दूर धरिक समस्त नगर सभ सुनलनि जे मिस्र मे धान्य अछि आ ओ सभ मिस्र मे अन्न कीनबाक लेल आयल छल, किएक तँ अकाल ओकरा सभ पर आबि गेल छल।
31 यूसुफ धानक भंडार खोलि कऽ ओकरा सभ पर अधिकारी सभ राखि देलथिन आ ओ सभ नित्य ठाढ़ भऽ कऽ आबय बला सभ केँ बेचैत रहलाह।
32 यूसुफ केँ बुझल छलनि जे हुनकर भाय सभ सेहो मिस्र देश मे अन्दा कीनबाक लेल आओत, किएक तँ पूरा पृथ् वी पर अकाल

पड़ि गेल छल। यूसुफ अपन सभ लोक कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ मिस्र देश मे एकर प्रचार करथि।
33 राजा, अपन दोसर आ हुनका लोकनिक महापुरुषक प्रसन्नता अछि जे जे केओ मिस्र मे मकई कीनय चाहैत अछि, से अपन नौकर कैँ मिस्र मे नहि पठाओत जे कीनबाक लेल अपन पुत्र कैँ पठा देत, आ संगहि कोनो मिस्र वा कनानवासी, जे मिस्र मे मकई कीनबा सँ कोनो भंडार सँ आबि कऽ पूरा देश मे बेचत, ओ मरि जायत, किएक तऽ कियो अपन घरक भरण-पोषणक लेल कियो नहि कीनत।
34 दू-तीन जानवरक नेतृत्व करयवला केओ मरि जायत, किएक तँ मनुष् य मात्र अपन जानवरक नेतृत्व करत।
35 यूसुफ मिस्रक फाटक पर पहरेदार सभ कैँ राखि हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे, "जे केओ धानक कीनय आबि सकैत अछि, ता धरि ओकरा प्रवेश नहि दियौक जाबत धरि ओकर नाम, ओकर पिताक नाम आ ओकर पिताक पिताक नाम आ जे किछु दिन मे लिखल अछि, तकरा नहि लिखल जायत, तखन धरि ओकरा सभक नाम हमरा साँझ मे पठा दियौक जाहि सँ हम ओकर नाम नहि जानि सकब।"
36 यूसुफ पूरा मिस्र देश मे अधिकारी सभ कैँ राखि देलथिन आ ओ हुनका सभ कैँ ई सभ काज करबाक आज्ञा देलथिन।
37 यूसुफ ई सभ काज कऽ कऽ ई सभ नियम बनौलनि जाहि सँ ओ ई जानि सकथि जे हुनकर भाय सभ कहिया मिस्र देश मे खेत कीनबाक लेल आओत। आ यूसुफक लोक सभ मिस्र मे रोज-रोज एहि बातक घोषणा करैत छल जे यूसुफक आज्ञा देल गेल छल।
38 पूर्व आ पश्चिम देशक सभ निवासी आ समस्त पृथ्वीक लोक सभ यूसुफक नियम आ नियमक विषय मे सुनलनि जे मिस्र मे यूसुफ बनौने छलाह, आ पृथ् वीक चरम भागक निवासी सभ आबि गेलाह आ मिस्र मे दिन-प्रतिदिन धान कीनि कऽ चलि गेलाह।
39 मिस्रक सभ अधिकारी यूसुफक आज्ञाक अनुसार काज केलक आ जे कियो मिस्र देश मे अबैत छल, से सभ अपन-अपन नाम आ अपन पूर्वजक नाम लिखि कऽ रोज साँझ मे यूसुफक समक्ष अनैत छल।

अध्याय 51

1 बाद मे याकूब सुनलनि जे मिस्र मे धान्य अछि, तखन ओ अपन पुत्र सभ कैँ बजा लेलक जे मिस्र जा कऽ चान कीनय, किएक तँ ओकरा सभ पर सेहो अकाल पड़ि गेल।
2 देखू, हम सुनैत छी जे मिस्र मे धान्य अछि, आ पृथ्वीक सभ लोक ओतय कीनय लेल जाइत अछि, तखन अहाँ सभ पूरा पृथ्वीक सोझाँ अपना कैँ किएक तृप्त देखाएब? अहाँ सभ सेहो मिस्र देश मे जाउ आ ओतऽ आबय बला लोक सभक बीच हमरा सभ कैँ कनेक मण् ड कीनि दिअ, जाहि सँ हम सभ नहि मरि सकब।"
3 याकूबक पुत्र सभ अपन पिताक आवाज सुनलनि आ ओ सभ मिस्र देश मे जेबाक लेल उठि गेलाह जाहि सँ ओतऽ आबय बला सभ लोक सभ मे सँ खान कीनि सकथि।
4 हुनका सभक पिता याकूब हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन, "जखन अहाँ सभ नगर मे अबैत छी तँ ओहि देशक निवासी सभक कारणेँ एकहि फाटक मे नहि जाउ।"
5 याकूबक बेटा सभ निकलि गेल आ ओ सभ मिस्र गेल, आ याकूबक बेटा सभ अपन पिताक आज्ञानुसार सभ काज केलक, आ याकूब बिन्यामीन कैँ नहि पठौलनि, कारण ओ कहलनि जे, "कहीं हुनका अपन भाय जकाँ सड़क पर कोनो दुर्घटना नहि भ' जाय।" याकूबक दसटा पुत्र बाहर निकलि गेलाह।
6 जखन याकूबक बेटा सभ बाट पर जा रहल छल तखन ओ सभ यूसुफक संग जे किछु केने छल, ताहि पर पश्चाताप कयलक आ एक-दोसर सँ बाजल, "हमरा सभ कैँ बुझल अछि जे हमर भाय यूसुफ मिस्र गेलाह, आ आब हम सभ ओकरा खोजब जतय जायब, आ जँ ओकरा पाबि लेब तँ ओकरा मालिक सँ फिरौतीक रूप मे ल' लेब, आ जँ नहि भेटत तऽ जबरदस्ती ओकरा लेल मरि जायब।"
7 याकूबक पुत्र सभ एहि बात पर सहमत भेलाह आ यूसुफक कारणेँ हुनका अपन मालिकक हाथ सँ मुक्त करबाक लेल अपना कैँ मजबूत कयलनि आ याकूबक पुत्र सभ मिस्र चलि गेलाह। जखन ओ सभ मिस्रक लग पहुँचलाह तँ ओ सभ एक-दोसर सँ अलग भऽ गेलाह आ मिस्रक दसटा फाटक सँ गुजरि गेलाह आ ओहि दिन द्वारपाल सभ हुनका सभक नाम लिखि कऽ साँझ मे यूसुफ लग अनलनि।
8 यूसुफ नगरक द्वारपाल सभक हाथ सँ नाम पढ़ि कऽ देखलक जे ओकर भाय सभ नगरक दस फाटक पर प्रवेश कऽ गेल छल आ ओहि समय मे यूसुफ आज्ञा देलक जे पूरा मिस्र देश मे एकर प्रचार कयल जाय।
9 अहाँ सभ भंडारक पहरेदार सभ जाउ, सभ मकईक भंडार बंद करू आ एकटा मात्र खुजल रहू, जाहि सँ जे सभ आओत से ओहि मे सँ कीन सकय।
10 ओहि समय मे यूसुफक सभ अधिकारी सभ एना करैत छलाह आ सभटा भंडार बन्न कऽ देलनि आ मात्र एकटा भंडार खुजल छोड़ि देलनि।
11 तखन यूसुफ अपन भाय सभक लिखित नाम खुजल भंडार पर राखल गेल लोक कैँ देलथिन आ ओ हुनका कहलथिन, "जे केओ अहाँ लग मण् ड कीनबाक लेल आओत, तखन ओकर नाम पूछू, आ जखन एहि नामक लोक सभ अहाँक सोझाँ आबि जायत तखन ओकरा सभ कैँ पकड़ि कऽ पठा दियौक।
12 जखन याकूबक पुत्र सभ नगर मे आबि गेलाह तखन ओ सभ अपना लेल धान कीनबा सँ पहिने यूसुफ कैँ तकबाक लेल नगर मे एक संग भ' गेलाह।
13 ओ सभ वेश्या सभक देबाल मे गेलाह आ तीन दिन धरि वेश्या सभक देबाल मे यूसुफ कैँ खोजैत रहलाह, कारण ओ सभ सोचैत छलाह जे यूसुफ वेश्या सभक देबाल मे आबि जेताह, किएक तँ यूसुफ बहुत सुन्दर आ अनुग्रहित छलाह, आ याकूबक पुत्र सभ तीन दिन धरि यूसुफ कैँ तकैत रहलाह, मुदा हुनका सभ कैँ नहि भेटलनि।
14 खुलल भंडार पर बैसल आदमी यूसुफ जे नाम देने छलाह, तकरा खोजैत रहलाह, मुदा ओकरा नहि भेटलनि।
15 ओ यूसुफ लग पठौलनि जे, "ई तीन दिन बीति गेल, आ जे लोकक नाम अहाँ हमरा रखलहुँ से नहि आयल अछि। यूसुफ पूरा मिस्र मे ओहि आदमी सभ कैँ तकबाक आ यूसुफक समक्ष अनबाक लेल नोकर सभ पठौलनि।
16 यूसुफक नोकर सभ मिस्र देश मे जा कऽ ओकरा सभ कैँ नहि पाबि सकल, आ गोशेन गेलाह आ ओ सभ ओतऽ नहि रहलाह,

तखन रमेस नगर मे गेलाह आ ओकरा सभ कैँ नहि पाबि सकलाह।
17 यूसुफ अपन भाय सभ कैँ ताकबाक लेल सोलह टा नोकर कैँ पठबैत रहलाह आ ओ सभ जा कऽ नगरक चारू कोन मे पसरल गेलाह आ चारिटा नौकर वेश्या सभक घर मे गेलाह आ ओतय दस गोटे अपन भाय कैँ ताकैत देखलनि।
18 ओ चारू आदमी ओकरा सभ कैँ लऽ कऽ ओकरा सभ कैँ अपना सोझाँ अनलक आ ओकरा सभ कैँ जमीन पर प्रणाम कयलक आ यूसुफ अपन मन् दिर मे अपन सिंहासन पर बैसल छलाह, रियासतक वस्त्र पहिरने छलाह आ हुनकर माथ पर सोनाक एकटा पैघ मुकुट छलनि, आ सभ पराक्रमी हुनका चारू कात बैसल छलाह।
19 याकूबक पुत्र सभ यूसुफ कैँ देखलक आ ओकर आकृति आ सुन्दरता आ चेहराक गरिमा ओकरा सभक नजरि मे अद्भुत बुझाइत छलैक आ ओ सभ फेर ओकरा जमीन पर प्रणाम कयलक।
20 यूसुफ अपन भाय सभ कैँ देखि हुनका सभ कैँ चिन्हलनि, मुदा ओ सभ हुनका नहि चिन्हलनि, किएक तँ यूसुफ हुनका सभक नजरि मे बहुत पैघ छलाह, तेँ ओ सभ हुनका नहि चिन्हलनि।
21 यूसुफ हुनका सभ सँ कहलथिन, "अहाँ सभ कतऽ सँ आयल छी?" ओ सभ उत्तर देलथिन, "तोहर नोकर सभ कनान देश सँ धान कीनबाक लेल आयल अछि, किएक तँ पूरा पृथ् वी पर अकाल पड़ि गेल अछि, आ तोहर सेवक सभ सुनलक जे मिस्र मे धान्य अछि, तेँ ओ सभ आन लोक सभक बीच अपन भरण-पोषणक लेल अन्न कीनबाक लेल आयल अछि।"
22 यूसुफ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "जँ अहाँ सभ जेना कहैत छी तेना कीनय लेल आयल छी तँ शहरक दस फाटक सँ किएक अबैत छी? ई त' मात्र भ' सकैत अछि जे अहाँ जमीनक जासूसी करय लेल आयल छी।
23 ओ सभ मिलिकय यूसुफ कैँ उत्तर देलथिन, "एना नहि हे मालिक, हम सभ ठीके कहैत छी, अहाँक नोकर जासूस नहि अछि, मुदा हम सभ मण् ड कीनय आयल छी, किएक तँ अहाँक नोकर सभ भाइ छथि, कनान देश मे एक आदमीक पुत्र छथि, आ हमरा सभक पिता हमरा सभ कैँ आज्ञा देलनि जे, "जखन अहाँ सभ शहर मे अबैत छी तँ ओहि देशक निवासी सभक कारणेँ एकहि फाटक पर नहि जाउ।"
24 यूसुफ फेर हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "हम अहाँ सभ सँ ई बात कहलहुँ जे अहाँ सभ ओहि देशक जासूसी करबाक लेल आयल छी, तेँ अहाँ सभ शहरक दस फाटक सँ आबि गेलहुँ। अहाँ देशक नंगटेपन देखय लेल आयल छी।
25 जे कियो धान कीनय अबैत अछि से अपन रस्ता पर जाइत अछि, आ अहाँ सभ तीन दिन धरि एहि देश मे छी, आ अहाँ सभ ओहि वेश्या सभक देबाल मे की करैत छी जाहि मे अहाँ सभ एहि तीन दिन सँ छी? निश्चय जासूस सभ एहि सभ बात जकाँ करैत अछि।
26 ओ सभ यूसुफ कैँ कहलथिन, "हमरा सभक प्रभु कैँ ई बात कहब दूर रहय, किएक तँ हम सभ बारह भाइ छी, अपन पिता याकूबक पुत्र छी, कनान देश मे, इसहाकक पुत्र, अब्राहमक पुत्र, इब्रानी, आ देखू, छोटका आइ हमरा सभक पिताक संग कनान देश मे अछि, आ एकटा नहि अछि, किएक तँ ओ हमरा सभ सँ हेरा गेल छल, आ हम सभ सोचलहुँ जे शायद ओ एहि देश मे भ' सकैत अछि, तेना हम सभ छी।" पूरा देश मे हुनका खोजैत रहलाह, आ ओतय वेश्या सभक घर धरि हुनका तकबाक लेल आयल छी।
27 यूसुफ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ हुनका खोजबाक लेल मात्र मिस्र रहि गेल अछि?" अहाँक भाय सेहो वेश्या सभक घर मे की करथि, जखन कि ओ मिस्र मे छलाह? की अहाँ सभ ई नहि कहलहुँ जे अहाँ अब्राहमक पुत्र इसहाकक पुत्र मे छी आ तखन याकूबक पुत्र सभ वेश्या सभक घर मे की करत?
28 ओ सभ हुनका कहलथिन, "किएक तँ हम सभ सुनलहुँ जे इश्माएल सभ ओकरा हमरा सभसँ चोरा लेलक आ हमरा सभ कैँ कहल गेल जे ओ सभ ओकरा मिस्र मे बेचि देलक, आ अहाँक सेवक, हमर भाय, बहुत सुन्दर आ अनुग्रहित अछि, तेँ हम सभ सोचलहुँ जे ओ वेश्या सभक घर मे अवश्य रहत, तेँ अहाँक सेवक सभ ओतऽ हुनका तकबाक लेल गेल आ ओकरा लेल फिरौती देबऽ लेल गेल।
29 तखनो यूसुफ हुनका सभ कैँ उत्तर दैत कहलथिन, "अहाँ सभ झूठ बाजैत छी आ झूठ बाजैत छी जे अहाँ सभ अब्राहमक सन् तान छी। जेना फिरौन जीबैत छथि तहिना अहाँ सभ जासूस छी, तेँ अहाँ सभ वेश्या सभक घर मे आबि गेलहुँ जे अहाँ सभ कैँ नहि चिन्हल जाय।
30 यूसुफ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "आब जँ अहाँ सभ हुनका पाबि लैत छी आ हुनकर मालिक अहाँ सभ सँ बहुत पैघ दाम माँगैत छथि तँ की अहाँ सभ हुनका बदला मे दऽ देब?" ओ सभ कहलथिन, "ई देल जायत।"
31 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "जँ हुनकर मालिक बहुत दाम पर हुनका सँ अलग होबऽ लेल तैयार नहि होयत तँ अहाँ सभ हुनका संग की करब?" ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "जँ ओ हमरा सभ कैँ नहि देत तँ हम सभ ओकरा मारि देब आ अपन भाय कैँ लऽ कऽ चलि जायब।"
32 यूसुफ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम अहाँ सभ सँ ई बात कहने छी। अहाँ सभ जासूस छी, किएक तँ अहाँ सभ ओहि देशक निवासी सभ कैँ मारबाक लेल आयल छी, किएक तँ हम सभ सुनलहुँ जे अहाँक दू भाय अहाँक बहिनक कारणेँ कनान देशक शेकेम निवासी सभ कैँ मारि देलक आ अहाँ सभ आब मिस्र मे अपन भाइक कारणेँ एहने काज करय लेल आयल छी।
33 हम एतबे बुझब जे अहाँ सभ सत् य लोक छी। जँ अहाँ सभ मे सँ एकटा कैँ घर पठा देब जे अपन छोट भाइ कैँ अपन पिता सँ आनय आ ओकरा एतय हमरा लग आनय, आ ई काज क' क' हम बुझब जे अहाँ सही कहैत छी।
34 तखन यूसुफ अपन सत्तरि पराक्रमी कैँ बजा कऽ कहलथिन, "ई सभ लोक सभ कैँ लऽ कऽ प्रहरी मे लऽ जाउ।"
35 पराक्रमी सभ ओहि दस आदमी कैँ लऽ कऽ ओकरा सभ कैँ पकड़ि कऽ वार्ड मे राखि देलक आ तीन दिन धरि ओ सभ वार्ड मे रहल।
36 तेसर दिन यूसुफ हुनका सभ कैँ वार्ड सँ बाहर अनबाक लेल कहलथिन, "जँ अहाँ सभ सत् य लोक छी तँ अपना लेल ई काज करू जाहि सँ अहाँ सभ जीवित रहब, जाबत अहाँ सभ जाबत अहाँ सभ अपन घरक लेल घर ल' कऽ कनान देश मे जाबऽ जायब आ अपन छोट भाय कैँ एतय आनि कऽ हमरा लग आनब, जाहि सँ हम बुझि सकब जे अहाँ सभ सत् य लोक छी।" चीज।
37 यूसुफ हुनका सभ सँ बाहर निकलि कऽ कोठली मे आबि कऽ बहुत कानैत रहलाह, किएक तँ हुनका सभ पर हुनकर दया बढ़ि गेलनि आ ओ मुँह धो कऽ फेर हुनका सभ लग घुरि गेलाह आ

हुनका सभ सँ सिमोन कैँ लऽ कऽ बान्हबाक आदेश देलनि, मुदा सिमोन एहन काज करऽ लेल तैयार नहि छलाह, किएक तँ ओ बहुत शक्तिशाली लोक छलाह आ ओ सभ हुनका नहि बान्हि सकैत छलाह।
38 यूसुफ अपन पराक्रमी सभ कैँ बजा लेलक आ सत्तरि वीर सैनिक हाथ मे तलवार ल' क' ओकरा आगू आबि गेल।
39 यूसुफ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, "एहि आदमी कैँ पकड़ि कऽ जेल मे राखि दियौक जाबत धरि ओकर भाय सभ ओकरा लग नहि आबि जायत, आ यूसुफक वीर लोक सभ जल्दी-जल्दी नहि आबि गेल आ सभ शिमोन कैँ बान्हबाक लेल पकड़ि लेलक, आ सिमोन जोर सँ आ भयंकर चिचिया उठल आ दूर सँ चिचिया उठल।
40 यूसुफक सभ वीर लोक एहि चिचियाहटि सँ आतंकित भऽ गेलाह आ ओ सभ मुँह पर खसि पड़लाह आ ओ सभ बहुत भयभीत भऽ भागि गेलाह।
41 यूसुफक संग रहनिहार सभ लोक भागि गेलाह, किएक तँ ओ सभ अपन जान सँ बहुत डेरा गेल छलाह आ ओतय मात्र यूसुफ आ हुनकर पुत्र मनश्शे रहि गेलाह आ यूसुफक पुत्र मनसा शिमोनक सामर्थ्य देखि ओ बहुत क्रोधित भऽ गेलाह।
42 यूसुफक पुत्र मनसा शिमोन लग उठलाह आ मनसा शिमोन कैँ मुट्ठी सँ हुनकर गरदनि पर भारी प्रहार कयलनि आ शिमोन क्रोध सँ शान्त भ' गेलाह।
43 मनसा शिमोन कैँ पकड़ि लेलक आ ओ ओकरा जोर-जोर सँ पकड़ि लेलक आ ओकरा बान्हि कऽ कैदक घर मे लऽ गेलैक आ याकूबक सभ पुत्र ओहि युवावस्थाक एहि काज सँ आश्चर्यचकित भऽ गेल।
44 शिमोन अपन भाय सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ मे सँ कियो ई नहि कहब जे ई मिस्रवासी कैँ मारल गेल अछि, बल् कि ई हमर पिताक घरक प्रहार अछि।"
45 एकर बाद यूसुफ हुनका भंडार पर राखल गेल लोक कैँ बजाओल जेबाक आदेश देलथिन जे हुनका सभक बोरा मे जतेक धान भऽ सकैत छल, ओतेक माँज भरि देल जाय आ प्रत्येकक पाइ कैँ अपन बोरा मे वापस कयल जाय आ सड़कक लेल भोजन देल जाय।
46 तखन यूसुफ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन, "सावधान रहू जे अहाँ सभ हमर आज्ञाक उल्लंघन नहि करब जे हम अहाँ सभ कैँ अपन भाय कैँ आनब, आ जखन अहाँ सभ अपन भाय कैँ एतय हमरा लग अनब, तखन हम बुझब जे अहाँ सभ सत् य लोक छी, आ अहाँ सभ ओहि देश मे कारोबार करब, आ हम अहाँ सभक भाय कैँ वापस कऽ देब, आ अहाँ सभ शान्तिपूर्वक अपन पिता लग घुरि जायब।"
47 ओ सभ उत्तर देलथिन, "हमरा सभक प्रभु जेना कहैत छथि तेना हम सभ ओहिना करब।"
48 एक-एक गोटे अपन-अपन खेत अपन-अपन गदहा पर उठा कऽ कनान देश मे अपन पिता लग जेबाक लेल निकलि गेलाह। ओ सभ सराय मे आबि गेलाह आ लेवी अपन बोरा पसारि देलनि जे ओ अपन गदहा कैँ भोजन देबथि, तखन ओ देखलनि जे ओकर पूरा वजन मे पाइ एखनो ओकर बोरा मे अछि।
49 ओ आदमी बहुत भयभीत भऽ अपन भाय सभ कैँ कहलथिन, "हमर पाइ वापस भऽ गेल अछि, हमर बोरा मे सेहो अछि, आ ओ सभ बहुत भयभीत भऽ गेलाह आ ओ सभ कहलथिन, "परमेश् वर हमरा सभक संग ई की कयलनि?"
50 ओ सभ कहलथिन, "हमरा सभक पूर्वज, अब्राहम, इसहाक, याकूबक संग प्रभुक दया कतय अछि जे प्रभु आइ हमरा सभ कैँ मिस्रक राजाक हाथ मे सौंप देलनि जे हमरा सभक विरुद्ध षड्यंत्र बनाओल जाय?"
51 यहूदा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम सभ अपन भाय, अपन शरीर कैँ बेचि कऽ अपना परमेश् वरक समक्ष दोषी पापी छी, आ अहाँ सभ किएक कहैत छी जे, "प्रभुक दया हमरा सभक पूर्वज सभक संग कतय अछि?"
52 रूबेन हुनका सभ कैँ कहलथिन, "की हम अहाँ सभ कैँ ई नहि कहलहुँ जे, ओहि लड़काक विरुद्ध पाप नहि करू, आ अहाँ सभ हमर बात नहि सुनब?" आब परमेश् वर हमरा सभ सँ हुनका माँगैत छथि, आ अहाँ सभ कोना हिम्मत करैत छी जे ई कहब जे, जाबत अहाँ सभ प्रभुक प्रति पाप केलहुँ, तखन प्रभुक दया हमरा सभक पूर्वज सभक संग कतय अछि?
53 ओ सभ ओहि ठाम राति भरि रहलाह आ भोरे-भोर उठि कऽ अपन गदहा सभ कैँ अपन धान्य लदौलनि आ ओकरा सभ कैँ लऽ कऽ आगू बढ़ि कऽ कनान देश मे अपन पिताक घर पहुँचि गेलाह।
54 याकूब आ ओकर घरक लोक अपन पुत्र सभ सँ भेंट कर' लेल निकललाह, तखन याकूब देखलनि जे हुनकर भाय शिमोन हुनका सभक संग नहि छलाह, आ याकूब अपन पुत्र सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभक भाय शिमोन कतय छथि, जिनका हम नहि देखैत छी?" हुनकर पुत्र सभ मिस्र मे जे किछु हुनका सभक संग भेल छलनि से हुनका सभ कैँ कहलथिन।

अध्याय 52

1 ओ सभ अपन घर मे प्रवेश कऽ कऽ सभ अपन-अपन बोरा खोललक आ देखलक आ देखलक जे ओतय प्रत्येकक पाइक गठरी छल, जाहि सँ ओ सभ आ ओकर सभक पिता बहुत आतंकित भऽ गेलाह।
2 याकूब हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ हमरा संग ई की केलहुँ?" हम तोहर भाइ यूसुफ कैँ अहाँक भलाईक जिज्ञासा करबाक लेल पठौलहुँ आ अहाँ हमरा कहलियैक। एकटा जंगली जानवर ओकरा जरूर खा गेलै।
3 शिमोन अहाँ सभक संग भोजन कीनबाक लेल गेल आ अहाँ कहैत छी जे मिस्रक राजा हुनका जेल मे बंद कऽ देने छथि, आ अहाँ सभ बिन्यामीन कैँ सेहो लऽ कऽ हुनकर मृत्युक कारण बनबऽ चाहैत छी आ बिन्यामीन आ ओकर भाय यूसुफक कारणेँ हमर धूसर केश कैँ दुख सँ कब्र मे उतारय चाहैत छी।
4 आब हमर बेटा अहाँ सभक संग नहि उतरत, किएक तँ ओकर भाय मरि गेल अछि आ ओ असगरे रहि गेल अछि, आ अहाँ जाहि बाट मे जा रहल छी, ओहि मे ओकरा संग बदमाशी भ' सकैत अछि, जेना ओकर भाय पर भेलैक।
5 रूबेन अपन पिता कैँ कहलथिन, "जँ हम अहाँक बेटा कैँ नहि आनि कऽ अहाँक सोझाँ नहि राखब तँ अहाँ हमर दुनू बेटा कैँ मारि देब। याकूब अपन बेटा सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ एतहि रहू आ मिस्र नहि जाउ, किएक तँ हमर बेटा अहाँ सभक संग मिस्र नहि जायत आ ने अपन भाय जकाँ मरत।"
6 यहूदा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "जखन धरि धान नहि खतम भऽ जायत, ताबत धरि अहाँ सभ हुनका सँ परहेज करू, तखन

ओ कहत जे, "अपन भाय कैँ उतारि दियौक, जखन ओ अकाल सँ अपन जान आ अपन घरक लोकक जान खतरा मे पाबि लेत।"
7 ओहि समय मे पूरा देश मे अकाल बहुत छल, आ पृथ्वीक सभ लोक भोजन कीनबाक लेल मिस्र मे आबि गेलाह, किएक तँ हुनका सभ मे अकाल बहुत छल, आ याकूबक पुत्र सभ एक साल दू मास धरि कनान मे रहलाह जाबत धरि हुनकर सभक धान्य समाप्त नहि भ' गेलनि।
8 जखन हुनका लोकनिक धान खसलाक बाद याकूबक समस्त घराना भूख सँ चुटकी लेलक आ याकूबक पुत्र सभक सभ शिशु सभ एक ठाम आबि याकूब लग आबि गेलाह आ सभ हुनका घेर लेलनि आ हुनका कहलथिन, "हमरा सभ कैँ रोटी दिअ, आ हम सभ अहाँक सोझाँ भूख सँ किएक नाश भ' जायब?"
9 याकूब अपन पुत्रक सन्तान सभक बात सुनि कऽ कानि कऽ कानि कऽ कानि कऽ कानि कऽ कऽ कऽ हुनका सभ पर दया उठलनि आ याकूब अपन पुत्र सभ कैँ बजौलनि आ सभ सभ आबि कऽ हुनका सभक सोझाँ बैसि गेलाह।
10 याकूब हुनका सभ कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ ई नहि देखलहुँ जे आइ अहाँ सभक बच्चा सभ हमरा पर कोना कानि रहल अछि जे, 'हमरा सभ कैँ रोटी दिअ, मुदा रोटी नहि अछि?" आब तैँ घुरि कऽ हमरा सभक लेल कनि भोजन कीनि दिअ।
11 यहूदा उत्तर देलथिन आ अपन पिता कैँ कहलथिन, "जँ अहाँ हमरा सभक भाय कैँ हमरा सभक संग पठा देब तँ हम सभ नीचाँ उतरि कऽ अहाँक लेल मण् ड कीनब, आ जँ अहाँ ओकरा नहि पठायब तँ हम सभ नीचाँ नहि जायब, किएक तँ मिस्रक राजा हमरा सभ कैँ विशेष रूप सँ आज्ञा देलनि जे, "जखन धरि अहाँक भाय अहाँक संग नहि रहत, अहाँ हमर मुँह नहि देखब, किएक तँ मिस्रक राजा एकटा बलवान आ पराक्रमी राजा छथि, आ देखू जे हम सभ ओतय जायब।" हुनका अपन भाय के बिना हम सब मारल जायब।
12 की अहाँ नहि जनैत छी आ नहि सुनने छी जे ई राजा बहुत शक्तिशाली आ बुद्धिमान छथि, आ पूरा पृथ्वी मे हुनका सन नहि छथि? देखू, हम सभ पृथ् वीक सभ राजा कैँ देखलहुँ आ मिस्रक राजा सन राजा कैँ नहि देखलहुँ। निश्चय पृथ्वीक सभ राजा मे पलिस्तीक राजा अबीमेलेक सँ पैघ कियो नहि अछि, तइयो मिस्रक राजा हुनका सँ पैघ आ पराक्रमी छथि, आ अबीमेलेकक तुलना मात्र हुनकर एकटा अधिकारी सँ कयल जा सकैत अछि।
13 पिता, अहाँ हुनकर महल आ हुनकर सिंहासन आ हुनकर सभ नोकर हुनका सामने ठाढ़ नहि देखलहुँ। अहाँ ओहि राजा कैँ अपन धूमधाम आ राजरूप मे अपन सिंहासन पर बैसल नहि देखलहुँ, जे अपन राजवस्त्र पहिरने माथ पर सोनाक पैघ मुकुट पहिरने छथि; परमेश् वर हुनका जे आदर आ महिमा देने छथि से अहाँ नहि देखलहुँ, किएक तँ पूरा पृथ्वी मे हुनका सन कोनो आदर नहि अछि।
14 पिता, परमेश् वर जे बुद्धि, समझ आ ज्ञान हुनका हृदय मे देने छथि, से अहाँ नहि देखलहुँ आ ने हुनकर मधुर आवाज सुनलहुँ जखन ओ हमरा सभ सँ गप्प कयलनि।
15 हे पिता, हम सभ नहि जनैत छी जे हुनका हमरा सभक नाम आ हमरा सभ पर भेल सभ बातक परिचय करौलनि, मुदा ओ अहाँक पाछाँ-पाछाँ पुछलथिन जे, "की अहाँक पिता एखनो जीवित छथि आ की हुनका ठीक अछि?"
16 अहाँ मिस्रक शासनक काज हुनका द्वारा नियंत्रित कयल गेल नहि देखलहुँ, बिना हुनकर मालिक फिरौन सँ पूछने। अहाँ ओहि भय आ भय कैँ नहि देखलहुँ जे ओ सभ मिस्रवासी पर छापि देलनि।
17 जखन हम सभ हुनका लग सँ चलि गेलहुँ तखन हम सभ मिस्र कैँ अमोरी सभक बाकी नगर सभ जकाँ करबाक धमकी देलहुँ, आ हुनकर सभ बात पर हम सभ बहुत क्रोधित छलहुँ जे ओ हमरा सभक विषय मे जासूसक रूप मे कहलनि, आ आब जखन हम सभ फेर हुनका सोझाँ आबि जायब तखन हुनकर आतंक हमरा सभ पर पड़ि जायत, आ हमरा सभ मे सँ कियो हुनका सँ कनिको वा पैघ बात नहि बाजि सकब।
18 आब पिताजी, हम सभ ओहि बालक कैँ अपना सभक संग पठा दिअ, आ हम सभ नीचाँ जा कऽ अहाँ कैँ अपन भरण-पोषणक लेल भोजन कीनब, आ भूख सँ नहि मरि जायब। याकूब कहलथिन, "अहाँ हमरा संग एतेक दुर्व्यवहार किएक केलहुँ जे राजा कैँ ई कहब जे अहाँक एकटा भाइ अछि?" ई की अछि जे अहाँ हमरा संग केलहुँ?
19 यहूदा ओकर पिता याकूब कैँ कहलथिन, "ओ बालक कैँ हमरा देखभाल मे दऽ दिअ, तखन हम सभ उठि कऽ मिस्र जा कऽ मण् ड कीनब आ फेर घुरब, आ जखन हम सभ घुरब तखन जँ ओ बालक हमरा सभक संग नहि रहत तखन हम अहाँक दोष सदाक लेल उठाबी।"
20 की अहाँ हमरा सभक सभ शिशु कैँ भूख सँ कानैत देखलहुँ आ अहाँक हाथ मे ओकरा तृप्त करबाक कोनो सामर्थ्य नहि अछि? आब हुनका सभ पर अहाँक दया जागल आ हमरा सभक भाय कैँ हमरा सभक संग पठा दियौक आ हम सभ चलि जायब।
21 जखन अहाँ कहैत छी जे मिस्रक राजा अहाँक बेटा कैँ छीन लेत तखन प्रभुक दया अहाँ पर कोना प्रगट होयत? जेना प्रभु जीबैत छथि, हम हुनका ताबत धरि नहि छोड़ब जाबत धरि हुनका नहि अनबनि आ हुनका अहाँक सोझाँ नहि राखब। मुदा हमरा सभक लेल प्रभु सँ प्रार्थना करू जे ओ हमरा सभक संग दया करथि आ मिस्रक राजा आ ओकर लोक सभक समक्ष हमरा सभक अनुकूल आ दयालुता सँ स्वागत करथि, किएक तँ जँ हम सभ आब निश्चित रूप सँ देरी नहि कएने रही तँ हम सभ अहाँक बेटाक संग दोसर बेर घुरि गेल रहितहुँ।
22 याकूब अपन पुत्र सभ कैँ कहलथिन, "हमरा प्रभु परमेश् वर पर भरोसा अछि जे ओ अहाँ सभ कैँ उद्धार करथि आ मिस्रक राजा आ अपन सभ लोकक नजरि मे अहाँ सभ कैँ अनुग्रह करथि।"
23 आब उठू आ ओहि आदमी लग जाउ आ ओहि देश मे जे किछु भेटि सकैत अछि ताहि मे सँ एक उपहार ओकरा हाथ मे लऽ कऽ ओकरा सामने आनू, आ सर्वशक्तिमान परमेश् वर अहाँ सभ कैँ हुनका सामने दया करथि जाहि सँ ओ अहाँ सभक भाय बिन्यामीन आ शिमोन कैँ अहाँ सभक संग पठा सकथि।
24 सभ लोक उठि कऽ अपन भाय बिन्यामीन कैँ पकड़ि लेलक आ देशक नीक-नीक वस्तुक पैघ उपहार अपना हाथ मे लेलक आ चानीक दुगुना भाग सेहो लऽ लेलक।
25 याकूब अपन पुत्र सभ कैँ बिन्यामीनक विषय मे सख्त आज्ञा देलथिन जे, "जाहि बाट पर जा रहल छी, ओहि मे हुनका सँ सावधान रहू, आ ने मिस्र मे हुनका सँ अलग नहि होउ।"
26 याकूब अपन पुत्र सभक बीच सँ उठि कऽ हाथ पसारि देलनि आ ओ अपन पुत्र सभक कारणेँ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि, "हे आकाश-पृथ्वीक परमेश् वर, हमरा सभक पिता अब्राहमक संग अपन वाचा कैँ मोन पाड़ू, हमर पिता इसहाकक संग मोन राखू

आ हमर पुत्र सभक संग दया करू आ मिस्रक राजाक हाथ मे नहि सौंप दिअ। करू हे परमेश् वर हम अहाँक दयाक लेल प्रार्थना करू आ हमर सभ संतान केँ मुक्त करू आ मिस्रक सत्ता सँ बचाउ आ हुनका सभक दुनू भाइ केँ पठा दियौक।
27 याकूबक पुत्रक सभ स् त्रीगण आ ओकर सभक सन् तान सभ स् वर्ग दिस बढ़ौलनि आ सभ प्रभुक समक्ष कानि कऽ हुनका सँ पुकारलनि जे ओ सभ अपन पूर्वज सभ केँ मिस्रक राजाक हाथ सँ बचाबथि।
28 याकूब मिस्रक राजा केँ एकटा पत्र लिखि मिस्रक राजाक लेल यहूदा आ अपन पुत्र सभक हाथ मे दऽ देलनि।
29 अहाँक सेवक याकूब, इसहाकक पुत्र, अब्राहम इब्रानीक पुत्र, परमेश् वरक राजकुमार, सँ ल' कऽ शक्तिशाली आ बुद्धिमान राजा, रहस्य प्रकट करयवला, मिस्रक राजा, अभिवादन करैत।
30 हमर मालिक मिस्रक राजा केँ ई बुझल हो जे कनान देश मे हमरा सभ पर अकाल पड़ि गेल छल आ हम अपन पुत्र सभ केँ अहाँ लग पठौलहुँ जे हमरा सभक भरण-पोषणक लेल अहाँ सँ कनि भोजन कीनब।
31 हमर बेटा सभ हमरा घेरने छल आ हम बहुत बूढ़ भऽ कऽ आँखि सँ नहि देखि सकैत छी, किएक तँ हमर आँखि उम्रक संग बहुत भारी भऽ गेल अछि, संगहि हमर पुत्रक लेल, यूसुफक लेल जे हमरा पहिने सँ हेरा गेल छल, आ हम अपन बेटा सभ केँ आज्ञा देलहुँ जे जखन ओ सभ मिस्र आबि गेलाह, तखन ओहि देशक निवासी सभक कारणेँ शहरक फाटक मे प्रवेश नहि करथि।
32 हम हुनका सभ केँ सेहो आज्ञा देलियनि जे मिस्र मे घुमि कऽ हमर पुत्र यूसुफ केँ तकबाक लेल जाउ, जाहि सँ हुनका सभ केँ ओतहि भेटि सकय।
33 की हम सभ अहाँक विषय मे ई नहि सुनने छी जे अहाँ फिरौनक सपना केँ व्याख्या केलहुँ आ हुनका सँ सत् य बाजलहुँ? तखन अहाँ अपन बुद्धि मे कोना नहि बुझब जे हमर बेटा सभ जासूस अछि वा नहि?
34 आब, हमर मालिक आ राजा, देखू, हम अपन बेटा केँ अहाँक आगू पठा देने छी, जेना अहाँ हमर पुत्र सभ सँ बात केने रही। हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे जाबत धरि ओ अपन भाय सभक संग शान्तिपूर्वक हमरा लग नहि आबि जायत ता धरि हुनका पर नजरि राखू।
35 की अहाँ नहि जनैत छी वा नहि सुनने छी जे हमरा सभक परमेश् वर हमर माय सारा केँ लऽ कऽ फिरौनक संग जे केने छलाह, आ हुनकर कारणेँ पलिस्ती सभक राजा अबीमेलेक संग की कयलनि, आ हमरा सभक पिता अब्राहम एलामक नौ राजा सभक संग की कयलनि, जे कोना ओ हुनका सभक संग रहनिहार किछु आदमी सभक संग हुनका सभ केँ मारि देलनि?
36 हमर दुनू बेटा शिमोन आ लेवी अमोरी सभक आठ नगरक संग जे केलक, से ओ सभ अपन बहिन दीनाक कारणेँ ओकरा सभ केँ कोना नष्ट कऽ देलक?
37 अपन भाय बिन्यामीनक कारणेँ ओ सभ अपन भाय यूसुफक क्षतिक कारणेँ अपना केँ सान्त्वना देलनि। तखन ओ सभ ओकरा लेल की करत जखन ओकरा सभक लेल कोनो लोकक हाथ ओकरा सभ पर हावी होइत देखैक?
38 हे मिस्रक राजा, की अहाँ नहि जनैत छी जे परमेश् वरक सामर्थ् य हमरा सभक संग अछि आ परमेश् वर कहियो हमरा सभक प्रार्थना सुनैत छथि आ हमरा सभ केँ भरि दिन नहि छोड़ैत छथि?
39 जखन हमर पुत्र सभ हमरा हुनका सभक संग व्यवहारक विषय मे कहलथिन तखन हम अहाँक कारणेँ प्रभु केँ नहि बजौलहुँ, किएक तँ हमर पुत्र बिन्यामीन अहाँ सँ पहिने आबय सँ पहिने अहाँ अपन आदमी सभक संग नाश भऽ गेल रहितहुँ, मुदा हम सोचलहुँ जे जहिना हमर पुत्र शिमोन अहाँक घर मे छल, तहिना अहाँ हुनका संग दया कऽ सकैत छी, तेँ हम अहाँक संग ई काज नहि केलहुँ।
40 आब देखू, हमर बेटा बिन्यामीन हमर बेटा सभक संग अहाँ लग आबि रहल छथि, हुनका पर सावधान रहू आ हुनका पर नजरि राखथि, तखन परमेश् वर अहाँ पर आ अहाँक पूरा राज्य मे अपन नजरि राखताह।
41 आब हम अहाँ केँ अपन हृदय मे जे किछु अछि, से अहाँ केँ कहि देलहुँ, आ देखू, हमर पुत्र सभ अपन भाय सभक संग अहाँ लग आबि रहल छथि, हुनका सभक लेल समस्त पृथ्वीक मुँह परखू आ हुनका सभ केँ अपन भाय सभक संग शान्तिपूर्वक वापस पठा दियौक।
42 याकूब अपन पुत्र सभ केँ यहूदाक हाथ मे दऽ देलथिन जे ओ मिस्रक राजा केँ दऽ सकथि।

अध्याय 53

1 याकूबक पुत्र सभ उठि कऽ बिन्यामीन आ समस्त उपहार सभ लऽ कऽ मिस्र गेलाह आ यूसुफक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह।
2 यूसुफ अपन भाय बिन्यामीन केँ हुनका सभक संग देखि हुनका सभ केँ प्रणाम कयलनि आ ई लोकनि यूसुफक घर आबि गेलाह।
3 यूसुफ अपन घरक अधीक्षक केँ आज्ञा देलथिन जे ओ अपन भाय सभ केँ भोजन करऽ दियौक।
4 दुपहरक समय मे यूसुफ बिन्यामीनक संग लोक सभ केँ अपना सोझाँ आबय लेल बजौलनि, आ ओ सभ यूसुफक घरक अधीक्षक केँ अपन बोरा मे घुरल चानीक विषय मे कहलथिन, आ ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ केँ नीक होयत, डरू नहि, आ ओ हुनका सभक भाय शिमोन केँ हुनका सभक लग अनलनि।"
5 शिमोन अपन भाय सभ केँ कहलथिन, "मिस्रक मालिक हमरा पर बहुत कृपा कयलनि, हमरा बान्हल नहि रखलनि, जेना अहाँ सभ आँखि सँ देखलहुँ, कारण जखन अहाँ सभ शहर सँ बाहर निकललहुँ तँ ओ हमरा मुक्त कऽ देलनि आ अपन घर मे हमरा संग दया कयलनि।"
6 यहूदा बिन्यामीनक हाथ पकड़ि लेलक आ ओ सभ यूसुफक आगू बढ़ि कऽ ओकरा जमीन पर प्रणाम कयलक।
7 लोक सभ यूसुफ केँ उपहार देलकनि आ सभ हुनका लग बैसि गेलाह, तखन यूसुफ हुनका सभ केँ कहलथिन, "की अहाँ सभक नीक अछि, की अहाँ सभक बच्चा सभक नीक अछि, की अहाँ सभक वृद्ध पिता केँ नीक अछि?" ओ सभ कहलथिन, "अच्छा भऽ गेल अछि, आ यहूदा याकूब जे गवाही पठौने छलाह, तकरा लऽ कऽ यूसुफक हाथ मे दऽ देलक।"
8 यूसुफ पत्र पढ़ि कऽ अपन पिताक लिखल बात बुझि गेलाह आ ओ कानय चाहैत छलाह आ भीतरक कोठली मे गेलाह आ ओ बहुत कानैत कानय लगलाह। ओ बाहर निकलि गेलाह।
9 ओ आँखि उठा कऽ अपन भाय बिन्यामीन केँ देखि पुछलथिन, "की ई अहाँक भाय छथि जिनका बारे मे अहाँ हमरा सँ बात केलहुँ?" बिन्यामीन यूसुफ लग पहुँचलाह आ यूसुफ हुनकर माथ

पर हाथ राखि हुनका कहलथिन, “हमर बेटा परमेश् वर अहाँ पर कृपा करथि।”
10 जखन यूसुफ अपन मायक बेटा अपन भाय कैँ देखि कऽ फेर सँ कानय चाहैत छलाह, तखन ओ कोठली मे प्रवेश कयलनि, आ ओतहि कानय लगलाह आ मुँह धो कऽ बाहर निकलि कऽ कानय सँ परहेज कयलनि आ कहलथिन, “खाना तैयार करू।”
11 यूसुफक पास एकटा प्याला छलनि जाहि मे ओ पीबैत छलाह, आ ओ चानीक छल, जाहि मे गोमेदक पाथर आ ब्देलियम नीक जकाँ जड़ल छल, आ यूसुफ अपन भाय सभक नजरि मे ओहि प्याला कैँ मारि देलनि जखन ओ सभ हुनका संग भोजन करऽ लेल बैसल छलाह।
12 यूसुफ लोक सभ कैँ कहलथिन, “हम एहि प्याला सँ जनैत छी जे पहिल पुत्र रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकर आ जबबुलन एक मायक संतान छथि, अहाँ सभ अपन जन्मक अनुसार भोजन करबाक लेल बैसि जाउ।”
13 ओ आन लोक सभ कैँ सेहो ओकर सभक जन्मक अनुसार राखि देलथिन आ कहलथिन, “हमरा बुझल अछि जे अहाँक एहि छोट भाइक कोनो भाइ नहि अछि, आ हमरा सेहो हुनका जकाँ भाइ नहि अछि, तेँ ओ हमरा संग भोजन करऽ बैसताह।”
14 बिन्यामीन यूसुफक आगू बढ़ि कऽ सिंहासन पर बैसलाह आ लोक सभ यूसुफक काज देखलनि आ ओकरा सभ कैँ देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह। ओहि समय मे लोक सभ यूसुफक संग खा-पीबैत छलाह, तखन ओ हुनका सभ कैँ उपहार देलनि, आ यूसुफ बिन्यामीन कैँ एकटा उपहार देलनि, आ मनश्शे आ एप्रैम अपन पिताक काज देखलनि, आ ओ सभ हुनका उपहार सेहो देलनि, आ ओस्राथ हुनका एकटा उपहार देलनि, आ ओ सभ पाँचटा उपहार बिन्यामीनक हाथ मे छलनि।
15 यूसुफ हुनका सभ कैँ शराब पीबय लेल बाहर अनलनि, मुदा ओ सभ नहि पीबय चाहैत छलाह आ ओ सभ कहलथिन, “जहिया सँ यूसुफ हेरा गेलाह, तहिया सँ हम सभ मदिरा नहि पीलहुँ आ ने कोनो स्वादिष्ट भोजन केलहुँ।”
16 यूसुफ हुनका सभ कैँ शपथ लेलनि आ ओ सभ हुनका सभ कैँ जोर सँ दबा देलनि आ ओहि दिन ओ सभ हुनका संग खूब पीबि गेलाह आ तकर बाद यूसुफ हुनका सँ गप्प करबाक लेल अपन भाय बिन्यामीन दिस घुमि गेलाह आ बिन्यामीन एखनो यूसुफक समक्ष सिंहासन पर बैसल छलाह।
17 यूसुफ हुनका पुछलथिन, “की अहाँ कैँ कोनो संतान भेल अछि?” ओ कहलथिन, “तोहर नोकरक दसटा बेटा अछि, आ ओकर नाम ई सभ अछि, बेला, बेचर, अशबल, गेरा, नामान, अची, रोश, मुपिम, चुपिम आ ओर्ड आ हम हुनका सभक नाम अपन भाइक नाम पर रखलहुँ, जिनका हम नहि देखलहुँ।”
18 ओ हुनका सभ कैँ आदेश देलथिन जे ओ अपन तारा सभक नक्शा अपना सोझाँ अनबाक चाही, जाहि सँ यूसुफ सभ समय जनैत छलाह, आ यूसुफ बिन्यामीन कैँ कहलथिन, “हम सुनलहुँ जे इब्रानी सभ सभ बुद्धि सँ परिचित छथि, की अहाँ एहि विषय मे किछु जनैत छी?”
19 बिन्यामीन कहलथिन, “हमर पिता हमरा जे बुद्धि सिखौलनि से अहाँक सेवक सेहो जनैत अछि, आ यूसुफ बिन्यामीन कैँ कहलथिन, “एहि वाद्ययंत्र कैँ देखू आ बुझू जे अहाँक भाय यूसुफ मिस्र मे कतय छथि, जिनका अहाँ कहलहुँ जे मिस्र मे उतरलाह।”
20 बिन्यामीन आकाशक तारा सभक नक्शाक संग ओहि वाद्ययंत्र कैँ देखलक आ ओ बुद्धिमान भऽ ओहि मे तकलक जे ओकर भाय कतय अछि, आ बिन्यामीन पूरा मिस्र देश कैँ चारि भाग मे बाँटि लेलक, आ ओ देखलक जे जे हुनका सोझाँ सिंहासन पर बैसल छल, से हुनकर भाय यूसुफ छल, आ बिन्यामीन बहुत आश्चर्यचकित भ' गेलाह, आ जखन यूसुफ देखलनि जे हुनकर भाय बिन्यामीन एतेक आश्चर्यचकित भ' गेलाह, तखन ओ हुनका कहलथिन, “अहाँ की देखलहुँ, आ।” अहाँ किएक आश्चर्यचकित छी?
21 बिन्यामीन यूसुफ कैँ कहलथिन, “हम एहि बात सँ देखि सकैत छी जे हमर भाय यूसुफ एतय हमरा संग सिंहासन पर बैसल छथि, आ यूसुफ हुनका कहलथिन, “हम अहाँक भाय यूसुफ छी, ई बात अहाँक भाय सभ कैँ नहि बताउ।” देखू, जखन ओ सभ जेताह तखन हम अहाँ कैँ हुनका सभक संग पठा देबनि, आ हम हुनका सभ कैँ शहर मे वापस अनबाक आज्ञा देबनि, आ अहाँ कैँ हुनका सभ सँ दूर कऽ देबनि।”
22 आ जँ ओ सभ अपन जानक साहस कऽ अहाँक लेल लड़ब, तखन हम बुझब जे ओ सभ हमरा संग जे किछु केलक ताहि पर पश्चाताप कऽ लेलक, आ हम ओकरा सभ कैँ अपना कैँ ज्ञात करायब, आ जँ हम अहाँ कैँ लऽ जाय काल ओ सभ अहाँ कैँ छोड़ि देब, तखन अहाँ हमरा संग रहब, आ हम ओकरा सभक संग झगड़ा करब, आ ओ सभ चलि जेताह, आ हम हुनका सभक लेल चिन्हल नहि जायब।
23 ओहि समय मे यूसुफ अपन अधिकारी कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ हुनका सभक बोरा मे भोजन भरि कऽ एक-एक गोटेक पाइ अपन बोरा मे राखि दियौक आ बिन्यामीनक बोरा मे प्याला राखि दियौक आ बाट पर भोजन देबाक लेल आ ओ सभ हुनका सभक संग एना कयलनि।
24 दोसर दिन भोरे-भोर उठि कऽ ओ सभ अपन गदहा सभ कैँ अपन धान्य ल' कऽ बिन्यामीनक संग विदा भेलाह आ अपन भाय बिन्यामीनक संग कनान देश दिस विदा भेलाह।
25 ओ सभ मिस्र सँ बेसी दूर नहि गेल छल जखन यूसुफ अपन घरक परमेश् वर कैँ आज्ञा देलथिन, “उठि कऽ एहि लोक सभ कैँ मिस्र सँ बेसी दूर नहि पहुँचबा सँ पहिने पीछा करू आ ओकरा सभ कैँ कहब जे, “अहाँ सभ हमर मालिकक प्याला किएक चोरा लेलहुँ?”
26 यूसुफक सेनापति उठि कऽ हुनका सभ लग पहुँचि गेलाह आ यूसुफक सभटा बात हुनका सभ कैँ कहलथिन। ई बात सुनि ओ सभ बहुत क्रोधित भऽ कहलक जे, “जेकरा संग अहाँक मालिकक प्याला भेटत, से मरि जायत आ हम सभ सेहो गुलाम बनि जायब।”
27 ओ सभ जल्दी-जल्दी गदहा सँ अपन बोरा उतारलक, आ ओ सभ अपन-अपन झोरा मे देखलक आ बिन्यामीनक झोरा मे प्याला भेटल, आ सभ अपन-अपन वस्त्र फाड़ि कऽ नगर दिस घुरि गेल, आ ओ सभ बिन्यामीन कैँ सड़क पर मारि दैत रहल, जाबत धरि ओ शहर मे नहि पहुँचि गेल आ ओ सभ यूसुफक समक्ष ठाढ़ भऽ गेल।
28 यहूदाक क्रोध भड़कि उठलनि आ ओ कहलथिन, “ई आदमी हमरा आइ मिस्र कैँ नष्ट करबाक लेल मात्र वापस अनने अछि।”
29 ओ सभ यूसुफक घर पहुँचलाह, तखन यूसुफ कैँ अपन सिंहासन पर बैसल देखलनि आ सभ पराक्रमी सभ हुनकर दहिना-बामा कात ठाढ़ छलाह।
30 यूसुफ हुनका सभ कैँ पुछलथिन, “अहाँ सभ की केलहुँ जे हमर चानीक प्याला लऽ कऽ चलि गेलहुँ?” मुदा हमरा बुझल

अछि जे अहाँ हमर प्याला एहि लेल लेलहुँ जे एहि सँ ई जानि सकब जे अहाँक भाय ओहि देशक कोन भाग मे छल।
31 यहूदा कहलथिन, "हम सभ अपन प्रभु कैँ की कहब, की बाजब आ अपना कैँ कोना धर्मी ठहराबी, परमेश् वर आइ अहाँक सभ सेवकक पाप पाबि लेलनि, तैँ आइ हमरा सभक संग ई काज कयलनि।"
32 तखन यूसुफ उठि कऽ बिन्यामीन कैँ पकड़ि लेलक आ अपन भाय सभक हाथ सँ हिंसक रूप सँ पकड़ि लेलक आ घर मे आबि कऽ ओकरा सभक लेल दरबज्जा बन्द कऽ देलक आ यूसुफ अपन घरक ऊपर बैसल लोक कैँ आज्ञा देलक जे ओ ओकरा सभ कैँ कहय, "राजा ई कहैत छथि जे, "शांति सँ अहाँ सभक पिता लग जाउ, देखू, हम ओहि आदमी कैँ पकड़ि लेने छी जकर हाथ मे हमर प्याला भेटल छल।"

अध्याय 54

1 यहूदा यूसुफक व्यवहार देखि यहूदा हुनका लग आबि कऽ दरबज्जा तोड़ि कऽ अपन भाय सभक संग यूसुफक समक्ष आबि गेलाह।
2 यहूदा यूसुफ कैँ कहलथिन, "हमर प्रभुक नजरि मे ई दुखद नहि बुझू, की अहाँक सेवक अहाँक सोझाँ एक बात कहि सकैत अछि?" यूसुफ हुनका कहलथिन, "बाजू।"
3 यहूदा यूसुफक समक्ष बाजल आ ओकर भाय सभ ओकरा सभक सामने ठाढ़ छल। यहूदा यूसुफ कैँ कहलथिन, "जखन हम सभ पहिल बेर अपन मालिक लग भोजन कीनबाक लेल आयल रही तखन अहाँ हमरा सभ कैँ देशक जासूस बुझैत छलहुँ, आ हम सभ बिन्यामीन कैँ अहाँक सोझाँ अनलहुँ, आ आइयो अहाँ हमरा सभक संग खेलाइत छी।"
4 आब राजा हमर बात सुनथि आ हमरा सभक भाय कैँ पठा दिअ जे ओ हमरा सभक संग हमरा सभक पिता लग जाथि, जाहि सँ आइ मिस्र मे रहनिहार सभक प्राणक संग अहाँक प्राण नष्ट नहि भऽ जाय।"
5 की अहाँ नहि जनैत छी जे हमर दूटा भाय शिमोन आ लेवी हमरा सभक बहिन दीना केर कारणेँ शेकेम नगर आ अमोरी सभक सातटा नगरक संग की कयलनि आ संगहि ओ सभ अपन भाय बिन्यामीनक लेल की करथि?
6 हम अपन सामर्थ्यक संग, जे दुनू गोटे सँ पैघ आ पराक्रमी छी, आइ अहाँ आ अहाँक देश पर आबि रहल छी जँ अहाँ हमरा सभक भाय कैँ पठेबाक लेल तैयार नहि छी।
7 की अहाँ ई नहि सुनने छी जे हमरा सभक परमेश् वर जे हमरा सभ कैँ चुनलनि, हमरा सभक माय साराक कारणेँ फिरौन कैँ की कयलनि, जिनका ओ हमरा सभक पिता सँ छीनि लेलनि, जाहि सँ ओ हुनका आ हुनकर घरक लोक कैँ भारी विपत्ति सँ मारि देलनि, जाहि सँ आइ धरि मिस्रवासी सभ एहि आश्चर्य कैँ एक-दोसर कैँ कहैत छथि? हमरा सभक परमेश् वर तोरा परमेश् वर बिन्यामीनक कारणेँ करताह, जकरा अहाँ आइ ओकर पिता सँ छीन लेने छी, आ आइ अहाँ अपन देश मे हमरा सभ पर जे दुष् टताक ढेर लगा रहल छी। कारण, हमरा सभक परमेश् वर हमरा सभक पिता अब्राहमक संग अपन वाचा कैँ मोन पाड़ताह आ अहाँ पर दुष् ट आनताह, किएक तँ अहाँ आइ हमरा सभक पिताक प्राण कैँ दुखी कऽ देलहुँ।"
8 आब हमर बात सुनू जे हम आइ अहाँ सँ कहने छी, आ हमरा सभक भाय कैँ पठा दियौक जे ओ चलि जाय, जाहि सँ अहाँ आ अहाँक देशक लोक तलवार सँ नहि मरि जाय, कारण अहाँ सभ हमरा पर विजय नहि पाबि सकैत छी।
9 यूसुफ यहूदा कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँ अपन मुँह किएक खोललहुँ आ हमरा सभ पर किएक घमंड करैत छी जे, 'अहाँक सामर्थ् य अछि? जेना फिरौन जीबैत छथि, जँ हम अपन सभ वीर कैँ अहाँ सभक संग लड़बाक आज्ञा देब तँ अहाँ आ अहाँक ई भाय सभ दलदल मे डूबि जायब।"
10 यहूदा यूसुफ कैँ कहलथिन, "अहाँ आ अहाँक लोक कैँ हमरा सँ डरब अवश्य उचित अछि। जेना प्रभु जीबैत छथि जँ हम एक बेर अपन तलवार निकालब तँ हम ओकरा फेर सँ म्यान मे नहि राखब जाबत धरि हम आइ समस्त मिस्र कैँ नहि मारि देब, आ हम अहाँ सँ शुरू करब आ अहाँक मालिक फिरौन सँ समाप्त करब।
11 यूसुफ हुनका उत्तर देलथिन, "सत्ते सामर्थ्य मात्र अहाँक नहि अछि। हम अहाँ सँ बेसी बलवान आ पराक्रमी छी, जँ अहाँ अपन तलवार निकालब तँ हम ओकरा अहाँक गरदनि आ अहाँक सभ भाइ सभक गरदनि मे लगा देब।
12 यहूदा हुनका कहलथिन, "जँ हम आइ अहाँक विरुद्ध मुँह खोलब तँ हम अहाँ कैँ निगल लेब जाहि सँ अहाँ पृथ् वी पर सँ नष्ट भऽ जायब आ आइ अहाँक राज्य सँ नाश भऽ जायब।" यूसुफ कहलथिन, "जँ अहाँ मुँह खोलब तँ हमरा पाथर सँ मुँह बन्न करबाक सामर्थ्य आ सामर्थ्य अछि जाबत धरि अहाँ एको बात नहि बाजि सकब। देखू हमरा सभक सोझाँ कतेक पाथर अछि, सचमुच हम एकटा पाथर ल' सकैत छी, आ ओकरा जबरदस्ती अहाँक मुँह मे घुसि सकैत छी आ अहाँक जबड़ा तोड़ि सकैत छी।
13 यहूदा कहलथिन, "परमेश् वर हमरा सभक बीच गवाह छथि जे हम सभ एखन धरि अहाँ सँ लड़बाक इच्छा नहि केलहुँ, मात्र हमरा सभ कैँ अपन भाय दऽ दिअ आ हम सभ अहाँ सँ चलि जायब। यूसुफ उत्तर देलथिन, "जहिना फिरौन जीवित छथि, जँ कनानक सभ राजा अहाँ सभक संग आबि गेलाह तँ अहाँ सभ हुनका हमरा हाथ सँ नहि हँटब।"
14 आब अहाँ अपन पिता लग जाउ, आ अहाँक भाय हमरा लेल दास बनत, किएक तँ ओ राजाक घर लूटि लेलक। यहूदा कहलथिन, "अहाँ वा राजाक चरित्र मे की अछि, राजा अपन घर सँ, पूरा देश मे, चानी आ सोना या त' उपहार मे वा खर्च मे पठा दैत छथि, आ अहाँ एखनो अपन प्याला जे अहाँ हमरा सभक भाइक झोरा मे राखि देने छलहुँ आ कहैत छी जे ओ अहाँ सँ चोरा लेने छी?"
15 परमेश् वर ई नहि करथि जे हमरा सभक भाय बिन्यामीन वा अब्राहमक वंशज मे सँ कोनो एहन काज अहाँ सँ चोरा लेबाक लेल नहि करथि वा ककरो सँ, चाहे ओ राजा हो, राजकुमार हो वा कोनो आदमी सँ।
16 आब ई आरोप छोड़ि दियौक, जाहि सँ पूरा धरती अहाँक बात नहि सुनि लेत जे, "मिस्रक राजा कनि चानीक कारणेँ ओहि लोक सभ सँ झगड़ा कयलनि, आ ओ हुनका सभ पर आरोप लगा कऽ हुनका सभक भाय कैँ दास बना लेलनि।"
17 यूसुफ उत्तर देलथिन, "ई प्याला अपना लग ल' जाउ आ हमरा लग सँ जाउ आ अपन भाय कैँ दास बना कऽ छोड़ि दिअ, किएक तँ चोर कैँ दास बनब न्याय अछि।"

18 यहूदा कहलथिन, "अहाँ कैँ अपन बात पर लाज किएक नहि होइत अछि जे अहाँ हमरा सभक भाय कैँ छोड़ि कऽ अपन प्याला लऽ कऽ चलैत छी? जँ अहाँ हमरा सभ कैँ अपन प्याला वा हजार गुना बेसी प्याला देब तँ हम सभ अपन भाय कैँ ककरो हाथ मे जे चानी भेटैत अछि ताहि लेल नहि छोड़ब, जाहि सँ हम सभ ओकरा पर नहि मरब।
19 यूसुफ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ अपन भाय कैँ आइ धरि किएक छोड़ि कऽ बीस चानी मे बेचि देलियैक, आ तखन अहाँ एहि भाइक संग एहन किएक नहि करब?
20 यहूदा कहलथिन, "हमरा आ अहाँक बीच प्रभु गवाह छथि जे हम सभ अहाँक युद्ध नहि चाहैत छी। आब तँ हमरा सभ कैँ अपन भाय दऽ दिअ आ हम सभ बिना झगड़ा केने अहाँ सँ चलि जायब।"
21 यूसुफ उत्तर देलथिन, "जँ देशक सभ राजा जमा भ' जेताह तँ ओ सभ अहाँक भाय कैँ हमरा हाथ सँ नहि ल' सकैत छथि। यहूदा कहलथिन, "हम सभ अपन पिता कैँ की कहब, जखन ओ देखताह जे हमर भाय हमरा सभक संग नहि आबि रहल छथि आ हुनका पर दुखी हेताह?"
22 यूसुफ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ अपन पिता कैँ ई बात कहब जे, "रस्सी लोटाक पाछाँ चलि गेल अछि।"
23 यहूदा कहलथिन, "अहाँ सत्ते राजा छी, आ अहाँ ई सभ बात किएक कहैत छी जे गलत न् याय दैत छी?" धिक्कार अछि अहाँक सदृश राजाक।
24 तखन यूसुफ उत्तर देलथिन, "हम अहाँक भाय यूसुफक विषय मे जे बात कहलहुँ ताहि मे कोनो झूठ न्याय नहि अछि, किएक तँ अहाँ सभ हुनका बीस टुकड़ी मे मिद्यानी कैँ बेचि देलहुँ आ अहाँ सभ अपन पिता कैँ एकरा नकारैत कहलियनि, "एकटा दुष्ट जानवर हुनका खा गेल अछि, यूसुफ कैँ टुकड़ा-टुकड़ा क' देल गेल अछि।"
25 यहूदा कहलथिन, "देखू, शेमक आगि हमर हृदय मे जरि रहल अछि, आब हम अहाँक समस्त देश कैँ आगि मे जरा देब। यूसुफ उत्तर देलथिन, "अहाँक भौजी तामार जे अहाँक पुत्र सभ कैँ मारि देलनि, से शेकेमक आगि बुझा देलनि।"
26 यहूदा कहलथिन, "जँ हम अपन मांस सँ एको केश उखाड़ि लेब तँ हम पूरा मिस्र कैँ ओकर खून सँ भरब।"
27 यूसुफ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभक प्रथा अछि जे अहाँ अपन भाय कैँ जेना बेचने रही, ओकर कोट खून मे डुबा कऽ अपन पिता लग अनलहुँ जाहि सँ ओ कहथि जे कोनो दुष्ट जानवर ओकरा खा गेल आ एतय ओकर खून अछि।"
28 यहूदा ई बात सुनि कऽ ओ बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ हुनकर क्रोध हुनका भीतर जरि गेलनि आ ओहि ठाम हुनका सामने एकटा पाथर छल, जकर वजन करीब चारि सय शेकेल छल, आ यहूदाक क्रोध भड़कि गेलनि आ ओ एक हाथ मे पाथर लऽ कऽ आकाश मे फेकि देलनि आ बामा हाथ सँ पकड़ि लेलनि।
29 बाद मे ओ ओकरा अपन टांगक नीचाँ राखि देलथिन आ ओ अपन पूरा ताकत सँ ओहि पर बैसलाह आ यहूदाक बल सँ पाथर धूरा मे बदलि गेल।
30 यूसुफ यहूदाक काज देखि बहुत डरा गेल, मुदा ओ अपन पुत्र मनसा कैँ आज्ञा देलथिन आ यहूदाक काज जकाँ एकटा आओर पाथर सँ सेहो कयलनि, आ यहूदा अपन भाय सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ मे सँ कियो ई नहि कहब जे ई मिस्रवासी अछि, मुदा ई काज करबाक कारणेँ ओ हमरा सभक पिताक वंशक अछि।"
31 तखन यूसुफ कहलथिन, "अहाँ सभ कैँ मात्र बल नहि देल गेल अछि, किएक तँ हम सभ सेहो शक्तिशाली लोक छी, आ अहाँ सभ हमरा सभ पर किएक घमंड करब? यहूदा यूसुफ कैँ कहलथिन, "हमरा सभक भाय कैँ पठा दियौक आ आइ अहाँक देश कैँ बर्बाद नहि करू।"
32 तखन यूसुफ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "जाउ अहाँ सभक पिता कैँ कहि दियौक जे, अहाँ सभ अपन भाय यूसुफक विषय मे कहलहुँ, तहिना एकटा दुष्ट जानवर हुनका खा गेलनि।"
33 यहूदा अपन भाय नफ्ताली सँ कहलथिन आ ओ हुनका कहलथिन, "जल्दी जाउ आ मिस्रक सभ गली-गली गिनती करू आ हमरा कहू। शिमोन हुनका कहलथिन, "ई बात अहाँक लेल कष्ट नहि होअय। आब हम पहाड़ पर जा कऽ पहाड़ पर सँ एकटा पैघ पाथर उठा कऽ मिस्र मे प्रत्येक पाथर समतल करब आ ओहि मे जे किछु अछि तकरा मारि देब।"
34 यूसुफ अपन भाय सभक समक्ष ई सभ बात सुनलनि, मुदा हुनका सभ कैँ ई नहि बुझल छलनि जे यूसुफ ओकरा सभ कैँ बुझैत छथि, किएक तँ ओ सभ सोचैत छलाह जे ओ हिब्रू नहि बजैत छथि।
35 यूसुफ अपन भाय सभक ई बात सुनि कऽ बहुत डरा गेलाह जे कहीं ओ सभ मिस्र कैँ नष्ट नहि कऽ देत, आ ओ अपन पुत्र मनश्शे कैँ आज्ञा देलथिन, "जल्दी जाउ आ मिस्रक सभ निवासी आ सभ वीर लोक कैँ हमरा लग जमा करू, आ हुनका सभ कैँ घोड़ा पर सवार भ' क' पैदल आ तरह-तरह केर वाद्ययंत्र ल' क' हमरा लग आबि जाउ।
36 यहूदाक आज्ञाक अनुसार नफ्ताली चलि गेल, किएक तँ नफ्ताली तेज पायर मे सँ एकटा हल्लुक हरन जकाँ हल्लुक छल, आ ओ धानक कान पर चलि जाइत छल आ ओ सभ ओकर नीचाँ नहि टूटैत छल।
37 ओ जा कऽ मिस्रक सभ गली-गली गिनलक आ देखलक जे बारह टा गली-गली छल, आ हड़बड़ा कऽ यहूदा कैँ कहलथिन आ यहूदा अपन भाय सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ जल्दी-जल्दी अपन-अपन तलवार कैँ कमर पर राखि दियौक आ हम सभ मिस्र पार कऽ कऽ सभ कैँ मारि देब, आ एकोटा शेष लोक नहि रहय।"
38 यहूदा कहलथिन, "देखू, हम अपन बल सँ तीन टा गली कैँ नष्ट कऽ देब आ अहाँ सभ एक-एकटा गली कैँ नष्ट कऽ देब। यहूदा जखन ई बात कहि रहल छल तखन देखू, मिस्रक निवासी आ सभ पराक्रमी सभ तरह-तरह के वाद्ययंत्र आ जोर-जोर सँ चिचिया क' हुनका सभक दिस आबि गेलाह।
39 हुनका लोकनिक संख्या पाँच सय घुड़सवार आ दस हजार पैदल सेना आ चारि सय एहन सैनिक छल जे बिना तलवार आ भाला के मात्र अपन हाथ आ बल सँ लड़ि सकैत छल।
40 सभ पराक्रमी सभ बड़का आँधी-तूफान आ चिचियाहटि करैत आबि गेलाह आ सभ याकूबक पुत्र सभ कैँ घेर लेलक आ ओकरा सभ कैँ आतंकित कऽ देलक आ ओकर सभक चिचियाहटि सुनि जमीन काँपि गेल।
41 जखन याकूबक पुत्र सभ एहि सैनिक सभ कैँ देखि कऽ ओ सभ अपन जान सँ बहुत डरा गेलाह आ यूसुफ एहन काज एहि लेल कयलनि जे याकूबक पुत्र सभ कैँ शान्त भऽ जाय।
42 यहूदा अपन किछु भाइ सभ कैँ आतंकित देखि हुनका सभ कैँ कहलथिन, "जखन परमेश् वरक कृपा हमरा सभक संग अछि,

अहाँ सभ किएक डरैत छी?" जखन यहूदा मिस्रक सभ लोक केँ यूसुफक आज्ञा पर ओकरा सभ केँ भयभीत करबाक लेल घेरने देखलक, तखन यूसुफ मात्र ओकरा सभ केँ आज्ञा देलक जे, "ओहि मे सँ किनको केँ हाथ नहि लगाउ।"
43 तखन यहूदा जल्दी-जल्दी अपन तलवार निकालि कऽ जोर-जोर सँ कटु चिचिया उठलाह, आ ओ अपन तलवार सँ प्रहार कयलनि आ जमीन पर उछलि गेलाह आ ओ एखनो सभ लोकक विरुद्ध चिचियाइत रहलाह।
44 जखन ओ ई काज कयलनि तखन प्रभु यहूदा आ ओकर भाय सभ केँ आतंकित कयलनि जे वीर लोक सभ आ ओकरा सभ केँ घेरने छल।
45 ओ सभ चिचियाहटि सुनि सभ भागि गेल आ ओ सभ आतंकित भऽ एक-दोसर पर खसि पड़ल आ बहुतो लोक सभ खसैत काल मरि गेल आ सभ यहूदा आ ओकर भाय सभक आ यूसुफक आगू सँ भागि गेल।
46 जखन ओ सभ भागि रहल छल तखन यहूदा आ ओकर भाय सभ ओकरा सभक पाछाँ-पाछाँ फिरौनक घर धरि पहुँचि गेल आ सभ गोटे बचि गेल आ यहूदा फेर यूसुफक सोझाँ बैसि गेल आ सिंह जकाँ ओकरा दिस गर्जैत ओकरा पर एकटा पैघ आ प्रचंड चिचिया उठल।
47 दूर सँ ई चिचियाहटि सुनल गेल आ सुक्कोतक सभ निवासी ई बात सुनि लेलक, आ ई चिचियाहटि सुनि पूरा मिस्र काँपि गेल, आ मिस्र आ गोशेन देशक देबाल सेहो पृथ्वीक हिलला सँ खसि पड़ल, आ फिरौन सेहो अपन सिंहासन सँ जमीन पर खसि पड़ल, आ मिस्र आ गोशेनक सभ गर्भवती महिला सेहो गर्भपात कऽ लेलक हिलबाक हल्ला, कारण ओ सभ भयंकर भयभीत छल।
48 तखन फिरौन संदेश पठौलनि जे, "मिस्र देश मे आइ जे घटना घटल अछि?" ओ सभ आबि कऽ शुरू सँ अंत धरि सभ बात कहलकनि आ फिरौन घबरा गेलाह आ ओ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ बहुत भयभीत भऽ गेलाह।
49 ई सभ बात सुनि कऽ ओ यूसुफ लग पठौलनि जे, "अहाँ इब्रानी सभ केँ पूरा मिस्र केँ नष्ट करबाक लेल हमरा लग अनलहुँ। ओहि चोर दास के की करब? ओकरा विदा करू आ ओकरा अपन भाय सभक संग चलि दियौक, आ हम सभ, अहाँ सभ आ समस्त मिस्र केँ हुनका सभक दुष् टताक कारणेँ नष्ट नहि भऽ जाय।"
50 जँ अहाँ ई काज नहि करऽ चाहैत छी तँ हमर सभटा बहुमूल्य वस्तु अहाँ सँ फेकि दियौक आ हुनका सभक संग हुनका सभक देश मे जाउ, जँ अहाँ एहि मे प्रसन्न छी, कारण ओ सभ आइ हमर पूरा देश केँ नष्ट कऽ देत आ हमर सभ लोक केँ मारि देत। मिस्रक सभ स्त्रीगण सेहो अपन चिचियाहटि सँ गर्भपात क' देने छथि। देखू जे ओ सभ मात्र अपन चिचियाहटि आ बाजब सँ की केने छथि, ततबे नहि जँ तलवार सँ लड़ताह तँ देश केँ नष्ट क' देताह; आब अहाँ जे चाहैत छी से चुनू, चाहे हम हो वा इब्रानी, मिस्र वा इब्रानी सभक देश।"
51 ओ सभ आबि कऽ यूसुफ केँ ओ सभ बात कहलकनि जे ओ फिरौन हुनका विषय मे कहने छलाह, आ यूसुफ फिरौन आ यहूदाक बात सँ बहुत डरा गेल छलाह आ हुनकर भाय सभ एखनो यूसुफक सोझाँ क्रोधित आ क्रोधित भ' क' ठाढ़ छलाह, आ याकूबक सभ पुत्र यूसुफ पर गर्जना करैत छलाह, जेना समुद्र आ ओकर लहरि सभक गर्जना होइत अछि।
52 यूसुफ अपन भाय सभ सँ आ फिरौन सँ बहुत डरैत छलाह, आ यूसुफ अपन भाय सभ केँ अपना केँ ज्ञात करबाक बहाना तकलनि, जाहि सँ ओ सभ पूरा मिस्र केँ नष्ट नहि कऽ देत।
53 तखन यूसुफ अपन पुत्र मनश्शे केँ आज्ञा देलथिन, तखन मनश्शे जा कऽ यहूदाक लग पहुँचि गेलाह आ हुनकर कान्ह पर हाथ राखि देलनि आ यहूदाक क्रोध शान्त भऽ गेलनि।
54 यहूदा अपन भाय सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ मे सँ कियो ई नहि कहय जे ई मिस्रक युवकक काज अछि, किएक तँ ई हमर पिताक घरक काज अछि।"
55 यूसुफ ई जानि जे यहूदाक क्रोध शान्त भऽ गेल अछि, ओ यहूदा सँ कोमलताक भाषा मे गप्प करबाक लेल नजदीक आबि गेलाह।
56 यूसुफ यहूदा केँ कहलथिन, "अहाँ सभ सत् य कहैत छी आ आइ अहाँक सामर्थ् यक विषय मे अपन बात केँ सत्यापित कऽ लेने छी, आ अहाँ सभक परमेश् वर जे अहाँ सभ मे प्रसन्न छथि, अहाँ सभक कल्याण बढ़ाबथि। मुदा हमरा सत् य कहू जे अहाँ अपन सभ भाय मे सँ ओहि लड़काक कारणेँ हमरा सँ किएक झगड़ा करैत छी, जेना कियो हुनका सभक विषय मे हमरा सँ एको शब्द नहि बाजल अछि।
57 यहूदा यूसुफ केँ उत्तर देलथिन, "अहाँ केँ ई बुझल हेतनि जे हम ओहि बालकक लेल ओकर पिताक लेल सुरक्षा छी, "जँ हम ओकरा हुनका लग नहि अनितहुँ तँ हम ओकर दोष सदाक लेल उठा सकब।"
58 तेँ हम अपन समस्त भाय सभक बीच सँ अहाँ लग आबि गेलहुँ, किएक तँ हम देखलहुँ जे अहाँ हुनका अपना दिस सँ नहि जाय देबऽ चाहैत छलहुँ। आब तेँ हमरा अहाँक नजरि मे कृपा भेटि जाय जे अहाँ ओकरा हमरा सभक संग जेबाक लेल पठा देब, आ देखू, हम ओकर बदला मे रहब, जे अहाँक इच्छा मे अहाँक सेवा करब, कारण, अहाँ जतय हमरा पठाब, हम बहुत ऊर्जा सँ अहाँक सेवा करय लेल जायब।
59 आब हमरा एकटा पराक्रमी राजा लग पठाउ जे अहाँक विरुद्ध विद्रोह केने छथि, तखन अहाँ बुझि जायब जे हम हुनका आ हुनकर देशक संग की करब। यद्यपि हुनका लग घुड़सवार आ पैदल सेना वा अत्यधिक पराक्रमी लोक भ' सकैत अछि, मुदा हम सभ केँ मारि देब आ राजाक माथ अहाँक सोझाँ आनि देब।
60 की अहाँ नहि जनैत छी वा नहि सुनने छी जे हमरा सभक पिता अब्राहम अपन सेवक एलीएजर संग एक राति मे एलामक सभ राजा केँ अपन सेना सँ मारि देलनि, आ एकोटा नहि बचलनि? ओहि दिन सँ हमरा सभक पिताक सामर्थ् य हमरा सभ केँ आ हमरा सभक वंशक लेल सदाक लेल उत्तराधिकारक रूप मे देल गेल।
61 यूसुफ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ सत् य बजैत छी, आ अहाँ सभक मुँह मे झूठ नहि अछि, किएक तँ हमरा सभ केँ ईहो कहल गेल छल जे इब्रानी सभक सामर्थ् य अछि आ हुनकर सभक परमेश् वर प्रभु हुनका सभ मे बहुत प्रसन्न होइत छथि, आ तखन हुनका सभक सोझाँ के ठाढ़ भऽ सकैत अछि?"
62 मुदा, हम अहाँक भाय केँ एहि शर्त पर पठा देब, जँ अहाँ हुनकर मायक बेटा केँ हमरा सोझाँ अनब, जिनका बारे मे अहाँ कहलहुँ जे ओ अहाँ सँ मिस्र उतरि गेलाह। जखन अहाँ हुनकर भाय केँ हमरा लग आनब तखन हम हुनका बदला मे राखि देबनि, कारण अहाँ मे सँ कियो हुनका लेल अपन पिताक लेल सुरक्षा नहि छलनि, आ जखन ओ हमरा लग आबि जेताह तखन हम

हुनका संग हुनकर भाय केँ पठा देबनि, जिनका लेल अहाँ सभ सुरक्षित रहलहुँ अछि।
63 यूसुफक ई बात कहला पर यहूदाक क्रोध भड़कि उठलनि आ हुनकर आँखि मे क्रोध सँ खून खसि पड़लनि आ ओ अपन भाय सभ केँ कहलथिन, "ई आदमी आइ अपन आ समस्त मिस्रक विनाश कोना चाहैत अछि!
64 शिमोन यूसुफ केँ उत्तर देलथिन, "की हम सभ पहिने अहाँ केँ ई नहि कहलहुँ जे हम सभ नहि जनैत छलहुँ जे ओ कोन स्थान पर गेल छलाह, आ ओ मरि गेल छथि वा जीवित छथि, आ हमर मालिक एहि सभ बात किएक बजैत छथि?"
65 यूसुफ यहूदाक मुँह देखि बुझि गेलाह जे हुनका सँ ई बात कहला पर हुनकर क्रोध प्रज्वलित भऽ गेलनि।
66 यूसुफ अपन भाय सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ कहलहुँ जे अहाँ सभक भाय या तऽ मरि गेल अछि वा हेरा गेल अछि, आब जँ हम आइ ओकरा बजाबी आ ओ अहाँ सभक सोझाँ आबि जाय तँ की अहाँ सभ ओकरा ओकर भायक बदला हमरा दऽ देब?"
67 तखन यूसुफ बाजऽ लगलाह आ पुकारय लगलाह, "यूसुफ, यूसुफ, आइ हमरा सोझाँ आबि जाउ आ अपन भाय सभक समक्ष प्रगट भऽ हुनका सभक सोझाँ बैसि जाउ।"
68 जखन यूसुफ हुनका सभक समक्ष ई बात कहलनि तँ ओ सभ एक-दोसर दिस तकलनि जे यूसुफ हुनका सभ सँ पहिने कतऽ सँ आओत।
69 यूसुफ हुनका सभक सभ काज देखि हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ एम्हर-ओम्हर किएक देखैत छी?" हम यूसुफ छी, जकरा अहाँ मिस्र देश मे बेचि देलहुँ, आब अहाँ सभ केँ ई बात दुखी नहि होउ जे अहाँ हमरा बेचि देलहुँ, किएक तँ परमेश् वर हमरा अकाल मे सहाराक रूप मे अहाँ सभक समक्ष पठौलनि।
70 यूसुफक बात सुनि हुनकर भाय सभ हुनका पर आतंकित भऽ गेलाह आ यहूदा हुनका सँ बहुत आतंकित भऽ गेलाह।
71 जखन बिन्यामीन यूसुफक बात सुनि कऽ घरक भीतरक भाग मे हुनका सभक सोझाँ आबि गेलाह आ बिन्यामीन दौड़ि कऽ अपन भाय यूसुफ लग गेलाह आ हुनका गला लगा कऽ हुनकर गरदनि पर खसि पड़लाह आ ओ सभ कानय लगलाह।
72 जखन यूसुफक भाय सभ देखलक जे बिन्यामीन अपन भाइक गरदनि पर खसि पड़ल आ हुनका संग कानय लागल, तखन ओ सभ सेहो यूसुफ पर खसि पड़ल आ ओकरा गला लगा लेलक आ यूसुफक संग बहुत कानय लागल।
73 यूसुफक घर मे ई आवाज सुनल गेल जे ओ सभ यूसुफक भाय छथि, आ ई बात फारो केँ बहुत नीक लागलनि, किएक तँ ओ हुनका सभ सँ डरैत छलाह जे कहीं ओ सभ मिस्र केँ नष्ट नहि कऽ देत।
74 फिरौन अपन नौकर सभ केँ यूसुफ लग पठौलनि जे हुनका लग आयल छलाह, हुनका सभक भाय सभक विषय मे हुनका बधाई देबाक लेल, आ मिस्र मे जे सभ सेना आ सेनापति सभ यूसुफक संग आनन्दित होबय लेल आबि गेलाह, आ समस्त मिस्र यूसुफक भाय सभक विषय मे बहुत आनन्दित भेलाह।
75 तखन फिरौन अपन नोकर सभ केँ यूसुफ लग पठौलनि जे, "अपन भाय सभ केँ कहि दिअ जे हुनका सभक सभटा सम्पत्ति आनि हमरा लग आबि जाय, आ हम ओकरा सभ केँ मिस्र देशक सभसँ नीक भाग मे राखि देब।"
76 यूसुफ अपन घरक परमेश् वर केँ आज्ञा देलथिन जे ओ अपन भाय सभक लेल वरदान आ वस्त्र आनथि, आ ओ हुनका सभक लेल राजसी वस्त्र आ बहुत रास वरदान अनलनि, आ यूसुफ ओकरा सभ केँ अपन भाय सभक बीच बाँटि देलनि।
77 ओ अपन प्रत्येक भाय केँ सोना-चानीक एक-एकटा वस्त्र आ चानीक तीन सय टुकड़ी देलथिन, आ यूसुफ सभ केँ ई वस्त्र पहिरि कऽ फिरौनक समक्ष लऽ जेबाक आज्ञा देलनि।
78 फिरौन यूसुफक सभ भाय वीर आ सुन्दर रूप-रंगक लोक सभ केँ देखि बहुत आनन्दित भऽ गेलाह।
79 तकर बाद ओ सभ फिरौनक सोझाँ सँ कनान देश मे जेबाक लेल अपन पिता लग गेलाह आ हुनकर सभक भाय बिन्यामीन हुनका सभक संग छलाह।
80 यूसुफ उठि कऽ ओकरा सभ केँ फिरौन सँ एगारह टा रथ देलथिन आ यूसुफ ओकरा सभ केँ अपन रथ दऽ देलथिन, जाहि पर ओ मिस्र मे ताजपोशीक दिन सवार भऽ गेल छलाह। यूसुफ अपन सभ भाय सभक संतान केँ ओकर संख्याक अनुसार वस्त्र आ एक-एकटा चानीक सौ टुकड़ी पठौलनि, आ राजाक पत्नी सभक वस्त्र सँ अपन भाय सभक पत्नी सभ केँ सेहो वस्त्र पठौलनि आ ओकरा सभ केँ पठौलनि।
81 ओ अपन प्रत्येक भाय केँ दस आदमी देलथिन जे ओ हुनका सभक संग कनान देश मे जा कऽ हुनका सभक सेवा करथिन, जे हुनकर सभक संतान आ मिस्र एबा मे हुनका सभक सभटा सभक सेवा करथि।
82 यूसुफ अपन भाय बिन्यामीनक हाथ सँ अपन दस पुत्रक लेल दस टा वस्त्र पठौलनि जे याकूबक सन् तान सभ सँ एक भाग छल।
83 ओ एक-एकटा पचास चानीक टुकड़ी आ फारोक हिसाबे दसटा रथ पठौलनि, आ ओ अपन पिता केँ मिस्रक सभटा विलासिता सँ भरल दस गदहा पठौलनि, आ दस टा गदहा केँ धान्य आ रोटी आ पोषण सँ भरल अपन पिता आ हुनका संग रहनिहार सभ केँ रस्ताक पोषणक रूप मे पठौलनि।
84 ओ अपन बहिन दीना केँ चानी आ सोनाक कपड़ा, लोबान आ गन्धक, मुसब्बर आ स्त्रीगणक आभूषण बहुत भरि मे पठौलनि, आ से फारोक स् त्रीगण सभ सँ बिन्यामीनक स् त्रीगण सभ केँ पठौलनि।
85 ओ अपन सभ भाय केँ, हुनकर सभक स् त्री केँ सेहो, सभ तरहक गोमेदक पाथर आ ब्डेलियम, आ मिस्रक पैघ लोक सभक बीच जे सभटा कीमती वस्तु सभ मे सँ किछुओ नहि बचल छल, सिवाय ओहि बातक जे यूसुफ अपन पिताक घर मे पठौलनि।
86 ओ अपन भाय सभ केँ विदा भऽ गेलाह आ ओ सभ अपन भाय बिन्यामीन केँ हुनका सभक संग पठौलनि।
87 यूसुफ हुनका सभक संग मिस्र देशक सीमा धरि बाट पर निकलि गेलाह आ हुनका सभ केँ अपन पिता आ अपन घरक लोकक विषय मे मिस्र आबि जेबाक आज्ञा देलनि।
88 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "बाट मे झगड़ा नहि करू, किएक तँ ई बात प्रभुक दिस सँ बहुत पैघ लोक केँ भूख सँ बचाबय लेल आयल छल, किएक तँ एहि देश मे एखन पाँच वर्षक अकाल रहत।"
89 ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन जे, "जखन अहाँ सभ कनान देश मे आबि जायब तँ एहि विषय मे हमरा पिताक सोझाँ अचानक नहि आबि जाउ, बल् कि अपन बुद्धिक अनुसार काज करू।"

90 यूसुफ हुनका सभ कैँ आज्ञा देब छोड़ि देलनि आ ओ घुमि कऽ मिस्र दिस चलि गेलाह आ याकूबक पुत्र सभ हर्ष आ हँसी-खुशी सँ अपन पिता याकूब लग कनान देश गेलाह।
91 ओ सभ देशक सीमा पर आबि एक-दोसर सँ कहलथिन, "हम सभ अपन पिताक समक्ष एहि विषय मे की करब, कारण जँ हम सभ अचानक हुनका लग आबि कऽ हुनका ई बात कहबनि तँ ओ हमरा सभक बात सँ बहुत घबरा जेताह आ हमरा सभ पर विश्वास नहि करताह।"
92 ओ सभ जाबत धरि ओ सभ अपन-अपन घरक नजदीक नहि पहुँचि गेलाह आ ओकरा सभ कैँ आशेरक बेटी सेराक हुनका सभ सँ भेंट करय लेल निकलल देखलनि, आ ओ कन्या बहुत नीक आ सूक्ष्म छल आ वीणा बजबऽ जनैत छल।
93 ओ सभ हुनका बजौलनि आ ओ हुनका सभक सोझाँ आबि गेलीह आ ओ हुनका सभ कैँ चुम्मा लेलनि आ ओ सभ हुनका लऽ कऽ वीणा बजा कऽ कहलथिन, "आब हमरा सभक पिताक सोझाँ जाउ आ हुनका सभक सोझाँ बैसि जाउ आ वीणा बजाउ आ ई सभ बात बाजू।"
94 ओ सभ ओकरा अपन घर जेबाक आज्ञा देलथिन, आ ओ वीणा लऽ कऽ हुनका सभक आगू बढ़ि गेलीह आ ओ याकूबक लग आबि गेलीह।
95 ओ नीक जकाँ बजबैत गबैत छलीह आ अपन बातक मधुरता मे बजलीह, "हमर काका यूसुफ जीबैत छथि, आ ओ पूरा मिस्र देश मे शासन करैत छथि, मुदा मरल नहि छथि।"
96 ओ एहि बात सभ कैँ दोहरबैत आ बजबैत रहलीह, आ याकूब हुनकर बात सुनलनि आ ओ सभ हुनका सँ सहमत भ' गेलाह।
97 ओ सुनैत रहलाह, जखन कि ओ दू-तीन बेर दोहराबैत छलीह, आ हुनकर वचनक मिठास देखि याकूबक हृदय मे आनन्द आबि गेलनि, आ परमेश् वरक आत् मा हुनका पर छलनि, आ हुनका हुनकर सभ बात कैँ सत्य बुझल छलनि।
98 याकूब सेराक कैँ आशीष देलथिन जखन ओ हुनका सामने ई सभ बात कहलथिन आ ओ हुनका कहलथिन, "हमर बेटी, अहाँ पर कहियो मृत्यु नहि हो, किएक तँ अहाँ हमर आत् मा कैँ जीवित कऽ देलहुँ। केवल हमरा सोझाँ ओहिना बाजू जेना अहाँ कहलहुँ, किएक तँ अहाँ अपन सभ बात सँ हमरा प्रसन्न कऽ देलहुँ।
99 ओ ई सभ बात गबैत रहलीह, आ याकूब सुनैत रहलाह आ हुनका नीक लागलनि, आ ओ आनन्दित भऽ गेलाह आ परमेश् वरक आत् मा हुनका पर छलनि।
100 जखन ओ हुनका सँ गप्प कऽ रहल छलाह तखन हुनकर पुत्र सभ घोड़ा आ रथ आ राजकीय वस्त्र आ नोकर सभक संग दौड़ैत हुनका लग आबि गेलाह।
101 याकूब हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल उठलाह आ अपन पुत्र सभ कैँ राजकीय वस्त्र पहिरने देखलनि आ ओ सभटा खजाना देखलनि जे यूसुफ हुनका सभ कैँ पठौने छलाह।
102 ओ सभ हुनका कहलथिन, "हमरा सभक भाय यूसुफ जीबैत छथि, ओ पूरा मिस्र देश मे शासन करैत छथि, आ ओ हमरा सभ सँ जेना हम सभ अहाँ कैँ कहने रही, तेना बात कयलनि।"
103 याकूब अपन पुत्र सभक सभ बात सुनलनि आ हुनका सभक बात पर हुनकर मोन धड़कैत छलनि, किएक तँ जाबत धरि यूसुफ हुनका सभ कैँ देल गेल सभटा बात आ हुनका सभ कैँ पठाओल गेल सभटा बात आ यूसुफ हुनका सभ कैँ कहल गेल सभटा संकेत नहि देखि कऽ हुनका सभ पर विश्वास नहि कऽ सकलाह।
104 ओ सभ हुनका सामने खोलि कऽ हुनका सभ किछु देखा देलथिन जे यूसुफ पठौने छलाह, ओ सभ एक-एक कैँ यूसुफ जे पठौने छलाह से देलथिन, आ हुनका बुझल छलनि जे ओ सभ सत् य बाजल छथि, आ ओ अपन पुत्रक विषय मे बहुत हर्षित भऽ गेलाह।
105 याकूब कहलथिन, "हमरा लेल ई काफी अछि जे हमर बेटा यूसुफ एखनो जीवित अछि, हम मरबा सँ पहिने हुनका देखय लेल जायब।"
106 हुनकर पुत्र सभ हुनका सभ पर जे किछु भेल छलनि से कहलथिन आ याकूब कहलथिन, "हम अपन बेटा आ ओकर संतान कैँ देखबाक लेल मिस्र जायब।"
107 याकूब उठि कऽ यूसुफ जे वस्त्र पठौने छलाह से पहिरि लेलनि आ केश धो कऽ मुंडन केलाक बाद ओ पाग जे यूसुफ पठौने छलाह, तकरा माथ पर पहिरि लेलनि।
108 याकूबक घरक सभ लोक आ हुनकर स् त्रीगण सभ यूसुफ हुनका सभ लग पठौने वस्त्र पहिरने छलाह आ ओ सभ यूसुफ पर बहुत आनन्दित भेलाह जे ओ एखनो जीवित छथि आ मिस्र मे शासन कऽ रहल छथि।
109 कनानक सभ निवासी ई बात सुनि कऽ याकूबक संग बहुत आनन्दित भेलाह जे ओ एखनो जीवित छथि।
110 याकूब हुनका सभक लेल तीन दिन धरि भोज बनौलनि आ कनानक सभ राजा आ देशक कुलीन लोक याकूबक घर मे खाइत-पीबैत आ आनन्दित भेलाह।

अध्याय 55

1 एकर बाद याकूब कहलथिन, "हम मिस्र मे अपन बेटा कैँ देखब आ फेर ओहि कनान देश मे आबि जायब, जाहि देशक विषय मे परमेश् वर अब्राहम सँ कहने छलाह, किएक तँ हम अपन जन्मस्थानक देश छोड़ि नहि सकैत छी।"
2 देखू, परमेश् वरक वचन हुनका लग आबि गेलनि जे, "अपन घरक सभ लोकक संग मिस्र मे जाउ आ ओतहि रहू, मिस्र मे उतरबा सँ नहि डेराउ, किएक तँ हम ओतय अहाँ कैँ एकटा पैघ जाति बना देब।"
3 याकूब मने-मन कहलथिन, "हम जा कऽ अपन बेटा कैँ देखब जे ओकर परमेश् वरक भय एखन धरि मिस्र मे रहनिहार सभक बीच मे अछि कि नहि।"
4 प्रभु याकूब कैँ कहलथिन, "यूसुफ सँ नहि डेराउ, किएक तँ ओ एखनो हमर सेवा करबाक लेल अपन ईमानदारी बरकरार रखने छथि, जेना अहाँक नजरि मे नीक लागत।
5 ओहि समय याकूब अपन पुत्र आ घरक लोक कैँ प्रभुक वचनक अनुसार मिस्र जायबाक आज्ञा देलनि, आ याकूब अपन पुत्र सभ आ अपन समस्त घरक लोकक संग उठि गेलाह आ ओ सभ हर्ष आ हर्षक संग कनान देश सँ बेरशेबा सँ निकलि गेलाह आ ओ सभ मिस्र देश चलि गेलाह।
6 जखन ओ सभ मिस्र लग पहुँचलाह तँ याकूब यहूदा कैँ अपना सँ पहिने यूसुफ लग पठौलनि जे ओ मिस्र मे कोनो स्थिति देखाबय, आ यहूदा अपन पिताक वचनक अनुसार काज कयलनि, आ ओ सभ दौड़ल-दौड़ैत यूसुफ लग आबि गेलाह, आ ओ सभ हुनका सभक लेल गोशेन देश मे अपन घरक समस्त लोकक लेल एकटा स्थान निर्धारित कयलनि, आ यहूदा घुरि कऽ अपन पिता लग बाट पर आबि गेलाह।

7 यूसुफ रथ कैँ समेटलनि आ अपन पिता याकूब सँ भेंट करबाक लेल अपन सभ पराक्रमी, अपन नोकर आ मिस्रक सभ अधिकारी कैँ जमा कयलनि, आ मिस्र मे यूसुफक आज्ञाक घोषणा कयल गेल जे, "जे कियो याकूब सँ भेंट करबाक लेल नहि जायत, से सभ मरि जायत।"

8 दोसर दिन यूसुफ समस्त मिस्रक संग एकटा पैघ आ पराक्रमी सेना निकललाह, जे सभ महीन लिनन आ बैंगनी रंगक वस्त्र पहिरने छलाह आ चानी आ सोनाक वाद्ययंत्र आ अपन-अपन युद्धक वाद्ययंत्र सेहो पहिरने छलाह।

9 ओ सभ सभ तरह-तरह केर वाद्ययंत्र, ढोल-नगाड़ी आ बजबैत, गंधक आ मुसब्बर कैँ चारू कात बाट मे फँसाबैत याकूब सँ भेंट करय लेल गेलाह आ सभ एहि तरहेँ चलैत गेलाह आ हुनकर सभक चिचियाहटि सँ धरती हिल गेल।

10 मिस्रक सभ स् त्री मिस्रक छत आ देबाल सभ पर चढ़ि कऽ याकूब सँ भेंट करऽ लगलीह आ यूसुफक माथ पर फिरौनक राजमुकुट छलनि, किएक तँ फारो हुनका अपन पिता सँ भेंट करबाक समय मे ओकरा पहिरबाक लेल पठौने छलाह।

11 जखन यूसुफ अपन पिता सँ पचास हाथक दूरी पर पहुँचलाह तखन रथ पर सँ उतरि अपन पिता दिस बढ़लाह, आ जखन मिस्रक सभ अधिकारी आ ओकर कुलीन लोकनि देखलनि जे यूसुफ अपन पिता दिस पैदल गेल छथि, तखन ओहो सभ उतरि पैदल याकूब दिस बढ़लाह।

12 जखन याकूब यूसुफक डेरा लग पहुँचलाह तँ याकूब यूसुफक संग हुनका दिस आबि रहल डेरा कैँ देखलनि आ ई बात हुनका प्रसन्न कयलनि आ याकूब एहि बात पर आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।

13 याकूब यहूदा कैँ कहलथिन, "हम मिस्र देशक डेरा मे राजाक वस्त्र पहिरने आ माथ पर राजमुकुट पहिरने राजाक वस्त्र पहिरने देखैत छी, जे रथ सँ उतरि हमरा सभक दिस आबि रहल अछि?" यहूदा अपन पिता कैँ उत्तर देलथिन, "ओ अहाँक पुत्र यूसुफ राजा छथि। याकूब अपन पुत्रक महिमा देखि आनन्दित भऽ गेलाह।

14 तखन यूसुफ अपन पिता लग आबि गेलाह आ ओ अपन पिताक समक्ष प्रणाम कयलनि आ डेराक सभ लोक हुनका संग याकूबक समक्ष प्रणाम कयलनि।

15 देखू याकूब दौड़ल-दौड़ैत अपन पुत्र यूसुफ लग गेल आ ओकर गरदनि पर खसि पड़ल आ ओकरा चुम्मा लेलक आ ओ सभ कानय लागल आ यूसुफ सेहो अपन पिता कैँ गला लगा कऽ चुम्मा लेलक आ ओ सभ कानय लागल आ मिस्रक सभ लोक ओकरा सभक संग कानय लागल।

16 याकूब यूसुफ कैँ कहलथिन, "आब हम अहाँक मुँह देखि कऽ हँसैत-हँसैत मरि जायब जे अहाँ एखनो जीवित छी आ महिमा मे छी।"

17 याकूबक बेटा सभ, हुनकर स् त्रीगण सभ, हुनकर सभक सन् तान सभ, हुनकर नोकर सभ, आ याकूबक सम्पूर्ण घरक लोक यूसुफक संग बहुत कानैत रहलाह आ ओ सभ हुनका चुम्मा लेलनि आ हुनका संग बहुत कानैत रहलाह।

18 तकर बाद यूसुफ आ ओकर सभ लोक मिस्र देश घुरि गेलाह आ याकूब आ हुनकर पुत्र सभ आ हुनकर घरक सभ सन् तान यूसुफक संग मिस्र आबि गेलाह आ यूसुफ हुनका सभ कैँ मिस्रक सभसँ नीक भाग गोशेन देशमे राखि देलनि।

19 यूसुफ अपन पिता आ अपन भाय सभ कैँ कहलथिन, "हम चढ़ि कऽ फिरौन कैँ कहबनि जे, "हमर भाय सभ आ हमर पिताक घरक लोक आ हुनकर सभटा सामान हमरा लग आबि गेल अछि आ देखू, ओ सभ गोशेन देश मे अछि।"

20 यूसुफ एना कऽ कऽ अपन भाय रूबेन, इस्साकर जबबुलन आ अपन भाय बिन्यामीन सँ ल' लेलक आ ओकरा सभ कैँ फिरौनक समक्ष राखि देलक।

21 तखन यूसुफ फिरौन कैँ कहलथिन, "हमर भाय सभ आ हमर पिताक घरक लोक आ हुनका सभक सभटा लोक, अपन भेँड़ा आ पशु-पक्षी संग कनान देश सँ हमरा लग मिस्र मे प्रवास करबाक लेल आयल अछि। किएक तँ हुनका सभ पर अकाल पड़ल छलनि।

22 फिरौन यूसुफ कैँ कहलथिन, "अपन पिता आ भाइ सभ कैँ देशक उत्तम भाग मे राखू, सभटा नीक चीज ओकरा सभ सँ नहि रोकि दियौक आ देशक चर्बी नहि खाय दियौक।"

23 यूसुफ उत्तर देलथिन, "देखू, हम ओकरा सभ कैँ गोशेन देश मे राखि देने छी, कारण ओ सभ चरबाह अछि, तैँ ओ सभ मिस्रक लोक सभ सँ अलग अपन भेँड़ाक चरबाह करबाक लेल गोशेन मे रहय।"

24 फिरौन यूसुफ कैँ कहलथिन, "अपन भाय सभक संग जे किछु कहताह से करू। याकूबक पुत्र सभ फिरौन कैँ प्रणाम कयलनि आ ओ सभ शान्ति सँ हुनका लग सँ निकलि गेलाह आ तकर बाद यूसुफ अपन पिता कैँ फिरौनक समक्ष अनलनि।

25 याकूब आबि कऽ फिरौन कैँ प्रणाम कयलनि आ याकूब फिरौन कैँ आशीर्वाद देलनि आ ओ बाहर निकलि गेलाह। याकूब आ ओकर सभ पुत्र आ ओकर सभ घरक लोक गोशेन देश मे रहि गेल।

26 दोसर वर्ष यानी याकूबक जीवनक सय तीसम वर्ष मे यूसुफ अपन पिता आ अपन भाय सभ आ अपन पिताक समस्त घरक लोक कैँ अपन छोट-छोट बच्चा सभक अनुसार रोटी सँ भरि अकालक दिन भरि रखलनि। हुनका सभ मे किछुओ कमी नहि छलनि।

27 यूसुफ हुनका सभ कैँ पूरा देशक सभसँ नीक भाग दऽ देलथिन। मिस्रक सभसँ नीक लोक सभ यूसुफक जीवन भरि मे हुनका सभ लग छलनि। यूसुफ हुनका सभ कैँ आ अपन पिताक समस्त घरक लोक कैँ साल दर वर्ष कपड़ा-लत्ता आ वस्त्र-वस्त्र सेहो दैत छलाह। याकूबक पुत्र सभ अपन भायक भरि दिन मिस्र मे सुरक्षित रहलाह।

28 याकूब सदिखन यूसुफक टेबुल पर भोजन करैत छल, याकूब आ ओकर बेटा सभ दिन-राति यूसुफक टेबुल सँ बाहर नहि निकलैत छल, एकर अतिरिक्त याकूबक बच्चा सभ अपन घर मे जे किछु खाइत छल।

29 अकालक समय मे पूरा मिस्र यूसुफक घरक रोटी खाइत छल, किएक तँ सभ मिस्रवासी अकालक कारणेँ अपन सभटा सामान बेचि दैत छल।

30 यूसुफ मिस्रक सभ जमीन आ खेत कैँ रोटीक लेल कीनि लेलक आ अकालक भरि दिन यूसुफ समस्त मिस्र कैँ रोटीक आपूर्ति करैत रहलाह, आ यूसुफ पूरा देश मे कीनल गेल माँजक लेल जे चानी आ सोना हुनका लग अबैत छल, से सभटा सोना आ चानी जमा कयलनि, एकर अतिरिक्त गोमेदक पाथर, बेडेलियन आ कीमती सेहो बहुत रास सोना आ चानी जमा कयलनि वस्त्र जे ओ सभ अपन पाइ खर्च भेला पर देशक हरेक भाग सँ यूसुफ कैँ अनने छलाह।

31 यूसुफ अपन हाथ मे आयल सभटा चानी आ सोना, लगभग बहत्तरि टोला सोना आ चानी, आ गोमेदक पाथर आ ब्लेडलियम सेहो बहुत प्रचुर मात्रा मे लऽ लेलक, आ यूसुफ जा कए ओकरा सभ केँ चारि भाग मे नुका लेलक, आ एक भाग लाल समुद्रक समीप जंगल मे, आ एक भाग पेराथ नदीक कात मे, आ तेसर आ चारिम भाग मरुभूमि मे नुका लेलक फारस आ मीडियाक जंगलक विपरीत।
32 ओ सोना-चानी जे बचल छल, ताहि मे सँ किछु भाग लऽ कऽ अपन सभ भाय आ अपन पिताक घरक समस्त स् त्री सभ केँ आ बाँकी सभ केँ ओ फारोक घर मे करीब बीस टोला सोना आ चानी केँ दऽ देलथिन।
33 यूसुफ जे सभ सोना-चानी बचल छल से फिरौन केँ दऽ देलथिन आ फिरौन ओकरा खजाना मे राखि देलथिन, आ ओकर बाद ओहि देश मे अकालक दिन समाप्त भ' गेल, आ ओ सभ पूरा देश मे बोवाई आ काटि कऽ रहल छल, आ ओ सभ साल दर साल अपन सामान्य मात्रा प्राप्त करैत छल। हुनका सभ मे किछुओ कमी नहि छलनि।
34 यूसुफ मिस्र मे सुरक्षित रहैत छलाह आ पूरा देश हुनकर सलाह मे छलनि आ हुनकर पिता आ हुनकर सभ भाय गोशेन देश मे रहैत छलाह आ ओहि देश केँ अपना कब्जा मे ल' लेलनि।
35 यूसुफ बहुत बूढ़ भ' गेल छल, आ उम्र बढ़ि गेल छल, आ ओकर दुनू बेटा एफ्राइम आ मनश्शे, याकूबक घर मे, अपन भाय याकूबक बेटा सभक संग, प्रभुक मार्ग आ हुनकर धर्म-नियमक बात सीखबाक लेल नित्य याकूबक घर मे रहैत छल।
36 याकूब आ हुनकर पुत्र सभ मिस्र देश मे गोशेन देश मे रहि गेलाह आ ओ सभ ओहि मे अपन कब्जा जमा लेलनि आ ओहि मे फल-फूल आ बढ़ैत गेलाह।

अध्याय 56

1 याकूब मिस्र देश मे सत्रह वर्ष जीवित रहलाह, याकूबक जीवन आ जीवनक वर्ष एक सय सत्तालीस वर्ष छलनि।
2 ओहि समय याकूब केँ ओहि बीमारी सँ आक्रमण कयल गेलनि जाहि सँ ओ मरि गेलाह आ ओ अपन पुत्र यूसुफ केँ मिस्र सँ बजाबय लेल पठौलनि, आ हुनकर पुत्र यूसुफ मिस्र सँ आबि गेलाह आ यूसुफ अपन पिता लग आबि गेलाह।
3 याकूब यूसुफ आ ओकर पुत्र सभ केँ कहलथिन, "देखू, हम मरि जाइत छी, आ अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर अहाँ सभ केँ ओहि देश मे घुरि आओताह, जे प्रभु अहाँ सभ केँ आ अहाँ सभक बादक संतान सभ केँ देबाक शपथ लेने छलाह, आब जखन हम मरि गेलहुँ तखन हमरा ओहि गुफा मे गाड़ि दिअ जे हमर पूर्वज सभक समीप कनान देशक हेब्रोन मे मकपेला मे अछि।
4 याकूब अपन पुत्र सभ केँ हेब्रोन मे मकपेला मे दफन करबाक शपथ लेलनि आ हुनकर पुत्र सभ हुनका एहि बातक शपथ लेलनि।
5 ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन, "अपन परमेश् वर परमेश् वरक सेवा करू, किएक तँ जे अहाँ सभक पूर्वज केँ उद्धार केने छल, से अहाँ सभ केँ सेहो सभ विपत्ति सँ बचाओत।"
6 याकूब कहलथिन, "अपन सभ संतान केँ हमरा लग बजाउ, आ याकूबक पुत्र सभक सभ सन् तान सभ आबि कऽ हुनका सभक सोझाँ बैसि गेलाह, आ याकूब हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलनि आ कहलथिन, "अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर प्रभु अहाँ सभ केँ एक हजार गुना आशीष देथिन आ अहाँ सभ केँ आशीर्वाद देथिन आ अहाँ सभ केँ अहाँक पिता अब्राहमक आशीर्वाद देथिन। याकूबक आशीष देलाक बाद ओहि दिन याकूबक पुत्र सभक सभ सन् तान सभ बाहर निकलि गेलाह।
7 दोसर दिन याकूब फेर अपन बेटा सभ केँ बजौलनि, आ सभ सभ जमा भ' गेलाह आ हुनका लग आबि गेलाह आ हुनका सोझाँ बैसलाह, आ याकूब ओहि दिन अपन पुत्र सभ केँ अपन मृत्यु सँ पहिने आशीर्वाद देलनि, प्रत्येक केँ अपन आशीर्वादक अनुसार आशीर्वाद देलनि। देखू, ई इस्राएलक विषय मे प्रभुक व्यवस्थाक पुस्तक मे लिखल अछि।
8 याकूब यहूदा केँ कहलथिन, "हम अपन बेटा केँ जनैत छी जे अहाँ अपन भाय सभक लेल एकटा पराक्रमी छी। ओकरा सभ पर राज करू, आ तोहर बेटा सभ ओकरा सभक पुत्र सभ पर अनन्त काल धरि राज करत।"
9 मात्र अपन पुत्र सभ केँ धनुष आ युद्धक सभटा हथियार सिखाउ, जाहि सँ ओ सभ अपन भाय केर युद्ध लड़ि सकय जे ओकर शत्रु सभ पर राज करत।
10 ओहि दिन याकूब फेर अपन पुत्र सभ केँ आज्ञा देलथिन, "देखू, आइ हम अपन लोकक संग जमा भ' जायब। हमरा मिस्र सँ लऽ जाउ आ हमरा मकपेलाक गुफा मे गाड़ि दियौक जेना हम अहाँ सभ केँ आज्ञा देने छी।"
11 मुदा हम अहाँ सभ सँ सावधान रहू जे अहाँ सभक पुत्र मे सँ कियो हमरा नहि ल' जाय, मात्र अहाँ सभ, आ जखन अहाँ सभ हमर शव केँ अपना संग कनान देश मे ल' कऽ हमरा दफन करबाक लेल हमरा संग एना करब।
12 यहूदा, इस्साकर आ जबूलून हमर मलबक पूब दिस ल' जेताह। दक्षिण मे रूबेन, शिमोन आ गाद, पश्चिम मे एप्रैम, मनश्शे आ बिन्यामीन, उत्तर मे दान, आशेर आ नफ्ताली।
13 लेवी अहाँ सभक संग नहि लऽ जाउ, किएक तँ ओ आ ओकर पुत्र सभ इस्राएली सभक संग प्रभुक वाचाक सन्दूक केँ डेरा मे लऽ जायत आ हमर पुत्र यूसुफ केँ सेहो नहि लऽ जाय, किएक तँ हुनकर महिमा राजा जकाँ हो। मुदा हुनका सभक स्थान पर एप्रैम आ मनश्शे रहताह।
14 जखन अहाँ हमरा ल' जायब तखन हमरा संग एहि तरहेँ करब। हम जे आज्ञा दैत छी, ताहि मे सँ कोनो बातक उपेक्षा नहि करू। जखन अहाँ सभ हमरा संग एहन करब तखन प्रभु अहाँ सभ केँ आ अहाँ सभक बादक बच्चा सभ केँ सदाक लेल अनुकूल ढंग सँ स्मरण करताह।
15 अहाँ सभ हमर पुत्र सभ, एक-एकटा अपन भाय आ अपन परिजन केँ आदर करू आ अहाँ सभक बादक अपन संतान आ अपन संतान सभक संतान सभ केँ आज्ञा दिअ जे अहाँ सभ दिन भरि अपन पूर्वज सभक परमेश् वर परमेश् वरक सेवा करथि।
16 जखन अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक नजरि मे नीक आ सोझ काज करब तखन हुनकर सभ बाट पर चलबाक लेल अहाँ सभ आ अपन संतान सभ आ अपन संतान सभक सन् तान सभ केँ एहि देश मे अपन जीवन सदाक लेल बढ़ि सकब।
17 आ अहाँ, हमर पुत्र यूसुफ, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे अहाँक भाइ सभक सूँड़ आ हुनका सभक सभ दुष्कर्म केँ क्षमा करू जे ओ सभ अहाँ पर जे चोट पहुँचौलनि, कारण परमेश् वर ई अहाँक आ अहाँक संतान सभक हितक लेल बनौने छलाह।
18 हे हमर बेटा अपन भाय सभ केँ मिस्र निवासी सभक हाथ मे नहि छोड़ू, आ ने हुनका सभक मोन केँ चोट पहुँचाउ, कारण देखू,

हम हुनका सभ केँ परमेश् वरक हाथ मे आ अहाँक हाथ मे सौंपि दैत छी जे मिस्रवासी सभ सँ हुनका सभ केँ बचाबथि। याकूबक पुत्र सभ अपन पिता केँ उत्तर देलथिन, "हे हमर पिता, अहाँ हमरा सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, से हम सभ एना करब। भगवान् केवल हमरा सभक संग रहथि।
19 याकूब अपन पुत्र सभ केँ कहलथिन, "तखन परमेश् वर अहाँ सभक संग रहथि। ओकर नजरि मे नीक आ सोझ काज करबा मे ओकर बाट सँ ने दहिना दिस नहि घुमू आ ने बामा दिस।
20 हम जनैत छी जे एहि देश मे अंतिम समय मे अहाँ सभ केँ बहुत रास आ कष्टक संकट आओत, हँ, अहाँ सभक सन्तान आ सन् तान सभक सन् तान सभ, मात्र प्रभुक सेवा करू आ ओ अहाँ सभ केँ सभ विपत्ति सँ बचाओत।
21 जखन अहाँ सभ परमेश् वरक पाछाँ-पाछाँ हुनकर सेवा करऽ जायब आ अहाँ सभक बादक अपन संतान सभ केँ आ अपन संतान सभक संतान सभ केँ प्रभु केँ जानबाक लेल सिखायब, तखन परमेश् वर अहाँ सभक संतान सभक बीच सँ अहाँ सभ केँ आ अहाँक संतान सभक लेल एकटा सेवक ठाढ़ करताह, आ प्रभु अहाँ सभ केँ अपन हाथ सँ सभ तरहक क्लेश सँ बचा लेताह आ अहाँ सभ केँ मिस्र सँ बाहर निकालि कऽ अहाँ सभ केँ अपन पूर्वज सभक देश मे वापस अनताह जाहि सँ अहाँ सभ केँ सुरक्षित रूप सँ उत्तराधिकारी बनब।
22 याकूब अपन पुत्र सभ केँ आज्ञा देब छोड़ि देलनि आ ओ अपन पएर ओछाओन पर खींच लेलनि, ओ मरि गेलाह आ अपन लोक सभक बीच जमा भ' गेलाह।
23 तखन यूसुफ अपन पिता पर खसि पड़लाह आ ओ चिचिया उठलाह आ हुनका पर कानय लगलाह आ ओ हुनका चुम्मा लेलनि, आ ओ कटु स्वर मे चिचिया उठलाह आ कहलथिन, "हे हमर पिता, हमर पिता।"
24 ओकर पुत्रक स् त्रीगण आ ओकर घरक सभ लोक सभ आबि कऽ याकूब पर खसि पड़ल आ ओ सभ याकूब पर कानऽ लागल आ याकूबक विषय मे बहुत जोर सँ चिचिया उठल।
25 याकूबक सभ पुत्र सभ एक संग उठि कऽ अपन वस्त्र फाड़ि लेलक आ सभ अपन कमर मे बोरा पहिरि लेलक आ मुँह पर खसि पड़ल आ आकाश दिस अपन माथ पर धूरा फेकि देलक।
26 ओसनाथ यूसुफक पत्नी केँ ई बात कहल गेलनि आ ओ उठि कऽ बोरा पहिरि लेलनि आ ओ अपना संग सभ मिस्री स् त्रीगण सभ संग आबि याकूबक लेल शोक मना कऽ कानय लगलीह।
27 ओहि दिन ई बात सुनि कऽ मिस्रक सभ लोक जे याकूब केँ चिन्हैत छल, सभ ओहि दिन आबि गेल।
28 कनान देश सँ सेहो स् त्रीगण सभ मिस्र मे आबि गेलीह जखन ओ सभ ई सुनि जे याकूब मरि गेल छथि आ मिस्र मे सत्तर दिन धरि हुनका लेल कानैत रहलाह।
29 एकर बाद यूसुफ अपन सेवक सभ केँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ अपन पिता केँ गंधक आ लोबान आ सभ तरहक धूप-गन्ध आ सुगन्धक संग मलहम लगाबथि।
30 मिस्रक सभ लोक, बुजुर्ग आ गोशेन देशक सभ निवासी याकूबक लेल कानैत आ शोक मनाबैत रहलाह, आ हुनकर सभ पुत्र आ हुनकर घरक लोक सभ अपन पिता याकूबक लेल बहुत दिन धरि विलाप आ शोक करैत रहलाह।
31 ओकर कानबाक दिन बीति गेलाक बाद सत्तर दिनक अंत मे यूसुफ फिरौन केँ कहलथिन, "हम जा कऽ अपन पिता केँ कनान देश मे गाड़ब जेना ओ हमरा शपथ देलनि, तखन हम घुरि कऽ आबि जायब।"
32 तखन फिरौन यूसुफ केँ पठौलनि जे, "जाउ, अपन पिता केँ ओहिना गाड़ि दियौक जेना ओ कहने छलाह आ जेना ओ अहाँ केँ शपथ देलनि। यूसुफ अपन सभ भाय सभक संग कनान देश मे जा कऽ हुनका सभक पिता याकूब केँ दफनाबऽ लेल उठलाह, जेना ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देने छलाह।
33 फिरौन आज्ञा देलथिन जे पूरा मिस्र मे ई प्रचार कयल जाय, "जे केओ यूसुफ आ ओकर भाय सभक संग याकूब केँ गाड़बाक लेल कनान देश मे नहि जायत, ओ मरि जायत।"
34 समस्त मिस्र फिरौनक घोषणा सुनलक आ सभ एक संग उठि गेल, और फिरौनक सभ नौकर, हुनकर घरक बुजुर्ग आ मिस्र देशक सभ बुजुर्ग यूसुफक संग चलि गेलाह, आ फिरौनक सभ अधिकारी आ कुलीन लोक यूसुफक नोकर बनि कनान देश मे याकूब केँ गाड़य लेल गेलाह।
35 याकूबक पुत्र सभ ओहि मल केँ लऽ कऽ गेलाह जाहि पर ओ पड़ल छलाह। जेना हुनका सभक पिता हुनका सभ केँ आज्ञा देने छलाह, तेना हुनकर पुत्र सभ हुनका सभक संग कयलनि।
36 ओहि मकबरा मे शुद्ध सोनाक छल आ चारू कात गोमेदक पाथर आ ब्लेडलियम जड़ल छल। आ कोठरीक आवरण सोनाक बुनल काज छल, जकरा सूत सँ जोड़ल गेल छलैक, आ ओकर ऊपर गोमेदक पाथर आ ब्लेडलियमक हुक छलैक।
37 यूसुफ अपन पिता याकूबक माथ पर सोनाक एकटा पैघ मुकुट राखि देलनि आ हुनका हाथ मे सोनाक राजदंड लगा देलनि आ ओ सभ राजा सभक जीवनकाल मे प्रथाक अनुसार मृत् यु केँ घेर लेलनि।
38 एहि सेना मे मिस्रक सभ सेना हुनका सँ आगू बढ़ि गेल छल, पहिने फिरौनक सभ पराक्रमी, यूसुफक पराक्रमी आ ओकर बाद मिस्रक बाकी निवासी सभ, आ सभ तलवार सँ बान्हल छल आ कोट सँ लैस छल, आ युद्धक जाल ओकरा सभ पर छल।
39 सभ काननिहार आ शोक मना रहल लोक सभ जा कऽ कानि-कानि कऽ विलाप करैत गेलाह आ बाँकी लोक सभ मृत् युक पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
40 यूसुफ आ ओकर घरक लोक सभ नंगे पाएर आ कानि-कानि कऽ कानि-कानि लग गेलाह आ यूसुफक बाकी नोकर सभ हुनका चारू कात घुमि गेलाह। प्रत्येक आदमी पर अपन-अपन आभूषण छल आ सभ अपन-अपन युद्धक हथियार सँ लैस छल।
41 याकूबक पचास गोट सेवक ओहि कोठलीक आगू बढ़लाह आ ओ सभ सड़क पर गंधक आ मुसब्बर आ सभ तरहक इत्र पसारि देलनि, आ याकूबक सभ पुत्र जे कोठरी लऽ कऽ चलैत छलाह, ओ इत्रक भंडार पर चलैत रहलाह आ याकूबक नौकर सभ हुनका सभक आगू बढ़ि कऽ सड़क पर सुगंध पसारि गेलाह।
42 यूसुफ एकटा भारी डेरा ल' कऽ चलि गेलाह आ ओ सभ प्रतिदिन एहि तरहेँ करैत रहलाह जाबत धरि कनान देश नहि पहुँचि गेलाह आ ओ सभ यरदन नदीक दोसर कात अतादक कुटनी मे पहुँचि गेलाह आ ओ सभ ओहि ठाम बहुत पैघ आ भारी शोकक शोक मनाओल गेलाह।
43 कनानक सभ राजा ई बात सुनि कऽ सभ एक-एकटा अपन घर सँ निकलि गेलाह, कनानक एकतीस राजा, आ सभ अपन-अपन लोक सभक संग याकूबक शोक आ कानय लेल आबि गेलाह।

44 ई सभ राजा याकूबक कवच कैँ देखलक आ देखलहुँ जे ओहि पर यूसुफक मुकुट छल, आ ओ सभ सेहो अपन मुकुट ओहि कोठली पर लगा देलक आ ओकरा मुकुट सँ घेर लेलक।
45 ई सभ राजा याकूब आ मिस्रक पुत्र सभक संग याकूबक विषय मे बहुत आ भारी शोक मनाओलनि, किएक तँ कनानक सभ राजा याकूब आ हुनकर पुत्र सभक शौर्य कैँ जनैत छलाह।
46 ई खबरि एसाव लग पहुँचल जे, "याकूब मिस्र मे मरि गेलाह, आ हुनकर पुत्र सभ आ समस्त मिस्र हुनका दफन करबाक लेल कनान देश मे पहुँचा रहल छथि।"
47 एसाव ई बात सुनि कऽ सेइर पहाड़ पर रहैत छलाह आ ओ अपन पुत्र सभ आ अपन समस्त लोक आ अपन घरक समस्त लोकक संग उठि गेलाह, जे बहुत पैघ लोक छल, आ ओ सभ याकूबक शोक आ कानय लेल आबि गेलाह।
48 एसाव जखन अयलाह तखन ओ अपन भाय याकूबक लेल शोक मनौलनि, आ समस्त मिस्र आ पूरा कनान फेर उठि कऽ एसावक संग ओहि ठाम याकूबक विषय मे बहुत शोक मनाओलनि
49 यूसुफ आ ओकर भाय सभ अपन पिता याकूब कैँ ओहि ठाम सँ अनलनि आ ओ सभ हिब्रोन गेलाह जे याकूब कैँ ओकर पूर्वज सभक गुफा मे दफनाबथि।
50 ओ सभ किरेत-अर्बा, गुफा मे पहुँचलाह आ जखन ओ सभ अबैत छलाह तखन एसाव अपन पुत्र सभक संग यूसुफ आ ओकर भाय सभक विरुद्ध गुफा मे बाधा बनि कऽ ठाढ़ भऽ गेलाह, "याकूब कैँ ओहि मे नहि दफनाओल जायत, किएक तँ ई हमरा सभक आ हमरा सभक पिताक अछि।"
51 यूसुफ आ ओकर भाय सभ एसावक पुत्र सभक बात सुनि कऽ ओ सभ बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ यूसुफ एसाव लग पहुँचि कऽ कहलथिन, "ई बात की कहल गेल अछि?" निश्चय हमर पिता याकूब इसहाकक मृत्युक बाद, आब पाँच-बीस वर्ष पहिने, अहाँ सँ बहुत धन-दौलत मे कीनने छलाह, आ संगहि कनानक समस्त देश जे ओ अहाँ सँ आ अहाँक पुत्र सभ सँ आ अहाँक बादक वंशज सँ कीनने छलाह।
52 याकूब अपन पुत्र सभ आ ओकर बादक वंशजक लेल एकरा अनन्त काल धरि कीनि लेलक आ अहाँ आइ ई सभ किएक बाजि रहल छी?
53 एसाव उत्तर देलथिन, "अहाँ झूठ बाजि रहल छी आ झूठ बाजि रहल छी, किएक तँ हम एहि समस्त देश मे अपन कोनो वस्तु नहि बेचलहुँ, जेना अहाँ कहैत छी, आ ने हमर भाय याकूब एहि देश मे हमर कोनो वस्तु कीनि लेलक।"
54 एसाव यूसुफ कैँ अपन बात सँ धोखा देबाक लेल ई बात कहलनि, किएक तँ एसाव जनैत छलाह जे ओहि समय मे यूसुफ नहि छलाह जखन एसाव कनान देश मे अपन सभटा सामान याकूब कैँ बेचि देलनि।
55 यूसुफ एसाव कैँ कहलथिन, "हमर पिता अहाँक संग ई सभ बात खरीदबाक पत्र मे राखि देलनि आ गवाह सभक संग गवाही देलनि आ देखलहुँ जे ई सभ हमरा सभक संग मिस्र मे अछि।"
56 एसाव हुनका उत्तर देलथिन, "अहाँ कैँ जे किछु गवाही मे भेटत, तकरा गवाही ल' क' आउ, हम सभ एना करब।"
57 तखन यूसुफ अपन भाय नफ्ताली कैँ बजा कऽ कहलथिन, "जल्दी जाउ, नहि रुकू आ दौड़ि कऽ मिस्र दिस जाउ आ सभटा गवाही आनि दियौक। खरीदक अभिलेख, सीलबंद अभिलेख आ खुजल अभिलेख, आ संगहि सभटा पहिल अभिलेख जाहि मे जन्म-अधिकारक सभ लेनदेन लिखल गेल अछि, अहाँ लाउ।
58 अहाँ ओकरा सभ कैँ एतय आनब, जाहि सँ हम सभ ओकरा सभ सँ ई जानि सकब जे आइ ओ सभ एसाव आ ओकर पुत्र सभक सभटा बात सभ बाजल।
59 नफ्ताली यूसुफक आवाज सुनलनि आ ओ जल्दी-जल्दी मिस्र दिस उतरि गेलाह, आ नफ्ताली जंगल पर जे हरण छल, ताहि सँ बेसी हल्लुक पैदल चलैत छलाह, किएक तँ ओ बिना कुचलने धानक कात पर चलि जाइत छलाह।
60 एसाव जखन देखलकै जे नफ्ताली रिकार्ड आनय गेल अछि, तखन ओ आ ओकर बेटा सभ गुफाक विरुद्ध अपन विरोध बढ़ौलक आ एसाव आ ओकर सभ लोक यूसुफ आ ओकर भाय सभक विरुद्ध युद्ध मे उठि गेल।
61 याकूबक सभ पुत्र आ मिस्रक लोक एसाव आ ओकर आदमी सभक संग लड़ल आ एसावक पुत्र सभ आ ओकर लोक सभ याकूबक पुत्र सभक समक्ष मारि देलक आ याकूबक पुत्र सभ एसावक लोक मे सँ चालीस आदमी कैँ मारि देलक।
62 ओहि समय याकूबक पुत्र दानक पुत्र कुशीम याकूबक पुत्र सभक संग छलाह, मुदा ओ युद्धक स्थान सँ करीब सौ हाथ दूर छलाह, किएक तँ ओ याकूबक पुत्र सभक संग याकूबक कुंडक कात मे रहि गेल छलाह जे ओकर पहरा देबथि।
63 चुशिम गूंगा आ बहीर छल, तइयो ओ मनुष् यक बीचक आश्चर्यक आवाज बुझैत छल।
64 ओ पुछलथिन, "अहाँ सभ मृत् यु कैँ किएक नहि गाड़ैत छी, आ ई कोन पैघ आश्चर्य अछि?" ओ सभ हुनका एसाव आ हुनकर पुत्र सभक बातक उत्तर देलथिन। युद्धक बीच मे ओ एसावक लग दौड़ल आ तलवार सँ एसाव कैँ मारि देलक आ ओकर माथ काटि देलक आ ओ दूर धरि उछलि गेल आ एसाव युद्धक लोक सभक बीच मे खसि पड़ल।
65 जखन कुशीम ई काज केलक तँ याकूबक पुत्र सभ एसावक पुत्र सभ पर विजयी भऽ गेल आ याकूबक पुत्र सभ अपन पिता याकूब कैँ जबरदस्ती गुफा मे गाड़ि देलक आ एसावक पुत्र सभ एकरा देखि लेलक।
66 याकूब कैँ हेब्रोन मे मकपेलाक गुफा मे दफना देल गेलनि जे अब्राहम हेतक बेटा सभ सँ दफन स्थलक लेल कीनने छलाह आ ओ बहुत महग वस्त्र मे दफना देल गेलाह।
67 कोनो राजा हुनका ओतेक आदर नहि देलनि जेना यूसुफ अपन पिता कैँ हुनकर मृत्युक समय दैत छलाह, किएक तँ ओ राजा सभ कैँ दफन करबाक समान बहुत आदर सँ दफना देलनि।
68 यूसुफ आ ओकर भाय सभ अपन पिताक लेल सात दिन धरि शोक मनाओल गेल।

अध्याय 57

1 एकर बाद एसावक पुत्र सभ याकूबक पुत्र सभक संग युद्ध केलक आ एसावक पुत्र सभ याकूबक पुत्र सभक संग हेब्रोन मे लड़ल, आ एसाव एखनो मृत पड़ल छल आ गाड़ल नहि गेल छल।
2 दुनूक बीच युद्ध भारी भऽ गेल आ एसावक पुत्र सभ याकूबक पुत्र सभक समक्ष परास्त भऽ गेल आ याकूबक पुत्र सभ एसावक पुत्र सभ मे सँ अस्सी आदमी कैँ मारि देलक आ याकूबक पुत्र सभक लोक मे सँ एको गोटे नहि मरि गेल। यूसुफक हाथ

एसावक पुत्र सभक समस्त लोक सभ पर हावी भऽ गेल आ ओ एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र सफो आ ओकर पचास गोटे केँ बंदी बना लेलक आ लोहाक जंजीर सभ सँ बान्हि देलक आ ओकरा सभ केँ मिस्र अनबाक लेल अपन नौकर सभक हाथ मे दऽ देलक।
3 जखन याकूबक पुत्र सभ सफो आ ओकर लोक केँ बंदी बना लेलक तखन एसावक घर सँ जे सभ बचल छल, से सभ अपन जान सँ बहुत डेरा गेल, जाहि सँ ओ सभ सेहो बंदी नहि भऽ जाय, आ सभ गोटे एसावक पुत्र एलीफाज आ ओकर लोकक संग एसावक लाश ल' क' भागि गेल आ सेइर पहाड़ दिस विदा भ' गेल।
4 ओ सभ सेइर पहाड़ पर पहुँचि कऽ एसाव केँ सेइर मे गाड़ि देलक, मुदा ओकर माथ सेइर मे अपना संग नहि अनने छल, किएक तँ ओ सभ ओहि ठाम दफना गेल छल जतय युद्ध हेब्रोन मे भेल छल।
5 जखन एसावक पुत्र सभ याकूबक बेटा सभक सोझाँ सँ भागि गेल तखन याकूबक पुत्र सभ ओकरा सभक पीछा-पाछाँ सेइरक सीमा धरि पहुँचि गेल, मुदा ओकरा सभक पीछा करैत काल ओ सभ ओकरा सभक बीच सँ एको आदमी केँ नहि मारलक, किएक तँ एसावक लाश जे ओ सभ अपना संग लऽ गेल छल, ओकरा सभ केँ भ्रम भड़का देलक, तेँ ओ सभ भागि गेल आ याकूबक पुत्र सभ ओकरा सभ सँ पाछू घुमि कऽ ओहि स्थान पर पहुँचि गेल जतय ओकर सभक भाय सभ छल हेब्रोन, आ ओ सभ ओहि दिन आ दोसर दिन ओतहि रहलाह जाबत धरि ओ सभ युद्ध सँ विश्राम नहि कयलनि।
6 तेसर दिन ओ सभ सेइर होरीक सभ पुत्र सभ केँ जमा कयलनि आ पूबक समस्त लोक सभ केँ, समुद्रक बालु जकाँ बहुतो लोक केँ जमा कयलनि, आ ओ सभ मिस्र दिस जा कए यूसुफ आ हुनकर भाय सभक संग लड़बाक लेल अपन भाय सभ केँ बचाबय लेल उतरि गेलाह।
7 यूसुफ आ याकूबक सभ पुत्र सभ सुनलनि जे एसावक पुत्र सभ आ पूरबक लोक सभ हुनका सभ पर युद्ध मे आबि गेल छल जे अपन भाय सभ केँ बचाबथि।
8 यूसुफ आ ओकर भाय सभ आ मिस्रक बलवान सभ रामसेस नगर मे युद्ध कयलक आ यूसुफ आ ओकर भाय सभ एसावक पुत्र सभ आ पूरबक लोक सभक बीच बहुत मारि देलक।
9 ओ सभ ओकरा सभ मे सँ छह लाख आदमी केँ मारि देलक आ ओकरा सभक बीच सेइर होरीक सभ पराक्रमी केँ मारि देलक। ओहि मे सँ किछुए गोटे बचल छलाह आ ओ सभ पूरबक बहुत रास लोक आ एसावक सन् तान सभ केँ सेहो मारि देलनि। एसावक पुत्र एलीफाज आ पूरबक लोक सभ यूसुफ आ ओकर भाय सभक समक्ष भागि गेल।
10 यूसुफ आ ओकर भाय सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह जाबत धरि ओ सभ सुक्कोत नहि पहुँचि गेलाह, मुदा ओ सभ सुक्कोत मे हुनका सभ मे सँ तीस आदमी केँ मारि देलकनि, आ बाँकी सभ बचि गेलाह आ ओ सभ एक-एकटा अपन-अपन नगर मे भागि गेलाह।
11 यूसुफ आ ओकर भाय सभ आ मिस्रक पराक्रमी सभ हर्ष आ हँसी-खुशी सँ हुनका सभ सँ पाछू भ' गेलाह, किएक तँ ओ सभ अपन सभ शत्रु केँ मारि देने छल।
12 एलीफाजक पुत्र सफो आ ओकर आदमी सभ मिस्र मे याकूबक पुत्र सभक गुलाम छल आ ओकर सभक पीड़ा बढ़ि गेल।
13 जखन एसावक पुत्र आ सेइरक पुत्र सभ अपन देश घुरि गेल तँ सेइरक पुत्र सभ देखलक जे एसावक पुत्र सभक युद्धक कारणेँ ओ सभ याकूबक पुत्र आ मिस्रक लोकक हाथ मे पड़ि गेल अछि।
14 सेइरक पुत्र सभ एसावक पुत्र सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ देखलहुँ आ तेँ अहाँ सभ जनैत छी जे ई डेरा अहाँ सभक कारणेँ छल, आ एको पराक्रमी आ युद्ध मे निपुण नहि बचल अछि।"
15 आब हमरा सभक देश सँ जाउ, हमरा सभ सँ कनान देश मे जाउ आ अपन पूर्वजक निवास देश मे जाउ। अहाँ सभक संतान सभ केँ अंतिम समय मे हमरा सभक संतानक प्रभाव किएक उत्तराधिकार मे भेटत?
16 एसावक सन् तान सभ सेइरक सन् तान सभक बात नहि सुनय चाहैत छल आ सेइरक सन् तान सभ ओकरा सभ सँ युद्ध करबाक विचार केलक।
17 एसावक सन् तान सभ अफ्रिकाक राजा अन्जियास लग पठौलनि जे ओ दीनहाबा छथि।
18 अपन किछु आदमी केँ हमरा सभ लग पठाउ आ ओकरा सभ केँ हमरा सभ लग आबि जाउ, आ हम सभ सेइर होरीक सन् तान सभक संग लड़ब, किएक तँ ओ सभ हमरा सभक संग लड़बाक संकल्प कएने अछि जे हमरा सभ केँ एहि देश सँ भगाओल जायत।
19 दिनहाबाक राजा अन्जिया एना कयलनि, किएक तँ ओहि समय मे ओ एसावक सन् तान सभक संग मित्रता छल, आ अनजिया एसावक सन् तान सभक लेल पाँच सय वीर पैदल सेना आ आठ सय घुड़सवार सैनिक पठौलनि।
20 सेइरक सन् तान सभ पूरब आ मिद्यानक लोक सभ लग पठौलनि जे, "अहाँ सभ देखलहुँ जे एसावक सन् तान सभ याकूबक सन् तान सभक संग युद्ध मे हमरा सभक संग की कयलक।
21 आब हमरा सभ लग आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू, आ हम सभ ओकरा सभ सँ मिलिकय लड़ब आ ओकरा सभ केँ देश सँ भगा देब आ अपन भाय सभक बदला लेल जे अपन भाय याकूबक पुत्र सभक संग युद्ध मे हुनका सभक कारणेँ मरि गेलाह।
22 पूबक समस्त लोक सेइरक लोक सभक बात सुनलक आ ओ सभ करीब आठ सय आदमी तलवार लऽ कऽ ओकरा सभ लग आबि गेल आ ओहि समय मे एसावक लोक सभ पारनक जंगल मे सेइरक सन् तान सभक संग लड़ल।
23 तखन सेइरक सन् तान एसावक सन् तान सभ पर विजयी भऽ गेल आ सेइरक सन् तान सभ ओहि दिन एसावक सन् तान सभ केँ ओहि युद्ध मे मारि देलक।
24 दोसर दिन एसावक सन् तान सभ दोसर बेर सेइरक सन् तान सभक संग लड़बाक लेल आबि गेलाह आ ई दोसर बेर एसावक सन् तान सभ पर युद्ध भयंकर भऽ गेलनि आ सेइरक सन् तान सभक कारणेँ ओ सभ बहुत परेशान कयलनि।
25 जखन एसावक सन् तान सभ देखलक जे सेइरक सन् तान सभ अपना सभ सँ बेसी शक्तिशाली अछि, तखन एसावक सन् तान मे सँ किछु गोटे घुमि कऽ सेइरक सन् तान सभक शत्रु सभक सहायता कयलक।

26 दोसर युद्ध मे एसावक संतानक लोक मे सँ अड़वन आदमी दीनहबाक राजा अन्जियास मे एखनो खसि पड़ल।
27 तेसर दिन एसावक सन् तान सभ सुनलक जे दोसर युद्ध मे हुनका सभक संग लड़बाक लेल हुनका सभक किछु भाय हुनका सभ सँ मुड़ि गेल छथि। एसावक सन् तान सभ ई बात सुनि शोक मना कऽ गेल।
28 ओ सभ पुछलथिन, "हम सभ अपन शत्रु सभ सेइरक सन् तान सभक सहायता करबाक लेल हमरा सभ सँ घुरि गेल भाय सभ कैँ की करब?" एसावक सन् तान सभ फेर सँ दीनहाबाक राजा अनगियास लग पठौलनि जे।
29 हमरा सभ लग फेर सँ दोसर लोक सभ कैँ पठाउ, जाहि सँ हम सभ सेइरक सन् तान सभ सँ लड़ि सकब, किएक तँ ओ सभ पहिने सँ हमरा सभ सँ दू गुना भारी भऽ गेल अछि।
30 अनगेस फेर एसावक सन् तान सभ लग करीब छह सय वीर आदमी कैँ पठौलनि आ ओ सभ एसावक सन् तान सभक सहायता करऽ लेल आबि गेलाह।
31 दस दिनक बाद एसावक सन् तान सभ फेर सँ पारनक जंगल मे सेइरक सन् तान सभक संग युद्ध कयलक आ सेइरक सन् तान सभ पर युद्ध बहुत भयंकर भऽ गेल आ एसावक सन् तान सभ एहि समय मे सेइरक सन् तान सभ पर विजयी भऽ गेल आ सेइरक सन् तान सभ एसावक सन् तान सभक समक्ष परास्त भऽ गेल आ एसावक सन् तान सभ हुनका सभ मे सँ करीब दू हजार आदमी कैँ मारि देलक।
32 सेइरक सभ पराक्रमी सभ एहि युद्ध मे मरि गेल आ ओकर सभक छोट-छोट बच्चा सभ मात्र रहि गेल जे ओकर सभक नगर मे बचल छल।
33 समस्त मिद्यान आ पूबक लोक सभ युद्ध सँ भागि गेल, आ ओ सभ सेइरक सन् तान सभ कैँ छोड़ि कऽ भागि गेल, जखन ओ सभ देखि जे युद्ध ओकरा सभ पर भयंकर भऽ गेल अछि, आ एसावक सन् तान सभ पूरबक समस्त लोक सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहल जाबत धरि ओ सभ अपन देश नहि पहुँचि गेल।
34 एसावक सन् तान सभ हुनका सभ मे सँ करीब दू सय पचास आदमी कैँ मारि देलक आ एसावक सन् तानक लोक मे सँ करीब तीस आदमी मारल गेल, मुदा ई दुष् टता हुनका सभक भाय सभक द्वारा हुनका सभ पर आबि गेल जे ओ सभ सेइर होरीक सन् तान सभक सहायता करबाक लेल हुनका सभ सँ मुड़ि गेलाह आ एसावक सन् तान सभ फेर सँ अपन भाय सभक दुष् ट काज सुनलनि आ ओ सभ फेर एहि बातक कारणेँ शोक मना लेलनि।
35 युद्धक बाद एसावक सन् तान सभ पाछू घुमि कऽ सेइर मे घर आबि गेल आ एसावक सन् तान सभ सेइरक सन् तानक देश मे रहि गेल सभ कैँ मारि देलक। ओ सभ अपन पत्नी आ छोट-छोट बच्चा सभ कैँ सेहो मारि देलक, पचास टा युवक-बच्चा कैँ छोड़ि एकटा प्राणी जीवित नहि छोड़लक, जकरा ओ सभ जीब' देलक, आ एसावक संतान सभ ओकरा सभ कैँ नहि मारलक, आ लड़का सभ ओकर गुलाम बनि गेल, आ ओहि लड़की सभ कैँ ओ सभ पत्नी बना लेलक।
36 एसावक सन् तान सभ सेइरक सन् तानक स्थान पर सेइर मे रहि गेल आ ओ सभ अपन देशक उत्तराधिकारी भऽ ओकरा अपना कब्जा मे ल' लेलक।
37 एसावक सन् तान सभ ओहि देशक सभटा सम् पत्ति सेइरक सन् तान सभक हाथ मे लऽ लेलक, ओकर भेँड़ा, अपन बैल आ ओकर सभक सम् पत्ति आ सेइरक सन् तान सभक सभटा सामान एसावक सन् तान सभ लऽ लेलक आ एसावक सन् तान सभ आइ धरि सेइरक सन् तान सभक स्थान पर सेइर मे रहि गेल आ एसावक सन् तान सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार ओहि देश कैँ विभाजन मे बाँटि लेलक।
38 ओहि समय मे एसावक सन्तान सभ ओहि देश मे राजाक ताज पहिरबाक संकल्प लेलक। ओ सभ एक-दोसर कैँ कहलथिन, "एना नहि, किएक तँ ओ हमरा सभ पर हमरा सभक देश मे राज करत, आ हम सभ हुनकर सलाह मे रहब आ ओ हमरा सभक शत्रु सभक विरुद्ध लड़त, आ ओ सभ एहन केलक।"
39 एसावक सभ सन् तान सभ शपथ खयलनि जे, "ओकर सभ भाय हुनका सभ पर कहियो राज नहि करत, सिवाय एकटा परदेशी आदमी जे हुनका सभक भाय मे सँ नहि अछि, किएक तँ एसावक सभ सन् तान सभक आत् मा अपन पुत्र, भाय आ मित्रक विरुद्ध कटु भऽ गेल छल, कारण सेइरक सन् तान सभक संग लड़ैत काल ओ सभ अपन भाय सभक दुष् टताक कारणेँ कटु भऽ गेल छल।"
40 तेँ एसावक पुत्र सभ शपथ खयलनि जे, "ओहि दिन सँ ओ सभ अपन भाय सभ मे सँ कोनो राजा नहि, बल् कि आइ धरि परदेश सँ राजा चुनब।"
41 ओतऽ दिनहाबाक राजा अनगेसक लोक मे सँ एक आदमी छल। ओकर नाम बेओर के बेटा बेला छेलै, जे बहुत वीर आदमी छेलै, सुन्दर आरो सुन्दर आरो सब बुद्धि में बुद्धिमान छेलै। अनगेसक लोक मे सँ कियो हुनका सन नहि छल।
42 एसावक सभ सन् तान हुनका लऽ कऽ अभिषेक कयलनि आ हुनका राजाक ताज पहिरौलनि आ हुनका प्रणाम कयलनि आ हुनका कहलथिन, "राजा जीवित रहथि, राजा जीवित रहथि।"
43 ओ सभ चादर पसारि देलथिन आ हुनका लेल सोना-चानीक झुमका वा अंगूठी वा कंगन आनि देलनि, आ चानी आ सोना, गोमेदक पाथर आ ब्डेलियम सँ हुनका बहुत समृद्ध बना देलनि आ हुनका राजसिंहासन बनौलनि आ हुनकर माथ पर राजकी मुकुट राखि देलनि आ हुनका लेल एकटा महल बनौलनि आ ओ ओतहि रहि गेलाह आ ओ राजा बनि गेलाह एसावक सभ सन् तान।
44 अनगेसक लोक सभ एसावक सन् तान सभ सँ अपन युद्धक भाड़ा लऽ लेलक आ ओहि समय मे ओ सभ अपन मालिक लग दीनहाबा मे घुरि गेल।
45 बेला तीस वर्ष धरि एसावक सन् तान सभ पर राज केलनि आ एसावक सन् तान सभ सेइरक सन् तानक बदला मे ओहि देश मे रहलाह आ ओ सभ आइ धरि हुनका सभक स्थान पर सुरक्षित रहि गेलाह।

अध्याय 58

1 इस्राएली सभक मिस्र गेलाक बत्तीसम वर्ष अर्थात यूसुफक जीवनक एकहत्तरिम वर्ष मे ओहि वर्ष मिस्रक राजा फिरौन मरि गेलाह आ हुनकर स्थान पर हुनकर पुत्र मैग्रोन राज केलनि।
2 फिरौन यूसुफ कैँ मरबा सँ पहिने आज्ञा देलथिन जे ओ अपन पुत्र मैग्रोनक पिता बनथि आ मैग्रोन यूसुफक देखरेख मे आ हुनकर सलाह मे रहथि।
3 समस्त मिस्र एहि बात पर सहमत भेल जे यूसुफ हुनका सभक राजा बनथि, किएक तँ सभ मिस्रवासी यूसुफ सँ प्रेम करैत छलाह, मात्र फिरौनक पुत्र मैग्रोन, हुनकर पिताक सिंहासन पर बैसल

छलाह आ ओहि दिन मे ओ अपन पिताक स्थान पर राजा बनि गेलाह।
4 जखन ओ राज्य होबय लगलाह तखन मैग्रोन एकतालीस वर्षक छलाह आ मिस्र मे चालीस वर्ष धरि राज केलनि, आ समस्त मिस्र हुनकर नाम अपन पिताक नाम पर फिरौन रखलनि, जेना मिस्र मे हुनका सभ पर राज करय बला प्रत्येक राजा कैँ करबाक प्रथा छलनि।
5 जखन फिरौन अपन पिताक स्थान पर राज केलनि तखन ओ मिस्रक नियम आ शासनक सभ काज यूसुफक हाथ मे द' देलनि, जेना हुनकर पिता हुनका कहने छलाह।
6 यूसुफ मिस्रक राजा बनि गेलाह, किएक तँ ओ समस्त मिस्रक देखरेख करैत छलाह आ समस्त मिस्र हुनकर देखरेख आ सलाह मे छल, किएक तँ पूरा मिस्र फिरौनक मृत्युक बाद यूसुफक प्रति झुकल छल आ ओ सभ हुनका सभ पर राज करऽ लेल हुनका बहुत प्रेम करैत छल।
7 मुदा हुनका सभक बीच किछु लोक सभ हुनका पसिन नहि करैत छलनि जे, "हमरा सभ पर कोनो परदेशी राज नहि करत।" तइयो ओहि समय मे मिस्रक पूरा सरकार यूसुफ पर आबि गेल छल, फिरौनक मृत्युक बाद, ओ नियामक होइत छल, पूरा देश मे जेना चाहैत छल, बिना ककरो हस्तक्षेप केने।
8 पूरा मिस्र यूसुफक देखरेख मे छल आ यूसुफ अपन चारूकातक सभ शत्रु सभ सँ युद्ध कयलनि आ ओकरा सभ कैँ अपना वश मे कऽ लेलनि। यूसुफ कनान के सीमा तक के पूरा देश आरो सब पलिस्ती के वश में करी देलकै, आरो सब ओकरो अधिकार में छेलै आरो वू यूसुफ के सालाना कर दै छेलै।
9 मिस्रक राजा फिरौन अपन पिताक स्थान पर अपन सिंहासन पर बैसल छलाह, मुदा ओ यूसुफक वश मे छलाह, जेना पहिने ओ अपन पिताक वश मे छलाह।
10 आ ने यूसुफक सलाह मे मात्र मिस्र देश मे राज् य नहि कयलनि, बल् कि यूसुफ ओहि समय मे मिस्र सँ ल' कऽ पैघ नदी धरि पूरा देश पर राज केलनि।
11 यूसुफ अपन सभ बाट मे सफल रहलाह आ प्रभु हुनका संग रहलाह, आ प्रभु मिस्रवासीक हृदय मे आ पूरा देश मे यूसुफ कैँ अतिरिक्त बुद्धि, आदर, महिमा आ प्रेम देलनि, आ यूसुफ चालीस वर्ष धरि पूरा देश पर राज केलनि।
12 पलिस्ती, कनान आ सिदोन आ यरदन नदीक ओहि पारक सभ देश यूसुफक भरि दिन मे उपहार अनैत छल, आ पूरा देश यूसुफक हाथ मे छल, आ ओ सभ हुनका लेल सालाना कर अनैत छल जेना नियम छल, किएक तँ यूसुफ अपन चारूकातक सभ शत्रु सभक संग लड़ि कए ओकरा सभ कैँ अपना वश मे कऽ लेने छल आ पूरा देश यूसुफक हाथ मे छल आ यूसुफ अपन सिंहासन पर सुरक्षित बैसल छल मिस्र।
13 ओकर सभ भाय याकूबक पुत्र सभ यूसुफक भरि दिन मे सुरक्षित रूप सँ ओहि देश मे रहलाह, आ ओ सभ ओहि देश मे बहुत बेसी फल-फूल आ बढ़ैत रहलाह, आ ओ सभ अपन भरि दिन प्रभुक सेवा करैत रहलाह, जेना हुनकर पिता याकूब हुनका सभ कैँ आज्ञा देने छलाह।
14 कतेको दिन आ वर्षक अंत मे जखन एसावक सन् तान सभ अपन राजा बेलाक संग अपन देश मे चुपचाप रहैत छल, तखन एसावक सन् तान सभ ओहि देश मे फल-फूल भऽ गेल आ ओ सभ याकूबक पुत्र सभ आ समस्त मिस्रक संग लड़बाक आ अपन भाय एलीफाजक पुत्र सोफो आ ओकर आदमी सभ कैँ छोड़ि देबाक संकल्प कयलक, किएक तँ ओ सभ ओहि दिन मे यूसुफक दास छल।
15 एसावक सन् तान सभ पूबक समस्त लोक सभ लग पठौलनि आ ओ सभ हुनका सभक संग मेल-मिलाप कयलनि आ पूरबक समस्त लोक सभ हुनका सभक लग आबि गेलाह जे एसावक सन् तान सभक संग मिस्र मे युद्ध करथि।
16 अनजियाक लोक मे सँ दीनहाबाक राजा सेहो हुनका सभक लग आबि गेलाह आ ओ सभ सेहो इस्माइलक सन् तान सभ लग पठौलनि आ ओ सभ सेहो हुनका सभक लग आबि गेलाह।
17 ई सभ लोक जमा भ' क' एसावक सन् तान सभक युद्ध मे सहायता करबाक लेल सेइर आबि गेल, आ ई डेरा बहुत पैघ आ भारी लोकक संग छल, समुद्रक बालु जकाँ संख्या मे, लगभग आठ लाख आदमी, पैदल सेना आ घुड़सवार सैनिक, आ ई सभ सेना याकूबक पुत्र सभक संग लड़बाक लेल मिस्र उतरि गेल आ ओ सभ रामसेस लग डेरा खसा लेलक।
18 यूसुफ अपन भाय सभक संग मिस्रक पराक्रमी सभ, करीब छह सय आदमी सभक संग विदा भेलाह आ ओ सभ हुनका सभक संग रामसेस देश मे लड़लनि। याकूबक पुत्र सभ ओहि समय मे फेर सँ एसावक सन् तान सभक संग लड़लनि, याकूबक पुत्र सभक मिस्र गेलाक पचासम वर्ष, जे सेइर मे एसावक सन् तान सभ पर बेलाक शासनक तीसम वर्ष छल।
19 परमेश् वर एसावक सभ पराक्रमी आ पूरबक सन् तान सभ कैँ यूसुफ आ ओकर भाय सभक हाथ मे दऽ देलथिन आ एसावक लोक सभ आ पूरबक लोक सभ यूसुफक समक्ष परास्त भऽ गेलाह।
20 एसावक लोक आ पूरबक लोक सभ मे सँ जे मारल गेल छल, याकूबक पुत्र सभक समक्ष करीब दू लाख आदमी खसि पड़ल आ ओकर सभक राजा बेओरक पुत्र बेला ओकरा सभक संग युद्ध मे खसि पड़ल, आ जखन एसावक लोक सभ देखलक जे ओकर राजा युद्ध मे खसि पड़ल अछि आ मरि गेल अछि, तखन युद्ध मे ओकर सभक हाथ कमजोर भ' गेल।
21 यूसुफ आ ओकर भाय सभ आ समस्त मिस्र एखनो एसावक घरक लोक सभ कैँ मारि रहल छल आ एसावक सभ लोक याकूबक पुत्र सभ सँ डेरा गेल आ ओकरा सभक सोझाँ सँ भागि गेल।
22 यूसुफ आ ओकर भाय सभ आ समस्त मिस्र हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ एक दिनक यात्रा कयलनि आ ओ सभ हुनका सभक बीच सँ करीब तीन सय आदमी कैँ मारि देलनि आ सड़क पर हुनका सभ कैँ मारि दैत रहलाह। आ बाद मे ओ सभ ओकरा सभ सँ पाछू हटि गेल।
23 तखन यूसुफ आ ओकर सभ भाय मिस्र दिस घुरि गेलाह, हुनका सभ मे एको आदमी छूटल नहि छल, मुदा मिस्रवासी मे सँ बारह गोटे खसि पड़लाह।
24 जखन यूसुफ मिस्र घुरि गेलाह तँ ओ सिफो आ ओकर आदमी सभ कैँ अतिरिक्त बान्हबाक आज्ञा देलथिन आ ओ सभ लोहा मे बान्हि देलथिन आ ओ सभ अपन शोक बढ़ा देलथिन।
25 एसावक सभ लोक आ पूरबक लोक सभ लज्जित भ' क' अपन-अपन नगर मे घुरि गेलाह, कारण जे सभ पराक्रमी हुनका सभक संग छल, युद्ध मे खसि पड़ल छल।
26 एसावक सन्तान सभ जखन देखलकै जे ओकर राजा युद्ध मे मरि गेलैक तखन ओ सभ जल्दी-जल्दी पूरबक लोक सभ मे सँ एक आदमी कैँ पकड़ि लेलक। ओकर नाम बोत्स्रा देशक

जराकक पुत्र जोबाब छलैक आ ओ सभ ओकरा अपन राजा बेलाक बदला ओकरा सभ पर राज करौलक।
27 अयौबाब हुनका बदला मे राजाक रूप मे बेलाक सिंहासन पर बैसलाह, आ अयौब एदोम मे एसावक समस्त संतान पर दस वर्ष धरि राज केलनि आ एसावक सन्तान सभ ओहि दिन सँ याकूबक पुत्र सभक संग लड़य लेल नहि गेलाह, किएक तँ एसावक पुत्र सभ याकूबक पुत्र सभक शौर्य कें जनैत छलाह आ ओ सभ हुनका सभ सँ बहुत डरैत छलाह।
28 मुदा ओहि दिन सँ एसावक सन् तान याकूबक सन् तान सभ सँ घृणा करैत छल, आ आइ धरि हुनका सभक बीच घृणा आ शत्रुता बहुत प्रबल छल।
29 एकर बाद दस वर्षक बाद बोत्स्राक जराकक पुत्र यॉबाब मरि गेलाह आ एसावक सन् तान सभ तेमान भूमि सँ एक आदमी कें लऽ लेलक, जकर नाम छल, जकर नाम छल, अयौबाबक बदला मे, आ चुशाम एदोम मे बीस वर्ष धरि एसावक समस्त संतान पर राजा बनौलनि।
30 मिस्रक राजा यूसुफ आ ओकर भाय सभ आ इस्राएलक समस्त लोक ओहि समय मे यूसुफ आ ओकर भाय सभक सन् तान सभक संग मिस्र मे सुरक्षित रहैत छलाह, हुनका कोनो बाधा वा दुष्ट दुर्घटना नहि भेलनि आ मिस्र देश ओहि समय मे यूसुफ आ हुनकर भाय सभक समय मे युद्ध सँ विश्राम पाबि गेल छल।

अध्याय 59

1 मिस्र मे रहनिहार इस्राएलक पुत्र सभक नाम अछि, जे याकूबक संग आयल छलाह, याकूबक सभ पुत्र सभ अपन-अपन घरक संग मिस्र आबि गेलाह।
2 लीआक संतान रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकर आ जबबुलन आ हुनकर बहिन दीना छल।
3 राहेलक पुत्र यूसुफ आ बिन्यामीन छल।
4 लीआक दासी जिल्पाक पुत्र गाद आ आशेर छल।
5 राहेलक दासी बिलहाक पुत्र दान आ नफ्ताली छल।
6 ई सभ हुनका सभक संतान छल जे हुनका सभक पिता याकूबक संग मिस्र मे एबा सँ पहिने कनान देश मे जनमल छलनि।
7 रूबेनक पुत्र चनोक, पल्लू, चेत्रोन आ कार्मी छल।
8 शिमोनक पुत्र यमुएल, यामीन, ओहद, याकीन, ज़ोकर आ कनानक स् त्रीक पुत्र साउल छल।
9 लेवीक सन् तान गर्शोन, केहत आ मेरारी आ ओकर बहिन योकेबेद छल, जे मिस्र जाइत काल हुनका सभक लेल जन्मल छलीह।
10 यहूदाक बेटा एर, ओनान, शेला, पेरेज आ जराक छल।
11 एर आ ओनान कनान देश मे मरि गेलाह। पेरेजक पुत्र चेस्रोन आ चमुल छल।
12 इस्साकरक पुत्र तोला, पुवा, अय्यूब आ शोमरोन छल।
13 जबूलूनक पुत्र सेरेद, एलोन आ यक्लीएल आ दानक पुत्र चुशिम छल।
14 नफ्तालीक पुत्र यक्ज़ील, गुनी, जेत्जर आ शिलाम छल।
15 गादक पुत्र सिफियोन, चग्गी, शुनी, एजबोन, एरी, आरोदी आ अरेली छल।
16 आशेरक संतान जिमना, जिश्वा, जिशवी, बेरिया आ हुनका लोकनिक बहिन सेराच छलनि। बेरियाक पुत्र कबेर आ मल्कीएल छल।
17 बिन्यामीनक पुत्र बेला, बेकर, अशबेल, गेरा, नामान, अकी, रोश, मुपीम, चुपिम आ ओर्द छल।
18 यूसुफक पुत्र जे हुनका मिस्र मे भेल छलनि, से मनश्शे आ एप्रैम छलाह।
19 याकूबक कमर सँ निकलल सभ प्राणी सत्तरि प्राणी छल। ई सभ अपन पिता याकूबक संग मिस्र मे रहबाक लेल आयल छलाह, आ यूसुफ आ हुनकर सभ भाय मिस्र मे सुरक्षित रहैत छलाह आ यूसुफक जीवन भरि मिस्रक नीक भोजन खाइत छलाह।
20 यूसुफ मिस्र देश मे तेनब्बे वर्ष धरि रहलाह आ यूसुफ अस्सी वर्ष धरि पूरा मिस्र पर राज केलनि।
21 जखन यूसुफक मृत्युक समय लग आबि गेलनि तँ ओ अपन भाय सभ आ अपन पिताक समस्त घरक लोक कें बजा कऽ बजा कऽ बजौलनि।
22 तखन यूसुफ अपन भाय सभ आ अपन पिताक समस्त घरक लोक कें कहलथिन, “देखू, हम मरि जाइत छी, आ परमेश् वर अहाँ सभ कें एहि देश सँ ओहि देश मे ल’ जेताह, जे ओ अहाँ सभक पूर्वज कें हुनका सभ कें देबाक शपथ लेने छलाह।”
23 जखन परमेश् वर अहाँ सभ कें एतय सँ अहाँ सभक पूर्वजक देश मे अनबाक लेल अहाँ सभक समक्ष आओताह, तखन एतय सँ हमर हड्डी सभ कें अहाँ सभक संग आनब।
24 यूसुफ इस्राएलक सन्तान सभ कें हुनका सभक बादक वंशजक लेल शपथ खा कऽ कहलथिन जे, “परमेश् वर अहाँ सभक समक्ष अवश्य आओताह आ अहाँ सभ हमर हड्डी सभ एतय सँ अपना संग ल’ कऽ आओत।”
25 एकर बाद यूसुफ ओहि वर्ष मरि गेलाह, जखन कि इस्राएली सभ मिस्र जाइत छलाह।
26 जखन यूसुफ मिस्र देश मे मरि गेलाह तखन हुनकर उम्र एक सय दस वर्षक छलनि, तखन हुनकर सभ भाय आ हुनकर सभ नौकर उठि कऽ यूसुफ कें मलम संस्कार कयलनि, जेना कि हुनकर सभक प्रथा छलनि, आ हुनकर भाय सभ आ समस्त मिस्र सत्तरि दिन धरि हुनका पर शोक मनाओल गेलनि।
27 ओ सभ यूसुफ कें मसाला आ सभ तरहक इत्र सँ भरल चिता मे राखि देलक आ ओकरा नदीक कात मे गाड़ि देलक जे सिहोर अछि, ओकर बेटा सभ आ ओकर सभ भाय कें, आ ओकर समस्त पिताक घरक लोक ओकरा लेल सात दिनक शोक मनाओलक।
28 यूसुफक मृत्युक बाद ओहि दिन सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभ पर शासन करय लगलाह आ मिस्रक राजा फिरौन जे अपन पिताक स्थान पर राज करैत छलाह, मिस्रक सभ नियम कें लऽ कऽ हुनकर सलाह मे समस्त मिस्रक शासन कें संचालित कयलनि आ ओ अपन लोक सभ पर सुरक्षित रूप सँ राज कयलनि।

अध्याय 60

1 जखन साल भरि इस्राएली सभक मिस्र जाइत छल, तखन यूसुफक मृत्युक बाद एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र सीफो मिस्र सँ भागि गेलाह आ ओ सभ मिस्र देश सँ भागि गेलाह।

2 ओ अफ्रिका, जे दिनहाबा अछि, अफ्रीकाक राजा अन्जियास लग पहुँचलाह, आ अनजिया हुनका सभ कैँ बहुत आदरपूर्वक स्वागत कयलनि आ ओ जेफो कैँ अपन सेनाक सेनापति बना देलनि।
3 सीफो कैँ अनजिया आ ओकर लोकक नजरि मे अनुग्रह भेटलनि, आ ज़ेफो अफ्रीकाक राजा अन्जियाक सेनाक सेनापति कतेको दिन धरि रहलाह।
4 आफ्रिकाक राजा अन्जिया कैँ अपन सभ सेना कैँ जमा करबाक लेल लोभौलनि जे ओ मिस्र आ याकूबक पुत्र सभक संग लड़य लेल जाथि आ हुनका सभक प्रतिशोध लेबाक लेल अपन भाय सभक प्रतिशोध लेथि।
5 मुदा अनगेआस सोफो कैँ ई काज करबाक लेल नहि सुनलनि, किएक तँ अनजियास जनैत छलाह जे याकूबक पुत्र सभक सामर्थ्य आ एसावक सन्‍तान सभक संग युद्ध मे हुनकर सेना सभक संग की कयलनि।
6 ओहि समय मे सिफो अनगेस आ ओकर समस्त लोकक नजरि मे बहुत पैघ छल, आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ मिस्र सँ युद्ध करबाक लेल लोभबैत छल, मुदा ओ सभ नहि चाहैत छल।
7 ओहि समय मे कित्तीम देश मे पुजिम्ना नगर मे एक आदमी छल, जकर नाम उजू छल, आ ओ कित्तीमक सन्तान द्वारा पतित भ' गेल छल, आ ओ आदमी मरि गेल आ ओकरा कोनो बेटा नहि छलैक, मात्र एकटा बेटी छलैक जकर नाम जनिया छलैक।
8 ओ कन्या अत्यंत सुन्दर, सुन्दर आ बुद्धिमान छल, पूरा देश मे सौन्दर्य आ बुद्धिक लेल ओकरा सन कियो नहि देखल गेल।
9 अफ्रीकाक राजा अँगेआसक लोक सभ ओकरा देखलक आ ओ सभ आबि कऽ ओकर स्तुति कयलक आ अँगेआस कित्तीमक सन्तान सभ लग पठौलक आ ओ ओकरा पत्नीक रूप मे अपना लग लऽ जेबाक आग्रह केलक, आ कित्तीमक लोक सभ ओकरा पत्नीक रूप मे ओकरा देबाक लेल सहमति देलक।
10 जखन अँगेआसक दूत सभ कित्तीम देशसँ यात्रा करबाक लेल निकलल छल तखन देखू बीबेन्टूक राजा तुर्नसक दूत सभ कित्तीम आबि गेल छल, किएक तँ बिबेन्टूक राजा तुर्नस सेहो अपन दूत सभकैँ पठौलनि जे ओ जनियासँ हुनका लेल निहोरा करथि, जे ओ अपना लेल पत्नी बनाबथि, किएक तँ हुनकर सभ पुरुष सेहो हुनकर प्रशंसा हुनका लग पठौने छलाह, तैँ ओ अपन सभ नौकरकैँ हुनका लग पठौलनि ओकर।
11 तखन तुर्नुसक नोकर सभ कित्तीम पहुँचलाह आ ओ सभ जनिया कैँ अपन राजा तुर्नुस लग पत्नीक रूप मे लऽ जेबाक लेल कहलथिन।
12 चित्तिमक लोक सभ ओकरा सभ कैँ कहलकनि, "हम सभ ओकरा नहि दऽ सकैत छी, किएक तँ अफ्रीकाक राजा अँगेयास ओकरा सँ चाहैत छल जे अहाँ सभ एबा सँ पहिने ओकरा पत्नीक रूप मे लऽ जाय, आ हम सभ ओकरा ओकरा दऽ दिअ, आ आब तैँ हम सभ ई काज नहि कऽ सकैत छी जे अँगेआस कैँ ओहि कन्या कैँ वंचित कऽ कऽ ओकरा तुर्नस कैँ दऽ सकब।"
13 हम सभ एन्जियस सँ बहुत डरैत छी जे कहीं ओ हमरा सभक विरुद्ध युद्ध मे आबि हमरा सभ कैँ नष्ट नहि कऽ देत, आ अहाँक मालिक तुर्नस हमरा सभ कैँ अपन हाथ सँ नहि बचा सकैत अछि।
14 जखन तुर्नुसक दूत सभ कित्तीमक सन्‍तान सभक सभ बात सुनलनि तँ ओ सभ अपन मालिक दिस घुमि कऽ कित्तीमक सन्‍तान सभक सभ बात हुनका कहलथिन।
15 कित्तीमक सन्‍तान सभ अनगेस कैँ एकटा स्मरण पत्र पठौलनि जे, "देखू, तुर्नुस जनिया कैँ बजौने छथि जे ओ हुनका अपन स्‍त्री बनाबथि। आ सुनलहुँ जे ओ अहाँक विरुद्ध युद्ध मे जेबाक लेल अपन पूरा सेना जमा क' लेने अछि, आ ओकर इरादा अछि जे अहाँक भाइ लुकस सँ लड़बाक लेल सरदुनियाक सड़क सँ गुजरि जायत, आ तकर बाद ओ अहाँक विरुद्ध लड़' आबि जायत।
16 अनगेस कित्तीमक सन्तान सभक ओ बात सुनलनि जे ओ सभ हुनका लग पठौने छलाह, तखन हुनकर क्रोध प्रज्वलित भऽ गेलनि आ ओ उठि कऽ अपन समस्त सेना कैँ जमा कऽ समुद्रक द्वीप सभ, सरदुनियाक बाट सँ, अपन भाय सरदुनियाक राजा लुकस लग पहुँचलाह।
17 लुकसक पुत्र निब्लोस सुनलक जे ओकर मामा एन्जियस आबि रहल अछि, आ ओ भारी सेनाक संग ओकरा सँ भेंट करय लेल निकलल, आ ओ ओकरा चुम्मा ल' क' गला लगा लेलक, आ निब्लोस ओकरा कहलक, "जखन अहाँ हमर पिता सँ हुनकर कल्याणक लेल कहब, तखन हम अहाँक संग कखन तुर्नस सँ लड़य जायब, तखन हुनका सँ माँगू जे हमरा अपन सेनाक कप्तान बनाबथि, आ एंजेस ओ काज क' लेलनि तैँ ओ अपन भाय लग आबि गेलाह आ भाय हुनका सँ भेंट करय लेल आबि गेलाह, आ ओ हुनका सँ हुनकर भलाई पूछलनि।
18 एन्जियस अपन भाइ लुकस कैँ ओकर कल्याणक लेल आ अपन पुत्र निब्लोस कैँ अपन सेनाक कप्तान बनेबाक लेल कहलक, आ लुकस एना केलक आ एन्जियास आ ओकर भाइ लुकस उठि कऽ टर्नस दिस युद्ध करय लेल गेल, आ ओकरा सभक संग एकटा पैघ सेना आ एकटा भारी लोक छल।
19 ओ जहाज मे बैसि कऽ अश्तोराश प्रांत मे आबि गेलाह, आ देखू, तुर्नुस हुनका सभक दिस आबि गेलाह, किएक तँ ओ सर्दूनिया गेल छलाह आ ओकरा नष्ट करबाक इरादा रखने छलाह आ तकर बाद ओतहि सँ हुनका सँ लड़बाक लेल अंजेआस दिस बढ़ि गेलाह।
20 एन्जियस आ ओकर भाय लुकस कनोपिया उपत्यका मे तुर्नस सँ भेंट केलनि आ ओहि ठाम दुनूक बीच युद्ध प्रबल आ पराक्रमी भेल।
21 सरदुनियाक राजा लुकस पर युद्ध भयंकर भऽ गेल आ ओकर सभ सेना खसि पड़ल आ ओकर पुत्र निब्लोस सेहो ओहि युद्ध मे खसि पड़ल।
22 ओकर काका अँगेआस अपन नोकर सभ कैँ आज्ञा देलथिन आ ओ सभ निब्लोसक लेल सोनाक चिता बनौलनि आ ओहि मे राखि देलनि, आ एन्जियास फेर सँ तुर्नस दिस युद्ध कयलनि, आ एन्जियास हुनका सँ बेसी बलशाली छलाह, आ ओ हुनका मारि देलनि, आ ओ अपन सभ लोक कैँ तलवारक धार सँ मारि देलनि, आ एन्जियास अपन भाइक पुत्र निब्लोस आ अपन सेनाक काजक बदला लेलनि भाई लुकस।
23 जखन तुर्नस मरि गेलाह तखन युद्ध मे बचि गेल लोकक हाथ कमजोर भ' गेलनि आ ओ सभ एन्जियस आ हुनकर भाय लुकसक सोझाँ सँ भागि गेलाह।
24 अनगेस आ ओकर भाय लुकस हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ अल्फानु आ रोमाहक बीचक राजमार्ग धरि पहुँचि गेलाह आ ओ सभ तुर्नसक समस्त सेना कैँ तलवारक धार सँ मारि देलनि।
25 सरदुनियाक राजा लुकस अपन नोकर सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ पीतल सँ एकटा चिता बनाबथि आ ओहि मे हुनकर

पुत्र निब्लोसक शव राखथि आ ओ सभ हुनका ओहि ठाम गाड़ि देलथिन।
26 ओ सभ ओहि ठाम राजमार्ग पर एकटा ऊँच टावर बनौलनि, आ आइ धरि एकर नाम निब्लोसक नाम पर राखि देलनि, आ बिबेन्तुक राजा तुर्नुस कें सेहो ओतहि निब्लोसक संग ओहि ठाम दफना देलनि।
27 अल्फानू आ रोमाहक बीचक राजमार्ग पर एक कात निब्लोसक कब्र आ दोसर कात तुर्नसक कब्र आ आइ धरि दुनूक बीच फुटपाथ अछि।
28 जखन निब्लोस कें दफनाओल गेल तखन ओकर पिता लुकस अपन सेनाक संग अपन देश सरदुनिया मे वापस आबि गेलाह आ अफ्रीकाक राजा हुनकर भाय एन्जियास अपन लोकक संग बिबेन्तु शहर, जे तुर्नस शहर अछि, चलि गेलाह।
29 बिबेन्तुक निवासी सभ हुनकर प्रसिद्धि सुनलनि आ हुनका सँ बहुत डेरा गेलाह, आ ओ सभ कानैत-विनती करैत हुनका सँ भेंट करय लेल निकलि गेलाह, आ बिबेन्तुक निवासी सभ एन्जिया सँ विनती केलनि जे हुनका सभ कें नहि मारू आ ने अपन शहर कें नष्ट करथि। आ ओ एना केलनि, किएक तँ ओहि समय मे बिबेन्तु कें चित्तिमक सन्तानक नगर मे सँ एक नगर मे गिनल जाइत छल। तेँ ओ नगर कें नष्ट नहि कयलनि।
30 मुदा ओहि दिन सँ अफ्रीकाक राजाक सेना सभ कित्तीम लूटि कऽ लूटबाक लेल जाइत छल आ जखन-जखन ओ सभ जाइत छल, तखन-तखन अनजियाक सेनाक सेनापति ज़ेफो ओकरा सभक संग जाइत छल।
31 एकर बादे एन्जियस अपन सेनाक संग घुमि कऽ ओ सभ पुजिम्ना नगर पहुँचलाह, आ अँगेआस ओतय सँ उजूक बेटी जानिया कें पत्नीक रूप मे लऽ गेलाह आ हुनका अपन शहर अफ्रीका मे अनलनि।

अध्याय 61

1 ओहि समय मिस्रक राजा फिरौन अपन समस्त लोक कें आज्ञा देलथिन जे मिस्र मे हुनका लेल एकटा मजबूत महल बनाबथि।
2 ओ याकूबक पुत्र सभ कें सेहो आज्ञा देलनि जे मिस्रवासी सभक निर्माण मे सहायता करथि, आ मिस्रवासी सभ राजकीय आवासक लेल एकटा सुन्दर आ सुरुचिपूर्ण महल बनौलनि, आ ओ ओहि मे रहलाह आ ओ अपन शासन कें नवीकरण कयलनि आ ओ सुरक्षित रूप सँ राज केलनि।
3 याकूबक पुत्र जबबूलून ओहि वर्ष मरि गेलाह, यानी इस्राएली सभ मिस्र गेलाक बाहत्तरिम वर्ष, आ जबूलून एक सय चौदह वर्षक उम्र मे मरि गेलाह आ ओकरा एकटा चिता मे राखि अपन संतान सभक हाथ मे देल गेलनि।
4 पचहत्तरिम वर्ष मे हुनकर भाय शिमोन मरि गेलाह, हुनकर मृत्युक समय ओ एक सय बीस वर्षक छलाह आ हुनका सेहो एकटा चिता मे राखि देल गेलनि आ हुनका अपन बच्चा सभक हाथ मे देल गेलनि।
5 एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र जेफो, जे दीनहबाक राजा अँगेआसक सेनापति छल, एखनो अनजिया कें मिस्र मे याकूबक पुत्र सभक संग युद्धक तैयारी करबाक लेल प्रलोभित क' रहल छल, आ अनजियास ई काज करय लेल तैयार नहि छल, किएक तँ ओकर नौकर सभ ओकरा याकूबक पुत्र सभक समस्त सामर्थ्यक बात कहने छल जे ओ सभ ओकरा सभक संग युद्ध मे की केने छल एसाव।
6 ओहि समय मे सिफो ओहि दिन मे याकूबक पुत्र सभक संग लड़बाक लेल अंजिया कें प्रतिदिन प्रलोभित करैत रहलाह।
7 किछु समयक बाद अनजियास सोफोक बात सुनि हुनका याकूबक पुत्र सभक संग मिस्र मे लड़बाक लेल सहमति देलनि, आ अनजियास अपन समस्त लोक कें क्रमबद्ध कऽ लेलनि, जे समुद्रक कात मे बालु जकाँ अनेक लोक छल, आ ओ मिस्र मे युद्ध मे जेबाक संकल्प कयलनि।
8 अनगेसक नोकर मे पन्द्रह वर्षक एकटा युवक छल, ओकर नाम बेओरक पुत्र बिलाम छल आ ओ युवक बहुत बुद्धिमान छल आ जादू-टोनाक कला बुझैत छल।
9 अनजिया बिलाम कें कहलथिन, "हमरा सभक लेल जादू-टोना मे जादू करू, जाहि सँ हम सभ ई जानि सकब जे एहि युद्ध मे के जीतत, जाहि मे हम सभ एखन जा रहल छी।"
10 बिलाम ओकरा मोम आनबाक आदेश देलथिन, आ ओहि मे सँ रथ आ घुड़सवारक उपमा बनौलनि जे अंजियसक सेना आ मिस्रक सेनाक प्रतिनिधित्व करैत अछि, आ ओकरा सभ कें ओहि धूर्ततापूर्वक तैयार पानि मे राखि देलनि जे हुनका लग छलनि, आ ओ अपन हाथ मे मर्टल गाछक डारि पकड़ि लेलनि, आ ओ अपन धूर्तता कयलनि, आ ओ ओकरा सभ कें पानि पर जोड़ि देलनि आ ओतहि हुनका पानि मे दर्शन कयलनि मिस्र आ याकूबक पुत्र सभक समरूप मूर्तिक सोझाँ खसैत एन्जियाक सेना सभक मूर्ति सँ मिलैत-जुलैत।
11 बिलाम ई बात अनगेआस कें कहलथिन आ अनियास निराश भऽ गेलाह आ मिस्र देश मे युद्ध मे जेबाक लेल हथियार नहि उठौलनि आ ओ अपन नगर मे रहि गेलाह।
12 एलीफाजक पुत्र सीफो जखन देखलक जे अँगेआस मिस्रक लोक सभक संग युद्ध करबाक लेल निराश भऽ गेल अछि, तखन सिफो अफ्रीका सँ अनजिया सँ भागि गेल आ ओ कित्तीम पहुँचि गेल।
13 कित्तीमक सभ लोक हुनका बहुत आदरपूर्वक स्वागत कयलनि आ हुनका सभ दिन अपन युद्ध लड़बाक लेल राखि लेलनि, आ ओहि दिन मे ज़ेफो अत्यंत धनिक भ' गेलाह, आ ओहि समय मे अफ्रीकाक राजाक सेना एखनो पसरल छल, आ कित्तीमक सन्तान सभ एकत्रित भ' क' अफ्रीकाक राजा एन्जियाक सेना सभक कारणेँ आबि गेलाह जे हुनका सभ पर आगू बढ़ि रहल छल।
14 एक दिन जेफो एकटा बछड़ाक बच्चा गमा लेलक आ ओ ओकरा खोजय लेल गेल आ ओकरा पहाड़क चारू कात कूदैत सुनलक।
15 सीफो गेलाह आ देखलनि आ देखलनि जे पहाड़क तल मे एकटा पैघ गुफा अछि आ ओतय गुफाक प्रवेश द्वार पर एकटा पैघ पाथर छल, आ सिफो ओहि पाथर कें फाड़ि कऽ गुफा मे आबि गेलाह आ देखलनि आ देखलनि जे एकटा पैघ जानवर बैल कें खा रहल अछि। बीचसँ ऊपर मनुक्ख जकाँ आ बीचसँ नीचाँ जानवर जकाँ आ ज़ेफो ओहि जानवरक विरुद्ध उठि कऽ तलवारसँ मारि देलक।
16 कित्तीमक निवासी सभ ई बात सुनि कऽ बहुत हर्षित भऽ कऽ कहलथिन, "हम सभ एहि आदमी कें की करब जे हमरा सभक माल-जाल कें खा गेल एहि जानवर कें मारि देलक?"

17 ओ सभ साल मे एक दिन हुनका लेल समर्पित करबाक लेल जमा भऽ गेलाह आ हुनकर नाम पर एकर नाम सिफो रखलनि आ ओहि दिन साल दर साल हुनका लेल पेयबलि आनि दैत छलाह आ हुनका लेल उपहार अनैत छलाह।
18 ओहि समय मे राजा अन्जियाक पत्नी उजूक बेटी जनिया बीमार भ' गेलीह आ हुनकर बीमारी अनगेस आ हुनकर अफसर सभ कैँ बहुत महसूस कयलनि, आ अँगेयास अपन ज्ञानी लोकनि कैँ कहलथिन, "हम जनिया कैँ की करब आ ओकरा बीमारी सँ कोना ठीक करब?" हुनकर ज्ञानी लोकनि हुनका कहलथिन, "हमरा सभक देशक हवा कित्तीम देशक हवा जकाँ नहि अछि आ हमरा सभक पानि हुनका लोकनिक पानि जकाँ नहि अछि, तेँ एहि सँ रानी बीमार भ' गेल छथि।"
19 हवा आ पानि मे परिवर्तनक कारणेँ ओ बीमार भऽ गेलीह आ एहि लेल जे ओ अपन देश मे केवल ओहि पानि कैँ पीबैत छलीह जे हुनकर पूर्वज सभ पुलक संग पोसने छलाह।
20 अँगेआस अपन नोकर सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ कित्तीमक पर्माक जलक पात्र सभ हुनका लग अनलनि आ ओहि पानि कैँ अफ्रीकाक समस्त पानि सँ तौललनि आ ओ सभ पानि अफ्रीकाक पानि सँ हल्लुक पाबि गेलाह।
21 अनगेस ई बात देखि अपन सभ अधिकारी सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ हजार-दस हजार मे पाथर काटनिहार सभ कैँ जमा करथि, आ ओ सभ अनगिनत पाथर काटि लेलनि, आ बनौनिहार सभ आबि गेलाह आ एकटा अत्यंत मजबूत पुल बनौलनि, आ ओ सभ पानिक झरना कैँ चित्तीम भूमि सँ अफ्रीका धरि पहुँचा देलनि, आ ओ सभ पानि रानी जानिया आ ओकर सभटा चिन्ता लेल छल, जे ओ सभ पानि पीबि सकैत छल एहि सँ सेकब, धोउ आ नहाउ, आ संगहि ओहि सँ सभ बीया कैँ पानि देब जाहि सँ भोजन भेटि सकैत अछि, आ जमीनक सभटा फल।
22 राजा आज्ञा देलथिन जे ओ सभ कित्तीमक माटि कैँ पैघ-पैघ नाव मे आनब, आ ओहि मे सँ निर्माण करबाक लेल पाथर सेहो अनलनि, आ निर्माता सभ रानी जानियाक लेल महल बनौलनि, आ रानी हुनकर बीमारी सँ ठीक भ' गेलीह।
23 वर्षक क्रान्तिक समय मे अफ्रिकाक सेना सभ रोज जकाँ कित्तीम देश मे लूटपाट करबाक लेल अबैत रहल, आ एलीफाजक पुत्र सिफो हुनका सभक खबरि सुनलनि, आ ओ हुनका सभक विषय मे आज्ञा देलनि आ हुनका सभ सँ लड़लनि, आ ओ सभ हुनका सभ सँ पहिने भागि गेलाह आ ओ हुनका सभ सँ कित्तीम देश कैँ बचा लेलनि।
24 कित्तीमक सन्तान सभ सफोक शौर्य देखि कित्तीमक सन्तान सभ संकल्प लेलक आ ओ सभ जेफो कैँ ओकरा सभक राजा बना लेलक आ ओ सभ ओकरा सभक राजा बनि गेल।
25 हुनका सभक राजा जेफो हुनका सभक मुख् य मे गेलाह आ ओ सभ तुबल आ द्वीप सभ सँ युद्ध कयलनि आ ओ सभ हुनका सभ कैँ अपन वश मे कयलनि, आ युद्ध सँ घुरला पर हुनका सभक लेल हुनकर शासन नवीकरण कयलनि, आ हुनका सभक लेल हुनकर राजकीय आवास आ आसनक लेल एकटा बहुत पैघ महल बनौलनि, आ हुनका लेल एकटा पैघ सिंहासन बनौलनि, आ सेफो पचास वर्ष धरि पूरा कितिम देश आ इटालियन देश पर राज केलनि।

अध्याय 62

1 ओहि वर्ष इस्राएली सभक मिस्र देश मे जेबाक उनहत्तरि वर्ष भेला पर याकूबक पुत्र रूबेन मिस्र देश मे मरि गेलाह। रूबेन जखन मरला पर एक सय पच्चीस वर्षक छल, तखन ओकरा एकटा चिता मे राखि देलक आ ओकरा अपन बच्चा सभक हाथ मे देल गेलै।
2 अस्सीम वर्ष मे हुनकर भाय दान मरि गेलाह। मृत्युक समय ओ एक सय बीस वर्षक छलाह, आ हुनका सेहो एकटा चिता मे राखि देल गेलनि आ हुनका अपन बच्चा सभक हाथ मे देल गेलनि|
3 ओहि वर्ष एदोमक राजा चुशाम मरि गेलाह आ हुनकर बाद बेदादक पुत्र हदाद पैंतीस वर्ष धरि राज केलनि। एक अस्सीम वर्ष मे याकूबक पुत्र इस्साकर मिस्र मे मरि गेलाह आ इस्साकर अपन मृत्युक समय एक सय बाइस वर्षक छलाह आ मिस्र मे हुनका एकटा चिता मे राखि देल गेलनि आ हुनका अपन संतान सभक हाथ मे देल गेलनि।
4 बयासी वर्ष मे हुनकर भाय आशेर मरि गेलाह, हुनकर मृत्युक समय ओ तेइस वर्षक छलाह आ मिस्र मे एकटा चिता मे राखि देल गेलनि आ हुनका अपन सन्तान सभक हाथ मे सौंपल गेलनि।
5 तेरासी वर्ष मे गादक मृत्यु भेला पर ओ एक सय पच्चीस वर्षक भऽ गेलाह आ हुनका मिस्र मे एकटा चिता मे राखि देल गेलनि आ हुनका अपन सन्तान सभक हाथ मे देल गेलनि।
6 चौरासीम वर्ष मे, यानी एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदादक शासनक पचासम वर्ष मे हदाद एसावक सभ सन् तान कैँ जमा कऽ लेलक, आ ओ अपन समस्त सेना कैँ, लगभग चारि लाख आदमी कैँ तैयार कऽ लेलक आ मोआब देश दिस बढ़ल आ मोआब सँ लड़य लेल गेल आ ओकरा सभ कैँ कर देबऽ लेल गेल।
7 मोआबक लोक सभ ई बात सुनि कऽ बहुत भयभीत भऽ गेल आ ओ सभ मिद्यानक लोक सभ कैँ एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदाद सँ लड़बा मे सहायता करबाक लेल पठा देलक।
8 हदाद मोआब देश मे आबि गेलाह आ मोआब आ मिद्यानक लोक सभ हुनका सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह आ ओ सभ मोआबक खेत मे हुनका विरुद्ध युद्ध मे बैसि गेलाह।
9 हदाद मोआबक संग युद्ध केलक आ मोआब आ मिद्यानक लोक मे सँ बहुतो मारल गेल, लगभग दू लाख आदमी।
10 मोआब पर युद्ध बहुत भयंकर भ' गेल, आ जखन मोआबक लोक सभ देखलकै जे युद्ध ओकरा सभ पर भयंकर भ' गेलै, तखन ओ सभ अपन हाथ कमजोर क' क' पीठ घुमा देलकैक आ मिद्यानक लोक सभ कैँ युद्ध आगू बढ़ेबाक लेल छोड़ि देलकैक।
11 मिद्यानक लोक सभ मोआबक मंशा नहि जनैत छल, मुदा ओ सभ युद्ध मे अपना कैँ मजबूत कऽ लेलक आ हदाद आ ओकर समस्त सेना सँ लड़ल, आ समस्त मिद्यान हुनका सामने खसि पड़ल।
12 हदाद समस्त मिदियन कैँ भारी प्रहार सँ मारि देलक आ ओ ओकरा सभ कैँ तलवारक धार सँ मारि देलक आ मोआबक सहायता करऽ आबय बला सभ मे सँ कियो नहि बचल।
13 जखन मिद्यानक सभ सन् तान युद्ध मे नष्ट भऽ गेल आ मोआबक सन् तान सभ बचि गेल तखन हदाद ओहि समय मे समस्त मोआब कैँ कर दऽ देलक आ ओ सभ हुनकर हाथ मे आबि गेल आ ओ सभ सालाना कर दऽ देलक जेना आदेश देल गेल छलैक आ हदाद घुमि कऽ अपन देश दिस चलि गेल।
14 सालक क्रान्तिक समय मे जखन मिद्यानक बाँकी लोक सभ सुनलक जे मोआबक लेल हदादक संग युद्ध मे ओकर सभ भाय

खसि पड़ल अछि, कारण मोआबक सन् तान सभ युद्ध मे पीठ घुमा कऽ मिदियान सँ लड़बाक लेल छोड़ि गेल छल, तखन मिद्यानक पाँचटा राजकुमार अपन देश मे रहि गेल सभ भाय सभक संग लड़बाक लेल संकल्प कयलनि अपन भाइ सभक काज।
15 मिद्यानक लोक सभ अपन सभ भाय पूरबक सन् तान सभ कैँ आ अपन सभ भाय कैँ पठौलनि, जे केतुराक सभ सन् तान सभ मिद्यान कैँ मोआब सँ लड़बाक लेल सहायता करऽ लेल अयलाह।
16 मोआबक लोक सभ ई बात सुनि कऽ बहुत भयभीत भऽ गेलाह जे पूरबक समस्त लोक सभ हुनका सभक विरुद्ध युद्धक लेल जमा भऽ गेल अछि, आ ओ सभ मोआबक लोक सभ बेदादक पुत्र हदाद कैँ एदोम देश मे एकटा स्मारक पठौलनि।
17 आब हमरा सभक लग आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू आ हम सभ मिद्यान कैँ मारि देब, किएक तँ ओ सभ एक ठाम जमा भऽ गेल छल आ अपन समस्त भाय पूरबक सन् तान सभक संग हमरा सभक विरुद्ध युद्ध मे आयल अछि।
18 एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदाद अपन समस्त सेनाक संग मिद्यानक संग लड़बाक लेल मोआब देश दिस विदा भेलाह आ मिद्यान आ पूबक लोक सभ मोआबक खेत मे मोआबक संग लड़लनि आ दुनूक बीच युद्ध बहुत भयंकर भ' गेलनि।
19 हदद मिद्यानक सभ सन् तान आ पूरबक सन् तान सभ कैँ तलवारक धार सँ मारि देलक आ हदाद ओहि समय मे मोआब कैँ मिद्यानक हाथ सँ बचा लेलक आ मिद्यान आ पूरबक सन् तान मे सँ जे बचल छल, हदद आ ओकर सेना सँ आगू भागि गेल आ हदद ओकरा सभक पीछा-पाछाँ अपन देश धरि पहुँचि गेल आ ओकरा सभ कैँ बहुत भारी वध कऽ देलक आ मारल गेल लोक सभ सड़क पर खसि पड़ल।
20 हदाद मोआब कैँ मिद्यानक हाथ सँ बचा लेलक, कारण मिद्यानक सभ सन् तान तलवारक धार मे खसि पड़ल छल आ हदाद घुमि कऽ अपन देश दिस चलि गेल।
21 ओहि दिन सँ मिद्यानक लोक सभ मोआबक सन् तान सभ सँ घृणा करैत छल, किएक तँ ओ सभ हुनका सभक लेल युद्ध मे खसि पड़ल छल, आ भरि दिन हुनका सभक बीच बहुत आ प्रबल दुश्मनी छल।
22 मोआब देशक बाट मे मिद्यान मे जे किछु भेटल छल, से सभ मोआबक तलवार सँ नष्ट भ' गेल, आ मिद्यान देशक बाट मे मोआब मे जे किछु भेटल छल, से सब मिद्यानक तलवार सँ नष्ट भ' गेल। एहि तरहेँ मिद्यान मोआब आ मोआब मिद्यान धरि बहुत दिन धरि चलल।
23 ओहि समय याकूबक पुत्र यहूदा मिस्र मे मरि गेलाह, याकूबक मिस्र गेलाक छियासीम वर्ष मे, आ हुनकर मृत्युक समय यहूदा एक सय उनतीस वर्षक भ' गेलाह, आ ओ सभ हुनका मलही लगा कऽ चिता मे राखि देलनि आ हुनका अपन सन्तान सभक हाथ मे दऽ देल गेलनि।
24 उनअसीम वर्ष मे नफ्तालीक मृत्यु भेलनि, ओ एक सय बत्तीस वर्षक छलाह आ हुनका एकटा चिता मे राखि देल गेलनि आ हुनका अपन बच्चा सभक हाथ मे देल गेलनि।
25 इस्राएली सभ मिस्र दिस जेबाक एकनबे वर्ष मे, यानी एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र सफोक कित्तीम वंशज पर शासन करबाक तीसम वर्ष मे, अफ्रीकाक लोक सभ कित्तीमक सन् तान सभ कैँ रोजाना जकाँ लूटबाक लेल आबि गेलाह, मुदा ई तेरह वर्ष धरि ओ सभ हुनका सभ पर नहि आबि सकलाह।
26 ओहि वर्ष ओ सभ हुनका सभक लग आबि गेलाह आ एलीफाजक पुत्र सिफो अपन किछु आदमी सभक संग हुनका सभ लग जा कए हुनका सभ कैँ मारि देलकनि, आ अफ्रीकाक सेना सभ जेफोक सोझाँ सँ भागि गेल आ मारल गेल लोक सभ हुनका सभक सोझाँ खसि पड़लनि, आ सिफो आ ओकर आदमी सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह, जाबत धरि ओ सभ अफ्रीकाक नजदीक नहि पहुँचि गेलाह।
27 अफ्रिकाक राजा अन्जियास जेफोक काज सुनि कऽ हुनका बहुत परेशान कयलनि आ अनजियास भरि दिन सिफो सँ डरैत रहलाह।

अध्याय 63

1 तेनबे वर्ष मे याकूबक पुत्र लेवी मिस्र मे मरि गेलाह आ लेवी मरला पर एक सय सत्तीस वर्षक छलाह आ ओ सभ हुनका एकटा चिता मे राखि देलनि आ हुनका अपन सन्तान सभक हाथ मे देल गेलनि।
2 लेवीक मृत्युक बाद जखन समस्त मिस्र देखलक जे यूसुफक भाय याकूबक पुत्र सभ मरि गेल अछि, तखन सभ मिस्रवासी याकूबक सन् तान सभ कैँ कष्ट देबय लगलाह आ ओहि दिन सँ मिस्र सँ निकलबाक दिन धरि अपन जीवन कैँ कटु करय लगलाह आ ओ सभ अपन हाथ सँ ओ सभ अंगूरक बाग आ खेत जे यूसुफ हुनका सभ कैँ देने छलाह, आ सभटा भव्य घर सभ कैँ ल' लेलनि जीवित रहल, आ मिस्रक सभ मोटा-मोटी, मिस्रक लोक सभ ओहि समय मे याकूबक पुत्र सभ सँ सभटा ल' लेलक।
3 ओहि समय मे समस्त मिस्रक हाथ इस्राएलक सन् तान सभक विरुद्ध आरो गड़बड़ भऽ गेल आ मिस्रक लोक सभ इस्राएली सभ कैँ ताबत धरि घायल कऽ देलक जाबत धरि मिस्रक लोक सभक कारणेँ इस्राएलक लोक सभ अपन जान सँ थाकि गेल।
4 एहि दिन मे इस्राएलक मिस्र गेलाक सय दोसर वर्ष मे मिस्रक राजा फिरौन मरि गेलाह, आ हुनकर स्थान पर हुनकर पुत्र मेलोल राज केलनि आ मिस्रक सभ पराक्रमी आ यूसुफ आ हुनकर भाय सभ कैँ चिन्हनिहार सभ पीढ़ी मरि गेलाह।
5 हुनका सभक बदला मे एकटा आओर पीढ़ी उठि गेल जे याकूबक पुत्र सभ कैँ नहि चिन्हलक आ ओ सभ हुनका सभक संग कयल गेल सभटा नीक काज आ मिस्र मे अपन सभ सामर्थ् य कैँ नहि चिन्हलक।
6 एहि लेल पूरा मिस्र ओहि दिन सँ याकूबक पुत्र सभक जीवन कैँ कटु करय लागल आ ओकरा सभ कैँ तरह-तरह केर कठिन परिश्रम सँ कष्ट करय लागल, किएक तँ ओ सभ अपन पूर्वज कैँ नहि चिन्हने छल जे ओकरा सभ कैँ अकाल मे उद्धार केने छल।
7 ई बात सेहो परमेश् वरक दिस सँ छल, इस्राएलक सन् तान सभक लेल, जाहि सँ हुनका सभक अंतिम समय मे हुनका सभक लाभ भेटि जाय, जाहि सँ सभ इस्राएलक सन् तान अपन परमेश् वर परमेश् वर कैँ जानथि।
8 प्रभु अपन प्रजा इस्राएलक कारणेँ मिस्र मे जे चिन् त्र आ पराक्रमी चमत् कार करताह, तकरा जानबाक लेल, जाहि सँ इस्राएलक सन् तान सभ अपन पूर्वजक परमेश् वर परमेश् वर सँ डेरा सकथि आ हुनकर सभ बाट पर चलथि, ओ सभ आ हुनकर वंशज सभ दिन हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चलत।
9 जखन मेलोल राज करय लगलाह तखन बीस वर्षक छलाह आ चौनब्बे वर्ष धरि राज केलनि आ समस्त मिस्र हुनकर नाम अपन

पिताक नाम पर फिरौन रखलनि, जेना मिस्र मे हुनका सभ पर राज करयवला प्रत्येक राजाक संग करबाक प्रथा छलनि।
10 ओहि समय मे अफ्रीकाक राजा एन्जियसक सभ सैनिक लूटपाट करबाक लेल रोजाना जकाँ चित्तीम भूमि मे पसरल गेल।
11 एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र सीफो हुनका सभक खबरि सुनलनि आ ओ अपन सेनाक संग हुनका सभ सँ भेंट करय लेल निकलि गेलाह आ ओतहि रस्ता मे हुनका सभ सँ लड़लनि।
12 जेफो अफ्रीकाक राजाक सैनिक सभ केँ तलवारक धार सँ मारि देलक आ ओकरा सभ मे सँ कियो नहि बचल, आ एको गोटे अफ्रीका मे अपन मालिक लग नहि घुरल।
13 एलीफाजक पुत्र ज़ेफो अपन सभ सैनिकक संग जे काज केने छल, से सुनलनि जे ओ ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देलक, आ अनजियास अपन सभ सैनिक, अफ्रीकाक सभ लोक, समुद्रक कात मे बालु जकाँ संख्या मे लोक केँ जमा कऽ लेलक।
14 तखन अनजियास अपन भाय लूकुस लग पठौलनि जे, "अपन सभ आदमीक संग हमरा लग आबि कऽ जेफो आ कित्तीमक सभ सन् तान सभ केँ मारि देबा मे हमरा मदति करू, जे हमर आदमी सभ केँ नष्ट कऽ देने अछि, आ लुकस अपन समस्त सेना, एकटा बहुत पैघ सेनाक संग आबि गेलाह, जे अपन भाय अँगेआस केँ जेफो आ कित्तीमक सन् तान सभक संग लड़बा मे सहायता करथि।"
15 सीफो आ कित्तीमक सन् तान सभ ई बात सुनि कऽ बहुत भयभीत भऽ गेलाह आ हुनका सभक मोन मे बहुत भयभीत भऽ गेलनि।
16 सफो सेहो एदोम देश मे एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदाद आ एसावक समस्त सन् तान केँ पत्र पठौलनि।
17 हम सुनने छी जे अफ्रीकाक राजा एन्जियस हमरा सभक संग युद्ध करबाक लेल अपन भाइक संग हमरा सभ लग आबि रहल छथि, आ हम सभ हुनका सँ बहुत डरैत छी, कारण हुनकर सेना बहुत पैघ अछि, खास क' जखन ओ अपन भाय आ अपन सेना केँ सेहो हमरा सभक विरुद्ध अबैत छथि।
18 आब अहाँ सभ सेहो हमरा संग आबि हमरा मदति करू, आ हम सभ मिलिकय एन्जियस आ ओकर भाय लुकस सँ लड़ब, आ अहाँ सभ हमरा सभ केँ हुनका सभक हाथ सँ बचा लेब, मुदा जँ नहि तऽ अहाँ सभ ई जानि लिअ जे हम सभ मरि जायब।
19 एसावक सन् तान सभ कित्तीम आ ओकर राजा सफो केँ पत्र पठौलनि जे, "हम सभ अंजियस आ ओकर लोकक विरुद्ध नहि लड़ि सकैत छी, किएक तँ हमरा सभक बीच एतेक वर्ष धरि शान्तिक वाचा अछि, जे पहिल राजा बेलाक समय सँ आ मिस्रक राजा याकूबक पुत्र यूसुफक समय सँ, जिनका संग हम सभ यरदन नदीक ओहि पार लड़ल रही जखन ओ अपन पिता केँ गाड़ि देलनि।"
20 जखन सीफो अपन भाय एसावक सन् तान सभक बात सुनि कऽ ओकरा सभ सँ परहेज कयलनि, आ सेफो अनजिया सँ बहुत डरा गेलाह।
21 अनगेस आ ओकर भाय लुकुस अपन सभ सेना, लगभग आठ लाख आदमी, कित्तीमक सन् तान सभक विरुद्ध ठाढ़ कयलनि।
22 कित्तीमक सभ सन् तान सफ़ो केँ कहलथिन, "अपन पूर्वजक परमेश् वर सँ हमरा सभक लेल प्रार्थना करू, संभवतःओ हमरा सभ केँ अंजियस आ ओकर सेनाक हाथ सँ बचा सकैत छथि, किएक तँ हम सभ सुनने छी जे ओ एकटा पैघ परमेश् वर छथि आ हुनका पर भरोसा करनिहार सभ केँ उद्धार करैत छथि।"
23 सीफो हुनका सभक बात सुनलनि आ सिफो प्रभु केँ तकलनि आ कहलथिन।
24 0 हमर पूर्वज अब्राहम आ इसहाकक परमेश् वर प्रभु, आइ हम जनैत छी जे अहाँ सत् य परमेश् वर छी आ जाति सभक सभ देवता व्यर्थ आ बेकार छथि।
25 आइ हमरा मोन पाड़ू जे हमरा सभक पिता अब्राहमक संग अहाँक वाचा हमरा सभक पूर्वज सभ हमरा सभ केँ कहने छलाह, आ आइ हमरा संग कृपापूर्वक करू, हमरा सभक पूर्वज अब्राहम आ इसहाकक लेल, आ हमरा आ कित्तीमक सन् तान सभ केँ अफ्रीकाक राजाक हाथ सँ बचाउ जे हमरा सभक विरुद्ध युद्धक लेल अबैत छथि।
26 प्रभु अब्राहम आ इसहाकक कारणेँ सोफोक आवाज सुनलनि आ परमेश् वर सफो आ कित्तीमक सन् तान सभ केँ अनजिया आ ओकर लोकक हाथ सँ बचा लेलनि।
27 ओहि दिन सफो अफ्रीकाक राजा अँगेआस आ ओकर समस्त लोक सँ लड़लनि, आ प्रभु अनजियाक सभ लोक केँ कित्तीमक सन् तान सभक हाथ मे दऽ देलनि।
28 अँगेआस पर युद्ध भयंकर भऽ गेल आ ज़ेफो तलवारक धार सँ अंजियस आ ओकर भाय लूकसक सभ आदमी केँ मारि देलक आ ओहि दिनक साँझ धरि ओकरा सभ सँ करीब चारि लाख आदमी खसि पड़ल।
29 जखन एन्जियस देखलनि जे हुनकर सभ लोकक नाश भऽ गेलनि तँ ओ अफ्रीकाक सभ निवासी केँ एकटा पत्र पठौलनि जे ओ हुनका लग आबि कऽ युद्ध मे सहायता करथि, आ पत्र मे लिखलनि जे, "अफ्रिका मे जे सभ भेटत से दस वर्ष सँ ऊपरक उम्र सँ हमरा लग आबि जाय। सभ हमरा लग आबि जाउ, आ देखू जँ ओ नहि आओत तँ ओ मरि जेताह, आ जे किछु हुनका लग अछि, ओकर समस्त घरक लोकक संग राजा लऽ लेताह।
30 आफ्रिकाक बाकी सभ निवासी अनजियाक बात सुनि आतंकित भऽ गेलाह आ दस वर्ष सँ ऊपरक करीब तीन लाख आदमी आ लड़का शहर सँ बाहर निकलि गेलाह आ ओ सभ अंजियास मे आबि गेलाह।
31 दस दिनक अंत मे अँगेआस सफ़ो आ कित्तीमक सन् तान सभक विरुद्ध युद्ध नव कयलनि आ दुनूक बीच युद्ध बहुत पैघ आ प्रबल भऽ गेल।
32 अनजिया आ लुकुसक सेना मे सँ ज़ेफो घायल मे सँ बहुतो लोक केँ अपन हाथ मे पठौलनि, लगभग दू हजार आदमी, आ ओहि युद्ध मे अंजियसक सेनाक सेनापति सोसिफ्तार खसि पड़लाह।
33 सोसिफ्तार खसि पड़ला पर अफ्रीकी सेना सभ पलायन करबाक लेल पीठ घुमा लेलक आ ओ सभ भागि गेल आ अनजिया आ ओकर भाय लुकस ओकरा सभक संग छल।
34 सफो आ कित्तीमक सन्तान सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चललनि आ ओ सभ हुनका सभ केँ सड़क पर एखनो भारी मारि देलकनि, जे करीब दू सय आदमी छल, आ ओ सभ हुनकर पिताक संग भागि गेल अंजियसक पुत्र अज्द्रुबल केँ पाछाँ-पाछाँ मारि देलक आ ओकर बीस गोटे केँ सड़क पर मारि देलक आ अज्द्रुबल कित्तीमक सन्तान सभ सँ बचल, आ ओ सभ ओकरा नहि मारलक।
35 अनजिया आ ओकर भाय लूकुस अपन बाकी आदमी सभक संग भागि गेलाह आ ओ सभ भागि गेलाह आ आतंकित भऽ

अफ्रीका मे आबि गेलाह, आ अंजियस भरि दिन डरैत रहलाह जे कहीं एलीफाजक पुत्र ज़ेफो ओकरा संग युद्ध नहि कऽ जाय।

अध्याय 64

1 ओहि समय मे बेओरक पुत्र बिलाम अँगेआसक संग युद्ध मे छलाह, तखन ओ देखलनि जे सिफो अंगेआस पर विजय प्राप्त करैत छथि, तखन ओ ओतय सँ भागि कऽ कित्तीम पहुँचलाह।
2 सीफो आ कित्तीमक सन्तान सभ हुनका बहुत आदरपूर्वक स्वागत कयलनि, किएक तँ सिफो बिलामक बुद्धि केँ जनैत छलाह आ सिफो बिलाम केँ बहुत रास वरदान देलनि आ ओ हुनका संग रहि गेलाह।
3 सीफो युद्ध सँ घुरला पर ओ चित्तीमक सभ सन् तान केँ गिनबाक आज्ञा देलथिन जे हुनका संग युद्ध मे गेल छल, मुदा एको गोटे केँ नहि छूटल।
4 सीफो एहि बात पर आनन्दित भेलाह आ ओ अपन राज्यक नवीकरण कयलनि आ अपन सभ प्रजाक लेल भोज कयलनि।
5 मुदा सफो प्रभुक स्मरण नहि केलक आ ई नहि बुझलक जे प्रभु हुनका युद्ध मे सहायता केने छथि आ हुनका आ हुनकर लोक केँ अफ्रीकाक राजाक हाथ सँ बचा लेलनि, मुदा तइयो कित्तीम आ एसावक दुष्ट सन्तान सभक बाट पर चलैत रहलाह, आ दोसर देवता सभक सेवा करबाक लेल जे हुनकर भाय एसावक सन्तान हुनका सिखौने छलाह। तेँ कहल गेल अछि जे, "दुष्ट सँ दुष्टता निकलैत अछि।"
6 सीफो कित्तीमक सभ सन् तान पर सुरक्षित रूपेँ राज् य कयलनि, मुदा प्रभु केँ नहि चिन्हलनि जे हुनका आ हुनकर सभ लोक केँ अफ्रीकाक राजाक हाथ सँ बचा लेलनि। आ अफ्रीकाक सेना सभ आब रोज जकाँ लूटपाट करबाक लेल चित्तिम मे नहि आयल छल, कारण ओकरा सभ केँ सिफोक शक्तिक बारे मे पता छलैक जे ओकरा सभ केँ तलवारक धार सँ मारि देने छलैक, तेँ अँगेयास भरि दिन एलीफाजक पुत्र जेफो आ कित्तीमक सन्तान सभ सँ डरैत रहल।
7 ओहि समय जखन सीफो युद्ध सँ घुरल छल आ जखन सीफो देखलक जे कोना ओ अफ्रीकाक समस्त लोक पर विजयी भऽ गेल छल आ युद्ध मे ओकरा सभ केँ तलवारक धार सँ मारि देलक, तखन सीफो चित्तीमक सन्तान सभक संग सलाह देलक जे याकूबक पुत्र सभ आ मिस्रक राजा फिरौन सँ लड़बाक लेल मिस्र जाउ।
8 सीफो सुनलक जे मिस्रक पराक्रमी सभ मरि गेल अछि आ यूसुफ आ ओकर भाय याकूबक बेटा सभ मरि गेल अछि आ ओकर सभ सन् तान इस्राएल मिस्र मे रहि गेल अछि।
9 सीफो हुनका सभ आ समस्त मिस्रक विरुद्ध लड़बाक लेल जेबाक विचार कयलनि, जाहि सँ ओ अपन भाय एसावक सन् तान सभक बदला लेथि, जिनका यूसुफ अपन भाय सभ आ समस्त मिस्र कनान देश मे मारि देने छलाह, जखन ओ सभ याकूब केँ हेब्रोन मे गाड़य लेल गेल छलाह।
10 सीफो एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदाद आ ओकर सभ भाय एसावक सन् तान लग दूत पठौलनि।
11 की अहाँ ई नहि कहलहुँ जे अहाँ अफ्रीकाक राजा सँ लड़ब नहि, कारण ओ अहाँक वाचाक सदस्य छथि? देखू, हम ओकरा संग लड़लहुँ आ ओकरा आ ओकर सभ लोक केँ मारि देलहुँ।
12 आब हम मिस्र आ याकूबक सन् तान सभक संग लड़बाक संकल्प कऽ लेने छी जे ओतऽ रहनिहार याकूबक सन् तान सभक विरुद्ध लड़ब, आ हम हुनका सभक बदला लेबऽ लेब जे यूसुफ, हुनकर भाय आ पूर्वज सभ कनान देश मे हमरा सभक संग जे केने छलाह, जखन ओ सभ अपन पिता केँ हेब्रोन मे दफनाबय गेल छलाह।
13 आब जँ अहाँ सभ हमरा लग आबि कऽ हुनका सभ आ मिस्रक विरुद्ध लड़बा मे हमरा सहायता करऽ चाहैत छी तँ हम सभ अपन भाय सभक बदला लेब।
14 एसावक सन् तान सभ सफोक वचन सुनलनि आ एसावक सन् तान सभ बहुत पैघ लोक सभ एक ठाम जमा भऽ गेलाह आ ओ सभ सफो आ कित्तीमक सन् तान सभक युद्ध मे सहायता करऽ लेल गेलाह।
15 तखन जेफो पूबक समस्त लोक सभ आ इस्माइलक समस्त लोक सभ केँ एहि तरहक बात सभ केँ पठौलनि आ ओ सभ जमा भ' गेलाह आ मिस्र पर युद्ध मे जेफो आ कित्तीमक सन् तान सभक सहायता कयलनि।
16 ई सभ राजा, एदोमक राजा आ पूरबक सन् तान सभ, इस्माइलक सभ सन् तान आ कित्तीमक राजा सफो सेहो निकलि गेलाह आ अपन सभ सेना केँ हेब्रोन मे सजौलनि।
17 डेरा बहुत भारी छल, जे तीन दिनक यात्राक दूरी पर छल, समुद्रक कात मे बालु जकाँ अनेक लोक छल जकर गिनती नहि कयल जा सकैत अछि।
18 ई सभ राजा आ ओकर सभक सेना उतरि कऽ समस्त मिस्रक विरुद्ध युद्ध मे आबि गेल आ पथरोस उपत्यका मे एक संग डेरा खसा लेलक।
19 समस्त मिस्र हुनका सभक खबरि सुनलनि आ ओ सभ मिस्र देशक समस्त लोक आ मिस्रक सभ नगर मे करीब तीन लाख आदमी एक ठाम जमा भ' गेलाह।
20 मिस्रक लोक सभ ओहि समय मे गोशेन देश मे रहनिहार इस्राएलक लोक सभ केँ सेहो पठौलनि जे ओ सभ एहि राजा सभ सँ लड़बाक लेल हुनका सभ लग आबि जाय।
21 इस्राएलक लोक सभ जमा भेल आ करीब एक सय पचास आदमी छल आ ओ सभ मिस्रक लोक सभक सहायता करबाक लेल युद्ध मे निकलि गेल।
22 इस्राएल आ मिस्रक लोक सभ करीब तीन लाख आ एक लाख पचास आदमीक संग निकलि गेलाह आ ओ सभ एहि राजा सभ दिस युद्ध करबाक लेल गेलाह आ ओ सभ गोशेन देशक बाहर सँ पथरोसक सोझाँ ठाढ़ भ' गेलाह।
23 मिस्रवासी सभ इस्राएल पर विश्वास नहि केलक जे ओ सभ अपन-अपन डेरा मे एक संग युद्ध मे जेताह, किएक तँ सभ मिस्रवासी कहैत छल जे, "शायद इस्राएलक सन् तान हमरा सभ केँ एसाव आ इस्माइलक सन् तानक हाथ मे सौंप देत, किएक तँ ओ सभ अपन भाय छथि।"
24 तखन सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ एतय एक संग ठाढ़ रहू आ हम सभ जा कऽ एसाव आ इस्माइलक सन् तान सभक संग लड़ब, आ जँ ई राजा सभ हमरा सभ पर विजयी भऽ जाय तँ अहाँ सभ हुनका सभ पर आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू आ इस्राएलक सन् तान सभ सेहो एना केलक।"
25 कित्तीमक राजा एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र सफो, एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदाद, ओकर सभटा डेरा, पूबक समस्त लोक

आ इस्माइलक सन्तान, जे बालु जकाँ संख्या मे लोक छल, ताकपन्चेसक सोझाँ पथ्रोस घाटी मे एक संग डेरा खसा रहल छल।
26 अरामी बेओरक पुत्र बिलाम ओतहि सफोक शिविर मे छलाह, किएक तऽ ओ कित्तीमक सन् तान सभक संग युद्ध मे आयल छलाह, आ बिलाम सफो आ ओकर आदमी सभक नजरि मे बहुत सम्मानित लोक छलाह।
27 सीफो बिलाम केँ कहलथिन, "हमरा सभक लेल भविष्यवाणी कऽ कऽ कोशिश करू जाहि सँ हम सभ ई जानि सकब जे युद्ध मे के जीतत, हम सभ वा मिस्रवासी।"
28 बिलाम उठि कऽ भविष्यवाणी करबाक कला मे निपुण भऽ गेलाह आ ओ एहि बातक ज्ञान मे निपुण छलाह, मुदा ओ भ्रमित भऽ गेलाह आ हुनकर हाथ मे काज नष्ट भऽ गेलनि।
29 ओ फेर सँ एकर प्रयास कयलनि मुदा सफल नहि भेल, आ बिलाम एकरा छोड़ि कऽ पूरा नहि कयलनि, किएक तँ ई बात प्रभुक दिस सँ छल, जाहि सँ जेफो आ ओकर लोक इस्राएलक सन् तान सभक हाथ मे पड़ि जाय, जे अपन युद्ध मे अपन पूर्वजक परमेश् वर परमेश् वर पर भरोसा केने छल।
30 सीफो आ हदाद अपन सेना केँ युद्ध मे बैसा देलथिन आ समस्त मिस्री लोकनि असगरे हुनका सभक विरुद्ध भऽ गेलाह, लगभग तीन लाख आदमी, आ इस्राएलक एको आदमी हुनका सभक संग नहि छल।
31 सभ मिस्रवासी एहि राजा सभक संग पथरोस आ तचपन्चेसक सोझाँ लड़लनि आ मिस्रक लोक सभक विरुद्ध युद्ध भयंकर भऽ गेलनि।
32 ओहि युद्ध मे राजा मिस्रक लोक सभ सँ बेसी बलशाली छल, आ ओहि दिन मिस्रक करीब एक सय अस्सी आदमी खसि पड़ल, आ राजा सभक सेना मे सँ करीब तीस आदमी, आ मिस्रक सभ लोक राजा सभक आगू सँ भागि गेल, तेँ एसाव आ इस्माइलक सन् तान मिस्रक लोक सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहल, जाहि ठाम इस्राएलक लोकक डेरा छल।
33 सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभ केँ चिचिया उठलनि, "जल्दी हमरा सभ लग जाउ आ हमरा सभक सहायता करू आ हमरा सभ केँ एसाव, इस्माइल आ कित्तीमक सन् तान सभक हाथ सँ बचाउ।"
34 इस्राएलक सय पचास आदमी अपन थान सँ दौड़ि कऽ एहि राजा सभक शिविर मे आबि गेलाह आ इस्राएलक लोक सभ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ हुनका सभ केँ उद्धार करबाक लेल पुकारलनि।
35 परमेश् वर इस्राएलक बात सुनलनि आ परमेश् वर राजा सभक सभ आदमी केँ हुनका सभक हाथ मे दऽ देलनि आ इस्राएलक सन् तान सभ एहि राजा सभ सँ लड़लनि आ इस्राएलक सन् तान सभ राजा सभक करीब चारि हजार आदमी केँ मारि देलक।
36 परमेश् वर राजा सभक शिविर मे बहुत आतंकित कयलनि, जाहि सँ इस्राएलक सन् तान सभक भय हुनका सभ पर पड़ि गेलनि।
37 राजा सभक सभ सेना इस्राएलक सन् तान सभक आगाँ सँ भागि गेल आ इस्राएलक सन् तान सभ हुनका सभ केँ कुश देशक सीमा धरि मारि-पीछा करैत हुनका सभक पीछा कयलक।
38 इस्राएलक लोक सभ दू हजार आदमी केँ बाट मे मारि देलक आ इस्राएलक लोक मे सँ एको गोटे नहि खसल।
39 मिस्रवासी सभ देखलक जे इस्राएलक लोक सभ राजा सभक संग एतेक कम लोकक संग लड़ल अछि आ ओकरा सभक विरुद्ध युद्ध एतेक कठोर अछि।
40 प्रबल युद्धक कारणेँ सभ मिस्रवासी अपन जान सँ बहुत डेरा गेल, आ समस्त मिस्र भागि गेल, प्रत्येक आदमी सज-धज मे सजल सेना सँ नुका गेल, आ ओ सभ रस्ता मे नुका गेल आ इस्राएली सभ केँ लड़बाक लेल छोड़ि देलक।
41 इस्राएलक लोक सभ राजा सभक आदमी सभ पर भयंकर प्रहार कयलक आ ओ सभ ओकरा सभ केँ कुश देशक सीमा धरि भगा देलक।
42 समस्त इस्राएल जनैत छल जे मिस्रक लोक सभ ओकरा सभक संग जे काज केने छल, ओ सभ ओकरा सभ सँ युद्ध मे भागि गेल छल आ ओकरा सभ केँ असगरे लड़बाक लेल छोड़ि देलक।
43 इस्राएलक सन्तान सभ सेहो धूर्तताक संग काज केलक आ जखन इस्राएलक लोक सभ युद्ध सँ घुरैत छल तखन ओ सभ मिस्रवासी मे सँ किछु गोटे केँ रस्ता मे पाबि कऽ ओतहि मारि देलक।
44 जाबत ओ सभ ओकरा सभ केँ मारि रहल छल तखन ओ सभ ओकरा सभ केँ ई बात कहलक।
45 अहाँ सभ हमरा सभ सँ किछु लोक बनि कऽ हमरा सभ केँ किएक छोड़ि कऽ एहि राजा सभ सँ लड़लहुँ जे हमरा सभ केँ मारबाक लेल बहुत पैघ लोक छल, जाहि सँ अहाँ सभ अपन प्राण केँ बचा सकब?
46 इस्राएली सभ सड़क पर भेटल किछु लोकक विषय मे ओ सभ इस्राएली सभ एक-दोसर सँ बजलाह, "मारू, मारि दियौक, किएक तँ ओ इश्माएल वा एदोमी वा कित्तीमक सन् तान मे सँ छथि, आ ओ सभ हुनका ऊपर ठाढ़ भऽ हुनका मारि देलथिन आ ओ सभ बुझि गेलाह जे ओ मिस्रवासी छथि।"
47 इस्राएलक सन् तान मिस्रक लोक सभक विरुद्ध ई सभ धूर्ततापूर्वक कयलक, किएक तँ ओ सभ युद्ध मे ओकरा सभ केँ छोड़ि कऽ ओकरा सभ सँ भागि गेल छल।
48 इस्राएलक लोक मिस्रक लोक सभ मे सँ लगभग दू सय आदमी केँ एहि तरहेँ बाट मे मारि देलक।
49 इस्राएलक सन् तान सभ हुनका सभक संग जे अधलाह केने छल, तकरा सभ मिस्रक लोक देखि रहल छल, तेँ पूरा मिस्र इस्राएलक सन् तान सभ सँ बहुत डेरा गेल छल, किएक तँ ओ सभ अपन महान सामर्थ् य देखि गेल छल आ ओकरा सभ मे सँ एको आदमी नहि खसल छल।
50 इस्राएलक सभ सन् तान गोशेन नगरक बाट मे हर्षित भऽ कऽ घुरि गेलाह आ मिस्रक शेष लोक सभ एक-एक गोटे अपन-अपन स्थान पर घुरि गेलाह।

अध्याय 65

1 एहि बातक बाद मिस्रक राजा फिरौनक सभ सलाहकार आ मिस्रक सभ बुजुर्ग सभ जमा भऽ राजाक सोझाँ आबि कऽ जमीन पर प्रणाम कयलनि आ हुनका सभक सोझाँ बैसलाह।
2 मिस्र देशक सल्लाहकार आ बूढ़ सभ राजा सँ कहलथिन।
3 देखू, इस्राएलक लोक हमरा सभ सँ पैघ आ पराक्रमी अछि, आ अहाँ सभ जनैत छी जे ओ सभ हमरा सभक संग युद्ध सँ घुरैत काल बाट मे जे किछु दुष् टता केने छल।

4 आ अहाँ हुनका सभक प्रबल शक्ति सेहो देखलहुँ, किएक तँ ई सामर्थ् य हुनका सभक लेल हुनका सभक पूर्वज सभ सँ भेटैत अछि, किएक तँ किछुए लोक बालु जकाँ असंख्य लोकक विरुद्ध ठाढ़ भऽ हुनका सभ कैँ तलवारक धार सँ मारि देलकनि, आ अपना मे सँ कियो नहि खसल, जाहि सँ जँ ओ सभ संख्या मे रहितथि तँ ओ सभ ओकरा सभ कैँ एकदम सँ नष्ट कऽ दैतथिन।
5 आब हमरा सभ कैँ ई सलाह दिअ जे ओकरा सभक संग की कयल जाय, जाबत धरि हम सभ ओकरा सभ कैँ धीरे-धीरे अपना मे सँ नष्ट नहि कऽ देब, जाहि सँ ओ सभ हमरा सभक लेल एहि देश मे बेसी नहि भ' जाय।
6 जँ इस्राएलक सन् तान सभ एहि देश मे बढ़ि जायत तँ ओ सभ हमरा सभक लेल बाधा बनि जायत आ जँ कोनो युद्ध होयत तँ ओ सभ अपन पैघ शक्ति सँ हमरा सभक शत्रु सँ जुड़ि कऽ हमरा सभक विरुद्ध लड़त, हमरा सभ कैँ ओहि देश सँ नष्ट कऽ देत आ ओहि सँ दूर भऽ जायत।
7 तखन राजा मिस्रक बुजुर्ग सभ कैँ उत्तर देलथिन आ कहलथिन, “इस्राएलक विरुद्ध ई योजना अछि, जाहि सँ हम सभ नहि हटब।
8 देखू, ओहि देश मे पिथोम आ रामसेस, युद्धक लेल अकुशल शहर अछि, जकर निर्माण आ किलाबंदी करब अहाँ आ हमरा सभ कैँ उचित अछि।
9 आब अहाँ सभ सेहो जाउ आ हुनका सभक प्रति धूर्ततापूर्वक काज करू आ मिस्र आ गोशेन मे राजाक आज्ञा पर एकटा आवाज प्रचार करू।
10 अहाँ सभ मिस्र, गोशेन, पथ्रोस आ ओकर सभ निवासी! राजा हमरा सभ कैँ आज्ञा देने छथि जे पिथोम आ रामसेसक निर्माण करू आ युद्धक लेल ओकरा सभ कैँ मजबूत करी। जे अहाँ सभ मे सँ समस्त मिस्र, इस्राएल आ नगर मे रहनिहार सभ मे सँ हमरा सभक संग निर्माण करऽ लेल तैयार छथि, हुनका सभ कैँ राजाक आदेश पर प्रतिदिन अपन मजदूरी देल जायत। तेँ पहिने जाउ आ धूर्तता करू, आ अपना कैँ जमा करू आ पिथोम आ रामसेस मे निर्माण करबाक लेल आबि जाउ।
11 जाबत अहाँ सभ निर्माण करैत छी ताबत राजाक आज्ञा पर सभ दिन पूरा मिस्र मे एहि तरहक घोषणा करू।
12 जखन इस्राएलक किछु लोक अहाँ सभक संग निर्माण करऽ आओत तँ अहाँ सभ ओकरा सभ कैँ किछु दिनक लेल रोजाना ओकर मजदूरी देब।
13 जखन ओ सभ अहाँ सभक संग अपन रोजमर्राक भाड़ाक लेल बनौताह तखन एक-एक कए गुप्त रूप सँ हुनका सभ सँ घसीटैत रहू, तखन अहाँ सभ उठि कऽ हुनका सभक कार्य-स्वामी आ अधिकारी बनि जायब, आ बाद मे हुनका सभ कैँ बिना मजदूरी के निर्माण करबाक लेल छोड़ि देबनि, आ जँ ओ सभ मना कऽ देताह तँ हुनका सभ कैँ अपन पूरा ताकत सँ निर्माण करबाक लेल बाध्य कऽ देबनि।
14 जँ अहाँ सभ ई काज करब तँ हमरा सभक लेल नीक होयत जे हम सभ इस्राएलक सन् तान सभक विरुद्ध अपन देश कैँ मजबूत करी, किएक तँ भवन आ काजक थकानक कारणेँ इस्राएलक संतान सभ कम भऽ जायत, किएक तँ अहाँ सभ ओकरा सभ कैँ दिन-प्रतिदिन पत्नी सभ सँ वंचित कऽ देब।
15 मिस्रक सभ बुजुर्ग राजाक सलाह सुनलनि आ ओ सभ हुनका सभक नजरि आ फिरौनक सेवक सभक नजरि आ समस्त मिस्रक नजरि मे नीक लागल आ ओ सभ राजाक वचनक अनुसार काज कयलनि।
16 सभ नोकर राजा सँ दूर भऽ गेल आ ओ सभ पूरा मिस्र, तचपंच आ गोशेन आ मिस्रक चारूकातक समस्त नगर सभ मे ई घोषणा कयलक।
”
18 राजा हमरा सभ कैँ आज्ञा देलनि जे जँ ओ सभ फेर सँ हमरा सभक विरुद्ध आबि जायत तँ ओहि देश कैँ मजबूत करू, पिथोम आ रामसेस नगरक निर्माण करू।
19 अहाँ सभ मे सँ जे कियो पूरा मिस्र आ इस्राएलक सन् तान सँ हमरा सभक संग निर्माण करबाक लेल आओत, ओकरा राजा द्वारा देल जायत, जेना ओकर आज्ञा हमरा सभक लेल अछि।
20 मिस्र आ समस्त इस्राएलक लोक जखन फिरौनक नौकर सभक सभ बात सुनलक तँ मिस्र आ इस्राएलक लोक सभ फारोक सेवक, पिथोम आ रामसेस सभक संग निर्माण करबाक लेल आबि गेल, मुदा लेवीक सन् तान मे सँ कियो अपन भाय सभक संग निर्माण करबाक लेल नहि आयल।
21 फिरौनक सभ नौकर आ हुनकर मुखिया सभ पहिने छल-कपट सँ पूरा इस्राएलक संग नित्य भाड़ाक मजदूर बनि कऽ निर्माण करबाक लेल आबि गेलाह आ ओ सभ शुरू मे इस्राएल कैँ अपन रोजमर्राक भाड़ा दऽ देलनि।
22 फिरौनक सेवक सभ इस्राएलक संग एक मास धरि एहि काज मे लागल रहलाह।
23 मासक अंत मे फिरौनक सभ सेवक सभ रोज इस्राएलक लोक सभ सँ गुप्त रूप सँ हटि जाय लागल।
24 ओहि समय मे इस्राएल एहि काज मे लागल छल, मुदा तखन ओकरा सभ कैँ रोजानाक भाड़ा भेटैत छलैक, किएक तँ ओहि समय मे मिस्रक किछु लोक इस्राएलक संग काज करैत छल। तेँ मिस्रवासी सभ ओहि समय मे इस्राएल कैँ अपन भाड़ा दऽ देलक, जाहि सँ ओ सभ, मिस्रवासी सभ अपन सहकर्मी सभ सेहो अपन श्रमक वेतन ल' सकथि।
25 एक साल चारि मासक अंत मे सभ मिस्रवासी इस्राएलक लोक सभ सँ हटि गेल छल, जाहि सँ इस्राएलक लोक सभ असगरे काज मे लागल रहि गेल।
26 सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभ सँ हटि गेलाक बाद ओ सभ घुरि कऽ आबि गेलाह आ ओकरा सभ पर अत्याचारी आ अधिकारी बनि गेलाह, आ किछु गोटे इस्राएलक लोक सभक ऊपर काजक मालिक बनि ठाढ़ भऽ गेलाह, जाहि सँ ओ सभ जे किछु हुनका सभ कैँ अपन श्रमक वेतन मे देलनि से हुनका सभ सँ लऽ सकथि।
27 मिस्रवासी सभ दिन-प्रतिदिन इस्राएलक सन् तान सभक संग एहि तरहेँ करैत रहलाह, जाहि सँ ओ सभ अपन काज मे कष्ट दैत रहथि।
28 इस्राएलक सभ सन् तान असगरे एहि श्रम मे लागल छल आ मिस्रवासी सभ तहिया सँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ कोनो तरहक वेतन देबा सँ परहेज करैत रहल।
29 जखन इस्राएलक किछु आदमी ओकरा सभ कैँ मजदूरी नहि देबाक कारणेँ काज करबा सँ मना कऽ देलक, तखन वसूली करऽ वला आ फिरौनक नोकर सभ ओकरा सभ कैँ अत्याचार कयलक आ ओकरा सभ कैँ भारी प्रहार सँ मारि देलक आ ओकरा सभ कैँ जबरदस्ती अपन भाय सभक संग श्रम करबाक लेल घुरा देलक। एहि तरहेँ सभ मिस्रवासी इस्राएलक लोक सभक संग भरि दिन करैत रहलाह।

30 एहि विषय मे सभ इस्राएलक सन् तान मिस्रक लोक सभ सँ बहुत डेरा गेल, आ सभ इस्राएलक सन् तान घुरि कऽ असगरे बिना वेतनक काज कयलक।
31 इस्राएलक सन्तान सभ पिथोम आ रामसेस बनौलनि, आ सभ इस्राएलक सन्तान काज करैत रहलाह, कियो ईंट बनबैत रहलाह आ किछु बनबैत रहलाह, आ इस्राएलक सन्तान सभ मिस्रक समस्त देश आ ओकर देबाल सभक निर्माण आ गढ़ बनौलनि आ इस्राएलक लोक सभ बहुत वर्ष धरि काज मे लागल रहलाह, जाबत धरि प्रभु हुनका सभ कैँ मोन पाड़ि मिस्र सँ बाहर नहि अनलनि।
32 मुदा लेवीक सन् तान सभ शुरू सँ मिस्र सँ निकलबाक दिन धरि अपन इस्राएलक भाय सभक संग काज मे नहि लागल छल।
33 लेवीक सभ सन् तान जनैत छल जे मिस्रवासी सभ ई सभ बात इस्राएली सभ कैँ छल-प्रपंच सँ बाजल अछि, तेँ लेवीक सन् तान सभ अपन भाय सभक संग काज मे आबय सँ परहेज कयलक।
34 मिस्रवासी सभ लेवीक सन् तान सभ कैँ काज करबा मे अपन ध्यान नहि देलक, किएक तँ ओ सभ शुरू मे अपन भाय सभक संग नहि छल, तेँ मिस्रवासी सभ ओकरा सभ कैँ असगर छोड़ि देलक।
35 मिस्रक लोक सभक हाथ एहि काज मे इस्राएलक सन् तान सभ पर लगातार कठोरता सँ कयल गेल आ मिस्रक लोक सभ इस्राएलक लोक सभ कैँ कठोरता सँ काज करौलनि।
36 मिस्रवासी सभ मेहनति सँ, मोर्टार आ ईंटाक काज आ खेत मे सभ तरहक काज सँ इस्राएलक लोक सभक जीवन कैँ कटु कऽ देलक।
37 इस्राएलक सन् तान मिस्रक राजा मेलोल कैँ "मिस्रक राजा मेरोर" कहैत छल, किएक तँ हुनकर समय मे मिस्रवासी सभ तरहक काज सँ अपन जीवन कैँ कटु कऽ देने छल।
38 मिस्रवासी सभ जाहि काज मे इस्राएलक सन् तान सभ कैँ मेहनति करैत छल, ताहि मे ओ सभ कठोरता सँ काज करैत छल, जाहि सँ ओ सभ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ कष्ट दैत छल, मुदा ओ सभ जतेक बेसी कष्ट दैत छल, ओ सभ ओतबे बढ़ैत गेल आ बढ़ैत गेल आ मिस्रक लोक सभ इस्राएलक सन् तान सभक कारणेँ दुखी भऽ गेल।

अध्याय 66

1 ओहि समय मे एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदाद आ पूरबक सन् तानक देश मेस्रेकाक समला हुनकर स्थान पर राज केलनि।
2 मिस्रक राजा फिरौनक तेरहम वर्ष मे, जे इस्राएली सभक मिस्र मे उतरबाक सौ-पच्चीसम वर्ष छल, समला अठारह वर्ष धरि एदोम पर राज केलनि।
3 जखन ओ राजा भेलाह तखन ओ अपन सेना सभ कैँ एलीफाजक पुत्र सफो आ कित्तीमक सन् तान सभक संग लड़बाक लेल निकालि लेलनि, किएक तँ ओ सभ अफ्रीकाक राजा अंजियस सँ युद्ध कएने छल आ ओकर समस्त सेना कैँ नष्ट कऽ देलक।
4 मुदा ओ हुनका संग युद्ध नहि कयलनि, किएक तँ एसावक सन् तान सभ हुनका रोकि कऽ कहलथिन जे, "ओ हुनका सभक भाइ छथि, तेँ सामला एसावक सन् तान सभक आवाज सुनलनि आ अपन समस्त सेना सभक संग एदोम देश दिस घुमि गेलाह।
5 मिस्रक राजा फिरौन ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "एदोमक राजा सम्ला कित्तीमक सन् तान सभ सँ लड़बाक संकल्प कएने छथि, आ तकर बाद ओ मिस्र सँ लड़बाक लेल आबि जेताह।"
6 मिस्रक लोक सभ ई बात सुनि कऽ इस्राएलक सन् तान सभ पर श्रम बढ़ा देलक, जाहि सँ इस्राएली सभ हुनका सभक संग ओहिना नहि कऽ सकथि जेना हदादक समय मे एसावक सन् तान सभक संग युद्ध मे कयल गेल छल।
7 मिस्रवासी इस्राएलक लोक सभ कैँ कहलथिन, "जल्दी-जल्दी अपन काज करू आ अपन काज पूरा करू आ देश कैँ मजबूत करू, जाहि सँ अहाँ सभक भाय एसावक सन् तान सभ हमरा सभ सँ लड़य नहि आबय, किएक तँ अहाँ सभक कारणेँ ओ सभ हमरा सभक विरुद्ध आओत।"
8 इस्राएलक लोक सभ दिन-प्रतिदिन मिस्रक लोक सभक काज करैत रहल, आ मिस्रक लोक सभ इस्राएलक लोक सभ कैँ एहि देश मे कम करबाक लेल कष्ट दैत रहलाह।
9 मुदा जहिना मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभ पर श्रम बढ़बैत गेल, तहिना इस्राएलक सन् तान सभ बढ़ैत गेल आ पूरा मिस्र इस्राएलक सन् तान सभ सँ भरि गेल।
10 इस्राएल के मिस्र में उतरला के सय पच्चीसवाँ साल में सब मिस्री देखलकै कि ओकरोॅ सलाह इस्राएल के खिलाफ सफल नै होलै, बल्कि बढ़ी गेलै आरो बढ़ी गेलै आरो मिस्र के देश आरो गोशेन के देश इस्राएल के सन्तान सॅ भरलोॅ गेलै।
11 तखन मिस्रक सभ बुजुर्ग आ ओकर ज्ञानी राजाक समक्ष आबि हुनका प्रणाम कयलनि आ हुनका सामने बैसलाह।
12 मिस्रक सभ बुजुर्ग आ ओकर ज्ञानी राजा कैँ कहलथिन, "राजा अनन्त काल धरि जीवित रहथि। अहाँ हमरा सभ कैँ इस्राएलक सन् तान सभक विरुद्ध सलाह देलहुँ आ हम सभ राजाक वचनक अनुसार हुनका सभक संग कयल गेल।
13 मुदा श्रमक वृद्धिक अनुपात मे ओ सभ ओहि देश मे बढ़ैत अछि आ बढ़ैत अछि, आ देखू, पूरा देश एहि सभ सँ भरल अछि।
14 तेँ आब हमरा सभक मालिक आ राजा, समस्त मिस्रक नजरि अहाँ पर अछि जे अहाँ ओकरा सभ कैँ अपन बुद्धि सँ सलाह देब, जाहि सँ ओ सभ इस्राएल पर विजय प्राप्त कऽ सकथि जे ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ सकथि वा देश सँ ओकरा सभ कैँ कम कऽ सकथि। राजा हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ कैँ एहि विषय मे सलाह दिअ जाहि सँ हम सभ बुझि सकब जे हुनका सभक संग की कयल जाय।"
15 उज देश मेसोपोटामिया निवासी राजाक सलाहकार मे सँ एक अधिकारी, जकर नाम अय्यूब छल, राजा कैँ उत्तर देलथिन।
16 जँ राजा कैँ नीक लागय तँ ओ अपन नोकरक सलाह सुनथि। राजा हुनका कहलथिन, "बाजू।"
17 अय्यूब राजा, राजकुमार आ मिस्रक सभ बूढ़ सभक समक्ष बजलाह।
18 देखू, राजाक जे सलाह पहिने इस्राएलक सन् तान सभक परिश्रमक संबंध मे सलाह देने छलाह, से बहुत नीक अछि, आ अहाँ सभ ओहि परिश्रमक लोक सभ सँ सदाक लेल नहि हटाउ।
19 मुदा जँ राजा कैँ ओकरा सभ कैँ कष्ट देब नीक लागय तँ अहाँ सभ ओकरा सभ कैँ कम कऽ सकैत छी।
20 देखू, हमरा सभ कैँ बहुत दिन सँ युद्धक डर छल, आ हम सभ कहलहुँ जे, "जखन इस्राएल एहि देश मे फलदार होयत, तखन जँ कोनो युद्ध होयत तँ ओ सभ हमरा सभ कैँ ओहि देश सँ भगा देत।"

21 जँ राजा कें नीक लागय तँ एकटा राजकीय फरमान निकलय आ मिस्रक नियम मे ई लिखल रहय जे इस्राएली सभ सँ जन्म लेनिहार प्रत्येक पुरुख बच्चाक खून जमीन पर उझलि जायत।
22 अहाँ सभ एहि काज सँ जखन इस्राएलक सभ पुरुष सन्तान मरि जेताह तखन हुनकर सभक युद्धक दुष्टता समाप्त भऽ जायत। राजा एना करथि आ सभ हिब्रू दाई कें बजाबय आ एहि मामला मे ओकरा सभ कें एकरा फाँसी देबाक आदेश देथिन। तें राजा आ राजकुमार सभ कें ई बात नीक लागल आ राजा अय्यूबक वचनक अनुसार कयलनि।
23 राजा इब्रानी दाई सभ कें बजाबय लेल पठौलनि, जाहि मे एकटाक नाम शेफ्रा आ दोसरक नाम पुआह छल।
24 दाई सभ राजाक सोझाँ आबि कऽ हुनका सामने ठाढ़ भऽ गेलीह।
25 राजा हुनका सभ कें कहलथिन, "जखन अहाँ सभ इब्रानी स् त्री सभ कें दाईक काज करब आ ओकरा सभ कें मल मे बैसल देखब, तखन जँ ओ बेटा अछि तँ ओकरा मारि दियौक, मुदा जँ बेटी होयत तँ ओ जीवित रहतीह।"
26 मुदा जँ अहाँ सभ ई काज नहि करब तँ हम अहाँ सभ आ अहाँक सभ घर कें आगि सँ जरा देब।
27 मुदा दाई सभ परमेश् वर सँ डरैत छल आ मिस्रक राजाक बात नहि सुनलक आ ने हुनकर बात सुनलक, आ जखन हिब्रू स् त्री सभ दाई कें बेटा-बेटीक जन्म दैत छल तखन दाई सभ ओहि बच्चाक लेल जे किछु आवश्यक छल आ ओकरा जीबऽ देलक। एहि तरहें दाई सभ दिन भरि करैत छलीह।
28 राजा कें ई बात कहल गेलनि, तखन ओ दाई सभ कें बजा कऽ पठौलनि आ हुनका सभ कें कहलथिन, "अहाँ सभ ई काज किएक कऽ कऽ बच्चा सभ कें जिंदा बचा लेलहुँ?
29 दाई सभ उत्तर देलथिन आ राजाक समक्ष एक संग बजलीह।
30 राजा ई नहि सोचथि जे इब्रानी स् त्री सभ मिस्रक स् त्रीगण जकाँ छथि, किएक तँ इस्राएलक सभ सन् तान सभ स्वस्थ छथि, आ दाई हुनका सभ लग अयबा सँ पहिने हुनका सभक प्रसव भऽ जाइत छनि, आ हम सभ अहाँक दासी सभ, कतेको दिन धरि कोनो इब्रानी स् त्री हमरा सभ पर प्रसव नहि केने छथि, किएक तँ सभ हिब्रू स् त्री सभ अपन दाई छथि, किएक तँ ओ सभ शुभ भऽ गेल छथि।
31 फिरौन हुनका सभक बात सुनि एहि विषय मे हुनका सभ पर विश् वास कयलनि आ दाई सभ राजा सँ दूर भऽ गेलाह आ परमेश् वर हुनका सभक संग नीक व्यवहार कयलनि आ लोक सभ बढ़ि गेल आ बहुत बढ़ि गेल।

अध्याय 67

1 मिस्र देश मे लेवीक वंशजक एक आदमी छल, जकर नाम अम्राम छल, जे केहतक पुत्र छल, जे इस्राएलक पुत्र लेवीक पुत्र छल।
2 ई आदमी जा कऽ अपन पिताक बहिन लेवीक बेटी योकेबेद कें विवाह कयलनि आ ओ एक सय छब्बीस वर्षक छलीह आ ओ हुनका लग आबि गेलाह।
3 ओ स् त्री गर्भवती भऽ एकटा बेटीक जन्म लेलक आ ओकर नाम मरियम राखि देलक, किएक तँ ओहि समय मे मिस्रवासी इस्राएलक लोक सभक जीवन कें कटु कऽ देने छल।
4 ओ फेर गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म लेलक आ ओकर नाम हारून राखि देलक, किएक तँ ओकर गर्भधारणक दिन मे फिरौन इस्राएलक पुरुख सभक खून बहाबय लगलाह।
5 ओहि समय मे कित्तीमक राजा एसावक पुत्र एलीफाजक पुत्र सफो मरि गेलाह आ हुनकर स्थान पर जनेआस राज केलनि।
6 सीफो कित्तीमक सन् तान सभ पर राज्य भेलाक समय पचास वर्ष छल आ ओ मरि गेलाह आ कित्तीम देशक नबना नगर मे दफना देल गेलाह।
7 कित्तीमक सन् तान मे सँ एक पराक्रमी जनेस हुनका बाद राज् य केलनि आ ओ पचास वर्ष धरि राज केलनि।
8 कित्तीम राजाक मृत्युक बाद बेओरक पुत्र बिलाम कित्तीम देश सँ भागि गेलाह आ मिस्र मे मिस्रक राजा फिरौन लग गेलाह।
9 फिरौन हुनका बहुत आदरपूर्वक स्वागत कयलनि, किएक तँ ओ हुनकर बुद्धिक विषय मे सुनने छलाह आ हुनका उपहार देलनि आ हुनका सलाहकार बनाओलनि आ हुनका पैघ कयलनि।
10 बिलाम राजाक सभ कुलीन लोकक आदर-सत्कार करैत मिस्र मे रहि गेलाह आ कुलीन लोकनि हुनका आदर-सत्कार कयलनि, किएक तँ ओ सभ हुनकर बुद्धि सिखबाक लालसा करैत छलाह।
11 इस्राएल के मिस्र जाय के सय तीसवाँ साल में फिरौन सपना में देखलकै कि वू अपनऽ राजसिंहासन पर बैठलोॅ छै, आरो आँख उठाय केॅ देखलकै कि एक बूढ़ आदमी के सामने खड़ा छै, आरो वू बूढ़ोॅ के हाथ में तराजू छेलै, जे व्यापारी सिनी के इस्तेमाल करै छै।
12 ओ बुढ़ा तराजू लऽ कऽ फिरौनक समक्ष लटका देलक।
13 ओ बूढ़ मिस्रक सभ बूढ़-पुरान सभ आ ओकर सभ कुलीन आ पैघ-पैघ लोक सभ कें लऽ कऽ एक-एकटा तराजू मे राखि देलक।
14 ओ दूधक बछड़ा लऽ कऽ दोसर तराजू मे राखि देलक आ ओ बच्चा सभ पर प्रबल भऽ गेल।
15 फिरौन एहि भयावह दर्शन सँ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जे बछड़ा सभ पर किएक प्रबल भऽ जायत, तखन फिरौन जागि गेलाह आ देखलनि जे ई सपना छल।
16 फिरौन भोरे-भोर उठि कऽ अपन सभ नोकर कें बजा कऽ सपना सुनौलनि।
17 राजा अपन सभ बुद्धिमान कें कहलथिन, "हम जे सपना देखलहुँ, ओकर व्याख्या करू, जाहि सँ हम ओकरा बुझि सकब।"
18 बेओरक पुत्र बिलाम राजा कें उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "एकर मतलब आओर किछु नहि, सिवाय एकटा पैघ दुष् टता जे अंतिम समय मे मिस्र पर उड़त।"
19 इस्राएलक लेल एकटा एहन पुत्रक जन्म होयत जे समस्त मिस्र आ ओकर निवासी सभ कें नष्ट कऽ देत आ इस्राएली सभ कें एकटा शक्तिशाली हाथ सँ मिस्र सँ बाहर निकालि देत।
20 आब, हे राजा, एहि विषय मे सलाह लिअ, जाहि सँ मिस्र पर ई दुष् टता उत्पन्न करबा सँ पहिने अहाँ इस्राएलक सन् तान सभक आशा आ हुनकर सभक आशा कें नष्ट कऽ दिअ।
21 राजा बिलाम कें कहलथिन, "हम सभ इस्राएल कें की करब?" निश्चित रूप सँ हम सभ पहिने एक तरहें हुनका सभक विरुद्ध सलाह देलहुँ आ हुनका सभ पर विजय नहि पाबि सकलहुँ।
22 आब अहाँ सभ कें सेहो हुनका सभक विरुद्ध सलाह दिअ जाहि सँ हम सभ हुनका सभ पर विजय प्राप्त कऽ सकब।

23 बिलाम राजा केँ उत्तर देलथिन, "अखन पठा कऽ अपन दुनू सलाहकार केँ बजाउ, आ हम सभ देखब जे एहि विषय मे हुनकर सभक की सलाह अछि आ तकर बाद अहाँक सेवक बाजत।"
24 राजा अपन दुनू सल्लाहकार केँ मिद्यानी रूएल आ उजी अय्यूब केँ बजा कऽ बजौलनि आ ओ सभ राजाक समक्ष आबि कऽ बैसलाह।
25 राजा हुनका सभ केँ कहलथिन, "हम जे सपना देखलहुँ आ ओकर अर्थ अहाँ दुनू गोटे सुनलहुँ। आब एहि लेल सलाह दिअ आ जानि लिअ आ देखू जे इस्राएलक सन् तान सभक संग की कयल जायत, जाहि सँ हम सभ ओकरा सभ पर विजय प्राप्त कऽ सकब, जखन कि ओकर सभक दुष् टता हमरा सभ पर उड़ि जाय।"
26 मिद्यानी रूएल राजा केँ उत्तर देलथिन, "राजा जीवित रहथि, राजा अनन्त काल धरि जीवित रहथि।"
27 जँ राजा केँ नीक लागय तँ ओ इब्रानी सभ केँ छोड़ि कऽ ओकरा सभ केँ छोड़ि दियौक।
28 ई सभ लोक सभ छथि जिनका सभ परमेश् वर पहिने चुनलनि आ पृथ् वीक सभ जाति आ पृथ् वीक राजा सभक बीच सँ अपन उत्तराधिकारक भाग्य ग्रहण कयलनि। आ के अछि जे दंडहीनताक संग ओकरा सभक विरुद्ध हाथ बढ़ौलक, जकर बदला ओकर परमेश् वर नहि लेलक?
29 अहाँ सभ जनैत छी जे जखन अब्राहम मिस्र मे गेलाह तखन मिस्रक पूर्व राजा फिरौन अपन पत्नी सारा केँ देखि कऽ हुनका स् त्री बना लेलनि, किएक तँ अब्राहम कहलनि जे, "ओ हमर बहिन छथि, किएक तँ ओ डरैत छलाह जे कहीं मिस्रक लोक सभ हुनकर पत्नीक कारणेँ हुनका नहि मारि देतनि।"
30 मिस्रक राजा जखन सारा केँ पकड़ि लेलनि तखन परमेश् वर हुनका आ हुनकर घरक लोक केँ भारी विपत्ति सँ मारि देलथिन, जाबत धरि ओ अब्राहम केँ अपन पत्नी सारा केँ वापस नहि कऽ देलथिन, तखन ओ ठीक भऽ गेलाह।
31 पलिस्तीक राजा अबीमेलेक जे अब्राहमक पत्नी सारा केँ मनुख सँ ल' क' पशु धरि केँ रोकि देलनि।
32 जखन हुनका सभक परमेश् वर राति मे सपना मे अबीमेलेक लग आबि हुनका आतंकित कयलनि जाहि सँ ओ अब्राहम केँ चारा केँ फेर सँ दऽ सकथि, जकरा ओ पकड़ने छलाह, आ तकर बाद साराक कारणेँ गेरारक सभ लोक केँ सजा देल गेलनि, आ अब्राहम हुनका सभक लेल अपन परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि आ हुनका सभ सँ विनती कयलनि आ ओ हुनका सभ केँ ठीक कऽ देलनि।
33 अबीमेलेक एहि सभ दुष् टता सँ डेरा गेल जे हुनका आ हुनकर लोक पर भेल छलनि आ ओ अपन स् त्री सारा अब्राहम लग घुरि गेलाह आ हुनका संग बहुत रास वरदान देलनि।
34 ओ इसहाक केँ गेरार सँ भगा देलथिन आ परमेश् वर ओकरा संग एहन आश्चर्यक काज कयलनि जे गेरारक सभटा पानि सुखा गेल आ ओकर उपजदार गाछ नहि निकलल।
35 जाबे तक गेरारक अबीमेलेक आ ओकर एकटा मित्र अहुज्जत आ ओकर सेनाक सेनापति पिकोल हुनका लग नहि गेलाह आ ओ सभ झुकि कऽ हुनका सामने जमीन पर प्रणाम कयलनि।
36 ओ सभ हुनका सभक लेल विनती करबाक आग्रह कयलनि आ ओ हुनका सभक लेल प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ प्रभु हुनका सँ विनती कयलनि आ ओ हुनका सभ केँ ठीक कयलनि।
37 याकूब, जे सादा-सादा आदमी छल, ओकर अखंडताक कारणेँ ओकर भाय एसाव आ ओकर मायक भाय अरामी लाबानक हाथ सँ मुक्त भेलैक। तहिना कनानक सभ राजा सभ जे हुनका आ हुनकर संतान सभक विरुद्ध हुनका सभ केँ नष्ट करबाक लेल एकत्रित भेल छलाह आ प्रभु हुनका सभक हाथ सँ बचा लेलनि, तखन ओ सभ हुनका सभ पर घुरि गेलाह आ हुनका सभ केँ मारि देलनि, किएक तँ के कहियो हुनका सभ पर दंडहीनताक हाथ बढ़ौने छल?
38 पहिल फारो, अहाँक पिताक पिता, याकूबक पुत्र यूसुफ केँ मिस्र देशक सभ राजकुमार सभ सँ ऊपर उठौलनि, किएक तँ ओ अपन बुद्धि सँ ओहि देशक सभ निवासी केँ अकाल सँ बचा लेलनि।
39 तकर बाद ओ याकूब आ हुनकर बच्चा सभ केँ मिस्र देश मे उतरबाक आज्ञा देलनि, जाहि सँ हुनका सभक गुणक कारणेँ मिस्र आ गोशेन देश अकाल सँ मुक्त भ' सकय।
40 आब जँ अहाँक नजरि मे नीक लागय तँ इस्राएलक सन्तान सभ केँ नष्ट करब छोड़ि दियौक, मुदा जँ अहाँक इच्छा नहि होयत जे ओ सभ मिस्र मे रहथि तँ हुनका सभ केँ एतऽ सँ पठा दियौक जे ओ सभ कनान देश मे जाथि, जाहि देश मे हुनकर पूर्वज सभ प्रवासी छलाह।
41 जखन फिरौन येथ्रोक बात सुनि हुनका पर बहुत क्रोधित भऽ गेलाह, तेँ राजाक सोझाँ सँ लज्जित भऽ उठि कऽ अपन देश मिद्यान मे जा कऽ यूसुफक लाठी अपना संग लऽ गेलाह।
42 राजा उजी अय्यूब केँ कहलथिन, "अहाँ अय्यूब केँ की कहैत छी आ इब्रानी सभक संबंध मे अहाँक की सलाह अछि?"
43 तखन अय्यूब राजा केँ कहलथिन, "देखू, एहि देशक सभ निवासी अहाँक अधिकार मे अछि, राजा जेना नीक लगैत अछि से करथि।"
44 राजा बिलाम केँ कहलथिन, " हे बिलाम, अहाँ की कहैत छी, अपन वचन बाजू जाहि सँ हम सभ सुनब।"
45 बिलाम राजा केँ कहलथिन, "राजा इब्रानी सभक विरुद्ध जे किछु सलाह देने छथि, ताहि मे सँ ओ सभ मुक्त भऽ जेताह, आ राजा हुनका सभ पर कोनो सलाह नहि दऽ सकैत छथि।"
46 जँ अहाँ ओकरा सभ केँ ज्वालामुखी आगि सँ कम करबाक लेल सोचैत छी तँ ओकरा सभ पर विजय नहि पाबि सकैत छी, किएक तँ हुनका सभक परमेश् वर हुनका सभक पिता अब्राहम केँ कल्दीक उर सँ मुक्त कयलनि। जँ अहाँ ओकरा सभ केँ तलवार सँ नष्ट करबाक विचार करैत छी तँ निश्चित रूप सँ ओकर सभक पिता इसहाक ओकरा सभ सँ मुक्त भऽ गेलाह आ ओकर बदला मे एकटा मेढ़ा राखि देल गेलैक।"
47 जँ अहाँ कठिन आ कठोर परिश्रम सँ हुनका सभ केँ कम करबाक लेल सोचैत छी तँ एहि मे सेहो अहाँ जीत नहि पाबि सकब, किएक तँ हुनका सभक पिता याकूब सभ तरहक परिश्रम मे लाबानक सेवा कयलनि।
48 आब, हे राजा, हमर बात सुनू, किएक तँ ई ओ सलाह हुनका सभक विरुद्ध कयल गेल अछि, जाहि सँ अहाँ हुनका सभ पर विजय प्राप्त करब आ जाहि सँ अहाँ नहि हटब।
49 जँ राजा केँ नीक लागय तँ ओ हुनका सभक सभ संतान केँ पानि मे फेकबाक आदेश देथिन, किएक तँ एहि सँ अहाँ हुनका सभक नाम पोछि सकैत छी, किएक तँ हुनका सभ मे सँ किनको आ ने हुनका लोकनिक पूर्वज मे एहि तरहेँ परीक्षा नहि भेलनि।

50 राजा बिलामक वचन सुनलनि आ राजा आ प्रधान सभ कैँ नीक लागल आ राजा बिलामक वचनक अनुसार कयलनि।
51 राजा पूरा मिस्र देश मे एकटा घोषणा आ कानून बनेबाक आदेश देलथिन जे, "इब्रानी सभक जे पुरुष बच्चा आइ सँ जन्म लेत, ओकरा पानि मे फेकि देल जायत।"
52 तखन फिरौन अपन सभ नोकर कैँ बजा कऽ कहलथिन, "आब जाउ, ओहि गोशेन देश मे खोजू, जतय इस्राएलक लोक सभ अछि, आ देखू जे इब्रानी सभक जे बेटा होयत, ओकरा नदी मे फेकि देल जायत, मुदा हरेक बेटी कैँ अहाँ सभ जीवित रहब।"
53 जखन इस्राएलक लोक सभ ई बात सुनि कऽ जे फारो द्वारा अपन पुरुख बच्चा सभ कैँ नदी मे फेकबाक आज्ञा देल गेल छल, तखन किछु लोक अपन पत्नी सँ अलग भ' गेल आ किछु लोक ओकरा सभक संग चलि गेल।
54 ओहि दिन सँ जखन इस्राएलक ओहि स् त्रीगण सभ कैँ प्रसवक समय आबि गेलनि जे अपन पतिक संग रहि गेल छलीह, तखन ओ सभ खेत मे प्रसव करबाक लेल गेलाह आ ओ सभ खेत मे बच्चा सभ कैँ खेत मे छोड़ि घर घुरि गेलाह।
55 परमेश् वर जे हुनका सभक पूर्वज सभ कैँ शपथ लेने छलाह जे हुनका सभ कैँ बढ़ेबाक शपथ केने छलाह, ओ अपन एकटा सेवक स् वर्गदूत कैँ पठौलनि जे स् वर्ग मे छथि, जे एक-एकटा बच्चा कैँ पानि मे धोबय, अभिषेक आ लपेटब आ ओकर हाथ मे दू टा चिकना पाथर राखथि, जाहि मे सँ एकटा सँ ओ दूध आ दोसर मधु सँ चूसैत छल, आ ओकर केश ठेहुन धरि बढ़ा देलनि, जाहि सँ ओ अपना कैँ झाँपि सकैत छल। ओकरा सान्त्वना देबय लेल आ ओकरा पर चिपकय लेल, ओकरा प्रति अपन करुणाक माध्यमे।
56 जखन परमेश् वर हुनका सभ पर दया कयलनि आ देशक भू-भाग पर हुनका सभ कैँ बढ़ेबाक इच्छा कयलनि तखन ओ सभ अपन धरती कैँ हुनका सभक बढ़बाक समय धरि ओहि मे सुरक्षित रखबाक लेल ग्रहण करबाक आदेश देलनि, तकर बाद धरती अपन मुँह खोलि हुनका सभ कैँ उल्टी कयलनि आ ओ सभ शहर सँ पृथ्वीक जड़ी-बूटी आ जंगलक घास जकाँ अंकुरित भऽ गेलाह आ ओ सभ एक-एक गोटे अपन-अपन परिवार आ जंगलक घास जकाँ घुरि गेलाह ओकर पिताक घर मे आ ओ सभ ओकरा सभक संग रहि गेल।
57 परमेश् वरक कृपाक कारणेँ इस्राएलक बच्चा सभ खेतक जड़ी-बूटी जकाँ पृथ् वी पर छल।
58 सभ मिस्रवासी जखन ई बात देखि, ओ सभ अपन-अपन बैल आ अपन-अपन हल लऽ कऽ अपन खेत दिस विदा भेलाह आ ओ सभ ओहिना जोतैत रहलाह जेना बीयाक समय मे धरती जोतैत अछि।
59 जखन ओ सभ जोतैत छलाह तखन इस्राएलक शिशु सभ कैँ चोट नहि पहुँचा सकलाह, तेँ लोक सभ बढ़ि गेल आ बेसी बढ़ि गेल।
60 फिरौन अपन अफसर सभ कैँ प्रतिदिन आज्ञा दैत छलाह जे ओ इस्राएलक बच्चा सभ कैँ ताकय लेल गोशेन जाथि।
61 जखन ओ सभ एकटा खोजि कऽ भेटल तँ ओकरा मायक कोरासँ जबरदस्ती लऽ कऽ नदीमे फेकि देलक, मुदा मादा बच्चाकैँ मायक संग छोड़ि देलक। एहि तरहेँ मिस्रवासी सभ दिन इस्राएली सभक संग करैत रहलाह।

अध्याय 68

1 ओहि समय मे परमेश् वरक आत् मा हारूनक बहिन अम्रामक बेटी मरियम पर छल आ ओ घरक विषय मे भविष्यवाणी कयलनि, "देखू, हमरा सभक लेल एहि बेर हमर पिता-माँ सँ एकटा बेटा होयत आ ओ इस्राएल कैँ मिस्रक हाथ सँ बचाओत।"
2 जखन अम्राम अपन बेटीक बात सुनि कऽ अपन पत्नी कैँ घर दिस ल' गेलाह, जखन फिरौन याकूबक घरक प्रत्येक पुरुष बच्चा कैँ पानि मे फेकबाक आदेश देलनि।
3 अम्राम अपन पत्नी योकेबेद कैँ भगा देलक तीन वर्षक बाद ओकरा ल' लेलक आ ओ ओकरा लग आबि गेल आ ओ गर्भवती भ' गेल।
4 गर्भधारणक सात मासक अंत मे ओ एकटा पुत्रक जन्म देलनि आ पूरा घर सूर्य आ चानक चमकक इजोत जकाँ पैघ इजोत सँ भरल छल।
5 जखन ओ स् त्री बच्चा कैँ नीक आ देखबा मे नीक लागल, तखन ओकरा तीन मास धरि भीतरक कोठली मे नुका लेलक।
6 ओहि समय मे मिस्रवासी सभ ओहि ठामक सभ इब्रानी सभ कैँ नष्ट करबाक षड्यंत्र रचलनि।
7 मिस्रक स् त्री सभ गोशेन गेलीह जतय इस्राएलक सन् तान सभ छल आ अपन बच्चा सभ कैँ कान्ह पर ल' कऽ गेल छल, जे एखन धरि बाजि नहि पाबि रहल छल।
8 ओहि समय मे जखन इस्राएलक स् त्रीगण सभ प्रसव करैत छलीह तखन एक-एकटा स् त्री अपन बेटा कैँ मिस्रक लोक सभक सोझाँ सँ नुका लेने छलीह, जाहि सँ मिस्रवासी सभ कैँ हुनका सभक जन्मक बात नहि बुझल होनि आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ ओहि देश सँ नष्ट नहि कऽ सकथि।
9 मिस्रक स् त्री सभ गोशेन आबि गेल आ ओकर सभक बच्चा सभ जे बाजि नहि पाबि रहल छल, ओकरा सभक कान्ह पर बैसल छल, आ जखन एकटा मिस्री स् त्री एकटा इब्रानी स् त्रीक घर मे आयल तँ ओकर बच्चा कानय लागल।
10 जखन ई बात चिचिया उठल तखन भीतरक कोठली मे बैसल बच्चा ओकरा उत्तर देलक, तखन मिस्रक महिला सभ जा कऽ फिरौनक घर मे ई बात सुनौलनि।
11 तखन फिरौन अपन अधिकारी सभ कैँ पठौलनि जे ओ बच्चा सभ कैँ लऽ कऽ मारि देथिन। एहि तरहेँ मिस्रवासी सभ दिन भरि इब्रानी स्त्रीगण सभक संग करैत रहलाह।
12 ओहि समय मे योकेबेद अपन बेटा कैँ नुकाबय सँ करीब तीन मासक बाद फिरौनक घर मे ई बात ज्ञात भेल।
13 ओ स् त्री अधिकारी सभ अयबा सँ पहिने अपन बेटा कैँ लऽ जेबाक लेल जल्दी-जल्दी गेलीह आ ओकरा लेल एकटा बल्बक सन्दूक लऽ कऽ ओकरा लेल चकचक आ गदहा सँ लऽ कऽ ओहि मे बच्चा कैँ राखि देलक आ ओकरा नदीक कात मे झंडा मे राखि देलक।
14 हुनकर बहिन मरियम दूर ठाढ़ भऽ गेलीह जे हुनका संग की भऽ जायत आ हुनकर बातक की हाल होयत।
15 ओहि समय मे परमेश् वर मिस्र देश मे भयंकर गर्मी पठौलनि जे मनुष् यक मांस कैँ अपन चक्कर मे रौद जकाँ जरा देलक आ मिस्रवासी सभ पर बहुत अत्याचार कयलक।
16 तखन सभ मिस्रवासी नदी मे स्नान करबाक लेल उतरि गेलाह, जाहि सँ हुनकर सभक मांस जरि गेल छलनि।

17 फिरौनक बेटी बथिया सेहो नदी मे स्नान करय लेल गेलीह, जखन कि ओकर कुमारि सभ नदीक कात मे चलैत छलीह आ मिस्रक सभ स्त्रीगण सेहो।
18 बथिया नदी दिस आँखि उठा कऽ पानि पर जहाज देखि अपन दासी केँ आनय लेल पठौलनि।
19 ओ ओकरा खोलि कऽ बच्चा केँ देखलक आ देखलक जे ओ बच्चा कानि रहल अछि आ ओकरा पर दया आबि गेल।
20 नदीक कात मे चलय बला मिस्रक सभ स् त्री सभ हुनका दूध पिलाबऽ चाहैत छलीह, मुदा ओ दूध पिलाबऽ नहि चाहैत छलाह, किएक तँ ई बात प्रभुक दिस सँ छलनि जाहि सँ हुनका अपन मायक छाती मे आबि जाय।
21 ओहि समय मे हुनकर बहिन मरियम नदीक कात मे मिस्रक स् त्रीगण सभक बीच छलीह, तखन ओ ई बात देखि फिरौनक बेटी केँ कहलथिन, "की हम जा कऽ हिब्रू स् त्री सभ मे सँ एकटा पोषक केँ आनब जाहि सँ ओ अहाँक लेल बच्चा केँ दूध पियाबय?"
22 फिरौनक बेटी हुनका कहलथिन, "जाउ, युवती जा कऽ बच्चाक माय केँ बजौलनि।"
23 फिरौनक बेटी योकेबेद केँ कहलथिन, "ई बच्चा केँ लऽ कऽ हमरा लेल दूध पिला दियौक। ओ स्त्री बच्चा केँ लऽ कऽ दूध पिया देलक।
24 दू वर्षक अंत मे जखन बच्चा पैघ भेल तखन ओ ओकरा फिरौनक बेटी लग अनलनि, आ ओ ओकरा लेल बेटा जकाँ छल, आ ओ ओकर नाम मूसा राखि देलक, कारण ओ कहलक जे, "हम ओकरा पानि मे सँ निकालि लेलहुँ।"
25 हुनकर पिता अम्राम हुनकर नाम चाबर रखलनि, कारण ओ कहलनि जे, "ओ अपन पत्नीक संग संगति कयलनि।"
26 ओकर माय योकेबेद ओकर नाम जेकुथिएल रखलनि, किएक तँ ओ कहने छलीह जे, "हम हुनका परमेश् वर परमेश् वरक आशा कयने छी आ परमेश् वर हुनका हमरा लग फेर सँ दऽ देलनि।"
27 हुनकर बहिन मरियम हुनका जेरेद कहैत छलीह, किएक तँ ओ हुनका पाछाँ-पाछाँ नदी दिस उतरि गेल छलीह जे हुनकर अंत की हेतनि।
28 हुनकर भाय हारून हुनकर नाम अबी ज़नुख रखलनि आ कहलथिन, "हमर पिता हमर माय केँ छोड़ि कऽ हुनका लग घुरि गेलाह।"
29 अम्रामक पिता केहत हुनकर नाम अबीगदोर रखलनि, किएक तँ परमेश् वर याकूबक घरक फाँक केँ ठीक कयलनि जाहि सँ आब ओ सभ अपन पुरुख बच्चा सभ केँ पानि मे नहि फेकि सकलाह।
30 हुनका सभक परिचर हुनका अबी सोचो बजा कऽ कहलथिन, "हामक सन्तानक कारणेँ ओ तीन मास धरि अपन तम्बू मे नुकायल रहलाह।"
31 समस्त इस्राएल हुनकर नाम नथनेलक पुत्र शेमैया रखलनि, कारण ओ सभ कहैत छल जे, "ओकरा दिन मे परमेश् वर हुनका सभक पुकार सुनि हुनका सभक अत्याचारी सभ सँ बचा लेलनि।"
32 मूसा फिरौनक घर मे छलाह आ फिरौनक बेटी बथिया केँ बेटा जकाँ छलाह आ मूसा राजाक सन्तान मे पलल-बढ़ल छलाह।

अध्याय 69

1 ओहि समय मे एदोमक राजा अपन शासनक अठारहम वर्ष मे मरि गेलाह आ हुनका अपन मन्दिर मे दफना देल गेलनि जे ओ एदोम देश मे अपन राजकीय निवासक रूप मे अपना लेल बनौने छलाह।
2 एसावक सन्तान सभ नदीक कात मे पेथोर दिस पठौलनि आ ओ सभ ओतय सँ एकटा सुन्दर आँखि आ सुन्दर रूपक युवक केँ आनि लेलक, जकर नाम छल साउल आ ओकरा सभ केँ सम्लाक स्थान पर राजा बना देलक।
3 साउल चालीस वर्ष धरि एदोम देश मे एसावक समस्त संतान पर राज केलनि।
4 मिस्रक राजा फिरौन जखन देखलनि जे बिलाम इस्राएलक सन् तान सभक संबंध मे जे सलाह देने छलाह से सफल नहि भेल, मुदा ओ सभ मिस्र देश मे बढ़ैत आ बढ़ैत गेलाह।
5 ओहि समय मे फिरौन आज्ञा देलथिन जे पूरा मिस्र मे इस्राएलक लोक सभ केँ ई घोषणा कयल जाय जे, "केओ अपन नित्यकर्म मे सँ कोनो काज केँ कम नहि करत।"
6 जे मनुष् य अपन परिश्रम मे कमी पाबि जायत, चाहे ओ मोर्टार मे हो वा ईंट मे, तखन ओकर छोटका बेटा केँ ओकरा सभक स्थान पर राखल जायत।
7 ओहि समय मे इस्राएलक सन् तान सभ पर मिस्रक श्रम बलवश भऽ गेल, आ देखू, जँ ककरो रोजमर्राक श्रम मे एक ईंटाक कमी छल तँ मिस्रक लोक सभ ओकर छोटका बच्चा केँ ओकर माय सँ जबरदस्ती लऽ कऽ ओहि ईंटाक स्थान पर राखि देलक जकरा ओकर पिता कमी छोड़ने छल।
8 मिस्रक लोक सभ इस्राएलक समस्त लोकक संग दिन-प्रतिदिन, सभ दिन बहुत दिन धरि एना करैत रहलाह।
9 मुदा लेवीक वंश ओहि समय मे अपन भाय इस्राएली सभक संग काज नहि केलक, किएक तँ लेवीक वंशज सभ मिस्रक लोक सभक धूर्तता केँ जनैत छल जे ओ सभ पहिने इस्राएली सभक प्रति कयल गेल छल।

अध्याय 70

1 मूसाक जन्मक तेसर वर्ष मे फिरौन भोज मे बैसल छलाह, जखन हुनकर दहिना कात अलपरानिथ रानी आ बामा कात बथिया बैसल छलीह, आ मूसा लड़का हुनकर कोरा मे पड़ल छलाह, आ बेओरक पुत्र बिलाम अपन दुनू बेटाक संग, आ राज्यक सभ राजकुमार राजाक सोझाँ टेबुल पर बैसल छलाह।
2 ओ बालक राजाक माथ पर हाथ बढ़ौलक आ राजाक माथ पर सँ मुकुट लऽ कऽ अपन माथ पर राखि देलक।
3 राजा आ राजकुमार सभ जखन ओहि बालकक काज देखि राजा आ राजकुमार सभ आतंकित भऽ गेलाह आ एक आदमी अपन पड़ोसी केँ आश्चर्यचकित कयलक।
4 राजा हुनका सँ पहिने टेबुल पर बैसल राजकुमार सभ केँ कहलथिन, "हे राजकुमार लोकनि, अहाँ सभ एहि विषय मे की बाजैत छी आ की कहैत छी आ एहि काजक कारणेँ ओहि लड़का पर की फैसला होयत?"
5 बेओरक पुत्र बिलाम राजा आ राजकुमार सभक समक्ष उत्तर देलथिन, "हे हमर मालिक आ राजा, आब ओ सपना मोन राखू जे अहाँ बहुत दिनक बाद सपना देखलहुँ आ जे सपना अहाँक सेवक अहाँ केँ कयलनि।"

6 आब ई हिब्रू संतानक बच्चा अछि, जाहि मे परमेश् वरक आत् मा अछि, आ हमर प्रभु राजा ई नहि सोचथि जे ई युवक बिना कोनो ज्ञानक ई काज केलक।
7 किएक तँ ओ इब्रानी लड़का अछि आ बुद्धि आ बुद्धि ओकरा संग अछि, यद्यपि ओ एखन धरि बच्चा अछि, आ बुद्धि सँ ई काज कऽ कऽ मिस्र राज्य अपना लेल चुनलनि।
8 एहि तरहेँ सभ इब्रानी लोक सभ राजा आ हुनकर कुलीन लोक सभ केँ धोखा दैत छथि आ ई सभ काज धूर्ततापूर्वक करैत छथि जाहि सँ पृथ् वीक राजा सभ आ हुनकर लोक सभ केँ काँपि सकैत छथि।
9 अहाँ सभ जनैत छी जे हुनका सभक पिता अब्राहम एहि तरहक काज कयलनि, जे बाबेलक राजा निमरोद आ गेरारक राजा अबीमेलेकक सेना केँ धोखा देलनि आ ओ हेतक लोकक देश आ कनानक समस्त राज् य मे अपना केँ अपना मे समेटि लेलनि।
10 ओ मिस्र देश मे उतरि कऽ अपन पत्नी सारा के बारे मे कहलनि जे, "ओ हमर बहिन छथि, जाहि सँ मिस्र आ ओकर राजा केँ गुमराह कयल जाय।"
11 हुनकर पुत्र इसहाक सेहो ओहिना कयलनि जखन ओ गेरार गेलाह आ ओतहि रहि गेलाह आ पलिस्तीक राजा अबीमेलेकक सेना पर हुनकर सामर्थ्य प्रबल भऽ गेलनि।
12 ओ पलिश् ती सभक राज् य केँ ठोकर खायबाक विचार सेहो सोचलनि जे हुनकर स् त्री रिबेका हुनकर बहिन छथि।
13 याकूब सेहो अपन भाय संग धोखा कयलनि आ हुनका हाथ सँ अपन ज्येष्ठता आ आशीर्वाद छीनि लेलनि।
14 तखन ओ अपन मायक भाय लाबानक घर मे पादान-अराम गेलाह, आ धूर्ततापूर्वक हुनका सँ अपन बेटी, अपन माल-जाल आ अपन सभटा सामान ल' लेलनि आ भागि कऽ कनान देश मे अपन पिता लग घुरि गेलाह।
15 हुनकर पुत्र सभ अपन भाय यूसुफ केँ बेचि देलकनि, जे मिस्र मे जा कऽ दास बनि गेलाह आ बारह वर्ष धरि जेल मे राखल गेलाह।
16 जाबत धरि पूर्वक फिरौन सपना देखि कऽ जेल घर सँ बाहर नहि निकालि देलक आ मिस्रक सभ राजकुमार सभ सँ ऊपर ओकरा पैघ नहि कऽ देलक, कारण ओ अपन सपना सभक व्याख्या करैत छल।
17 जखन परमेश् वर पूरा देश मे अकाल पड़ि गेलाह तखन ओ अपन पिता आ अपन सभ भाय आ अपन पिताक समस्त घरक लोक केँ बजा कऽ अनलनि आ बिना कोनो कीमत वा पुरस्कारक भरण-पोषण कयलनि आ मिस्रवासी सभ केँ दास बनि कऽ कीनि लेलनि।
18 आब हमर प्रभु राजा देखू, ई बच्चा हुनका सभक स्थान पर मिस्र मे उठि गेल अछि, जे हुनका सभक काजक अनुसार काज करबाक लेल आ प्रत्येक राजा, राजकुमार आ न्यायाधीशक संग तुच्छ बात करबाक लेल।
19 जँ राजा केँ नीक लागय तँ आब ओकर खून जमीन पर उझलि दियौक, जाहि सँ ओ पैघ भऽ कऽ तोहर हाथ सँ शासन नहि हँटि लेत आ ओकर राज भेलाक बाद मिस्रक आशा नष्ट नहि भऽ जाय।"
20 बिलाम राजा केँ कहलथिन, "आउ, हम सभ मिस्रक सभ न्यायाधीश आ ओकर ज्ञानी सभ केँ बजा कऽ ई जानि ली जे अहाँक कहब जेकाँ एहि बालक केँ मृत्युक दण्ड देबाक अछि की नहि, तखन हम सभ ओकरा मारि देब।"
21 तखन फिरौन मिस्रक सभ ज्ञानी केँ बजा कऽ बजा लेलक आ ओ सभ राजाक समक्ष आबि गेलाह आ हुनका सभक बीच परमेश् वरक एकटा स् वर्गदूत आबि गेलाह आ ओ मिस्रक बुद्धिमान मे सँ एक गोटे जकाँ छलाह।
22 राजा ज्ञानी लोकनि केँ कहलथिन, "अहाँ सभ सुनने छी जे घर मे बैसल ई हिब्रू बालक की केलक अछि आ बिलाम एहि विषय मे एहि तरहेँ न्याय केलक अछि।"
23 आब अहाँ सभक सेहो न् याय करू आ देखू जे ओहि लड़का केँ जे काज कयल गेल अछि ताहि लेल की बकाया अछि।
24 तखन ओ स् वर्गदूत जे फिरौनक बुद्धिमान मे सँ एक बुझाइत छलाह, मिस्र देशक सभ ज्ञानी सभक सोझाँ आ राजा आ राजकुमार सभक सोझाँ एहि तरहेँ उत्तर देलथिन।
25 जँ राजा केँ नीक लागय तँ राजा एहन लोक सभ केँ बजाबय जे हुनका सोझाँ गोमेदक पाथर आ आगि केर कोयला आनि कऽ बच्चाक सोझाँ राखि देथिन आ जँ बच्चा हाथ बढ़ा कऽ गोमेदक पाथर पकड़ि लेत तँ हमरा सभ केँ बुझल रहत जे युवक अपन सभ काज बुद्धिपूर्वक कएने अछि आ हमरा सभ केँ ओकरा मारि देबाक चाही।
26 मुदा जँ ओ कोयला पर हाथ पसारि लेत तँ हमरा सभ केँ बुझल रहत जे ई काज ई जानि कऽ नहि केलक आ ओ जीवित रहत।
27 राजा आ राजकुमार सभक नजरि मे ई बात नीक लागल, तेँ राजा प्रभुक स् वर्गदूतक वचनक अनुसार कयलनि।
28 राजा गोमेदक पाथर आ कोयला केँ आनि मूसाक समक्ष राखबाक आदेश देलनि।
29 ओ सभ ओहि लड़का केँ अपना सभक सोझाँ मे राखि देलक आ ओ बालक गोमेदक पाथर दिस हाथ बढ़ेबाक प्रयास केलक, मुदा प्रभुक स् वर्गदूत ओकर हाथ पकड़ि कोयला पर राखि देलक आ कोयला ओकर हाथ मे बुझि गेल आ ओ ओकरा उठा कऽ ओकर मुँह मे राखि देलक आ ओकर ठोर आ जीभक किछु भाग जरा देलक आ मुँह मे भारी भऽ गेलै आ जीह।
30 राजा आ राजकुमार सभ ई देखि बुझि गेलाह जे मूसा राजाक माथ पर सँ मुकुट उतारबा मे बुद्धिमानी सँ काज नहि केने छथि।
31 राजा आ राजकुमार सभ ओहि बच्चा केँ मारबा सँ परहेज कयलनि, तेँ मूसा पैघ होइत फिरौनक घर मे रहि गेलाह आ प्रभु हुनका संग छलाह।
32 जखन ओ बालक राजाक घर मे छल तखन बैंगनी रंगक वस्त्र पहिरने छल आ राजाक सन्तान सभक बीच बढ़ि गेल।
33 जखन मूसा राजाक घर मे पलल-बढ़ल तखन फिरौनक बेटी बथिया हुनका बेटा बुझि गेलनि आ फिरौनक घरक सभ लोक हुनका आदर केलनि आ मिस्रक सभ लोक हुनका सँ डेरा गेलाह।
34 ओ प्रतिदिन जा कऽ गोशेन देश मे अबैत छलाह, जतय हुनकर भाय इस्राएली सभ छलाह, आ मूसा हुनका सभ केँ रोज-रोज साँस मे तकलीफ आ कठिन परिश्रम मे देखैत छलाह।
35 मूसा हुनका सभ सँ पुछलथिन, "अहाँ सभ केँ दिन-प्रतिदिन ई परिश्रम किएक कयल जाइत अछि?"
36 ओ सभ हुनका सभ पर जे किछु भेल छलनि आ ओ सभ आज्ञा जे फिरौन हुनका सभ केँ जन्म सँ पहिने देने छलाह से हुनका सभ केँ कहलथिन।
37 ओ सभ हुनका सभ केँ बतौलनि जे बेओरक पुत्र बिलाम हुनका सभक विरुद्ध जे सलाह देने छलाह आ राजाक मुकुट केँ

माथ पर सँ हँटि कऽ हुनका मारबाक लेल हुनका सभक विरुद्ध की-की सलाह देलनि।
38 ई बात सुनि मूसा बिलाम पर हुनकर क्रोध भड़कि उठलनि आ ओ हुनका मारय चाहैत छलाह आ ओ दिन-प्रतिदिन हुनका लेल घात लगा कऽ बैसल रहलाह।
39 बिलाम मूसा सँ डेरा गेलाह आ हुनकर दुनू बेटा उठि कऽ मिस्र सँ निकलि गेलाह आ ओ सभ भागि गेलाह आ अपन प्राण छोड़ि कऽ कुश देश मे कुशक राजा किकियानुस लग विदा भऽ गेलाह।
40 मूसा राजाक घर मे निकलैत आ भीतर अबैत छलाह, तखन परमेश् वर हुनका परौन आ हुनकर सभ सेवक आ समस्त मिस्रक लोकक नजरि मे अनुग्रह कयलनि आ ओ सभ मूसा सँ बहुत प्रेम कयलनि।
41 जखन मूसा अपन भाय सभ कैँ देखबाक लेल गोशेन गेलाह, तखन ओ इस्राएलक लोक सभ कैँ अपन भार आ कठिन परिश्रम मे पड़ल देखलनि आ मूसा हुनका सभक कारणेँ दुखी भऽ गेलाह।
42 मूसा मिस्र घुरि कऽ फिरौनक घर आबि राजाक समक्ष आबि गेलाह आ मूसा राजाक समक्ष प्रणाम कयलनि।
43 मूसा फिरौन कैँ कहलथिन, "हम प्रभु, हम अहाँ सँ एकटा छोट सन आग्रह करय लेल आयल छी, हमर मुँह खाली नहि घुमाउ। फिरौन ओकरा कहलथिन, "बाजू।"
44 मूसा फिरौन कैँ कहलथिन, "अहाँक सेवक सभ कैँ गोशेन मे रहनिहार इस्राएलक लोक सभ कैँ एक दिन देल जाय जे ओ सभ ओहि मे अपन परिश्रम सँ विश्राम करथि।"
45 राजा मूसा कैँ उत्तर देलथिन, "देखू, हम अहाँक आग्रह कैँ पूरा करबाक लेल एहि बात मे अहाँक मुँह उठौने छी।"
46 फिरौन पूरा मिस्र आ गोशेन मे एकटा घोषणा जारी करबाक आदेश देलथिन।
47 अहाँ सभ, इस्राएलक समस्त संतान कैँ, राजा ई कहैत छथि, छह दिन धरि अहाँ सभ अपन काज आ परिश्रम करब, मुदा सातम दिन विश्राम करब, आ कोनो काजक पूर्वाग्रह नहि करब, जेना राजा आ बथियाक पुत्र मूसा आज्ञा देने छथि।
48 राजा द्वारा देल गेल बात पर मूसा आनन्दित भेलाह आ सभ इस्राएलक लोक मूसाक आदेशक अनुसार काज कयलनि।
49 ई बात परमेश् वरक दिस सँ इस्राएलक सन् तान सभक लेल छल, किएक तँ परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ कैँ हुनका सभक पूर्वज सभक लेल उद्धार करबाक लेल स्मरण करऽ लगलाह।
50 प्रभु मूसाक संग छलाह आ हुनकर प्रसिद्धि पूरा मिस्र मे चलि गेलनि।
51 मूसा सभ मिस्र आ इस्राएलक समस्त लोकक नजरि मे महान भऽ गेलाह आ अपन प्रजा इस्राएलक लेल भलाई तकैत आ राजा कैँ हुनका सभक विषय मे शान्तिक बात बजबैत छलाह।

अध्याय 71

1 जखन मूसा अठारह वर्षक भेलाह तखन ओ अपन बाप-माता कैँ देखबाक इच्छा कयलनि आ ओ हुनका सभ लग गोशेन गेलाह आ मूसा गोशेन लग पहुँचलाह तखन ओ ओहि स्थान पर पहुँचलाह जतय इस्राएलक लोक सभ काज मे लागल छलाह आ हुनका सभक भार कैँ देखैत छलाह आ देखलनि जे एकटा मिस्रवासी अपन एकटा इब्रानी भाय कैँ मारि देलक।
2 जखन मारल गेल आदमी मूसा कैँ देखलक तखन ओ हुनका लग दौड़ल गेल, कारण मूसा कैँ फिरौनक घर मे बहुत आदर कयल जाइत छल, आ ओ हुनका कहलथिन, "हमर मालिक हमरा देखभाल करू, ई मिस्रवासी राति मे हमरा घर मे आबि हमरा बान्हि क' हमरा सोझाँ मे हमर पत्नी लग आबि गेल, आ आब ओ हमर जान छीनबाक प्रयास मे लागल अछि।"
3 मूसा जखन ई दुष्ट बात सुनि मिस्रवासी पर हुनकर क्रोध भड़कि उठलनि आ ओ एम्हर-ओम्हर घुमि गेलाह आ देखलनि जे ओतय केओ नहि अछि तखन ओ मिस्रवासी कैँ मारि कऽ बालु मे नुका देलनि आ हिब्रू कैँ मारि देनिहारक हाथ सँ बचा लेलनि।
4 इब्रानी अपन घर चलि गेलाह आ मूसा अपन घर घुरि गेलाह आ राजाक घर वापस आबि गेलाह।
5 ओ आदमी घर घुरला पर ओ अपन पत्नी कैँ अस्वीकार करबाक विचार केलक, किएक तँ याकूबक घर मे ई उचित नहि छल जे कोनो पुरुष अपन पत्नी कैँ अशुद्ध भेलाक बाद अपन पत्नी लग आबि जाय।
6 ओ स् त्री जा कऽ अपन भाय सभ कैँ कहलथिन आ स् त्रीक भाय सभ हुनका मारबाक प्रयास कयलनि आ ओ अपन घर दिस भागि गेलाह आ भागि गेलाह।
7 दोसर दिन मूसा अपन भाय सभ लग जा कऽ देखलनि जे दू गोटे झगड़ा कऽ रहल छथि आ ओ दुष्ट कैँ कहलथिन, "अहाँ अपन पड़ोसी कैँ किएक मारि दैत छी?"
8 ओ हुनका उत्तर देलथिन, "अहाँ कैँ के राखि देने अछि जे अहाँ कैँ हमरा सभक पर राजकुंवर आ न्यायाधीश बनौने अछि?" की अहाँ हमरा ओहिना मारबाक विचार करैत छी जेना मिस्रक कैँ मारि देलहुँ? मूसा डरि गेलाह आ कहलथिन, "सत्ते ई बात बुझल अछि?"
9 फिरौन ई बात सुनि मूसा कैँ मारबाक आदेश देलथिन, तँ परमेश् वर अपन स् वर्गदूत पठौलनि आ ओ फारो कैँ पहरेदारक सेनापतिक रूप मे प्रगट भेलाह।
10 परमेश् वरक स् वर्गदूत पहरेदारक सेनापतिक हाथ सँ तलवार लऽ कऽ ओकर माथ उतारि लेलक, किएक तँ पहरेदारक सेनापतिक उपमा मूसाक उपमा मे बदलि गेल।
11 परमेश् वरक स् वर्गदूत मूसाक दहिना हाथ पकड़ि मिस्र देश सँ बाहर अनलनि आ मिस्रक सीमाक बाहर सँ चालीस दिनक दूरी पर राखि देलनि।
12 ओकर भाय हारून असगरे मिस्र देश मे रहि गेलाह आ ओ इस्राएलक लोक सभ कैँ भविष्यवाणी कयलनि।
13 अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर परमेश् वर ई कहैत छथि जे, "प्रत्येकक आँखिक घृणित वस्तु सभ कैँ फेकि दियौक आ मिस्रक मूर्ति सभ सँ अपना कैँ अशुद्ध नहि करू।"
14 इस्राएलक लोक सभ विद्रोह कयलक आ ओहि समय मे हारूनक बात नहि मानय लागल।
15 परमेश् वर हुनका सभ कैँ नष्ट करबाक लेल सोचलनि, की परमेश् वर अब्राहम, इसहाक आ याकूबक संग जे वाचा केने छलाह, तकरा मोन पाड़लनि।
16 ओहि समय मे फिरौनक हाथ इस्राएलक सन् तान सभ पर कठोर रहल आ ओ ओकरा सभ कैँ कुचलैत आ अत्याचार करैत रहलाह, जाबत परमेश् वर अपन वचन पठौलनि आ हुनका सभक ध्यान नहि देलनि।

अध्याय 72

1 ओहि समय मे कुशक सन् तान सभ आ पूरब आ अरामक लोक सभक बीच बहुत युद्ध भेल आ ओ सभ कुशक राजाक विरुद्ध विद्रोह कयलक जकर हाथ मे ओ सभ छल।
2 तखन कुशक राजा किकियानुस कुशक सभ सन् तान सभक संग विदा भेलाह, जे बालु जकाँ संख्या मे छल, आ ओ अराम आ पूबक बच्चा सभक संग लड़य लेल गेलाह, जाहि सँ ओ सभ ओकरा सभ कैँ अधीन करथि।
3 किकियानुस जखन बाहर निकललाह तखन ओ बिलाम जादूगर कैँ अपन दुनू बेटाक संग छोड़ि गेलाह जे शहरक पहरा देबथि आ देशक सबसँ नीचाँक लोक।
4 तखन किकियानुस अराम आ पूबक बच्चा सभ लग गेल आ ओकरा सभसँ लड़ि ओकरा सभकैँ मारि देलक आ ओ सभ किकियानुस आ ओकर लोकक सोझाँ घायल भ' कऽ खसि पड़ल।
5 ओ ओकरा सभ मे सँ बहुतो कैँ बंदी बना लेलक आ पहिने जकाँ ओकरा सभ कैँ अधीन कऽ देलक आ ओकरा सभक देश मे डेरा खसा देलक जे ओ सभ रोज जकाँ ओकरा सभ सँ कर लेब।
6 बेओरक पुत्र बिलाम जखन कुशक राजा हुनका शहर आ नगरक गरीब सभक पहरा देबऽ लेल छोड़ि देलनि तँ ओ उठि कऽ ओहि देशक लोक सभक संग सलाह देलनि जे राजा किकियानुसक विरुद्ध विद्रोह करू, जखन घर आबि जेताह तखन हुनका शहर मे प्रवेश नहि करय दियौक।
7 देशक लोक सभ हुनकर बात सुनलक आ हुनका शपथ खा कऽ हुनका आ हुनकर दुनू बेटा कैँ सेनाक सेनापति बनाओल गेलनि।
8 ओ सभ उठि कऽ नगरक देबाल सभ कैँ दुनू कोन मे ऊपर उठौलनि आ एकटा अत्यंत मजबूत भवन बनौलनि।
9 तेसर कोन पर ओ सभ शहर आ पूरा कुश देशक चारूकातक नदीक बीच मे अनगिनत खाई खोदलनि आ ओतहि नदीक पानि फटि गेलाह।
10 चारिम कोन पर ओ सभ अपन मंत्र-प्रपंच आ मंत्र-तंत्र द्वारा अनेक साँप सभ कैँ जमा कयलनि आ नगर कैँ मजबूत कयलनि आ ओहि मे रहि गेलाह, आ कियो हुनका सभक आगू-पाछू बाहर नहि निकलल आ नहिये भीतर गेलाह।
11 किकियानुस अराम आ पूबक बच्चा सभक संग लड़ल आ ओ ओकरा सभकैँ पहिने जकाँ अपना वश मे कऽ लेलक, आ ओ सभ ओकरा अपन सामान्य कर देलक, आ ओ जा कऽ अपन देश घुरि गेल।
12 जखन कुशक राजा किकियानुस आ हुनका संग सेनाक सभ सेनापति सभ अपन शहर लग पहुँचलाह तँ ओ सभ आँखि उठा कऽ देखलनि जे शहरक देबाल बनल अछि आ बहुत ऊँच अछि, तेँ लोक सभ एहि बात पर आश्चर्यचकित भऽ गेल।
13 ओ सभ एक दोसरा सँ कहलथिन, "ई कारण अछि जे ओ सभ देखि जे हमरा सभ कैँ युद्ध मे देरी भऽ गेल अछि आ हमरा सभ सँ बहुत डरा गेल छल, तेँ ओ सभ ई काज केलक आ नगरक देबाल सभ कैँ ठाढ़ कऽ कऽ ओकरा सभ कैँ मजबूत कऽ देलक जाहि सँ कनानक राजा सभ ओकरा सभक विरुद्ध युद्ध मे नहि आबि सकय।"
14 राजा आ सेना नगरक दरबज्जा लग पहुँचलाह आ ओ सभ आँखि उठा कऽ देखलक जे नगरक सभ फाटक बन्न भऽ गेल अछि आ ओ सभ पहरेदार सभ कैँ आवाज देलक जे, "हमरा सभ कैँ खोलि दियौक जाहि सँ हम सभ शहर मे प्रवेश करी।"
15 मुदा पहरेदार सभ हुनका सभक राजा बिलाम जादूगरक आज्ञा सँ हुनका सभ कैँ अपन शहर मे प्रवेश नहि करय देलनि।
16 तखन ओ सभ नगरक फाटकक सोझाँ हुनका सभक संग युद्ध कयलनि आ ओहि दिन किकियानुस मे सेनाक एक सय तीस गोटे खसि पड़लाह।
17 दोसर दिन ओ सभ लड़ैत रहलाह आ नदीक कात मे लड़ैत रहलाह। ओ सभ गुजरबाक प्रयास केलनि मुदा नहि पार सकलाह, तेँ किछु गोटे गड्ढा मे डूबि गेलाह आ मरि गेलाह |
18 तखन राजा हुनका सभ कैँ गाछ-बिरिछ काटि कऽ बेड़ा बनेबाक आदेश देलथिन, जाहि पर ओ सभ हुनका सभ लग जा सकथि।
19 जखन ओ सभ खधियाक स्थान पर पहुँचलाह तखन पानि चक्की मे घुमि गेल आ दस बेड़ा पर बैसल दू सय आदमी डूबि गेल।
20 तेसर दिन ओ सभ ओहि कात मे लड़य लेल आयल जतय साँप सभ छल, मुदा ओ सभ ओतय नहि पहुँचि सकल, किएक तँ साँप सभ एक सय सत्तरि आदमी कैँ मारि देलक आ ओ सभ कुश सँ लड़ब छोड़ि देलक आ नौ वर्ष धरि कुश कैँ घेराबंदी कयलक, कियो बाहर नहि निकलल आ भीतर नहि गेल।
21 ओहि समय मे जखन कुश पर युद्ध आ घेराबंदी भेल छल, तखन मूसा मिस्र सँ भागि गेलाह, जे मिस्रवासी कैँ मारबाक कारणेँ ओकरा मारय चाहैत छल।
22 मूसा अठारह वर्षक छलाह जखन ओ मिस्र सँ फिरौनक सोझाँ सँ भागि गेलाह आ ओ भागि गेलाह आ किकियानुसक डेरा मे भागि गेलाह, जे ओहि समय मे कुश कैँ घेराबंदी कएने छल।
23 जखन ओ सभ कुशक घेराबंदी करैत रहलाह, मूसा नौ वर्ष धरि कुशक राजा किकियानुसक डेरा मे रहलाह आ मूसा हुनका सभक संग बाहर निकलि गेलाह।
24 राजा आ राजकुमार सभ आ सभ लड़ाकू लोक मूसा सँ प्रेम करैत छलाह, कारण ओ महान आ योग्य छलाह, हुनकर कद एकटा कुलीन सिंह जकाँ छलनि, हुनकर चेहरा सूर्य जकाँ छलनि, हुनकर शक्ति सिंह जकाँ छलनि, आ ओ राजाक सलाहकार छलाह।
25 नौ वर्षक अंत मे किकियानुस कैँ एकटा जानलेवा रोग भ' गेलै, आ ओकर बीमारी ओकरा पर प्रबल भ' गेलै, आ सातम दिन ओकर मृत्यु भ गेलै।
26 तखन हुनकर नोकर सभ हुनका मलही लगा कऽ लऽ कऽ मिस्र देशक उत्तर मे नगरक फाटकक सोझाँ गाड़ि देलकनि।
27 ओ सभ हुनका ऊपर एकटा सुदृढ़ मजबूत आ ऊँच भवन बनौलनि आ नीचाँ बड़का-बड़का पाथर राखि देलनि।
28 राजाक शास्त्री सभ ओहि पाथर सभ पर अपन राजा किकियानुसक सभटा सामर्थ्य आ ओकर सभटा युद्ध जे ओ लड़ने छलाह, तकरा उकेरने छलाह, देखू, आइ ओ सभ ओतहि लिखल अछि।
29 कुशक राजा किकियानुसक मृत्युक बाद युद्धक कारणेँ हुनकर आदमी आ सेना सभ कैँ बहुत दुख भेलनि।
30 ओ सभ एक दोसरा सँ कहलथिन, "हमरा सभ कैँ ई सलाह दिअ जे एहि समय मे हमरा सभ कैँ की करबाक अछि, किएक तँ हम सभ अपन घर सँ नौ वर्ष दूर जंगल मे रहैत छी।"

31 जँ हम सभ कहब जे हम सभ शहरक विरुद्ध लड़ब तँ हमरा सभ मे सँ बहुतो गोटे घायल वा मारल जायब, आ जँ हम सभ एतय घेराबंदी मे रहब तँ हम सभ सेहो मरि जायब।
32 किएक तँ आब अरामक सभ राजा आ पूरबक लोक सभ सुनत जे हमरा सभक राजा मरि गेल अछि, आ ओ सभ हमरा सभ पर अचानक शत्रुतापूर्वक हमला करत आ हमरा सभ सँ लड़त आ हमरा सभ मे सँ कोनो शेष नहि छोड़त।
33 आब जाबत धरि नगर हमरा सभक हाथ मे नहि देल जायत, जा धरि हम सभ जा धरि राजा बना कऽ अपना सभ पर राजा बनाबी।
34 ओ सभ ओहि दिन किकियानुसक सेना मे सँ राजाक लेल एकटा आदमी चुनबाक इच्छा रखैत छलाह, आ हुनका सभ कैँ मूसा जकाँ कोनो वस्तु नहि भेटलनि जे ओ सभ हुनका सभ पर राज करथि।
35 ओ सभ जल्दी-जल्दी सभ अपन-अपन वस्त्र उतारि कऽ जमीन पर फेकि देलक आ एकटा पैघ ढेर बना ओहि पर मूसा कैँ राखि देलक।
36 ओ सभ उठि कऽ तुरही बजा कऽ हुनका सोझाँ मे पुकारैत कहलथिन, "राजा जीवित रहथि, राजा जीवित रहथि!"
37 सभ लोक आ कुलीन लोक सभ हुनका शपथ लेलनि जे किकियानुसक पत्नी कुशियन रानी अदोनियाह हुनका पत्नीक रूप मे देबनि आ ओहि दिन मूसा कैँ हुनका सभक राजा बनौलनि।
38 ओहि दिन कुशक सभ लोक घोषणा कयलनि जे, "प्रत्येक कैँ मूसा कैँ अपन सम्पत्ति मे सँ किछु ने किछु देबाक चाही।"
39 ओ सभ ओहि ढेर पर एकटा चादर पसारि देलथिन आ प्रत्येक गोटे अपन-अपन किछु-किछु ओहि मे फेकि देलथिन, एकटा सोनाक झुमका आ दोसर सिक्का।
40 कुशक सन्तान सभ ओहि ढेर पर गोमेदक पाथर, बडली, मोती आ संगमरमर सँ चानी आ सोना सेहो ढेर पर फेकलक।
41 मूसा चानी आ सोना, सभटा बर्तन आ गोमेदक पाथर जे कुशक सभ सन् तान हुनका देने छलनि, लऽ कऽ अपन खजाना मे राखि देलनि।
42 ओहि दिन मूसा कुशक राजा किकियानुसक स्थान पर कुशक वंशज पर राज केलनि।

अध्याय 73

1 मिस्रक राजा फिरौनक शासनक पचपनम वर्ष, यानी इस्राएली सभ मिस्र मे उतरबाक सय सत्तावनम वर्ष मे मूसा कुश मे राज केलनि।
2 मूसा जखन कुश पर राज करय लगलाह तखन ओ सत्ताईस वर्षक छलाह आ चालीस वर्षक राज् य कयलनि।
3 परमेश् वर मूसा कैँ कुशक सभ सन् तानक नजरि मे अनुग्रह आ अनुग्रह प्रदान कयलनि आ कुशक सन् तान सभ हुनका सँ बहुत प्रेम कयलनि, तेँ मूसा कैँ प्रभु आ मनुष् य सभक अनुग्रह कयलनि।
4 हुनकर शासनक सातम दिन कुशक सभ सन् तान जमा भऽ मूसाक समक्ष आबि हुनका जमीन पर प्रणाम कयलनि।
5 राजाक सोझाँ सभ बच्चा सभ एक संग बजलाह, "हमरा सभ कैँ सलाह दिअ जे हम सभ ई देखि सकब जे एहि नगरक संग की भ' रहल अछि।"
6 आब नौ वर्ष भऽ गेल जे हम सभ शहरक चारू कात घेराबंदी कऽ रहल छी आ अपन बच्चा सभ आ पत्नी सभ कैँ नहि देखलहुँ।
7 राजा हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "हम अहाँ सभ कैँ जे आज्ञा देब ताहि मे जँ अहाँ सभ हमर बात सुनब तँ प्रभु एहि नगर कैँ हमरा सभक हाथ मे दऽ देताह आ हम सभ ओकरा वश मे कऽ देब।"
8 किएक तँ जँ किकियनसक मृत्युसँ पहिने हुनका सभक संग जे युद्ध भेल छल, तहिना जँ हम सभ हुनका सभक संग लड़ब तँ हमरा सभ मे सँ बहुतो गोटे पहिने जकाँ घायल भऽ खसि पड़ब।
9 आब देखू, एहि विषय मे अहाँ सभक लेल सलाह देल गेल अछि। जँ अहाँ सभ हमर आवाज सुनब तँ शहर हमरा सभक हाथ मे सौंपल जायत।"
10 तखन सभ सेना राजा कैँ उत्तर देलकनि, "हमर मालिक जे आज्ञा देथिन से हम सभ पूरा करब।"
11 मूसा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "ओतऽ जा कऽ समस्त शिविर मे सभ लोक कैँ एकटा आवाज सुनाउ।
12 राजा ई कहैत छथि, "वन मे जाउ आ सारसक बच्चा मे सँ एक-एकटा बच्चा कैँ अपना संग आनू।"
13 जे केओ राजाक वचनक उल्लंघन करत, जे अपन बच्चा कैँ नहि आनत, ओ मरि जायत आ राजा अपन सभटा सम्पत्ति लऽ लेत।
14 जखन अहाँ ओकरा सभ कैँ आनब तखन ओ सभ अहाँक पालन मे रहत, जाबत धरि ओ सभ पैघ नहि होयत ता धरि ओकरा सभ कैँ पोसब आ ओकरा सभ कैँ बाजक बच्चा सभक बाट जकाँ दौड़ब सिखाबह।
15 तखन कुशक सभ सन् तान मूसाक वचन सुनि कऽ उठि कऽ पूरा शिविर मे घोषणा कयलक।
16 अहाँ सभ कुशक सभ सन् तान सभ, राजाक आदेश अछि जे अहाँ सभ एक संग जंगल मे जाउ आ ओतय सारसक बच्चा सभ कैँ अपन-अपन बच्चा कैँ हाथ मे पकड़ि लिअ आ ओकरा सभ कैँ घर अनब।
17 राजाक आदेशक उल्लंघन करयवला केओ मरि जायत आ राजा अपन सभटा वस्तु ल' लेत।
18 सभ लोक सभ एना केलक आ ओ सभ जंगल दिस निकलि गेल आ ओ सभ देवदारक गाछ सभ पर चढ़ि कऽ पकड़ि लेलक, एक-एकटा हाथ मे एकटा बच्चा, सभ सारसक बच्चा, आ ओकरा सभ कैँ मरुभूमि मे आनि राजाक आदेश पर ओकरा सभ कैँ पोसब, आ ओकरा सभ कैँ बाजक बच्चा जकाँ दौड़-धूप करब सिखाओल गेल।
19 सारसक बच्चा सभक पालन-पोषण भेलाक बाद राजा ओकरा सभ कैँ तीन दिन धरि भूखल रहबाक आदेश देलनि आ सभ लोक एना केलक।
20 तेसर दिन राजा हुनका सभ कैँ कहलथिन, अहाँ सभ अपना कैँ मजबूत करू आ वीर बनि जाउ, आ एक-एक गोटे अपन कवच आ तलवार पर पट्टी पहिरि कऽ एक-एक गोटे अपन घोड़ा पर सवार भऽ कऽ अपन-अपन सारसक बच्चा कैँ हाथ मे लऽ लिअ।
21 हम सभ उठि कऽ ओहि नगरक विरुद्ध लड़ब, जतय साँप सभ अछि। आ सभ लोक राजाक आदेशक अनुसार काज केलक।

22 ओ सभ अपन-अपन बच्चा कैँ हाथ मे लऽ कऽ चलि गेलाह आ साँपक स्थान पर पहुँचला पर राजा हुनका सभ कैँ कहलथिन, "प्रत्येक अपन-अपन सारस कैँ साँप पर पठा दियौक।"
23 ओ सभ राजाक आदेश पर एक-एकटा अपन-अपन सारसक बच्चा पठा देलक आ सारसक बच्चा सभ साँप सभ पर दौड़ि गेल आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ खा गेल आ ओहि ठाम सँ ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ देलक।
24 राजा आ लोक सभ देखि कऽ जे ओहि ठाम सभ साँप सभक नाश भऽ गेल अछि तँ सभ लोक सभ जोर-जोर सँ चिचिया उठल।
25 ओ सभ ओहि नगरक समीप आबि कऽ ओहि नगरक संग लड़ि गेल आ ओकरा पकड़ि कऽ वश मे कऽ लेलक आ ओ सभ नगर मे प्रवेश कयलक।
26 ओहि दिन नगरक लोक मे सँ एक हजार एक सय आदमी मरि गेल, जे नगर मे रहनिहार सभ लोक छल, मुदा घेराबंदी मे बैसल लोक मे सँ कियो नहि मरि गेल।
27 तेँ कुशक सभ सन् तान सभ अपन-अपन घर, अपन स् त्री आ संतान आ हुनकर सभटा सम् पति लग गेलाह।
28 जादुई बिलाम जखन देखि जे नगर पकड़ल गेल अछि तँ ओ फाटक खोललक आ ओ अपन दुनू बेटा आ आठ भाइ संग भागि गेल आ मिस्रक राजा फिरौन लग मिस्र घुरि गेल।
29 ओ सभ जादू-टोना आ जादूगर सभ अछि जकर उल्लेख व्यवस्थाक पुस्तक मे कयल गेल अछि, जखन प्रभु मिस्र पर विपत्ति अनने छलाह तखन मूसाक विरुद्ध ठाढ़ छलाह।
30 मूसा अपन बुद्धि सँ नगर कैँ पकड़ि लेलनि आ कुशक राजा किकियानुसक बदला कुशक सन्तान सभ हुनका सिंहासन पर बैसा देलनि।
31 ओ सभ हुनकर माथ पर राजमुकुट राखि देलथिन आ किकियानुसक पत्नी कुश रानी अदोनियाह हुनका पत्नीक रूप मे दऽ देलथिन।
32 मूसा अपन पूर्वज सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ भयभीत रहलाह, जाहि सँ ओ हुनका लग नहि अयलाह आ ने हुनका दिस नजरि घुमौलनि।
33 मूसा कैँ मोन पड़लनि जे कोना अब्राहम अपन सेवक एलीएजर कैँ शपथ दऽ कऽ कहलथिन, "अहाँ हमर पुत्र इसहाकक लेल कनानक बेटी सभ मे सँ कोनो स् त्री कैँ नहि लऽ जाउ।"
34 इसहाक जे केलकै जखन याकूब अपन भाय सँ भागि गेल छल, जखन ओ ओकरा आज्ञा देलक जे, "अहाँ कनानक बेटी मे सँ पत्नी नहि बनाउ आ हामक कोनो सन् तान सँ गठबंधन नहि करू।"
35 हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर नूहक पुत्र हाम आ ओकर संतान आ ओकर सभ वंशज कैँ शेम आ याफेतक सन् तान आ हुनका सभक बादक वंशज कैँ दास बना कऽ सदाक लेल दऽ देलनि।
36 तेँ मूसा जाबत धरि कुश पर राज करैत रहलाह, ताबत धरि किकियानुसक पत्नी दिस अपन मोन नहि घुमौलनि।
37 मूसा जीवन भरि अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ डरैत रहलाह, आ मूसा अपन पूरा मोन आ प्राण सँ सत्यतापूर्वक प्रभुक समक्ष चलैत रहलाह, जीवन भरि ओ सही बाट सँ नहि घुरलनि। ओ ओहि बाट सँ नहि हटि गेलाह जे ने दहिना दिस आ ने बामा दिस, जाहि मे अब्राहम, इसहाक आ याकूब चलल छलाह।
38 मूसा कुशक सन् तानक राज् य मे अपना कैँ मजबूत कयलनि आ कुशक सन् तान सभ कैँ अपन सामान्य बुद्धि सँ मार्गदर्शन कयलनि आ मूसा अपन राज् य मे सफल भेलाह।
39 ओहि समय मे अराम आ पूबक लोक सभ सुनलक जे कुशक राजा किकियानुस मरि गेल अछि, तेँ ओहि समय मे अराम आ पूरबक लोक सभ कुशक विरुद्ध विद्रोह केलक।
40 मूसा कुशक समस्त लोक सभ कैँ, जे बहुत शक्तिशाली छल, लगभग तीस हजार आदमी कैँ जमा कयलनि, आ ओ अराम आ पूरबक लोक सभ सँ लड़बाक लेल निकलि गेलाह।
41 ओ सभ पहिने पूबक लोक सभ लग गेलाह आ पूरबक लोक सभ जखन हुनका सभक खबरि सुनि हुनका सभ सँ भेंट करय लेल गेलाह आ हुनका सभक संग युद्ध मे लागि गेलाह।
42 पूबक लोक सभक विरुद्ध युद्ध भयंकर भऽ गेल, तेँ परमेश् वर पूबक समस्त लोक सभ कैँ मूसाक हाथ मे दऽ देलनि आ करीब तीन सय आदमी मारल गेल।
43 पूर्व दिसक सभ लोक पाछू घुमि कऽ पाछू हटि गेल, तेँ मूसा आ कुशक लोक हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ आबि हुनका सभ कैँ अपन वश मे कयलनि आ हुनका सभक प्रथाक अनुसार कर लगा देलनि।
44 तखन मूसा आ हुनका संग सभ लोक ओहि ठाम सँ युद्धक लेल अराम देश दिस बढ़लाह।
45 अरामक लोक सभ सेहो हुनका सभ सँ भेंट करय लेल गेल आ ओ सभ हुनका सभ सँ लड़लनि आ प्रभु हुनका सभ कैँ मूसाक हाथ मे सौंप देलनि आ अरामक बहुतो लोक घायल भ' क' खसि पड़लाह।
46 अराम सेहो मूसा आ कुशक लोकक वश मे भऽ गेलाह आ अपन सामान्य कर सेहो देलनि।
47 मूसा अराम आ पूरबक लोक सभ कैँ कुशक वंशक अधीन कयलनि आ मूसा आ हुनका संग रहनिहार सभ लोक कुशक देश दिस घुमि गेलाह।
48 मूसा कुशक सन् तानक राज् य मे अपना कैँ मजबूत कयलनि आ प्रभु हुनका संग छलाह आ कुशक सभ सन् तान हुनका सँ भयभीत भऽ गेलाह।

अध्याय 74

1 वर्षक अंत मे एदोमक राजा साउल मरि गेलाह आ हुनकर स्थान पर अकबोरक पुत्र बाल कनान राज केलनि।
2 मूसाक कुश पर शासनक सोलहम वर्ष मे अकबोरक पुत्र बाल चानन एदोम देश मे अड़तीस वर्ष धरि एदोमक समस्त संतान पर राज केलक।
3 अपन समय मे मोआब एदोमक सत्ताक विरुद्ध विद्रोह केलक, जे बेदादक पुत्र हदादक समय सँ एदोमक अधीन छल, जे ओकरा सभ आ मिद्यान कैँ मारि देलक आ मोआब कैँ एदोमक अधीन कऽ देलक।
4 जखन अकबोरक पुत्र बाल चानन एदोम पर राज केलनि तखन मोआबक सभ सन् तान एदोम सँ अपन वफादारी छोड़ि देलनि।
5 ओहि समय मे अफ्रीकाक राजा अंजियस मरि गेलाह आ हुनकर पुत्र अज्द्रुबल हुनकर स्थान पर राज केलनि।
6 ओहि दिन मे चित्तिमक सन् तानक राजा जनेस मरि गेलाह आ ओ सभ हुनका अपन मन्दिर मे दफना देलनि जे ओ अपना लेल

कानोपियाक मैदान मे निवासक लेल बनौने छलाह आ हुनकर स्थान पर लैटिनस राज केलनि।
7 मूसाक कुशक सन् तान सभ पर शासन करबाक बाइसम वर्ष मे लैटिनस पंचालीस वर्ष धरि चित्तिमक सन् तान सभ पर राज केलनि।
8 ओ अपना लेल एकटा पैघ आ पराक्रमी टावर सेहो बनौलनि आ ओहि मे अपन निवासक लेल एकटा सुरुचिपूर्ण मंदिर बनौलनि, जाहि सँ ओ अपन शासन चलाबय, जेना प्रथा छल।
9 अपन शासनक तेसर वर्ष मे ओ अपन सभ कुशल लोक सभ कैँ घोषणा कयलनि जे हुनका लेल बहुत रास जहाज बनौलनि।
10 लैटिनस अपन सभ सेना जमा कऽ लेलक आ ओ सभ जहाज पर आबि अफ्रीकाक राजा एन्जियासक पुत्र अज्द्रुबलक संग युद्ध करय लेल गेल आ ओ सभ अफ्रीका आबि अज्द्रुबल आ ओकर सेनाक संग युद्ध मे लागल।
11 लैटिनस अज्द्रुबल पर विजय प्राप्त केलक आ लैटिनस अज़्द्रुबल सँ ओ जलमार्ग ल लेलक जे ओकर पिता चित्तिमक सन्तान सभ सँ अनने छलाह, जखन ओ उजीक बेटी जनिया कैँ पत्नीक रूप मे लेलनि, तँ लैटिनस जलमार्गक पुल उखाड़ि देलक आ अज्द्रुबलक समस्त सेना कैँ एकटा भयंकर प्रहार कयलनि।
12 अज्द्रुबलक शेष बलवान लोकनि अपना कैँ मजबूत कयलनि, आ हुनका लोकनिक हृदय ईर्ष्या सँ भरि गेलनि, आ ओ सभ मृत्युक प्रेमालाप कयलनि आ फेर चित्तिमक राजा लैटिनस सँ युद्ध मे लागि गेलाह।
13 अफ्रीकाक सभ आदमी पर युद्ध भयंकर भ' गेलै, आ ओ सभ लैटिनस आ ओकर लोकक सोझाँ घायल भ' गेलै, आ राजा अज़्द्रुबल सेहो ओहि युद्ध मे खसि पड़ल।
14 राजा अज्द्रुबल कैँ एकटा बहुत सुन्दर बेटी छलनि, जिनकर नाम उशपेजेना छलनि, आ अफ्रीकाक सभ पुरुष ओकर पैघ सुन्दरता आ सुन्दर रूपक कारणेँ ओकर उपमा अपन वस्त्र पर कढ़ाई करैत छलाह।
15 लैटिनसक लोक सभ अज्द्रुबलक बेटी उशपेजेना कैँ देखलक आ ओकर प्रशंसा अपन राजा लैटिनस कैँ कयलक।
16 लैटिनस ओकरा अपना लग आनबाक आदेश देलथिन, आ लैटिनस उशपेजेना कैँ पत्नी बना लेलनि आ ओ चित्तीम दिस घुमि गेलाह।
17 आ एन्जियासक पुत्र अज़्द्रुबलक मृत्युक बाद जखन लैटिनस युद्धसँ अपन देश दिस घुमि गेल छल तखन अफ्रीकाक सभ निवासी उठि गेल आ अजद्रुबलक छोट भाइ एन्जियासक पुत्र अनिबल कैँ पकड़ि लेलक आ ओकर बदला मे ओकरा अपन भाइ पर अफ्रीकाक समस्त देश पर राजा बना लेलक।
18 जखन ओ राज्य भेलाह तखन ओ चित्तिमक सन् तान सभक संग लड़बाक लेल कित्तीम जेबाक संकल्प कयलनि, जाहि सँ ओ अपन भाय अज्द्रुबल आ अफ्रीका मे रहनिहार सभक काजक बदला लेताह।
19 ओ बहुत रास नाव बनौलनि आ ओ अपन समस्त सेनाक संग ओहि मे आबि कित्तीम गेलाह।
20 अनिबल कित्तीमक सन् तान सभक संग लड़लनि आ कित्तीमक सन् तान सभ अनिबल आ ओकर सेनाक सोझाँ घायल भऽ गेलाह आ अनिबल अपन भायक बातक बदला लेलनि।
21 अनिबल अठारह वर्ष धरि कित्तीमक सन्तान सभक संग युद्ध करैत रहलाह आ अनिबल कित्तीम देश मे रहैत छलाह आ बहुत दिन धरि ओतहि डेरा खसा लेलनि।
22 अनिबल कित्तीमक सन् तान सभ कैँ बहुत मारि देलक आ ओकर सभक महापुरुष आ राजकुमार सभ कैँ मारि देलक आ बाकी लोक सभ मे सँ करीब अस्सी हजार आदमी कैँ मारि देलक।
23 दिन आ वर्षक अंत मे अनिबल अपन अफ्रिका देश मे घुरि गेलाह आ ओ अपन भाय अज्द्रुबलक स्थान पर सुरक्षित रूप सँ राज केलनि।

अध्याय 75

1 ओहि समय मे इस्राएली सभ मिस्र देश मे उतरबाक सय अस्सीम वर्ष मे मिस्र सँ तीस हजार पैदल यात्रा कयल गेल, जे सभ यूसुफक वंशक छल, यूसुफक पुत्र एप्रैमक संतान मे सँ।
2 ओ सभ कहैत छल जे ओ समय पूरा भऽ गेल जे परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभक लेल पूर्वकाल मे निर्धारित केने छलाह।
3 ई लोक सभ अपना कैँ कमरबंद कऽ कऽ एक-एक गोटे अपन-अपन तलवार अपन कात मे राखि देलक आ सभ अपन-अपन कवच कैँ अपना पर राखि देलक आ ओ सभ अपन सामर्थ् य पर भरोसा कऽ कऽ एक-एकटा पराक्रमी हाथ ल' कऽ मिस्र सँ बाहर निकलि गेल।
4 मुदा ओ सभ रस् ताक लेल कोनो अन्न-सज्जा नहि अनलनि, मात्र चानी आ सोना आ ओहि दिनक रोटी तक नहि अनलनि, किएक तँ ओ सभ सोचैत छलाह जे पलिस्ती सभ सँ वेतनक लेल अपन भोजन लेब, आ जँ नहियो तँ जबरदस्ती लऽ लेताह।
5 ई आदमी सभ बहुत पराक्रमी आ वीर लोक छल, एक आदमी हजारक पीछा क' सकैत छल आ दू गोटे दस हजार कैँ पराजित क' सकैत छल, तँ ओ सभ अपन शक्ति पर भरोसा क' क' जेना-तेना एक संग चलि गेल।
6 ओ सभ अपन बाट गात देश दिस बढ़लाह आ नीचाँ जा कऽ गातक चरबाह सभ गातक लोकक पशु-पालन करैत देखलनि।
7 ओ सभ चरबाह सभ कैँ कहलथिन, "हमरा सभ कैँ वेतन मे किछु बरद दऽ दिअ जाहि सँ हम सभ खा सकब, किएक तँ हमरा सभ कैँ भूख लागल अछि, किएक तँ आइ हम सभ रोटी नहि खयलहुँ।"
8 चरबाह सभ कहलथिन, "की ई सभ हमरा सभक भेँड़ा अछि आकि मवेशी जे हम सभ ओकरा सभ कैँ अहाँ सभ कैँ वेतन मे दऽ दी?" तँ एप्रैमक सन् तान सभ ओकरा सभ कैँ जबरदस्ती पकड़बाक लेल लग आबि गेल।
9 गाथक चरबाह सभ हुनका सभ पर चिचिया उठलनि जे हुनकर सभक चीत्कार दूर सँ सुनल गेल अछि, तँ गाथक सभ लोक हुनका सभक लग निकलि गेलाह।
10 गातक लोक सभ जखन एप्रैमक लोक सभक दुष्कर्म देखि, ओ सभ घुरि कऽ गातक लोक सभ कैँ जमा कऽ लेलक आ एक-एक गोटे अपन-अपन कवच पहिरि कऽ एप्रैमक लोक सभ लग युद्धक लेल निकलि गेल।
11 ओ सभ गत उपत्यका मे हुनका सभक संग युद्ध कयलनि, आ युद्ध भयंकर भऽ गेलनि आ ओहि दिन ओ सभ एक-दोसर कैँ बहुतो लोक कैँ मारि देलनि।
12 दोसर दिन गातक लोक सभ पलिस्तीक सभ नगर मे पठौलनि जे ओ सभ हुनका सभक मददि करथि।
13 हमरा सभक लग आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू, जाहि सँ हम सभ एप्रैमक सन् तान सभ कैँ मारि दी जे मिस्र सँ

हमरा सभक माल-जाल कैँ लऽ कऽ हमरा सभ सँ बेवजह लड़बाक लेल आयल अछि।
14 एप्रैमक लोक सभक प्राण भूख आ प्यास सँ थकित भऽ गेल छल, कारण ओ सभ तीन दिन धरि रोटी नहि खा चुकल छल। पलिस्तीक नगर सभ सँ चालीस हजार आदमी गातक लोक सभक सहायताक लेल निकलल।
15 ई लोकनि एप्रैमक सन् तान सभक संग युद्ध मे लागल छलाह आ प्रभु एप्रैमक सन् तान सभ कैँ पलिश् ती सभक हाथ मे सौंप देलनि।
16 ओ सभ एप्रैमक सभ सन् तान सभ कैँ मारि देलक, जे सभ मिस्र सँ निकलल छल आ कियो नहि बचल छल, सिवाय दस गोटे जे सगाई सँ भागि गेल छल।
17 ई अधलाह परमेश् वरक दिस सँ एप्रैमक सन् तान सभक विरुद्ध भेल छल, किएक तँ ओ सभ मिस्र सँ निकलि कऽ प्रभुक वचनक उल्लंघन कयलनि, जखन कि ओहि समय सँ पहिने जे परमेश् वर इस्राएलक लेल निर्धारित केने छलाह।
18 पलिस्ती सभ मे सँ बहुतो, लगभग बीस हजार आदमी खसि पड़ल आ ओकर सभक भाय सभ ओकरा सभ कैँ लऽ कऽ अपन-अपन नगर मे गाड़ि देलक।
19 एप्रैमक वंशज मे सँ मारल गेल लोक सभ कतेको दिन आ वर्ष धरि गातक उपत्यका मे छोड़ि देल गेल, मुदा ओकरा सभ कैँ दफना नहि देल गेल, आ ओहि घाटी मे मनुष् य सभक हड्डी सभ भरि गेल।
20 युद्ध सँ बचल लोक सभ मिस्र आबि गेल आ सभ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ हुनका सभ पर जे किछु भेल छलनि से कहलकनि।
21 हुनका सभक पिता एफ्राइम हुनका सभक लेल बहुत दिन धरि शोक करैत रहलाह आ हुनकर भाय सभ हुनका सान्त्वना देबय लेल आबि गेलाह।
22 ओ अपन पत्नी लग आबि गेलाह आ हुनका एकटा बेटा भेलनि आ हुनकर नाम बेरिया रखलनि, कारण ओ हुनकर घर मे अभागल छलीह।

अध्याय 76

1 अम्रामक पुत्र मूसा ओहि समय मे कुश देश मे राजा छलाह, आ ओ अपन राज्य मे सफल भेलाह आ कुशक सन्तान सभक शासन कैँ न्याय, धार्मिक आ निष्ठा सँ संचालित कयलनि।
2 कुशक सभ सन् तान मूसा सँ प्रेम करैत रहलाह, जाबत धरि ओ हुनका सभ पर राज करैत छलाह, आ कुश देशक सभ निवासी हुनका सँ बहुत डरैत छलाह।
3 मूसाक कुश पर शासन करबाक चालीसम वर्ष मे मूसा राजसिंहासन पर बैसल छलाह, जखन कि हुनका आगू मे रानी अदोनिया आ सभ कुलीन लोक हुनका चारू कात बैसल छलाह।
4 रानी अदोनिया राजा आ राजकुमार सभक सोझाँ पुछलथिन, "अहाँ सभ कुशक सन् तान सभ एतेक दिन धरि ई की कऽ रहल छी?"
5 अहाँ सभ अवश्य जनैत छी जे चालीस वर्ष धरि ई आदमी कुश पर राज करैत अछि, ओ हमरा लग नहि पहुँचल अछि आ ने कुशक सन्तान सभक देवता सभक सेवा केलक।
6 हे कुशक सन्तान सभ, आब सुनू, आ ई आदमी अहाँ सभ पर आब ओहिना राज नहि करऽ दियौक जेना ओ हमरा सभक शरीरक नहि अछि।
7 देखू, हमर बेटा मेनाक्रस पैघ भ' गेल अछि, ओ अहाँ सभ पर राज करथि, किएक तँ अहाँ सभक लेल मिस्रक राजाक गुलाम परदेशी के सेवा करब सँ नीक जे अहाँ अपन मालिकक बेटाक सेवा करब।
8 कुशक सभ लोक आ कुलीन लोक सभ ओहि बात सभ कैँ सुनलनि जे रानी अदोनिया हुनका सभक कान मे कहने छलीह।
9 सभ लोक साँझ धरि तैयारी मे लागल छल आ भोरे-भोर उठि कऽ किकियानुसक पुत्र मेनाक्रस कैँ अपना सभक राजा बनौलनि।
10 कुशक सभ सन् तान मूसाक विरुद्ध हाथ बढ़ाबऽ मे डरा गेल, किएक तँ प्रभु मूसाक संग छलाह, आ कुशक सन् तान सभ मूसा कैँ जे शपथ देने छल, से मोन पाड़ि लेलक, तेँ ओ सभ हुनकर कोनो हर्ज नहि केलक।
11 मुदा कुशक सन् तान सभ मूसा कैँ बहुत रास उपहार देलक आ ओकरा सभ सँ बहुत आदरपूर्वक पठा देलक।
12 मूसा कुश देश सँ निकलि गेलाह आ घर चलि गेलाह आ कुश पर राज करब छोड़ि देलनि, आ मूसा कुश देश सँ बाहर निकलला पर छियासठि वर्षक छलाह, कारण ई बात प्रभुक दिस सँ छलनि, किएक तऽ ओ समय आबि गेल छल जे ओ प्राचीन काल मे इस्राएल कैँ हामक सन्तानक क्लेश सँ बाहर निकालबाक लेल निर्धारित केने छलाह।
13 तखन मूसा मिद्यान चलि गेलाह, कारण ओ फिरौनक कारणेँ मिस्र घुरि कऽ घुरबा मे डरैत छलाह, आ ओ मिद्यान मे पानि केर इनार पर बैसि गेलाह।
14 मिद्यानी रेउलक सातटा बेटी अपन पिताक भेँड़ाक चराबऽ लेल निकलि गेलीह।
15 ओ सभ इनार लग आबि अपन पिताक भेँड़ा कैँ पानि देबाक लेल पानि निकालि लेलक।
16 तखन मिद्यानक चरबाह सभ आबि कऽ ओकरा सभ कैँ भगा देलक आ मूसा उठि कऽ ओकरा सभक सहायता कयलक आ भेँड़ा सभ कैँ पानि देलक।
17 ओ सभ अपन पिता रेउल लग घर आबि कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन जे मूसा हुनका सभक लेल की कयलनि।
18 ओ सभ कहलथिन, "एकटा मिस्रवासी हमरा सभ कैँ चरबाह सभक हाथ सँ बचा लेलक, हमरा सभक लेल पानि निकालि कऽ भेँड़ा सभ कैँ पानि देलक।"
19 रेउल अपन बेटी सभ कैँ पुछलथिन, "ओ कतय छथि?" अहाँ ओहि आदमी कैँ किएक छोड़ि देलहुँ?
20 तखन रुएल हुनका बजा कऽ बजा कऽ घर अनलनि आ ओ हुनका संग रोटी खयलनि।
21 मूसा रुएल कैँ कहलथिन जे ओ मिस्र सँ भागि गेलाह आ चालीस वर्ष धरि कुश पर राज केलनि आ तकर बाद ओ सभ हुनका सँ शासन छीनि लेलनि आ हुनका शान्तिपूर्वक आदर आ उपहारक संग विदा कऽ देलनि।
22 रयूएल मूसाक बात सुनि मने-मन बजलाह, "हम एहि आदमी कैँ जेल घर मे राखि देब, जाहि सँ हम कुशक सन् तान सभक संग मेल-मिलाप कऽ देब, किएक तँ ओ ओकरा सभ सँ भागि गेल अछि।"

23 ओ सभ हुनका लऽ कऽ जेल घर मे राखि देलथिन, आ मूसा दस वर्ष जेल मे रहलाह, आ मूसा जेल मे रहैत छलाह तखन रुअलक बेटी सिप्पोरा हुनका पर दया करैत छलीह आ हरदम रोटी-पानि सँ हुनकर भरण-पोषण करैत छलीह।
24 इस्राएलक सभ सन् तान एखनो मिस्र देश मे सभ तरहक परिश्रम मे मिस्रक लोक सभक सेवा कऽ रहल छल आ ओहि समय मे मिस्रक हाथ इस्राएलक सन् तान सभ पर कठोरता सँ चलैत रहल।
25 ओहि समय मे परमेश् वर मिस्रक राजा फिरौन कैँ मारि देलथिन आ ओ अपन पैरक तलवा सँ ल' कऽ माथक मुकुट धरि कोढ़क विपत्ति सँ पीड़ित कयलनि। इस्राएलक सन्तान सभक संग क्रूर व्यवहारक कारणेँ ओहि समय मे प्रभुक दिस सँ मिस्रक राजा फिरौन पर ई विपत्ति आबि गेल छल|
26 किएक तँ परमेश् वर अपन प्रजा इस्राएलक सन् तानक प्रार्थना सुनने छलाह आ हुनका सभक परिश्रमक कारणेँ हुनका सभक पुकार हुनका लग पहुँचि गेल छलनि।
27 तइयो ओकर क्रोध ओकरा सभ सँ नहि हटि गेलैक आ फिरौनक हाथ एखनो इस्राएलक सन्तान सभ पर पसारि गेल छलैक आ फिरौन प्रभुक समक्ष अपन गरदनि कठोर कऽ लेलक आ इस्राएलक सन्तान सभ पर अपन जुआ बढ़ा देलक आ सभ तरहक मेहनति सँ ओकर सभक जीवन कटु कऽ देलक।
28 जखन परमेश् वर मिस्रक राजा फिरौन कैँ विपत्ति पहुँचा देलनि तँ ओ अपन बुद्धिमान आ जादूगर सभ सँ हुनका ठीक करबाक लेल कहलथिन।
29 हुनकर बुद्धिमान आ जादूगर सभ हुनका कहलथिन, "जँ छोट-छोट बच्चा सभक खून घाव मे लगाओल जायत तँ ओ ठीक भऽ जेताह।"
30 फिरौन हुनका सभक बात सुनलनि आ अपन सेवक सभ कैँ गोशेन पठौलनि जे इस्राएलक लोक सभ कैँ हुनका सभक छोट-छोट बच्चा सभ कैँ लऽ जाथि।
31 फिरौनक सेवक सभ जा कऽ इस्राएलक शिशु सभ कैँ ओकर माय सभक कोरा सँ जबरदस्ती ल' लेलक आ ओकरा सभ कैँ प्रतिदिन एक-एकटा बच्चा कैँ फिरौन लग अनैत छल आ वैद्य सभ ओकरा सभ कैँ मारि कऽ विपत्ति मे लगा देलक। भरि दिन एहि तरहेँ करैत रहलाह।
32 फिरौन जे बच्चा सभ कैँ मारलनि, ओकर संख्या तीन सय पचहत्तरि छल।
33 मुदा परमेश् वर मिस्रक राजाक वैद्य सभक बात नहि सुनलनि आ विपत्ति जोर सँ बढ़ैत गेल।
34 फारो दस वर्ष धरि ओहि विपत्ति सँ पीड़ित छलाह, तखनो फिरौनक हृदय इस्राएलक सन् तान सभक प्रति आरो कठोर भऽ गेल छलनि।
35 दस वर्षक अंत मे प्रभु फिरौन कैँ विनाशकारी विपत्ति सँ पीड़ित करैत रहलाह।
36 परमेश् वर हुनका पेट मे एकटा खराब ट्यूमर आ बीमारी सँ मारि देलथिन आ ओ विपत्ति भयंकर फोड़ा मे बदलि गेलनि।
37 ओहि समय मे फिरौनक दूनू सेवक गोशेन देश सँ आबि गेलाह, जतय सभ इस्राएलक सन्तान छल आ फिरौनक घर मे जा कऽ हुनका कहलथिन, "हम सभ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ अपन काज मे सुस्त आ श्रम मे लापरवाह देखलहुँ।"
38 जखन फिरौन अपन सेवक सभक बात सुनि कऽ इस्राएलक सन् तान सभ पर बहुत क्रोध भऽ गेलनि, किएक तँ ओ अपन शरीरक पीड़ा सँ बहुत दुखी भऽ गेलाह।
39 ओ उत्तर देलथिन, "अखन इस्राएलक सन् तान सभ कैँ बुझल अछि जे हम बीमार छी, तखन ओ सभ घुमि कऽ हमरा सभक उपहास करैत अछि, तेँ आब हमर रथ कैँ हमरा लेल लऽ जाउ आ हम अपना कैँ गोशेन लऽ जायब आ इस्राएलक लोक सभक उपहास देखब जाहि सँ ओ सभ हमरा सभक उपहास कऽ रहल अछि। तेँ हुनकर नोकर सभ हुनका लेल रथक सदुपयोग कयलनि।
40 ओ सभ ओकरा घोड़ा पर सवार कऽ लेलक, किएक तँ ओ अपना आप सवार नहि भऽ सकल।
41 ओ अपना संग दसटा घुड़सवार आ दस टा पैदल सवार लऽ कऽ इस्राएलक लोक सभ लग गोशेन गेलाह।
42 जखन ओ सभ मिस्र देशक सीमा पर पहुँचलाह तखन राजाक घोड़ा अंगूरक बगीचाक खोखला भाग मे एकटा संकीर्ण स्थान पर चलि गेलाह, जे दुनू कात बाड़ि क' रहल छल, नीचाँ आ मैदान मे दोसर कात छल।
43 ओहि ठाम घोड़ा सभ तेजीसँ दौड़ैत एक-दोसरकैँ दबाबैत रहल आ आन घोड़ा सभ राजाक घोड़ाकैँ दबा देलक।
44 राजाक घोड़ा जखन राजा पर सवार छलाह तखन नीचाँ मैदान मे खसि पड़लाह आ जखन ओ खसलाह तखन रथ राजाक मुँह पलटि गेल आ घोड़ा राजा पर पड़ल आ राजा चिचिया उठलाह, कारण हुनकर मांस बहुत दर्द भ' गेल छलनि।
45 राजाक मांस फाटि गेलनि आ ओकर हड्डी टूटि गेलनि आ ओ सवारी नहि क' सकलाह, किएक तँ ई बात हुनका लेल प्रभुक दिस सँ छलनि, किएक तँ प्रभु अपन प्रजा इस्राएलक सन् तान सभक पुकार आ ओकर सभक कष्ट सुनने छलाह।
46 हुनकर नोकर सभ हुनका अपन कान्ह पर कनि-कनि-कनि ल' क' मिस्र ल' गेलनि आ हुनका संग मे सवार घुड़सवार सभ सेहो मिस्र आबि गेलाह।
47 ओ सभ हुनका अपन बिछौन पर राखि देलथिन आ राजा बुझि गेलाह जे हुनकर मृत्युक अंत भ' गेल छनि, तेँ हुनकर पत्नी अपरनीथ आबि राजाक समक्ष चिचिया उठलीह आ राजा हुनका संग बहुत कानय लगलाह।
48 ओहि दिन हुनकर सभ कुलीन आ नोकर आबि राजा कैँ ओहि दुख मे देखि कऽ हुनका संग बहुत कानय लगलाह।
49 राजाक मुखिया सभ आ हुनकर सभ सलाहकार राजा कैँ सलाह देलथिन जे ओ अपन पुत्र मे सँ ककरो चुनि कऽ हुनका बदला मे एकटा राजा बनाउ।
50 राजाक उपपत्नीक संतानक अतिरिक्त राजाक तीनटा बेटा आ दूटा बेटी छलनि, जे हुनकर पत्नी अपरनीत हुनका लेल जनम देने छलीह।
51 हुनका लोकनिक नाम छलनि जेठका ओथरी, दोसर अदिकाम आ तेसर मोरिओन आ हुनका लोकनिक बहिन सभ जेठ बथिया आ दोसर अकुजीक नाम छलनि।
52 राजाक पहिल जन्मल ओथ्री मूर्ख छल, अपन बात मे त्वरित आ हड़बड़ाइत छल।
53 मुदा अदिकाम धूर्त आ बुद्धिमान छलाह आ मिस्रक सभ बुद्धि कैँ जनैत छलाह, मुदा अयोग्य रूपक, मांस मे मोट आ कद मे बहुत छोट छलाह। ओकर ऊँचाई एक हाथ छलैक।

54 राजा अपन पुत्र अदिकाम केँ सभ बात मे बुद्धिमान आ बुद्धिमान देखि राजा निर्णय कयलनि जे हुनकर मृत्युक बाद हुनका बदला मे राजा बनत।
55 ओ अबिलोतक पुत्री गेदुदा केँ एकटा स् त्री केँ विवाह कयलनि आ ओ दस वर्षक छलाह आ हुनका चारिटा पुत्रक जन्म भेलनि।
56 तकर बाद ओ तीनटा स् त्री लऽ कऽ आठटा बेटा आ तीनटा बेटी भेलनि।
57 राजा पर ई अव्यवस्था बहुत प्रबल भऽ गेलनि आ हुनकर मांस गर्मीक समय मे, रौदक गर्मी मे खेत पर फेकल शवक मांस जकाँ दुर्गन्धित होइत छलनि।
58 जखन राजा देखलनि जे हुनकर बीमारी हुनका पर बहुत जोरदार भ' गेलनि, तखन ओ अपन पुत्र अदिकाम केँ हुनका लग आनबाक आदेश देलनि, आ ओ सभ हुनका अपन स्थान पर देशक राजा बना देलनि।
59 तीन वर्षक अन्त मे राजा लाज, अपमान आ घृणा मे मरि गेलाह आ हुनकर नौकर सभ हुनका लऽ कऽ मिस्रक राजा सभक कब्र मे सोआन मिज्राइम मे गाड़ि देलनि।
60 मुदा ओ सभ राजा सभक संग सामान्य रूप सँ हुनका मलही नहि लगौलनि, किएक तँ हुनकर मांस सड़ल छलनि आ दुर्गन्धक कारणेँ ओ सभ हुनका मलम संस्कार करबाक लेल नजदीक नहि आबि सकलाह, तेँ जल्दी-जल्दी हुनका गाड़ि देलनि।
61 ई अधलाह प्रभुक दिस सँ हुनका लेल छलनि, किएक तँ परमेश् वर हुनका ओहि दुष् टताक बदला दऽ देने छलाह जे ओ अपन समय मे इस्राएलक संग कयलनि।
62 ओ आतंकित आ लाज सँ मरि गेलाह आ हुनकर जगह पर हुनकर पुत्र अदीकाम राज केलनि।

अध्याय 77

1 अदिकाम बीस वर्षक छलाह जखन ओ मिस्र पर राज केलनि, ओ चारि वर्षक राज केलनि।
2 इस्राएलक मिस्र गेलाक दू सय छठम वर्ष मे अदीकाम मिस्र पर राज केलनि, मुदा मिस्र पर ओतेक दिन नहि रहलाह जतेक दिन हुनकर पूर्वज लोकनि अपन शासन केलनि।
3 हुनकर पिता मेलोल मिस्र मे चौनब्बे वर्ष धरि राज केलनि, मुदा ओ दस वर्ष धरि बीमार छलाह आ मरि गेलाह, कारण ओ प्रभुक सामने दुष्ट छलाह।
4 सभ मिस्रवासी अदिकामक नाम ओकर पूर्वजक नाम जकाँ फिरौन रखलनि, जेना मिस्र मे हुनका लोकनिक प्रथा छलनि।
5 फिरौनक सभ ज्ञानी लोकनि अदिकामक नाम आहूज रखलनि, संक्षेप मे मिस्रक भाषा मे आहूज कहल जाइत अछि।
6 अदिकाम बहुत कुरूप छल, एक हाथ आ एक हाथक छल आ ओकर पैघ दाढ़ी छल जे ओकर पैरक तलवा धरि पहुँचि सकैत छल।
7 फिरौन मिस्र पर राज करबाक लेल अपन पिताक सिंहासन पर बैसल छलाह आ ओ मिस्रक शासन केँ अपन बुद्धि सँ चलाबैत छलाह।
8 जाबत ओ राज करैत छलाह तखन ओ अपन पिता आ पूर्ववर्ती सभ राजा सभ सँ बेसी दुष् टता मे आगू बढ़ि गेलाह।
9 ओ अपन नोकर सभक संग गोशेन इस्राएलक लोक सभक लग गेलाह आ हुनका सभ पर श्रम केँ मजबूत कयलनि आ हुनका सभ केँ कहलथिन, "अपन सभ दिनक काज पूरा करू, आ आइ सँ अहाँ सभक हाथ हमरा सभक काज सँ शिथिल नहि होउ जेना अहाँ सभ हमर पिताक समय मे करैत छलहुँ।"
10 ओ इस्राएलक सन् तान सभ मे सँ हुनका सभक ऊपर अधिकारी सभ केँ राखि देलथिन आ एहि सभ अधिकारी सभ पर अपन नोकर सभक बीच सँ काजक मालिक सभ केँ राखि देलनि।
11 ओ ओकरा सभक ऊपर ईंटाक नाप राखि देलथिन जे ओ सभ दिन-प्रतिदिन ओहि संख्याक अनुसार काज करथि आ ओ पाछू घुमि कऽ मिस्र चलि गेलाह।
12 ओहि समय मे फिरौनक कार्यपालक सभ इस्राएलक अधिकारी सभ केँ फिरौनक आज्ञाक अनुसार आदेश देलथिन।
13 फिरौन ई कहैत छथि, "प्रत्येक दिन अपन काज करू आ अपन काज पूरा करू आ ईंटाक नाप-जोखक पालन करू। कम करब किछु नहि।
14 आ एहन होयत जे जँ अहाँ सभक रोजमर्राक ईंटाक कमी अछि तँ हम अहाँक छोट-छोट बच्चा सभ केँ ओकर बदला मे राखि देब।
15 ओहि समय मे मिस्रक काजक मालिक सभ ओहि समय मे ओहिना करैत छलाह जेना फिरौन हुनका सभ केँ आदेश देने छलाह।
16 जखन-जखन इस्राएलक सन् तान सभक रोजमर्राक ईंटाक नाप मे कोनो कमी भेटैत छल, तखन-तखन फिरौनक काजक मालिक सभ इस्राएलक स् त्री सभक स् त्री सभक लग जाइत छलाह आ इस्राएलक बच्चा सभ केँ ईंटाक कमीक संख्या धरि ल' जाइत छलाह, ओ सभ ओकरा सभ केँ अपन मायक गोदी मे सँ जबरदस्ती लऽ कऽ ईंटाक बदला भवन मे राखि दैत छलाह।
17 जखन ओ सभ भवनक देबाल मे अपन शिशु सभक कानबाक आवाज सुनि कऽ हुनका सभक बाप-दादा सभ हुनका सभ पर कानि रहल छलाह आ कानि रहल छलाह।
18 इस्राएल पर काजक मालिक सभ इस्राएल पर विजय प्राप्त कयलनि जे इस्राएली सभ अपन बच्चा सभ केँ भवन मे राखि देथिन, जाहि सँ एक आदमी अपन बेटा केँ देबाल मे राखि ओकरा पर मोर्टार लगा देलक, जखन कि ओकर आँखि ओकरा पर कानय लागल आ ओकर नोर ओकर बच्चा पर बहैत छलैक।
19 मिस्रक काजक मालिक सभ बहुत दिन धरि इस्राएलक शिशु सभ पर एहन काज करैत रहलाह, मुदा इस्राएलक बच्चा सभ पर ककरो दया आ दया नहि भेलनि।
20 ओहि भवन मे मारल गेल सभ बच्चाक संख्या दू सय सत्तरि छल, किछु गोटे केँ ईंटाक बदला मे बनौने छल जे ओ सभ अपन पिताक कमी छोड़ने छल, आ किछु केँ ओ सभ भवन मे सँ मृत-मृतक खींचने छल।
21 अदिकामक समय मे इस्राएलक सन् तान सभ पर जे श्रम कयल गेल छल से ओकर पिताक समय मे कयल गेल श्रम सँ बेसी छल।
22 इस्राएलक लोक सभ अपन भारी काजक कारणेँ सभ दिन आह भरैत छल, किएक तँ ओ सभ मने-मन कहैत छल जे, "देखू, जखन फिरौन मरि जेताह तखन हुनकर बेटा उठि कऽ हमरा सभक काज केँ हल्लुक कऽ देत!"
23 मुदा ओ सभ बादक काज केँ पूर्वक काज सँ बेसी बढ़ा देलक आ इस्राएलक सन् तान सभ एहि बात पर आह भरलक आ अपन परिश्रमक कारणेँ ओकर सभक पुकार परमेश् वर लग चलि गेल।
24 परमेश् वर ओहि समय मे इस्राएलक सन् तान सभक आवाज आ ओकर सभक चीत्कार सुनलनि आ परमेश् वर हुनका सभ केँ

अपन वाचा मोन पाड़लनि जे ओ अब्राहम, इसहाक आ याकूबक संग केने छलाह।
25 परमेश् वर एहि समय मे इस्राएलक सन् तान सभक भार आ ओकर सभक भारी काज देखि कऽ ओकरा सभ कैँ उद्धार करबाक निश्चय कयलनि।
26 ओहि समय मे अम्रामक पुत्र मूसा एखनो कालकोठरी मे, मिद्यानी रूएलक घर मे बंद छलाह, आ रूएलक बेटी सिप्पोरा हुनका दिन-प्रतिदिन गुप्त रूप सँ भोजन सँ भरण-पोषण करैत छलीह।
27 मूसा दस वर्ष धरि रेउलक घरक कालकोठरी मे बंद रहलाह।
28 दस वर्षक अन्त मे जे फारोक पिताक स्थान पर मिस्र पर शासन करबाक पहिल वर्ष छल।
29 सिपोरा अपन पिता रुएल कैँ कहलथिन, "ओहि इब्रानी आदमी सँ केओ पूछताछ आ नहि तकैत अछि, जकरा अहाँ एखन दस वर्षक जेल मे बान्हि देने छलहुँ।"
30 आब जँ अहाँक नजरि मे नीक लागय तँ हम सभ पठा कऽ देखब जे ओ जीवित अछि वा मरि गेल, मुदा ओकर पिता कैँ ई नहि बुझल छलैक जे ओ ओकरा सहारा देने छलैक।
31 ओकर पिता रेउल ओकरा उत्तर देलथिन, "की कहियो एहन घटना भेल अछि जे कोनो आदमी कैँ दस साल धरि बिना भोजनक जेल मे राखल गेल आ ओ जीवित रहय?"
32 सिप्पोरा अपन पिता कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ सुनने छी जे इब्रानी सभक परमेश् वर महान आ भयावह छथि आ हुनका सभक लेल हरदम चमत् कार करैत छथि।"
33 ओ अब्राहम कैँ कल्दीक उर सँ, इसहाक कैँ अपन पिताक तलवार सँ, आ याकूब कैँ प्रभुक स् वर्गदूत सँ बचा लेलनि जे हुनका संग जब्बूक केर खाड़ी मे कुश्ती करैत छल।
34 एहि आदमीक संग ओ बहुत काज कयलनि, मिस्रक नदी सँ, फिरौनक तलवार सँ, आ कुशक सन्तान सँ बचा लेलनि, तहिना ओ ओकरा अकाल सँ बचा सकैत अछि आ ओकरा जीवित क' सकैत अछि।
35 रुअलक नजरि मे ई बात नीक लागलनि आ ओ अपन बेटीक वचनक अनुसार काज कयलनि आ मूसाक की भेलनि से पता करबाक लेल कालकोठरी मे पठा देलनि।
36 ओ देखलक जे मूसा ओहि आदमी कैँ कालकोठरी मे बैसल छल आ अपन पूर्वजक परमेश् वरक स्तुति आ प्रार्थना कऽ रहल छल।
37 रूएल मूसा कैँ कालकोठरी सँ बाहर निकालबाक आज्ञा देलथिन, तेँ ओ सभ हुनका मुंडन कयलनि आ ओ जेल मे वस्त्र बदलि कऽ रोटी खा गेलाह।
38 तकर बाद मूसा घरक पाछू मे रुआएलक बगीचा मे गेलाह आ ओतहि अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना कयलनि जे हुनका लेल पराक्रमी चमत् कार कयलनि।
39 जखन ओ प्रार्थना करैत छलाह तखन ओ हुनका सोझाँ दिस तकलनि तँ देखलनि जे एकटा नीलमणिक लाठी जमीन मे राखल गेल छल जे गाछीक बीच मे रोपल गेल छल।
40 ओ लाठी लग पहुँचलाह आ देखलनि जे ओहि लाठी पर सेना सभक परमेश् वर परमेश् वरक नाम उकेरल आ विकसित कयल गेल अछि।
41 ओ ओकरा पढ़ि कऽ हाथ बढ़ौलक आ ओकरा जंगलक गाछ जकाँ झाड़ी मे सँ तोड़ि लेलक आ लाठी ओकर हाथ मे छलैक।
"
43 परमेश् वर आदम कैँ अदन बगीचा सँ भगा देलथिन तँ ओ लाठी हाथ मे लऽ कऽ जा कऽ ओहि जमीन मे जोत केलथि।
44 ओ लाठी नूह लग आबि गेल आ शेम आ ओकर वंशज कैँ देल गेल, जाबत धरि ओ इब्राहीम अब्राहमक हाथ मे नहि आबि गेल।
45 जखन अब्राहम अपन पुत्र इसहाक कैँ अपन सभ किछु दऽ देलथिन तखन ओ हुनका ई लाठी सेहो दऽ देलथिन।
46 जखन याकूब पदान-अराम मे भागि गेलाह तखन ओ ओकरा हाथ मे ल' लेलनि आ जखन ओ अपन पिता लग घुरि गेलाह तखन ओ ओकरा छोड़ि नहि सकलाह।
47 जखन ओ मिस्र जाइत छलाह तखन ओ ओकरा हाथ मे लऽ कऽ यूसुफ कैँ देलथिन जे अपन भाय सभ सँ एक भाग बेसी छल, किएक तँ याकूब अपन भाय एसाव सँ जबरदस्ती ल' लेने छलाह।
48 यूसुफक मृत्युक बाद मिस्रक कुलीन लोकनि यूसुफक घर मे आबि गेलाह आ लाठी मिद्यानी रेउलक हाथ मे आबि गेलनि आ जखन ओ मिस्र सँ बाहर निकललाह तखन ओकरा हाथ मे लऽ कऽ अपन गाछी मे रोपि देलनि।
49 किनीक सभ पराक्रमी जखन ओकर बेटी सिप्पोरा कैँ पाबय चाहैत छल तखन ओकरा तोड़बाक प्रयास केलक, मुदा ओ सभ असफल रहल।
50 ओ लाठी ताबत धरि रौएलक बगीचा मे रोपल रहल, जाबत धरि ओ लाठी ओकरा पर अधिकार रखनिहार नहि आबि कऽ ओकरा नहि ल' लेलक।
51 जखन रयूएल मूसाक हाथ मे लाठी देखि ओ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ ओ हुनका अपन बेटी सिप्पोरा कैँ पत्नीक रूप मे दऽ देलथिन।

अध्याय 78

1 ओहि समय मे एदोमक राजा अकबोरक पुत्र बाल चन्नन मरि गेलाह आ एदोम देश मे हुनकर घर मे दफना देल गेलनि।
2 हुनकर मृत्युक बाद एसावक सन् तान सभ एदोम देश मे पठौलनि आ ओतऽ सँ एदोम मे रहनिहार एकटा आदमी कैँ लऽ गेलनि, जकर नाम हदाद छलनि, आ हुनका सभ कैँ अपन राजा बाल-कन्नानक स्थान पर हुनका सभक राजा बना लेलनि।
3 हदाद एदोमक सन् तान सभ पर अड़तालीस वर्ष धरि राज केलक।
4 जखन ओ राज केलनि तखन ओ मोआबक सन् तान सभक संग लड़बाक निर्णय कयलनि जे ओ सभ पहिने जकाँ एसावक सन् तान सभक अधिकार मे आनि सकथि, मुदा ओ सभ नहि कऽ सकलाह, किएक तँ मोआबक लोक सभ ई बात सुनि कऽ उठि कऽ अपन भाय सभक बीच सँ हुनका सभक ऊपर राजा चुनबाक लेल जल्दी-जल्दी भऽ गेलाह।
5 तकर बाद ओ सभ एकटा पैघ लोक कैँ जमा कऽ कऽ अम्मोनक सन् तान सभ कैँ अपन भाय सभ कैँ एदोमक राजा हदाद सँ लड़बाक लेल सहायताक लेल पठौलनि।
6 हदाद मोआबक लोक सभक द्वारा कयल गेल बात सुनि कऽ ओकरा सभ सँ बहुत डेरा गेल आ ओकरा सभ सँ लड़बा सँ परहेज कयलक।
7 ओहि समय मे अम्रामक पुत्र मूसा मिद्यान मे रहनिहार रौएलक पुत्री सिप्पोरा कैँ पत्नी बना लेलनि।
8 सिप्पोरा याकूबक बेटी सभक बाट पर चलैत छलीह, ओ सारा, रिबेका, राहेल आ लीआक धार्मिकता सँ कम नहि छलीह।

9 सिप्पोरा गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म लेलक आ ओ ओकर नाम गर्शोम रखलक, कारण ओ कहने छल जे, "हम परदेश मे परदेशी छलहुँ। मुदा ओ अपन ससुर रूएलक आज्ञा पर अपन अग्रचर्मक खतना नहि केलक।
10 ओ फेर गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म लेलक, मुदा ओकर अग्रचर्मक खतना कऽ ओकर नाम एलीएजर राखि देलक, कारण मूसा कहने छलाह, "किएक तँ हमर पूर्वज सभक परमेश् वर हमर सहायक छलाह आ हमरा फिरौनक तलवार सँ मुक्त कयलनि।"
11 मिस्रक राजा फिरौन ओहि समय मे इस्राएलक सन् तान सभक श्रम मे बहुत वृद्धि कयलनि आ इस्राएलक सन् तान सभ पर अपन जुआ बढ़बैत रहलाह।
12 ओ मिस्र मे एकटा घोषणा करबाक आदेश देलथिन जे, "आब लोक सभ कैँ ईंटा बनेबाक लेल भूसा नहि दिअ, ओकरा सभ कैँ जा कऽ अपना लेल भूसा जमा करय दियौक।"
13 ओ सभ जे ईंटाक कथा बनौताह से सभ दिन दऽ दियौक आ ओकरा सभ सँ किछु कम नहि करू, किएक तँ ओ सभ अपन काज मे बेकार अछि।
14 इस्राएलक लोक सभ ई बात सुनि कऽ ओ सभ शोक मना कऽ आह भरलक आ अपन प्राणक कटुताक कारणेँ प्रभु सँ पुकारल।
15 परमेश् वर इस्राएलक लोक सभक चीत्कार सुनि कऽ देखलनि जे मिस्रवासी सभ ओकरा सभ पर जे अत्याचार करैत छल।
16 परमेश् वर अपन प्रजा आ अपन उत्तराधिकारक प्रति ईर्ष्या करैत छलाह आ हुनका सभक आवाज सुनि कऽ हुनका सभ कैँ मिस्रक कष्ट सँ बाहर निकालि कऽ कनान देश कैँ अपना कब्जा मे दऽ देबाक संकल्प कयलनि।

अध्याय 79

1 ओहि समय मे मूसा सिनक जंगलक ओहि पार अपन ससुर मिद्यानी रूएलक भेँड़ा कैँ पोसैत छलाह आ अपन ससुर सँ जे लाठी लेने छलाह से हुनका हाथ मे छलनि।
2 एक दिन एकटा बकरी झुंड सँ भटकि गेल, आ मूसा ओकरा पाछाँ-पाछाँ चलल आ ओ परमेश् वरक पहाड़ पर होरेब पहुँचि गेल।
3 जखन ओ होरेब पहुँचलाह तखन प्रभु हुनका झाड़ी मे प्रकट भेलाह आ ओ झाड़ी मे आगि मे जरैत देखलनि, मुदा झाड़ी पर आगि कैँ ओकरा भस्म करबाक कोनो अधिकार नहि छलनि।
4 मूसा एहि देखि बहुत आश्चर्यचकित भ' गेलाह, तेँ झाड़ी नहि भस्म भ' गेलनि, आ ओ एहि पराक्रमी वस्तु कैँ देखबाक लेल नजदीक आबि गेलाह, आ प्रभु आगि मे सँ मूसा कैँ बजा क' आज्ञा देलथिन जे ओ मिस्र मे उतरि जाय, मिस्रक राजा फिरौन लग, जाहि सँ इस्राएलक सन्तान कैँ हुनकर सेवा सँ पठा देल जाय।
5 परमेश् वर मूसा कैँ कहलथिन, "जाउ, मिस्र दिस घुरि जाउ, किएक तँ जे सभ लोक अहाँक जान चाहने छल, से सभ मरि गेल अछि, आ अहाँ फिरौन सँ बात करब जे इस्राएलक सन् तान सभ कैँ हुनकर देश सँ पठा देल जाय।"
6 परमेश् वर हुनका मिस्र मे फिरौन आ हुनकर प्रजाक नजरि मे चिन् त्र आ चमत् कार करबाक लेल देखौलनि जाहि सँ ओ सभ विश्वास करथि जे प्रभु हुनका पठौने छथि।
7 मूसा परमेश् वरक सभटा आज्ञा सुनलनि आ ओ अपन ससुर लग घुरि कऽ हुनका ई बात कहलथिन आ रुआएल हुनका कहलथिन, "शांति सँ जाउ।"
8 मूसा मिस्र जाय लेल उठलाह, आ अपन पत्नी आ बेटा सभ कैँ अपना संग ल' गेलाह, आ ओ सड़क पर एकटा सराय मे छलाह, तखन परमेश् वरक एकटा स् वर्गदूत उतरि कऽ हुनका विरुद्ध कोनो अवसर ताकय लगलाह।
9 ओ अपन पहिल पुत्रक कारणेँ ओकरा मारय चाहैत छल, किएक तँ ओ ओकर खतना नहि केने छल आ प्रभु अब्राहमक संग जे वाचा केने छलाह, ओकर उल्लंघन केने छल।
10 किएक तँ मूसा अपन ससुरक जे बात कहने छलाह, तकरा सुनने छलाह, जे ओ अपन पहिल पुत्रक खतना नहि करथि, तेँ हुनकर खतना नहि कयलनि।
11 सिप्पोरा परमेश् वरक स् वर्गदूत कैँ देखि जे मूसाक विरुद्ध कोनो अवसर चाहैत छथि, आ ओ बुझि गेलीह जे ई बात हुनकर पुत्र गेर्शोमक खतना नहि करबाक कारणेँ भेल अछि।
12 सिप्पोरा जल्दी-जल्दी ओहि ठामक तेज पाथरक पाथर सभ मे सँ एक सँ लऽ कऽ अपन बेटाक खतना कऽ लेलक आ अपन पति आ अपन पुत्र कैँ प्रभुक स् वर्गदूतक हाथ सँ बचा लेलक।
13 ओहि दिन मूसाक भाय अम्रामक पुत्र हारून मिस्र मे नदीक कात मे घुमैत छलाह।
14 ओहि ठाम परमेश् वर हुनका प्रगट भेलाह आ हुनका कहलथिन, "अखन जंगल मे मूसा दिस जाउ, आ ओ परमेश् वरक पहाड़ मे हुनका सँ भेंट कयलनि आ ओ हुनका चुम्मा लेलनि।"
15 हारून आँखि उठा कऽ मूसाक पत्नी सिप्पोरा आ ओकर बच्चा सभ कैँ देखि मूसा कैँ पुछलथिन, "ई सभ अहाँक लेल के छथि?"
16 मूसा हुनका कहलथिन, "ओ सभ हमर पत्नी आ बेटा छथि, जे परमेश् वर हमरा मिद्यान मे देलनि। ओ स् त्री आ ओकर बच्चा सभक कारणेँ ई बात हारून कैँ दुखी कऽ देलक।
17 तखन हारून मूसा कैँ कहलथिन, "ओहि स् त्री कैँ आ ओकर बच्चा सभ कैँ विदा कऽ दियौक जे ओ सभ ओकर पिताक घर जाथि।"
18 सिप्पोरा अपन बच्चा सभक संग घुरि गेलाह आ ओ सभ रयूएलक घर गेलाह आ ओहि समय धरि ओतहि रहलाह जाबत धरि प्रभु अपन लोक सभ सँ भेंट कए मिस्र सँ फिरौनक हाथ सँ बाहर अनलनि।
19 मूसा आ हारून मिस्र मे इस्राएलक सन् तानक समुदाय मे आबि गेलाह आ ओ सभ हुनका सभ कैँ प्रभुक सभटा बात कहलथिन आ लोक सभ बहुत हर्षित भऽ गेलाह।
20 दोसर दिन मूसा आ हारून भोरे उठि कऽ फिरौनक घर गेलाह आ परमेश् वरक लाठी अपना हाथ मे लऽ लेलनि।
21 जखन ओ सभ राजाक फाटक पर पहुँचलाह तखन लोहाक वाद्ययंत्र लऽ कऽ दू टा सिंहक बच्चा ओतय बंद छल, आ ओकरा सभक सोझाँ सँ कियो बाहर नहि निकलैत छल आ ने भीतर आबि गेल छल, जाबत तक राजा जिनका सभ कैँ आबय के आदेश नहि देने छल, तखन धरि जादूगर सभ आबि कऽ सिंह सभ कैँ अपन मंत्र-प्रपंच सँ वापस नहि ल' गेल छल, आ एहि सँ ओ सभ राजा लग पहुँचा देलक।
22 मूसा हड़बड़ा कऽ सिंह सभ पर लाठी उठौलनि आ ओकरा सभ कैँ खोलि देलनि आ मूसा आ हारून राजाक घर मे आबि गेलाह।

23 सिंह सभ सेहो खुशी-खुशी हुनका सभक संग आबि गेल, आ ओ सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ हर्षित होइत छल जेना कुकुर खेत सँ अबैत काल मालिक पर आनन्दित होइत अछि।
24 फारो ई बात देखि ओ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ एहि बातक सूचना देखि ओ बहुत आतंकित भऽ गेलाह, किएक तँ हुनका सभक रूप परमेश् वरक सन् तान सभक रूप जकाँ छल।
25 फिरौन मूसा केँ कहलथिन, "अहाँ की माँगैत छी?" ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "इब्रानी सभक परमेश् वर प्रभु हमरा सभ केँ ई कहबाक लेल पठौने छथि जे, 'हमर लोक केँ पठा दियौक जे ओ सभ हमर सेवा करथि।"
26 जखन फिरौन हुनका सभक बात सुनि हुनका सभक सोझाँ बहुत आतंकित भऽ गेलाह आ कहलथिन, "आइ जाउ आ काल्हि हमरा लग घुरि जाउ।
27 जखन ओ सभ गेलाह तखन फिरौन बिलाम जादूगर आ हुनकर पुत्र यानेस आ याम्ब्रेस आ राजाक सभ जादूगर आ जादूगर आ सलाहकार सभ केँ बजा लेलक आ सभ गोटे राजाक सोझाँ आबि कऽ बैसि गेलाह।
28 राजा मूसा आ हुनकर भाय हारून हुनका सँ कहल सभ बात हुनका सभ केँ कहलथिन आ जादूगर सभ राजा केँ कहलथिन, "मुदा ओ सभ लोक सभ अहाँ लग कोना आबि गेलाह, फाटक पर बंद सिंह सभक कारणे?"
29 राजा कहलथिन, "किएक तँ ओ सभ सिंह सभ पर अपन लाठी उठा कऽ ओकरा सभकेँ खोलि कऽ हमरा लग आबि गेल।
30 बेओरक पुत्र बिलाम राजा केँ उत्तर देलथिन, "ई सभ हमरा सभ सन जादूगर अछि।"
31 आब ओकरा सभ केँ बजा कऽ बजाउ आ ओकरा सभ केँ आबय दियौक आ हम सभ ओकरा सभक परीक्षण करब।
32 भोरे फिरौन मूसा आ हारून केँ राजाक समक्ष आबय लेल बजौलनि आ ओ सभ परमेश् वरक लाठी लऽ कऽ राजा लग आबि हुनका सँ बात कयलनि।
33 इब्रानी सभक परमेश् वर प्रभु ई कहलथिन, "हमर लोक केँ पठाउ जे ओ सभ हमर सेवा करथि।"
34 राजा हुनका सभ केँ पुछलथिन, "मुदा अहाँ सभ परमेश् वरक दूत छी आ हुनकर आदेश सँ हमरा लग आबि रहल छी से अहाँ सभ पर के विश्वास करत?"
35 आब एहि विषय मे कोनो आश्चर्य वा चमत्कार करू, तखन अहाँ जे बात कहब, ताहि पर विश्वास कयल जायत।
36 हारून जल्दी-जल्दी अपन हाथ सँ लाठी निकालि फिरौन आ ओकर नोकर सभक सोझाँ फेकि देलक आ ओ लाठी साँप मे बदलि गेल।
37 जादूगर सभ ई देखि एक-एकटा अपन लाठी जमीन पर फेकि देलक आ ओ सभ साँप बनि गेल।
38 हारूनक लाठीक साँप अपन माथ उठौलक आ जादूगर सभक लाठी निगलबाक लेल मुँह खोललक।
39 बिलाम जादूगर उत्तर देलथिन, "ई बात पहिने सँ चलैत अछि जे साँप अपन संगी केँ निगलैत अछि आ जीव एक दोसरा केँ खा जाइत अछि।"
40 आब एकरा पहिने जेकाँ छल, तेना हम सभ सेहो अपन छड़ी सभ केँ पहिने जकाँ फेर सँ बना देब, आ जँ अहाँक छड़ी हमरा सभक लाठी केँ निगल जायत, तखन हमरा सभ केँ ई बुझबा मे आओत जे परमेश् वरक आत् मा अहाँ मे अछि, आ जँ नहि तँ अहाँ हमरा सभक समान कारीगर छी।
41 हारून जल्दी-जल्दी हाथ बढ़ौलनि आ साँपक पूँछ पकड़ि लेलनि आ ओ हुनकर हाथ मे छड़ी बनि गेलनि, आ जादूगर सभ अपन-अपन लाठी सँ एहने काज केलनि आ ओ सभ अपन-अपन साँपक पूँछ पकड़ि लेलनि आ ओ सभ पहिने जकाँ छड़ी बनि गेलाह।
42 जखन ओ सभ लाठी मे आबि गेलाह तँ हारूनक लाठी हुनका सभक लाठी निगल गेलनि।
43 राजा ई बात देखि मिस्रक राजा सभ सँ संबंधित अभिलेखक पुस्तक केँ आनबाक आदेश देलनि आ ओ सभ अभिलेखक पुस्तक, मिस्रक राजा सभक इतिहास, जाहि मे मिस्रक सभ मूर्ति लिखल छल, अनलनि, किएक तँ ओ सभ ओहि मे परमेश् वरक नाम तकबाक विचार कयलनि, मुदा ओकरा सभ केँ ई नहि भेटलनि।
44 फिरौन मूसा आ हारून केँ कहलथिन, "देखू, हमरा एहि पुस्तक मे अहाँक परमेश् वरक नाम लिखल नहि भेटल अछि, आ हुनकर नाम हम नहि जनैत छी।"
45 सलाहकार आ ज्ञानी लोकनि राजा केँ उत्तर देलथिन, "हम सभ सुनलहुँ जे इब्रानी सभक परमेश् वर बुद्धिमानक पुत्र छथि, प्राचीन राजा सभक पुत्र छथि।"
46 फिरौन मूसा आ हारून दिस घुमि कऽ हुनका सभ केँ कहलथिन, "हम प्रभु केँ नहि जनैत छी, जिनका अहाँ सभ कहलहुँ, आ ने हुनकर लोक केँ पठा देब।"
47 ओ सभ उत्तर देलथिन आ राजा केँ कहलथिन, "परमेश्वरक परमेश् वर परमेश् वर हुनकर नाम अछि, आ ओ हमरा सभक पूर्वजक समय सँ हमरा सभ पर अपन नाम प्रचारित कयलनि आ हमरा सभ केँ ई कहबाक लेल पठौलनि जे, "फिरौन लग जा कऽ हुनका कहू जे, 'हमर लोक केँ पठा दिअ जे ओ सभ हमर सेवा करथि।"
48 आब हमरा सभ केँ पठाउ, जाहि सँ हम सभ तीन दिन धरि जंगल मे यात्रा क' सकब आ ओतय हुनका बलि चढ़ा सकब, किएक तँ हमरा सभक हाथ सँ होमबलि, बलिदान वा बलिदान नहि लेने छथि, आ जँ अहाँ हमरा सभ केँ नहि पठाबब तँ हुनकर क्रोध अहाँ पर प्रज्वलित भ' जायत, आ ओ मिस्र केँ या त' महामारी सँ या फेर बलिदान सँ मारि देत तलवार।
49 फिरौन हुनका सभ केँ कहलथिन, "ओकर सामर्थ् य आ पराक्रम हमरा कहू। ओ सभ ओकरा कहलकनि, "ओ आकाश आ पृथ्वी, समुद्र आ ओकर सभटा माछक निर्माण केलनि, ओ इजोत बनौलनि, अन्हार बनौलनि, पृथ्वी पर वर्षा कयलनि आ ओकरा पानि देलनि, आ जड़ी-बूटी आ घास केँ अंकुरित कयलनि, ओ मनुष्य आ पशु आ जंगलक जानवर, हवाक चिड़ै आ समुद्रक माछक सृजन केलनि आ हुनकर मुँह सँ ओ सभ जीबैत छथि आ मरि जाइत छथि|
50 निश्चय ओ तोरा मायक गर्भ मे सृजित कऽ कऽ तोरा मे जीवनक साँस देलक आ तोरा पालन-पोषण कऽ मिस्रक राजसिंहासन पर बैसा देलक आ तोहर साँस आ प्राण तोरा सँ छीन कऽ तोरा ओहि जमीन पर घुरि कऽ घुरि कऽ जतऽ सँ तोरा लऽ गेल छलौह।
51 हुनका सभक ई बात सुनि राजाक क्रोध भड़कि गेलनि आ ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "मुदा जाति-जातिक सभ देवता मे सँ

के ई काज क' सकैत अछि?" हमर नदी हमर अछि, आ हम अपना लेल बनौने छी।
52 ओ हुनका सभ केँ अपना दिस सँ भगा देलथिन आ इस्राएल पर काल्हि आ पहिने सँ बेसी श्रम करबाक आदेश देलथिन।
53 मूसा आ हारून राजाक सोझाँ सँ निकलि गेलाह आ ओ सभ इस्राएलक सन् तान सभ केँ अधलाह स्थिति मे देखलनि, किएक तँ काजक मालिक सभ अपन श्रम केँ बहुत भारी कऽ देने छलाह।
54 मूसा परमेश् वर लग घुरि कऽ कहलथिन, "अहाँ अपन लोक सभक संग दुर्व्यवहार किएक कयल? कारण, जहिया सँ हम फिरौन सँ ई बात कहय लेल आयल छी जे अहाँ हमरा की बजाबय लेल पठेलहुँ, तखन ओ इस्राएलक लोक सभक बहुत दुर्व्यवहार कयलनि।
55 परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "देखू, अहाँ देखब जे फारो अपन देश सँ इस्राएलक सन् तान सभ केँ पसरल हाथ आ भारी विपत्ति सँ पठा देताह।"
56 मूसा आ हारून अपन भाय इस्राएलक सन् तान सभक बीच मिस्र मे रहि गेलाह।
57 इस्राएलक सन् तान सभक लेल मिस्रवासी सभ अपन जीवन केँ कटु कऽ देलक।

अध्याय 80

1 दू वर्षक अंत मे परमेश् वर फेर मूसा केँ फिरौन लग पठौलनि जे इस्राएलक सन् तान सभ केँ बाहर निकालि कऽ मिस्र देश सँ बाहर निकालि देल जाय।
2 मूसा जा कऽ फिरौनक घर आबि गेलाह आ हुनका पठौनिहार प्रभुक बात कहलथिन, मुदा फिरौन प्रभुक आवाज नहि सुनलनि, आ परमेश् वर मिस्र मे फिरौन आ हुनकर प्रजा पर अपन सामर्थ्य जगौलनि आ परमेश् वर फिरौन आ हुनकर लोक केँ बहुत पैघ आ भयंकर विपत्ति सँ मारि देलनि।
3 परमेश् वर हारूनक हाथ सँ पठौलनि आ मिस्रक समस्त पानि केँ खून मे बदलि देलनि।
4 एक मिस्रवासी जखन पानि पीबय आ पानि खींचय लेल आयल तऽ ओ अपन घैल मे तकलक आ देखलक जे सभटा पानि खून मे बदलि गेल अछि। जखन ओ अपन प्याला मे सँ पानि पीबय अयलाह तखन प्याला मे राखल पानि खून बनि गेल।
5 जखन एकटा स् त्री अपन आटा गूथैत छल आ अपन भोजन पकाबैत छल तखन ओकर रूप खूनक रूप मे बदलि गेल।
6 परमेश् वर फेर पठौलनि आ ओकर सभक सभ पानि मे बेंग उत्पन्न कयलनि आ सभ बेंग मिस्रक घर मे आबि गेलाह।
7 मिस्रवासी जखन पीबैत छल तखन ओकर पेट बेंग सँ भरि गेल छल आ ओ सभ अपन पेट मे ओहिना नाचैत छल जेना नदी मे नचैत छल।
8 जखन ओ सभ अपन बिछौन पर पड़ल छल तखन ओकर सभ पीबय बला पानि आ भानस करबाक पानि बेंग मे बदलि गेल।
9 एहि सभ बातक बादो परमेश् वरक क्रोध हुनका सभ सँ नहि भऽ गेलनि आ हुनकर हाथ समस्त मिस्रवासी सभ पर पसारि देल गेलनि जे हुनका सभ केँ हर तरहक विपत्ति सँ मारि देथिन।
10 ओ हुनका सभक धूरा केँ जूँक बना कऽ पठा देलथिन आ मिस्र मे ओ जूं धरती पर दू हाथ ऊँच भऽ गेल।
11 मिस्रक सभ निवासी मे मनुख आ पशुक मांस मे सेहो जूँक बहुत बेसी छल, राजा-रानी पर सेहो प्रभु जूँ पठौलनि, आ ई जूँक कारणेँ मिस्र केँ बहुत दुखी क' देलक।
12 तकर बादो परमेश् वरक क्रोध नहि घुरल आ मिस्र पर हुनकर हाथ एखनो पसरल छलनि।
13 परमेश् वर मिस्र मे सभ तरहक खेतक पशु केँ पठौलनि आ ओ सभ आबि कऽ समस्त मिस्र, मनुष् य-पशु, गाछ-बिरिछ आ मिस्रक सभ वस्तु केँ नष्ट कऽ देलनि।
14 प्रभु आगि सन साँप, बिच्छू, मूस, नेवला, टोड आ आन लोक सभक संग धूरा मे रेंगैत पठौलनि।
15 मक्खी, हॉर्नेट, पिस्सू, कीड़ा-मकोड़ा आ कीड़ा-मकोड़ा, प्रत्येक अपन-अपन प्रकारक झुंड।
16 सभ सरीसृप आ पाँखिबला जानवर सभ अपन-अपन प्रकारक जानवर मिस्र आबि गेल आ मिस्रवासी सभ केँ बहुत दुखी कऽ देलक।
17 मिस्रवासीक आँखि आ कान मे पिस्सू आ मक्खी आबि गेल।
18 हँग ओकरा सभ पर आबि कऽ ओकरा सभ केँ भगा देलक आ ओ सभ ओहि मे सँ अपन भीतरक कोठली मे आबि गेल आ ओ सभ ओकरा सभक पाछाँ-पाछाँ लागि गेल।
19 जखन मिस्रवासी सभ जानवरक झुंडक कारणेँ नुका गेलाह तँ ओ सभ अपन दरबज्जा पर ताला लगा देलनि आ परमेश् वर समुद्र मे रहनिहार सुलानुत केँ ऊपर आबि मिस्र मे जेबाक आदेश देलथिन।
20 ओकर बाँहि नमहर छलैक, जे एक आदमीक हाथ सँ दस हाथ नमहर छलैक।
21 ओ छत पर चढ़ि कऽ छत्ता आ फर्श खोलि कऽ ओकरा काटि लेलक आ घर मे बाँहि पसारि कऽ ताला आ बोल्ट निकालि मिस्रक घर सभ खोलि देलक।
22 तकर बाद मिस्रक घर-घर मे जानवरक झुंड आबि गेल आ जानवरक झुंड मिस्रक लोक सभ केँ नष्ट कऽ देलक आ ओकरा सभ केँ बहुत दुखी कऽ देलक।
23 तैयो प्रभुक क्रोध मिस्रवासी सभ सँ नहि हटि गेल आ हुनकर हाथ एखनो हुनका सभक विरुद्ध पसरल छलनि।
24 परमेश् वर ई महामारी पठौलनि आ ई महामारी मिस्र मे, घोड़ा-गदहा, ऊँट, बैल-भेड़ आ मनुखक झुंड मे व्याप्त भ' गेल।
25 मिस्रवासी सभ भोरे-भोर उठि कऽ अपन माल-जाल केँ चारागाह मे ल' जेबाक लेल अपन सभटा माल-जाल मरि गेल देखलनि।
26 मिस्रक पशु मे सँ दस मे सँ एक टा बचल छल आ गोशेन मे इस्राएलक पशु मे सँ एकोटा नहि मरि सकल।
27 परमेश् वर मिस्रवासीक मांस मे जरैत सूजन पठौलनि जे हुनकर चमड़ा फाटि गेलनि आ सभ मिस्रवासी मे पैरक तलवा सँ ल' क' माथक मुकुट धरि बहुत खुजली भ' गेलनि।
28 हुनका सभक मांस मे बहुत रास फोड़ा आबि गेलनि, जाहि सँ हुनकर मांस सड़ैत आ सड़ल नहि गेलनि।
29 तकर बादो परमेश् वरक क्रोध नहि घुरल आ हुनकर हाथ एखनो समस्त मिस्र पर पसरल छलनि।
30 परमेश् वर बहुत भारी ओला पठौलनि, जे हुनका सभक बेल केँ मारि देलक आ फलदार गाछ सभ केँ तोड़ि देलक आ ओकरा सभ केँ सुखाय देलक जे ओ सभ ओकरा सभ पर खसि पड़ल।

31 हरियर-हरियर जड़ी-बूटी सुखा कऽ नष्ट भऽ गेल, किएक तँ ओला सभक बीच मे घुल-मिलैत आगि उतरैत छल, तेँ ओला आ आगि सभ वस्तु केँ भस्म कऽ देलक।
32 आगि आ ओला मे जे मनुष् य आ पशू सभ भेटल छल, से सभ आगि आ ओला सँ नष्ट भऽ गेल।
33 परमेश् वर मिस्र देश मे अनेक टिड्डी, चसेल, सलोम, चरगोल आ चागोले, एक-एकटा टिड्डी सभ पठा कऽ अनलनि, जे ओला मे बचल सभटा टिड्डी खा गेल।
34 तखन मिस्रवासी सभ टिड्डी सभ पर हर्षित भेलाह, यद्यपि ओ सभ खेतक उपज केँ भस्म कऽ देलक आ ओकरा सभ केँ प्रचुर मात्रा मे पकड़ि कऽ भोजनक लेल नून दऽ देलक।
35 परमेश् वर समुद्रक एकटा प्रचंड हवा घुमा देलथिन जे सभ टिड्डी सभ केँ, नमकीन सभ टिड्डी सभ केँ लऽ कऽ लाल समुद्र मे धकेलि देलनि। मिस्रक सीमा मे एकटा टिड्डी नहि रहल।
36 परमेश् वर मिस्र पर अन् हार पठौलनि जे पूरा मिस्र आ पथरोस तीन दिन धरि अन् हार भऽ गेल, जाहि सँ मनुष् य अपन हाथ मुँह पर उठा कऽ नहि देखि सकल।
37 ओहि समय मे इस्राएलक बहुतो लोक मरि गेल जे प्रभुक विरुद्ध विद्रोह कयने छल आ मूसा आ हारूनक बात नहि सुनलक आ परमेश् वर हुनका सभ केँ पठौलनि ताहि पर विश् वास नहि केलक।
38 ओ कहने छलाह जे, "हम सभ मिस्र सँ नहि जायब, कहीं हम सभ उजाड़ जंगल मे भूख सँ नष्ट नहि भ' जायब आ मूसाक आवाज नहि सुनब।"
39 अन्हारक तीन दिन मे परमेश् वर हुनका सभ केँ सताबैत रहलाह आ ओहि दिन मे इस्राएली सभ हुनका सभ केँ गाड़ि देलनि, जखन कि मिस्रवासी सभ हुनका सभ केँ नहि जनैत छलनि आ नहिये हुनका सभ पर आनन्दित भेलाह।
40 मिस्र मे तीन दिन धरि अन्हार बहुत बेसी रहल आ अन्हार भेला पर जे कियो ठाढ़ छल, से अपन जगह पर ठाढ़ रहैत छल, आ बैसल बैसल बैसल रहैत छल, आ जे पड़ल छल ओ ओहिना पड़ल रहैत छल आ जे चलैत छल से ओही ठाम जमीन पर बैसल रहैत छल। जाबत धरि अन्हार नहि भऽ गेल छल, ताबत धरि सभ मिस्रवासीक संग ई बात भेल।
41 अन्हारक दिन बीति गेल आ परमेश् वर मूसा आ हारून केँ इस्राएलक सन् तान सभ लग पठौलनि जे, "अपन पाबनि मनाउ आ अपन फसह-पाबनि बनाउ, किएक तँ देखू जे हम राति मे समस्त मिस्रवासीक बीच आबि रहल छी आ हुनकर सभ जेठ बच्चा सभ केँ मारि देब, मनुक्खक पहिल बच्चा सँ ल' क' कोनो जानवरक जेठ बच्चा धरि, आ जखन हम अहाँक फसह-पाबनि देखब तँ अहाँ सभक ऊपर सँ गुजरि जायब।"
42 इस्राएलक सन् तान सभ ओहि राति मे जेना प्रभु मूसा आ हारून केँ आज्ञा देने छलाह, तेना कयलक।
43 आधा राति मे परमेश् वर मिस्रक बीच मे जा कऽ मिस्रक सभ जेठ बच्चा सभ केँ मारि देलथिन।
44 ओहि राति मे फिरौन अपन सभ नौकर आ समस्त मिस्रवासी उठि गेलाह आ ओहि राति मे पूरा मिस्र मे बहुत रास चीत्कार भेल, किएक तँ एहन कोनो घर नहि छल जाहि मे लाश नहि छल।
45 मिस्र देशक जेठ बच्चा सभक उपमा सभ सेहो नष्ट भऽ कऽ जमीन पर खसि पड़ल।
46 ओहि राति मिस्रक कुकुर सभ अपन पहिल बच्चाक हड्डी केँ जे एहि सँ पहिने मरि गेल छल आ जकरा ओ सभ अपन घर मे गाड़ि देने छल, तकरा सभ केँ ओहि राति मे रेक कऽ लेलक आ मिस्रक लोक सभक सोझाँ घीचि लेलक आ ओकरा सभक सोझाँ फेकि देलक।
47 सभ मिस्रवासी अचानक हुनका सभ पर आबि गेल ई दुष् टता देखि सभ मिस्रवासी जोर-जोर सँ चिचिया उठल।
48 ओहि राति मिस्रक सभ कुल सभ अपन-अपन बेटाक लेल आ एक-एकटा अपन बेटीक लेल कानि रहल छल, जे पहिल जन्मल छल।
49 ओहि राति फिरौनक बेटी बतिया राजाक संग मूसा आ हारून केँ अपन घर मे तकबाक लेल निकललीह, आ ओ सभ हुनका सभ केँ अपन घर मे भेटलाह, जे समस्त इस्राएलक संग खाइत-पीबैत आ आनन्दित होइत छलाह।
50 बथिया मूसा केँ कहलथिन, "की हम अहाँक संग जे नीक काज केलहुँ, जे अहाँ केँ पोसने छी आ अहाँ केँ पसारि देलहुँ आ अहाँ हमरा आ हमर पिताक घर पर ई अधलाह अनलहुँ?
51 मूसा ओकरा कहलथिन, "प्रभु मिस्र पर दसटा विपत्ति अनलनि। की अहाँ मे सँ किनको सँ कोनो अधलाह भेल? की ओहि मे सँ एकटा अहाँ पर असर केलक? ओ बजलीह, "नहि।"
52 मूसा हुनका कहलथिन, "भले अहाँ अपन मायक पहिल जन्मल छी, मुदा नहि मरब, आ मिस्र देश मे अहाँ लग कोनो तरहक दुष् टता नहि पहुँचत।"
53 ओ बजलीह, "जखन हम राजा, हमर भाय आ ओकर सभ घरक लोक आ प्रजा केँ एहि दुष्टता मे देखैत छी, जिनकर पहिल बच्चा मिस्रक सभ जेठ बच्चाक संग नष्ट भ' जाइत अछि?
54 मूसा हुनका कहलथिन, "अहाँक भाय आ हुनकर घरक लोक आ प्रजा, मिस्रक वंशज सभ, प्रभुक वचन नहि मानैत छल, तेँ हुनका सभ पर ई दुष् टता आबि गेलनि।"
55 मिस्रक राजा फिरौन मूसा आ हारून आ ओहि ठाम हुनका सभक संग रहनिहार किछु इस्राएलक लोक सभ लग आबि हुनका सभ सँ प्रार्थना कयलनि।
56 उठि कऽ अपन भाय सभ, जे सभ इस्राएलक सन् तान सभ एहि देश मे अछि, अपन भेड़-बकरी आ बैल आ ओकर सभक सम् पत्ति सभक संग लऽ जाउ, ओ सभ किछु नहि छोड़त, मात्र हमरा लेल अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर सँ प्रार्थना करू।
57 मूसा फिरौन केँ कहलथिन, "देखू, अहाँ अपन मायक पहिल बच्चा छी, मुदा नहि डेराउ, किएक तँ अहाँ नहि मरब, किएक तँ प्रभु अहाँ केँ अपन महान शक्ति आ मजबूत पसरल बाँहि देखाबय लेल आज्ञा देने छथि जे अहाँ जीवित रहब।"
58 फिरौन इस्राएलक सन् तान सभ केँ विदा करबाक आदेश देलथिन, आ सभ मिस्रवासी ओकरा सभ केँ पठेबाक लेल अपना केँ मजबूत कयलनि, किएक तँ ओ सभ कहैत छल जे, "हम सभ नष्ट भऽ रहल छी।"
59 एहि परमेश् वर आ हमरा सभक पिता अब्राहमक बीच परमेश् वरक शपथक अनुसार सभ मिस्रवासी इस्राएली सभ केँ बहुत रास धन-दौलत, भेड़-बकरी आ बैल आ अनमोल वस्तु सभक संग पठा देलथिन।
60 इस्राएलक लोक सभ राति मे निकलबा मे देरी क' देलक आ जखन मिस्री सभ ओकरा सभ केँ बाहर अनबाक लेल ओकरा सभ लग आबि गेल तऽ ओकरा सभ केँ कहलक जे, "की हम सभ चोर छी जे राति मे निकलब?"

61 इस्राएलक लोक मिस्रवासी सभ सँ चानीक बर्तन आ सोनाक बर्तन आ वस्त्र मंगलक आ इस्राएलक लोक मिस्रक लोक सभ सँ कपड़ा उतारि देलक।
62 मूसा जल्दी-जल्दी उठि कऽ मिस्र नदी दिस गेलाह आ ओतय सँ यूसुफक चिता लऽ कऽ अपना संग लऽ गेलाह।
63 इस्राएलक सन्तान सभ सेहो अपन-अपन पिताक चिता आ अपन-अपन गोत्रक चिता सेहो अनलक।

अध्याय 81

1 इस्राएलक सन् तान सभ छोट-छोट आ ओकर स् त्रीगणक अतिरिक्त लगभग छह लाख पैदल चलैत रामसेस सँ सुक्कोत धरि विदा भेलाह।
2 ओकरा सभक संग मिश्रित भीड़ आ भेँड़ा आ भेँड़ा, बहुत रास माल-जाल सेहो चलि गेल।
3 मिस्र देश मे कठिन परिश्रम मे रहनिहार इस्राएलक लोक सभक प्रवास दू सय दस वर्ष छल।
4 दू सय दस वर्षक अन्त मे परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ एकटा बलशाली हाथ सँ मिस्र सँ बाहर निकालि देलनि।
5 इस्राएली सभ मिस्र, गोशेन आ रामसेस सँ यात्रा कए पहिल मासक पन्द्रहम दिन सुक्कोत मे डेरा खसा लेलक।
6 मिस्रवासी सभ अपन सभ जेठ बच्चा सभ केँ गाड़ि देलक, जकरा परमेश् वर मारि देने छलाह आ सभ मिस्रवासी सभ अपन मारल गेल बच्चा सभ केँ तीन दिन धरि गाड़ि देलक।
7 इस्राएलक लोक सभ सुक्कोत सँ विदा भऽ मरुभूमिक अन्त मे एथोम मे डेरा खसा लेलक।
8 मिस्रक लोक सभ अपन पहिल बच्चा केँ गाड़लाक बाद तेसर दिन मिस्र सँ बहुतो लोक उठि कऽ इस्राएल सभक पाछाँ-पाछाँ गेलाह जे ओकरा सभ केँ मिस्र घुरि कऽ घुमा देलक।
9 एक आदमी अपन पड़ोसी केँ कहलथिन, "मूसा आ हारून फिरौन सँ कहलथिन, "हम सभ तीन दिनक यात्रा जंगल मे जा कऽ अपन परमेश् वर परमेश् वरक बलिदान देब।"
10 आब भोरे-भोर उठि कऽ ओकरा सभ केँ घुरि कऽ घुरा देब, आ जँ ओ सभ हमरा सभक संग मिस्र मे अपन मालिक सभक लग घुरि जेताह तँ हमरा सभ केँ बुझल रहत जे हुनका सभ पर विश्वास अछि, मुदा जँ ओ सभ नहि घुरि जेताह तँ हम सभ हुनका सभक संग लड़ब आ हुनका सभ केँ बहुत शक्ति आ मजबूत हाथक संग वापस आनि देब।
11 भोरे-भोर फिरौनक सभ कुलीन लोक आ हुनका सभक संग करीब सात लाख आदमी उठि कऽ ओहि दिन मिस्र सँ निकलि गेलाह, जतय इस्राएलक लोक सभ छल।
12 सभ मिस्रवासी देखलक आ देखलक जे मूसा आ हारून आ इस्राएलक समस्त लोक सभ पी-हहिरोतक समक्ष बैसल, खाइत-पीबैत आ परमेश् वरक पर्व मना रहल छल।
13 सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ सत् य कहलहुँ जे हम सभ तीन दिनक लेल जंगल मे जा कऽ अपन परमेश् वरक बलि चढ़ा कऽ घुरब।"
14 आब अहाँ सभक गेलाक पाँच दिन भऽ गेल अछि, तखन अहाँ सभ अपन मालिक सभ लग किएक नहि घुरैत छी?
15 मूसा आ हारून हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "किएक तँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर हमरा सभ मे गवाही देलनि अछि जे, 'अहाँ सभ आब मिस्र नहि घुरि जायब, बल् कि हम सभ दूध आ मधु सँ बहय बला देश मे आबि जायब, जेना कि हमर सभक परमेश् वर प्रभु हमरा सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह जे हम सभ हमरा सभ केँ देब।"
16 जखन मिस्रक कुलीन लोक सभ देखलक जे इस्राएलक लोक सभ मिस्र दिस घुरबाक लेल हुनका सभक बात नहि मानैत अछि, तखन ओ सभ इस्राएलक संग लड़बाक लेल अपना केँ कमरबंद कऽ लेलक।
17 एहि परमेश् वर मिस्रक लोक सभक हृदय केँ मजगूत कयलनि, जाहि सँ ओ सभ ओकरा सभ केँ बहुत मारि देलक आ मिस्रक लोक सभ पर युद्ध भयंकर भऽ गेल आ सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभक सामने सँ भागि गेल, किएक तँ ओकरा सभ मे सँ बहुतो लोक इस्राएलक हाथ सँ नष्ट भऽ गेल।
18 तखन फिरौनक कुलीन लोकनि मिस्र गेलाह आ फिरौन केँ कहलथिन, "इस्राएलक सन्तान सभ भागि गेल अछि आ आब मिस्र दिस नहि घुरि जायत।
19 फिरौन ई बात सुनि कऽ ओकर मोन आ ओकर सभ प्रजाक हृदय इस्राएलक विरुद्ध भऽ गेल आ ओ सभ पश्चाताप कयलक जे ओ सभ इस्राएल केँ पठौने अछि। आ सभ मिस्रवासी फिरौन केँ सलाह देलथिन जे इस्राएलक लोक सभ केँ पाछाँ-पाछाँ चलय जाहि सँ ओ सभ अपन बोझ पर आबि जाय।
20 ओ सभ अपन भाय केँ कहलथिन, "हम सभ ई की केलहुँ जे हम सभ इस्राएल केँ अपन दासता सँ पठा देलहुँ?"
21 प्रभु इस्राएली सभक पाछाँ-पाछाँ चलबाक लेल सभ मिस्रवासीक हृदय केँ मजबूत कयलनि, किएक तँ परमेश् वर मिस्रवासी सभ केँ लाल सागर मे उखाड़ि फेकबाक इच्छा रखैत छलाह।
22 तखन फिरौन उठि कऽ अपन रथ केँ जोड़ि लेलक आ सभ मिस्रवासी केँ जमा करबाक आदेश देलक, छोट-छोट आ स् त्रीगण केँ छोड़ि एकोटा पुरुष नहि बचल।
23 सभ मिस्रवासी फिरौनक संग इस्राएलक सन् तान सभक पीछा करबाक लेल निकलि गेलाह आ मिस्रक डेरा बहुत पैघ आ भारी छल, लगभग दस लाख आदमी।
24 एहि डेराक समस्त लोक सभ जा कऽ इस्राएलक सन् तान सभ केँ मिस्र आनबाक लेल पाछाँ-पाछाँ मारि देलक।
25 इस्राएलक सन् तान सभ आँखि उठा कऽ देखलक जे सभ मिस्रवासी हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि आ इस्राएलक लोक सभ हुनका सभ पर बहुत आतंकित भऽ गेलाह आ इस्राएलक लोक सभ प्रभु सँ पुकारलनि।
26 मिस्रक लोक सभक कारणेँ इस्राएलक सन् तान सभ चारि भाग मे बँटि गेल आ ओ सभ अपन-अपन विचार मे बँटि गेल, किएक तँ ओ सभ मिस्रक लोक सभ सँ डरैत छल आ मूसा ओकरा सभ मे सँ एक-एकटा सँ गप्प करैत छल।
27 पहिल विभाजन रूबेन, शिमोन आ इस्साकरक सन् तानक छल आ ओ सभ मिस्रक लोक सभ सँ बहुत भयभीत भऽ गेल छल।
28 मूसा हुनका सभ केँ कहलथिन, "नहि डरू, ठाढ़ भ' क' देखू जे परमेश् वरक उद्धार आइ अहाँ सभक लेल कयल जायत।"
29 दोसर दल जबूलून, बिन्यामीन आ नफ्तालीक सन् तानक छल आ ओ सभ मिस्रवासीक संग मिस्र घुरि जेबाक संकल्प कयलक।
30 मूसा हुनका सभ केँ कहलथिन, "नहि डेराउ, किएक तँ आइ जहिना अहाँ सभ मिस्रवासी सभ केँ देखलहुँ, तेना अहाँ सभ ओकरा सभ केँ अनन्त काल धरि नहि देखब।"

31 तेसर दल यहूदा आ यूसुफक सन् तानक छल आ ओ सभ मिस्रवासी सभ सँ भेंट करबाक लेल जेबाक संकल्प कयलक।
32 मूसा हुनका सभ केँ कहलथिन, "अपन सभ ठाम ठाढ़ रहू, किएक तँ प्रभु अहाँ सभक लेल लड़ताह आ अहाँ सभ चुप रहब।"
33 चारिम दल लेवी, गाद आ आशेरक सन् तानक छल, आ ओ सभ मिस्रवासीक बीच जा कऽ ओकरा सभ केँ लज्जित करबाक संकल्प लेलक, आ मूसा ओकरा सभ केँ कहलथिन, "अपन ठिकाना मे रहू आ नहि डेराउ, मात्र प्रभु केँ बजाउ जे ओ अहाँ सभ केँ हुनका सभक हाथ सँ बचा सकय।"
34 एकर बाद मूसा लोकक बीच सँ उठि कऽ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि आ कहलथिन।
35 हे समस्त पृथ् वीक परमेश् वर, आब अपन लोक केँ बचाउ, जकरा अहाँ मिस्र सँ निकालने छलहुँ, आ मिस्रवासी सभ ई घमंड नहि करथि जे सामर्थ् य आ पराक्रम हुनका सभक अछि।
36 तखन प्रभु मूसा केँ कहलथिन, "अहाँ हमरा किएक पुकारैत छी?" इस्राएलक सन् तान सभ केँ कहि दियौक जे ओ सभ आगू बढ़ि जायत, आ अहाँ अपन लाठी समुद्र पर पसारि कऽ ओकरा बाँटि दिअ, आ इस्राएलक सन् तान सभ ओहि मे सँ गुजरत।"
37 मूसा एना कयलनि आ समुद्र पर अपन लाठी उठौलनि आ ओकरा बाँटि देलनि।
38 समुद्रक पानि बारह भाग मे बँटि गेल छल आ इस्राएलक लोक सभ जूता ल' क' पैदल ओहि ठाम सँ गुजरैत छल जेना कोनो आदमी तैयार बाट सँ गुजरैत छल।
39 प्रभु इस्राएलक सन् तान सभ केँ मिस्र आ समुद्र मे अपन चमत् कार देखौलनि।
40 जखन इस्राएलक लोक सभ समुद्र मे प्रवेश कयलनि तखन मिस्रवासी सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ आबि गेलाह आ समुद्रक पानि हुनका सभ पर फेर सँ आबि गेलनि आ सभ पानि मे डूबि गेलाह आ एको आदमी नहि बचलनि सिवाय फिरौन केँ, जे प्रभु केँ धन्यवाद देलनि आ हुनका पर विश्वास कयलनि, तेँ प्रभु हुनका मिस्रक संग ओहि समय मे नष्ट नहि कयलनि।
41 परमेश् वर एकटा स् वर्गदूत केँ मिस्रवासी सभक बीच सँ लऽ जेबाक आदेश देलथिन, जे हुनका नीनवा भूमि पर फेकि देलथिन आ ओ बहुत दिन धरि ओहि देश पर राज केलनि।
42 ओहि दिन परमेश् वर इस्राएल केँ मिस्रक हाथ सँ बचा लेलनि, आ सभ इस्राएलक सन् तान देखलक जे मिस्रक लोक सभक नाश भऽ गेल आ ओ सभ परमेश् वरक महान हाथ देखि लेलक, जे ओ मिस्र आ समुद्र मे कयलनि।
43 तखन मूसा आ इस्राएलक लोक सभ ओहि दिन परमेश् वरक लेल ई गीत गबैत छलाह, जखन परमेश् वर मिस्रवासी सभ केँ हुनका सभक सोझाँ खसि पड़लनि।
44 समस्त इस्राएल सभ एक संग गाबि कऽ कहलथिन, "हम प्रभु केँ गबैत छी, किएक तँ ओ बहुत ऊँच छथि, घोड़ा आ ओकर सवार केँ समुद्र मे फेकि देलनि। देखू, ई परमेश् वरक व्यवस्थाक पुस्तक मे लिखल अछि।
45 एकर बाद इस्राएली सभ अपन यात्रा पर निकलि मारा मे डेरा खसा लेलक आ परमेश् वर इस्राएलक लोक सभ केँ मराह मे ओहि स्थान पर नियम आ न्याय देलथिन, आ परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ अपन सभ बाट पर चलय आ हुनकर सेवा करथि।
46 ओ सभ मारा सँ यात्रा कए एलीम पहुँचलाह आ एलीम मे बारह टा जलक झरना आ सत्तरि खजूरक गाछ छल आ बच्चा सभ ओतहि पानि लग डेरा खसा लेलक।
47 ओ सभ मिस्र सँ विदा भेलाक बाद दोसर मासक पन्द्रहम दिन एलीम सँ विदा भऽ सिनक जंगल मे पहुँचलाह।
48 ओहि समय मे परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ मन्ना दऽ देलथिन, आ परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभक लेल स् वर्ग सँ अन्न बरसबैत रहलाह।
49 इस्राएलक लोक सभ जाबत धरि जंगल मे रहलाह, ताबत धरि जाबत धरि ओ सभ कनान देश मे अपन कब्जा मे नहि आबि गेलाह, ताबत धरि चालीस वर्ष धरि मन्ना खाइत रहलाह।
50 ओ सभ सिनक जंगल सँ निकलि आलूश मे डेरा खसा लेलक।
51 ओ सभ अलुश सँ निकलि रेफिदीम मे डेरा खसा लेलक।
52 जखन इस्राएलक सन् तान रफीदीम मे छल तखन एलीफाजक पुत्र अमालेक, जे सोफोक भाय एसावक पुत्र छल, इस्राएलक संग युद्ध करऽ लगलाह।
53 ओ अपना संग आठ लाख एक हजार आदमी, जादूगर आ जादूगर सभ केँ अनलनि आ ओ रेफिदीम मे इस्राएलक संग युद्ध करबाक लेल तैयार भ' गेलाह।
54 ओ सभ इस्राएलक विरुद्ध एकटा पैघ आ कठोर युद्ध कयलक आ परमेश् वर अमालेक आ ओकर लोक केँ मूसा आ इस्राएलक संतानक हाथ मे आ मूसाक सेवक एफ्राती नूनक पुत्र यहोशूक हाथ मे सौंप देलनि।
55 इस्राएलक लोक सभ अमालेक आ ओकर लोक सभ केँ तलवारक धार सँ मारि देलक, मुदा इस्राएलक लोक सभ पर युद्ध बहुत भयंकर भऽ गेल।
56 परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "ई बात अहाँक लेल एकटा पुस्तक मे लिखि कऽ अपन सेवक नूनक पुत्र यहोशूक हाथ मे राखि दियौक आ इस्राएलक सन्तान केँ आज्ञा देब जे, "जखन अहाँ कनान देश मे आबि जायब तखन अहाँ आकाशक नीचा सँ अमालेक स्मरण केँ एकदम मेटा देब।"
57 मूसा एना कयलनि आ ओ किताब लऽ कऽ ओहि पर ई बात लिखि कऽ कहलथिन।
58 जखन अहाँ मिस्र सँ निकललहुँ तखन अमालेक अहाँक संग बाट मे की केने छल, से मोन राखू।
"
60 तेँ जखन अहाँक परमेश् वर अहाँ केँ ओहि देश मे चारू कातक सभ शत्रु सभ सँ विश्राम दऽ लेताह, जाहि देश केँ अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ केँ उत्तराधिकारक रूप मे दैत छथि, तखन अहाँ स् वर्गक नीचाँ सँ अमालेक सभक स्मरण केँ मेटा देब, तखन अहाँ ओकरा नहि बिसरब।
61 जे राजा अमालेक वा ओकर स्मृति पर वा ओकर वंशज पर दया करत, से देखू हम ओकरा सँ ई माँग करब आ ओकरा ओकर लोक मे सँ काटि देब।
62 मूसा ई सभ बात एकटा किताब मे लिखि कऽ इस्राएलक सन् तान सभ केँ एहि सभ बातक आदर करबाक आज्ञा देलथिन।

अध्याय 82

1 इस्राएली सभ रेफीदीम सँ निकलि गेल आ मिस्र सँ निकललाक तेसर मास मे सिनैक जंगल मे डेरा खसा लेलक।

2 ओहि समय मे मूसाक ससुर मिद्यानी रूएल अपन बेटी सिप्पोरा आ ओकर दुनू बेटाक संग आबि गेलाह, किएक तँ ओ परमेश् वरक एहि चमत् कार सभक विषय मे सुनने छलाह जे ओ इस्राएलक संग हुनका सभ केँ मिस्र सँ मुक्त कऽ देने छलाह।
3 तखन रेउल मूसा लग ओहि जंगल मे पहुँचलाह जतय ओ डेरा रखने छलाह, जतय परमेश् वरक पहाड़ छल।
4 मूसा अपन ससुर सँ बहुत आदर सँ भेंट करय लेल निकललाह, आ समस्त इस्राएल हुनका संग छल।
5 रुएल आ ओकर सन् तान सभ बहुत दिन धरि इस्राएली सभक बीच रहलाह आ ओहि दिन सँ रुआएल प्रभु केँ चिन्हैत रहलाह।
6 इस्राएलक सन्तान सभ मिस्र सँ विदा भेलाक तेसर मासक छठम दिन परमेश् वर इस्राएल केँ सिनै पहाड़ पर दस आज्ञा देलथिन।
7 समस्त इस्राएल ई सभ आज्ञा सुनलक आ ओहि दिन समस्त इस्राएल प्रभु मे बहुत आनन्दित भऽ गेल।
8 परमेश् वरक महिमा सिनै पहाड़ पर टिकल आ ओ मूसा केँ पुकारलनि आ मूसा मेघक बीच मे आबि पहाड़ पर चढ़ि गेलाह।
9 मूसा चालीस दिन चालीस राति पहाड़ पर रहलाह। ओ रोटी नहि खाइत छल आ पानि नहि पीबैत छल, आ परमेश् वर हुनका इस्राएलक सन् तान सभ केँ शिक्षा देबाक लेल नियम आ न् याय सभक शिक्षा देलनि।
10 परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ जे दस आज्ञा देने छलाह, से दू टा पाथरक पाटी पर लिखि देलनि, जे ओ इस्राएलक लोक सभ केँ आज्ञा देबाक लेल मूसा केँ देलनि।
11 चालीस दिन चालीस राति मे जखन परमेश् वर सिनै पहाड़ पर मूसा सँ गप्प कऽ कऽ पूरा कयलनि तखन परमेश् वरक आँगुर सँ लिखल पाथरक पाटी सभ मूसा केँ देलथिन।
12 इस्राएली सभ जखन देखलकै जे मूसा पहाड़ पर सँ उतरबा मे देरी क' रहल छथि, तखन ओ सभ हारूनक चारू कात जमा भ' क' कहलथिन, "ओहि मूसाक बारे मे हमरा सभ केँ ई नहि बुझल अछि जे हुनका की भेलनि।"
13 आब उठू, हमरा सभक लेल एकटा एहन देवता बनाउ जे हमरा सभ सँ पहिने चलत, जाहि सँ अहाँ नहि मरि जायब।"
14 हारून लोक सभ सँ बहुत डेरा गेलाह आ ओ ओकरा सभ केँ सोना अनबाक आज्ञा देलनि आ ओकरा लोक सभक लेल पिघलल बछड़ा बना देलनि।
15 परमेश् वर मूसा केँ पहाड़ सँ उतरबा सँ पहिने कहलथिन, "अहाँ उतरू, किएक तँ अहाँ जे लोक मिस्र सँ बाहर अनने रही, से अपना केँ नष्ट कऽ लेलक।"
16 ओ सभ अपना लेल एकटा पिघलल बछड़ा बना कऽ ओकरा प्रणाम कऽ लेलक, आब हमरा छोड़ि दिअ, जाहि सँ हम ओकरा सभ केँ पृथ्वी पर सँ नष्ट कऽ दिअ, किएक तँ ओ सभ कठोर गर्दन बला लोक अछि।
17 मूसा परमेश् वरक मुँह सँ विनती कयलनि आ ओ लोक सभक द्वारा बनाओल गेल बछड़ाक कारणेँ प्रभु सँ प्रार्थना कयलनि, आ तकर बाद ओ पहाड़ सँ उतरि गेलाह आ हुनका हाथ मे ओ दू टा पाथरक पाटी छलनि, जे परमेश् वर हुनका इस्राएली सभ केँ आज्ञा देबाक लेल देने छलाह।
18 मूसा जखन डेरा लग पहुँचलाह आ लोक सभ द्वारा बनाओल गेल बछड़ा केँ देखलनि तँ मूसाक क्रोध भड़कि गेलनि आ ओ पहाड़क नीचाँक पाटी सभ केँ तोड़ि देलनि।
19 मूसा डेरा पर अयलाह आ ओ बछड़ा केँ लऽ कऽ आगि मे जरा कऽ पीसल गेलाह जाबत धरि ओ महीन धूरा नहि बनि गेल आ पानि पर फेकि कऽ इस्राएली सभ केँ पीबय देलनि।
20 बछड़ा बनेनिहार करीब तीन हजार आदमी एक-दोसरक तलवार सँ लोक सभ मे सँ मरि गेल।
21 दोसर दिन मूसा लोक सभ केँ कहलथिन, "हम प्रभुक लग चलि जायब, संभवतःहम अहाँ सभक पापक प्रायश्चित कऽ सकब जे अहाँ सभ प्रभुक समक्ष पाप केलहुँ।"
22 मूसा फेर प्रभु लग गेलाह आ चालीस दिन चालीस राति धरि प्रभुक संग रहलाह।
23 चालीस दिनक दौरान मूसा इस्राएलक सन् तान सभक लेल प्रभु सँ विनती केलनि आ प्रभु मूसाक प्रार्थना सुनलनि आ इस्राएलक लेल प्रभु हुनका सँ विनती कयलनि।
24 तखन परमेश् वर मूसा सँ कहलथिन जे दू टा पाथरक पाटी काटि कऽ ओकरा सभ केँ प्रभुक समक्ष लऽ जेताह, जे ओहि पर दस आज्ञा लिखि देथिन।
25 मूसा एना कयलनि आ ओ नीचाँ आबि दुनू पाटी काटि कऽ सिनै पहाड़ पर प्रभुक लग चलि गेलाह आ प्रभु पाटी पर दस आज्ञा लिखि देलनि।
26 मूसा चालीस दिन चालीस राति धरि प्रभुक संग रहलाह, आ परमेश् वर हुनका इस्राएल केँ देबाक लेल नियम आ नियमक निर्देश देलनि।
27 परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभक आदर करैत हुनका आज्ञा देलथिन जे ओ सभ परमेश् वरक लेल एकटा पवित्र स्थान बनाबथि जाहि सँ हुनकर नाम ओहि मे रहय, आ परमेश् वर हुनका पवित्र स्थानक उपमा आ ओकर सभ बर्तनक उपमा देखौलनि।
28 चालीस दिनक अंत मे मूसा पहाड़ सँ उतरलाह आ दुनू पाटी हुनका हाथ मे छलनि।
29 मूसा इस्राएलक लोक सभ लग आबि हुनका सभ केँ परमेश् वरक सभटा वचन बजलाह आ हुनका सभ केँ ओहि नियम-नियम आ नियम सभ सिखौलनि जे परमेश् वर हुनका सिखौने छलाह।
30 मूसा इस्राएलक सन् तान सभ केँ परमेश् वरक वचन कहलथिन जे हुनका लेल एकटा पवित्र स्थान बनाओल जाय जाहि सँ ओ इस्राएलक सन् तान सभक बीच रहथि।
31 लोक सभ मूसाक माध् यम सँ परमेश् वर हुनका सभ केँ जे नीक बात कहलनि, ताहि पर बहुत हर्षित भेल आ ओ सभ कहलक जे, "प्रभु अहाँ सँ जे किछु कहने छथि से हम सभ पूरा करब।"
32 लोक सभ एक आदमी जकाँ उठि कऽ परमेश् वरक पवित्र स्थान मे उदारतापूर्वक बलि चढ़ौलनि आ एक-एक गोटे पवित्र स्थानक काज आ ओकर सभ सेवाक लेल प्रभुक बलिदान अनलनि।
33 एहि परमेश् वरक सभ इस्राएलक सन् तान सभ परमेश् वरक पवित्र स् थानक काज लेल अपन सम् पत्ति मे जे किछु भेटल छल, ताहि मे सँ एक-एकटा सोना, चानी आ पीतल आ पवित्र स्थानक लेल सेवाक योग्य सभ वस्तु अनलनि।
34 ओ सभ ज्ञानी लोकनि जे काज मे अभ्यस्त छलाह, सभ आबि कऽ प्रभुक पवित्र स्थान बनौलनि, जेना प्रभुक आज्ञाक अनुसार, प्रत्येक केँ जाहि काज मे कयल गेल छलनि। आ सभ बुद्धिमान लोक सभ पवित्र स्थान, ओकर साज-सज्जा आ सभटा बर्तन सभ

कैँ पवित्र सेवाक लेल बनौलनि, जेना परमेश् वर मूसा कैँ आज्ञा देने छलाह।
35 पाँच मासक अंत मे पवित्र स्थानक काज पूरा भ’ गेल आ इस्राएलक लोक सभ ओहि सभ काज कैँ पूरा कयलक जे परमेश् वर मूसा कैँ देने छलाह।
36 ओ सभ पवित्र स्थान आ ओकर सभटा सामान मूसा लग अनलनि। जेना प्रभु मूसा कैँ देखौने छलाह, तहिना इस्राएलक सन्तान सभ सेहो कयलनि।
37 मूसा ई काज देखलनि आ देखथि जे ओ सभ प्रभुक आज्ञाक अनुसार काज कऽ रहल छलाह, तैँ मूसा हुनका सभ कैँ आशीष देलनि।

अध्याय 83

1 बारहम मास मे तेइसम दिन मूसा हारून आ हुनकर पुत्र सभ कैँ लऽ कऽ हुनका सभक वस्त्र पहिरा लेलनि आ अभिषेक कयलनि आ प्रभुक आज्ञानुसार हुनका सभक संग कयलनि आ ओहि दिन परमेश् वर द्वारा आज्ञा देल गेल सभ बलिदान मूसा अनलनि।
2 तकर बाद मूसा हारून आ हुनकर पुत्र सभ कैँ लऽ कऽ कहलथिन, “अहाँ सभ सात दिन धरि तम्बूक दरबज्जा पर रहब, किएक तँ हमरा ई आज्ञा देल गेल अछि।”
3 हारून आ ओकर पुत्र सभ जे किछु आज्ञा परमेश् वर मूसाक द्वारा कयल गेल छलाह से पूरा कयलनि आ ओ सभ सात दिन धरि तम्बूक दरबज्जा पर रहलाह।
4 आठम दिन, पहिल मासक पहिल दिन, इस्राएली सभ मिस्र सँ विदा भेलाक दोसर वर्ष मे, मूसा पवित्र स्थान कैँ ठाढ़ कयलनि, आ मूसा तम्बूक सभ साज-सज्जा आ पवित्र स्थानक सभ साज-सज्जा राखि देलनि आ प्रभुक आज्ञा सभ पूरा कयलनि।
5 मूसा हारून आ ओकर पुत्र सभ कैँ बजौलनि आ ओ सभ अपना आ इस्राएलक सन् तान सभक लेल होमबलि आ पापबलि अनलनि, जेना परमेश् वर मूसा कैँ आज्ञा देने छलाह।
6 ओहि दिन हारूनक दुनू पुत्र नदाब आ अबीहू पराया आगि लऽ कऽ प्रभुक समक्ष अनलनि जे हुनका सभ कैँ आज्ञा नहि देने छलाह आ प्रभुक सामने सँ आगि निकलि कऽ हुनका सभ कैँ भस्म कऽ देलक आ ओ सभ ओहि दिन प्रभुक समक्ष मरि गेलाह।
7 जाहि दिन मूसा पवित्र स्थानक निर्माण पूरा कएने छलाह, तखन इस्राएलक संतानक मुखिया सभ वेदीक समर्पणक लेल अपन बलिदान परमेश् वरक समक्ष आनय लगलाह।
8 ओ सभ एक-एकटा राजकुमार एक-एक दिनक लेल, एक-एकटा राजकुमार बारह दिनक लेल बलि चढ़बैत छलाह।
9 ओ सभ अपन-अपन समय मे जे सभ बलि आनैत छल, एक-एकटा चानीक पात्र जे एक सय तीस शेकेल वजन के छल, पवित्र स्थानक शेकेल के हिसाब सँ सत्तर शेकेल वजन के एक चानी के कटोरी, दुनू महीन आटा सँ भरल आ तेल मे मिलाओल गेल छल।
10 धूप सँ भरल एक चम्मच दस शेकेल सोना।
11 होमबलि के लेल एकटा बैल, एकटा मेढ़ा, एक सालक मेमना।
12 पापबलि मे एकटा बकरीक बछड़ा सेहो राखू।
13 मेलबलि बलिदानक लेल दूटा बैल, पाँच मेढ़, पाँचटा बकरी, एक वर्षक पाँचटा मेमना।
14 एहि तरहेँ इस्राएलक बारहटा राजकुमार सभ दिन-प्रतिदिन, एक-एकटा अपन-अपन समय मे करैत छलाह।
15 एकर बाद मासक तेरहम दिन मूसा इस्राएलक सन् तान सभ कैँ फसह-पाबनि मनाबय लेल आज्ञा देलनि।
16 इस्राएलक लोक सभ ओहि मासक चौदहम दिन फसह-पाबनि अपन समय मे मनाबैत छलाह, जेना प्रभु मूसा कैँ आज्ञा देने छलाह, तेना इस्राएली सभ सेहो कयलनि।
17 दोसर मासक पहिल दिन परमेश् वर मूसा सँ कहलथिन।
18 इस्राएलक बीस वर्ष सँ ऊपरक सभ पुरुषक माथक गिनती करू, अहाँ आ अपन भाय हारून आ इस्राएलक बारहटा मुखिया।
19 मूसा एना कयलनि आ हारून इस्राएलक बारह गोट सरदारक संग आबि गेलाह आ ओ सभ सिनैक जंगल मे इस्राएलक सन् तान सभक गिनती कयलनि।
20 इस्राएलक लोकक संख्या अपन पूर्वजक घरानाक अनुसार बीस वर्ष सँ ऊपरक लोकक संख्या छह लाख तीन हजार पाँच सय पचास छल।
21 लेवीक सन् तान सभ अपन भाय इस्राएलक सन् तान मे नहि गिनल गेल।
22 इस्राएलक एक मास आ ओहि सँ बेसी उम्रक सभ पुरुषक संख्या बाइस हजार दू सय तेहत्तरि छल।
23 लेवीक संतानक संख्या एक मास आ ओहि सँ बेसी उम्रक बाइस हजार छल।
24 मूसा पुरोहित आ लेवी सभ कैँ एक-एकटा अपन सेवा आ अपन भार पर राखि देलथिन, जेना प्रभु मूसा कैँ आज्ञा देने छलाह।
25 मासक बीसम दिन मेघ गवाही तम्बू सँ चलि गेल।
26 ओहि समय इस्राएलक सन् तान सभ सिनैक जंगल सँ अपन यात्रा जारी रखलनि आ तीन दिनक यात्रा कयलनि आ मेघ पारनक जंगल पर आबि गेलाह। ओतहि परमेश् वरक क्रोध इस्राएल पर भड़कि गेल, किएक तँ ओ सभ परमेश् वर सँ भोजन माँगि कऽ क्रोधित कऽ देने छल।
27 परमेश् वर हुनका सभक बात सुनि हुनका सभ कैँ एक मास धरि भोजन देलथिन।
28 एकर बाद परमेश् वरक क्रोध हुनका सभ पर प्रज्वलित भऽ गेलनि आ ओ हुनका सभ कैँ बहुत मारि देलनि आ ओतहि ओ सभ दफना देल गेलनि।
29 इस्राएलक लोक सभ ओहि स्थान कैँ केब्रोत हत्तावा नाम देलक, किएक तँ ओ सभ ओतहि मांसल लोक सभ कैँ गाड़ि देलक।
30 ओ सभ केब्रोत हत्तावा सँ विदा भेलाह आ पारनक जंगल मे हजेरोत मे खसखस लगा देलनि।
31 जखन इस्राएलक सन् तान सभ हजेरोत मे छल तखन मूसाक कारणेँ मरियम पर परमेश् वरक क्रोध भड़कि गेल आ ओ कोढ़ी भऽ गेलीह, जे बर्फ जकाँ उज्जर भऽ गेलीह।
32 ओ सात दिन धरि शिविरक बाहर बंद रहलीह, जाबत धरि कोढ़क बाद हुनका फेर सँ नहि भऽ गेलनि।
33 तकर बाद इस्राएलक लोक सभ हजेरोत सँ विदा भऽ पारनक जंगलक छोर पर खसखस लगा देलक।
34 ओहि समय मे परमेश् वर मूसा सँ कहलथिन जे इस्राएलक सन् तान मे सँ बारह गोटे कैँ एक गोत्र मे पठा कऽ कनान देशक खोज करबाक लेल जाउ।
35 मूसा बारह आदमी कैँ पठौलनि, आ ओ सभ कनान देश मे ओहि ठामक खोज आ जाँच करबाक लेल आबि गेलाह आ ओ

सभ सिनक जंगल सँ ल' क' रेकोब धरि पूरा देशक खोज कयलनि, जखन कि अहाँ चमोत पहुँचलहुँ।
36 चालीस दिनक अंत मे ओ सभ मूसा आ हारून लग पहुँचलाह आ ओ सभ हुनका सभक मोन मे जेना छलनि, तेना हुनका खबरि देलनि आ दस गोटे इस्राएलक लोक सभ कैँ ओहि देशक अधलाह खबरि देलथिन जे ओ सभ खोजने छलाह, "हमरा सभक लेल एहि देश मे जेबा सँ नीक अछि जे हम सभ मिस्र घुरि कऽ आबि जायब।
37 मुदा नूनक पुत्र यहोशू आ यफूनक पुत्र कालेब जे देशक खोज करयवला लोक मे सँ छलाह, कहलथिन, "देश बहुत नीक अछि।"
38 जँ प्रभु हमरा सभ पर प्रसन्न होथि तँ ओ हमरा सभ कैँ एहि देश मे आनि देताह आ हमरा सभ कैँ दऽ देताह, किएक तँ ई दूध आ मधु सँ बहय बला देश अछि।
39 मुदा इस्राएलक लोक सभ हुनका सभक बात नहि सुनलनि आ ओ सभ ओहि दस आदमीक बात सुनलनि जे एहि देशक कोनो दुष् ट खबर अनने छलाह।
40 परमेश् वर इस्राएलक लोक सभक गुनगुनाहटि सुनि कऽ क्रोधित भऽ कऽ शपथ लेलनि।
"
42 मुदा निश्चित रूप सँ ई दुष्ट पीढ़ी एहि जंगल मे नष्ट भऽ जायत आ ओकर बच्चा सभ एहि देश मे आबि कऽ ओकरा सभ कैँ अपना मे समेटि लेत। तेँ परमेश् वरक क्रोध इस्राएल पर प्रज्वलित भऽ गेल आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ चालीस वर्ष धरि जंगल मे घुमा देलक, जाबत ओ सभ ओहि दुष् ट पीढ़ीक अंत धरि नहि चलल, कारण ओ सभ प्रभुक पाछाँ नहि चलल।
43 लोक सभ बहुत दिन धरि पारनक जंगल मे रहलाह आ तकर बाद ओ सभ लाल समुद्रक बाट मे जंगल दिस बढ़लाह।

अध्याय 84

1 ओहि समय लेवीक पुत्र केहतक पुत्र जेत्जरक पुत्र कोरह इस्राएलक बहुतो लोक कैँ पकड़ि लेलक आ ओ सभ उठि कऽ मूसा आ हारून आ समस्त मंडली सँ झगड़ा कऽ लेलक।
2 परमेश् वर हुनका सभ पर क्रोधित भऽ गेलाह आ धरती मुँह खोलि कऽ हुनका सभ कैँ निगल गेलनि, हुनका सभक घर-घर आ हुनका सभक सभ समान आ कोरहक सभ लोक कैँ।
3 एकर बाद परमेश् वर लोक सभ कैँ सेइर पर्वतक बाट मे बहुत दिन धरि घुमा देलथिन।
4 ओहि समय परमेश् वर मूसा कैँ कहलथिन, "एसावक सन् तान सभक विरुद्ध युद्ध नहि करू, किएक तँ हम अहाँ सभ कैँ हुनका सभक कोनो वस्तु नहि देब, जतेक पैरक तलवा पर चढ़ि सकैत छल, किएक तँ हम सेइर पर्वत कैँ एसाव कैँ उत्तराधिकारक रूप मे दऽ देने छी।"
5 तेँ पहिने एसावक सन् तान सभ सेइरक सन् तान सभक संग लड़ल छल आ प्रभु सेइरक सन् तान सभ कैँ एसावक सन् तान सभक हाथ मे सौंपने छलाह आ ओकरा सभक सोझाँ सँ नष्ट कऽ देने छलाह आ एसावक सन् तान सभ आइ धरि हुनका सभक स्थान पर रहलाह।
6 तेँ परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ कैँ कहलथिन, "अपन भाय एसावक सन् तान सभ सँ लड़ि नहि जाउ, किएक तँ हुनकर सभक देश मे कोनो चीज अहाँ सभक नहि अछि, बल् कि अहाँ सभ हुनका सभ सँ पाइ मे भोजन कीनि कऽ खा सकैत छी आ हुनका सभ सँ पाइ मे पानि कीनि कऽ पीबि सकैत छी।
7 इस्राएलक सन् तान सभ प्रभुक वचनक अनुसार काज केलक।
8 इस्राएलक लोक सभ बहुत दिन धरि सिनै पहाड़क बाट पर घुमैत रहलाह, मुदा एसावक सन् तान सभ कैँ नहि छूबि सकलाह, आ ओ सभ उन्नीस वर्ष धरि ओहि जिला मे रहलाह।
9 ओहि समय मे कित्तीमक राजा लैटिनस अपन शासनक पैंतालीसम वर्ष मे मरि गेलाह, जे इस्राएलक लोकक मिस्र सँ विदा भेलाक चौदहम वर्ष अछि।
10 ओ सभ हुनका ओहि स्थान पर दफना देलनि जे ओ कित्तीम देश मे अपना लेल बनौने छलाह आ अबीम्ना हुनकर स्थान पर अड़तीस वर्ष धरि राज केलनि।
11 ओहि समय मे इस्राएलक लोक सभ उन्नीस वर्षक अंत मे एसावक सन् तान सभक सीमा कैँ पार कऽ गेल आ मोआबक जंगलक बाट सँ गुजरि गेल।
12 परमेश् वर मूसा कैँ कहलथिन, "मोआब कैँ घेराबंदी नहि करू आ ओकरा सभक विरुद्ध नहि लड़ू, किएक तँ हम अहाँ कैँ ओकर देश मे सँ किछु नहि देब।"
13 इस्राएलक लोक उन्नीस वर्ष धरि मोआबक जंगलक बाट सँ गुजरैत रहलाह, मुदा ओ सभ हुनका सभ सँ लड़ल नहि गेलाह।
14 इस्राएलक सन् तान सभक मिस्र सँ विदा भेलाक छत्तीसम वर्ष मे परमेश् वर अमोरी सभक राजा सीहोनक हृदय पर प्रहार कयलनि आ ओ युद्ध कयलनि आ मोआबक सन् तान सभक विरुद्ध लड़बाक लेल निकलि गेलाह।
15 सीहोन मिस्रक राजाक सलाहकार बिलामक पुत्र जनेआसक पुत्र बेओर आ हुनकर पुत्र बिलाम लग दूत पठौलनि जे मोआब कैँ गारि पढ़थि जाहि सँ ओ सीहोनक हाथ मे सौंपल जा सकय।
16 दूत सभ जा कऽ मेसोपोटामियाक पेथोर सँ जनेसक पुत्र बेओर आ हुनकर पुत्र बिलाम कैँ अनलनि, तखन बेओर आ हुनकर पुत्र बिलाम सीहोन नगर मे आबि गेलाह आ अमोरी सभक राजा सीहोनक सोझाँ मोआब आ ओकर राजा कैँ गारि देलथिन।
17 तखन सीहोन अपन समस्त सेनाक संग निकलि गेलाह आ ओ मोआब जा कऽ हुनका सभ सँ लड़लनि आ हुनका सभ कैँ अपन वश मे कयलनि आ प्रभु हुनका सभ कैँ अपन हाथ मे सौंप देलनि आ सिहोन मोआबक राजा कैँ मारि देलनि।
18 सीहोन युद्ध मे मोआबक सभ नगर कैँ पकड़ि लेलक। ओ हुनका सभक हाथ सँ हेशबोन सेहो छीनि लेलनि, कारण हेशबोन मोआबक नगर सभ मे सँ एक छल, आ सिहोन अपन राजकुमार सभ आ अपन कुलीन लोकनि कैँ हेशबोन मे राखि देलनि, आ ओहि समय मे हेशबोन सीहोनक छल।
19 एहि लेल दृष्टान्त बजनिहार बेओर आ हुनकर पुत्र बिलाम ई बात कहलथिन, "हेशबोन आऊ, सीहोन नगरक निर्माण आ स्थापित होयत।"
20 धिक्कार अछि तोरा मोआब! हे केमोशक लोक, अहाँ हेरा गेल छी! देखू, ई परमेश् वरक धर्म-नियमक पुस्तक पर लिखल अछि।
21 जखन सीहोन मोआब पर विजय प्राप्त कऽ लेलक तखन ओ मोआब सँ जे शहर सभ पकड़ने छल, ओहि शहर सभ मे पहरेदार सभ कैँ राखि देलक आ मोआबक बहुत रास लोक सभ युद्ध मे सीहोनक हाथ मे खसि पड़ल आ ओ सभ बेटा-बेटी सभ कैँ बहुत पकड़ि लेलक आ ओकर राजा कैँ मारि देलक। तेँ सीहोन अपन देश दिस घुमि गेल।

22 सीहोन बेओर आ अपन पुत्र बिलाम कैं चानी आ सोनाक अनेक उपहार देलथिन आ ओ सभ हुनका सभ कैं विदा कऽ देलथिन आ ओ सभ मेसोपोटामिया अपन घर आ देश मे चलि गेलाह।
23 ओहि समय मे इस्राएलक सभ सन् तान मोआबक जंगलक बाट सँ गुजरि कऽ घुरि कऽ एदोमक जंगल कैं घेर लेलक।
24 मिस्र सँ विदा भेलाक बाद चालीसम वर्षक पहिल मास मे पूरा मंडली सिनक जंगल मे आबि गेल आ इस्राएलक लोक सभ ओतहि सिनक जंगलक कादेश मे रहि गेल आ मरियम ओतहि मरि गेल आ ओतहि दफना देल गेल।
25 ओहि समय मे मूसा एदोमक राजा हदाद लग दूत पठौलनि जे, "तोहर भाय इस्राएल ई कहैत छथि, 'हमरा अहाँक देश मे सँ गुजरय दिअ, हम सभ खेत वा अंगूरक बगीचा सँ नहि गुजरब, हम सभ इनारक पानि नहि पीब। राजाक बाट पर चलब।
26 एदोम हुनका कहलथिन, "अहाँ हमर देश मे नहि गुजरब, आ एदोम एकटा पराक्रमी लोकक संग इस्राएलक सन् तान सभ सँ भेंट करय लेल निकलि गेल।"
27 एसावक लोक सभ इस्राएलक लोक सभ कैं अपन देश मे सँ गुजरय सँ मना कऽ देलक, तैं इस्राएली सभ ओकरा सभ सँ हटि गेल आ ओकरा सभ सँ लड़ल नहि।
28 एहि सँ पहिने परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ कैं आज्ञा देने छलाह जे, "अहाँ सभ एसावक सन् तान सभ सँ लड़ब नहि, तैं इस्राएली सभ ओकरा सभ सँ हटि गेल आ ओकरा सभ सँ लड़ल नहि।"
29 इस्राएलक लोक सभ कादेश सँ विदा भेलाह आ सभ लोक होर पर्वत पर पहुँचि गेलाह।
30 ओहि समय परमेश् वर मूसा कैं कहलथिन, "अपन भाय हारून कैं कहि दिअ जे ओ ओतहि मरि जेताह, किएक तँ ओ ओहि देश मे नहि आओत जे हम इस्राएलक सन् तान कैं देने छी।"
31 प्रभुक आज्ञा पर हारून चालीसम वर्ष पाँचम मास मे, मासक पहिल दिन होर पर्वत पर चलि गेलाह।
32 हारून जखन होर पर्वत पर मरि गेलाह तखन ओ एक सय तेइस वर्षक छलाह।

अध्याय 85

1 दक्षिण मे रहनिहार कनानी राजा अरद ई सुनि जे इस्राएली सभ जासूस सभक बाट सँ आबि गेल अछि आ ओ इस्राएली सभ सँ लड़बाक लेल अपन सेनाक व्यवस्था कयलनि।
2 इस्राएलक लोक सभ हुनका सँ बहुत डेरा गेलाह, कारण हुनका लग बहुत पैघ सेना छलनि, तैं इस्राएलक लोक सभ मिस्र घुरि जेबाक संकल्प कयलनि।
3 इस्राएलक लोक सभ तीन दिनक यात्राक दूरी पर मसेराथ बेनी याकोन दिस घुमि गेल, कारण ओ सभ राजा अरदक कारणेँ बहुत डरा गेल छल।
4 इस्राएलक लोक सभ अपन-अपन स्थान पर वापस नहि आबय चाहैत छल, तैं ओ सभ तीस दिन धरि बेनी जाकोन मे रहलाह।
5 लेवीक सन् तान सभ देखलक जे इस्राएलक सन् तान सभ पाछू नहि हटि रहल अछि तँ प्रभुक लेल ईर्ष्या केलक आ ओ सभ उठि कऽ अपन भाय इस्राएली सभक संग लड़ि गेल आ ओकरा सभ कैं एकटा पैघ लाश मारि देलक आ ओकरा सभ कैं अपन स्थान, होर पर्वत पर घुमबाक लेल बाध्य कऽ देलक।
6 जखन ओ सभ घुरलाह तँ राजा अराद एखनो इस्राएली सभ सँ लड़बाक लेल अपन सेनाक व्यवस्था कऽ रहल छलाह।
7 इस्राएल प्रतिज्ञा कयलनि जे, "जँ अहाँ एहि लोक सभ कैं हमरा हाथ मे सौंपब तँ हम हुनकर सभक शहर सभ कैं एकदम सँ नष्ट कऽ देब।"
8 परमेश् वर इस्राएलक बात सुनि कऽ कनानी सभ कैं हुनका सभक हाथ मे सौंपि देलनि आ हुनका सभ कैं आ ओकर सभक नगर सभ कैं एकदम सँ नष्ट कऽ देलनि आ ओहि स्थानक नाम होर्मा रखलनि।
9 इस्राएलक लोक सभ होर पर्वत सँ निकलि ओबोत मे खसखस लगा लेलक आ ओबोत सँ विदा भऽ मोआबक सीमा मे इये-अबरीम मे खसखस लगा लेलक।
10 इस्राएलक लोक सभ मोआब दिस पठौलनि जे, "आब अहाँक देश मे सँ गुजरि कऽ अपन जगह पर आबि जाउ, मुदा मोआबक लोक सभ इस्राएलक लोक सभ कैं अपन देश मे सँ गुजरय नहि दैत छल, किएक तँ मोआबक लोक सभ बहुत डरैत छल जे कहीं इस्राएलक सन्तान हुनका सभक संग ओहिना नहि करत जेना अमोरी सभक राजा सीहोन हुनका सभक संग केने छलाह, जे हुनका सभक देश लऽ कऽ बहुतो कैं मारि देने छलाह।"
11 तैं मोआब इस्राएली सभ कैं अपन देश सँ गुजरय नहि देलक, आ परमेश् वर इस्राएली सभ कैं आज्ञा देलथिन जे, "ओ सभ मोआब सँ लड़य नहि, तैं इस्राएली सभ मोआब सँ हटि गेलाह।"
12 इस्राएलक सन्तान मोआबक सीमासँ विदा भेल आ मोआब आ अमोरीक बीच मोआबक सीमा अर्नोनक दोसर कात पहुँचि गेल आ अमोरीक राजा सीहोनक सीमामे केदेमोतक जंगलमे डेरा खसा लेलक।
13 इस्राएलक लोक सभ अमोरी सभक राजा सीहोन लग दूत पठौलनि जे।
14 हम सभ अहाँक देश सँ गुजरब, हम सभ खेत वा अंगूरक बाग मे नहि घुमब, जाबत धरि अहाँक सीमा नहि पार करब ताबत धरि राजाक राजमार्ग पर चलब, मुदा सिहोन इस्राएली सभ कैं गुजरय नहि देलक।
15 तखन सीहोन अमोरी सभक सभ लोक कैं जमा कऽ इस्राएलक सन् तान सभ सँ भेंट करबाक लेल जंगल दिस विदा भेलाह आ याहाज मे इस्राएल सँ लड़लनि।
16 परमेश् वर अमोरीक राजा सीहोन कैं इस्राएलक सन् तान सभक हाथ मे सौंपि देलनि आ इस्राएल सिहोनक सभ लोक कैं तलवारक धार सँ मारि देलक आ मोआबक काजक बदला लेलक।
17 इस्राएलक लोक सभ अराम सँ जाबुक धरि सिहोनक देश कैं अम्मोनक सन् तान धरि अपना कब्जा मे ल' लेलक आ ओ सभ नगर सभक सभ लूट-पाट पकड़ि लेलक।
18 इस्राएल एहि सभ नगर कैं अपना कब्जा मे ल' लेलक आ इस्राएल अमोरी सभक सभ नगर मे रहि गेल।
19 इस्राएलक सभ सन् तान अम्मोनक सन् तान सभक विरुद्ध लड़बाक आ ओकर सभक देश सेहो अपना कब्जा मे लेबाक संकल्प कयलक।
20 तैं परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ कैं कहलथिन, "अम्मोनक सन् तान सभ कैं घेराबंदी नहि करू आ ने हुनका सभक विरुद्ध युद्ध नहि करू, किएक तँ हम अहाँ सभ कैं हुनका सभक देश मे सँ किछु नहि देब।

21 इस्राएलक सन्तान सभ घुमि कऽ बाशानक बाटसँ बाशानक राजा ओगक देशमे चलि गेलाह आ बाशानक राजा ओग युद्धमे इस्राएली सभसँ भेंट करबाक लेल निकललाह, आ हुनका संग बहुत रास वीर सैनिक आ अमोरी लोकक बहुत बलशाली सेना छलनि।
22 बाशानक राजा ओग बहुत शक्तिशाली आदमी छलाह, मुदा हुनकर पुत्र नारोन हुनका सँ बेसी बलशाली छलाह।
23 ओग मोन मे कहलथिन, "देखू, आब पूरा इस्राएलक डेरा तीन परसाक जगह बना लेलक, आब हम ओकरा सभ कैँ बिना तलवार आ भाला कैँ एक्के बेर मारि देब।"
24 ओग याहाज पर्वत पर चढ़ि कऽ ओहि मे सँ एकटा पैघ पाथर, जकर लम्बाई तीन पर्सा छल, लऽ कऽ ओकरा माथ पर राखि लेलक आ संकल्प लेलक जे ओकरा इस्राएलक सन् तानक डेरा पर फेकि देल जाय आ ओहि पाथर सँ सभ इस्राएली कैँ मारि देल जाय।
25 परमेश् वरक स् वर्गदूत आबि ओगक माथ पर पाथर छेदि देलनि आ ओगक गरदनि पर ओ पाथर खसि पड़लनि जे ओग गरदनि पर पाथरक भारक कारणेँ धरती पर खसि पड़लाह।
26 ओहि समय परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ कैँ कहलथिन, "ओकरा सँ नहि डेराउ, किएक तँ हम ओकरा आ ओकर समस्त लोक आ ओकर समस्त देश अहाँ सभक हाथ मे दऽ देने छी आ अहाँ सभ ओकरा संग ओहिना करब जेना अहाँ सिहोनक संग केलहुँ।"
27 मूसा इस्राएलक थोड़-बहुत लोकक संग हुनका लग गेलाह आ मूसा ओगक पएरक टखने पर लाठी सँ मारि कऽ मारि देलनि।
28 तकर बाद इस्राएलक लोक सभ ओगक सन् तान आ ओकर समस्त लोकक पाछाँ-पाछाँ चलल आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ ताबत धरि मारि-पीटि कऽ नष्ट कऽ देलक जाबत धरि ओकरा सभ मे सँ कोनो शेष नहि रहि गेल।
29 तकर बाद मूसा इस्राएलक किछु लोक कैँ याजरक जासूसी करबाक लेल पठौलनि, किएक तँ याजेर एकटा बहुत प्रसिद्ध नगर छल।
30 जासूस सभ जाजेर जा कऽ ओहि ठामक खोज कयलक आ जासूस सभ प्रभु पर भरोसा केलक आ ओ सभ याजेरक लोक सभ सँ लड़ल।
31 ओ सभ याजेर आ ओकर गाम सभ कैँ पकड़ि लेलक आ परमेश् वर ओकरा सभ कैँ ओकरा सभक हाथ मे सौंप देलक आ ओ सभ ओहि ठामक अमोरी सभ कैँ भगा देलक।
32 इस्राएलक सन् तान सभ अमोरीक दूनू राजाक देश, साठि शहर जे यरदन नदीक दोसर कात छल, अर्नोनक धारसँ लऽ कऽ हरमान पहाड़ धरि अपना लेलक।
33 इस्राएलक लोक सभ यात्रा कए मोआबक मैदान मे आबि गेलाह जे यरदन नदीक ओहि कात यरीहोक कात मे अछि।
34 मोआबक लोक सभ अमोरीक दूटा राजा सीहोन आ ओगक संग इस्राएलक लोक सभ ओहि सभ दुष्प्रभाव कैँ सुनलक, तेँ मोआबक सभ लोक इस्राएली सभ सँ बहुत भयभीत भ' गेल।
35 मोआबक बुजुर्ग सभ कहलथिन, "देखू, अमोरी सभक दूटा राजा सीहोन आ ओग, जे पृथ् वीक सभ राजा सभ सँ बेसी शक्तिशाली छलाह, इस्राएलक सन् तान सभक विरुद्ध ठाढ़ नहि भऽ सकलाह, तखन हम सभ हुनका सभक सोझाँ कोना ठाढ़ भऽ सकब?"
36 ओ सभ हमरा सभ कैँ पहिने सँ संदेश पठौने छलाह जे हम सभ अपना सभक देश मे सँ गुजरैत काल हमरा सभ कैँ नहि छोड़ि देबनि, आब ओ सभ अपन भारी तलवार सँ हमरा सभ पर घुमि कऽ हमरा सभ कैँ नष्ट कऽ देताह। मोआब इस्राएलक सन् तान सभक कारणेँ व्यथित भऽ गेल, आ ओ सभ ओकरा सभ सँ बहुत डेरा गेल, आ ओ सभ एक संग विचार कयलक जे इस्राएलक सन् तान सभक संग की कयल जाय।
37 मोआबक बुजुर्ग सभ सोचि कऽ अपन एकटा आदमी मोआबी सिपोरक पुत्र बालाक कैँ लऽ कऽ ओहि समय मे हुनका सभक राजा बनौलनि आ बालाक बहुत बुद्धिमान छलाह।
38 मोआबक बुजुर्ग सभ उठि कऽ मिद्यानक सन् तान सभ लग हुनका सभ सँ मेल-मिलाप करबाक लेल पठौलनि, किएक तँ ओहि समय मे मोआब आ मिद्यानक बीच बहुत पैघ युद्ध आ शत्रुता छल, एदोमक राजा बेदादक पुत्र हदादक समय सँ, जे मोआबक खेत मे मिद्यान कैँ मारि देलनि।
39 मोआबक लोक सभ मिद्यानक लोक सभ लग पठौलनि आ ओ सभ हुनका सभक संग मेल-मिलाप कयलनि आ मिद्यानक प्राचीन लोकनि मिद्यानक लोक सभक संग मेल-मिलाप करबाक लेल मोआब देश मे आबि गेलाह।
40 मोआबक बूढ़-पुरान सभ मिद्यानक बूढ़-पुरान सभक संग सलाह देलनि जे इस्राएल सँ अपन जान बचेबाक लेल की करबाक चाही।
41 मोआबक सभ लोक मिद्यानक बुजुर्ग सभ कैँ कहलथिन, "आब इस्राएलक सन् तान सभ हमरा सभक चारूकातक सभ किछु चाटि लैत अछि, जेना बैल खेतक घास चाटि लैत अछि, किएक तँ ओ सभ हमरा सभसँ बेसी बलशाली अमोरीक दूटा राजाक संग एना केलक।"
42 मिद्यानक बुजुर्ग लोकनि मोआब कैँ कहलथिन, "हम सभ सुनने छी जे जखन अमोरी सभक राजा सीहोन अहाँ सभक विरुद्ध युद्ध कयलनि, जखन ओ अहाँ सभ पर विजय प्राप्त कयलनि आ अहाँ सभक भूमि पर विजय प्राप्त कयलनि, तखन ओ मेसोपोटामिया सँ जनेआक पुत्र बेओर आ अपन पुत्र बिलाम कैँ पठौने छलाह आ ओ सभ आबि कऽ अहाँ सभ कैँ गारि देलनि। तेँ सिहोनक हाथ अहाँ सभ पर हावी भऽ गेल जे ओ अहाँ सभक देश पकड़ि लेलक।
43 आब अहाँ सभ कैँ हुनकर पुत्र बिलाम लग सेहो पठा दियौक, किएक तँ ओ एखनो अपन देश मे रहि गेल अछि आ ओकरा अपन किराया दऽ दियौक जाहि सँ ओ आबि कऽ ओहि सभ लोक कैँ गारि पढ़ि सकय, जकरा सँ अहाँ सभ डरैत छी। तेँ मोआबक बुजुर्ग सभ ई बात सुनि कऽ हुनका सभ कैँ नीक लागल जे ओ सभ बेओरक पुत्र बिलाम कैँ पठा देलथिन।
44 तेँ मोआबक राजा सिप्पोरक पुत्र बालाक बिलाम लग दूत पठौलनि।
45 देखू, मिस्र सँ एकटा लोक निकलि रहल अछि, ओ सभ पृथ् वी कैँ झाँपि रहल अछि आ हमरा सामने ठाढ़ अछि।
46 आब आबि कऽ हमरा लेल एहि लोक सभ कैँ गारि दिअ, किएक तँ ओ सभ हमरा लेल बहुत शक्तिशाली अछि, संभवतः हम ओकरा सभ सँ लड़बा मे विजयी भऽ जायब आ ओकरा सभ कैँ भगा देब, किएक तँ हम सुनलहुँ जे अहाँ जकरा आशीर्वाद दैत छी से धन्य अछि आ जकरा अहाँ गारि पढ़ैत छी से अभिशापित अछि।

47 बालाकक दूत सभ बिलाम लग गेलाह आ मोआबक संग लड़बाक लेल लोक सभ केँ गारि पढ़बाक लेल बिलाम केँ अनलनि।
48 बिलाम इस्राएल केँ गारि पढ़बाक लेल बालाक लग अयलाह, तखन परमेश् वर बिलाम केँ कहलथिन, "ई लोक केँ गारि नहि दिअ, किएक तँ ई धन्य अछि।"
49 बालाक दिन-प्रतिदिन बिलाम केँ इस्राएल केँ गारि पढ़य लेल आग्रह करैत रहलाह, मुदा बिलाम बिलाम केँ जे वचन कहने छलाह, ताहि कारणेँ बालाकक बात नहि सुनलनि।
50 बालाक जखन देखलनि जे बिलाम हुनकर इच्छा नहि मानैत छथि तऽ उठि कऽ घर चलि गेलाह आ बिलाम सेहो अपन देश मे घुरि गेलाह आ ओतहि सँ मिद्यान चलि गेलाह।
51 इस्राएलक सन्तान मोआबक मैदानसँ विदा भेल आ यरदनक कातमे बेत-जेसिमोतसँ लऽ कऽ मोआबक मैदानक छोर पर हाबिल-शितिम धरि खपत ठाढ़ केलक।
52 इस्राएलक लोक सभ जखन शितिमक मैदान मे रहलाह तखन ओ सभ मोआबक बेटी सभक संग वेश्यावृत्ति करय लगलाह।
53 इस्राएलक लोक सभ मोआब लग आबि गेलाह आ मोआबक लोक सभ इस्राएलक डेराक सोझाँ अपन डेरा ठाढ़ कयलनि।
54 मोआबक लोक सभ इस्राएलक सन् तान सभ सँ भयभीत भऽ गेल, आ मोआबक लोक सभ अपन सभ बेटी आ स् त्रीगण सभ केँ लऽ कऽ सोना-चानी आ महग वस्त्र पहिरि लेलक।
55 मोआबक लोक सभ ओहि स्त्रीगण केँ अपन डेराक दरबज्जा पर बैसा देलक जाहि सँ इस्राएलक लोक सभ ओकरा सभ केँ देखि कऽ ओकरा सभ दिस घुमि सकय आ मोआब सँ लड़ि नहि सकय।
56 मोआबक सभ सन् तान इस्राएलक संग ई काज केलक आ प्रत्येक आदमी अपन पत्नी आ बेटी केँ अपन डेराक दरबज्जा पर राखि देलक आ सभ इस्राएलक सन् तान मोआबक सन् तान सभक ई काज देखलक आ इस्राएलक सन् तान सभ मोआबक बेटी सभक दिस घुमि कऽ ओकरा सभक लोभ केलक आ ओ सभ ओकरा सभक लग चलि गेल।
57 जखन कोनो हिब्रू मोआबक डेराक दरबज्जा पर पहुँचि गेल आ मोआबक एकटा बेटी केँ देखि ओकरा मोन मे विनती केलक आ डेराक दरबज्जा पर ओकरा सँ ओ बात बाजल जे ओ सभ एक संग बजैत छल, तखन डेराक लोक सभ बाहर आबि कऽ हिब्रू केँ एहि बात जकाँ बजैत छल।
58 अहाँ सभ निश्चय जनैत छी जे हम सभ भाइ छी, हम सभ लूतक वंशज छी आ हुनकर भाय अब्राहमक वंशज छी, तखन अहाँ सभ हमरा सभक संग किएक नहि रहब आ हमरा सभक रोटी आ बलिदान किएक नहि खाएब?
59 जखन मोआबक लोक सभ ओकरा अपन बात सभ सँ अभिभूत कऽ देलक आ अपन चापलूसीक बात सभ सँ ओकरा लोभाबय लागल तँ ओकरा डेरा मे बैसा देलक आ ओकरा लेल खाना बना कऽ बलिदान देलक आ ओ सभ ओकर सभक बलिदान आ ओकर सभक रोटी खा गेल।
60 तखन ओ सभ हुनका मदिरा पीबि कऽ नशा मे धुत्त भऽ गेलाह आ ओ सभ हुनका सामने एकटा सुन्दर कन्या केँ राखि देलथिन आ ओ ओकरा संग जेना चाहथि तेना करैत रहलाह, किएक तँ ओकरा नहि बुझल छल जे ओ की कऽ रहल अछि, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे मदिरा पीने छल।
61 एहि तरहेँ मोआबक लोक सभ ओहि स्थान पर, शितिमक मैदान मे इस्राएल केँ कयलनि, आ एहि बातक कारणेँ परमेश् वरक क्रोध इस्राएल पर प्रज्वलित भऽ गेलनि आ ओ हुनका सभक बीच महामारी पठौलनि आ इस्राएली सभ मे सँ चौबीस हजार आदमी मरि गेलाह।
62 शिमोनक सन् तान मे सँ एक आदमी छल, जकर नाम सलूक पुत्र जिमरी छल, जे मिद्यानक राजा ज़ूरक बेटी मिद्यानी कोस्बी सँ जुड़ल छल।
63 हारून पुरोहितक पुत्र एलाजेरक पुत्र फिनियस जिमरी द्वारा कयल गेल ई दुष्कर्म देखि भाला लऽ कऽ उठि कऽ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ गेलाह आ दुनू गोटे केँ बेधि कऽ मारि देलनि आ इस्राएलक लोक सभ सँ महामारी समाप्त भऽ गेलनि।

अध्याय 86

1 महामारीक बाद ओहि समय परमेश् वर मूसा आ हारून पुरोहितक पुत्र एलाजर केँ कहलथिन।
2 इस्राएलक समस्त समाजक मुखिया सभ केँ गिनू, जे बीस वर्ष सँ ऊपरक लोक सभ अछि जे सेना मे निकलल छल।
3 मूसा आ एलाजर इस्राएलक वंशजक गणना अपन कुल-परिवारक अनुसार कयलनि आ समस्त इस्राएलक संख्या सात लाख सात सौ तीस छल।
4 लेवीक संतानक संख्या तेइस हजार छल आ सिनैक जंगल मे मूसा आ हारून द्वारा गिनल गेल लोक मे सँ एको गोटे नहि छल।
5 परमेश् वर हुनका सभ केँ कहने छलाह जे ओ सभ जंगल मे मरि जेताह, तेँ ओ सभ मरि गेलाह।
6 एकर बाद परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "इस्राएलक सन् तान सभ केँ कहि दिअ जे मिद्यान पर अपन भाय इस्राएलक सन् तान सभक काजक बदला लेबाक लेल।"
7 मूसा एना केलनि आ इस्राएलक सन् तान हुनका सभ मे सँ बारह हजार आदमी केँ चुनलनि जे एक गोत्र मे एक हजार छल आ ओ सभ मिद्यान चलि गेलाह।
8 इस्राएलक सन्तान सभ मिद्यानक संग युद्ध कयलक आ ओ सभ एक-एकटा पुरुष, मिद्यानक पाँचटा सरदार आ बेओरक पुत्र बिलाम केँ तलवार सँ मारि देलक।
9 इस्राएलक लोक सभ मिद्यानक स् त्री सभ केँ अपन छोट-छोट बच्चा सभ आ अपन सभटा माल-जाल केँ बंदी बना लेलक।
10 ओ सभ लूट आ सभटा शिकार लऽ कऽ मूसा आ एलाजर लग मोआबक मैदान मे पहुँचा देलक।
11 मूसा आ एलाजर आ सभटा मुखिया सभ हर्षित भऽ हुनका सभ सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह।
12 ओ सभ मिद्यानक सभ लूट बाँटि लेलक आ इस्राएलक लोक सभ अपन भाय इस्राएलक सन् तानक कारणेँ मिद्यान सँ बदला लेलक।

अध्याय 87

1 ओहि समय परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "देखू, तोहर दिन समाप्त भऽ रहल अछि, आब अपन सेवक नूनक पुत्र यहोशू केँ लऽ कऽ तम्बू मे राखि दियौक, आ हम ओकरा आज्ञा देबनि।
2 प्रभु तम्बू मे मेघक खंभा मे प्रगट भेलाह आ मेघक खंभा तम्बूक प्रवेश द्वार पर ठाढ़ छल।

3 परमेश् वर नूनक पुत्र यहोशू कैँ आज्ञा देलथिन आ कहलथिन, "मजबूत आ साहसी रहू, किएक तँ अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ ओहि देश मे आनि देब, जकरा हम ओकरा सभ कैँ देबाक शपथ लेने रही, आ हम अहाँक संग रहब।"
4 मूसा यहोशू कैँ कहलथिन, "बलवान आ साहसी रहू, किएक तँ अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ एहि देशक उत्तराधिकारी बना देब आ प्रभु अहाँक संग रहताह, ओ अहाँ कैँ नहि छोड़ताह आ ने अहाँ कैँ छोड़ताह, नहि डरब आ ने निराश होउ।"
5 मूसा इस्राएलक समस्त लोक कैँ बजा कऽ कहलथिन, "अहाँ सभ परमेश् वर अहाँ सभक लेल जे नीक काज कयलनि, से अहाँ सभ जंगल मे देखलहुँ।"
6 आब एहि व्यवस्थाक सभ वचनक पालन करू आ अपन परमेश् वर परमेश् वरक बाट पर चलू, जाहि बाट पर प्रभु अहाँ सभ कैँ आज्ञा देने छथि, ओहि बाट सँ दहिना वा बामा दिस नहि घुमू।
7 मूसा इस्राएलक सन् तान सभ कैँ नियम आ नियम आ नियम सिखबैत छलाह जे ओ सभ ओहि देश मे जेना प्रभु आज्ञा देने छलाह।
8 ओ हुनका सभ कैँ प्रभुक बाट आ हुनकर नियम सिखबैत छलाह। देखू, ओ सभ परमेश् वरक धर्म-नियमक पुस्तक पर लिखल गेल अछि जे ओ मूसाक द्वारा इस्राएलक सन् तान सभ कैँ देलनि।
9 मूसा इस्राएलक सन् तान सभ कैँ आज्ञा समाप्त कऽ देलथिन आ परमेश् वर हुनका कहलथिन, "अबरीम पहाड़ पर चढ़ि कऽ ओतहि मरि जाउ आ जेना अहाँक भाय हारून कैँ जमा कयल गेल छल, तहिना अपन लोकक बीच जमा भऽ जाउ।"
10 मूसा परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार चलि गेलाह आ ओतहि परमेश् वरक आज्ञानुसार मोआब देश मे मरि गेलाह।
11 इस्राएलक लोक सभ तीस दिन धरि मोआबक मैदान मे मूसाक लेल कानैत रहल आ मूसाक लेल कानब आ शोकक दिन पूरा भ' गेल।

अध्याय 88

1 मूसाक मृत्युक बाद परमेश् वर नूनक पुत्र यहोशू कैँ कहलथिन।
2 उठि कऽ यरदन नदी पार कऽ ओहि देश मे जाउ जे हम इस्राएलक सन् तान सभ कैँ देने छी।
3 लेबनानक जंगलसँ लऽ कऽ बड़का नदी धरि पेरात नदी धरि जाहि ठाम अहाँक पएरक तलवा चलत, से अहाँ सभक सीमा होयत।
4 अहाँक जीवन भरि केओ अहाँक विरुद्ध नहि ठाढ़ होयत। जेना हम मूसाक संग छलहुँ, तहिना हम अहाँक संग रहब, मात्र बलवान आ नीक साहसी रहब जे मूसा अहाँ कैँ जे सभ व्यवस्थाक आज्ञा देने छलाह, तकरा पालन करब, बाट सँ ने दहिना वा बामा दिस घुमब, जाहि सँ अहाँ जे किछु करैत छी, ताहि मे अहाँ सफलता पाबि सकब।
5 यहोशू इस्राएलक अफसर सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे, "खेत मे जा कऽ लोक सभ कैँ आज्ञा दैत अछि जे, "अपना लेल भोजन तैयार करू, किएक तँ तीन दिन मे आओर यरदन नदी पार कऽ एहि देश पर कब्जा कऽ लेब।"
6 इस्राएलक सन् तानक अधिकारी सभ एना केलक आ ओ सभ लोक सभ कैँ आज्ञा देलक आ ओ सभ जे किछु यहोशूक आज्ञा देलक से पूरा कयलक।
7 यहोशू दू आदमी कैँ यरीहो देशक जासूसी करबाक लेल पठौलनि, आ ओ लोकनि यरीहोक जासूसी करबाक लेल गेलाह।
8 सात दिनक अंत मे ओ सभ डेरा मे यहोशू लग आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु पूरा देश हमरा सभक हाथ मे सौंप देलनि अछि आ ओहि मे रहनिहार सभ हमरा सभक कारणेँ भय सँ पिघलि गेल छथि।"
9 तकर बाद ईहो भेल जे भोरे-भोर यहोशू आ समस्त इस्राएल हुनका संग उठलाह आ ओ सभ शित्तीम सँ विदा भेलाह आ यहोशू आ हुनका संग समस्त इस्राएल यरदन नदी पार कयलनि। यहोशू बयासी वर्षक छलाह जखन ओ इस्राएलक संग यरदन नदी पार कयलनि।
10 पहिल मासक दसम दिन लोक सभ यरदन सँ चलि गेल आ यरीहोक पूरब कोन मे गिलगाल मे डेरा खसा लेलक।
11 इस्राएलक लोक सभ यरीहोक मैदान मे गिलगाल मे ओहि मासक चौदहम दिन फसह मनाबैत छलाह, जेना कि मूसाक धर्म-नियम मे लिखल अछि।
12 ओहि समय फसह-पाबनिक दिन मन्ना समाप्त भऽ गेल आ इस्राएलक लोक सभक लेल आब मन्ना नहि छल आ ओ सभ कनान देशक उपज खा गेल।
13 यरीहो इस्राएलक सन् तान सभक विरुद्ध पूरा तरहेँ बंद भऽ गेल छल, कियो बाहर नहि निकलल आ ने भीतर गेल।
14 दोसर मास मे, मासक पहिल दिन परमेश् वर यहोशू कैँ कहलथिन, "उठू, हम यरीहो कैँ ओकर सभ लोकक संग अहाँक हाथ मे दऽ देलहुँ। आ तोहर सभ लड़ाकू लोक सभ दिन एक बेर शहरक चक्कर लगाओत, छह दिन धरि अहाँ सभ एहि तरहेँ करब।
15 पुरोहित सभ तुरही बजाओत आ जखन अहाँ तुरहीक आवाज सुनब तँ सभ लोक जोर-जोर सँ चिचियाओत जे शहरक देबाल खसि पड़त। सभ लोक सभ अपन-अपन प्रतिद्वंदीक विरुद्ध चढ़ि जायत।
16 यहोशू ओहि सभ आज्ञाक अनुसार पूरा कयलनि।
17 सातम दिन ओ सभ सात बेर नगरक चक्कर लगौलनि आ पुरोहित सभ तुरही बजबैत छलाह।
18 सातम दौर मे यहोशू लोक सभ कैँ कहलथिन, "चिचियाउ, किएक तँ प्रभु पूरा नगर हमरा सभक हाथ मे सौंपि देने छथि।"
19 केवल नगर आ ओहि मे जे किछु अछि, तकरा परमेश् वरक अभिशप्त होयत आ ओहि अभिशप्त वस्तु सँ अपना कैँ बचाउ, जाहि सँ अहाँ इस्राएलक डेरा कैँ शापित नहि कऽ कऽ ओकरा परेशान नहि कऽ देब।
20 मुदा सभटा चानी, सोना, पीतल आ लोहा प्रभुक लेल समर्पित कयल जायत, ओ सभ प्रभुक भंडार मे आबि जायत।
21 लोक सभ तुरही बजा कऽ जोर-जोर सँ चिचिया उठल, आ यरीहोक देबाल खसि पड़ल आ सभ लोक सभ लोक सोझे सामने चढ़ि गेल आ ओ सभ ओहि नगर कैँ पकड़ि लेलक आ ओहि मे जे किछु छल, ओकरा सभ कैँ तलवारक धार सँ नष्ट कऽ देलक।
22 ओ सभ पूरा नगर कैँ आगि मे जरा देलक। केवल चानी, सोना, पीतल आ लोहाक बर्तन सभ कैँ परमेश् वरक भंडार मे राखि दैत छलाह।

23 ओहि समय यहोशू शपथ खयलनि जे, "यरीहोक निर्माण करनिहार कैँ शापित कयल जाय। ओ अपन जेठ बच्चा मे ओकर नींव राखत आ छोटका बेटा मे ओकर फाटक ठाढ़ करत।
24 यहूदाक पुत्र जेराहक पुत्र कार्मीक पुत्र आकान एहि अभिशप्त वस्तु मे धोखाधड़ी कयलक आ ओहि अभिशप्त वस्तु कैँ लऽ कऽ डेरा मे नुका लेलक आ इस्राएल पर परमेश् वरक क्रोध भड़कि गेल।
25 एकर बाद जखन इस्राएलक लोक यरीहो कैँ जरा कऽ वापस आबि गेलाह तखन यहोशू आइ कैँ जासूसी करबाक लेल आ ओकरा सँ लड़बाक लेल आदमी सभ कैँ पठौलनि।
26 ओ सभ जा कऽ ऐक जासूसी केलक आ ओ सभ घुरि कऽ कहलक, "सब लोक अहाँक संग ऐ मे नहि जाउ, मात्र करीब तीन हजार आदमी चढ़ि कऽ नगर कैँ मारि देबाक चाही, किएक तँ ओहि शहरक लोक कम अछि।"
27 यहोशू एना कयलनि आ इस्राएलक सन् तान मे सँ करीब तीन हजार आदमी हुनका संग चलि गेलाह आ ओ सभ ऐक लोक सभ सँ लड़लनि।
28 इस्राएलक विरुद्ध युद्ध भयंकर भऽ गेल आ ऐक लोक सभ इस्राएलक छत्तीस आदमी कैँ मारि देलक आ इस्राएलक लोक सभ ऐक लोक सभक आगाँ सँ भागि गेल।
29 यहोशू ई बात देखि कऽ ओ अपन वस्त्र फाड़ि कऽ प्रभुक समक्ष मुंह पर खसि पड़लाह, ओ सभ इस्राएलक बुजुर्ग सभक संग, आ ओ सभ अपन माथ पर धूरा लगा देलनि।
30 यहोशू कहलथिन, "हे प्रभु, अहाँ एहि लोक कैँ यरदन नदी पार किएक अनलहुँ? इस्राएली सभ अपन शत्रु सभ सँ पीठ फेरलाक बाद हम की कहब?
31 आब एहि देश मे रहनिहार सभ कनानी लोक एहि बात कैँ सुनि हमरा सभ कैँ घेरने रहत आ हमरा सभक नाम कैँ काटि देत।
32 परमेश् वर यहोशू कैँ कहलथिन, "अहाँ मुँह पर किएक खसि पड़ैत छी? उठू, उतरि जाउ, किएक तँ इस्राएली सभ पाप कऽ कऽ शापित वस् तु लऽ लेलक। जाबे तक ओ सभ हुनका सभक बीचसँ अभिशप्त वस्तुक नाश नहि करत ताबत धरि हम हुनका सभक संग नहि रहब।
33 यहोशू उठि कऽ लोक सभ कैँ जमा कऽ कऽ परमेश् वरक आज्ञानुसार उरीम अनलनि आ यहूदाक वंश कैँ पकड़ि लेल गेलनि आ कारमीक पुत्र आकान कैँ पकड़ल गेलनि।
34 यहोशू आकान कैँ कहलथिन, "हमर बेटा हमरा कहू जे अहाँ की केलहुँ, तखन आकान कहलथिन, "हम लूट मे शिनारक नीक वस्त्र आ दू सय शेकेल चानी आ पचास शेकेल वजनक सोनाक एकटा पच्चर देखलहुँ। हम ओकरा सभक लोभ केलहुँ आ ओकरा सभ कैँ पकड़ि लेलहुँ, आ देखलहुँ जे ओ सभ डेराक बीच मे धरती मे नुकायल अछि।
35 यहोशू आदमी सभ कैँ पठौलनि जे आकानक डेरा सँ हुनका सभ कैँ लऽ कऽ यहोशू लग अनलनि।
36 यहोशू आकान आ ई सभ बर्तन आ ओकर बेटा-बेटी आ ओकर सभटा सामान लऽ कऽ अकोर घाटी मे अनलनि।
37 यहोशू ओकरा सभ कैँ आगि सँ जरा देलक आ सभ इस्राएली आकान कैँ पाथर सँ मारि देलक आ ओकरा ऊपर पाथरक ढेर लगा देलक, तेँ की ओ ओहि स्थान कैँ अकोर घाटी कहलक, तेँ परमेश् वरक क्रोध शान्त भऽ गेल आ तकर बाद यहोशू शहर मे आबि ओकरा सँ लड़ि लेलक।
38 परमेश् वर यहोशू कैँ कहलथिन, "अहाँ नहि डेराउ आ ने त्रस्त होउ, देखू हम ऐ, ओकर राजा आ ओकर लोक कैँ अहाँक हाथ मे दऽ देलहुँ, आ अहाँ ओकरा सभक संग ओहिना करब जेना यरीहो आ ओकर राजा कैँ केलहुँ, मात्र ओकर लूट आ ओकर पशु कैँ अपना लेल लूटब। ओकर पाछू शहरक लेल घात लगा क' राखि दियौक।
39 यहोशू प्रभुक वचनक अनुसार काज कयलनि आ युद्धक पुत्र सभ मे सँ तीस हजार वीर पुरुष कैँ चुनलनि आ हुनका सभ कैँ पठा देलनि आ ओ सभ नगर दिस घात लगा कऽ बैसल रहथि।
40 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन, "जखन अहाँ सभ हमरा सभ कैँ देखब तखन हम सभ धूर्तता सँ हुनका सभक सोझाँ सँ भागि जायब आ ओ सभ हमरा सभक पाछाँ-पाछाँ चलत, तखन अहाँ सभ घात लगा कऽ शहर कैँ पकड़ि लेब।
41 यहोशू लड़ल आ नगरक लोक सभ इस्राएल दिस विदा भेलाह, ई नहि जानि जे ओ सभ नगरक पाछाँ हुनका सभक लेल घात लगा कऽ पड़ल अछि।
42 यहोशू आ समस्त इस्राएली हुनका सभक सामने थकित देखा रहल छलाह आ ओ सभ धूर्ततापूर्वक जंगलक बाट पर भागि गेलाह।
43 ऐक लोक सभ शहर मे रहनिहार सभ लोक कैँ इस्राएली सभक पाछाँ-पाछाँ जुटा लेलक आ ओ सभ बाहर निकलि गेल आ नगर सँ हटि गेल, एको गोटे नहि बचल, आ ओ सभ नगर कैँ खुजल छोड़ि इस्राएली सभक पीछा कयलक।
44 घात लगा कऽ पड़ल लोक सभ अपन-अपन ठाम सँ उठि कऽ हड़बड़ा कऽ शहर मे आबि कऽ ओकरा ल' कऽ आगि लगा देलक आ ऐक लोक सभ पाछू घुमि कऽ देखलक जे शहरक धुँआ आकाश दिस चढ़ि गेल छल आ ओकरा सभ लग एक दिस वा दोसर दिस पाछू हटबाक कोनो साधन नहि छल।
45 ऐक सभ लोक इस्राएलक बीच मे छल, किछु एहि कात आ किछु ओहि कात, आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ मारि देलक जे ओकरा सभ मे सँ एको गोटे नहि बचल।
46 इस्राएलक लोक सभ ऐक राजा मेलोश कैँ जीवित लऽ कऽ यहोशू लग अनलनि आ यहोशू ओकरा गाछ पर लटका देलथिन आ ओ मरि गेलाह।
47 इस्राएलक लोक सभ ओहि नगर कैँ जरा कऽ ओहि शहर मे घुरि गेलाह आ ओहि मे रहनिहार सभ लोक कैँ तलवारक धार सँ मारि देलकनि।
48 ऐक पुरुख मे जे पुरुष आ स्त्रीगण मे खसल छल, ओकर संख्या बारह हजार छल। केवल मवेशी आ नगरक लूट-पाट कैँ अपना लेल ल' लेलक, जेना प्रभु यहोशू कैँ कहने छलाह।
49 यरदन कातक सभ राजा, कनानक सभ राजा, इस्राएलक सन् तान सभ यरीहो आ ऐक संग जे अधलाह केने छल, तकरा सुनलनि आ ओ सभ इस्राएलक विरुद्ध लड़बाक लेल जमा भऽ गेलाह।
50 मात्र गिबोनक निवासी इस्राएली सभक संग लड़बा सँ बहुत डरैत छल जे कहीं ओ सभ नष्ट नहि भऽ जाय, तेँ ओ सभ धूर्ततापूर्वक काज कयलक आ ओ सभ यहोशू आ समस्त इस्राएल लग आबि ओकरा सभ कैँ कहलक, "हम सभ दूरक देश सँ आयल छी, तेँ आब हमरा सभक संग वाचा करू।"
51 गिबोनक निवासी इस्राएलक सन् तान सभ पर पहुँचि गेल आ इस्राएलक सन् तान सभ हुनका सभक संग वाचा कयलनि आ हुनका सभक संग मेल-मिलाप कयलनि आ मंडली केर मुखिया

सभ हुनका सभक संग शपथ लेलनि, मुदा तकर बाद इस्राएलक लोक सभ केँ बुझल छलनि जे ओ सभ हुनका सभक पड़ोसी छथि आ हुनका सभक बीच मे रहैत छथि।
52 मुदा इस्राएली सभ हुनका सभ केँ नहि मारलनि। किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक शपथ लेने छल आ ओ सभ लकड़ी काटि कऽ पानि काटनिहार बनि गेल छल।
53 यहोशू हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ हमरा सभक संग ई काज करबाक लेल हमरा किएक धोखा देलहुँ?” ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, “अहाँक नोकर सभ केँ ई बात कहल गेल छल जे अहाँ अमोरी सभक सभ राजा सभक संग जे किछु केलहुँ, आ हम सभ अपन जान सँ बहुत डरा गेलहुँ आ हम सभ ई काज केलहुँ।”
54 ओहि दिन यहोशू ओकरा सभ केँ लकड़ी काटब आ पानि निकालबाक लेल नियुक्त कयलनि आ ओकरा सभ केँ इस्राएलक सभ गोत्रक गुलाम बनि कऽ बाँटि देलनि।
55 यरूशलेमक राजा अदोनिसेदेक जखन इस्राएलक लोक सभ यरीहो आ ऐक सभ काज सुनि कऽ हेब्रोनक राजा होहम आ जरमुत मे राजा पिराम आ लाकीशक राजा याफिया आ एग्लोनक राजा देबेर लग पठौलनि।
56 हमरा लग आबि कऽ हमर सहायता करू, जाहि सँ हम सभ इस्राएल आ गिबोनक निवासी सभ केँ मारि दी जे इस्राएलक लोक सभक संग मेल-मिलाप कयने छथि।
57 ओ सभ एक ठाम जमा भऽ गेलाह आ अमोरी सभक पाँचटा राजा सभ अपन सभ डेराक संग चढ़ि गेलाह।
58 ई सभ राजा गिबोनक समक्ष आबि कऽ डेरा खसा लेलक आ गिबोनक निवासी सभसँ लड़य लगलाह आ गिबोनक सभ लोक यहोशू लग पठौलनि जे, “जल्दी हमरा सभ लग आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू, किएक तँ अमोरीक सभ राजा हमरा सभक विरुद्ध लड़बाक लेल जमा भऽ गेल छथि।”
59 यहोशू आ सभ युद्धक लोक गिलगाल सँ चलि गेलाह आ यहोशू अचानक हुनका सभक लग आबि गेलाह आ एहि पाँच राजा केँ बहुत मारि देलनि।
60 परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभक समक्ष हुनका सभ केँ लज्जित कयलनि, जे सभ गिबोन मे भयंकर वध सँ मारि देलनि आ बेत-होरोन धरि मकेदा धरि जाइत बाट मे हुनका सभक पीछा कयलनि आ ओ सभ इस्राएलक सन् तान सभक सामने सँ भागि गेलाह।
61 जखन ओ सभ भागि रहल छल तखन परमेश् वर हुनका सभ पर स् वर्ग सँ ओला पठौलनि आ इस्राएलक सन् तान सभक वध सँ बेसी ओला पाथरक कारणेँ ओ सभ मरि गेलाह।
62 इस्राएलक लोक सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहलाह, मुदा ओ सभ एखनो हुनका सभ केँ रस्ता मे मारि कऽ मारि दैत रहलाह।
63 जखन ओ सभ मारि रहल छल तखन साँझ मे दिन कम भऽ रहल छल आ यहोशू सभ लोकक नजरि मे कहलथिन, “सूर्य, अहाँ गिबोन पर ठाढ़ रहू आ अजालोन उपत्यका मे चान, जाबत धरि राष्ट्र अपन शत्रु सभक बदला नहि लेत।”
64 परमेश् वर यहोशूक आवाज सुनलनि आ सूर्य आकाशक बीच मे ठाढ़ भऽ गेलाह आ छओ तीस क्षण धरि स्थिर रहलाह आ चान सेहो ठाढ़ भऽ गेलाह आ एक दिन भरि नहि उतरबाक लेल जल्दबाजी मे आबि गेलाह।
65 एहि सँ पहिने आ तकर बाद एहन कोनो दिन नहि छल जे प्रभु कोनो मनुष्यक बात सुनलनि, किएक तँ प्रभु इस्राएलक लेल लड़लनि।

अध्याय 89

1 तखन यहोशू ई गीत ओहि दिन बजलाह, जाहि दिन परमेश् वर अमोरी सभ केँ यहोशू आ इस्राएलक सन् तान सभक हाथ मे दऽ देने छलाह।
2 हे प्रभु, अहाँ पराक्रमी काज केलहुँ, अहाँ पैघ काज केलहुँ। तोहर सदृश के अछि? हमर ठोर तोहर नाम पर गाओत।
3 हमर भलाई आ हमर किला, हमर ऊँच बुर्ज, हम अहाँ केँ नव गीत गाबय, धन्यवादक संग हम अहाँ केँ गाबय, अहाँ हमर उद्धारक शक्ति छी।
4 पृथ् वीक सभ राजा अहाँक स्तुति करत, संसारक राजकुमार सभ अहाँक लेल गाओत, इस्राएलक सन् तान सभ अहाँक उद्धार मे आनन्दित होयत, ओ सभ अहाँक सामर्थ् यक गाबय आ स्तुति करत।
5 हे प्रभु, हम सभ अहाँ केँ अपन बात कहलहुँ। हम सभ कहलहुँ जे अहाँ हमर सभक परमेश् वर छी, किएक तँ अहाँ हमरा सभक शत्रु सभक विरुद्ध हमरा सभक आश्रय आ मजबूत बुर्ज छलहुँ।
6 हम सभ तोरा लग पुकारलहुँ आ लाज नहि भेलहुँ, तोरा पर भरोसा केलहुँ आ उद्धार पाबि गेलहुँ। जखन हम सभ अहाँ केँ पुकारलहुँ, अहाँ हमर सभक आवाज सुनलहुँ, अहाँ हमरा सभक आत्मा केँ तलवार सँ मुक्त केलहुँ, अहाँ हमरा सभ केँ अपन कृपा देखलहुँ, अहाँ हमरा सभ केँ अपन उद्धार देलहुँ, अहाँ हमरा सभक हृदय केँ अपन शक्ति सँ आनन्दित केलहुँ।
7 अहाँ हमरा सभक उद्धारक लेल निकललहुँ, अपन बाँहि सँ अपन लोक सभ केँ उद्धार केलहुँ। अहाँ अपन पवित्रताक आकाश सँ हमरा सभ केँ उत्तर देलियैक, दस हजार लोक सँ हमरा सभ केँ बचा लेलहुँ।
8 सूर्य आ चान स् वर्ग मे ठाढ़ छल, आ अहाँ हमरा सभक अत्याचारी सभक विरुद्ध अपन क्रोध मे ठाढ़ भऽ गेलहुँ आ हुनका सभ पर अपन न् याय करबाक आज्ञा देलहुँ।
9 पृथ् वीक सभ राजकुमार ठाढ़ भऽ गेलाह, जाति-जातिक राजा सभ एक ठाम जमा भऽ गेल छलाह, अहाँक सोझाँ मे ओ सभ नहि हिलल छलाह, अहाँक युद्धक इच्छा करैत छलाह।
10 अहाँ अपन क्रोध मे हुनका सभक विरुद्ध उठलहुँ आ हुनका सभ पर अपन क्रोध उतारलहुँ। अहाँ अपन क्रोध मे ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देलियैक आ अपन हृदय मे ओकरा सभ केँ काटि देलियैक।”
11 अहाँक क्रोधक कारणेँ जाति-जाति सभ समाप्त भऽ गेल अछि, अहाँक क्रोधक कारणेँ राज्य सभ क्षीण भऽ गेल अछि, अहाँ अपन क्रोधक दिन राजा सभकेँ घायल कए देलहुँ।
12 अहाँ अपन क्रोध हुनका सभ पर उझलि देलहुँ, अहाँक क्रोधित क्रोध हुनका सभ पर पकड़ि लेलक। अहाँ ओकरा सभक अधर्म ओकरा सभ पर घुमा देलियैक आ ओकरा सभक दुष्टता मे ओकरा सभ केँ काटि देलियैक।
13 ओ सभ एकटा जाल पसारि देलक, ओहि मे खसि पड़ल, जाल मे नुकायल, ओकर पैर फँसि गेल।
14 अहाँक हाथ अहाँक सभ शत्रु सभक लेल तैयार छल जे कहैत छल जे, “ओ सभ अपन तलवार सँ ओहि देश पर कब्जा कऽ

लेलक, अपन बाँहि सँ ओ सभ नगर मे रहि गेल। अहाँ ओकरा सभक मुँह लज्जा सँ भरि देलहुँ, ओकर सभक सींग जमीन पर उतारलहुँ, ओकरा सभ केँ अपन क्रोध मे आतंक देलहुँ आ अपन क्रोध मे ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देलहुँ।
15 ओकरा सभ पर अहाँक तूफानक आवाज सुनि धरती काँपि उठल आ काँपि उठल, अहाँ हुनका सभक प्राण केँ मृत्यु सँ नहि रोकलहुँ आ हुनका सभक प्राण केँ चिता मे उतारि देलहुँ।
16 अहाँ अपन तूफान मे ओकरा सभक पाछाँ-पाछाँ चललहुँ, अपन बवंडर मे ओकरा सभ केँ भस्म कऽ देलहुँ, ओकर सभक बरखा केँ ओला मे बदलि देलहुँ, ओ सभ गहींर गड्ढा मे खसि पड़ल जाहि सँ ओ सभ उठि नहि सकल।
17 ओकर सभक लाश बीचोबीच गली-गली मे फेकल कचरा जकाँ छल।
18 अहाँक क्रोध मे ओ सभ नष्ट भऽ गेल आ नष्ट भऽ गेल, अहाँ अपन सामर्थ् य सँ अपन लोक सभ केँ बचा लेलहुँ।
19 तेँ हमरा सभक मोन अहाँ पर आनन्दित होइत अछि, अहाँक उद्धार मे हमर सभक प्राण उदात्त होइत अछि।
20 हमर सभक जीह अहाँक पराक्रमक बात कहत, हम सभ अहाँक आश्चर्यकारक काज गाबय आ प्रशंसा करब।
21 किएक तँ अहाँ हमरा सभ केँ हमरा सभक शत्रु सभ सँ बचा लेलहुँ, हमरा सभक विरुद्ध उठल लोक सभ सँ उद्धार केलहुँ, ओकरा सभ केँ हमरा सभक सोझाँ सँ नष्ट कयलहुँ आ हमरा सभक पएरक नीचाँ ओकरा सभ केँ दबा देलहुँ।
22 हे प्रभु, एहि तरहेँ अहाँक सभ शत्रु नष्ट भऽ जायत, आ दुष्ट हवाक द्वारा धकेलल भूसा जकाँ भऽ जायत आ अहाँक प्रियजन पानिक कात मे रोपल गाछ जकाँ होयत।
23 तेँ यहोशू आ ओकरा संग समस्त इस्राएल सभ राजा सभ केँ मारि कऽ गिलगाल मे डेरा मे घुरि गेलाह, जाहि सँ हुनका सभ मे सँ एकोटा शेष नहि बचलनि।
24 पाँचटा राजा असगरे पैदल चलैत युद्ध सँ भागि गेलाह आ एकटा गुफा मे नुका गेलाह आ यहोशू युद्धक मैदान मे हुनका सभ केँ तकैत रहलाह, मुदा हुनका सभ केँ नहि भेटलनि।
25 तकर बाद यहोशू केँ कहल गेलनि जे, “राजा सभ भेटि गेलाह आ देखू, ओ सभ एकटा गुफा मे नुकायल छथि।”
26 यहोशू कहलथिन, “गुफाक मुहाना पर लोक सभ केँ नियुक्त करू जे ओकरा सभक पहरा देतैक, जाहि सँ ओ सभ अपना केँ नहि चलि जाय। इस्राएलक सन् तान सभ एना केलक।
27 यहोशू समस्त इस्राएल केँ बजा कऽ युद्धक अधिकारी सभ केँ कहलथिन, “अपन पएर एहि राजा सभक गरदनि पर राखू।”
28 तकर बाद यहोशू आज्ञा देलथिन जे राजा सभ केँ मारि कऽ गुफा मे फेकि दियौक आ गुफाक मुँह पर पैघ-पैघ पाथर लगा दियौक।
29 तकर बाद यहोशू ओहि दिन अपन संग रहनिहार सभ लोकक संग मकेदा गेलाह आ ओकरा तलवारक धार सँ मारि देलनि।
30 ओ नगरक प्राणी आ सभटा लोक सभ केँ एकदम सँ नष्ट कऽ देलथिन आ राजा आ ओकर लोक सभक संग जेना यरीहोक संग केने छलाह, तेना कयलनि।
31 ओतऽ सँ लिबना चलि गेलाह आ ओकरा सँ लड़लनि आ प्रभु ओकरा हाथ मे सौंप देलथिन आ यहोशू ओकरा आ ओकर सभ प्राणी केँ तलवारक धार सँ मारि देलथिन आ ओकरा आ ओकर राजा केँ सेहो ओहिना कयलनि जेना यरीहो पर केने छलाह।
32 ओतऽ सँ ओ लाकीश दिस बढ़लाह, गाजाक राजा होरम लाकीशक लोक सभक सहायता करबाक लेल चलि गेलाह आ यहोशू हुनका आ हुनकर लोक केँ ताबत धरि मारि देलनि जाबत धरि हुनका लेल कियो नहि बचल छलनि।
33 यहोशू लाकीश आ ओकर सभ लोक केँ पकड़ि लेलक आ ओकरा संग ओहिना कयलक जेना ओ लिबना केँ केने छल।
34 यहोशू ओतहि सँ एग्लोन दिस बढ़लाह आ ओहि ठाम सँ ओकरा आ ओकर सभ लोक केँ तलवारक धार सँ मारि देलनि।
35 ओतऽ सँ ओ हेब्रोन पहुँचि ओकरा सँ लड़ल आ ओकरा पकड़ि लेलक आ ओकरा एकदम नष्ट कऽ देलकैक, आ ओतऽ सँ ओ समस्त इस्राएलक संग देबीर घुरि कऽ ओकरा सँ लड़ि ओकरा तलवारक धार सँ मारि देलक।
36 ओ ओहि मे राखल सभ प्राणी केँ नष्ट कऽ देलनि, ककरो नहि बचलनि, आ ओकरा आ ओकर राजाक संग ओहिना कयलनि जेना यरीहोक संग केने छलाह।
37 यहोशू कादेश-बरनिया सँ लऽ कऽ अजा धरि अमोरी सभक सभ राजा सभ केँ मारि देलथिन आ ओ सभ तुरन्त हुनका सभक देश केँ अपना मे समेटि लेलनि, किएक तँ परमेश् वर इस्राएलक लेल लड़ने छलाह।
38 यहोशू समस्त इस्राएलक संग गिलगाल शिविर मे आबि गेलाह।
39 ओहि समय जखन चसोरक राजा याबिन यहोशूक अमोरी राजा सभक संग कयल गेल सभ काज सुनलनि, तखन याबिन मिद्यानक राजा योबत, शिमरोनक राजा लाबान, अचशाफक राजा याफाल आ अमोरी सभक सभ राजा सभ लग पठौलनि।
40 जल्दी-जल्दी हमरा सभक लग आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू, जाहि सँ हम सभ इस्राएलक सन् तान सभ केँ मारि दऽ सकब, जखन कि ओ सभ हमरा सभ पर आबि कऽ हमरा सभक संग ओहिना कऽ सकब जेना ओ सभ अमोरी सभक आन राजा सभक संग केने छल।
41 ई सभ राजा चसोरक राजा याबीनक बात सुनलनि आ ओ सभ अपन सभ शिविरक संग सत्रह राजा आ समुद्रक कात मे बालु जकाँ बेसी लोकक संग घोड़ा आ रथक संग असंख्य घोड़ा आ रथ सभक संग विदा भेलाह आ ओ सभ आबि कऽ मेरोमक पानि मे एक संग ठाढ़ भ' गेलाह आ इस्राएलक विरुद्ध लड़बाक लेल एक संग बैसि गेलाह।
42 परमेश् वर यहोशू केँ कहलथिन, “ओहि सभ सँ नहि डेराउ, किएक तँ काल्हि हम हुनका सभ केँ अहाँक समक्ष मे मारल गेल सभ केँ सौंपि देब, अहाँ हुनका सभक घोड़ा केँ कूदब आ हुनकर रथ केँ आगि मे जरा देब।”
43 यहोशू सभ युद्धकर्मीक संग अचानक हुनका सभ पर आबि हुनका सभ केँ मारि देलकनि आ ओ सभ हुनका सभक हाथ मे खसि पड़लाह, किएक तँ परमेश् वर हुनका सभ केँ इस्राएली सभक हाथ मे सौंपने छलाह।
44 इस्राएलक सन्तान सभ एहि सभ राजा सभ केँ अपन-अपन डेरा सभक संग पाछाँ-पाछाँ मारि देलक आ जाबत धरि ओकरा सभ मे सँ कियो नहि बचल ताबत धरि मारि देलक आ यहोशू ओकरा सभक संग ओहिना कयलक जेना परमेश् वर हुनका सँ कहने छलाह।
45 ओहि समय यहोशू चसोर घुरि कऽ ओकरा तलवार सँ मारि देलक आ ओहि मे राखल सभ प्राणी केँ नष्ट कऽ देलक आ

ओकरा आगि मे जरा देलक आ चासोर सँ यहोशू शिम्रोन दिस बढ़ि ओकरा मारि कऽ ओकरा एकदम सँ नष्ट कऽ देलक।
46 ओतऽ सँ ओ अचशाफ पहुँचलाह आ ओहि ठामक संग ओहिना कयलनि जेना ओ शिम्रोनक संग केने छलाह।
47 ओतऽ सँ ओ अदुलम दिस बढ़लाह आ ओहि मे सँ सभ लोक कें मारि देलनि आ अदुलम कें सेहो ओहिना कयलनि जेना ओ अखशाफ आ शिम्रोन कें केने छलाह।
48 ओ सभ ओहि राजा सभक नगर मे जा कऽ जे राजा सभ कें मारि देने छलाह, तकरा सभ कें मारि देलथिन आ ओकरा सभ कें एकदम सँ नष्ट कऽ देलथिन।
49 इस्राएली सभ मात्र ओकर लूट आ माल-जाल कें अपना लेल शिकार बना लेलक, मुदा हरेक मनुष्य कें मारि देलक, ओ सभ एको प्राणी कें जीबऽ नहि देलक।
"
51 यहोशू आ सभ इस्राएलक सन् तान सभ परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार पूरा कनान देश कें मारि देलक आ एकतीस राजाक संग ओकर सभ राजा कें मारि देलक आ इस्राएलक सन् तान सभ ओकर पूरा देश कें अपना मे समेटि लेलक।
52 एकर अतिरिक्त सीहोन आ ओगक राज्य जे यरदनक कात मे अछि, जाहि मे मूसा बहुतो नगर कें मारि देने छलाह, आ मूसा ओ सभ रूबेनी आ गादी आ मनश्शेक आधा गोत्र कें दऽ देलनि।
53 यहोशू पश्चिम दिस यरदन कात मे रहनिहार सभ राजा सभ कें मारि देलथिन आ ओकरा सभ कें इस्राएलक नौ गोत्र आ आधा गोत्र कें उत्तराधिकार मे दऽ देलथिन।
54 यहोशू पाँच वर्ष धरि एहि राजा सभक संग युद्ध करैत रहलाह आ ओकर सभक नगर इस्राएली सभ कें दऽ देलनि आ अमोरी आ कनानी सभक नगर सभ मे युद्धक कारणें देश शान्त भऽ गेल।

अध्याय 90

1 इस्राएलक सन् तान सभ यरदन पार कयलाक पाँचम वर्ष मे, इस्राएलक सन् तान सभ कनान सभक संग युद्ध सँ विश्राम कयलाक बाद, ओहि समय मे एदोम आ कित्तीमक सन् तान सभक बीच पैघ आ कठोर युद्ध भेल आ कित्तीमक सन् तान सभ एदोम सँ लड़ल।
2 कित्तीमक राजा अबियानुस ओहि वर्ष अर्थात् अपन शासनक एकतीसम वर्ष मे आ कित्तीमक वंशजक पराक्रमी सभक एकटा पैघ सेना हुनका संग निकलि गेलाह आ ओ एसावक सन् तान सभक संग लड़बाक लेल सेइर गेलाह।
3 एदोमक राजा हदद हुनकर खबरि सुनि ओ भारी लोक आ बलवान सेनाक संग हुनका सँ भेंट करय लेल निकलि गेलाह आ एदोमक खेत मे हुनका संग युद्ध मे लागि गेलाह।
4 कित्तीमक हाथ एसावक सन् तान सभ पर हावी भऽ गेल आ कित्तीमक सन् तान सभ एसावक सन् तान मे सँ दू-बीस हजार आदमी कें मारि देलक आ एसावक सभ सन् तान हुनका सभक सामने सँ भागि गेल।
5 कित्तीमक लोक सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ चललनि आ ओ सभ एदोमक राजा हदाद लग पहुँचि गेलाह जे हुनका सभक आगू-पाछू दौड़ि रहल छलाह आ ओ सभ हुनका जीवित पकड़ि कऽ कित्तीमक राजा अबियानुस लग लऽ गेलाह।
6 अबियानस हुनका मारबाक आदेश देलथिन आ एदोमक राजा हदाद अपन शासनक अड़तालीसम वर्ष मे मरि गेलाह।
7 कित्तीमक सन् तान सभ एदोमक पाछाँ-पाछाँ चलैत रहल आ ओ सभ ओकरा सभ कें बहुत मारि देलक आ एदोम कित्तीमक सन् तान सभक अधीन भऽ गेल।
8 कित्तीमक सन् तान सभ एदोम पर शासन केलक आ एदोम कित्तीमक सन् तान सभक हाथ मे आबि गेल आ ओहि दिन सँ एक राज्य बनि गेल।
9 ओहि समय सँ ओ सभ आब माथ नहि उठा सकलाह आ हुनकर सभक राज्य कित्तीमक सन् तान सभक संग एक भऽ गेलनि।
10 अबियानस एदोम मे अधिकारी सभ राखि देलथिन आ एदोमक सभ सन् तान अबियानसक अधीन भऽ गेलाह आ अबियानस अपन देश कित्तीम दिस घुरि गेलाह।
11 जखन ओ घुरला पर ओ अपन शासन कें नवीकरण कयलनि आ अपना लेल एकटा विशाल आ गढ़वाली महल बनौलनि जे राजकीय निवासक लेल बनौलनि।
12 ओहि समय मे इस्राएलक सन् तान सभ कनान आ अमोरी सभ कें भगा देलाक बाद यहोशू बूढ़ आ बूढ़ भऽ गेलाह।
13 परमेश् वर यहोशू कें कहलथिन, "अहाँ बूढ़ छी, जीवन मे उन्नत भऽ गेल छी आ एहि देशक बहुत रास भाग कब्जा करबाक अछि।"
14 आब एहि देश कें नौ गोत्र आ मनश्शेक आधा गोत्र मे उत्तराधिकार मे बाँटि दियौक, तखन यहोशू उठि कऽ प्रभुक कहलानुसार काज कयलनि।
15 ओ समस्त देश इस्राएलक गोत्र सभक विभाजनक अनुसार उत्तराधिकारक रूप मे बाँटि देलनि।
16 मुदा लेवीक गोत्र कें ओ कोनो उत्तराधिकार नहि देलनि, प्रभुक बलिदान हुनका सभक उत्तराधिकार अछि जेना प्रभु मूसा द्वारा हुनका सभक विषय मे कहने छलाह।
17 यहोशू यफूनक पुत्र कालेब कें हेब्रोन पर्वत कें देलथिन, जे अपन भाय सभ सँ एक भाग बेसी छल, जेना कि परमेश् वर मूसाक माध्यमे कहने छलाह।
18 तें हेब्रोन आइ धरि कालेब आ ओकर सन्तान सभक उत्तराधिकार बनि गेल।
19 यहोशू पूरा देश कें चिट्ठी मे बाँटि कऽ समस्त इस्राएल कें उत्तराधिकारक रूप मे बाँटि देलथिन, जेना कि परमेश् वर हुनका आज्ञा देने छलाह।
20 इस्राएलक सन् तान सभ लेवी सभ कें अपन उत्तराधिकार सँ नगर आ पशु-पक्षी आ सम् पत्तिक लेल चरबाह दऽ देलक, जेना कि परमेश् वर मूसा कें आज्ञा देने छलाह, इस्राएलक सन् तान सभ कें एहि तरहें कयल गेल।
21 ओ सभ अपन सीमाक अनुसार देशक उत्तराधिकारी बनय लेल गेलाह आ इस्राएलक सन्तान नूनक पुत्र यहोशू कें हुनका सभक बीच उत्तराधिकार देलकनि।
22 परमेश् वरक वचन द्वारा ओ सभ हुनका ओहि नगर कें दऽ देलथिन जकरा ओ माँगने छलाह, एप्रैम पर्वत मे तिमनाथ-सेराच, आ ओ शहरक निर्माण कऽ कऽ ओतहि रहि गेलाह।
23 ई सभ ओ उत्तराधिकार अछि जे एलाजर पुरोहित आ नूनक पुत्र यहोशू आ गोत्रक पूर्वज सभक मुखिया सभ इस्राएलक सन् तान सभ कें शिलो मे, प्रभुक समक्ष तम्बूक दरबज्जा पर चिट्ठी द्वारा बाँटि देलनि आ ओ सभ देशक बँटवारा छोड़ि देलनि।

24 परमेश् वर एहि भूमि कें इस्राएली सभ कें दऽ देलथिन आ ओ सभ ओहि भूमि कें ओहिना अपना लेलक जेना परमेश् वर हुनका सभ कें कहने छलाह आ जेना प्रभु हुनका सभक पूर्वज सभ कें शपथ देने छलाह।
25 परमेश् वर इस्राएली सभ कें ओकर चारूकातक सभ शत्रु सभ सँ विश्राम देलनि, आ कियो हुनका सभक विरुद्ध नहि ठाढ़ भेलाह, आ प्रभु हुनका सभक सभ शत्रु कें हुनका सभक हाथ मे सौंप देलनि, आ प्रभु इस्राएलक सन् तान सभक संग जे सभ नीक बात कहलनि, ताहि मे सँ एको बात असफल नहि भेल, हँ, प्रभु सभ काज कयलनि।
26 यहोशू सभ इस्राएलक लोक कें बजा कऽ आशीर्वाद देलथिन आ हुनका सभ कें प्रभुक सेवा करबाक आज्ञा देलनि, आ तकर बाद ओ सभ हुनका सभ कें विदा कयलनि आ ओ सभ एक-एकटा अपन-अपन नगर आ एक-एक गोटे अपन-अपन उत्तराधिकार दिस विदा भेलाह।
27 इस्राएलक लोक सभ यहोशूक भरि दिन परमेश् वरक सेवा करैत रहलाह आ प्रभु हुनका सभ कें चारू कात सँ विश्राम दऽ देलनि आ ओ सभ अपन-अपन नगर सभ मे सुरक्षित रहि गेलाह।
28 ओहि दिन मे कित्तीमक राजा अबियानस हुनकर शासनक अड़तीसम वर्ष मे मरि गेलाह, यानी हुनकर एदोम पर शासन करबाक सातम वर्ष मे, आ ओ सभ हुनका ओहि स्थान पर दफना देलनि जे ओ अपना लेल बनौने छलाह आ लैटिनस हुनकर स्थान पर पचास वर्ष धरि राज केलनि।
29 अपन शासन काल मे ओ एकटा सेना लऽ कऽ गेलाह आ जावनक पुत्र एलीशाक सन् तान ब्रिटानिया आ कर्नानियाक निवासी सभ सँ लड़लनि।
30 तखन ओ सुनलनि जे एदोम कित्तीमक हाथक नीचाँ सँ विद्रोह कऽ गेल अछि, आ लैटिनस हुनका सभ लग जा कऽ हुनका सभ कें मारि कऽ वश मे कऽ देलक आ कित्तीमक सन्तान सभक हाथ मे राखि देलक आ एदोम भरि दिन कित्तीमक सन्तान सभक संग एक राज्य बनि गेल।
31 बहुत वर्ष धरि एदोम मे कोनो राजा नहि छल आ ओकर सभक शासन कित्तीम आ ओकर राजाक संग छल।
32 इस्राएलक सन्तान सभक यरदन नदी पार कयलाक छब्बीसम वर्ष मे, इस्राएलक सन् तान सभक मिस्र सँ विदा भेलाक छियासठम वर्ष मे, यहोशू बूढ़ भऽ गेलाह, ओहि समय मे एक सय आठ वर्षक छलाह।
33 यहोशू समस्त इस्राएल कें, ओकर सभक बुजुर्ग, ओकर न्यायाधीश आ अधिकारी सभ कें बजा लेलथिन, जखन परमेश् वर सभ इस्राएली सभ कें चारू कातक सभ शत्रु सभ सँ विश्राम दऽ देलथिन, आ यहोशू इस्राएलक बूढ़-पुरान सभ कें आ ओकर सभक न्यायाधीश सभ कें कहलथिन, "देखू, हम बूढ़ छी, वर्ष मे बढ़ि गेल छी, आ अहाँ सभ देखलहुँ जे प्रभु ओहि सभ जाति सभक संग की कयलनि, जकरा ओ अहाँ सभक सोझाँ सँ भगा देने छथि, किएक तँ ई प्रभु छथि जे लड़ल छथि।" अहाँ क लेल।
34 आब अपना कें मजबूत करू जे मूसाक व्यवस्थाक सभ वचन कें पालन आ पालन करबाक लेल, एहि सँ दहिना वा बामा दिस नहि हटब आ ओहि देश मे बचल जाति सभक बीच नहि आबि जाउ। आ ने हुनका सभक देवता सभक नाम नहि लेब, बल् कि अहाँ सभ अपना परमेश् वर परमेश् वर सँ चिपकल रहब, जेना आइ धरि करैत छी।
35 यहोशू इस्राएलक लोक सभ कें बहुत आग्रह कयलनि जे ओ सभ दिन प्रभुक सेवा करथि।
36 सभ इस्राएली कहलथिन, "हम सभ दिन भरि अपन परमेश् वरक सेवा करब।
37 ओहि दिन यहोशू लोक सभक संग एकटा वाचा कयलनि आ इस्राएलक लोक सभ कें विदा कयलनि आ ओ सभ एक-एकटा अपन उत्तराधिकार आ अपन नगर दिस विदा भेलाह।
38 ओहि समय मे जखन इस्राएलक लोक सभ अपन-अपन नगर मे सुरक्षित रहैत छल, तखन ओ सभ अपन पूर्वजक गोत्रक चिता सभ कें गाड़ि देलक जे ओ सभ मिस्र सँ अनने छल, एक-एकटा अपन संतानक उत्तराधिकार मे याकूबक बारह पुत्र इस्राएलक लोक सभ अपन-अपन संतानक सम्पत्ति मे गाड़ि देलक।
39 ई सभ ओहि नगर सभक नाम अछि जाहि मे ओ सभ याकूबक बारह पुत्र कें दफना देलनि, जिनका इस्राएलक लोक मिस्र सँ अनने छल।
40 ओ सभ रूबेन आ गाद कें यरदनक कात रोमिया मे दफना देलक जे मूसा हुनका सभक सन्तान कें देने छलाह।
"
42 ओ सभ यहूदा कें बेतलेहेमक समक्ष बिन्यामीन नगर मे दफना देलनि।
43 इस्साकर आ जबबुलनक हड्डी कें ओ सभ सिदोन मे गाड़ि देलक जे ओकर सभक सन्तान सभक हाथ मे पड़ल छलैक।
"
45 ओ सभ यूसुफक हड्डी सभ शेकेम मे गाड़ि देलक जे याकूब हामोर सँ कीनल गेल छल आ जे यूसुफक उत्तराधिकारक रूप मे बनि गेल छल।
46 ओ सभ यरूशलेम मे यरूशलेम मे बिन्यामीन कें गाड़ि देलक जे यबूसी लोक कें देल गेल छल। इस्राएली सभ अपन-अपन पूर्वज कें अपन-अपन संतानक नगर मे दफना देलक।
47 दू वर्षक अंत मे नूनक पुत्र यहोशू एक सय दस वर्षक मरि गेलाह आ यहोशू इस्राएलक न् याय करबाक समय अट्ठाईस वर्ष छल आ इस्राएल अपन जीवन भरि प्रभुक सेवा करैत रहलाह।
"
49 इस्राएली सभ यहोशू कें अपन उत्तराधिकारक सीमा मे तिमनाथ-सेराच मे दफना देलक जे ओकरा एप्रैम पहाड़ पर देल गेल छलैक।
50 ओहि समय मे हारूनक पुत्र एलाजेर मरि गेलाह आ ओ सभ हुनका एप्रैम पहाड़ पर हुनकर पुत्र फिनियसक एकटा पहाड़ी पर गाड़ि देलनि।

अध्याय 91

1 ओहि समय मे यहोशूक मृत्युक बाद कनानक सन् तान सभ एखनो ओहि देश मे छल आ इस्राएली सभ ओकरा सभ कें भगा देबाक संकल्प कयलक।
2 इस्राएलक सन् तान सभ प्रभु सँ पुछलथिन, "हमरा सभक लेल पहिने कनान लोक सभ लग के जा कऽ हुनका सभक विरुद्ध लड़त?" प्रभु कहलथिन, "यहूदा चढ़त।"
3 यहूदाक लोक सभ शिमोन कें कहलथिन, "हमरा सभक संग हमरा सभक भाग मे चलि जाउ, आ हम सभ कनान लोक सभक संग लड़ब आ हम सभ तहिना अहाँक भाग मे अहाँ सभक संग

चलि जायब, तेँ शिमोनक लोक सभ यहूदाक लोक सभक संग
चलि गेलाह।
4 यहूदाक लोक सभ चढ़ि कऽ कनानी सभ सँ लड़लनि, तेँ
परमेश् वर कनानी सभ केँ यहूदाक लोक सभक हाथ मे सौंप
देलनि आ ओ सभ बेजक मे दस हजार आदमी केँ मारि देलनि।
5 ओ सभ बेजक मे अदोनीबेजक संग लड़लनि, आ ओ हुनका
सभक आगू सँ भागि गेलाह, आ ओ सभ हुनका पाछाँ-पाछाँ
चललनि आ पकड़ि लेलनि आ हुनका पकड़ि लेलनि आ हुनकर
अंगूठा आ पैघ-पैघ आँगुर काटि लेलनि।
6 अदोनिबेजक कहलथिन, "तीन दस राजाक अंगूठा आ पैरक
आँगुर काटि कऽ हमर टेबुलक नीचाँ अपन भोजन जमा कयलनि,
जेना हम केने छी, तेँ परमेश् वर हमरा प्रतिकार कयलनि आ ओ
सभ हुनका यरूशलेम अनलनि आ ओतहि मरि गेलाह।"
7 शिमोनक लोक सभ यहूदाक सन् तान सभक संग गेल आ ओ
सभ कनानी सभ केँ तलवारक धार सँ मारि देलक।
8 परमेश् वर यहूदाक सन् तान सभक संग छलाह आ ओ सभ
ओहि पहाड़ पर कब्जा कऽ लेलनि आ यूसुफक सन् तान सभ
बेथेल मे चढ़ि गेलाह, जे लूज अछि आ प्रभु हुनका सभक संग
छलाह।
9 यूसुफक सन्तान सभ बेथेल मे जासूसी केलक आ चौकीदार
सभ एकटा आदमी केँ नगर सँ निकलैत देखलक आ ओकरा
पकड़ि कऽ कहलक, "हमरा सभ केँ शहरक प्रवेश द्वार देखाउ
आ हम सभ अहाँ पर दया करब।"
10 ओ आदमी ओकरा सभ केँ नगरक प्रवेश द्वार देखौलक आ
यूसुफक सन् तान सभ आबि कऽ तलवारक धार सँ नगर केँ मारि
देलक।
11 ओहि आदमी केँ अपन परिवारक संग विदा कयलनि, आ ओ
हित्ती सभ लग गेलाह आ ओ एकटा नगर बनौलनि आ ओकर
नाम लूज रखलनि, तेँ सभ इस्राएली सभ अपन-अपन नगर मे रहि
गेलाह, आ इस्राएलक बच्चा सभ अपन-अपन नगर मे रहि गेलाह,
आ इस्राएलक संतान सभ यहोशूक भरि दिन, आ ओहि बुजुर्ग
सभक दिन मे प्रभुक सेवा करैत रहलाह, जे यहोशूक बाद अपन
दिन लम्बा कएने छलाह, आ ओहि महान काज केँ देखलनि प्रभु,
जे ओ इस्राएलक लेल केने छलाह।
12 यहोशूक मृत्युक बाद प्राचीन सभ सत्रह वर्ष धरि इस्राएलक
न्याय कयलनि।
13 सभ प्राचीन लोकनि सेहो इस्राएलक युद्ध कनानी सभक
विरुद्ध लड़लनि आ परमेश् वर कनानी सभ केँ इस्राएलक सन्
तान सभक सामने सँ भगा देलनि, जाहि सँ इस्राएली सभ केँ अपन
देश मे राखल जा सकय।
14 ओ अब्राहम, इसहाक आ याकूब केँ जे सभ बात कहने छलाह,
आ ओहि शपथ केँ पूरा कयलनि जे ओ हुनका सभ केँ आ हुनकर
सभक सन् तान सभ केँ, कनानी सभक देश केँ देबाक शपथ लेने
छलाह।
15 परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ पूरा कनान देश दऽ
देलथिन, जेना ओ हुनका सभक पूर्वज सभ केँ शपथ देने छलाह,
आ परमेश् वर हुनका सभ केँ चारूकातक लोक सभ सँ विश्राम
दऽ देलनि आ इस्राएलक सन् तान सभ अपन नगर सभ मे
सुरक्षित रहि गेलाह।
16 प्रभु केँ सदाक लेल धन्य होउ, आमीन आ आमीन।
17 अपना केँ मजगूत बनाउ, आ प्रभु पर भरोसा करनिहार सभक
हृदय मे साहस हो। अंत।